ספר שמות Exodus

Formatting by Nathan Kasimer

With the Targum, 1917 JPS Translation, and Rashi

©Nathan Kasimer, 2021 (5782). This text may be re-used under the terms of the Creative Commons Sharealike 2.0 license (CC-BY-SA). This book includes the following texts:

- Miqra According to the Masora
 - License: CC-BY-SA
 - Source: https://he.wikisource.org/wiki/מקרא_על_פּי_מסורה
- Targum Onkelos, vocalized according to the Yemenite Taj
 - License: CC-BY-SA
 - Source: https://he.wikisource.org/wiki/תרגום אונקלוס
- Rashi Chumash, Metsudah Publications, 2009
 - License: CC-BY

All these texts were retreived from Sefaria. It was typeset and formatted using LaTeX, using the Shlomo font by Shlomo Orbach from https://sites.google.com/site/orlaeinayim/download and the EB Garamond font by Georg Duffner from http://www.georgduffner.at/ebgaramond/index.html. Both of these were used under the terms of the SIL Open Font License.

תוכן העניינים

| v | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | In | tro | odı | ıct | ion |
|---------------------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|---|---|---|---|---|---|---|---|--|-----|---|--|-----|------------|----------|-------------|------|-------------------|----------------|-----|
| 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ח. | וכזר | נש | שח | פרי |
| 21 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 8 | 7 | ۲٦ <u>۱</u> | שח | פרי |
| 39 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 8 | ב ב | שח | פרי |
| 58 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ì | Π, | שי | ם ב | שח | פרי |
| 80 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ٦' | זר | ניר | שח | פרי |
| 95 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ì | ים | ರಿಕ | שכ | ו מ | שח | פרי |
| 116 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | , | בזד' | רו | ות | שח | פרי |
| 134 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | Π | צו | ות | שח | פרי |
| 151 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | * | זש | י ר | | שח | פרי |
| 175 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ٦, | קד | ן רי | שח | פרי |
| 190 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 | קו | ב פ | שח | פרי |
| 202 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 8- | קר | ן רי | שח | פרי |
| 204 204 205 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | . • | ٠ | | • | | . [| זיב | 7.5 | | שי | שיר |
| 206 206 208 210 212 | • | • | • | • | • | • | • | • | • | • | • | • | • | | • | • | • | • | • | • | • | • | | • | | | . : | % - | 78 8: | ז ר: ז ב | | במו במו במו | הפ הפ הפ | הפּ |

ספר שמות – Introduction

| 217 | | ٠ | ٠ | | ٠ | | ٠ | ٠ | | | | ٠ | ٠ | ٠ | | | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | | ٠ | | ٠ | | | | | | 7 | תו | , | | 205 | הנ |
|-----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|----|-----|----|-----|------|-----|-----|----|----|-----|-----|
| 219 | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ | | ٠ | | יזרו | פֿו | מש | 7 | | ٤٥ | הנ |
| 221 | | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ | Πi | וני | ٦٢ | 7 | | בֿמ | הנ |
| 223 | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ | | ٠ | ٠ | . : | וה | זצ | 1 | | ٤٥ | הנ |
| 225 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 229 | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | _ | Π | ייק | 1 | | פֿט | הנ |
| 230 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 233 | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | | | | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | 1 | 27- | רד | П | ٧ | 8 | ן ר | | ישו | 7 | יר | במ | בזנ |
| 233 | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | Ü | 7 | П | V | 78 | | Π | שב | , | | Ξ۵ | הנ |
| 236 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 238 | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | '•د | 71 | שכ | , | עו | ٦E | 1 | | פֿט | הנ |
| 240 | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | • | • | ור | 70 | ח | 27 | פו |
| 240 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 244 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 246 | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | j | 7 | 15 | 1 | 122 | ٦E | 7 | | Ξ۵ | הו |
| 248 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 7 | די | זר | 1.7 | | לטו | ٦Ē | | | במ | הנ |

Introduction

This humash is intended primarily for learning *Shnayim Mikra veEchad Targum*, but to be versatile enough to be usable in a synagogue. To that end, it includes multiple texts used as the "Targum"—Targum Onkelos itself, the commentary of Rashi, and a translation into English. For Haftarot, special Maftir portions, and Shabbat Minḥa readings, only Hebrew and English are printed, since these sections are included for ease of use in synagogues rather than for study use.

The text of the Torah itself is from the *Mikra al pi Masorah* project. The text was selected for its open licensing, extensive source documentation, and accuracy in presenting the masoretic text. The text of Targum is the Wikisource Targum, which is based on Yemenite texts (particularly the 1901 edition of the Taj). It was selected for its accurate vocalization. The English translation is the 1917 JPS translation, and text of Rashi is from the Metzudah edition. All these texts were retrieved from Sefaria. Data for aliya divisions, haftarot, and lengths of parshiyot was pulled from Hebcal. Information on which special *Maftir* and *Haftarot* can occur on which Sabbaths is from the Koren Shabbat Chumash.

This text has minimal notations about various textual differences in the Masoretic text of the Torah. For information where this text varies from others, see the notes of the *Mikra al pi Masorah* project, or notes in *Minḥat Shai*. The *Mikra al pi Masorah* project also has information in its notes about variations in customs about where to divide aliyot. Kamatz Katan is indicated with a special symbol for the text of the Torah, but not in the text of the Targum.

I hope this text will be helpful to those who use it.

NOW THESE are the names of the I sons of Israel, who came into Egypt with Jacob; every man came with his household:

דעאלו למצרים עם יעקב וּבָר וַאֲנַשׁ בֵּיתֵיהּ עַאלוּ:

ואלה שמות בני ישראל הבאים יִמָה אָת יַעַקְב אֵישׁ וּבִיתוֹ

Reuben, Simeon, Levi, and Judah;

ראובן שִׁמִעוֹן לַוִי וִיהוּדַה:

ראובן שמעון לוי ויהודה:

Issachar, Zebulun, and Benjamin;

יששכר זבולון ובנימין:

יִשָּׁשכֶר זְבוּלֵן וּבְנִימֵן:

Dan and Naphtali, Gad and Asher.

דו ונפתלי גד ואשר:

בן ונפתלי גד ואשר:בן ונפתלי גד ואשר:

And all the souls that came out of 5 the loins of Jacob were seventy souls; and Joseph was in Egypt already.

והואָה כַּל נִפְשַׁתַא נָפָקֵי יִרְכָּא

עים נפש ויוסף הנה

And Joseph died, and all his brethren, and all that generation.

And the children of Israel were fruitful, and increased abundantly, and multiplied, and waxed exceeding mighty; and the land was filled with them.

ובני ישראל נפישו ואתילדו וּסְגִיאוּ וּתָקִיפוּ לַחָדַא לַחָדַא וָאָתָמַלִיאַת אַרעַא מִנָּהוֹן:

ובני ישראל פרו נישרצו נירבו

Now there arose a new king over Egypt, who knew not Joseph.

מַלְדְ־חָדָשׁ עַל־מַצְרָיִם וְקָם מַלְכַּא חַדָּתָּא עַל מַצְרָיִם דַלָא מִקַיֵּים גְזֵירַת יוֹסֶף:

אַשר לא־יַדָע אָת־יוֹסָף:

And he said unto his people: 9 'Behold, the people of the children of Israel are too many and too mighty for us;

ישראל סגן ותקפין מננא:

וַיִּאמַר אֵל־עַמָּוֹ הָנַּה עַם בְּנֵי וַאֲמַר לְעַמֵּיה הָא עַמָּא בְּנֵי ישראל רב ועצום ממנו:

come, let us deal wisely with them, lest they multiply, and it come to pass, that, when there befalleth us any war, they also join themselves unto our enemies, and fight against us, and get them up out of the land.'

ונלחַם־בַּנוּ וִעַלַה מָן־הָאָוֵ

(1) ואלה שמות בני ישראל. אע"פ שמנאן בחייהן בשמותם, חזר ומנאן במיתתן, להודיע חבתן שנמשלו לכוכבים, שמוליאן ומכניסן במספר ובשמוחם, שנאמר המוליא במספר לבאם לכלם בשם יהרא (ישעי' מ, כו. שמו"ר א, ג):

(5) ויוסף היה במצרים. והלא הוא ובניו היו בכלל שבעים, ומה בא ללמדנו, וכי לא היינו יודעים שהוא היה במלרים, אלא להודיעך לדקתו של יוסף, הוא יוסף הרועה את לאן אביו, הוא יוסף שהיה במלרים ונעשה מלך ועמד בלדקו:

(7) וישרצו. שהיו יולדות ששה נכרס חחד:

(8) ויקם מלך חדש. רב ושמואל, חד אמר חדש ממש, וחד אמר שנתחדשו גזירותיו (סוטה יא.): עשה עלמו כאלו לא ידע:

(10) הבה נתחכמה לו. כל הנה לשון הכנה והומנה לְדַבֶּר הוא, כלומר הומינו עצמיכם לכך: נתחכמה לו. לעם,

Therefore they did set over them taskmasters to afflict them with their burdens. And they built for Pharaoh store-cities, Pithom and Raamses.

But the more they afflicted them, the more they multiplied and the more they spread abroad. And they were adread because of the children of Israel

And the Egyptians made the ¹³ children of Israel to serve with rigour.

And they made their lives bitter with hard service, in mortar and in brick, and in all manner of service in the field; in all their service, wherein they made them serve with rigour.

And the king of Egypt spoke to the
Hebrew midwives, of whom the
name of the one was Shiphrah, and
the name of the other Puah;

and he said: 'When ye do the office of a midwife to the Hebrew women, ye shall look upon the birthstool: if it be a son, then ye shall kill him; but if it be a daughter, then she shall live.'

וּמַנִּיאוּ עֲלֵיהוֹן שִׁלְטוֹנִין מַרְאָשִׁין בְּדִיל לְעַנּוֹאֵיהוֹן בְּפוּלְחָנְהוֹן וּבְנוֹ קַרְנֵי בֵּית אוֹצְרֵי לְפַּרְעֹה יָת פִּיתוֹם וְיָת רעמסס:

וּכְמָא דִּמְעַנּן לְהוֹן כֵּן סָגַן וְכֵן תָּקְפִּין וְעַקַת לְמִצְרָאֵי מִן קָדָם בָּנֵי יִשְׂרָאֵל:

וְאַפְּלַחוּ מִצְּרָאֵי יָת בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל בָּקַשִּׁיוּ:

וְאַמַּרוּ יָת חַיֵּיהוֹן בְּפּוּלְחָנָא קשִׁיָא בְּטִינָא וּבְלִבְנִי וּבְכָל פּוּלְחָנָא בְּחַקְלָא יָת כָּל בּוּלְחָנָהוֹן דְאַפְּלַחוּ בְּהוֹן בִּקשִׁיוּ:

נְאָמַר מַלְכָּא דְּמִצְרִים לְחָיָתָא יְהוּדַיָּתָא דְּשׁוֹם חֲדָא שִׁפְּרָה וְשׁוֹם תִּנְיֵיתָא פּוּעָה:

נאָמַר כּד תּהְוֹיֶין מְיַלְּדָן יָת יְהוּדִיָתָא וְתִּחְיָיִין עַל מַתְבְּרָא אָם בְּרָא הוּא וְתִקְּשְׁלָן יָתֵיה וְאָם בְּרַתָּא הִיא מְּקַיִּיטְנַה:

וַיָּשֵּׁימוּ עָלָיוֹ שָׁרֵי מִסִּׁים לְמַעַן עַנֹּתְוֹ בְּסִבְלֹתָם וַיִּבֶן עָרֵי מִסְכְּנוֹת לְפַּרְעֹה אֶת־בִּּתִם וְאֶת־רַעַמְסֵס:

ִיפָּלִץ וַיָּלְצוּ מִפְּנֵי בְּנֵי יִשְׂרָאֵל: וְכַאֲשֶׁר ִיִּעְנַּוּ אֹתְוֹ כֵּן יִרְבֶּה וְכֵּן

_{זכאל} וַיַּעֲבֶּדוּ מִצְרָיִם אֶת־בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל בָּבֵּרִדּ:

נִיְמָּרְרֹּוּ אֶת־חַיֵּיהֶׁם בַּעֲבֹרָה ' קְשָּׁה בְּחֹמֶר וּבִלְבַנִּים וּבְכָּל־ עֲבֹרָה בַּשָּׁדָה אֵת כְּל-עֲבָּדָהָם אֲשֶׁר-עָבְרָוּ בָהֶם בְּפֵּרָף:

ַניּאמֶר מָלֶךְ מִצְלֵים לְמְיִלְּדָת הַעִּבְרִיֹּת אֲשֶׁר שֵׁם הֵאַחַת שִׁפְּרָה וְשֵׁם הַשֵּׁנִית פּוּעָה:

וַיּאמֶר בְּיֵלֶדְכֶן אֶת־הֶעִבְרִיּּוֹת הוֹא וַהֲמָתֵּן אֹתוֹ וְאִם־בָּת הָוֹא הוֹא וַהֲמָתָּן אֹתוֹ וְאִם־בָּת הָוֹא וחיה:

נתחכמה מה לעשות לו. ורבותינו דרשו, נתחכם למושיען של ישראל לדונם במים, שכבר נשבע שלא יביא מבול לעולם (שמו"ר א, יא). (והם לא הבינו שעל כל העולם אינו מביא, אבל הוא מביא על אומה אחת. ברש"י ישן): ועלה מן הארץ. על כרחנו. ורבותינו דרשו, כאדם שמקלל עלמו, וחולה קללחו באחרים, והרי הוא כאלו כמב וְעַלִינוֹ מן הארץ והם יירשוה:

- (11) עליו. על העס: מסים. לשון מס, שרים שגובין מהם המס. ומהו המס, שיבנו ערי מסכנות לפרעה: למען ענותו בסבלתם. של מזרים: ערי מסכנות. כתרגומו, וכן לֶךְ בֹּח אֶל הַסַּכֵן הַזֶּה (ישעי' כב, טו), גזבר הממונה על האוזרות (שמו"ר א, יד): את פתום ואת רעמסס. שלא היו ראויות מתחלה לכך, ועשאום חזקות ובזורות לאוזר:
- (12) וכאשר יענו אותו. בכל מה שהם נותנין לב לענות, כן לב הקב"ה להרבות ולהפריץ. כן ירבה. כן רבה וכן פרץ. ומדרשו, רוח הקודש אומרת כן, אתם אומרים פן ירבה, ואני אומר כן ירבה: ויקצו. קלו בחייהם. (ויש מפרשים המלרים בעיני עלמם וק"ל). ורבותינו דרשו, כקולים היו בעיניהם:
 - (13) בפרך. בעבודה קשה המפרכת את הגוף ומשברתו:
- (15) למילדות. הוא לשון מולידות, אלא שיש לשון קל ויש לשון כבד, כמו שובר ומשבר, דובר ומדבר, כך מוליד וּמְיֵלֵבי: שפרה. זו יוכבד, על שם שֶׁמְשַׁפֶּרֶת את הולד: פועה. זו מרים, על שם שׁפּוֹעָה ומדברת והוגה לולד, כדרך הנשים המפייסות תינוק הבוכה (סוטה יא:): פועה. לשון צעקה, כמו בַּיּוֹלֵדָה אֲפָעָה (ישעי' מב, יד):
- (16) בילדכן. כמו נהולידכן: האבנים. מושג האשה היולדת, וגמקום אחר קוראו משגר, וכמוהו עשה מְלְאֹכֶה עַל

But the midwives feared God, and 17 did not as the king of Egypt commanded them, but saved the men-children alive.

עַבַרָא כִּמָא דְמַלֵּיל עִמָּהוֹן

נַתִּיבֵאוַ הַמִּיַלְדֹת אֵת־הַאֵּלהִים וּדְחִילָא חַיַּחָא מָן קַדְם יִי וְלָא דבר אליהן

And the king of Egypt called for the midwives, and said unto them: 'Why have ye done this thing, and have saved the men-children alive?' וּקרָא מַלְכָּא דִּמְצְרַיִם לְחַיַתָא וַאַמַר לָהוֹן מָא דֵין עַבַּדְתִּין פַּתִגַמַא הַדֵין

עַשִּׁיתֵן

And the midwives said unto Pharaoh: 'Because the Hebrew women are not as the Egyptian women; for they are lively, and are delivered ere the midwife come unto them.

המילדת אל-פרעה ואמרא חותא לפרעה ארי לָא כִנְשַׂיָא מִצְרַיָתָא יְהוּדַיָתָא לותהון חיתא ילדן:

המצרית ָהֶעָבְרִיָּת כֵּי־חָוּוֹת הֵּנָה בִּשָּׁרֵם אֲרֵי חַכִּימָן אִנִּין עַד לָא עַלַת תבוא אלהן המילדת וילדו:

And God dealt well with the 20 midwives; and the people multiplied, and waxed very mighty.

ותקיפו לַחָדַא:

וַיֵּיטֵב אֱלֹהָים לַמִּיַלְדֹת וַיַּרֵב וְאוֹטֵיב וְיָ לְחָיָתָא וּסְגִי עַמְּא

And it came to pass, because the midwives feared God, that He made them houses.

קָרָם יִיָ וַעֲבָד לְהוֹן בָּתִּין:

וַיָּהָי כֵּי־יַרָאָוּ הַמָּיַלְּדָת אֱת־ וַהַנָּה כַּד דִּחִילָא חָיָתָא מְן האלהים ויעש להם בתים:

הַאַבָּנִים (ירמי' יח, ג), מושב כלי אומנוס יוצר כלי חרס: אם בן הוא וגר. לא היה מקפיד אלא על הזכרים, שאמרו לו אלטגניניו שעתיד להוולד בן המושיע אותס: וחיה. ותחיה:

- (17) ותחיין את הילדים. מספקות להם מים ומזון. (סוטה יא:) תרגום הראשון וקצימא, והשני וקצימתון, לפי שלשון עברית לנקבות רבות, תיבה זו וכיולא בה משמשת לשון פעלו ולשון פעלתם, כגון ותאמרן איש מלרי, (שמות ב, יט) לשון עבר כמו ויאמרו לזכרים, וַמְדַבֶּרְנָה בִּפִיכֶם (ירמי' מד, כה), לשון דברתם כמו ותדברו לזכרים, וכן וַמְּחַלֶּלְנָה אֹמִי אֱל עַמִּי, (יחזקאל יג, יט) לשון עבר חללתם כמו ותחללו לזכרים:
- (19) כי חיות הנה. בקיאות כמילדות, תרגום מילדות קיתא. ורבותינו דרשו, (סוטה יא: ושמו"ר) הרי הן משולות לחיות השדה שאינן לריכות מילדות, והיכן משולות לחיות, גור אריה, זאב יטרף, בכור שורו, אילה שלוחה, ומי שלא נכתב בו, הרי הכתוב כללן, ויברך אותם ועוד כתיב מֵה אָמֶך לְבָיַא (יחזקאל יט, ב):
- (20) וייטב. הטיב להם, וזה חלוק בתיבה שיסודה ב' אותיות ונתן לה וי"ו יו"ד בראשה, כשהיא באה לדבר בלשון ויפעל, הוא נקוד היו"ד בליר"י שהוא קמ"ץ קטן, (או בסגול שהוא פת"ח קטן)כגון וייטב אלהים למילדות, וירב בבת יהודה (איכה ב, ה), הרבה תאניה, וכן ויגגל השארים (דברי הימים־ב לו, כ), נבוזראדן הגלה את השארית, ויפן זוגב אל זוגב (שופטים טו, ה), הפנה הזנבות זו לזו, כל אלו לשון מפעיל את אחרים, וכשהוא מדבר בלשון ויפעל, הוא נקוד היו"ד בחיר"ק, כגון וַיִּישֵב בַּעֵינִיו (ויקרא י, כ), לשון הוטב, וכן וירב העם, נתרבה העם, ויגל יהודה, הגלה יהודה, ויפן כה וכה, פנה לכאן ולכאן. ואל תשיבני, וילך, וישב, וירד, וילא, לפי שאינן מגזרתן של אלו, שהרי היו"ד יסוד בהן, ירד, ילא, ישב, ילך, יו"ד אות שלישית בו: ויישב אלהים למילדת. מסו סטונס:
- (21) ויעש להם בתים. נמי כהונה ולויה ומלכות שקרויין במים, ויבן את בית ה' ואת בית המלך, כהונה ולויה מיוכבד, ומלכות ממרים, כדאיתא במסכת סוטה (יא:):

And Pharaoh charged all his people, saying: 'Every son that is born ye shall cast into the river, and every daughter ye shall save alive.' וַיְצַוֹ פַּרְעֵׁה לְכָל-עַמָּוֹ וּפַקֵּיד פַּרְעֹה לְכָל עַמֵּיה לֵאמֶר כְּל-הַבֵּן הַיִּלּוֹד לְמֵימֵר כִּל בְּרָא דְּיִתְיְלֵיד הַיְאֹרָה תַּשְׁלִילֶהוּ וְכָל-הַבָּת לִיהוּדָאֵי בְּנַהְרָא תִּרְמוֹנֵיה תְחַיְּוֹן: (פ)

And there went a man of the house of Levi, and took to wife a daughter of Levi.

וַאָזַל גּוּבְרָא מִדְּבֵית לֵוִי וּנְסֵיב יַת בַּת לַוִי:

ַ נַיֵּלֶךְ אָישׁ מִבֵּית לֵוֵי נַיָּקְח אֶת־ בַּת־לֵוִי:

And the woman conceived, and
bore a son; and when she saw him
that he was a goodly child, she hid
him three months.

וְעַדִּיאַת אָתְּאָ וִילֵידַת בַּר וַחֲזָת יָתֵיה אֲרֵי טָב הוּא וָאַטְמַרְתֵּיה תְּלָתָא יַרְחִין:

נתָהַר הָאִּשֶּׁה נתְּלֶד בֵּן נתַּרָא וְ אֹתוֹ כִּי־מָוֹב הוּא וַתִּצְפְּנֵהוּ ^{וַ} שׁלשַה יִרְחֵים:

And when she could not longer hide him, she took for him an ark of bulrushes, and daubed it with slime and with pitch; and she put the child therein, and laid it in the flags by the river's brink.

וְלָא יְכֵילַת עוֹד לְאַטְמְרוּתֵיה וּנְסֵיבַת לֵיה תֵּיבְתָא דְּגוֹמֶא וָחֲפָתַה בְּחֵימָרָא וּבְזִפְתָא וְשַׁוִּיאַת בַּה יָת רָבְיָא וְשַׁוִּיתַה בִּיעָרָא עַל כֵּיף נַהְרָא: וְלֹא־יָכְלֶה עוֹד הַצְּפִינוֹ וַתְּקְּח־ לוֹ תַּבַת גֹמָא וַתַּחְמְרֶה בַחַמָּר וֹבַזָּבֶּת וַתְּשֶׁם בָּה אֶת־הַנֶּּלֶד וַתַּשֵּׁם בַּסִּוּף עַל־שָׂבַּת הַוָּאָר:

And his sister stood afar off, to know what would be done to him.

וְאָתְעַתַּדִת אֲחָתֵיה מַרַחִיק לִמְדֵּע מָא וִתְעַבֵּיד לִיהּ:

ַ וַתַּעַבָּב אֲחֹתָוֹ מֵרָחֵקׁק לְדֵעָּה מה־יעשה לו:

And the daughter of Pharaoh came down to bathe in the river; and her maidens walked along by the river-side; and she saw the ark among the flags, and sent her handmaid to fetch it. וּנְחַתַת בַּת פַּרְעֹה לְמִסְחֵי עַל נַהְרָא וְעוּלֵימְתַהָא מְהַלְּכָן עַל כֵּיף נַהְרָא וַחֲזָת יָת הֵּיבְתָא בְּגוֹ יַעְרָא וְאוֹשֵׁישַת יָת אַמְתַה וּנִסיבתה:

וַתֶּכֶד בַּת־פַּרְעֹה לְרְחָץ עַל־ הַיְאֹר וְנַצְרֹתֶיהָ הֹלְכָׁת עַל־ יַד הַיְאָר וַתֵּכָא אֶת־הַתֵּבָה בְּתַוֹךְ הַסִּוּף וַתִּשְׁלַח אֶת־אֲמָתָה וִתִּפִחה:

(22) לכל עמו. אף עליהם גזר, יום שנולד משה אמרו לו אְנְטַגְינְיו, היום נולד מושיען, ואין אנו יודעים אם ממזרים אם מישראל, ורואין אנו שסופו ללקות במים, לפיכך גזר אותו היום אף על המזרים, שנאמר כל הבן הילוד, ולא נאמר הילוד לעברים, והם לא היו יודעים שסופו ללקות על מי מריבה:

- (1) ויקח את בת לוי. פֶּרוּשׁ היה ממנה מפני גזירת פרעה, (וחזר ולקחה, וזהו וילך, שהלך צעלת בתו שאמרה לו גזרתך קשה משל פרעה, אם פרעה גזר על הזכרים ואתה גם כן על הנקבות. ברש"י ישן) והחזירה ועשה בה לקוחין שניים, ואף היא נהפכה להיות נערה. וצת ק"ל שנה היתה, שנולדה בבואה למלרים בין החומות, ומאמים ועשר נשתהו שם, וכשילאו היה משה בן שמונים שנה, אם כן כשנתעברה ממנו היתה בת מאה ושלשים, וקורא אותה בת לוי:
 - ין ביו מוב הוא. כשנולד נתמלא הבית בְּלוֹ אורה (סוטה יב.):
- (3) ולא יכלה עוד הצפינו. שמנו לה המלריים מיום שהחזירה, והיא ילדתו לששה חדשים ויום א', שהיולדת לשצעה יולדת למקוטעין, והם בדקו אחריה לסוף ט': גמא. גמי בלשון משנה ובלע"ז יונ"קו, ודבר רך הוא, ועומד בפני רך ובפני קשה: בחמר ובזפת. זפת מבחוץ וטיט מבפנים, כדי שלא יריח אותו לדיק ריח רע של זפת: ותשם בסוף. הוא לשון אגם רושי"ל בלע"ז, ודומה לו קנה נסוף המלו (ישעי' יט, ו):
- (5) לרחץ על היאור. סרס המקרא ופרשהו, ומרד בת פרעה על היאור לרחוץ בו: על יד היאור. אלל היאור, כמו רְאוֹ סְלְקַת יוֹאָב אָל יָדִי (שמואל־ב יד, ל), והוא לשון יד ממש, שיד האדם סמוכה לו. ורבותינו דרשו (סוטה יב:) הולכות לשון מיתה, כמו הְצָה אָלכִי הוֹלֵך לְמוּת (בראשית כה, לב), הולכות למות לפי שמיחו בה, והכתוב מסייען, כי למה לנו לכתוב לשון מיתה, כמו הְצָה אָלֹכִי הוֹלֵך לְמוּת (בראשית כה, לב), הולכות למות לפי שמיחו בה, והכתוב מסייען, כי למה לנו לכתוב

And she opened it, and saw it, even 6 the child; and behold a boy that wept. And she had compassion on him, and said: 'This is one of the Hebrews' children.'

Then said his sister to Pharaoh's daughter: 'Shall I go and call thee a nurse of the Hebrew women, that she may nurse the child for thee?'

And Pharaoh's daughter said to her:

'Go.' And the maiden went and
called the child's mother.

And Pharaoh's daughter said unto her: 'Take this child away, and nurse it for me, and I will give thee thy wages.' And the woman took the child, and nursed it.

And the child grew, and she brought him unto Pharaoh's daughter, and he became her son. And she called his name Moses, and said: 'Because I drew him out of the water.'

And it came to pass in those days, when Moses was grown up, that he went out unto his brethren, and looked on their burdens; and he saw an Egyptian smiting a Hebrew, one of his brethren.

וּפְתַחַת וַחֲזָת יָת רָבְיָא וְהָא עוּלֵימָא בָּכֵי וְחַסַת עֲלוֹהִי וַאֲמַרַת מִבְּנֵי יְהוּדָאֵי הוּא דִין:

נְאָמַרַת אָחָתֵיהּ לְבַת פַּרְעֹה הַאֵּיזֵיל נְאֶקְרֵי לִיךְ אִתְּא מֵינִקְתָּא מָן יְהוּדַיָּתָא וְתוֹנִיק לִיךְ יָת רָבָיָא:

וֹאָמַרַת לָה בַּת בּּרְעֹה אִיזִילִי וֹאָזַלַת עוּלֵימְתָא וּקְרָת יָת אָמֵיה דְּרַבָּוָא:

וֹאֲמַרַת לַהּ בַּת בַּּרְעֹה הָלִיכִי יָת רָבְיָא הָדֵין וְאוֹנִיקִיהוּ לִּי וֹאֲנָא אֶתֵין יָת אַגְרִיךְ וּנְסֵיבַת אִתְא רָבְיָא וְאוֹנִיקְתֵּיהּ:

וּרְבָא רָבְיָא וְאֵיתִיתֵּיהּ לְבַת פַּרְעֹה וַהֲוָה לָהּ לְבַר וּקְרָאת שְׁמֵיה מֹשֶׁה וַאֲמַרֵת אֲרֵי מִן מַיָּא שִׁחַלְתֵּיה:

וַהֲוָה בְּיוֹמַיָּא הָאִנּוּן וּרְבָא מֹשֶׁה וּנְפַּק לְוָת אֲחוֹהִי וַחֲזָא בְּפוּלְחָנְהוֹן וַחֲזָא גְּבַר מִצְרֵי מָחֵי לִגְבַר יְהוּדֵי מֵאֲחוֹהִי:

וַתִּפְתַחֹ וַתִּרְאֵהוּ אֶת־הַיֶּּלֶד וּ וְהִנֵּה־נַעַר בֹּכֶה וַתַּחְמָל עָלִיו י ותֹאמר מילדי העברים זה:

וַתַּאֹמֶר אֲחֹתוֹ אֶל־בַּת־פַּרְעֹה הַאֵּלֵדְ וְסְרֶאתִי לְדְּ אִשְּׁה מֵינֶּסֶת מֶן הָעִבְרִיֶּת וְתֵינָק לֶךְ אֶת־ הַיֵּלֶד:

וַתְּאמֶר־לֶה בַּת־פַּרְאָה לֵכִי וַתֵּלֶךְ הָעַלְמָּה וַתִּקְרָא אֶת־אָם הילד:

וַתְּאמֶר לָה בַּת־פַּרְעׄה הֵילִיכִי אֶת־הַיֶּלֶר הַיָּהֹ וְהֵינִקְהוּ לִי וַאֲנִי אֶתֵּן אֶת־שְׁכָרֵךְ וַתִּקַּח הָאִשֶּׁה הַיָּלִר וַתִּנִיקָהוּ:

נִיגְהַל הַיֶּּלֶד נַתְּבְאֵּהוּ לְבַת־ בּרְעָה נִיְהִי־לָה לְבֵן נַתִּקְרָא שְׁמוֹ מֹשֶׁה וַתְּאִמֶר כִּי מִן־הַמַּיִם מְשִׁיתָהוּ:

נְיְהֵיוּ בַּיָּמֵים הָהֵם נַיִּגְדֵּל מֹשֶׁה ^{זלישי} נַיִּצְא אֶל־אֶחָיוּ נַיַּרְא בְּסִבְלֹתְם נַיַּרְא אֵישׁ מִצְרִי מַכֶּה אִישׁ־ עִבְרִי מֵאָחֵיוּ:

ונערותיה הולכות: את אמתה. את שפחתה. ורבותינו דרשו לשון יד, אבל לפי דקדוק לשון הקודש היה לו להנקד אמתה מ"ם דגושה, והם דרשו את אמתה, את ידה ונשתרבבה אמתה אמות הרבה (סוטה שם):

- (6) ותפתח ותראהו. את מי ראתה, הילד, זהו פשוטו. ומדרשו, שראתה עמו שכינה (סוטה שם שמו"ר א, כח): והנה גער בוכה. קולו כנער:
- (7) מן העבריות. שהחזירתו על מלריות הרבה לינק ולא ינק, לפי שהיה עתיד לדבר עם השכינה (שמו"ר א, ל. סוטה שם):
 - (8) ותלך העלמה. הלכה בזריזות ועלמות כעלם:
 - (9) היליכי. נתנבאה ולא ידעה מה נתנבאה, הי שליכי (שמו"ר שם סוטה שם):
- (10) משיתהו. כתרגומו אָסַלְמֵיהּ, והוא לשון הוצאה בלשון ארמי, כְּמָשְׁסֵל בְּנִיּטָא מֵסַלְבָּא, ובלשון עברי משיתהו, לשון הסירותיו, כמו לא יָמוּש (יהושע א, ח) לא משו, כך חברו מנחס. ואני אומר שאינו ממחברת מש, וימוש, אלא מגזרת מָשָׁה, ולשון הוצאה הוא, וכן יַמְשֵבְי מִמִּיִס רַבִּיס (שמואל־ב כב, יז), שאלו היה ממחברת מש, לא יתכן לומר משיתיהו אלא הַמִישׁוֹמִיהוּ, ולשון הוצאה הוא, וכן שב השיבותי, ומן שב השיבותי, ומן בא הביאותי, או משתיהו, כמו וּמַשׁ שֵּין הְאָכֶץ (זכריה ג, ט), אבל משיתי, אינו אלא מגזרת תיבה שפעל שלה מיוסד בה"א בסוף התיבה, כגון משה, בנה, עשה, צוה, פנה, כשיבא לומר בהם פעלתי, תבא היו"ד במקום ה"א, כמו עשיתי, בניתי, פניתי, לויתי:

And he looked this way and that
way, and when he saw that there
was no man, he smote the Egyptian,
and hid him in the sand.

And he went out the second day, and, behold, two men of the Hebrews were striving together; and he said to him that did the wrong: 'Wherefore smitest thou thy fellow?'

And he said: 'Who made thee a ruler and a judge over us? thinkest thou to kill me, as thou didst kill the Egyptian?' And Moses feared, and said: 'Surely the thing is known.'

Now when Pharaoh heard this
thing, he sought to slay Moses. But
Moses fled from the face of
Pharaoh, and dwelt in the land of
Midian; and he sat down by a well.

Now the priest of Midian had seven daughters; and they came and drew water, and filled the troughs to water their father's flock. וְאָתְפָּנִי לְכָא וּלְכָא וַחָזָא אֲבִי לֵית אֲנָשׁ וּמְחָא יָת מִצְּרָאָה וַשָּמָרֵיה בִּחַלָא:

וּנְפַּק בְּיוֹמֶא תִּנְיָנָא וְהָא תְּבִין גּוּבְרִין יְהוּדָאִין נָצַן וַאֲמֵר לְחַיָּבָא לְמָא אַתְּ מְחֵי לְחַבָּרָך:

נְאָמַר מַן שַׁוְיָךְ לִגְּכַר רַב וְדַיִּין שַלָנָא הַלְּמִקְמְלִי אַתְּ אָצְרָאָה פְּמָא דְּקְמַלְתָּא יָת מִצְּרָאָה וּדְחֵיל מֹשֶׁה וַאֲמֵר בְּקוּשְׁמָא אָתְיָדַע פִּתְּנָמָא:

וּשְׁמֵע פַּרְעֹה יָת פִּתְגָמָא הָדֵין וּבְעָא לְמִקְטַל יָת מֹשֶׁה וַעֲרַק משֶׁה מִן קֶדָם פַּרְעֹה וִיתֵיב בְּאַרְעָא דְּמִדְיָן וִיתֵיב עַל בַּירָא:

יִלְרַבָּא דְּמִדְיָן שְׁבַע בְּנָן יַאָתאָה וּדְלַאָה וּמְלַאָה יָת רָטַיָּא לְאַשְׁקָאָה עָנָא דארידיי

וַיָּפֶּן כֹּהֹ וָכֹּה וַיַּרֶא כֵּי אֵין אָישׁ וַיַּךְ אֶת־הַמִּצְרִי וַיִּטְמְנֵהוּ בּחוֹל:

וַיֵּצֵא' בַּיָּוֹם הַשֵּׁנִּׁי וְהַנֵּה שְׁנֵי־ אָנְשִׁים עִבְרָים נִצִּים וַיּאׁמֶר' לֶרְשָׁע לֵמָה תַכֶּה רֵעֶך:

וַיּאמֶר מִי שְּמְדְּ רְאִישׁ שַׂר אַמֵּר כַּאֲשֶׁר הָרָגְתְּ אֶת־הַמִּצְּרִי וֹיִירָא משֶׁה וַיּאמֵר אָכֵן נוֹדַע הַדָּבָר:

וַיִּשְׁמַע פַּרְעֹה אֶת־הַדְּבֶּר הַּזֶּה וַיְבַקִשׁ לַהַרָג אֶת־מֹשֶׁה וַיִּרְח משׁה מִפְּנֵי פַּרְעֹה וַיֵּשֶׁב בְּאֶרֶץ־ מִדְיָן וַיֵּשֶׁב עַל־הַבְּאֵר:

וּלְכֹהֵן מִדְיָן שֶׁבַע בְּגָוֹת וּ נִתְּבָאנָה וַתִּדְלֶנָה וַתְּמַלֶּאנָה וַ אֶת־הָרָהָמִים לְהַשְׁקוֹת צָאֹן ! אביהו:

- (11) ויגדל משה. והלא כבר כתב ויגדל הילד, א"ר יהודא בר"א הראשון לקומה והשני לגדולה, שמינהו פרעה על ביתו:
 וירא בסבלותם. נתן עיניו ולבו להיות מילר עליהם (שמו"ר א, כז): איש מצרי. נוגש היה, ממונה על שוטרי ישראל,
 והיה מעמידם מקרות הגבר למלאכתם (שמו"ר א, כח): מכה איש עברי. מלקהו ורודהו. ובעלה של שלומית בת דברי
 היה, ונתן עיניו בה, ובלילה העמידו והוליאו מביתו, והוא חזר ונכנס לבית ובא על אשתו, כסבורה שהוא בעלה, וחזר האיש
 לביתו והרגיש בדבר, וכשראה אותו מלרי שהרגיש בדבר, היה מכהו ורודהו כל היום:
- (12) ויפן כה וכה. ראה מה עשה לו גבית ומה עשה לו גשדה. ולפי פשוטו כמשמעו: וירא כי אין איש. שאין איש עתיד לגאת ממנו שיתגייר:
- (13) שני אנשים עברים. דתן ואכירס הס, שהותירו מן המן: נצים. מריכיס: למה תכה. אע"פ שלא הכהו, נקרא רשע בהרמת יד: רעך. רשע כמותך:
- (14) מי שמך לאיש. והרי עודך נער: הלהרגני אתה אומר. מכאן אנו למדים שהרגו בשם המפורש: ויירא משה. כפשוטו. ומדרשו, דאג לו על שראה בישראל רשעים דֵּילְטוֹרִין, אמר, מעתה שמא אינם ראויין להגאל: אכן נודע משה. כפשוטו. ומדרשו, נודע לי הדבר שהייתי תמה עליו, מה חטאו ישראל מכל שבעים אומות להיות נרדים בעבודת פרך, אבל רואה אני שהם ראויים לכך:
- (15) וישמע פרעה. הס הלשינו עליו: ויבקש להרוג את משה. מסרו לְקוֹסְטֵינֶר להרגו ולא שלטה בו החרב, הוא שאמר משה, וילילני מחרב פרעה: (וישב בארץ מדין. נתעכב שם, כמו וישב יעקב:) וישב על הבאר. למד מיעקב שנזדווג לו זווגו על הבאר:
- (16) ולכהן מדין. רב שבהן, ופירש לו מעבודת אלילים ונידוהו מאללם: את הרהטים. את בריכות מרולות המים העשויות בארץ:

And the shepherds came and drove 17 them away; but Moses stood up and helped them, and watered their flock.

And when they came to Reuel their father, he said: 'How is it that ye are come so soon to-day?'

And they said: 'An Egyptian delivered us out of the hand of the shepherds, and moreover he drew water for us, and watered the flock.3

And he said unto his daughters: 20 'And where is he? Why is it that ye have left the man? call him, that he may eat bread.'

And Moses was content to dwell with the man; and he gave Moses Zipporah his daughter.

And she bore a son, and he called 22 his name Gershom; for he said: 'I have been a stranger in a strange land.'

And it came to pass in the course of those many days that the king of Egypt died; and the children of Israel sighed by reason of the bondage, and they cried, and their cry came up unto God by reason of the bondage.

And God heard their groaning, and God remembered His covenant with Abraham, with Isaac, and with Jacob.

וַקַם רַעיַא וּטְרַדוּנִין ואתו

לְנָת רְעוּאֵל אבוּהוֹז

מִצְרַאַה גוברא מידא דַרעיַא

אֶל־בִּנֹתָיוֹ וְאַיָּוֹ לֻמָּהְ וַאֲמַר לְבִנְתֵיה וְאָן הוּא לְמַא דְּנָן שָׁבַקְּתִּין יָתֹ גוּבְרָא קְרַן

משה למתב עם גוּבְרָא צָפּוֹרַה

בארע נוכר

בִּיומַיָּא סַגִּיאַיָּא הַאָּנוּן לקדם יי מן פולחנא:

יָת קבִילַתְהוֹן קימיה ית ויבאו הרעים ויגרשום ויקם משה ויושען וישק את־צאנם:

אל־רעואל יַיֹּאמֶר מַדַּוּעַ מִהַרְתֵּן בָּא הַיִּוֹם:

זַה עַזַבְתֵּן אַת־הָאִּישׁ קַרְאֶן לְוֹ

ויואל משה לשבת את־האיש ויתן את־צפרה בתו למשה:

ותלד בן ויקרא את־שמו גרשם בָאֶרֶ נַכַריַה: (פ)

ויזכר אלהים את־בּר אַבַרַהַם אֵת־יִצְחֶק וָאֵת־

⁽¹⁷⁾ ויגרשום. מפני הנידוי:

⁽²⁰⁾ למה זה עובתן. הכיר צו שהוא מזרעו של יעקב, שהמים עולים לקראתו: ויאכל לחם. שמא ישא אחת מכס, כמה דחת חמר כי חם הלחם חשר הוח חוכל:

⁽²¹⁾ ויואל. כתרגומו, (ס"א כמשמעו) ודומה לו הואל גָא וְלִין (שופטים יט, ו), ולו הואלנו, הואלתי לדבר. ומדרשו לשון אַלָה, נשבע לו שלא יזוז ממדין כי אם ברשותו:

⁽²³⁾ ויהי בימים הרבים ההם. שהיה משה גַר צמדין, וימת מלך מלרים והולרכו ישראל לחשועה, ומשה היה רועה וגו' ובאת תשועה על ידו, ולכך נקמכו פרשיות הללו. (בר"י): וימת מלך מצרים. ולטרע, והיה שוחט תינוקות ישראל ורוחץ בדמם (שמו"ר א, לד):

And God saw the children of Israel, and God took cognizance of them.

Now Moses was keeping the flock of Jethro his father-in-law, the priest of Midian; and he led the flock to the farthest end of the wilderness, and came to the mountain of God,

unto Horeb.

And the angel of the LORD appeared unto him in a flame of fire out of the midst of a bush; and he looked, and, behold, the bush burned with fire, and the bush was not consumed.

And Moses said: 'I will turn aside now, and see this great sight, why the bush is not burnt.'

And when the LORD saw that he turned aside to see, God called unto him out of the midst of the bush, and said: 'Moses, Moses.' And he said: 'Here am I.'

And He said: 'Draw not nigh

5 hither; put off thy shoes from off
thy feet, for the place whereon thou
standest is holy ground.'

וּגְלֵי קֶּדָם יְיָ שִׁעְבּוּדָא דִּבְנֵי יִשְׂרָאֵל וַאֲמַר בְּמֵימְרֵיה למפרסהוו יי:

וּמֹשֶׁה הָנָה רָעֵי יָת עָּנָא דְּיִתְרוֹ חֲמוּהִי רַבָּא דְּמִדְיָן וְדַבַּר יָת עָנָא לַאֲתַר שְׁפַּר רִעְיָא לְמַדְבָּרָא וַאֲתָא לְטוּרָא דְּאָתְגְּלִי עֲלוֹהִי יְקָרָא דִּייָ לְחוֹרָב:

וְאָתְגְּלִי מַלְאֲכָא דִּייָ לֵיה בְּשַׁלְהוֹבִית אִישָׁתָא מָגוֹ אֲסַנָּא וַחֲזָא וְהָא אֲסַנָּא בָּעַר בָּאִישָׁתָא וַאֲסַנָּא לִיְתוֹהִי מָתְאֲכִיל:

נאָמַר מֹשֶׁה אֶתְפָּנֵי כְעַן וְאֶחְזֵי יָת חֶזְנָנָא רַבָּא הָבִין מָא בִין לָא מִתּוֹקָר אֵסָנָא:

וַחֲזָא וָן אֲבֵי אָתְפְּנֵי לְמִחְזֵי וּקְרָא לֵיה וְיָ מָגוֹ אֲסַנְּא וַאֲמֵר מֹשֶׁה מֹשֶׁה וַאֲמֵר הָאָנָא:

וַאֲמַר לָא תִּקְרֵב הָלְכָא שְׁרִי סִינְךְ מֵעַל רַגְּלְךְ אֲרֵי אַתְר דְאַתְּ קָאֵים עֲלווֹהִי אֲתַר קַדִּישׁ דִּוֹּא.

ניַרָא אֱלֹהִים אֶת־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל (כּ ניַדע אֱלֹהִים: (ס)

ישי הְנָה רֹעֶה אֶת־צְאׁן יִתְרִוֹ ישי חֹתְנִוֹ כֹּהַן מִיְרָיָן וַיִּנְהַגּ אֶת־ הַצּאׁן אַחַר הַמִּדְבָּר וַיִּבָא אֶל־ הַר הָאֱלֹהִים חֹרֵבָה:

וַנֵּרָא מַלְאַׁךְ יְהֹוֶה אֵלְיו בְּלַבַּת־ אֵשׁ מִתִּוֹךְ הַסְּנֶה וַיַּרְא וְהַבָּה הַסְנֶה בֹּצֵר בָּאֵשׁ וְהַסְּנֶה אֵינֶנוּ אָבֶּל:

וַיָּאמֶר מֹשֶּׁה אָסֶרָה־נָּא וְאֶרְאֶּה אֶת־הַמַּרְאֶה הַנְּדֻּל הַזֶּיָה מַדִּוּעַ לא־יִבְעַר הַסְּנֵה:

וַיַּרָא יְהֹוֶה כָּי סָר לִּרְאֵוֹת וַיִּקְרָא אֵלָיו אֱלֹהִים מִתְּוֹךְ הַפְּנָה וַיָּאמֶר מֹשֶׁה מֹשֶׁה וַיָּאמֶר הנני:

וֹיִאמֶר אַל־תִּקְרֵב הֲלֵם שַׁל־ וְעָלֶיף מֵעַל רַגְלֶיף כִּי הַמָּּלוּם אֲשֶׁר אַתָּה עוֹמֵד עָלֶיו אַדְמַת־ לִדשׁ הוּא:

⁽²⁴⁾ נאקתם. לעקתס, וכן מֵעִיר מְתָּיס יִנְּטָּקוּ (איוצ כד, יב): את בריתו את אברהם. עס אברהס:

⁽²⁵⁾ וידע אלהים. נתן עליהס לב ולא העלים עיניו:

⁽¹⁾ אחר המדבר. להתרחק מן הגזל, שלא ירעו נשדות אחרים: אל הר האלהים. על שם העתיד:

⁽²⁾ בלבת אש. בשלהבת אש לבו של אש, כמו לב השמים, דְּלֵב הָחֵלְה, (שמואל־ב יח, יד) ואל תחמה על התי"ו, שיש לנו כיונא בו, מָה אֲמֶלָה לִּבָּחַךְ (יחזקאל טז, ל): מתוך הסנה. ולא אילן אחר, משום עמו אָנֹכִי בְּזְרָה: אכל. נאכל, כמו לא עבד בה, אשר לקח משם:

⁽³⁾ אסורה נא. אסורה מכאן להתקרב שם:

⁽⁵⁾ של. אָלוֹף והוצא, כמו וְנָשֵל הַבַּרְזָל (דברים יט, ה), כי ישל זיתך: אדמת קודש הוא. המקום:

Moreover He said: 'I am the God of thy father, the God of Abraham, the God of Isaac, and the God of Jacob.' And Moses hid his face; for he was afraid to look upon God. יַאָמַר אָנָא אֶלְהָא הַאְבוּהְ אֶלְהֵיה דְּאַבְרָהָם אֱלְהֵיה יִּכְבַשְׁנּוּן מֹשֶׁה לְאַפּּוֹהִי אֲרֵי דְּחֵיל מִלְּאִסְתַּכְּלָא בְּצֵית יַּקרא דִּייֵ:

וַיֹּאמֶר אָנֹכִי אֶלֹהֵי אָבִּיף אֱלֹהֵי אַבְרָהָם אֱלֹהֵי יִצְחָק וֵאלֹהַי יַצְלָב וַיַּסְתֵּר מֹשֶׁה פָּנְיו כִּי יָבֹא מַהַבָּים אֶל־הָאֱלֹהִים:

And the LORD said: 'I have surely seen the affliction of My people that are in Egypt, and have heard their cry by reason of their taskmasters; for I know their pains;

וְאָמַר יְיָ מִגְלָא גְּלֵי קַדְמֵי שִׁעְבּוּד עַמִּי דִּבְמִצְרִים וְיָת קְבִילַתְהוֹן שְׁמִיעַ קֵּדְמִי מִן קֵדָם מַפְּלְחֵיהוֹן אָבֵי גְּלֵי קֵדָמֵי כִּיבִיהוֹן:

וַיָּאמֶר יְהוָּה רָאָה רָאֶיתִי אֶת־ צֵצְיַקתֶם שָׁמַעְתִּי מִפְּנֵי נְגְשָּׁיו כִּי יַדַעָתִי אֶת־מַכְאֹבֵיו:

and I am come down to deliver them out of the hand of the Egyptians, and to bring them up out of that land unto a good land and a large, unto a land flowing with milk and honey; unto the place of the Canaanite, and the Hittite, and the Amorite, and the Perizzite, and the Hivite, and the Iebusite.

וְאָתְגְּלִיתִי לְשֵׁיזֶבוּתְהוֹן מִיְּדָא דְּמִצְרָאֵי וּלְאַסְקוּתְהוֹן מִן אַרְעָא הַהִּיא לַאֲרַע טָבָא וּפַתְיָא לַאֲרַע עָבָדְא חֲלָב וּדְּבָשׁ לַאֲתַר כְּנַעָנְאֵי וְחִהָּאֵי וִיבוּסָאֵי: נְאֵבֵּד לְהַצִּילָוֹו מִיֵּד מִצְּרַיִם וְּלְהַצְּלֹתוֹ מִן־הָאָבֶרץ הַהוֹא אֶל־ אֶבֶץ טוֹבָה וּיְרְחָבָה אֶל־אֶבֶץ זָבַת חָלֶב וּיְרְבָשׁ אֶל־מְקוֹם הַכְּנַעֲנִי וְהַחָּתִּי וְהֵאֶמֹרִי וְהַפְּּרִיּיִי הַחָּתִּי וְהַנְבוּסִי:

And now, behold, the cry of the children of Israel is come unto Me; moreover I have seen the oppression wherewith the Egyptians oppress them.

ּכְעַן הָא קְבִילַת בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל עַלַת לִקְדָמֵי וְאַףּ גְּלֵי קֵדְמֵי הּוּחְקָא דְּמִצְרָאֵי דְּחַקִין לְהוֹן: וְעַתְּה הָנֵּהְ צַעֲקַת בְּנֵי־יִשְּׂרָאֵל בָּאָה אֵלֶי וְנִם־רָאִיתִי אֶת־ הַלַּחַץ אֲשֶׁר מִצְרָיִם לֹחֲצִים אֹתֵם:

Come now therefore, and I will send thee unto Pharaoh, that thou mayest bring forth My people the children of Israel out of Egypt.'

וּכְעַן אֵיתַא וְאֶשְׁלְחִנְּךְ לְוָת פַּרְעה וְאָפֵּיק יָת עַמִּי בְנֵי יִשְׂרָאֵל מִמִּצְרָיִם: ְוְעַתָּה לְלָה וְאֶשְׁלְחַהָּ אֶל־ בּרְעָה וְהוֹצֵא אֶת־עַמִּי בְנִי־ יִשְׂרָאֵל מִמִּצְרֵיִם:

And Moses said unto God: 'Who am

I, that I should go unto Pharaoh,
and that I should bring forth the
children of Israel out of Egypt?'

וַאֲמַר מֹשֶׁה קֶּדָם יְיָ מַן אֲנָא אֲרֵי אֵיזֵיל לְוָת פַּרְעה וַאֲרֵי אַפֵּיק יָת בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל מִמִּצְרָיִם:

ַנְיָּאמֶר מֹשֶׁהֹ אֶל־הְאֶלהִים וַ מִי אָנֹכִי כִּי אֵלֵךְ אֶל־פַּרְעָׁה וְכִי אוֹצְיא אֶת־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וַ מִמִּצְרֵיִם:

- (7) כי ידעתי את מכאוביו. כמו וֵיַדַע אֱלֹהִיס, כלומר כי שמחי לב להתבונן ולדעת את מכאוביו, ולא העלמתי עיני ולא אאטוס את אזני מלעקתס:
 - (10) ועתה לכה ואשלחך אל פרעה. ואס תאמר מה תועיל, והולא את עמי, יועילו דבריך ותוליאס משס:
- (11) מי אנכי. מה אני השוב לדבר עם המלכים: וכי אוציא את בני ישראל. ואף אם השוב אני, מה זכו ישראל שקעשה להם נס ואוליאם ממלרים:

And He said: 'Certainly I will be with thee; and this shall be the token unto thee, that I have sent thee: when thou hast brought forth the people out of Egypt, ye shall serve God upon this mountain.'

And Moses said unto God: 'Behold, when I come unto the children of Israel, and shall say unto them: The God of your fathers hath sent me unto you; and they shall say to me: What is His name? what shall I say unto them?'

And God said unto Moses: 'I AM

14 THAT I AM'; and He said: 'Thus
shalt thou say unto the children of
Israel: I AM hath sent me unto you.'

And God said moreover unto Moses: 'Thus shalt thou say unto the children of Israel: The LORD, the God of your fathers, the God of Abraham, the God of Isaac, and the God of Jacob, hath sent me unto you; this is My name for ever, and this is My memorial unto all generations.

נַאָמַר אֲרֵי יְהֵי מֵימָרִי בְּסַצְּדְּדְּ מָמָצְרַיִם תִּפְּלְחוּן קֶדָם יְיָ עַמָּא מְשָׁלַחְתָּךְ בְּאַפָּלְחוּן קֶדָם יְיָ עַמָּא מוּרא חדין:

נְאֲמַר מֹשֶׁה קֵּדָם יְיָ הָא אֲנָא אָתִי לְנָת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְאֵימַר לְהוֹן אֱלְהָא דַּאֲבְהָתְכוֹן שַׁלְחַנִי לְנָתְכוֹן וְיֵימְרוּן לִי מַן שָׁמֵיה מָא אֵימַר לְהוֹן:

נִאֲמַר יָן לְמֹשֶׁה אֶהְיֶה אֲשֶׁר אֶהְיֶה נַאֲמַר כִּדְנָן תֵּימַר לִבְנֵי יִשְׂרָאֵל אֶהְיֶה שַׁלְחַנִּי לְנָתְכוֹן:

נְאָמַר עוֹד יְיָ לְמֹשֶׁה כִּדְנְן הַימַר לִּבְנִי יִשְּׁרָאֵל יְיָ אֱלְהָא דַּאָבְהָתְכוֹן אֱלְהֵיה דְּאַבְרָהָם אֱלְהֵיה דְּיִצְחָק נֵאלְהֵיה דְיַצְּקֹב שַׁלְחֵנִי לְנְתְכוֹן דֵּין שְׁמִי לְעָלַם וְדֵין דּוּכְרָנִי לְכָל שְׁמִי לְעָלַם וְדֵין דּוּכְרָנִי לְכָל

וַיּאמֶר כִּי־אֶהְיֵה עִּפְּּהְ וְזֶה־ לְּדֵּ הָאוֹת כִּי אָנֹכִי שְׁלַחְתְּיְהְ בְּהוֹצִיאֲךָּ אֶת־הָעֶם מִמִּצְרַיִם תַעַבְרוּן אֶת־הָאֱלֹהִים עַל הָהֵר הזה:

וַיָּאמֶר מֹשֶׁה אֶל־הַאֱלֹהִים הַנֵּה אָנֹכִי בָא אֶל־בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל וְאָמַרְתִּי לְהֶם אֱלֹהֵי אֲבוֹתֵיכֶם שְׁלְחַנִי אֲלֵיכֶם וְאָמְרוּ־לֵי מָה־שָׁמֹוֹ מָה אֹמֵר אֵלֶהם:

וַיָּאמֶר אֱלֹהִים' אֶל־מֹשֶּׁה אֱהְיֶה אֲשֶׁר אֱהְיֶה וַיֹּאמֶר כְּה תֹאמֵר' לִבְנֵי יִשְׂרָאֵל אֶהְיֶה שְׁלְחַנִּי אליכם:

וַיּאמֶר עוֹד אֱלֹהִים אֶל־מֹשֶׁה כָּה־תֹאמֵר אֶל־בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל יְהֹנְّה אֱלֹהֵי אֲבֹתִיכָּם אֱלֹהֵי אַבְרָהָם אֱלֹהֵי יִצְחָק נִאלֹהֵי יַשְלָב שְׁלָחַנִי אֲלֵיכֶם זָה־שְׁמֵי לְעֹלָּם וְזָה זִכְרָי לְדָׂר דְּר:

(12) ויאמר כי אהיה עמך. השיבו על ראשון ראשון ועל אחרון אחרון, שאמרת מי אנכי כי אלך אל פרעה, לא שלך היא, כי אם משלי, כי אהיה עמך, וזה המראה אשר ראית בסנה, לך האות כי אנכי שלחתיך, ותזליח בשליחותי וכדאי אני להזיל, כי אם משלי, כי אהיה עמך, וזה המראה אשר ראית בסנה, לך האות כי אנכי שלחתיך, ותזליח בשליחותי וכדאי אני להזילו ממלרים, כאשר ראית הסנה עושה שליחותי ואיננו אַבֶּל, כך תלך בשליחותי ואינך ניזוק, וששאלת מה זכות יש לישראל שיצאו מתזרים לקבל התורה על ההר הזה לפוף שלשה חדשים שיצאו מזרים. דבר אחר כי אהיה עמך, וזה שתזליח בשליחותך, לך האות על הבטחה אחרת שאני מבטיחך, שכשחוציאם ממזרים תעבדון אותי על ההר הזה, שתקבלו התורה עליו, והיא הזכות העומדת לישראל. ודוגמת לשון זה מזינו, וְזָה לְּךְּ הָאוֹת אָכוֹל הַשְּׁבָּה קְפִּיַח וגו' (ישעי' לו, ל), מפלת סנחריב תהיה לך לאות על הבטחה אחרת, שארזכם חריבה מפירות ואני אברך הספיחים:

(14) אהיה אשר אהיה. אהיה עמס בלרה זאת, אשר אהיה עמס בשעבוד שאר מלכיות, אמר לפניו רבש"ע מה אני מזכיר להם לרה אחרת, דיים בלרה זו, אמר לו יפה אמרת, כה תאמר וגו'. (ברכות ט: שמו"ר ג, ז) (לא שהשכיל חלילה משה ביותר, אלא שלא הבין דברי השי"ת, כי לא מחשבתו מחשבת השי"ת, שמאז כך היתה דעתו באומרו יתברך אהיה אשר אהיה, למשה לבדו הגיד, ולא שיגיד לישראל, וזהו יפה אמרת, שגם דעתי מתחלה כך היתה, שלא חגיד לבני ישראל כדברים האלה, אלא כה תאמר לבני ישראל אהיה פעם אחת. זכן משמע במסכת ברכות ודו"ק):

(15) זה שמי לעלם. חסר וי"ו לומר, העלימהו, שלא יקרא ככתבו (שמו"ר ג, ט): וזה זכרי. למדו היאך נקרא, וכן דוד הוא אומר, ה' שמך לעולם ה' זכרך לדור ודור:

Go, and gather the elders of Israel together, and say unto them: The Io Lord, the God of your fathers, the God of Abraham, of Isaac, and of Jacob, hath appeared unto me, saying: I have surely remembered you, and seen that which is done to you in Egypt.

And I have said: I will bring you up out of the affliction of Egypt unto the land of the Canaanite, and the Hittite, and the Amorite, and the Perizzite, and the Hivite, and the Jebusite, unto a land flowing with milk and honey.

And they shall hearken to thy voice. And thou shalt come, thou and the elders of Israel, unto the king of Egypt, and ye shall say unto him: The LORD, the God of the Hebrews, hath met with us. And now let us go, we pray thee, three days' journey into the wilderness, that we may sacrifice to the LORD our God.

And I know that the king of Egypt will not give you leave to go, except by a mighty hand.

And I will put forth My hand, and smite Egypt with all My wonders which I will do in the midst thereof.

And after that he will let you go.

אִיזֵיל וְתִּכְנוֹשׁ יָת סְבֵּי יִשְּׂרָאֵל וְתִימַר לְהוֹן יְיָ אֱלְהָא דַּאֲבָהָתְכוֹן אִתְגְּלִי לִי אֶלְהֵיה דְּאַבְרָהָם יִצְחָק וְיַעֲקֹב לְמִימַר מִדְכָר דְּכִירְנָא יָתְכוֹן וְיָת דְּאִתְעֲבֵיד לְכוֹן בְּמִצְרָיִם:

וַאֲמַרית אַפֵּיק יָתְכוֹן מִשִּׁעְבּוּד מִצְּרָאֵי לַאֲרַע כְּנַעַנְאֵי וְחִתָּאֵי וִיבוּסָאֵי לַאֲרַע עָבְדָא חֲלָב וּדְבָשׁ:

וִיקּבְּלוּן מִנְּךְ וְתֵיתֵי אַתְּ וְסָבֵי יִשְּׂרָאֵל לְנָת מַלְכָּא דְּמִצְרַיִם וְתֵימְרוּן לֵיהּ יִי וּכְעַן נֵיזֵיל כְּעַן מַהְלַדְ תְּלָתָא יומין בְּמַדְבְּרָא וּנְדַבַּח קֶּדָם יי אלהנא:

וֹלָא מוֹ לֹבׁם בְּחֵילִישִּ שַּפִּוּב: יִּנְיכִוּן מַּלְכָּא בְּמִצְרַיִם לְמִיזַּלְ וּאָזָ מַּי וּּלֵּי אָנֵי לָא יִשְׁבּוּק

וְאֶשְׁלַח יָת מַחַת גְּבּוְּרְתִי וְאֶמְחֵי יָת מִצְרָאֵי בְּכֹל פָּרִישָׁתִי דְּאַעֲבֵיד בֵּינִיהוֹן וּבתר כּוֹ ישׁלֹּח יתכוֹו:

לֵךְ וְאֶסַפְּתָּ אֶת־זִקְנֵנְ יִשְּׂרָאֵל וְאָמַרְתָּ אֲלֵהֶם יְהִוְּה אֱלֹהֵי אֲבְתֵיכֶם וִנְץְתֵּה אֵלֵי אֱלֹהֵי אַבְרָתָם יִצְחָק וְיַצַּקֹב לֵאמָר פָּקָד פָּקַדְתִּי אֶתְכֶם וְאֶת־הֶעְשָׁוּי לָכֶם בִּמִצְרֵיִם:

נְאֹמַׁר אַצְלֶּה אֶתְכֶם מֵצְנֵי מִצְרֵּיִם אֶל־אֶנֶץ זָבָת חָלֶב וְהַיְבוּסִי אֶל־אֶנֶץ זָבַת חָלֶב וְהַיְבוּסִי אֶל־אֶנֶץ

ְוְשְּמְעָנִּי לְּקְלֶךְּ וּבָאתָ אַתָּה וּ וְזִּקְנֵּי יִשְּׁרָאֵל אֶל־מֶלֶךְ מִצְרַיִם וְ וַאָּמַרְתֶּם אֵלִיוֹ יְהֹיְּה אֱלֹהֵי וְ הַעְבָרִיִּם נִקְרָה שְׁלְשֶׁת יָמִים יְ בַּמְרְבָּר וְנִזְבְּחָה לֵיהֹוָה בַּמִּרְבָּר וְנִזְבְּחָה לֵיהֹוָה אֵלֹהֵינוּ:

מֶלֶךְ מִצְּרֵיִם לַהַלֶּךְ וְלָא בְּגֵר מֶלֶךְ מִצְרַיִם לַהַלֶּךְ וְלָא בְּגֵר תוֹפָה:

וְשְׁלַחְתֵּי אֶת־יָדִי וְהִכֵּיתִי אֶתּ־ וְ מִצְלַיִם בְּכֹל נִפְּלְאֹתִי אֲשֶׁר וְ מִצְלַחְתַּּי אֶת־יָדִי וְהִכֵּיתִי אֶשֶׁר וְ

- (16) את זקני ישראל. מיוחדים לישיבה. ואם תאמר זקנים סתם, היאך אפשר לו לאסוף זקנים של ס' רבוא:
- (18) ושמעו לקולך. מאליהם, מכיון שתאמר להם לשון זה ישמעו לקולך, שכבר סימן זה מסור בידם מיעקב ומיוסף שבלשון זה הם נגאלים, יעקב אמר להם ואלהים פקוד יפקוד אמכם, יוסף אמר להם פְּקְד יִפְקְד אֶלְהִים אֶתְכֶם (בראשית נ, בקרה עלינו. לשון מקרה, וכן וַיִּקְר אֶלִהִים (במדבר כג, ד), ואנכי אקרה כה, אהא נקרה מאמו הלום: (אלהי העבריים. יו"ד ימירה, רמו לי'מכות. ברש"י ישן):
- (19) לא יתן אתכם מלך מצרים להלוך. אם אין אני מראה לו ידי החזקה, כלומר כל עוד שאין אני מודיעו ידי החזקה לא יתן אתכם מלך מצרים להלוך. לא יִמְן אַנִי מַנְּמִידְּ (בראשית כ, ו), לא יָמָלוּ אֱלְהִים לְּהָרַע עִמְּדִי (שם לא, ח), לא יתן אתכם להלוך: לא יתן. לְא יִשְבּוֹק, כמו עַל כֵּן לא יְמַמִּידְ (בראשית כ, ו), לא יְמָלוּ אֲלָהִים לְהָרַע עִמְּדִי (שם לא, ח), וכלן לשון נחינה הם. וי"מ ולא ביד חזקה. ולא בשביל שידו חזקה כי מאז אשלח את ידי והכיתי את מלרים וגו' ומתרגמינן אותו וְלָם מִן תְדֵּם דְּחֵילֵה מַקְּקִיף. משמו של רבי יעקב ברבי מנחם נאמר לי:

And I will give this people favour in the sight of the Egyptians. And it shall come to pass, that, when ye go, ye shall not go empty;

but every woman shall ask of her neighbour, and of her that
22 sojourneth in her house, jewels of silver, and jewels of gold, and raiment; and ye shall put them upon your sons, and upon your daughters; and ye shall spoil the Egyptians.'

And Moses answered and said: 'But, IV behold, they will not believe me, nor hearken unto my voice; for they will say: The lord hath not appeared unto thee.'

And the LORD said unto him:

'What is that in thy hand?' And he said: 'A rod.'

And He said: 'Cast it on the ground.' And he cast it on the ground, and it became a serpent; and Moses fled from before it.

And the LORD said unto Moses:

'Put forth thy hand, and take it by
the tail—and he put forth his hand,
and laid hold of it, and it became a
rod in his hand—

וְאֶתֵּין יָת עַמָּא הָדֵין לְרַחֲמִין בְּעִינֵי מִצְרָאֵי וִיהֵי אֲרֵי תְּהָכוּן לא תהכוּן ריקנין:

וְתִשְׁאַל אִהְתָא מִשֵּׁיכְבְתַה וּמִּקְּרִיבַת בֵּיתַהּ מָנִין דִּכְסַף וּמָנִין דִּדְהַב וּלְבוּשִׁין וּתְשַׁוּוֹן עַל בְּנֵיכוֹן וְעַל בְּנְתְכוֹן וּתרוֹתוֹנִי ית מערית:

ְוְנָתַתֶּי אֶת־חֵן הֵעָם־הַיֶּהְ בְּעֵינֵי מִצְרָיִם וְהִיָה כִּי תֵלֵכֹוּן לְא תַלְכִוּ רִיקַם:

וְשַׁאֲלֶה אִשֶּׁה מִשְּׁכֵנְתָּה וּמִגְּרֵת בּיתָה כְּלֵי־כֶסֶף וּכְלֵי זְהָב וִשְׂמֶלֶת וְשַׂמְשֶׁם עַל־בְּנֵיכֶם וְעַל־בְּנָתִיכֶּם וְנָצֵּלְתֶּם אֶת־ מִצְרֵים:

וֹאָמֵיב מֹשֶׁה וַאֲמַר וְהָא לָא יְהֵימְנוּן לִי וְלָא יְקַבְּּלוּן מִנִּי אֲבִי יֵימְרוּן לָא אִתְנְּלִי לָךְ וְיָ:

וֹאֲמַר לֵיה יְיָ מָא בֵּין בִּידָךְ וַאֲמַר חוּטִרָא:

וַאֲמַר רְמוֹהִי לְאַרְעָא וּרְמָהִי לְאַרְעָא וַהֲוָה לְחוִיָּא וַעֲרַק משֶׁה מִן קָּדָמוֹהִי:

אָמַר יִי לְמֹשֶׁה אוֹשֵׁים יְדָּךְ אוֹחֵיד בְּדַנְבֵּיה וְאוֹשֵׁים יְדִיה אַתְכֵּיךְ בֵּיה וַהָוָה לְחוּטְרָא בִּירִה: ַנַּעַן מּשֶׁה נַיּאמֶר וְהֵן לְא־ יַאֲמֵינוּ לִי וְלָא יִשְׁמִעוּ בְּּקּלֵי כֵּי יִאמִרוּ לָא־נִראָה אֵלֵידְּ יִהנָה:

ַ נַיָּאמֶר אֵלֶיו יְהוָה (כ׳ מזה)[ק׳ מַה־זָה] בְיָדֶךּ נַיָּאמֶר מַשֶּה:

וַיּאמֶר הַשְּׁלִיכֵהוּ אַּרְצָה וַיִּשְׁלְכֵהוּ אַרְצָה וַיְהֵי לְנָחָש וַיִּנְס מֹשֶׁה מִפְּנֵיו:

ַ ניָאמֶר יְהוָה' אֶל־מֹשֶּׁה שְׁלַח' 'וָדְלָּ וָאֱחָז בִּזְנְבֶוֹ וִיִּשְׁלַח יְדוֹ 'נַחֲזָסְ בּוֹ וַיִהֵי לְמַשֶּׁה בִּכַפְּוֹ:

(22) ומגרת ביתה. מאומה שהיא גרה אָשָּה בבית: ונצלתם. כתרגומו וּמְרוֹקנוּן, וכן וַיְנַצְּלוּ אֶת מִלְרָיִם (שמוח יב, לו), וַיְמְנַצְלוּ בְּנִי יִשְׁרָחֵל אֶת שֶּדְיָם (שם לג, ו), והנו"ן בו יסוד. ומנחם חברו במחברת לד"י, עם וַיַּצֵל אֱלֹהִים אֶת מִקְנֵה אֲבִּיכֶּם (לו), וַיְמְנַצְלוּ בְּנִי יִשְׁרָחֵל אֶת שְדְיָם (שם לג, ו), והנו"ן בו יסוד. ומנחם חברו במחברת לד"י, עם וַיַּצֵל אֱלֹהִים אָת מִקְנֵה אֲבִּיכֶם (ברחשית לא, ט), אשר הליל אלהים מאבינו, ולא יאמנו דבריו, כי אם לא היתה הנו"ן יסוד והיא נקודה בחיר"ק, לא תהא משמשת בלשון ופעלתם, אלא בלשון ונפעלתם, כמו וְנִפַּקְּשֶּם מַעַל הְאַבְיכֶם (וִיקרא כו, יו), וְנִפַּרְשֶּם בְּחוֹכָה (יחוקאל כב, כא), ואמרתם נללנו, לשון נפעלתו, וכל נו"ן שהיא באה בחיבה לפרקים, ונופלת ממנה, כנו"ן של נוגף, נושא, נותן, נושך, כשהיא מדברת לשון ופעלתם, תנקד בשו"א בחטף, כגון וּיְשָּאְהָם אֶת אֲבִיכֶם (ברחשית מה, יט), וּיְסַשֶּם לֶהֶם אֶת אֶּבֶלְשׁ (במדבר לב, כט), ונמלתם את בשר ערלתכם. לכן אני אומר, שואת הנקודה בחיר"ק מן היסוד היא, ויסוד שם דבר נלול, והוא מן הלשונות הכבדים, כמו דְּבּוֹּר, כְּפּוֹּר, לִמּוֹד שם דבר נלול, והוא מן הלשונות הכבדים, כמו דְבּוֹר, כְפּוֹר, לִמוּד, כשידבר בלשון ופעלתם ינקד בחיר"ק, כמו וְדִּבְּרְשֶּם אֶלְ הַפֶּלֵע (שם כ, ח), וְכְפּרְשֶם אֶת הְבֵּיְיָם אֹת הְיִים לֹת בְּבִים (יחוקאל מה, ב), וְלִמֵּדְשָׁם חֹסְם לָת כֹבִים וֹחִים, יט):

(2) מזה בידך. לכך נכתב תיבה אחת לדרוש, מזה שבידך אתה חייב ללקות, שחשדת בכשרים. ופשוטו, כאדם שאומר לחבירו, מודה אתה שזו שלפניך אבן היא, אומר לו הן, אמר לו הריני עושה אותה עץ:

(3) ויהי לנחש. רמז לו שסיפר לשון הרע על ישראל (באומרו לא יאמינו לי), ותפש אומנתו של נחש:

(4) ויחזק בו. לשון אחיזה הוא, והרבה יש במקרא, ויַקוּקוּ הָאַנְשִׁים בְּיָדוֹ (בראשית יט, טו) וְהֶחֶוִיקָה בִּמְבָּשִׁיו (דברים כה, יא), וְהֶחֵוֹקָה בִּוֹלָנוֹ (שמואל־א יז, לה), כל לשון חזוק הדבוק לבי"ת, לשון אחיזה הוא:

that they may believe that the LORD, the God of their fathers, the God of Abraham, the God of Isaac, and the God of Jacob, hath appeared unto thee.'

And the LORD said furthermore unto him: 'Put now thy hand into thy bosom.' And he put his hand into his bosom; and when he took it out, behold, his hand was leprous, as white as snow.

And He said: 'Put thy hand back into thy bosom.—And he put his hand back into his bosom; and when he took it out of his bosom, behold, it was turned again as his other flesh.—

And it shall come to pass, if they will not believe thee, neither hearken to the voice of the first sign, that they will believe the voice of the latter sign.

And it shall come to pass, if they will not believe even these two signs, neither hearken unto thy voice, that thou shalt take of the water of the river, and pour it upon the dry land; and the water which thou takest out of the river shall become blood upon the dry land.'

And Moses said unto the LORD:

'Oh Lord, I am not a man of words, neither heretofore, nor since Thou hast spoken unto Thy servant; for I am slow of speech, and of a slow tongue.'

בְּדִיל דִּיהֵימְנוּן אֲרֵי אָתְגְּלִי לְדְּ יִיָּ אֱלְהָא דַּאֲבְהָתְהוֹן אֱלְהֵיה דְּאַבְרָהָם אֱלְהֵיה דִּיצחס ואלהיה דִּיעסֹב:

נְאָמַר יְיָ לֵיהּ עוֹד אַעֵּיל כְּעַן יְדְדְ בְּעִטְפִּיהּ וְאַפֵּלְ בְּעִטְפֵיהּ וְאָפְּלֵחּ וְהָא יְדֵיהּ חָוְרָא כְתַלְגָא:

נאָמֵר אָתֵיב יְדָדְ לְעִּטְפָּדְ נַאָתִיב יְדֵיהּ לְעִטְפֵיהּ וְאַפְּקּה מַעִּטְפֵיהּ וְהָא תַּבַת הֲנָת מָבִיה:

וִיהֵי אָם לָא יָהֵימְנוּן לָךְּ וְלָא יְקַבְּלוּן לְקָל אָתָא בַּתְרָאָה וִיהֵימְנוּן לְקָל אָתָא בְּתְרָאָה:

וִיהֵי אָם לָא יְהֵימְנוּן אַף לִתְרֵין אָתִּיָּא הָאִלֵּין וְלָא יְקַבְּּלוּן מִנְּדְ וְתִפָּב מִמַּיָּא דִּבְנַהְרָא וְתֵישׁוֹד לְיַבֶּשְׁתָּא וִיהוֹן מַיָּא דְּתִפַּב מִן נַהְרָא וִיהוֹן לִדְמָא בְּיַבֶּשְׁתָּא:

יָאַמַר מֹשֶׁה קֶּדֶם יְיָ בְּבָעוּ זֵאֶתְטָלִי אַף מִדְּקַמּוֹהִי אַף זֵאֶתְטָלִי אַף מִדְּקַמּוֹהִי אַף אַרִי יַקִּיר מַמְלַל וְעַמִּיק לִישָׁן אַרִי יַקִּיר מַמְלַל וְעַמִּיק לִישָׁן

לְמַעַן יַאֲמִּׁינוּ כִּי־נִרְאֵה אֵלֶיףּ בְּ יְהֹוָה אֱלֹהֵי אֲבֹתָם אֱלֹהֵי ? אַבְרָהָם אֱלֹהֵי יִצְחָק וֵאלֹהֵי אֵּ יַעַקִב:

ני אֶמֶר יְהוָה לוֹ עוֹד הָבֵא־נָא יִדְדְּ בְּחֵילֶּךְ נִיָּבָא יָדְוֹ בְּחֵילֵּוֹ ניַוֹצִאָּה וְהִנֵּה יָדְוֹ מְצֹרַעַת כּשׁלג:

וֹיּאמֶר הָשֵּׁב יְדְדְּ אֶל־חֵימֶּדְ וַנְּשֶׁב יִדְוֹ אֶל־חֵימֵוֹ וַיְּוֹצִאָה מַחֵילוֹ וְהִנָּה־שָׁבָה כִּבְשָּׂרְוֹ:

וְהָנָהֹ אִם־לָא יַאֲמֵינוּ לֶּדְּ וְלָא וִ יִשְׁמְעוּ לְלָל הָאָת הָרִאשֵׁוֹן יִ והאמינוּ ללִל האת האחרוו: !

וְהָיָּה אִם־לָּא יַצְּמִינוּ גַּם ׁ לִשְׁנֵּי הָאֹתוֹת הָאֵלֶה וְלָא יִשְּמְעוּן לְלִלֶּךְ וְלָקַחְתָּ מִמֵּימֵי הַיְּאֹר וְשָׁפַּרָתָּ הַיַּבְּשָׁה וְהָיָּוּ הַמַּיִם אֲשֶׁר תִּקַּח מִן־הַיָּאֹר וְהָיִוּ לְדֶם בַּיַּבְּשֶׁת:

וַיֹּאמֶר מֹשֶׁה אֶל־יְהוָתֹ בֵּי אֲדֹנְיּ לֹא אִישׁ דְּבְרִים אָנֹכִי גַּם מִתְּמוֹל גַם מִשִּׁלְשֵׁם גַּם מֵאָז דַבֶּרְךְ אֶל-עַבְדֶּךְ כִּי כְבַד-בָּה וֹכְבַד לָשִׂוֹן אָנָכִי:

- (6) מצורעת כשלג. דרך לרעת להיות לבנה, אם בהרת לבנה היא, אף באות זה רמז לו שלשון הרע סִיפֵּר באומרו לא יאמינו לי, לפיכך הלקהו בלרעת, כמו שלקתה מרים על לשון הרע:
- (7) ויוציאה מחיקו והנה שבה וגו'. מכאן, שמדה טובה ממהרת לבא ממדת פורעניות, שהרי בראשונה לא נאמר מחיקו (7) (שמו"ר ג, יה):
- (8) והאמינו לקול האות האחרון. משתאמר להם בשבילכם לקיתי על שספרתי עליכם לשון הרע, יאמינו לך, שכבר למדו בכך שהמזדווגין להרע להם לוקים בנגעים, כגון פרעה ואבימלך בשביל שרה:
- (9) ולקחת ממימי היאור. רמז להם שבמכה ראשונה נפרע מאלהותם, (פירוש, כשהקב"ה נפרע מן האומות, נפרע מאלהותם מחלה, שהיו עובדים לנילוס המחיה אותם, והפכם לדם. ברש"י ישן): והיו המים וגר׳. והיו, והיו, שני פעמים, נראה בעיני, אלו נאמר והיו המים אשר תקח מן היאור לדם ביבשת, שומע אני שבידו הם נהפכים לדם, ואז כשירדו לארץ יהיו בהוייתן, אבל עכשיו מלמדנו, שלא יהיו דם עד שיהיו ביבשת:

And the LORD said unto him: π 'Who hath made man's mouth? or who maketh a man dumb, or deaf, or seeing, or blind? is it not I the LORD?

Now therefore go, and I will be with thy mouth, and teach thee what thou shalt speak.'

And he said: 'Oh Lord, send, I pray Thee, by the hand of him whom Thou wilt send.'

And the anger of the LORD was kindled against Moses, and He said: 14 'Is there not Aaron thy brother the Levite? I know that he can speak well. And also, behold, he cometh forth to meet thee; and when he seeth thee, he will be glad in his heart.

And thou shalt speak unto him, and put the words in his mouth; and I will be with thy mouth, and with his mouth, and will teach you what ye shall do.

And he shall be thy spokesman 16 unto the people; and it shall come to pass, that he shall be to thee a mouth, and thou shalt be to him in God's stead.

לאנשא או מן שוי אלימא או חַרְשָּׁא אוֹ פַּתִיחָא אוֹ עַוִירָא

פַמַד וָאַלְפַנַד דַתְמַלֵּיל:

וַאֲמַר בִּבָעוּ יִיָ שָׁלַח כִּעַן בִּיַד

הַלָּא אַהַרֹן אַחוּך לֵינַאַה גָּלי קָּדָמֵי אָרֵי מַלַּלָא יִמַלּיל הוּא וָאַף הָא הוּא נָפֵיק לְקַדַּמוּתַדְּ

עם פַּמָּך ועם ַנִתְכוֹן יַת דְתַעְבִּדוּן:

לְּפֶּׁה וְאַתָּה הוּא יְהֵי לְךְּ לִמְתוּרְגְּמָן וִאַתּ

וּיֹאמר יהוֹה אלַיו מי שֹם פַה ואַמר יִי לֵיה מן שׁוִי פִּמָא לַאַדַם אוֹ מִי־יַשִּׁוּם אַלָּם אוֹ חַבִשׁ אָוֹ פָּקָחַ אַוֹ עִוֹּרֶ הַלְאׁ אָנֹכִי

וְעַתָּה לֵדְ וְאָנֹכִי אֵהְיֵה עִם־פִּיד וּכְעַן אִיזִיל וּמֵימִרִי יִהֵי עִם והוביתיף אשר תדבר:

ַבֵּי אֲדֹנָן שֶׁלַח־נָא בִּיַד־

וַיֶּחַר־אַּף יָהוַה בַּמֹשֵׁה וַיֹּאמֵר וּתִקֵיף רוּגְזָא דַייִ בְּמֹשֶׁה וַאֲמֵר ילא אהרן אחיף הלוי ידעתי בילא קבר ידַבֶּר הוא וגַם הנה־ הוּא יצא לִקרַאתֶׁד וְרַאַדְּ וִשְּׂמֵח בלבו:

> ועם־פיהו אתכם את אשר תעשון:

וְדְבֵּר־הָוֹא לְדָּ אֵל־הַעָם וְהַיָה וִימַלֵּיל הוֹא לָדְ עִם עַמַּא וִיהֵי תהיה־לו לאלהים:

- (10) גם מתמול וגר. למדנו שכל שבעה ימים היה הקב"ה מפתה את משה בסנה לילך בשליחותו, מתמול שלשום מאז דברך הרי שלשה, ושלשה גמין רבויין הם, הרי ששה, והוא היה עומד ביום הז' כשאמר לו זאת, עוד שלח נא ביד תשלח, עד שחרה בו וקבל עליו. (שמו"ר ג, טז) וכל זה, שלא היה רוצה ליטול גדולה על אהרן אחיו שהיה גדול הימנו, ונביא היה, שנאמר (הלא אהרן אחיך הלוי וגו', ועוד נאמר לעלי הכהן) הַנְגְלֹה נְגָלֵיחִי אֶל בֵּיח טָבִיךְ בְּהִיוֹמֶם בִּמִלְרַיִם (שמואל־א ב, כז), הוא אהרן, וכן וָאָרָע לָהֶם בְּאֶרֶן מִלְרָיִם וגו' (יחוקאל כ, ה) ואָמֵר אֱלִיהֶם אִיש שְקוּצֵי עֵינְיו הַשְלִיכוּ, ואוחה נבואה לאהרן נאמרה: פה. בכבידות אני מדבר, ובלשון לע"ז בלב"ו
- מי שם פה וגר׳. מילמדך לְדַבֶּר כשהיית נדון לפני פרעה על התלרי: או מי ישום אלם. מי עשה פרעה אלס שלח (11) נתאמץ במלות הריגתך, ואת משרתיו חרשים שלא שמעו בלוותו עליך, וַלאָסְפַּקַלַטוֹרְין (שבת קח.) ההורגים מי עשאם עוַרִים, שלא ראו כשברחת מן הבימה ונמלטת (תנחומא שמות י): הלא אגכי. ששמי ה' עשיתי כל זאת:
- (13) ביד תשלח. ביד מי שאתה רגיל לשלוח והוא אהרן. דבר אחר, ביד אחר שתרלה לשלוח, שאין סופי להכניסם לארץ ולהיות גואלם לעתיד, יש לך שלוחים הרבה:
- (14) ויחר אף. (זבחים קב.) רבי יהושע בן קרחה אומר, כל חרון אף שבתורה נאמר בו רושם, וזה לא נאמר בו רושם, ולא מלינו שבא עונש על ידי אותו חרון, אמר לו רבי יוסי אף בזו נאמר בו רושם, הלא אהרן אחיך הלוי, שהיה עתיד להיות לוי ולא כהן, והכהונה הייתי אומר לנאת ממך, מעתה לא יהיה כן, אלא הוא יהיה כהן ואתה הלוי, שנאמר ומשה איש הַאֱלֹהִים בַּנְיו יַקַרָאוּ עַל שָבָּט הַלָּוִי (דברי הימיס־א כג, יד): הנה הוא יצא לקראתך. כשמלך למלריס: וראך ושמח בלבו. לא כשאתה סבור שיהא מקפיד עליך שאתה עולה לגדולה, ומשם זכה אהרן לַעַדִי החשן הנחון על הלב:

And thou shalt take in thy hand this rod, wherewith thou shalt do the signs.'

And Moses went and returned to Jethro his father-in-law, and said unto him: 'Let me go, I pray thee, and unto my brethren that are in Egypt, and see whether they be yet alive.' And Jethro said to Moses: 'Go in peace.'

And the LORD said unto Moses in 19 Midian: 'Go, return into Egypt; for all the men are dead that sought thy life.'

And Moses took his wife and his sons, and set them upon an ass, and he returned to the land of Egypt; and Moses took the rod of God in his hand.

And the LORD said unto Moses: 'When thou goest back into Egypt, see that thou do before Pharaoh all the wonders which I have put in thy hand; but I will harden his heart, and he will not let the people go.

And thou shalt say unto Pharaoh: Thus saith the LORD: Israel is My son, My first-born.

<u>תק</u>ח ווַת חוּטָרַא הַדֵין תִּסָב בִּידַך רתעביד ביה ית אתיא:

משה ותב חמוהי ואַמַר ליה אָיזֵיל כַּעַן ואתוב לות אחי דבמצרים וָאָחָזֵי הַעַד כִּעַן קַיַּמִין וַאָּמַר יתרו למשה איזיל לשלם:

ויּלך משה וַיַשַבוּ אֵל־יֵתֶר חָתְנֹוּ ויאמר לו אלכה וא ואשובה' אל־אחי אשר־במצרים ואראה למשה לך לשלום:

וַאַמַר יִיָּ לְמֹשֵׁה בִּמִדִין אִיזֵיל תוּב לְמִצְרָיִם אֲרֵי מִיתוּ כַל גּוּבְרַיָּא דִבְעוֹ לְמָקְמַלַר:

משה ות אָתְּתִיה ווַת בּנוֹהָי וָאַרְכֵּיבְנוּון עַל חַמַרא וָתַב לְאַרְעַא דְּמָצְרֵיִם וּנְסֵיב משה ית חוטרא דאתעבידו בֵּיה נָסִין מָן קַדַם יִיַ בִּידֵיה:

חזי וִתַעַבֵידִנּוּן קַדָם פַּרִעֹה וַאַנָּא

:הָאַנַשִּׁים הַמָּבַקשִׁים אֵת־נַפַּשֵׁד

ויהח משה את־אשתו בַּנַיו וַיַּרְכָּבֶם על־הַחַמֹּר וּשׁב אַרְצָה מִצְרָיִם וַיִּקַח מֹשֵׁה אֵת־ מטה הַאֵּלֹהֵים בַּיַרְוֹ:

ועשיתם לפני פרעה ואני אחזק אָת־לְבֹּוֹ וָלָאׁ יִשְׁלָּח אָת־הַעָם:

ַנְאָמַרָתַ אָל־פַּרעה כֹה 22 יִהוַה בַּנִי בַכֹּרִי יִשְׂרָאֵל:

- (16) ודבר הוא לך. בשבילך ידבר אל העם, וזה יוכיח על כל לך ולי ולו ולכם ולהם הסמוכים לדבור, שכולם לשון על הם: יהיה לך לפה. למליץ, לפי שאתה כנד פה: לאלהים. לרגולשר:
- (18) וישב אל יתר התנו. ליטול רשות, שהרי נשבע לו (שלא יזוז ממדין כי אם ברשותו). (מכילתא יתרו) ושבעה שמות היו לו, רעואל, יתר, יתרו, קיני, וכו':
 - (19) כי מתו כל האנשים. מי הם, דתן ואבירם, חיים היו, אלא שירדו מנכסיהם, והעני חשוב כמח (נדרים סד:):
- (20) על החמור. חמור המיוחד, הוא החמור שחבש אברהם לעקידת ילחק, והוא שעתיד מלך המשיח להגלות עליו, שנאמר ענין ולכב על חמור (זכריה ט, ט): וישב ארצה מצרים ויקח משה את מטה. אין מוקדס ומאוחר מדוקדקים במקרא:
- (21) בלכתך לשוב מצרימה וגר. דע, שעל מנח כן חלך, שתהא גבור בשליחותי לעשות כל מופתי לפני פרעה ולא חירא אשר שמתי בידך. לא על שלשה אותות האמורות למעלה, שהרי לא לפני פרעה צוה לעשותם אלא לפני ישראל שיאמינו לו, ולא מלינו שעשאם לפניו, אלא מופתים שאני עתיד לשום בידך במלרים, כמו כִּי יַדְבֵּר אַלְכֵם פַּרְעה וגו' (שמות ז, ט), ואל תתמה על אשר כתיב אשר שמתי, שכן משמעו, כשתדבר עמו כבר שַּׁמְּפִים בידך:
- (22) ואמרת אל פרעה. כשתשמע שלבו חזק וימאן לשלוח, אמור לו כן: בני בכרי. לשון גדולה, כמו אף אַנִי בּלור אַתְּגָהוּ (תהלים פט, כח), זו פשוטו. ומדרשו, כאן חתם הקב"ה על מכירת הבכורה שלקח יעקב מעשו:

And I have said unto thee: Let My son go, that he may serve Me; and thou hast refused to let him go. 'Behold, I will slay thy first-born.'

And it came to pass on the way at the lodging-place, that the LORD met him, and sought to kill him.

Then Zipporah took a flint, and cut off the foreskin of her son, and cast it at his feet; and she said: 'Surely a bridegroom of blood art thou to me.'

So He let him alone. Then she said:

'A bridegroom of blood in regard
of the circumcision.'

And the LORD said to Aaron: 'Go
into the wilderness to meet Moses.'
And he went, and met him in the
mountain of God. and kissed him.

And Moses told Aaron all the words 28 of the LORD wherewith He had sent him, and all the signs wherewith He had charged him. וַאֲמַרִית לָךְ שַׁלַח יָת בְּרִי לְשַׁלְחוּתֵיה הָא אֲנָא קְמֵיל יָת בָּרָךְ בּוּכָרָךְ:

וַהֲוָה בְּאוֹרְחָא בְּבֵית מְבָתָא וְעָרַע בֵּיה מַלְאֲכָא דֵּיי, וּבְעָא לִמִקִּטְלִיה:

וּנְסֵיבַת צָפּוֹרָה טָנְּרָא וּנְזַרַת יָת עָרְלַת בְּרַה וְקְרֵיבַת לִקְדָמוֹהִי וַאֲמַרַת בִּדְטְא דִּמְהוּלְתָּא הָדֵין אָתְיְהֵיב חַתָּנָא לָנָא:

וְנָח מִנֵּיה בְּכֵן אֲמַרַת אִלּוּלֵי דְּמָא דִּמְהוּלְתָּא הָדֵין אִתְחַיֵּיב חַתְנָא קְמוֹל:

נַאֲמַר יְיָ לְאַהַרֹן אִיזֵיל לְפַדָּמוּת מֹשֶׁה לְמַדְבְּרָא נַאֲזַל וְעָרְעֵיהּ בְּמוּרָא דְּאִתְגְּלִי עַלוֹהִי יְקָרָא דִּייִ וְנַשֵּׁיק לֵיהּ:

וְחַוִּי מֹשֶׁה לְאַהֲרֹן יָת כָּל פָּתִגְמַיָּא דִּייִ דְשַׁלְחֵיה וְיָת כָּל אָתִיָּא דְּפַקְּדֵיה: ְנָאֹמַר אֵלֶיף שַׁלַּח אֶת־בְּנִי וְיַעַבְדֵּנִי וַהְּטָאֵן לְשַׁלְּחֵוֹ הִנֵּה אָנֹכֵי הֹבֵג אֶת־בִּנְךָּ בְּכֹרֶך:

יַנְיָהֶי בַדֶּרֶךְ בַּמְּלֵוֹן וַיִּפְּגְשֵׁהוּ יְהוָה וַיְבַקִּשׁ הַמִּיתוֹ:

וַתִּלֵּח צִפּּרָה צֹר וַתִּכְרֹת אֶת־עָרְלַת בְּּנָה וַתַּגָּע לְרַגְּלְיו וַתְּאֹמֶר כִּי חֲתַן־דָּמֵים אַתָּה לֵי:

ַ וַיֻּרֶךְ מִּנֶּוּ אֲז אֲמְרָה חֲתַן דָּמִים לַמוּלְת: (פּ)

וּיָּאמֶר יְהוָהֹ אֶל־אַהֲרֹן לֵךְ לִקְרָאת מֹשֶׁה הַמִּדְבָּרָה וַיֵּלֶךְ וַיִּפְּנְשֵׁהוּ בְּהַר הָאֶלֹהִים וַיִּשַׁק־ לִוֹ:

ַניַגָּד מֹשֶׁה לְאַהֲרוֹ אֶת כְּל־ וְ דּבְרֵי יְהוָה אֲשֶׁר שְׁלְחֵוֹ וְאֵת יּ כָּל־הָאֹתָת אֲשֶׁר צִוָּהוּ:

- (23) ואומר אליך. בשליחותו של מקום: שלח את בני וגר׳. הנה אנכי הרג וגר׳. היא מכה אחרונה, ובה התרחו תחלה מפני שהיא קשה, וזה הוא שנאמר באיוב בין אֵל יַשְׁנִּיב בְּלחוֹ, לפיכך, מִי כָמֹהוּ מֹוּרֶה (איוב לו, כב), בשר ודם המבקש להנקם מחבירו, מעלים את דבריו שלא יבקש הצלה, אבל הקב״ה ישגיב בכחו ואין יכולת להמלט מידו כי אם בשובו אליו, לפיכך הוא מורהו ומתרה בו לשוב:
- (24) ויהי בדרך במלון. משה: ויבקש המיתו. למשה, לפי שלא מל את אליעזר בנו, ועל שנחרשל נענש עונש מיתה. מניא אמר רבי יוסי ח"ו לא נחרשל, אלא אמר, אמול ואלא לדרך, סכנה היא לתינוק עד שלשה ימים, אמול ואשהה שלשה ימים, הקב"ה אוני לך שוב מלרים, ומפני מה נענש מיתה, לפי שנחעסק במלון תחלה (במסכת נדרים לא:), והיה המלאך נעשה כמין נחש, ובולעו מראשו ועד יריכיו, וחוזר ובולעו מרגליו ועד אותו מקום, הבינה לפורה שבשביל המילה הוא:
- (25) ותגע לרגליו. השליכתו לפני רגליו של משה: ותאמר. על בנה: כי חתן דמים אתה לי. אתה היית גורס להיות החתן שלי נרלח עליך. הורג אישי אתה לי:
- (26) וירף. המלאך ממנו. אז, בינה שעל המילה בא להורגו: אמרה חתן דמים למולת. חתני היה נרלח על דבר המילה. (שינה רש"י בלשונו, לעיל כתב אתה היית גורס, דקשה לרש"י, מה זה אז אמרה חתן דמים, והלא גם לעיל אמרה חתן דמים, והלא מסלה מברה דזה וזה גורס, חטא המילה וחטא אחר, אח"כ כשראתה וירף לגמרי, אז הבינה דעל דבר המילה לבד בא, ובזה מתורץ גם כן שינוי לשון בתרגום אונקלום בחתן דמים, ודו"ק כנ"ל): למולת. על דבר המולות, שם דבר הוא, והלמ"ד משמשת בלשון על, כמו וְאַמֵּר פַּרְעֹה לְבְּנֵי יִשְׁרָאֵל (שמות יד, ג). ואונקלום תרגם דמים, על דם המילה:

And Moses and Aaron went and gathered together all the elders of the children of Israel.

And Aaron spoke all the words which the LORD had spoken unto Moses, and did the signs in the sight of the people.

And the people believed; and when they heard that the LORD had remembered the children of Israel, and that He had seen their affliction, then they bowed their heads and worshipped.

And afterward Moses and Aaron came, and said unto Pharaoh: 'Thus saith the LORD, the God of Israel: Let My people go, that they may hold a feast unto Me in the wilderness.'

And Pharaoh said: 'Who is the LORD, that I should hearken unto His voice to let Israel go? I know not the LORD, and moreover I will not let Israel go.'

And they said: 'The God of the Hebrews hath met with us. Let us go, we pray thee, three days' journey into the wilderness, and sacrifice unto the LORD our God; lest He fall upon us with pestilence, or with the sword.'

And the king of Egypt said unto them: 'Wherefore do ye, Moses and Aaron, cause the people to break loose from their work? get you unto your burdens.'

כל סבי בני ישראל:

ובתר כן עאלו משה ואהרן ואַמַרוּ לפַרעה כַדנן אַמַר אֵלָהָא דִּישִּׂרָאֵל שַׁלַח ית עמי

ואמר פרעה שמא דיי לא לחא ית ישראל שמא דיי ואף ית לא אשלח:

ואמרו אלהא דיהודאי אתגלי עלנא ניזיל כִּעַן מַהַלַך תִּלְתָא יוֹמִין בִּמַדבּרָא וּנִדַבַּח קֶדָם יִי אֵלָהַנָּא דְּלְמָא יִעָרִענַנָּא בִּמוֹת

מִצְרַיִם וַאֲמַר לְהוֹן מַלְכָּא דְּמִצְרַיִם לִמָא מֹשֵׁה וִאַהֵרֹן תִּבַּמָּלוּן

יַת נַיֵּלֶךְ מֹשֶׁה וְאָהַרְן וַיַּאָסִפֿוּ אָת־ וַאַזַל מֹשֶׁה וְאָהַרֹן וּכַנַשׁוּ יַת 20

נוָדַבֶּר אָהֶרֹן אָת כַּל־הַדְבַרִים וּמַלֵּיל אַהַרון יַת כַּל פּתגמיַא אל-משה ויעש האתת לעיני העם:

אָת־עַנִיָּם וַיִּקְדָוּ וַיֵּשְׁתַחַוִּוּ:

ואחר באו משה ואַהַרן וַיאמרו

עלינו נלכה נא דר אלהינו פו־יפגענו

(1) ואחר באו משה ואהרן וגר. אכל הזקנים נשמטו אחד אחד מאחר משה ואהרן, עד שנשמטו כולם קודם שהגיעו לפלטין, לפי שיראו ללכת (שמו"ר ה, יד), ובסיני נפרע להס, ונגש משה לבדו והם לא יגשו, החזירם לאחוריהם:

(3) פן יפגענו. פן יפגעך היו לריכים לומר, אלא שחלקו כבוד למלכות. פגיעה זו, לשון מקרה מוח הוא:

(4) תפריעו את העם ממעשיו. מבדילו ותרחיקו חותם ממלחכתם, ששומעין לכם וסבורים לנוח מן המלחכה, וכן פַרְעָהוּ אַל פַעַבָּר בֹּו (משלי ד, טו), רחקהו, וכן וַמְּפַרְעוּ כַל עַלַמִי (שם א, כה), כִּי פַּרְע הוּא (שמוח לב, כה), נרחק ונחעב: And Pharaoh said: 'Behold, the people of the land are now many, and will ye make them rest from their burdens?'

And the same day Pharaoh

commanded the taskmasters of the people, and their officers, saying:

'Ye shall no more give the people

7 straw to make brick, as heretofore.

Let them go and gather straw for
themselves.

And the tale of the bricks, which they did make heretofore, ye shall lay upon them; ye shall not diminish aught thereof; for they are idle; therefore they cry, saying: Let us go and sacrifice to our God.

Let heavier work be laid upon the
men, that they may labour therein;
and let them not regard lying
words.'

וַאָמַר פַּרְעֹה הָא מִדְּסַנִּיאִין כְּעַן עַמָּא דְאַרְעָא וּתְבַמְּלוּן יתהוֹן מפּוּלחנהוֹן:

וּפַקֵּיד פַּרְעֹה בְּיוֹמָא הַהוּא יָת שִׁלְטוֹנֵי עַמָּא וְיָת סָרְכוֹהִי לְמֵימַר:

לָא תֵיסְפּוּן לְמִתֵּן תִּבְנָא לְעַמְּא לְמִרְמֵי לִבְנִין כְּמֵאֶתְמָלִי וּמָדְּקַמּוֹהִי אָנּוּן יֵיזְלוּן וִיגָּבְבוּוּן לְהוֹן תִּבְנָא:

וְיָת סְכוֹם לְבְנַיָּא דְּאִנּוּן עָבְדִין מַאֶּתְמָלִי וּמִדְּקַמּוֹתִי תְּמַנּוֹן עַלִיחוֹן לָא תִּמְנְעוּן מִנִּיה אֲבִי מַצְּוְחִין לְמֵימַר נֵיזֵיל נְדַבָּח מַדם אלהנא:

יִתְקַף פּוּלְחָנָא עַל גוּבְרַיָּא יִתְעַסְּקוּן בַּהּ וְלָא יִתְעַסְּקוּן בָּפָתְגָמִין בְּטֵילִין:

וַנֵּאמֶר פַּרְעָה הֵן־רַבִּים עַהָּה עַם הָאָרֵץ וְהִשְׁבַּמֵם אֹתָם מִסְּבָלֹתֵם:

ַניְצַו פַּרְעָה בַּיַּוֹם הַהַוּא אֶת־ הַנּגְשֵּׁים בָּעָם וְאֶת־שׁטְּרָיו לֵאמָר:

לְא תֹאספֿוּן לְנֵּת הַּנְבֶן לְעָם לְלְבָּן הַלְּבֵנִים כִּתְמִוֹל שִׁלְשֵׁם הַם וֵלְכֹּוּ וְלִשְׁשִׁוּ לְהָם תֶּבֶן:

וְאֶת־מַתְפּנֶת הַלְּבֵנִים אֲשֶׁר הֵם עשִּׁים הְאָוֹל שִׁלְשׁם הְשִּׁימוּ עֲלֵיהֶם לְא תִנְרְעוּ מִטֶּנִּנּ כִּי־ נְרְפִּים הֵם עַל־בֵּן הֵם צְּעֲקִים לֵאמֹר נִלְכָה נִוְבְּחֲה לֵאלֹהֵינוּ:

תִּכְבַּדְ הָעֲבֹדֶה עַל־הָאֲנָשִׁים וְיַצְשׂוּ־בָה וְאַל־יִשְׁעוּ בִּדְבְרֵי־ שֶׁקֵר:

לכו לסבלותיכם. לכו למלאכתכם שיש לכם לעשות בצתיכם, אצל מלאכת שעצוד מזרים לא היתה על שצטו של לוי, ותדע לך, שהרי משה ואהרן יוזאים ובאים שלא ברשות:

- (5) הן רבים עתה עם הארץ. שהעבודה מוטלת עליהם, ואתם משביתים אותם מסבלותם, הפסד גדול הוא זה:
- (6) הגוגשים. מלריים היו, והשוטרים היו ישראלים, הנוגש ממונה על כמה שוטרים, והשוטר ממונה לְרְדּוֹח בעושי המלאכה:
- (7) תבן. אשטו"בלא, היו גובלין אותו עם הטיט: לבנים. טיוו"לש בלע"ז, שעושים מטיט, ומיבשין אותן בחמה, ויש ששורפין אותן בכבשן: כתמול שלשם. כאשר הייתם עושים עד הנה: וקששו. ולקטו:
- (8) ואת מתכנת הלבנים: סכום חשצון הלבנים שהיה כל אחד עושה ליום כשהיה המצן נתן להם, אותו סכום חשימו עליהם גם עתה, למען תכבד העבודה עליהם: בי ברפים. מן העבודה הם, לכך לבם פונה אל הבטלה וצועקים לאמר עליהם גם עתה, למען תכבד העבודה עליהם: ברפים. מל הכסף המתוכן, כולן לשון חשבון הם: ברפים. המלאכה רפויה בידם ועזובה מהם, והם נרפים ממנה רטר"ייש בלע"ז
- (9) ואל ישעו בדברי שקר. ואל יהגו וידברו חמיד בדברי רוח, לאמר נלכה נובחה, ודומה לו ואשעה בחקיף חמיד, למשל ולשנינה מחרגמינן וּלְשׁוֹעִין, וַיְּסַפֶּר וְחִּשְׁשֶׁת, ואי אפשר לומר ואל ישעו לשון וישע ה' אל הבל וגו' ואל קין ואל מנחחו לא שעה, ולפרש אל ישעו אל יפנו, שא"כ היה לו לכתוב ואל ישעו אל דברי שקר, או לדברי שקר, כי כן גורת כלם, יִשְׁשֶׁה הָאָדֶם עַל עֹשֵׁהוּ (ישעיה יו, ז), וְלֹא שָׁעוּ עַל קְדֹשׁ יִשְׁרָחֵל (שם לֹא, א), וְלֹא יִשְׁשׁה שָׁלֹ הַמִּוְבְּחֹוֹת (שם יו, ח), ולא מצאחי שמוש של בי"ת סמוכה לאחריהם, אבל אחר לשון דבור כמתעסק לדבר בדבר, נופל לשון שמוש בי"ת, כגון הַנִּדְבָּרִים בְּדְּ (יחוקאל לג, ל), וַמְּדַבֵּר מְּנִים, מה), וְבַבּר בְּם (דברים יא, יט), וַאַדַּבְּרָה בְּעַדֹּוְטִיךְ (תהלים קיט, מה), אף כאן אל ישעו בדברי שקר, אל יהיו נדברים בדברי שוא והבאי:

And the taskmasters of the people went out, and their officers, and they spoke to the people, saying: 'Thus saith Pharaoh: I will not give you straw.

Go yourselves, get you straw where ye can find it; for nought of your work shall be diminished.'

So the people were scattered abroad throughout all the land of Egypt to gather stubble for straw.

And the taskmasters were urgent, saving: 'Fulfil your work, your daily task, as when there was straw.'

And the officers of the children of Israel, whom Pharaoh's taskmasters 14 had set over them, were beaten, saying: 'Wherefore have ye not fulfilled your appointed task in making brick both yesterday and today as heretofore?'

Then the officers of the children of Israel came and cried unto Pharaoh, saying: 'Wherefore dealest thou thus with thy servants?

There is no straw given unto thy servants, and they say to us: Make brick; and, behold, thy servants are beaten, but the fault is in thine own people.'

וִשְּׁמְרֵבוֹ וּנִפַּקוּ שַׁלְטוֹנֵי עַמַא וְסַרְכוֹהֵי ואמרוּ לעמא למימר אַמַר פַּרִעה לֵית אַנַא יהיב

אַשָּׁלִימוּ עֲבִידַתְכוֹן פַּתְגַם יום בִּיוֹמֵיה כִּמָא דַהַוִיתוֹן עָבִדִין כַּד מָתִיהֵיב לְכוֹן תִּבְנָא:

מדין אַשָּׁלִימִתוּן גּזֵירַתְכוֹן לִמְרַמֵּי כמאתמלי ומדקמוהי אַף תִּמַלִי אַף יוֹמַא דיו:

ואתו סרכי בני ישראל וצוחו קַרָם פַּרְעה :מָתִעֲבֵיד כָּדֵין לְעַבְדַּך

תבנא לא מתיהיב לעבדד וַלְבְנַיָּא אָמָרִין לַנָּא עֲבִידוּ וָהַא עַבְדַּךְ לַקַן וִחַשַּן עַלִיהוֹן נַנָּיך:

העם לאמר

אָהָם לְכֹּוּ קַחָוּ לָכֶם הֶבָן מאַשר אַתּוּן אִיזִילוּ סָבוּ לְכוֹן תִּבְנַא תמצאו כי אין נגרע מעבדתכם מאתר

וַיָּפֵץ הָעָם בִּכָל־אֵרֵץ מִצְרָיִם וִאָּתִבַּדַּר עַמָּא בִּכָל אַרְעָא לקשש קש לתבן:

כַּאָשֵר בַּהָיִות הַתֶּבֵן:

שמו עלהם נגשי פו כַּתְמִוֹל שַׁלְשֵׁם גַם־תמוֹל הַיִּוֹם:

אַל־פַּרִעָה לַאמר לַמַה תַעשה

:מָכֵים וָחַטַאת עַמֵּד

- (11) אתם לכו קחו לכם תבן. ולריכים אתם לילך בזריזות, כי אין נגרע דבר מכל סכום לְבַנִים שהייתם עושים ליום בהיות התבן נפון לכם מזומן מבית המלך:
- (12) לקשש קש לתבן. לאפוף אפיפה, ללקוט לקט לזורך חבן הטיט: קש. לשון לקוט, על שם שדבר המתפזר הוא ולריך לקוששו, קרוי קש בשאר מקומות:
 - (13) אצים. דוחקים: דבר יום ביומו. חשבון של כל יום כַּלוּ ביומו, כחשר עשיתם בהיות התבן מוכן:
- השוטרים ישראלים היו, וחסים על חבריהם מלדחקם, וכשהיו משלימין הַלְבַנִים (14) ויכו שטרי בני ישראל. לנוגשים שהם מלריים, והיה חסר מן הסכום, היו מלקין אותם על שלא דחקו את עושי המלאכה, לפיכך זכו אותן שוטרים להיות סנהדרין, ונאצל מן הרוח אשר על משה והושם עליהם, שנאמר אספה לי שבעים איש מזקני ישראל, מאותן שידעת הטובה שעשו במלרים, כי הם זקני העם ושוטריו: ויכו שטרי בני ישראל. אשר שמו נגשי פרעה אותם לשוטרים עליהם, לאמר מדוע וגו', למה ויכו, שהיו אומרים להם מדוע לא כליתם גם תמול גם היום, חק הקלוב עליכם ללבון כתמול השלישי, שהוא יום שלפני אתמול, והוא היה בהיות התבן נתן להם: ויכו. לשון וַיוּפְעֵלוּ, הוכו מיד אחרים, הנוגשים הכום:

But he said: 'Ye are idle, ye are idle; therefore ye say: Let us go and sacrifice to the LORD.

ואמר בַּטִלַנִין אַתּוּן בַּטִלָנִין

וַיָּאמֶר נָרְפֶּים אַתֵּם נָרְפִּים עַל־ כֵּן אַתֵּם אִמְרִים נַלְכָה נִזְבָּחָה עַל כֵּן אַתּוּן

Go therefore now, and work; for 18 there shall no straw be given you, yet shall ye deliver the tale of bricks.'

וּכִעַן אִיזִילוּ פָּלַחוּ וִתְבנא לא יתיהיב לכון וסכום לבניא

ושתה לכו עבדו ותבן לא־ינתן לכם ותכן לבנים תתנו:

And the officers of the children of Israel did see that they were set on mischief, when they said: 'Ye shall not diminish aught from your bricks, your daily task.'

וחזו סרכי בני ישראל יתהון לא תִּמְנִעוּן בִּבִישׁ לְמֵימַר מלבניכון פתגם יום ביומיה:

And they met Moses and Aaron, who stood in the way, as they came forth from Pharaoh:

וְעַרֵעוּ יַת מֹשֵׁה וְיַת אַהַרֹן קָימִין לִקַדָּמוּתִהוֹן בִּמִפַּקהוֹן

נצָבֶים לְקַרַאתָם בּצאתם מאת

and they said unto them: 'The LORD look upon you, and judge; ^{2I} because ye have made our savour to be abhorred in the eyes of Pharaoh, and in the eyes of his servants, to put a sword in their hand to slav us.' וַאַמַרוּ לָהוֹן יִתְגַּלֵי יִי עַלַיכוֹן דאַבאַישתון עבדוהי למתן חרבא בידהון

ויאמרו עליכם וישפט אשו

And Moses returned unto the 22 LORD, and said: 'Lord, wherefore hast Thou dealt ill with this people? why is it that Thou hast sent me?

ותב משה לקדם יי ואמר

משה אל־יָהוָה וַיֹּאמָר אַרנִי לַמָּה הַרֶענתה לַעֵּם הַזָּה

For since I came to Pharaoh to 23 speak in Thy name, he hath dealt ill with this people; neither hast Thou delivered Thy people at all.'

ן ושיזבא לא שיזיבתא ית

(16) ולבנים אומרים לנו עשו. הנוגשים אומרים לנו עשו לבנים כמנין הראשון: וחשאת עמך. אלו היה נקוד פחח, הייתי אומר שהוא דבוק, ודבר זה חטאת עמך הוא, עכשיו שהוא קמן, שם דבר הוא, וכך פירושו, ודבר זה מביא חטאת על עמך, כאילו כתוב וחטאת לעמך, כמו כְּבוֹאַנֶה בֵּית לָחֶס (רות א, יט), שהוא כמו לבית לחס, וכן הרבה:

(18) ותכן לבנים. חשבון הַלְבָנִים, וכן אֶת הַכֶּסֶף הַמְתַכָּן (מלכים־ ב יב, יב), המנוי, כמו שאמר בענין וַיַּצְרוּ וַיְמֵנוּ אֶת הַכַּמָף (שם יא):

(19) ויראו שוטרי בני ישראל. את חבריהם הנרדים על ידם: ברע. ראו אותם ברעה ולרה המולאת אותם, בהכבידם העבודה עליהם לאמר לא תגרעו וגו':

(20) ויפגעו. אנשים מישראל את משה ואת אהרן וגו'. ורבותינו דרשו, כל נלים ונלבים דתן ואבירם היו, שנאמר בהם ילאו נלבים:

(22) למה הרעתה לעם הזה. ואם תאמר מה איכפת לך, קובל אני על ששלחתני (שמו"ר ה, כב):

(23) הרע. לשון הפעיל הוא, הרבה רעה עליהם, ותרגומו אַבְּאֵיש:

And the LORD said unto Moses: 'Now shalt thou see what I will do to Pharaoh; for by a strong hand shall he let them go, and by a strong hand shall he drive them out of his land.'

יהוה אל-משה עתה ואמר יי קכד תראה אשר אעשה לפרעה כי פסוקים בנד תוקה ישלתם ובנד תוקה יגרשם מארצו: (ס)

The Haftarah is Isaiah 27:6 - 28:13 & 29:22 - 29:23 on page 206. Sepharadim read Jeremiah 1:1 - 2:3.

And God spoke unto Moses, and said unto him: 'I am the LORD;

וַיָּדְבַּר אַלהִים אַל־מֹשֵה וַיִּאמֵר וּמַלֵּיל יִי עם משה וַאָּמַר לִיה

אליו אני יהוה:

and I appeared unto Abraham, unto Isaac, and unto Jacob, as God Almighty, but by My name ETERNAL ONE I made Me not known to them.

And I have also established My covenant with them, to give them the land of Canaan, the land of their sojournings, wherein they sojourned.

And moreover I have heard the groaning of the children of Israel, whom the Egyptians keep in bondage; and I have remembered

My covenant.

וֹאָתִגּּלִיתִי לְאַבְרָהָם לִיצְחָק וארא אל-אברהם אל-יצחק יהוה לא נודעתי להם:

וָאַף אָקֵימִית יָת קּיָמִי עִמָּהוֹן לְמָתַן לְהוֹן יַת אַרעא דּכָנַעַן

אַרץ מָגַרִיהָם אַשֶּׁר־גַּרוּ בַה:

שַׁמַעִתִּי אֱת־נַאַקַת' בַּנֵי

(1) עתה תראה וגו'. (סנהדרין קיא.) הרהרת על מדותי, לא כאברהם שאמרתי לו כִּי בַּיְצְחֵק יְהַרֵא לְדְּ זַרָע (בראשית כא, יב), ואחר כך אמרתי לו העלהו לעולה, ולא הרהר אחרי מדותי, לפיכך עתה תראה, העשוי לפרעה תראה, ולא העשוי למלכי שבעה אומות כשאביאם לארץ: כי ביד חזקה ישלחם. מפני ידי החזקה שתחזק עליו, ישלחם: וביד חזקה יגרשם מארצו. על כרחם של ישראל יגרשם, ולא יספיקו לעשות להם לדה, וכן הוא אומר ותחזק מלרים על העם למהר לשלחם וגו':

(2) וידבר אלהים אל משה. דְּבָּר אתו משפט, על שהקשה לדבר ולותר לתה הרעותה לעם הזה: ויאמר אליו אני ה. נאמן לשלם שכר טוב למתהלכים לפני, ולא לחנם שלחתיך כי אם לקיים דברי שדברתי לאבות הראשונים. ובלשון הזה מלינו שהוא נדרש בכמה מקומות אני ה' נאמן ליפרע, כשהוא אומר אלל עונש, כגון וחללת את שם אלהיך אני ה', וכשהוא אומר אלל היום מלות, כגון ושמרתם מלותי ועשיתם אותם אני ה', נאמן ליתן שכר:

(3) וארא. אל האבות: באל שדי. הבטחחים הבטחות, ובכולן אמרחי להם אני אל שדי: ושמי ה׳ לא גודעתי להם. לא הודעתי אין כתיב כאן, אלא לא נודעתי, לא נַבַּרְמָי להם במדת אמיתית שלי שעליה נקרא שמי ה', נאמן לְאַמֶּת דברי, שהרי הבטחתים ולא קיימתי:

(4) וגם הקמתי את בריתי וגר. וגם כשנראיתי להם באל שדי, הלבתי והעמדתי בריתי ביני וביניהם: את ארץ כנען. לאברהם בפרשת מילה נאמר, אַנִי אָל שַדִּי וגו' וְנַסְפִי לְדְּ וּלְוַרְעַךְ אַמַרֶיךְ אָת אַרֶץ (בראשית יז, אח). לינֿחק, כִּי לְדַּ וּלְוַרָשַךְ הַּמָּן הַחַ כַּל הַאָרַנֹת הַהָּל וַהַקִּיתֹמִי אָת הַשָבְעַת אָשׁביעתי לאברהם באל שדי, אמרתי ליעקב אַנִי אַל שַׁדֵי פַּרֶה וּרְבָה וגו' (שם לֹה, יא), ואת הַאַרֶן אַשׁר וגו' (שם יב), הרי שנדרתי להם ולא

(5) וגם אני. כמו שהלבתי והעמדתי הברית יש עלי לקיים, לפיכך שמעתי את נאקת בני ישראל הנוחקים: אשר מצרים מעבידים אתם ואזכור. אותו הברית, כי בברית בין הבתרים אתרתי לו וגם את הגוי אשר יעבדו דן אַנֹכִי (בראשית טו, יד): Wherefore say unto the children of Israel: I am the LORD, and I will bring you out from under the burdens of the Egyptians, and I will deliver you from their bondage, and I will redeem you with an outstretched arm, and with great judgments;

and I will take you to Me for a people, and I will be to you a God; and ye shall know that I am the LORD your God, who brought you out from under the burdens of the Egyptians.

And I will bring you in unto the land, concerning which I lifted up My hand to give it to Abraham, to Isaac, and to Jacob; and I will give it you for a heritage: I am the LORD.'

And Moses spoke so unto the children of Israel; but they hearkened not unto Moses for impatience of spirit, and for cruel bondage.

And the LORD spoke unto Moses, saying:

בְּכֵן אֵימַר לִבְנֵי יִשְּׂרָאֵל אָנָא יְיָ וְאַפֵּיק יְתְכוֹן מִגּוֹ יְתְכוֹן מִפּוּלְחָן מִצְרָאֵי וַאֲשׁיזֵיב יְתְכוֹן מִפּוּלְחָנְהוֹן וְאֶפְרוֹק יְתְכוֹן בִּדְרָע מְרָמַם וּבְדִינִין רַבְרָבִין:

וֹאֲקָרֵיב יָתְכוֹן קֵדְמֵי לְעַם וְאֶהָנִי לְכוֹן לֶאֱלָה וְתִדְּעוּן אֲרֵי אָנָא יִיָ אֱלְהַכוֹן דְּאַפֵּיק יָתְכוֹן מָגוֹ דְּחוֹק פּוּלְחַן מִצְרָאֵי:

וְאַעֵּיל יָתְכוֹן לְאַרְעָא דְּקּיֵּימִית בְּמֵימְרִי לְמִתַּן יְתַהּ לְאַבְּרָהָם לְיִצְחָק וּלְיַצָּלִב וְאֶתֵּין יָתַהּ לְכוֹן יְרוּתָּא אֲנָא יִיָּ:

וּמַלֵּיל משֶה כֵּן עם בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְלָא קַבִּילוּ מִן משֶׁה מֵעֲיָק רוּחַ וּמִפּוּלְחָנָא דַּהְוָה קשֵׁי עַלִיהוֹן:

וּמַלֵּיל יְיָ עִם מֹשֶׁה לְמֵימַר:

לֶבֵּן אֲמָּר לִבְנֵי־יִשְּׂרָאֵל אֲנֵי סְבְלַת מִצְּרַיִם וְהִצַּלְתִּי אֶתְכֶם מִתַּחַת מַצְבֹרָתִם וְגָאַלְתֵּי אֶתְכֶם מִתַּחַת מִיִּה וִבִּשְׁפָּמִים וְהַצַּלְתִּי אֶתְכֶם

וְלָפַחְתִּׁי אֶתְכֶם לִי לְעָּׁם וְהָיִיתִּי לָכֶם לֵאל הִים וִידַעְהָּם כִּי אֲנֵי יְהוָה אֱלָהֵיכֶּם הַמּוֹצִיא אֶתְכֶּם מִתַּחַת סִבְּלִוֹת מִצְרֵים:

וְהַבֵּאתֵי אֶתְכֶם אֶל־הָאָּבֶץ אֲשֶׁר נְשָּׁאתִי אֶת־יָדִי לְתַת אֹתְה וְנְתַתִּי אֹתָהּ לְכֶם מוֹרָשָׁה אֲנִי יהוֹה:

ַ וֹיְדַבֵּר מֹשֶׁה כֵּן אֶל־מֹשֶׁה מִפְּצֵר וֹיְלָא שֵׁמְעוּ אֶל־מֹשֶׁה מִפְּצֵר וֹיְדַבֵּר מֹשֶׁה כֵּן אֶל־בְנֵי יִשְּׂרָאֵל

ישראל וַיְדַבָּר יְהוָה אֶל־מוֹשֶׁה לֵאמְוֹר:

- (6) לכן. על פי אותה השצועה: אמור לבני ישראל אני ה׳. הנאמן נהצטחתי: והוצאתי אתכם. כי כן הצטחתיו (שס), וְאַקַּבִי כֵן גֵץְאוּ בָּרְכָשַׁ גָּלוּל: סבלות מצרים. טורח משא מזריס:
 - (8) נשאתי את ידי. הרימותיה לישבע בכקחי:
- (9) ולא שמעו אל משה. לא קבלו מנחומין: מקצר רוח. כל מי שהוא מילר רוחו ונשימחו קלרה ואינו יכול להאריך בנשימחו. קרוב לענין זה שמעתי בפרשה זו מרבי ברוך בר' אליעזר, והביא לי ראיה ממקרא זה, בַּפַּעַם הַוֹּאֹח אוֹרִיעֵם אֶח יְדִי בְּנִח יְרִי שְׁמִי הֹ' (ירמי' טז, כא), למדנו כשהקב"ה מְאַמֵּן את דבריו אפילו לפורענות, מודיע ששמו ה', וכל שכן האמנה לטובה. ורבוחינו דרשוהו (שמו"ר ו, ד. סנהדרין קיא.) לענין של מעלה, שאמר משה לְמָה הַבְּעַשָּה (שמות ה, כב), אמר לו הקב"ה חבל על דאבדין ולא משמכחין, יש לי להתאונן על מיתת האבות, הרבה פעמים נגליתי עליהם באל שדי, ולא אמרו לי מה שמך, ואתה אמרת מה שמו מה אומר אליהם: וגם הקימותי וגר׳. וכשבקש אברהם לקבור את שרה, לא מלא אמרו לי מה שקר, ואתה אמרת מה שמו מה אומר אליהם: וגם הקימותי וגר׳. וכשבקש אברהם לקבור את שרה, לא מלא לברחם לבנית מרובים, וכן ביצחק ערערו עליו על הבארות אשר חפר, וכן ביעקב וְיִקּן אֶת מֻלְּקַת הַשְּדֶה לנטות אהלו (בראשית לג, יט), ולא הרהרו אחר מדותי, ואתה אמרת למה הרעותה. ואין המדרש מתישב אחר המקרא מפני כמה דברים, אחת, שלא נאמר ושמי ה' לא שאלו לי, ואם תאמר לא הודיעם שכך שמו, הרי תחלה כשנגלה לאברהם בין הבתרים נאמר אַנִי ה' אַשָּר הוצאתי ה' מש מו, ז), ועוד, היאך הסמיכה נמשכת בדברים שהוא סומך לכאן וגם אני שמעתי וגו', לכן אמר ישרא אומר ימישב המקרא על פשוטו דְּבֶּר צְּבָּר עֵל אָפְּנִי וֹ (משלי כה, יא), והדרש מדרש, שנאמר הֲלוֹא לה אמור לבני ישראל, לכך אני אומר ימישב המקרא על פשוטו דְבָּר שֵל אָפְנִי וֹ (משלי כה, יא), והדרש מדרש, שנאמר הַלוֹא לכה הינים ה' הַפְפַעִיש יִפּצָן סֵלַע (ירמיה כג, כט), מתחלק לכמה ניצולות:

'Go in, speak unto Pharaoh king of Egypt, that he let the children of Israel go out of his land.'

עול מליל עם פרעה מלכא ישראל מארעיה:

And Moses spoke before the LORD, saying: 'Behold, the children of Israel have not hearkened unto me; how then shall Pharaoh hear me, who am of uncircumcised lips?'

לא־שמעוּ אלי הָא בִּנֵי יִשְׂרָאֵל לָא קבִּילוּ מִנִּי וְאֵיכְדֵין יִקְבֵּיל מִנִּי פּרעה

וידבר משה לפני יהוה לאמר ומליל משה קדם יו למימר ואיד' ישמעני פרעה ואני ערל

And the LORD spoke unto Moses and unto Aaron, and gave them a charge unto the children of Israel, and unto Pharaoh king of Egypt, to bring the children of Israel out of the land of Egypt.

ופקידנון ולות פרעה מלכא

These are the heads of their fathers' houses: the sons of Reuben the first-born of Israel: Hanoch, and Pallu, Hezron, and Carmi. These are the families of Reuben.

ראובן בוכרא דישראל חנוד ופלוא חצרון זַרעַיַת ראוּבון: מִשְׁפַּחָת רַאוּבֵן:

And the sons of Simeon: Jemuel, and Jamin, and Ohad, and Jachin, and Zohar, and Shaul the son of a Canaanitish woman. These are the families of Simeon.

וִאֹהֵד וִיַכִין וִצֹחַר וִשַּׁאוּל בַּר בַנַעַנֵיתַא אָלֵין זַרעַיַת שִׁמִעוֹן:

וּבְנֵי שָׁמִעוֹן יִמוּאֵל וִיָמֵין וִאֹהַד` וַיַכִין וַצַּחַר וַשַּאָוּל בַּן־הַכּנַעַנִית אלה משפחת שמעון:

And these are the names of the sons of Levi according to their generations: Gershon and Kohath, and Merari. And the years of the life of Levi were a hundred thirty and seven years.

וּקהַת מַאַה

- (12) ערל שפתים. אטום שפתים, וכן כל לשון ערלה אני אומר שהוא אטום. ערלה אנים (שם ו, י), אטומה משמוע. ערלי לָב (שם ט, כה), אטומים מהבין. שַׁחָה גַּם אַפָּה וְהַעָרֶל (חבקוק ב, טו), והאטם משכרות כוס הקללה (נ"א התרעלה). וְעַרֶל בַּשֶׁר (יחזקאל מד, ט) שהגיד אטום ומכוסה בה. וַעַרַלְּמֶם עַרְלָחו (ויקרא יט, כג), עשו לו אוטם וכיסוי, איסור שיבדיל בפני אכילתו. שלש שַנִים יְהָיֶה לָכֶם עַרֶלִים (שִם), אטום ומכוסה ומובדל מלאכלו: ואיך ישמעני פרעה. זה אחד מעשרה ק"ו שבתורה (ב"ר לב, ז):
- (13) וידבר ה׳ אל משה ואל אהרן. לפי שאמר משה ואני ערל שפתים, זירף לו הקב"ה את אהרן להיות לו לְפֶה ולמליץ: ויצום אל בני ישראל. לוה עליהם להנהיגם בנחת ולקבול חותם (שמו"ר ז, ג): ואל פרעה מלך מצרים. לנס עליו לחלוק לו כבוד בדבריהם, זה מדרשו. ופשוטו, לנס על דבר ישראל ועל שליחותו אל פרעה. ודבר הלווי מהו, מפורש בפרשה שניה לאחר סדר היחס, אלא מתוך שהזכיר משה ואהרן, הפסיק הענין באלה ראשי בית אבותם, ללמדנו היאך נולדו משה ואהרן, ובמי נתיחסו:
- (14) אלה ראשי בית אבותם. מתוך שהוזקק ליחס שנטו של לוי עד משה ואהרן נשניל משה ואהרן, התחיל ליחסס דרך מולדותם מראובן. (ובפסיקתא גדולה ראיתי, לפי שֶׁקְנְטֶרֶם יעקב אבינו לשלשה שבטים הללו בשעת מותו, חזר הכתוב ויחסם כאן לבדם, לומר שחשובים הם):

The sons of Gershon: Libni and
Shimei, according to their families.

And the sons of Kohath: Amram, and Izhar, and Hebron, and Uzziel. And the years of the life of Kohath were a hundred thirty and three years.

And the sons of Merari: Mahli and
Mushi. These are the families of the
Levites according to their
generations.

And Amram took him Jochebed his father's sister to wife; and she bore him Aaron and Moses. And the years of the life of Amram were a hundred and thirty and seven years.

And the sons of Izhar: Korah, and Nepheg, and Zichri.

And the sons of Uzziel: Mishael, and Elzaphan, and Sithri.

And Aaron took him Elisheba, the daughter of Amminadab, the sister of Nahshon, to wife; and she bore him Nadab and Abihu, Eleazar and Ithamar.

And the sons of Korah: Assir, and Elkanah, and Abiasaph; these are the families of the Korahites.

ַ בְּגֵי גַרְשָׁוֹן לִבְנִי וְשִׁמְעִי בְּנֵי גַּרְשׁוֹן לִבְנִי וְשִׁמְעִי לֹמשׁפּחֹתם: לֹזַרְעֵיִתְהוֹן:

שׁלְשׁ וּשְׁלְשִׁים וּמְאָת שְׁנֵּר הְנִי מְאָה וּתְלָתִין וּתְלָת שִׁנִין: וְחֶבְרְוֹן וְעֻזִּיאֵל וּשְׁנֵי חַנֵּי מְהָת וְחָבְרוֹן וְעֻזִּיאֵל וּשְׁנִי חַנֵּי מְהָת וּלְבָּר וּבְנֵי מְלְתִי עַמְּרָם וְיִצְהָר וּבְנֵי מְהָת עַמְּרָם וְיִצְהָר

מְרָרֶי מַחְלֵי וּמוּשָׁי אֲבֶּה וּבְנֵי מְרָרִי מַחְלִי וּמוּשִׁי אִבֵּין זְת הַלֵּוֵי לְתֹּלְדֹתֵם: זַרְשְיָת לֵוִי לְתוֹלְדָתְהוֹן:

מִשְׁבְּחִׂת הַלָּוָי לְתֹּלְדֹתֶם: ` זַרְצֵיָת לֵוִי לְתוֹלְדָתְהוֹן:

וּנְסֵיב עַמְּרָם יְתְ יוּכֶבֶּד אֲחָת יָת אַדְרן וְיָת מֹשֶׁה וּשְׁנֵי חַיֵּי שַמְרָם מְאָה וּתְלָתִין וּשְׁבֵע שָׁנִין:

וּבְנֵי יִצְהָר לֹרַח וְנֶפָּג וְזִכְרִי:

וּרְנֵי עָזִּיאֵל מִישָׁאֵל וְאֶלְצְפְּן

וּנְסֵיב אַהָּרֹן יָת אֱלִישֶׁבַע בַּת עַמִּינְדָב אֲחָתֵיה דְּנַחְשׁוֹן לֵיה לְאָתוּ וִילִידַת לֵיהּ יָת נָּדָב וְיָת אֲבִיהוּא יָת אֶלְעָזָר וְיָת אִיתַמַר:

ּבְנֵי לְרַח אַסִּיר וְאֶלְקְנָה נַאֲבִיאָסָף אָלֵין זַרְעֲיָת לְרַח: נִיּלֶּח עַמְּרָם אֶת־יוֹכֶבֶד דְּדָתוֹ לוֹ לְאִשֶּׁה וַתַּלֶד לוֹ אֶת־אַהָּרְן וְאֶת־מֹשֶׁה וִשְׁנֵי חַיֵּיְ עַמְרָם שֶׁבַע וּשׁלשִׁים וּמאת שנה:

יּבְנֵי יִצְהָר קְּרַח וָנֵפֵג וִזְכְרֵי:

ַרְבָנֵי שָזִּיאֵל מִישָּׁאֵל וְאֶלְצְפָּן . וְסְתְרִי:

וַיִּלֶּח אַהַרׄן אֶת־אֶלִישָּׁבַע בַּת־ עַמִּינְדֶב אֲחִוֹת נַחְשִׁוֹן לָוֹ לְאִשְׁה וַתַּלֶד לוֹ אֶת־נָּדְב וְאֶת־אֲבִיהׁוּא אֶת־אֶלְעָזֶר וְאֶת־אִיתִמֶּר:

ַנֹאַבִּיאָסָךְּ אֵלֶּה מִשְׁפְּּחָת נַאֲבִי נַאָּבִיאָסָךִּ אֵלֶּה מִשְׁפְּחָת נַאֲבִי נַאָּבִיאָסָרָ אַפָּיר וְאָּרְקָנָּה וּבְנֵי

(20) יוכבד דדתו. אחת אבוהי, בתלוי אחות קהת:

⁽¹⁶⁾ ושני חיי לוי וגר׳. למה נמנו שנותיו של לוי, להודיע כמה ימי השעבוד, שכל זמן שאחד מן השבטים קיים, לא היה שעבוד, שנאתר וַיַּמָח יוֹמַף וְכַל אָחָיו (שמות א, ו), ואח"כ וַיַּקָם מֵלְךְּ חַדָשׁ, ולוי האריך ימים על כולם:

⁽¹⁸⁾ ושני חיי קהת. ושני חיי עמרם וגר. מחשבון זה אנו למדים על מושב בני ישראל ארבע מאוח שנה שאמר הכחוב, שלא בארץ מזרים לבדה היו, אלא מיום שנולד יזחק, שהרי קהת מיורדי מזרים היה, חשוב כל שנותיו ושנות עמרם ושמונים של משה, לא תמזאם ד' מאות שנה, והרבה שנים נבלעים לבנים בשני האבות:

⁽²³⁾ אחות נחשון. מכאן למדנו, הנושא אשה לריך לבדוק באחיה (ב"ב קי. שמו"ר ז, ד):

And Eleazar Aaron's son took him one of the daughters of Putiel to wife; and she bore him Phinehas. These are the heads of the fathers' houses of the Levites according to their families.

וְאֶלְעָזֶר בָּר אַהָרֹן נְסֵיב לֵיה מִבְּנָת פּוּטִיאֵל לֵיה לְאָתוּ וִילֵידִת לֵיה יָת פִּינְחָס אָלֵין רֵישֵׁי אָבָהָת לֵיוָאֵי לזרעיתהוֹז:

וְאֶלְעָזָּר בֶּן־אַהָרוְ לָקַח־לּוֹ מִבְּנָוֹת פִּוּטִיאֵל לַוֹ לְאִשָּׁה וַתֵּלֶד לִוֹ אֶת־פִּינְחָס אֵׁלֶה רָאשֵׁי אֲבְוֹת הַלְוִיֶּם לְמִשְׁפְּחֹתֵם:

These are that Aaron and Moses, to
whom the LORD said: 'Bring out
the children of Israel from the land
of Egypt according to their hosts.'

הוא אַהֲרֹן וּמֹשֶׁה דַּאֲמַר יְיָ לְהוֹן אַפִּיקוּ יָת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל מֵאַרְעָא דְּמִצְרַיִם עַל חֵילִיהוֹן:

הָוּא אַהָּרָן וּמֹשֶׁה אֲשֶׁר אָמֶר יְהוָה לָהֶם הוֹצִיאוּ אֶת־בְּנֵי יִשְׂרָאֶל מֵאֶרֶץ מִצְרֵיִם עַל־ צַבָּאֹתָם:

These are they that spoke to Pharaoh king of Egypt, to bring out the children of Israel from Egypt. These are that Moses and Aaron.

אָנּוּן דִּמְמַלְּלִין עִם פַּרְעֹה מַלְכָּא דְּמִצְרַיִם לְאַפָּקָא יָת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל מִמִּצְרָיִם הוּא משֶׁה וְאַהֲרֹן:

הֵם הַמְּדַבְּרִים אֶל־פַּרְעַה ׄ מֶלֶךְ־מִצְלִים לְהוֹצִיא אֶת־בְּנֵי־ יִשְּׁרָאֵל מִמִּצְרָיִם הְוֹא מֹשֶׁה וִאַּהֲרֹן:

And it came to pass on the day when the LORD spoke unto Moses in the land of Egypt, וַבְוָה בִּיוֹמָא דְּמַלֵּיל יְיָ עִם משֶה בְּאַרְעָא דְּמִלֵּיִם:

ַ וַיְהִי בְּיוֹם דִּבֶּר יְהוְהַ אֶּל־מֹשֶׁה בְּאֶרֵץ מִצְרֵיִם: (ס)

that the LORD spoke unto Moses,
saying: 'I am the LORD; speak thou
unto Pharaoh king of Egypt all
that I speak unto thee.'

וּמַלֵּיל וְיָ עִם מֹשֶׁה לְמֵימַר אָנָא וְיָ מַלֵּיל עִם פַּרְעֹה מַלְכָּא דְמִצְרַיִם יָת כָּל דַאָנָא מְמַלֵּיל עמד:

וַיְדַבֵּר יְהוֹּוֶה אֶל־מֹשֶׁה לֵּאמִר מִצְרַיִם אֶת כְּל־אֲשֶׁר אֲנִי דּבֵר אַליד: אַליד:

And Moses said before the LORD:

30 'Behold, I am of uncircumcised lips, and how shall Pharaoh hearken unto me?'

נאָמַר מֹשֶׁה קֵדָם יְיָ הָא אָנְא יַפִּיר מַמְלֵל וְאֵיכְדֵין יְקַבֵּיל מָנִּי פַּרְעה:

ַנְיָאמֶר מֹשֶׁה לִפְנֵנ יְהנְּה הֵן אֲנָי נִאֲמֵר מֹ עֲרַל שְׂפָתִּים וְאֵיך יִשְׁמֵע אֵלֵי יַקִּיר מַ פִּרְעְה: (פּ)

And the LORD said unto Moses:
VII 'See, I have set thee in God's stead
to Pharaoh; and Aaron thy brother
shall be thy prophet.

וַיָּאמֶר יְהנָה' אֶל־מֹשֶּׁה רְאֶה וַאְמֵר יִיְ לְמֹשֶׁה חֲזִי דְּמַנִּיתְהְ נְתַתִּיךְ אֶלֹהִים לְפַּרְעָׁה וְאַהֲרֹן רָב לְפַּרְעֹה וְאַהַרֹן אֲחוּךְ יְהֵי אַחִיךְ יִהְנֵה נָבִיאֵךְ:

(25) מבנות פוטיאל. מזרע יחרו שפטס עגלים לעבודת אלילים, ומזרע יוסף שפטפט בילרו (ב"ב קט:):

(27) הם המדברים וגר׳. הם שנלטוו הם שקיימו: הוא משה ואהרן. הם בשליחותם ובלדקתם מתחלה ועד סוף:

(28) ויהי ביום דבר וגר׳. מחוצר למקרא שלאחריו:

(29) וידבר ה'. הוא הדבור עלמו האמור למעלה בא דבר אל פרעה מלך מלרים, אלא מחוך שהפסיק הענין כדי ליחסס, חזר הענין עליו להתחיל בו: אבי ה'. כדאי אני לשלחך ולקיים דברי שליחותי:

(30) ויאמר משה לפני ה'. היא האמירה שאמר למעלה הן בני ישראל לא שמעו אלי, וְשָׁנֶה הכתוב כאן, כיון שהפסיק הענין, וכך היא הַשִּׁישָה, כאדם האומר נחזור על הראשונות:

⁽²⁶⁾ הוא אהרן ומשה. אלו שהוזכרו למעלה שילדה יוכבד לעמרס. הוא אהרן ומשה אשר אמר ה', יש מקומות שמקדים אהרן למשה ויש מקומות שמקדים משה לאהרן, לומר לך ששקולין כאחד: על צבאותם. בלבאותס, כל לבאם לשבטיהס, יש על, שאינו אלא במקום אות אחת, וְעַל חַרְבְּךְּ מַּחְיָה (בראשית כז, מ), כמו בחרבך. עַמַדְּמֶּס עַל חַרְבְּכֶּס (יחזקאל לג, כו), כמו בחרברס:

Thou shalt speak all that I
command thee; and Aaron thy
brother shall speak unto Pharaoh,
that he let the children of Israel go
out of his land.

אַתָּה תְדַבֵּּר אָת כָּל־אֲשֶׁר אַתְּ תְּטֵלֵיל יָת כָּל דַּאֲפַקּדְנְּךְ אָצַיָּדֶךְ וְאַהַלְח אֶת־בְּנֵי־יִשְּׂרָאֵל פַּרְעֹה וִישַׁלַח יָת בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל פַּרְעֹה וְשִׁלַּח אֶת־בְּנֵי־יִשְּׂרָאֵל פַּרְעֹה וִישַׁלַח יָת בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל מַאַרְצִיה:

And I will harden Pharaoh's heart, and multiply My signs and My wonders in the land of Egypt. וַאָנָא אַקשׁי יָת לְבָּא דְּבּּרְעֹה וְאַסְגִי יָת אָתְוָתִי וְיָת מוֹפְתִי בָּאַרִעָא דִּמִצְרַיִם:

וַאֲנֵי אַקְשֶׁה אֶת־לֵב פַּּרְעָׁה וְהִרְבֵּיתִי אֶת־אֹתֹתִי וְאֶת־מוּפְתַי בָּאֵרִץ מִצְרֵים:

But Pharaoh will not hearken unto you, and I will lay My hand upon Egypt, and bring forth My hosts, My people the children of Israel, out of the land of Egypt, by great judgments.

וְלָא יְקַבֵּיל מִנְּכוֹן פַּרְעֹה וְאֶתֵּין יָת מַחַת נְבוּרְתִי בְּמִצְרָיִם וְאַפֵּיק יָת חֵילִי יָת עַמִּי בְנֵי יִשְׂרָאֵל מֵאַרְעָא דְּמִצְרַיִם בְּדִינִין רַבְּרְבִין:

וְלָא־יִשְׁמַע אֲלֵכֶם ׁפַּרְעֹה וְנְתַתִּי אֶת־יָדֵי בְּמִצְרָיִם וְהוֹצֵאתִי אֶת־ מָאֶרֶץ מָצְרָיִם בְּשְׁפְּטִים נִדֹּלֵים:

And the Egyptians shall know that I am the LORD, when I stretch forth My hand upon Egypt, and bring out the children of Israel from among them.'

וְיִדְעוּן מִצְּרָאֵי אֲבִי אֲנָא יְיָ כַּד אָבִים יָת מַחַת נְּבוּרְתִי עַל מִצְּרָיִם וְאָפֵּיק יָת בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל מביניהוֹן:

וְיָדְעָוּ מִצְרַיִּם בִּי־אֲנֵי יְהוְּה בִּנְטֹתֵי אֶת־יָדִי עַל־מִצְרָיִם וְהוֹצֵאתִי אֶת־בְּנֵי־יִשְׂרָאֵל מִתּוֹכֶם:

And Moses and Aaron did so; as the LORD commanded them, so did they.

וַעֲבַד מֹשֶׁה וְאַהֲרֹן כְּמָא דְפַּפֵּיד וְיָ יָתְהוֹן כֵּן עֲבַדוּ:

, וַיַּעַשׁ מֹשֶׁה וְאַהֲרֶן כַּאֲשֶׁׁר צִּוְּה יְהֹוֶה אֹתָם כֵּן עָשְׁוּ:

And Moses was fourscore years old,
and Aaron fourscore and three
years old, when they spoke unto
Pharaoh.

וּמֹשֶׁה בַּר תְּמָנֵן שְׁנִין וְאַהָרֹן בַּר תְּמָנֵן וּתְלֶת שְׁנִין בְּמַלֶּלוּתְהוֹן עִם פַּרְעֹה:

וּמשֶה בֶּן־שְּמִנֵים שְּנָה וְאַהַרן בֶּן־שָׁלְשׁ וּשְׁמֹנֵים שְׁנָה בְּדַבְּּרֶם אֶל־פַּרְעָה: (פּ)

And the LORD spoke unto Moses and unto Aaron, saying:

וַאֲמַר יְיָ לְמֹשֶׁה וּלְאַהֲר לְמֵימַר:

_{ניעי}, וַיָּאמֶר יְהוָּה אֶל־מֹשֶׁה וְאֶל־ וּאְ אָהַרָן לִאמִר:

(1) נתתיך אלהים לפרעה. שופט ורודה לרדותו במכות ויסורין: יהיה גביאך. כתרגותו יְהֵי תְתּוּרְגְּעֶנֶךְ, וכן כל לשון גבואה, אדם המכריז ותשמיע לעם דברי תוכחות, והוא מגזרת יִיב שְׁפֶּחָיִם (ישעי' נז, יט), יָנוּב חָּכְּתָה (משלי י, לא), וְיְכַל מַהָּתְנַבּׁות דשמואל (שמואל־א י, יג), ובלע"ז קוראין לו פרידי"גר

(2) אתה תדבר. פעם אחת כל שליחות ושליחות כפי ששמעת מפי, ואהרן אחיך ימליצנו ויטעימנו באזני פרעה:

(3) ואני אקשה. מאחר שהרשיע והתרים כנגדי, וגלוי לפני שאין נחת רוח באומות עובדי אלילים, לחת לב שלם לשוב, טוב לי שיתקשה לבו, למען הרבות בו אותותי ותכירו את גבורותי, וכן מדתו של הקדוש ב"ה, מביא פורענות על האומות עובדי אלילים, כדי שישמעו ישראל וייראו, שנאמר הַכְּרַמִּי גֹּוֹיִם נְשַמוּ פִּנִּוֹיְם וּגוֹ' (לפניה ג, ו), אָמַרְמִּי אַׁךְ מִּירְאָי אוֹתִי מָּקְחִי מוּמְר מוֹ לֹ נִאמר וִיחוֹק ה' את לב פרעה, אלא ויחוק לב פרעה. (ועיין ברא"ם שגורם כאן דבור המתחיל בלכתך לשוב עד שמתים בידך, וכדלעיל בפרשת שמות בפסוק בלכתך לשוב ע"ש):

(4) את ידי. יד ממש, להכות בהם:

'When Pharaoh shall speak unto you, saying: Show a wonder for you; then thou shalt say unto Aaron: Take thy rod, and cast it down before Pharaoh, that it become a serpent.'

And Moses and Aaron went in unto Pharaoh, and they did so, as the LORD had commanded; and Aaron cast down his rod before Pharaoh and before his servants, and it became a serpent.

Then Pharaoh also called for the wise men and the sorcerers; and they also, the magicians of Egypt, did in like manner with their secret arts.

For they cast down every man his 12 rod, and they became serpents; but Aaron's rod swallowed up their rods.

And Pharaoh's heart was hardened, and he hearkened not unto them: as the LORD had spoken.

And the LORD said unto Moses: 14 'Pharaoh's heart is stubborn, he refuseth to let the people go.

Get thee unto Pharaoh in the morning; lo, he goeth out unto the water; and thou shalt stand by the river's brink to meet him; and the rod which was turned to a serpent shalt thou take in thy hand.

ועאל משה ואַהַרון לְוַת פַּרִעֹה וּרְמָא אַהַרוֹ יְתֹ חוּשְׂרֵיה קָדְם עה וקדם עבדוהי

ידבר אלכם פרעה לאמר לפני־פרעה יהי לתנין:

את־מַטַהוּ

לב פּרעה ולא שמע אָלַהֶם כַּאֲשֶׁר דִּבֶּר יִהנֵה: (ס)

וַנָּאמֶר יָהוָה' אֶל־מֹשֶׁה כַּבֶּד לֶב וַאֲמַר יִי לְמֹשֶׁה אָתִיקַּר לְבָּא יַ פרעה מאן לשלח העם:

לנחש תקח בידד:

- (9) מופת. אות, להודיע שיש לורך (לרוך) במי ששולח אתכם:
 - (10) לתנין. נחש:
- (11) בלהטיהם בּלַמַשֵּיהוֹן, ואין לו דמיון במקרא, ויש לדמות לו לַכֵּט הַמֶרֶב הַמִּמְהַפְּכֵת (בראשית ג, כד), דומה שהיא מתהפכת על ידי לחש:
 - (12) ויבלע מטה אהרן. מאחר שחזר ונעשה מטה גלע את כלן (שנת לו):
 - (14) כבד. תרגומו יַקִּיר, ולא אתיקר, מפני שהוא שם דבר, כמו כִּי כַּבֵּד מִמֶּךְ הַדְּבַר (שמות יח, יח):
- (15) הנה יצא המימה. לנקביו, שהיה עושה עלמו אלוה, ואומר שאינו לריך לנקביו, ומשכים ויולא לנילוס ועושה שם לרכיו (שמו"ר ט, ז):

And thou shalt say unto him: The LORD, the God of the Hebrews, hath sent me unto thee, saying: Let My people go, that they may serve Me in the wilderness; and, behold, hitherto thou has not hearkened:

thus saith the LORD: In this thou shalt know that I am the LORD—behold, I will smite with the rod that is in my hand upon the waters which are in the river, and they shall be turned to blood.

And the fish that are in the river

18 shall die, and the river shall become
foul; and the Egyptians shall loathe
to drink water from the river.

And the LORD said unto Moses:
'Say unto Aaron: Take thy rod, and stretch out thy hand over the waters of Egypt, over their rivers, over their streams, and over their pools, and over all their ponds of water, that they may become blood; and there shall be blood throughout all the land of Egypt, both in vessels of wood and in vessels of stone.'

And Moses and Aaron did so, as the LORD commanded; and he lifted

20 up the rod, and smote the waters that were in the river, in the sight of Pharaoh, and in the sight of his servants; and all the waters that were in the river were turned to blood.

וְתֵימֵר לֵיהּ יְיָ אֱלְהָא דִּיהּיּדָאֵי שַׁלְחַנִּי לְוָתְךְּ לְמֵימֵר שַׁלַח יָת עַמִּי וְיִפְּלְחוּן קֶדָמֵי בְּמַדְבְּרָא וְהָא לָא קַבֵּילְתָּא עַד כְּעַן:

כּדְנָן אֲמַר יְיָ בְּדָא תִדַּע אֲרֵי אֲנָא יְיָ הָא אֲנָא מָחֵי בְחוּטְרָא דִּבְיְדִי עַל מַיָּא דִּבְנַהְרָא וְיִתְהַפְּכוּן לִדְמָא:

וְנוּנֵי דִּבְנָהְרָא יְמוּתוּן וְיִסְבִי מַיָּא מָן נַהְרָא: מִיָּא מָן נַהְרָא:

וַאֲמַר יְיָ לְמֹשֶׁה אֵימַר לְאַהָּרֹן סַב חוּטְרָף וַאֲרִים יְדָף עַל מַיָּא דְּמִצְּרָאֵי עַל נַהְרֵיהוֹן עַל אָרְתֵיהוֹן וְעַל אַגְמֵיהוֹן וְעַל כָּל בֵּית כְּנִישָׁת מֵימֵיהוֹן וִיהוֹן דְּמָא וִיהֵי דְמָא בְּכָל אַרְעָא דְמָאָרַיִם וּבְמָנֵי אָעָא וּבְמָנֵי אַבָּנָא:

נְעֲבַדוּ כֵן מֹשֶׁה וְאַהְרֹן כְּמָא דְּפַּקִּיד יִיְ נִאֲנִים בְּחוּטִּרָא וּמְחָא יָת מַיָּא דִּבְנַהְרָא לְעֵינֵי פַּרְעֹה וּלְעֵינֵי עַבְדּוֹהִי אָתְהָפִּיכוּ כָּל מַיָּא דִּבְנַהְרָא לדמא: וְאָמַרְתָּ אֵלָיוּ יְהוְּהׁ אֶּלְהַי הָעִבְרִים שְׁלָחָנִי אֵלֶיךּ לֵאמֹר שַׁלַח אֶת־עַמִּי וְיַעַבְרֻנִי בַּמִּדְבָּּר וְהִנָּה לֹא־שָׁמַעְתָּ עַד־כְּה:

כָּה אָמָר יְהוָּה בְּוָאת תַּלֵּע בִּמַשֶּׁה אֲשֶׁר־בְּוָדִי עַל־הַמָּוִם בָּמַשֶּׁה אֲשֶׁר־בְּוָדִי עַל־הַמָּוִם אֲשֶׁר בַּוְאָר וְנָהֶפְּכִּוּ לְדֵם:

וְהַדְּגָה אֲשֶׁר־בַּיְאֶׁר תְּמְוּת וּבְאַשׁ הַיְאֶר וְנִלְאַוּ מִצְרַיִם לִשְׁתְּוֹת מֵיָם מָן־הַיָּאָר: (ס)

וּיֹאמֶר יְהוָּה אֶל־מֹשֶׁה אֲמָּר אֶל־אַהָרֹן קַח מַשְּךָּ וּנְמֵה־יִרְדְּ עַל־מִימֵׁי מִצְרַיִם עַל־נַהְרֹתָםוּ עַל־יְאֹרֵיהֶם וְעַל־אַגְמֵיהֶם וְעָל כָּל־מִקְנִה מִימִיהֶם וְיִהְיוּ־דָה וְהָיָה דָם בְּכָל־אֶרֶץ מִצְרַיִם וּבָעֵצִים וּבַאָּבָנִים:

וַיַּעֲשׂוּ־כֵן משְׁה וְאַהַרֹן כַּאֲשֶׁרוּ צְּוָּה יְהֹנָה וַיָּרֶם בַּמַּשֶּׁה וַיַּדְּ אֶת־הַמַּיִם אֲשֶׁר בַּיְאֹר לְעֵינֵי פַּרְעָה וּלְעֵינֵי עְבָדְיוֹ וַיֵּהְפְּכֶוּ כַּל־הַמַּיִם אֲשֶׁר־בַּיָאִר לְדָם:

⁽¹⁶⁾ עד כה. עד הנה. ומדרשו, עד שחשמע ממני מכח בכורוח, שאפחח בה בכה כה אָמֵר ה' בַּחַנֹח הַלּיְלָה:

⁽¹⁷⁾ ונהפכו לדם. לפי שאין גשמים יורדים במלרים, ונילום עולה ומשקה את הארץ, ומלרים עובדים לנילום, לפיכך הלקה את יראתם ואחר כך הלקה אותם:

⁽¹⁸⁾ ונלאו מצרים. לנקש רפואה למי היאור שיהיו ראויין לשתות:

⁽¹⁹⁾ אמר אל אהרן. לפי שהגין היאור על משה כשנשלך לתוכו, לפיכך לא לקה על ידו לא בדם ולא בלפרדעים, ולקה על ידי אהרן: בהרותם. הם נהרות המושכים כעין נהרות שלנו: יאוריהם. הם בריכות נגרים העשויות בידי אדם משפת הנהר לשדות, ונילום מימיו מתברכים ועולה דרך היאורים ומשקה השדות: אגמיהם. קבולת מים שאינן נובעין ואין מושכין, אלא עומדין במקום אחד, וקורין לו אשטנ"ק: בכל ארץ מצרים. אף במרחלאות ובאמבטאות שבבתים: ובעצים ובאבנים. מים שבכלי עץ ובכלי אבן:

And the fish that were in the river died; and the river became foul, and the Egyptians could not drink water from the river; and the blood was throughout all the land of Egypt.

And the magicians of Egypt did in like manner with their secret arts; and Pharaoh's heart was hardened, and he hearkened not unto them: as the LORD had spoken.

ואָתַקּף

And Pharaoh turned and went into his house, neither did he lav even this to heart.

פרעה ויבא אל-ביתו ואתפני פרעה ועאל לביתיה ולא שוי לביה אף לדא:

ולא־שת לבו גם־לזאת:

And all the Egyptians digged round 24 about the river for water to drink; for they could not drink of the water of the river.

סָבִיבָת מים לשתות כי לא יכלו

And seven days were fulfilled, after that the LORD had smitten the river.

הַכּוֹת־יְהוָה אֶת־הַיִּאָר: (פֹּ

And the LORD spoke unto Moses: ²⁶ 'Go in unto Pharaoh, and say unto him: Thus saith the LORD: Let My people go, that they may serve Me.

ויאמר יהוה' אל-משה בא אלי פַּרְעָה וָאָמַרְתָּ אֵלָיו כֹּה אַמַר יָהוָה שַׁלַח אָת־עַמִּי וְיַעַבְדֵנִי:

And if thou refuse to let them go, behold, I will smite all thy borders with frogs.

לחש שאומרין אותו בלט ובחשאי. ורבותינו אמרו, בלטיהם מעשה שדים, בלהטיהם מעשה כשפים (סנהדרין סו:): ויחזק לב פרעה. לומר על ידי מכשפות אחם עושים כן, תגן אחם מכניסין לשפריים (מנחות פה.) עיר שכולה תבן, אף אתם מביאין מכשפות למלרים שכולה כשפים:

(23) גם לזאת. למופת המטה שנהפך לתנין ולא לזה של דס:

(25) וימלא. מנין שבעת ימים שלא שב היאור לקדמותו, שהיתה המכה משמשת רביע חדש, ושלשה חלקים היה מעיד ומתרה בהם (שמו"ר ט, יב):

(27) ואם מאן אתה. ואם סרבן אתה. מאן כמו ממאן, מסרב, אלא כינה האדם על שם המפעל, כמו שלו (איוב עז, יב) וְשֹׁהָט (ירמיה מח, יא), סֵר וְזָעֵף (מלכים ־אֹ כ, מג): נגף את כל גבולך. מכה, וכן כל לשון מגפה אינו לשון מיחה אלא לשון מכה, וכן וְנָגָפוּ אָשֶׁה הֶרָה (שמות כא, כב) אינו לשון מיתה, וכן וּבְטֶרֶם יִתְנַגָּפוּ רגליכם (ירמי' יג, טו), פֶּן תִּגֹף בָּאֶבֶן רַגְלֶךְ (תהלים לא, יב), ולאבן נגף (ישעי' ח, יד): And the river shall swarm with frogs, which shall go up and come
28 into thy house, and into thy bed-chamber, and upon thy bed, and into the house of thy servants, and upon thy people, and into thine ovens, and into thy kneading-troughs.

And the frogs shall come up both upon thee, and upon thy people, and upon all thy servants.'

And the LORD said unto Moses:

'Say unto Aaron: Stretch forth thy hand with thy rod over the rivers, over the canals, and over the pools, and cause frogs to come up upon the land of Egypt.'

And Aaron stretched out his hand 2 over the waters of Egypt; and the frogs came up, and covered the land of Egypt.

And the magicians did in like
manner with their secret arts, and brought up frogs upon the land of Egypt.

Then Pharaoh called for Moses and Aaron, and said: 'Entreat the LORD, that He take away the frogs from me, and from my people; and I will let the people go, that they may sacrifice unto the LORD.'

וִירַבֵּי נַהְרָא עוּרְדְּעָניָּא וְיִסְקוּן מִשְּׁכְּבָדְ וְעַל עַרְסְתָדְ וּבְתֵנוּרְדְ מִשְׁכָּבָדְ וְעַל עַרְסְתָדְ וּבְתֵנוּרְדְ וּבְעַמֶּךְ וּבְעַמֶּךְ וּבִאַצִוּתִדְ:

וּבָךְ וּבְעַמָּךְ וּבְכָל עַבְדָךְ יָסָקוּן עוּרִדִּעַנַיָּא:

וַאָמַר יָיָ לְמֹשֶׁה אֵימַר לְאָהָרֹן אֲרֵים יָת יְדָךְ בְּחוּמְּרָךְ עַל נַהְרַיָּא עַל אֲרַתִּיָא וְעַל אַנְמַיָּא וְאַסֵּיק יָת עוּרְדְּעָנַיָּא עַל אַרְעָא דְּמִצְרָיִם:

וַאָבִים אַהָרֹן יָת יְבִיהּ עַל מַיָּא דְּמִצְרָאֵי וּסְלִיקוּ עוּרְדְּעָנִיָּא וַחֲפוֹ יָת אַרְעָא דְּמִצְרָיִם:

וַעֲבַדוּ כֵן חָרְשַׁיָּא בְּלַחֲשֵׁיהוֹן וְאַסִּיקוּ יָת עוּרְדְּעָנַיָּא עַל אַרְעָא דְּמִצְרָים:

וּקְרָא פַּרְעֹה לְמֹשֶׁה וּלְאַהָּרֹן נַאֲמֵר צַּלּוֹ קֶּדָם וְיָ וְיַעְהֵּי יָת עַמָּא וִידַבְּחוּן קֶּדָם וְיָ:

וְשָׁרֵץ הַיְאֹר צְפַּרְדְּעִים מִשְׁכָּרְךְּ וְּבָאוּ בְּבֵיתֶּךְ וּבְחֲדָר מִשְׁכָּרְךְּ וְעַל־מִשְּׁתֵּךְ וּבְחֲדָר וֹבְמִשְׁאֲרוֹתֶיף:

ַנְקְהָ וְּבְעַמְּוֹךְ וּבְכְל־עֲבָדֶיִף. יַעַלוּ הַאָּפַרִדְּעִים:

וַיַּאמֶר יְהוָה מֶּל־מֹשֶׁה מֲמָּר יִהוָה עֵּל־מַשֶּׁה מֵּלְר יִהוָה עֵּל־מַשֶּׁה עֵּל־הַנְּקָה וְעַל־הַנְּלְהָר עִל־הַנְאַרִים וְעַל־הַאָנַמִּים וְהַעַל אֶת־הַצְפַּרְדְּעִים עַל־אָרַץ מָצרַיִם:
עַל־אָרַץ מִצרַיִם:

וַנָּט אַהַרֹן אֶת־יָדוֹ עַל מִימֵי מִצְרָיִם וַתִּעַל הַצְּפַּרְדֵּעַ וַמְּכָס אֶת־אֶרֶץ מִצְרֵיִם:

ַ וַיִּצְשׂוּ־כֵן הַחַרְטָּמִּים בְּלְטֵיהֶם וַיַּצְלִוּ אֶת־הַצְפַּרְדְּצִים עַל־ אֶרֶץ מִצְרֶים:

נַיִּקְרָא פַּרְעׄה לְמֹשֶׁה וְּלְאַהֲרֹן נִיּאְשֶׁרְ הַעְּתִּירוּ אֶל־יְהוָה וְיָסֵר הַצְּפַּרְדְּעִים מִמֶּנִי וּמֵעַמִּי נַאֲשַׁלְּחָה אֶת־הָעָּם וְיִזְבְּחָוּ ליהוה:

⁽²⁸⁾ ועלו. מן היאור: בביתך. ואחר כך בבתי עבדיך, הוא התחיל בעצה תחלה, ויאמר אל עמו, וממנו התחילה הפורענות (סוטה יא. שמו"ר י, ד):

⁽²⁹⁾ ובכה ובעמך. נתוך מעיהם נכנסים ומקרקרין:

⁽²⁾ ותעל הצפרדע. לפרדע אחת היתה, והיו מַכִּין אותה והיא מתזת נחילים נחילים, זהו מדרשו (שמו"ר י, ה). ופשוטו יש לומר, שרוץ הלפרדעים קורא לשון יחידות, וכן ותהי הכנם, הרחישה גדוליר"א בלע"ז, ואף ותעל הלפרדע גרינולי"רא בלע"ז

And Moses said unto Pharaoh:
'Have thou this glory over me;

gainst what time shall I entreat for thee, and for thy servants, and for thy people, that the frogs be destroyed from thee and thy houses, and remain in the river only?'

נְאֲמַר מֹשֶׁה לְפַּרְעֹה שְׁאַל לְדְּ נְּבוּרָא הַב לְדְ זְמָן לְאָמַתִּי אֲצַלִּי עֲלָדְ וְעַל עַבְדָדְ וְעַל עַמָּדְ לְשֵׁיצָאָה עוּרְדְּעָנַיָּא מִנְּדְ וּמִבָּתָּדְ לְחוֹד דִּבְנַהְרָא יִשְׁתָּאַרוּן:

ניאטר משה לפּרְעֹה התּפָּאֵר עְלֵי לְמָתֵיו אַעְתִּיר לְהְּ וְלַעֲבָדִיךְ וְּלְעַמְּךְ לְהַכְּרִית הַצְפַּרְדְּעִים מִמְּךָ וּמִבָּתֶּיךְ רַק בַּיְאָר תִּשָּׁאָרְנָה:

And he said: 'Against to-morrow.'

And he said: 'Be it according to thy word; that thou mayest know that there is none like unto the LORD our God.

נַאָמַר לִמְחַר נַאָמַר כְּפִּתְגְמָדְ בְּדִיל דְּתִדֵּע אֲרֵי לֵית כַּייָ אֱלְהַנָּא:

ַ ניָאמֶר לְמָחֶר ניֹאמֶר בּּדְבְּרְךּ רְמַעַן תֵּדַע בִּי־אֵין בַּיהֹנֶה אֵלֹהֵינוּ:

And the frogs shall depart from thee, and from thy houses, and from thy servants, and from thy people; they shall remain in the river only.'

יִּנְעָדּוֹן עוּרְדְּעָנֵיֶא מִנֶּךְ וּמִבְּתְּדְ וּמֵעַבְרָדְ וּמֵעַמָּךְ וּמֵעַבְרָדְ וִשְׁתְאַרוּן:

מיש, וְסָרַנְּ הַאְפַרְדְּעִים מִמְדְּ וּמִבְּּהֶּיִדְ וּמֵצְבָּרֶדְנִים מִמְדְּ בּיאר תּשׁארנה:

And Moses and Aaron went out from Pharaoh; and Moses cried unto the LORD concerning the frogs, which He had brought upon Pharaoh.

וּנְפַּק מֹשֶׁה וְאַחֲרֹן מִלְּוָת פַּרְעֹה וְצַלִּי מֹשֶׁה קֵּדְם יְיָ עַל עֵיסַק עוּרְדְּעָנַיָּא דְשַׁוִּי לפרעה:

וַיֵּצֵא מֹשֶׁה וְאַהְרֹן מֵעֵם פַּרְעָׁה וַיִּצְעָק מֹשֶׁה אֶל־יְהוְּה עַל־דְּבָר הַצְפַּרְדְּעִים אֲשֶׁר־שֶׁם לְפַּרְעָה:

And the LORD did according to the 9 word of Moses; and the frogs died out of the houses, out of the courts, and out of the fields.

וַעֲבַד יְיָ כְּפְתְנָמָא דְּמֹשֶׁה וֹמִיתוּ עוּרְדְּעָנִיְא מִן בְּתִּיָּא מִן דַּרַתָא וֹמָן חַקּלַתַא:

ְ וַיָּעֵשׁ יְהֹוֶה כִּדְבַר מֹשֶׁה וַיָּמֶתוּ הַאֲפַרְדְּעִים מִן־הַבְּתִּים מִן־ הַחֲצֵרָת וּמִן־הַשָּׂדְת:

And they gathered them together in heaps; and the land stank.

וּכְנַשוּ יָתְהון דְּגוּרִין דְּגוּרִין וּסְרִיאוּ עַל אַרְעָא:

וֹ וַתִּבְאַשׁ הָאָרֶץ: "בּ וִיִּראַ פִּרטִּה הִי הִיחה' הרוחה ו

But when Pharaoh saw that there
was respite, he hardened his heart,
and hearkened not unto them; as
the LORD had spoken.

ַניַרָא פַּרְעֹה כִּי הָיְתָה הַרְנָחָה נַחָזָא פַּרְעֹה אֲבֵי הַנָּת רְנַחְתָּא וְהַכְבֵּד אֶת־לְבֹּוֹ וְלָא שָׁמַע וְיֵפֵּר יָת לְבֵּיה וְלָא סִבּיל אֲלֵהֶם כַּאֲשֶׁר דִּבֶּר יְהֹוָה: (ס) מִנְּהוֹן כְּמָא דְּמַלֵּיל יְיָ:

- (5) התפאד עלי. כמו בַּיִּמְפְּמֵר בַּגְּיָזֶ עַל בַּחֹצֵב צֹּו (ישעי'י, טו), משתבח לומר אני גדול ממך ונטי"ר בלע"ז, וכן התפאר עלי, השתבח להתחכם ולשאול דבר גדול ולומר שלא אוכל לעשותו: למתי אעתיר לך. את אשר אעתיר לך היום על הכרתת הלפרדעים, למתי תרלה שיכרתו, ותראה אם אשלים דברי למועד שתקבע לי. אלו נאמר מתי אעתיר, היה משמע מתי אתפלל, עכשיו שנאמר למתי, משמע אני היום אתפלל עליך שיכרתו הלפרדעים לזמן שתקבע עלי, אמור לאיזה יום תרלה שיכרתו. אעתיר העתירו והעתרתי, ולא נאמר אעתר עתרו ועתרתי, מפני שכל לשון עתר הרבות פלל הוא, וכאשר יאמר הרבו ארבה והרביתי לשון הפעיל, כך יאמר, אעתיר העתירו והעתרתי דברים, ואב לכולם וְהַעְפַּרְפֶּס עָלֵי דְּבְּרֵיכֶם (יחזקאל לה, יג), הרביתם:
 - (6) ויאמר למחר. התפלל היום שיכרתו למחר:
 - (צ) ויצא. ויצעק. מיד, שיכרתו למחר:
 - (10) חמרם חמרם. לְבוּרִיס לְבוּרִיס, כתרגומו דְגוֹרִין, גַּלִּין:
- (11) והכבד את לבו. לשון פעול הוא, כמו הָלוֹךְ וְנָסוֹעַ (בראשית יב, ט), וכן וְהַכּוֹת אָת מואָב (מלכים־ב ג, כד), וְשָׁחוֹל

And the LORD said unto Moses: 'Say unto Aaron: Stretch out thy rod, and smite the dust of the earth, that it may become gnats throughout all the land of Egypt.'

And they did so; and Aaron stretched out his hand with his rod, and smote the dust of the earth, and there were gnats upon man, and upon beast; all the dust of the earth became gnats throughout all the land of Egypt.

And the magicians did so with their secret arts to bring forth gnats, but they could not; and there were gnats upon man, and upon beast.

Then the magicians said unto Pharaoh: 'This is the finger of God'; and Pharaoh's heart was hardened, and he hearkened not unto them; as the LORD had spoken.

And the LORD said unto Moses:

'Rise up early in the morning, and stand before Pharaoh; lo, he cometh forth to the water; and say unto him: Thus saith the LORD:

Let My people go, that they may serve Me.

Else, if thou wilt not let My people go, behold, I will send swarms of flies upon thee, and upon thy servants, and upon thy people, and into thy houses; and the houses of the Egyptians shall be full of swarms of flies, and also the ground whereon they are.

וַאֲמֵר יְיָ לְמֹשֶׁה אֵימֵר לְאַהָּרֹן אֲבִים יָת חוּטְרָךְּ וּמְחִי יָת עַפְּרָא דְּאַרְעָא וִיהֵי לְקַלְמְתָא בָּכָל אַרָעָא דִּמִצְרָיִם:

נְעֲבַדּוּ בָּחוּטְרֵיהּ וּמְחָא יְת יְדֵיהּ בְּחוּטְרֵיהּ וּמְחָא יְת עַפְּרָא דְּאַרְעָא וַהַנְת קַלְמְתָא בַּאָנָשָׁא וּבִבְעִירָא כָּל עַפְּרָא בַּאָנָשָׁא וּבִבְעִירָא כָּל עַפְּרָא ארעא דמצרים:

וַעֲבַדוּ כֵן חָרָשַׁיָּא בְּלַחֲשֵׁיהוֹן לְאַפָּקא יָת קַלְמְתָא וַלָּא יְכִילוּ וַהַוָּת קַלְמְתָא בַּאֲנְשָׁא וֹבִבְעִירָא:

נַאֲמַרוּ חָרְשַׁיָּא לְפַּרְעֹה מַחָא מִן קֵדָם יִיָּ הִיא וְאָתַּקּף לִבָּא דְפַּרְעֹה וְלָא קַבֵּיל מִנְּהוֹן כְּמָא דְמַלֵּיל יִיָ:

נְאָמֵר יְיָ לְמֹשֶׁה אַקְדִּים בְּצַפְּרָא וְאָרְעַתַּד קֵדֶם פַּרְעֹה הָא נְפֵּיק לְמַיָּא וְתֵימֵר לֵיה כָּדְנָן אֲמֵר יְיָ שֵׁלַח עַמִּי וְיִפְּלְחוּן קֵדָמָי:

אֲבֵי אָם לְיְתֶךְ מְשַׁלַּח יָת עַמִּי הָאָנָא מִשְׁלַח בָּךְ וּבְעַבְּדְּ וֹּבְעַמָּךְ וּבְבָתְּךְ יָת עָרוֹבָא עָרוֹבָא וְאַךּ אַרְעָא דְּאִנּוּן עָרוֹבָא וְאַךּ אַרְעָא דְּאִנּוּן וַנַּאמֶר יְהנָה אֶל־מֹשֶׁה אֶמֹר אֶל־אַהָרוֹ נְמֵה אֶת־מַשְּדּ וְהַדְּ אֶת־צֲפָּר הָאָרֶץ וְהָנֶה לְכִנָּם בָּכָל־אֶרֶץ מִצְרֵים:

נַיְצְשׁיּ־כֵּן נַיֵּטֹ אַהֲרֹן אֶת־יָדְוֹ בְּמַשֵּׁהוֹ נַיַּךְ אֶת־עֲפַר הָאָּרֶץ נַתְּהִי הַכִּנְּם בָּאָדֶם וּבַבְּהֵמָּה כָּל־עֲפָר הָאָרֶץ הָיָה כִנִּים בָּכָל־אֱפָר הָאָרֶץ

ְנַיִּצְשׁוּ־בֵּן הַחַרְשָׁמִּים בְּלְשֵיהֶם לְהוֹצִיא אֶת־הַכָּנִּים וְלָאׁ יָכֵלוּ נַתְּהִי הַכִּנְּם בָּאָדֶם וּבַבְּהֵמֶה:

וַיּאִמְרָוּ הַחַרְטָמִם אֶל־פַּרְעֵׁה אֶצְבָּע אֱלֹהִים הָוֹא וַיֶּחֲזָק לֵב־ פַּרְעֹה וְלָא־שָׁמַע אֲלֵהֶם כַּאֲשֶׁר דַּבֵּר יָהוָה: (ס)

וַיֹּאמֶר יְהוָּה אֶל־מֹשֶׁה הַשְּׁכֵּם בַּבּבֶּקר וְהִתְיַצֵּב לִפְנֵי פַּרְעָׁה הָנָּה יוֹצֵא הַפְּוָמָה וְאָמַרְתְּ אֵלְיו כָּה אָמַר יְהוְּה שַׁלַּח עַמֶּי וַיַּעְבְדֵנִי:

בֵּי אָם־אֵינְךּ מְשַׁלֵּחַ אֶת־עַמִּיּ הַנְנִי מַשְּלִיחַ בְּדְ וּבַעֲבְדָיְדְּ וְּבְעַמְּךְ וּבְבָתֶיִּךְ אֶת־הֶעְרָב וּמָלְאוּ בָתֵּי מִצְרַיִם אֶת־הֶעְרֹב וגם האדמה אשר-הם עליה:

לו בַּחֹלַהִים (שמוחל־ה כב, יג), הַבֵּה וּפְצַע (מלכים־ה כ, לו): כאשר דבר ה׳. והיכן דבר, ולה ישמע אליכם פרעה:

- (12) אמר אל אהרן. לא היה העפר כדאי ללקות על ידי משה, לפי שהגין עליו כשהרג את המלרי ויטמנהו בחול, ולקה על ידי אהרן:
 - (13) ותְהי הכנם. הָרְחִישָׁה, פדוליר״א גלע״ז:
- (14) להוציא את הכנים. לבראותם (נ"א ולהוליאם) ממקום אחר: ולא יכלו. שאין השד שולט על בריה פחותה מכשעורה:
- (15) אצבע אלהים היא. מכה זו אינה על ידי כשפים, מאת המקום היא: כאשר דבר ה׳. ולא ישמע אליכם פרעה:

And I will set apart in that day the land of Goshen, in which My people dwell, that no swarms of flies shall be there; to the end that thou mayest know that I am the LORD in the midst of the earth.

And I will put a division between
My people and thy people—by
to-morrow shall this sign be.'

And the LORD did so; and there came grievous swarms of flies into the house of Pharaoh, and into his servants' houses; and in all the land of Egypt the land was ruined by reason of the swarms of flies.

And Pharaoh called for Moses and for Aaron, and said: 'Go ye, sacrifice to your God in the land.'

And Moses said: 'It is not meet so to do; for we shall sacrifice the abomination of the Egyptians to the LORD our God; lo, if we sacrifice the abomination of the Egyptians before their eyes, will they not stone us?

We will go three days' journey into 23 the wilderness, and sacrifice to the LORD our God, as He shall command us.' וְאַפְּבִישׁ בְּיוֹמָא הַהוּא יְת אַרְעָא דְּגֹשֶׁן דְּעַמִּי שָׁבִי עֲלַה בְּדִיל דְּלָא לְמִהְנֵי תַּמְּן עָרוֹבָא בְּדִיל דְתָדֵע אֲבֵי אֲנָא יִי שַׁלִּים בָּגוֹ אַרעַא:

נאֲשׁוֵּי פּוּרְקּן לְעַמִּי וְעַל עַמָּך אַיְתִי מַחָא לִמְחַר יְהֵי אָתָא הָבִין:

וַעֲבַד יִיְ כֵּן וַאֲתָא עְרוֹבָא תַּקִּיף לְבֵית פַּרְעֹה וּלְבֵית עַבְדּוֹהִי וּבְכָל אַרְעָא דְּמִצְרִים אַתְחַבַּלַת אַרְעָא מִן קֶּדְם עַרוֹבָא:

וּקְרָא פַּרְעֹה לְמֹשֶׁה וּלְאַהֲרֹן וַאֲמַר אִיזִילוּ דַּבַּחוּ קֶּדָם אלהכוֹן בארעא:

נְאֲמַר מֹשֶׁה לְּא תְמֵין לְמֶעֲבִּד דָּחֲלִין לֵיה מְנֵּיה אֲנַחְנָּא נְסְבִין לְדַבָּחִא מֱדָם יְיָ אֱלָהַנָּא הָא נְדַבַּח יְת בְּעִירָא דְּמִצְּרָאֵי דְחַלִין לֵיה וְאִנּוּן יְהוֹן חָזַן הלא יימרוּז למרגמנא:

מַהְלַךְ הְּלָתָא יוֹמִין נִיזֵיל בְּמַדְבְּרָא וּנְדַבַּח קְּדָם יְיָ אֵלְהַנָּא כִּמָא דִּיֵימַר לַנָּא:

וְהַפְּלֵיתִי בַיּנִם הַהֹּנִּא אֶת־אֶּבֶץ גַּשֶּׁן אֲשֶׁר עַמָּי עמֵד עְלֶיהָ לְבִלְתִּי הָיְוֹת־שֶׁם עָרֶב לְמַעַן תַּרַע כָּי אָנֵי יְהנָה בְּקֶּרֶב הָאֶרֶץ:

יש, וְשַּׂמְתֵּי פְּדֶּׁת בֵּין עַמֵּי וּבֵין עַמֶּךְ לְמָחֶר יִהְיֶה הָאָת הַזֶּה:

וַיַּעַשׁ יְהֹוָהֹ בֵּׁן וַיָּבאֹ עָרָב כְּבֵּׁר בִּיתָה פַּרְעָה וּבֵית עֲבָדְיוּ וּבְכָל־אָָרֶץ מִצְרֵיִם תִּשְּׁחֵת הָאָרֶץ מִפְּנֵי הָעָרְב:

ַ וַיִּקְרָא פַּרְעׄה אֶל־מֹשֶׁה וּלְאַהְרָן וַיֹּאמֶר לְכָוּ זִבְחְוּ לֵאלְהֵיכֶם בָּאֲרֶץ:

וַיַּאמֶר מֹשֶּׁה לָא נָכוֹן לַעֲשְּׁוֹת בֵּׁן כָּי תּוֹעֲבָת מִצְלַיִם נִזְבָּח לִיהוָה אֶלֹהֵינוּ הַן נִזְבַּח אֶת־תּוֹעֲבָת מִצְרָיִם לְעֵינִיהֶם וְלֹא יִסְקְלָנוּ:

ַ דֶּרֶךְ שְׁלָשֶׁת יָמִׁים נֵלֵךְ בַּמִּךְבָּר וְזָבַחְנוּ לִיהוָה אֱלֹהֵינוּ כַּאֲשֶׁר יאמֵר אַלֵינוּ:

- (17) משליח בך. מגרה בך, וכן וְשֶׁן בְּחֵמֹת אֲשֵלֵּח בְּס (דברים לב, כד), לשון שסוי אינליט"ר בלע"ז: את הערב. כל מיני חיות רעות ונחשים ועקרבים בערבוביא, והיו משחיתים בהם. ויש טעם בדבר באגדה בכל מכה ומכה למה זו ולמה זו, בטכסיסי מלחמות מלכים בא עליהם, כסדר מלכות, כשלרה על עיר, בתחלה מקלקל מעיינותיה, ואחר כך תוקעין עליהם ומריעין בשופרות ליראם ולבהלם, וכן הלפרדעים מקרקרים והומים וכו', כדאי' במדרש רבי תנחומא (בא ד):
- (18) והפליתי. והפרשתי, וכן וְהְפְּלָה ה' (שמות ט, ד), וכן לה נְפְלֵחת הִיחֹ מִמְּךְּ (דברים ל, יח), לה מובדלת ומופרשת היה ממך: למען תדע כי אני ה' בקרב הארץ. הע"פ ששכינתי בשמים, גזרתי מתקיימת בתחתונים:
 - (19) ושמתי פדות. שיבדיל בין עמי ובין עמך:
 - (20) תשחת הארץ. נשחתה הארץ, אַמְחַבְּלֵת אַרְעָא:
 - (21) זבחו לאלהיכם בארץ. נמקומכס, ולא מלכו נמדגר:
- (22) תועבת מצרים. יראת מלרים, כמו וּלְמִלְכֹּם תּוֹעֲבַת בְּגֵי עַמּוֹן (מלכים־ב כג, יג), ואצל ישראל קורא אותם תועבה. ועוד יש לומר בלשון אחר תועבת מלרים, דבר שנאוי הוא למלרים זביחה שאנו זובחים, שהרי יראתם אנו זובחים: ולא יסהלנו. בתמיה:

And Pharaoh said: 'I will let you go, that ye may sacrifice to the LORD your God in the wilderness; only ye shall not go very far away; entreat for me.'

וַיָּאמֶר פַּרְעָה אָנֹכִּי אֲשַׁלַּח וַאֲמֵר פַּרְעה אֲנָא אֲשַׁלַח יָתְכוֹן עֵּקְכֵּם וּיְ אֶלְהַכוֹן אֶּלְהַכוֹן אֶלְהַכוֹן אֶלְהַכוֹן אֶלְהַכוֹן אֶלְהַכוֹן לֵּמִיזַל צַלּוֹ עֲלָי: לֹא־תַּרְחָיקוּ לְלֶכֶת הַעְּתִּירוּ תְרַחֲקוּן לְמֵיזַל צַלּוֹ עֲלָי: בַּעַדִי: בַּעַדִי:

And Moses said: 'Behold, I go out from thee, and I will entreat the LORD that the swarms of flies may depart from Pharaoh, from his servants, and from his people, tomorrow; only let not Pharaoh deal deceitfully any more in not letting the people go to sacrifice to the LORD.'

וַאָּמַר מֹשֶׁה הָא אָנָא נְפֵּיק מֵעּמָּהְ וַאָּצַלִּי קֶּדָם יִיְ וְיִעְדֵּי עָרוֹּכָא מִפַּרְעה מֵעַבְּדּוֹהִי יּמֵעמֵיה מְחַר לְחוֹד לָא יוֹסֵיף פַּרְעֹה לְשַׁקָּרָא בִּדִיל דְּלָא לְשַׁלְחָא יָת עַמָּא לְדַבְּחָא לֵדֶם יִיָּ:

וַיָּאמֶר מֹשֶׁה הָנֵּה אָנֹכִי יוֹצֵא מֵעִּמָּךְ וְהַעְתַּרְתֵּי אֶל־יְהוָה וְסֵר הָעָרֹב מִפַּרְעָה מֵעֲבָדְיו וּמֵעַמִּוֹ מְחֶר רַכִּק אַל־יִּסֵף פַּרְעֹה הָמָעִּוֹּ לְבִלְתִּי שַׁלַּח אֶת־הָעָם לִזְבָּח לִיהוָה:

And Moses went out from Pharaoh, and entreated the LORD.

וּנְפַק מֹשֶׁה מִלְּוָת פַּרְעֹה וְצַלְי קָרָם יִיָ: וַיִּצְא מֹשֶׁה מֵעֲם פַּרְעֻׂה וַיֶּעְתַּר. אֶל־יְהֹוָה:

And the LORD did according to the word of Moses; and He removed the swarms of flies from Pharaoh, from his servants, and from his people; there remained not one.

וַעֲבַד יְיָ כְּפִּתְגְמָא דְּמֹשֶׁה וַאַעְדִּי עָרוֹבָא מִפַּרְעה מַעַבְדּוֹהִי וּמֵעַמֵּיהּ לָא משמאר חד:

ַניַּעשׁ יְהוָה כִּרְבַּר מֹשֶּׁה נַיָּסַר הָעָרֹב מִפַּרְעָה מֵעֲבָרֵיו וּמֵעַמָּוֹ לֹא נִשְׁאַר אֶחֶר:

And Pharaoh hardened his heart this time also, and he did not let the people go.

וְיַקֵּר פַּרְעֹה יָת לְבֵּיהּ אַף בְּזִמְנָא הָדָא וְלָא שַׁלַח יָר עַמָּא:

ַ וַיַּכְבֵּד פַּרְעֹה' אֶת־לְבּוֹ גַּם בַּפַּעם הַזְּאת וְלָא שָׁלַח אֶת־ הָעֶם: (פ)

יהוה' אל-משה בא אל־

Then the LORD said unto Moses:
'Go in unto Pharaoh, and tell him:
Thus saith the LORD, the God of
the Hebrews: Let My people go,
that they may serve Me.

וַאֲמַר יִי לְמֹשֶׁה עוֹל לְוָת פַּרְעֹה וּתְמַלֵּיל עִמֵיה כִּדְנָן אֲמַר יִי אֱלָהָא דִּיהוּדָאֵי שַׁלַח יָת עַמִּי וִיִפְּלְחוּן קֵדָמָי:

רְּבֶּרְעָּה וְדִבּּרְתָּ אֵלְיו כְּה־אָמָר יְהוָה אֱלֹהֵי הֶעִבְרִים שַׁלַּח אֶת־ עָמִי וְיַעַבְרֻנִי: . .

For if thou refuse to let them go, and wilt hold them still,

אָרֵי אָם מְסָרֵיב אַתְּ לְשַׁלְּחָא וְעַד כְּעַן אַתְּ מַתְקֵיף בְּהוֹן:

ַ כֶּי אָם־מָאָן אַתָּה לְשַׁלֵּחַ וְעוֹרְהָּ אֲ מַחַזֵּיק בָּם:

⁽²⁵⁾ התל. כמו להמל:

⁽²⁶⁾ ויעתר אל ה'. נתאמץ בתפלה, וכן אם בא לומר ויעתיר, היה יכול לומר, ומשמע וירבה בתפלה, עכשיו כשהוא אומר בלשון ויפעל, משמע וירבה להתפלל:

⁽²⁷⁾ ויסר הערוב. ולא מתו כמו שמתו הלפרדעים, שאם מתו יהיה להם הנאה בעורות:

⁽²⁸⁾ גם בפעם הזאת. אע"פ שאמר אנכי אשלח אתכס, לא קיים הנטחתו:

⁽²⁾ מחזיק בם. אוחו בס, כמו וְהֶחֱזִיקְה בִּמְבָּטְיו (דברים כה, יא):

behold, the hand of the LORD is upon thy cattle which are in the field, upon the horses, upon the asses, upon the camels, upon the herds, and upon the flocks; there shall be a very grievous murrain.

And the LORD shall make a division between the cattle of Israel and the cattle of Egypt; and there shall nothing die of all that belongeth to the children of Israel.'

And the LORD appointed a set time,
saying: 'Tomorrow the LORD shall
do this thing in the land.'

And the LORD did that thing on

the morrow, and all the cattle of
Egypt died; but of the cattle of the
children of Israel died not one.

And Pharaoh sent, and, behold, there was not so much as one of the cattle of the Israelites dead. But the heart of Pharaoh was stubborn, and he did not let the people go.

And the LORD said unto Moses and unto Aaron: 'Take to you handfuls of soot of the furnace, and let Moses throw it heavenward in the sight of Pharaoh.

And it shall become small dust over all the land of Egypt, and shall be a boil breaking forth with blains upon man and upon beast, throughout all the land of Egypt.' הָא מַחָא מִן קֶּדְם יִיְ הָוְיָא בּּרְעִירָךְ דִּבְחַקְלָא בְּסוּסְוָתָא מוֹתָא סַגִּי לַחְדָּא:

וְיַפְּרֵישׁ יְיָ בֵּין בְּעִירָא דְּיִשְּׂרָאֵל וּבֵין בְּעִירָא דְּמִצְרָאֵי וְלָא יְמוּת מִכּּלָא לְבְנֵי יִשְׁרָאֵל מִדְּעַם:

וְשַׁנִּי יְיָ זְמְנָא לְמֵימֵר מְחַר יַעֲבֵיד יְיָ פִּתְנְמָא הָדֵין בָּאַרְעָא:

וַעֲבַד יְיָ יָת פָּתְגָמָא הָדֵין בְּיוֹמָא דְּבָתְרוֹהִי וּמִית כָּל בְּעִירָא דְּמָצְרָאֵי וּמִבְּעִירָא דִבְנֵי יִשְׂרָאֵל לָא מִית חַד:

וּשְׁלַח פַּרְעֹה וְהָא לָא מִית מִבְּעִירָא דְּיִשְׂרָאֵל עַד חַד וְאִתְיַקֵּר לִבָּא דְּפַרְעֹה וְלָא שַׁלַח יָת עַמָּא:

סַבוּ לְכוֹן מְלֵי חוּפְנֵיכוֹן פִּיחַ דְאַתּוּנָא וְיִזְרְקַנֵּיה מֹשֶׁה לְצֵית שְׁמַיָּא לְעֵינֵי פַּרְעֹה:

וִיהֵי לְאַבְקָּא עַל כָּל אַרְעָא דְּמִצְרָיִם וִיהֵי עַל אֲנְשָׁא וְעַל בְּעִירָא לִשְׁחִין סָגֵי אֲבַעְבּוֹעֲיָן בָּכָל אַרעָא דִּמִצרִים:

הָנֵּה יַד־יְהֹנָה הוֹיָה בְּמִקְנְךְּ וּ אֲשֶׁר בַּשָּׁדֶּה בַּפּוּסֵים בַּחֲמֹרִים נּ בָּנְּמַלִּים בַּבָּקָר וּבַצְּאוֹ דֶּבֶר יִּ בְּבָד מְאָׁד:

וְהִפְּלֶה יְהוָּה בֵּין מִקְנֵה יִשְּׂרְאֵׁל וּבֵין מִקְנֵה מִצְרָיִם וְלָא יָמֶוּת מִכְּל־לִבְנֵי יִשְׂרָאֵל דָּבֶר:

וַיָּשֶׂם יְהוָָה מוֹעֵד לֵאמֶר מָחָׁר יַעֲשֶׂה יְהוָה הַדְּבֶּר הַזֶּה בְּאֶרֶץ:

וַיַּעַשׁ יְהוְּה אֶת־הַדְּבְּר הַזֶּה וְ מִּשְּׁחֲלָת וַיְּמְת כִּל מִקְנֵה וְ מִצְרָיִם וּמִמִּקְנֵה בְנֵי־יִשְּׁרָאֵל וְ לא־מת אחד:

וַיִּשְׁלֵח פַּרְעֹה וְהִנֵּה לֹא־מֶּת מִמִּקְנֵה יִשְּׁרָאֵל עַד־אָחָד וַיִּכְבַּרֹ לֵב פַּרְעֹה וְלָא שִׁלָּח אֶת־הָעֲם: (פּ)

ַנְצְּטֶּיְ יְוּיְוּיְ אֶּלְ נְּעָבְּוֹ מְשֶּׁה פָּיחַ כִּבְשָׁן וּזְרָקוֹ מִשֶּׁה הַשְּׁמַיְמָה לְעֵינֵי פַּרְעָה:

וְהָנֶה רְאָבָּק עַל כְּל־אָנֵה וְיִּלְּה עַל־הָאָדָׁם וְעַל־ דְּ הַבְּהֵמָה לִשְׁחִין פּּרֵחַ אֲבַעְבָּעָבֻּעִת ּ בְּכָל־אֶנֶץ מִצְרֵים: בְּכָל־אֶנֶץ מִצְרֵים:

- (3) הגה יד ה' הויה. לשון הוה, כי כן יאמר בלשון נקבה, על שעבר היתה, ועל העתיד תהיה, ועל העומד הווה, כמו עושה, רולה, רועה:
 - (4) והפלה. והנדיל:
- (8) מלא חפניכם. ילויינו"ש צלע"ז פיח כבשן. דבר הַנְפָּח מן הגחלים עוממים הנשרפים צכצשן, וצלע"ז אולצ"ש. פיח לשון הפחה, שהרוח מפיחן ומפריחן: וזרקו משה. וכל דצר הנזרק צכח, אינו נזרק אלא ציד אחת, הרי נסים הרצה, אחד שהחזיק קומנו של משה מלא חפנים שלו ושל אהרן, ואחד שהלך האצק על כל ארץ מלרים:
- (9) לשחין פרח אבעבועות. כתרגומו לשחין סַגִּי, אַבַעְבּוּעִין שעל ידו לומחין בהן נועות: שחין. לשון חמימות,

And they took soot of the furnace, and stood before Pharaoh; and Moses threw it up heavenward; and it became a boil breaking forth with blains upon man and upon beast.

And the magicians could not stand before Moses because of the boils; for the boils were upon the magicians, and upon all the Egyptians.

And the LORD hardened the heart
of Pharaoh, and he hearkened not
unto them; as the LORD had
spoken unto Moses.

And the LORD said unto Moses:
'Rise up early in the morning, and stand before Pharaoh, and say unto him: Thus saith the LORD, the God of the Hebrews: Let My people go, that they may serve Me.

For I will this time send all My
plagues upon thy person, and upon
thy servants, and upon thy people;
that thou mayest know that there is
none like Me in all the earth.

Surely now I had put forth My

15 hand, and smitten thee and thy
people with pestilence, and thou
hadst been cut off from the earth.

But in very deed for this cause have
16 I made thee to stand, to show thee
My power, and that My name may
be declared throughout all the
earth.

וּנְסִיבוּ יָת פִּיחַ דְּאַתּוּנְא וְקְמוּ קְצֵית שְׁמַיָּא וַהְּוָה שְׁחִין אֲבַעְבּוֹעֲיָן סָגֵי בַּאֲנָשְׁא וּבַבַעִירָא:

וְלָא יְכִילוּ חָרְשַׁיָּא לִמְקָם קַדְם משֶׁה מִן קֵּדָם שִׁחְנָא אֲרֵי הַנָה שִׁחְנָא בְּחָרְשַיָּא וּבְכֶל מִצְרָאֵי:

וְתַקֵּיף יְיָ יָת לְבָּא דְּפַּרְעֹה וְלָא קַבֵּיל מִנְּהוֹן כְּמָא דְּמַלֵּיל יְיָ עם משָה:

וֹאֲמֵר יְיָ לְמֹשֶׁה אַקְהֵּים בְּצַבְּרָא וְאָתְעַתַּר קֵדָם פַּרְעֹה וְתִימֵר לִיהּ כִּדְנָן אֲמֵר יְיָ אֱלְהָא דִּיהוּדָאֵי שַׁלַח יָת עַמִּי וִיִּפְּלְחוּן קֵדָמֵי:

אָבִי בְּזִמְנָא הָדָא אָנָא שָׁלַח יָת כָּל מַחָתַי בְּלִבְּךְ וּבְעַבְדְךְ וּבְעַמָּךְ בִּדִיל דְּתִדַּע אֲבִי לֵית דְּכְוָתִי בְּכָל אַרְעָא:

וְאַשְׁתֵּיצִיתָא מָן אַרְיב קּדְּמִי הַשְׁלַחִית נְתָךְ וְיָת מַחַת גְּבּוּרְתִי הַשְׁלַחִית כָּוֹן יָת מַחַת גְּבּוּרְתִי וְאָשְׁתֵיצִיתָא מָן אַרְעָא:

וּבְרֵם בְּדִיל דָּא קַיֵּימְתְּדְ בְּדִיל לְאַחְזָיוּתְדְ יָת חֵילִי וּבְדִיל דִּיהוֹן מִשְׁתָעַן גְּבוּרַת שמי בכל ארעא:

וַיִּקְחוּ אֶת־פֵּיחַ הַכִּבְשָּׁן וַיִּעַמְדוּ לִפְנֵי פַּרְעֹה וַיִּזְלָק אֹתֶוֹ מֹשֶׁה הַשְּׁמָיֶמָה וַיְהִי שְׁחִין אֲבַעְבֶּעֹת פֹּבֵּחַ בָּאָדֶם וּבַבְּהֵמֶה:

וְלְא־יָכְלַוּ הַחַרְשָׁמִּים לַעֲמָּד לְפָנֵי מֹשֶׁה מִפְּנֵי הַשְּׁחִין כִּי־ הָיָה הַשְּׁחִין בַּחַרְשָׁמִּם וּבְכָל־ מִצְרָיִם:

ַ וַיְחַזֵּק יְהֹוָהֹ אֶת־לֵב פַּרְעֵּה וְלְאׁ שָׁמָע אֲלַהֶם כַּאֲשֶׁר דִּבֶּר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה: (ס)

וַיָּאמֶר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה הַשְּבֵּם בַּבּּקֶר וְהִתְיַצֵּב לִפְנֵי פַּרְעָׁה וְאָמַרְתָּ אֵלִיו כְּה־אָמֵר יְהוָה אֶלֹהֵי הַעְבְרִים שַׁלַּח אֶת־עַמֵּי ויעבדני:

בֵּיו בַּפַּעַם הַזּאת אֲנִּי שׁלֵחַ אֶת־ יּבְעַנָּגַך בַּעֲבָיּר תַּדַע כָּי אָין בָּעַבָּיר תַּדַע כָּי אָין בַּעַבָּיר תַּדַע כָּי אָין

ַ מָן־הָאָרֶץ שָׁלַחְתִּי אֶת־יָדִּי וָאַך אוֹתְךָּ וְאֶת־עַמְּךָּ בַּדָּכֶר וַתִּכְּחֵד בָּי עַתְּהֹ

וְאוּלְם בַּעֲבָוּר זֹאֵת הָעֶמַרְתִּּיךְ בַּעֲבָוּר הַרְאֹתְךְּ אֶת־כּּחִי וּלְמָעַן סַבּּר שָׁמִי בְּכָל־הָאֶרֶץ:

והרבה יש בלשון משנה, שנה שחונה:

- (10) באדם ובבהמה. ואם מאמר מאין היו להם הבהמות, והלא כבר נאמר וַיְמָת פּל מִקְנֵה מִלְּרָיִם, אלא לא נגזרה גזרה אלא על אותן שבשדות בלבד, שנאמר בְּמִקְנְךְ אֲשֶׁר בַּשְׁדֶּה, וֹהַיָּרֵא אָת דְּבָר ה' הַנִּים אָת מִקְנֵהוּ אָל הַבְּפִּים. וכן שנויה במכילתא אלל וַיִּקַח שֵׁשׁ מֵאוֹת רֶכֵב בַּחוּר (שמות יד, ז):
 - (14) את כל מגפתי. למדנו מכאן, שמכת בכורות שקולה כנגד כל המכות:
- (15) כי עתה שלחתי את ידי וגר'. כי אלו רליתי, כשהיתה ידי במקנך שהכיתים בדבר, שלחתיה והכיתי אותך ואת עמך עם הבהמות: ותכחד מן הארץ. אבל בעבור זאת העמדתיך וגו':

As yet exaltest thou thyself against

My people, that thou wilt not let
them go?

Behold, tomorrow about this time I will cause it to rain a very grievous hail, such as hath not been in Egypt since the day it was founded even until now.

Now therefore send, hasten in thy cattle and all that thou hast in the field; for every man and beast that shall be found in the field, and shall not be brought home, the hail shall come down upon them, and they shall die.'

He that feared the word of the
LORD among the servants of
Pharaoh made his servants and his
cattle flee into the houses:

and he that regarded not the word of the LORD left his servants and his cattle in the field.

And the LORD said unto Moses:

'Stretch forth thy hand toward
heaven, that there may be hail in
all the land of Egypt, upon man,
and upon beast, and upon every
herb of the field, throughout the
land of Egypt.'

עד כְּעַן כְּבִישָּׁתְּ לֵיהּ בְּעַמִּי בִּדִיל דְּלָא לִשְׁלַחוּתָהוֹן:

הָאֲנָא מַחֵית בְּעִדָּנָא הָדֵין מְחַר בַּרְדָּא תַּקּיף לַחְדָּא דְּלָא הַנָה דִּכְנָתֵיהּ בְּמִצְרַיִם לְמִן יוֹמָא דִּאִשָּׁתַּכִללַת וִעַד כִּעַן:

וּלְעַן שְּלֵח בְּנוֹשׁ יְת בְּלְ דְּלֶּתְ אָנָשָׁא וּבְעִירָא דְּיִשְׁתְּכַח בְּחַקְלָא וְלָא יִתְכְּנִישׁ לְבֵיתָא וְיִיחוֹת עֲלֵיהוֹן בַּרְדָּא וְיִמוֹתוּן:

דְּדָחֵיל מִפְּתְגְמָא דֵּייִ מֵעַבְדֵּי פַּרְעה כְּנָשׁ יָת עַבְדּוֹהִי וְיָת בּעיריה לבתיא:

ּוּדְלָא שַׁוִּי לְבֵּיה לְפִּתְנְמָא דִּייָ שְׁבַס יָת עַבְדּוֹתִי וְיָת בְּעִיבֵיה בַּחַקַלָא:

וַאֲמַר יְיָ לְמֹשֶׁה אֲרֵים יָת יְדְךְ עַל צֵית שְׁמַיָּא וִיהֵי בַרְדָּא בְּכָל אַרְעָא דְּמִצְרִיִם עַל אָנְשָׁא וְעַל בְּעִירָא וְעַל כָּל עִסְבָּא דְּחַקְלָא בְּאַרְעָא דּמצרים:

י, עוֹדְהָּ מִסְתּוֹלֵל בְּעַמֵּי לְבִלְתִּי שלחם:

הָנְגָי מַמְטִירֹ כָּעַת מְחָׁר בְּרֶד כְּבֵד מְאֵד אֲשֶׁר לֹא־הָיָה כְמֹהוּ בְּמִצְלַיִם לְמִן־הַיִּוֹם הִנְּסְדָה ועד־עתה:

וְעַהָּה שְׁלָח הָעֵז' אֶת־מִקְנְהְּ וְאֵת כְּל־אֲשֶׁר לְךָּ בַּשְּׁדֶּת כְּל־ הָאָרָם וְהַבְּהֵמָה אֲשֶׁר־יִמָּצֵא בַשְּׂרֶה וְלָא יֵאָסֵף הַבַּיְתָה וְיִרָד עַלָהֵם הַבָּרֵד וְמֵתוּ:

ַהַּיָּרֵאֹ אֶת־דְּבָר יְהוָּה מֵעַבְהֵי בּרְעָה הַנְּיִס אֶת־עֲבְדֵיו וְאֶת־ מִקנֵהוּ אֶל־הַבָּתִּים:

ַנְאֲשֶׁר לֹא־שֶּׁם לִבְּוֹ אֶל־דְּבָּר יְהְוָֹה וַיִּשְׁוָב אֶת־שֲבְדֵיו וְאֶת־ מִקְנָהוּ בַּשַּׁדֵה: (פ)

וּ אמֶר יְהוָּה אֶל־מֹשֶּׁה נְמֵה אֶת־ יַרְדְּ עַל־הַשְּׁמֵּיִם וִיהִי בְּרָד בְּכְל־אָרֵץ מִצְרָיִם עַל־הָאָרָם וְעַל־הַבְּהַמָּה וְעָל כְּל־עַשֶּׁב השרה בארץ מצרים:

- (17) עודך מסתולל בעמי. כתרגומו פְּבֵישַׁת בֵּיהּ בְּעַמִּי, והיא מגזרת מסלה דמתרגמינן אוֹרֵח פְּבוּשָׁא, ובלע"ז קלקי"ר וכבר פירשתי בסוף ויהי מקץ, כל תיבה שתחלת יסודה סמ"ך והיא באה לדבר בלשון מתפעל, נותן התי"ו של שמוש באמלע אותיות של עיקר, כגון זו, וכגון וְיִסְחַבֵּל הֶסָגָב (קהלת יב, ה), מגזרת סבל. כִּי מִּשְׁחָבֶר עָלֵינוּ (דניאל ז, ח), מגזרת שר ונגיד. וכן משַׁתַּבֶּל הַוִית (דניאל ז, ח):
- (18) כעת מחר. כעת הזאת למחר, שרט לו שריטה בכוחל, למחר כשתגיע חמה לכאן, ירד הברד: הוסדה. שנתיסדה. וכל מיבה שתחלת יסודה יו"ד, כגון יסד, ילד, ידע, יסר, כשהיא מתפעלת, תבא הוי"ו במקום היו"ד, כמו הוסדה, הַוְּלְדָהּ (כֹּנוֹ יסְד, כֹנוֹ יסְד, ילד, ידע, יסר, כשהיא מתפעלת שבד (משלי כט, יט): (הושע ב, ה), וְיַנְיַדְע (אסתר ב, כב), וְיַנְלֶד לִיוֹסְף (בראשית מו, כ), בַּדְבַּרִים לא יַנְסַר עבד (משלי כט, יט):
- (19) שלח העז. כתרגומו שלח כְּנוֹשׁ, וכן ישְׁבֵּי הַגֵּבִים הַעִיזוּ (ישעיה י, לא), הָעִיזוּ בְּגֵי בִּנְיָמִן (ירמיה ו, א): ולא יאסף הביתה. לשון הכנסה היא:
 - (20) הניס. הבריח, לשון וינס:
 - (22) על השמים. ללד השמים. ומדרש אגדה, הגביהו הקנ"ה למשה למעלה מן השמים:

And Moses stretched forth his rod toward heaven; and the LORD sent thunder and hail, and fire ran down unto the earth; and the LORD caused to hail upon the land of Egypt.

So there was hail, and fire flashing up amidst the hail, very grievous, such as had not been in all the land of Egypt since it became a nation.

And the hail smote throughout all the land of Egypt all that was in the field, both man and beast; and the hail smote every herb of the field, and broke every tree of the field.

Only in the land of Goshen, where the children of Israel were, was there no hail.

And Pharaoh sent, and called for Moses and Aaron, and said unto them: 'I have sinned this time; the LORD is righteous, and I and my people are wicked.

Entreat the LORD, and let there be enough of these mighty thunderings and hail; and I will let you go, and ye shall stay no longer.'

And Moses said unto him: 'As soon as I am gone out of the city, I will spread forth my hands unto the LORD; the thunders shall cease, neither shall there be any more hail; that thou mayest know that the earth is the LORD's.

וַאֲרֵים מֹשֶׁה יָת חוּטְרֵיהּ עַל צֵית שְׁמַיָּא וַיִי ְיַהַב קְלִין וּבְרַד וּמְהַלְּכָא אִישָׁתָא עַל אַרְעָא וְמַמְטֵר יְיָ בַּרְדָּא עַל אַרְעָא דָּמַצְרַיִם:

נְהַנָּה בַּרְדָּא וְאִישְׁתָא מִשְּׁתַּלְהַבָּא בְּגוֹ בַרְדָּא תַּמִּיך לַחְדָּא דְּלָא הָנָה דְּכָנְתֵיה בְּכָל אַרְעָא דְּמִצְרִים מֵעָדֵּן דָּהַנָת לָעַם:

יּמְחָא בַרְדָּא בְּכָל אַרְעָא דְּמָצְרַיִם יָת כָּל דִּבְחַקְלָא עַסְבָּא דְּחַקְלָא מְחָא בַרְדָּא יִיָת כָּל אִילָנִי חַקְלָא מָבָר:

לְחוֹד בְּאַרְעָא דְּגֹשֶׁן דְּתַמֶּן בְּנֵי יִשְׂרָאֵל לָא הֲנָה בַרְדָּא:

וּשְׁלַח פַּרְעֹה וּקְרָא לְּמֹשֶׁה וּלְאַהֲרֹן נַאֲמֵר לְהוֹן חַבִּית זִמְנָא הָדָא יְיָ זַכְּאָה נַאֲנָא וְעַמִּי חַיִּבִין:

צַלּוֹ מֵּלֶם יְיָ וְסָגִּי מֵּדְמּוֹהִי רְנַח דְּלָא יְהוֹן עֲלַנָּא מִיסְפּוּן דְלָנֶט כָּאָלֵין מָן מֵדְם יְיָ וּבְרַד לִאָתִעַכָּבָא:

וַאֲמַר לֵיהּ מֹשֶׁה כְּמִפְּקּי יָת קַרְתָּא אֶפְרוֹס יָת יְדֵי בִּצְלוֹ קָדָם יְיָ קָלַיָּא יִתְמַנְעוּן וּבַרְדָּא לָא יְהֵי עוֹד בְּדִיל דְּתִדַּע אֲרֵי דִּייָ אַרְעָא:

וַנֵּט מֹשֶׁה אֶת־מַמֵּחנּ עַל־ הַשְּׁמֵּיִם וַיִּהֹוָה נָתַן לּלֹת וּבְּלָּד וַתְּחַלַךְ אֲשׁ אָרִצְה וַיַּמְמֵיך יְהֹוָה בָּרָד עַל־אֶרֶץ מִצְרֵים:

וֹיְתֵי בְּלָּד וְאֵּשׁ מִתְלַאֶּחֶת בְּתְוֹךְ הַבָּרָד כְּבֵּד מְאֹד אֲשֶּׁר לְאֹ־ מָאָז הָיְתָה לְגִּי:

וַיַּךְ הַבְּּלָד בְּכְל־אָנֶדְץ מִצְּרַיִם אָת כְּל־אֲשֶׁר בַּשְּׂדֶה מֵאָדֶם וְעַד־בְּהַמָּה וְאֵת כְּל־עֵשֶׁב הַשְּׁדֶּה הִבְּּלְד וְאֶת־כְּל־ עץ השרה שבר:

יַשְׂרָאֵל לְאׁ הְיָה בְּרֵד: יִשְׂרָאֵל לְאׁ הְיָה בְּרֵד:

ניִשְׁלַח פַּרְעֹה ניִּקְרָא לְּמֹשֶׁה וּלְאַהָרֹן ניִאמֶר אֲלֵהֶם חָמָאתִי הַפָּעָם יְהֹוָה הַצַּרִּיק נִאָנִי וְעַמֵּי הרשעים:

הַעְתִּירוּ אֶל־יְהוָּה וְרֵב מְהְיָת לקת אֱלֹהִים וּבְרֵד וַאֲשַׁלְחָה אֶתְבֶּם וְלָא תֹסִפִּוּן לַעֲמָּד:

וַיָּאמֶר אֵלָיוֹ מֹשֶׁה כְּצֵאתִי אֶת־ הָלִיר אֶפְּרָשׁ אֶת־כַּפֵּי אֶל־ יְהֹנָה הַפִּלְוֹת יֶחְדְּלֹוּן וְהַבְּּרָד לָא יְהְיָה־עוֹד לְמַעַן תַּלַע כִּי לַיהוָה הָאָרֶץ:

⁽²⁴⁾ מתלקחת בתוך הברד. נס גמון נס, האש והגרד מעורצין, והגרד מים הוא, ולעשות רלון קונם עשו שלום ציניהם (שמו"ר יג, ו):

⁽²⁸⁾ ורב. דילו במה שהוריד כבר:

But as for thee and thy servants, I

know that ye will not yet fear the
LORD God.'—

And the flax and the barley were smitten; for the barley was in the

But the wheat and the spelt were not smitten; for they ripen late.—

ear, and the flax was in bloom.

And Moses went out of the city from Pharaoh, and spread forth his hands unto the LORD; and the thunders and hail ceased, and the rain was not poured upon the earth.

And when Pharaoh saw that the rain and the hail and the thunders were ceased, he sinned yet more, and hardened his heart, he and his servants.

And the heart of Pharaoh was hardened, and he did not let the children of Israel go; as the LORD had spoken by Moses.

וְאַתְּ וְעַבְּדָךְ יָדַעְנָא אֲרֵי עַד בְּעַן לָא אָתְכְּנַעְתוּן מִן מֵדָם יִיָ אֵלֹהִים:

וְכִתָּנָא וּסְעָרֵי לְקוֹ אֲרֵי סְעָרַיָּא אביב וכתנא גבעולין:

וְחַשַּיָּא וְכוּנָתִיָּא לָא לְקַאָּה אֲרֵי אַפְּלָתָא אָנִין:

וּנְפַּק מֹשֶׁה מִלְּנָת פַּרְעֹה יָת קַרְתָּא וּפְּרַס יְדוֹהִי בִּצְלוֹ מֵטְרָא דַּהֲנָתוּ קָלַיָּא וּבַרְדָּא וּמִטְרָא דַּהֲנָת נְחֵית לָא מְטָא אַרְעָא:

ַנְחָזָא פַּרְעֹה אֲרֵי אִתְמְנַע מִטְרָא וּבַרְדָּא וְקְלַיָּא וְאוֹסֵיף וְעַבְדּוֹהִי:

אָתַקַּךְ לִבָּא דְּפַּרְעֹה וְלָא שַלַּח יָת בְּנֵי יִשְּׂרְאֵל כְּמָא דּמַלִּיל יִי בִּידָא דָּמֹשֵׁה: אָתָה וַעֲבָדֶיְדְּ יָדֵּעְתִּי כָּי טֶּרֶם װְאַתָּה וַעֲבָדֶיִדְ יְהֹוֶה אֱלֹהִים: תִּירְאוֹן מִפְּנֵי יְהֹוֶה אֱלֹהִים:

וְהַפִּשְׁתָּה וְהַשְּׁעֹרֶה נָכְּתָה כֵּי הַשִּּעֹרֶה אָבִיב וְהַפִּשִׁתָּה גִּבִעְּל:

וְהַחִּמֶּה וְהַכְּסֶּמֶת לֵאׁ נֻכֵּוּ כִּי וְ אַפִּילִת הֵנָּה:

וַיֵּצֵא מֹשֶׁה מֵעֶם פַּרְעֹה אֶת־ פּטיר הַנִּפְרָשׁ כַּפָּיו אֶל־יְהְוְֹה וַיַּחְדְּלָוּ הַּפְּלוֹת וְהַבְּּרָד וּמָשָּר לֹא־נִתַּך אָרְצָה:

ַניַרָא פַּרְעֹה בִּי־חָדֵּל הַמְּעָר וְהַבְּּרֶד וְהַמְּלֹת נַיָּסֶף לַחֲמָא ניַכְבֵּד לִבְּוֹ הָוּא נַעֲבְדֵיו:

קנה וַנֶּחֲזַקֹ לֵב פַּרְעֵּה וְלְא שִׁלָּח אֶת־ פסוקיס בָּנִי יִשְּׂרָאֵל כַּאֲשֶׁר דִּבֶּר יְהֹוָה בִּיַד־מֹשֵׁה: (פ)

The Haftarah is Ezekiel 28:25 - 29:21 on page 208. On Rosh Hodesh, read the Maftir and Haftarah on page 233.

- (29) בצאתי את העיר. מן העיר, אבל בחוך העיר לא התפלל, לפי שהיתה מלאה גלולים (שם יב, ז):
- (30) טרם תיראון. עדיין לא מיראון. וכן כל טרם שבמקרא עדיין לא הוא, ואינו לשון קודם, כמו טֶרֶם יִשְׁבָּבוּ (בראשית יט, ד), עד לא שכיבו. טֶרֶם יִלְמָח (שם ב, ה), עד לא למח. אף זה כן הוא, ידעתי כי עדיין אינכם יראים, ומשתהיה הרוחה מעמדו בהלהולכם:
- (31) והפשתה והשעורה בכתה. נשגרה, לשון פרעה נכה, נכאים, וכן לא נכו, ולא יתכן לפרשו לשון הכאה, שאין נו"ן במקום ה"א לפרש נכתה כמו הוכתה, נכו כמו הכו, אלא הנו"ן שורש בתיבה, והרי הוא מגזרת וְשֻׁפּוּ עַלְמֹתָיו (איוב לג, כיו"ן במקום ה"א לפרש נכתה כמו הוכתה, נכו כמו הכו, אלא הנו"ן שורש בתיבה, והרי הוא מביב. כבר ביכרה ועומדת בְּקַשְׁיָה, ונשתברו ונפלו, וכן הפשתה גדלה כבר והוקשה לעמוד בגבעוליה: השעורה אביב. עמדה באביה, לשון בָּאָבֵי הַצְּמַל (שִיר השירים ו, יא):
- (32) כי אפילת הנה. מאוחרות, ועדיין היו רכות, ויכולות לעמוד בפני קשה, ואע"פ שנאמר ואת כל עשב השדה הכה הברד, יש לפרש פשוטו של מקרא בעשבים העומדים בקלחם הראויים ללקות בברד. ומדרש רבי תנחומא (וארא טז) יש מרבותינו שנחלקו על זאת, ודרשו כי אפילות, פלאי פלאות נעשו להם שלא לקו:
- (33) לא בתך. ` לא הגיע, ואף אותן שהיו באויר לא הגיעו לארץ, ודומה לו וַמִּמַּךְ עָלֵינוּ הָאָלֶה וְהַאְבָעָה (דניאל ט, יא) דעזרא, ותגיע עלינו. ומנחם בן סרוק חברו בחלק כְּהַפּוּך בֶּסֶף (יחזקאל כב, כב), לשון יליקת מתכת, ורואה אני את דבריו כתרגומו וַיִּצֹק, וְאַפֵּיךָּ. לְצָׁקֶת, לְאַפֶּרָא. אף זה לא נתך לארץ, לא הולק לארץ:

And the LORD said unto Moses: 'Go in unto Pharaoh; for I have hardened his heart, and the heart of his servants, that I might show these My signs in the midst of them;

וַאֲמַר יְיָ לְמֹשֶׁה עוֹל לְוָת פַּרְעֹה אֲבִי אֲנָא יַפַּרִית יָת לִבֵּיה וְיָת לִבָּא דְעַבְדּוֹהִי בְּדִיל לְשַׁוָּאָה אָתַי אָלֵין בּיניהוֹן:

וַיָּאמֶר יְהוָהֹ אֶל־מֹשֶׁה בְּאׁ אֶל־ בּרְעָה כִּי־אֲנִׁי הִכְבַּרְתִּי אֶת־ לִבּוֹ וְאֶת־לֵב עֲבָרָיו לְמַעַן שָׁתֵי אֹתֹתִי אֵלָה בִּקרבּוֹ:

and that thou mayest tell in the ears of thy son, and of thy son's son, what I have wrought upon Egypt, and My signs which I have done among them; that ye may know that I am the LORD.'

וּכְדִיל דְּתִשְׁתַעֵּי אֶנָא יְיָ: בָּר בְּרָךְ יָת אָתְוָתִי דְשַׁוִּיתִי בְּחוֹן וְתִדְּעוֹן אָרֵי אָנָא יְיָ: בְּחוֹן וְתִדְּעוּן אָרֵי אָנָא יְיָ:

וּלְמַעַן הְּסַפֵּר בְּאָזְנֵׁי בְּנְדְּ בַּמִצְרַיִם וְאָת־אֹתֹמִי אֲשֶׁר בַּמִצְרַיִם וְאָת־אֹתֹמִי אֲשֶׁר־ שַמְּתִּי בָם וִידַעְהָּם כִּי־אֲנֵי יהוה:

And Moses and Aaron went in unto Pharaoh, and said unto him: 'Thus saith the LORD, the God of the Hebrews: How long wilt thou refuse to humble thyself before Me? let My people go, that they may serve Me.

וְעָאל מֹשֶׁה וְאַהֲרֹן לְוָת פַּרְעֹה וַאֲמַרוּ לֵיהּ כִּדְנָן אֲמַר יִי אֱלָהָא דִּיהוּדָאֵי עַד אִמַּתִּי מָסְרֵיב אָתְּ לְאִתְכְּנָעָא מָן קֵדְטָי שַׁלַח עַמִּי וְיִפְּלְחוּן קַדְמִי שַׁלַח עַמִּי וְיִפְּלְחוּן

ניָבֹא מֹשֶׁה וְאַהַרֹן אֶל־פַּרְעֹה ניאמְרָוּ אֵלִיו כְּה־אָמַר יְהֹנָה אֱלֹהֵי הָעִבְרִים עַד־מָתַי מֵאַנְהָ לַעָּנָת מִפָּנָּגִ שַׁלַח עַמִּי וְיַעַבְדֻנִי:

Else, if thou refuse to let My people go, behold, to-morrow will I bring locusts into thy border; אָרֵי אָם מְסָרֵיב אַתְּ לְשַׁלְּחָא יָת עַמִּי הָאָנָא מֵיתֵי מְחַר גּוּבָא בָּתִחוּמַך: ני אָם־מָאָן אַתָּה לְשַׁלֵּחַ אֶת־ עִמֵּי הִנְנִי מֵבֶיא מָחָר אַרְבֶּה בּגבלה:

and they shall cover the face of the earth, that one shall not be able to see the earth; and they shall eat the residue of that which is escaped, which remaineth unto you from the hail, and shall eat every tree which groweth for you out of the field;

וְיִחְפֵּי יָת עֵין שִׁמְשָׁא דְּאַרְעָא וְלָא יִכּוֹל לְמִחְזֵי יָת אַרְעָא וְיֵיכוֹל יָת שְׁאָר שֵׁיזְבְתָא וְיֵיכוֹל יָת כָּל אִילְנָא דְאַצְמַח וְיֵיכוֹל יָת כָּל אִילְנָא דְאַצְמַח לכוֹן מון חקלא:

ְוְכִּסָּה אֶת־עֵין הָאֶּׁרֶץ וְלְאׁ יוּכֵל לְרָצִׁת אֶת־הָאָרֵץ וְאָכַלוּ אֶת־ יֶתֶר הַפְּלֵטָה הַנִּשְׁאֶרֶת לְכֶם מִן־הַבָּלָד וְאָכַל אֶת־כְּל־הָעֵץ הַצִּמֵח לָכֵם מִן־הַשָּׂדֵה:

and thy houses shall be filled, and the houses of all thy servants, and 6 the houses of all the Egyptians; as neither thy fathers nor thy fathers' fathers have seen, since the day that they were upon the earth unto this day.' And he turned, and went out from Pharaoh.

וְיִתְמְלוֹן בְּתָּךְ וּבְתֵּי כְּל עַבְּדְּ אָבְהָתָּךְ וַאָבְהָת אָבְהָתָּךְ מִיּוֹם אָבְהָתָךְ וַאָּבְהָת אָבְהָתָּךְ מִיּוֹם אָבְהָתָר וַאָּבְהָת אָבְהָתָּךְ מִיּוֹם פרעה:

וּמְלְאׁוּ בָתִּיך וּבְתֵּי כְל־עֲבָדֵּיךְ וּבְתֵּיךְ וַאֲבְוֹת אֲבֹתִּיךְ מִיּוֹם אֲבֹתֵיךְ וַאֲבְוֹת אֲבֹתִיךְ מִיּוֹם הֵיוֹתֶם עַל-הָאֲדָמָה עַד הַיָּוֹם הַזֶּתְ וַיִּפֶּן וַיֵּצֵא מֵעֵם פַּרְעָה:

⁽¹⁾ ויאמר ה׳ אל משה בא אל פרעה. והתרה נו: שתי. אַימִי, שחשית חני:

⁽²⁾ התעללתי. שחקתי, כמו כִּי הִמְעַלּלְתּ בִּי (במדבר כב, כט), הַלֹוּא כַּחֲשֶׁר הִמְעַלֵּלְ בָּהֶס (שמואל־א ו, י) האמור במלריס, ואינו לשון פועל ומעללים, שא"כ היה לו לכתוב עוללתי, כמו וְעוֹלֵל לְמוֹ כַּחֲשֶׁר עוֹלַלְתָּ לִי (איכה א, כב), אֲשֶׁר עוֹלֵל לִי (שס יב):

⁽³⁾ לעבות. כתרגומו לְחָּקְכְּנְעָח, והוח מגזרת עני, מֵחְנְהָּ להיות עני ושפל מפני:

⁽⁵⁾ את עין הארץ. את מראה הארץ: ולא יוכל וגר׳. הרואה, לראות את הארץ, ולשון קלרה דבר:

And Pharaoh's servants said unto him: 'How long shall this man be a snare unto us? let the men go, that they may serve the LORD their God, knowest thou not yet that Egypt is destroyed?'

וֹאֲמַרוּ עַכְדֵי פּּרְעֹה לֵיהּ עַד אָמַּתִּי יְהֵי דִין לַנָּא לְתַקְלָא שַׁלַח יָת גּוּבְרַיָּא וְיִפְּלְחוּן קֵּדְם יִי אֶלְהָהוֹן הַעַד כְּעַן לָא יְדַעְהָא אֲרֵי אֲבַדַת מִצְרָיִם: יְדַעְהָא אֲרֵי אֲבַדַת מִצְרָיִם:

וַיּאִמְרוּ עַבְדֵּי פַּרְעָה אֵלְיוּ עַדְּ לּ מָתִי יִהְיֶּה זֶה לְנוּ לְמוֹלֵש שַׁלַח אֶת־הָאָנְשִׁים וְיַעַבְדִּוּ אֶת־ יְהֹנָה אֱלֹהֵיהֶם הַטֶּרֶם תַּלַע כִּי אַבְדֵּה מִצְרֵיִם:

And Moses and Aaron were brought again unto Pharaoh; and he said unto them: 'Go, serve the LORD your God; but who are they that shall go?'

וְאָתָּתַב יָת מֹשֶׁה וְיָת אַהֲרֹן לְנָת פַּרְעֹה וַאֲמַר לְהוֹן אִיזִילוּ פָּלַחוּ קֵדָם יִיָ אֱלְהֲכוֹן מַן וּמַן אָזְלִין:

ניוּשַּׁב אֶת־מֹשֶׁה וְאֶת־אַהֲרֹן אֶל־פַּרְעָׁה וַיָּאמֶר אֲלהֵם לְכִּוּ עִבְרָוּ אֶת־יְהוְּה אֱלֹהֵיכֶם מִי ומי ההלכים:

And Moses said: 'We will go with our young and with our old, with our sons and with our daughters, with our flocks and with our herds we will go; for we must hold a feast unto the LORD.' וַאֲמַר מֹשֶׁה בְּעוּלֵימַנְא וּבְסָבָנָא נִיזֵיל בִּבְנַנָא וּבִבְנְתַנְּא בְּעָנַנְא וּבְתוֹרַנָא נִיזֵיל אֲרֵי תַּגָּא קַרָם יִיַ לְנָא:

וַיָּאמֶר מֹשֶּׁה בִּנְעָרֵינוּ וּבִזְקֵנֵינּ בַלֵּךְ בְּבָנִינוּ וּבִבְנוֹתֵנוּ בְּצֹאנֵנוּ וֹבִלְךְ בְּבָנִינוּ וּבִבְנוֹתְוֹה בְּצֹאנֵנוּ

And he said unto them: 'So be the
LORD with you, as I will let you go,
and your little ones; see ye that evil
is before your face.

וַאֲמַר לְהוֹן יְהֵי כֵן מֵימְרָא דַּייִ בְּסַעְּדְּכוֹן כָּד אֲשַׁלַח יְתְכוֹן וְיָת מַפְּלְכוֹן חֲזוֹ אֲבִי בִישְׁא מַבִּיל אָפָּירוֹן לְמֶעֶבַד לֵית בַּבֵּיל אָפָּיכוֹן לְאָסְתַּחַרָא:

וַנַּאמֶר אֲלֵהֶם יְהִּי כֵּן יְהֹנָה עִּמֶּכֶם כַּאֲשֶׁר אֲשַׁלַּח אֶתְכֶם וְאֶת־טַּפְּכֶם רְאוּ כִּי רָעָה נָגֶד פְּנֵיכֶם:

Not so; go now ye that are men, and serve the LORD; for that is what ye desire.' And they were driven out from Pharaoh's presence.

מֵאָת פָּנֵי בָּאַן וְתְּרֵיךְ יָתְהוֹן מִן מֵּדְם הָהָאָת פָּנִי בָּאַן וְתְרֵיךְ יָתְהוֹן מִן מֵּדְם הַגְּבָרִים לָא כֵן אִיזִילוּ כְעַן גּוּבְרַיָּא פּרִעה:

לא כַּן לְכְּוּ־נָּא הַגְּבָּרִיםׂ ' וְעִבְּלָשִׁים נִיגָּרָשׁ אֹלָם מֵאֵת פְּנֵי ' הִלִּבְלָשִׁים נִיגָּרָשׁ אֹלָם מֵאֵת פְּנֵי

- (7) הטרם תדע. העוד לא ידעת כי אנדה מלרים:
- (8) ויושב. הושבו ע"י שליח ששלחו אחריהם, והושיבום אל פרעה:
- (10) כאשר אשלח אתכם וגו׳. אף כי אשלח גם את הצאן ואת הבקר כאשר אמרתם: ראו כי רעה נגד פניכם. כתרגומו. ומדרש אגדה שמעתי, כוכב אחד יש ששמו רעה, אמר להם פרעה, רואה אני בְּאִילְטַגְּנִינוּת שלי אותו כוכב עולה לקראתכם במדבר, והוא סימן דם והריגה, וכשחטאו ישראל בעגל ובקש הקב״ה להרגם, אמר משה בתפלחו, לְמָה יאמְרוּ מִלְרִים לֵאמֹר בְּרָעָה הוֹנִישָׁם (שמות לב, יב), זו היא שאמר להם ראו כי רעה נגד פניכם, מיד וַיִּנְסֶם ה' עַל הְרָעָה, וחפך את הדם לדם מילה שמל יהושע אותם, וזהו שנאמר הַיּוֹם גַּלּוֹתִי אֶת הֶרְפַּת מִלְרַיִם מִעַלֵיכֶם (יהושע ה, ט), שהיו אומרים לכם דם אנו רואין עליכם במדבר:
- (11) לא כן. כאשר אמרתם להוליך הטף עמכם, אלא לכו הגברים ועבדו את ה': כי אותה אתם מבקשים. (אותה עבודה) בקשתם עד הנה, נזבחה לאלהינו, ואין דרך הטף לזבוח: ויגרש אותם. הרי זה לשון קלר, ולא פירש מי המגרש:

And the LORD said unto Moses:

'Stretch out thy hand over the land of Egypt for the locusts, that they may come up upon the land of Egypt, and eat every herb of the land, even all that the hail hath left.'

And Moses stretched forth his rod over the land of Egypt, and the LORD brought an east wind upon the land all that day, and all the night; and when it was morning, the east wind brought the locusts.

And the locusts went up over all the land of Egypt, and rested in all the borders of Egypt; very grievous were they; before them there were no such locusts as they, neither after them shall be such.

For they covered the face of the whole earth, so that the land was darkened; and they did eat every herb of the land, and all the fruit of the trees which the hail had left; and there remained not any green thing, either tree or herb of the field, through all the land of Egypt.

Then Pharaoh called for Moses and
16 Aaron in haste; and he said: 'I have
sinned against the LORD your God,
and against you.

Now therefore forgive, I pray thee, my sin only this once, and entreat the LORD your God, that He may take away from me this death only.'

נאָמַר יְיָ לְמֹשֶׁה אֲרֵים יְדָדְ עַל אַרְעָא דְּמִצְרַיִם גּוֹבָא וְיִסַּק עַל אַרְעָא דְּמִצְרָיִם וְיֵיכוֹל יָת כָּל עִסְבָּא דְאַרְעָא יַת כַּל דָאָשׁאַר בַּרְדָּא:

וַאֲבִים מֹשֶׁה יָת חוּטְבֵיהּ עַל אַרְעָא דְּמִצְרַיִם וַיִי דַּבָּר רוּחַ קִדּוּמָא בְּאַרְעָא כָּל יוֹמָא הַהוּא וְכָל לֵילְיָא צַפְּרָא הַוָּה וִרוּחַ קִדּוּמָא נִטַל יָת גוֹבָא:

וּסְלֵיק גּוֹבָא עַל כָּל אַרְעָא דְּמִצְרָיִם וּשְׁרָא בְּכֹל הְחוּם מִצְרָיִם תַּמִּיף לַחְדָּא קֵּרָמוֹהִי לָא הֲנָה כֵן גוֹבָא דְּכְנְתֵיה וּבַתְרוֹהִי לָא יָהֵי כֵן:

נַחַפָּא יָת עֵין שִּמְשָּא דְּכָּל אָרְעָא נַחֲשׁוֹכַת אַרְעָא נַאָּכַל יָת כָּל עִסְבָּא דְּאַרְעָא וְיָת כָּל פֵּירֵי אִילְנָא דְּאַשְׁאַר בַּרְדְּא וְלָא אִשְׁתְאַר כָּל יָרוֹק בְּאִילְנָא וְלָא אִשְׁתְאַר כָּל יָרוֹק בְּאִילְנָא וְבִעִסְבָּא דְּחַקְלָא בְּכָל אַרְעָא דְּמִצְרִים:

וְאוֹחִי פַּרְעֹה לְמִקְרֵי לְמֹשֶׁה וּלְאַהֲרוֹ וַאֲמַר חַבִּית קֵּדָם יְיָ אֱלְהַכוֹן וּלְכוֹן:

וּכְעַן שְׁבוֹק כְּעַן לְחוֹבִי בְּרַם זִמְנָא הָדָא וְצַלּוֹ קֶּדָם וְיָ אֱלְהָכוֹן וְיַעְדֵּי מִנִּי לְחוֹד יָת מוֹתָא הַדֵין: וַיּאמֶר יְהנָה אֶל־מֹשֶׁה נְמֵּה יְדְךְּ על־אֶרֶץ מִצְרָיִם בָּאַרְבֶּה וְיַעַל על־אֶרֶץ מִצְרָיִם וְיֹאכַל' אֶת־ בְּל־עַשֶּב הָאָרֶץ אֶת כְּל־אָשֶׁר הִשָּׁאִיר הַבָּרֶד:

וַנֵּט מֹשֶׁה אֶת־מַשֵּׁהוּ עַל־אֶרֶץ מִצְרֵים נִיהנָה נִהָג רְנִּחַ־קִּדִים בְּאָרֶץ כְּל־הַיּנִם הַהְנִּא וְכְל־ הַלְּיֵלָה הַבְּּקֶר הָיָה וְרנּחַ הַקָּרִים נַשָּׁא אַת־הַאַרבָּה:

ניַעַל הָאַרְבָּה עַל כְּל־אֶרֶץ מִצְלַיִם נַיָּנַח בְּלֶל גְּבָוּל מִצְרָיִם כָּבֵד מְאֹד לְפָנִיו לֹא־הָיָה כֵּן אַרְבָּה כָּמֹהוּ וְאַחֲרֶיו לֹא יִהְיָה־ כִּו:

נְיְבַּס אֶת־עֵין כְּל־הָאָּרֶץׂ נְתָּחְשַׁךְ הָאָּרֶץׁ נִיּאכַל אֶת־כְּל־ עֵשֶׁב הָאָרֶץ וְאֵת כְּל־פְּרֵי הָעֵץ אֲשֶׁר הוֹתִיר הַבְּרָד וְלֹא־נוֹתַר כְּל־יָדֵק בְּעֵץ וּבְעֵשֶׁב הַשְּׂדֶה בָּכָל־אָרֵץ מִצְרֵיִם:

וֹיְמַתֵּר פַּרְעָׁה לִקְרָא לְּמֹשֶׁה וֹּלְאַהֲרָן וַיֹּאמֶר חָמָאתִי לִיהוָה אֱלְהֵיכֶם וְלָכֶם:

ְוְעַהָּה שָּׁא נָא חַפָּאתִי אַדְּ הַפַּּעִם וְהַעְּתָּירוּ לִיהֹנָה אֱלֹהֵיכֶם וְיָסֵר מֵעֶלֵי רָק אֶת־הַמָּנִת הַזֶּה:

⁽¹²⁾ בארבה. נשניל מכת הארנה:

⁽¹³⁾ ורוח הקדים. רוח מזרחית נשא את הארבה, לפי שנא כנגדו, שמלרים בדרומית מערבית היתה, כמו שמפורש במקום אחר:

⁽¹⁴⁾ ואחריו לא יהיה כן. ואומו שהיה בימי יואל, שנאמר פמהו לא נְהְיָה מִן הַעֹוּלֶם (יואל ב, ב), למדנו שהיה כבד משל משה, (כי של יואל היה) ע"י מינין הרבה, שהיו יחד ארבה, ילק, חסיל, גזם, אבל של משה לא היה אלא של מין אחד, (כ"ג רא"ם יע"ש) וכמוהו לא היה ולא יהיה:

⁽¹⁵⁾ כל ירק. עֶלֶה ירוק, וירדור"א בלע"ז:

And he went out from Pharaoh, and entreated the LORD.

And the LORD turned an exceeding strong west wind, which took up the locusts, and drove them into the Red Sea: there remained not one locust in all the border of Egypt.

But the LORD hardened Pharaoh's heart, and he did not let the children of Israel go.

And the LORD said unto Moses: 'Stretch out thy hand toward heaven, that there may be darkness over the land of Egypt, even darkness which may be felt.'

And Moses stretched forth his hand 22 toward heaven; and there was a thick darkness in all the land of Egypt three days;

they saw not one another, neither 23 rose any from his place for three days; but all the children of Israel had light in their dwellings.

וַהַפַּד יִנָ רוּחַ מַעִרבָא תַּקִיף לחדא ונטל ית גובא ורמהי לימא דסוף לא אשתאר גובא חַד בַּכֹל תַחום מִצְרַיִם:

ווחזק יהוה את־לב פַרעה ולא

וָתַקֶּיף יָיַ יַת לְבַּא דְּפַּרְעֹה וְלַא שלח ית בני ישראל:

ואמר יי למשה ארים ידך על צֵית שָׁמַיָּא וִיהֵי חַשׁוֹכַא על

ויֹאמר יהוֹה אל-משׁה נטה ידדְּ

שׁלַח אַת־בַּנִי יִשְׂרָאֵל: (פּ)

וַיַהַפּֿך יִהוָה רִוּחַ־יָם' חַזֵּק מָאֹׁד

וארים משה ית ידיה על צית שָׁמַיָּא וַהַוָה חַשוֹך קבַל בִּכַל

קמו אַנשׁ מַתְּחוֹתוֹהָי

יַרוֹ עַל־הַשַּׁמַיִם בכל-ארץ

לא־ראו איש את־אחיו ולא־ קמו איש מתחתיו שלשת ימים

- (19) רוח ים. רוח מערבי: ימה סוף. אומר אני, שַנַּס סוף היה מקלמו במערב כנגד כל רוח דרומית, וגם במזרח של ארץ ישראל, לפיכך רוח ים חקעו לארבה בימה סוף כנגדו, וכן מלינו לענין תחומין שהוא פונה ללד מזרח, שנאמר מים סוף ועד נס פּלשָׁתִים (שמות כג, לא), ממזרח למערב, שים פלשתים במערב היה, שנאמר בפלשתים ישבי חבל הים גוי בְּרָתִים (לפניה ב, ה): לא נשאר ארבה אחד. אף המלוחים שמלחו מהם (שמו"ר יג, ו):
- (21) וימש חשך. ויחשיך עליהם חשך יותר מחשכו של לילה, וחשך של לילה יאמיש ויחשיך עוד: וימש. כמו ויאמש. יש לנו מיבות הרבה חסרות אל"ף, לפי שאין הברת האלף נכרת כל כך אין הכתוב מקפיד על חסרונה, כגון ולא יֵהֶל עַם עַרֶבִי (ישעי' יג, כ), כמו לא יאהל לא יטה אהלו. וכן וַחַּזְרֵנִי חַיִל (שמואל־ב כב, מ), כמו וַחַּאַזְרֵנִי. ואונקלום חרגם לשון הסרה, כמו לא ימיש בַּחֶר דְּיַעָדֵי הַבֶּל לֵילָיַא, כשיגיע סמוך לאור היום. אבל /אין הדבור מיושב על הוי"ו של וימש, לפי שהוא כתוב אחר ויהי חשך. ומדרש אגדה פותרו, לשון ממשש בַּצַּהַרַיָם (דברים כח, כט), שהיה כפול ומכופל ועב עד שהיה בו ממש:
- (22) ויהי חשך אפלה שלשת ימים וגוי. משך של אופל שלא ראו איש את אחיו ג'ימיס, ועוד שלשת ימים אחרים חשך מוכפל על זה, שלא קמו איש מתחתיו, יושב אין יכול לעמוד ועומד אין יכול לישב (שמו"ר יד, ג). ולמה הביא עליהם חשך, שהיו בישראל באותו הדור רשעים, ולא היו רולים לנאת, ומתו בשלשת ימי אפלה, כדי שלא יראו מלרים במפלחם ויאמרו אף הם לוקין כמונו. ועוד, שחפשו ישראל וראו את כליהם, וכשיצאו והיו שואלין מהן והיו אומרים אין בידינו כלום, אומר לו, אני ראיתיו בביתך ובמקום פלוני הוא (שם): שלשת ימים. שלוש של ימים, טראיי"נא בלע"ז, וכן ז' ימים בכל מקום, שטיי"נא של ימים:

And Pharaoh called unto Moses, and said: 'Go ye, serve the LORD; only let your flocks and your herds be staved; let your little ones also go with you.'

And Moses said: 'Thou must also give into our hand sacrifices and burnt-offerings, that we may

sacrifice unto the LORD our God.

Our cattle also shall go with us; there shall not a hoof be left behind; for thereof must we take to serve the LORD our God; and we know not with what we must serve the LORD, until we come thither.'

But the LORD hardened Pharaoh's ²⁷ heart, and he would not let them go.

And Pharaoh said unto him: 'Get 28 thee from me, take heed to thyself. see my face no more; for in the day thou seest my face thou shalt die.'

And Moses said: 'Thou hast spoken well; I will see thy face again no more.'

And the LORD said unto Moses: 'Yet one plague more will I bring upon Pharaoh, and upon Egypt; afterwards he will let you go hence; when he shall let you go, he shall surely thrust you out hence altogether.

Speak now in the ears of the people, and let them ask every man of his neighbour, and every woman of her neighbour, jewels of silver, and jewels of gold.'

וּקרא פרעה למשה ואמר אָיזִילוּ פָּלַחוּ קַדַם יִיַ לְחוֹד ותוריכון שבוקו אף

וָאַף בְּעִירָנָא ייזיל עמנא לא נשאר מניה מדעם ארי מניה אנחנא נסבין למפלח קדם אַלַהָנא נאַנחָנא לית אַנחָנא וָדעִין מָא נִפָּלַח קַדָם יִיָּ עַד מֵיתַנָא לְתמו:

ותקיף יו ית לבא דפרעה ולא אַבָא לְשַׁלַחוּתָהוֹן:

ואמר ליה פרעה איזיל מעלוי אָסַתִּמַר לַדְּ לַא תוֹסֵיף לְמַחָזֵי ביומא דתחזי אפי ארי תמות:

:אוֹסֵיף עוֹד לְמָחְזֵי אפּר

ואמר

מַלֵּיל כָּעַן קַדָם עַמַא וִישָאַלוּו מָן חַבְרֵיה וָאָתַּתַא כָזנִין

ויקרא פרעה אל־משה ויאמר'

וגם־מקננו ילך עמנו לא תשאר פרסה כי ממנו נקח לעבד יהוה אלהינו ואנחנו מה־נעבר את־יהוה עד

ניתוק יהוה את־לב פרעה ולא אבה לשלחם:

כי ביום ראתה פני תמות:

נַיָּאמֶר מֹשֶׁה בֵּן דִּבַּרְתָּ לֹא־ נַאֲמַר מֹשֶׁה יָאוּת מַלֵּילְתָּא לַא אֹסף עוד רֹאוֹת פַּנֵיף: (פּ)

> וַיֹּאמַר יָהוָה אֵל־מֹשָׁה עוֹד נַגַע מצרים אחרי־כן ישלח אתכם מַוָּה כִּשַּׁלְחוֹ כַלַּה גַּרֵשׁ אַתכֶם מְזֵה:

אישו מאת רעהו ואשה רעותה כּלִי־כֵסֵף וּכְלֵי

⁽²⁴⁾ יצג. יהא מולג במקומו:

⁽²⁵⁾ גם אתה תתן. לא דייך שמקננו ילך עמנו, אלא גם אתה תתן:

⁽²⁶⁾ פרסה. פרסת רגל פלנט"א בלע"ז לא נדע מה נעבד. כמה תכבד העבודה, שמא ישאל יותר ממה שיש בידינו:

⁽²⁹⁾ כן דברת. יפה דברת ובזמנו, דברת אמת שלא אוסיף עוד ראות פניך (שמו"ר יד, ד):

⁽¹⁾ כלה. גמירא, כלה כליל, כולכם ישלח:

And the LORD gave the people favour in the sight of the Egyptians. Moreover the man Moses was very great in the land of Egypt, in the sight of Pharaoh's servants, and in the sight of the people.

וִיהַב יְיָ יָת עַמָּא לְרַחֲמִין בְּעֵינֵי מִצְרָאֵי אַף גּוּבְרָא מֹשֶׁה רַב לַחְדָּא בְּאַרְעָא דְּמִצְרַיִם בְּעֵינֵי עַבְדֵי פַּרְעֹה וּבְעֵינֵי עַמָּא:

וַיָּתֵּן יְהֹנֶה אֶת־תֵן הָעֶם בְּעֵינֵי מִּצְרָיִם נַםּו הָאֵישׁ מֹשֶׁה בְּעֵינֵי עַבְדֵי־פַּרְעָה וּבְעֵינֵי הָעֵם: (ס)

And Moses said: 'Thus saith the LORD: About midnight will I go out into the midst of Egypt;

וַאֲמֶר מֹשֶׁה כִּדְנָן אֲמֶר יְיָ בְּפַּלְגוּת לֵילְיָא אֲנָא מִתְּגְּלֵי בְּגוֹ מִצְרִים: וַיָּאמֶר מֹשֶּׁה כָּה אָמַר יְהוָֹה כַּחֲצָּת הַלַּיְלָה אֲנֵי יוֹצֵא בְּתִּוֹך מִצְרֵים:

and all the first-born in the land of Egypt shall die, from the first-born of Pharaoh that sitteth upon his throne, even unto the first-born of the maid-servant that is behind the mill; and all the first-born of cattle. ימוּת כֶּל בּוֹכְרָא בְּאַרְעְּא דְּמָצְרַיִם מִבּוּכְרָא דְפַּרְעה דַּעֲתִיד לְמִתַּב עַל כּוּרְסֵי מַלְכוּתֵיה עַד בּוּכְרָא דְּאַמְהָּא דְּבָבְּתַר רְחְיָא וְכֹל בּוּכְרָא דְּבַעִירָא:

וּמֵת כְּל־בְּכוֹר בְּאֶרֶץ מִּצְרֵּיִם מִבְּכִוֹר פַּרְעֹה תַּיִּשֵׁב עַל־כִּסְאוֹ עַד בְּכְוֹר תַשִּׁבְּחָה אֲשֶׁר אַחַר הָרַחָיִם וְכָל בְּכִוֹר בְּהֵמֶה:

And there shall be a great cry

throughout all the land of Egypt,
such as there hath been none like it,
nor shall be like it any more.

וּתְהֵי צְנַחְתָּא רַבְּתָא בְּכָל אַרְעָא דְּמִצְרָיִם דִּכְוָתַהּ לָא הָנָת וְדִכְנָתַהּ לָא תוֹסֵיף:

ְוְהָוְתָּה צְּעָקֵה גְּדֹלֶה בְּכְל־אֲכֶץ מִצְרָיִם אֲשֶׁר כְּמֹהוּ לֵא נִהְיָתָה נָכִּמָהוּ לָא תֹסֵף:

But against any of the children of Israel shall not a dog whet his tongue, against man or beast; that ye may know how that the LORD doth put a difference between the Egyptians and Israel.

וּלְכֹל בְּנֵי יִשְּׁרָאֵל לָא יַנְזֵיק כַּלְבָּא בְּלִישְׁנִיהּ לְמִבְּח דְּתִדְּעוּן דְּיַבְּרִישׁ יִיְ בִּין דְתִדְעוּן דְיַבְּרִישׁ יִיְ בֵּין מִצְרָאֵי וּבֵין יִשְׂרָאֵל:

וּלְכַּלוּ בָּגֵי יִשְּׂרָאֵׁל לָא יֶחֶרַץ־ כֶּלֶב לְשׁנוֹ לְמֵאִישׁ וְעַד־בְּהַמָּה לְמַעַן מִּדְעוּן אֲשֶׁר יַפְּלֶה יְהֹנְּה בֵּין מִצְרָיִם וּבֵין יִשְׂרָאֵל:

- (2) דבר גא. אין נא אלא לשון בקשה, בבקשה ממך הזהירם על כך, שלא יאמר אותו לדיק אברהם, ועבדום וענו אותם קיים בהם, ואחרי כן ילאו ברכוש גדול לא קיים בהם (ברכות ט.):
- (4) ויאמר משה כה אמר ה׳. בעמדו לפני פרעה נאמרה לו נבואה זו, שהרי משיצא מלפניו לא הוסיף ראות פניו: כחצות הלילה. כהחלק הלילה, כחצות כמו פַעֲלות (שופטים יג, כ), בַּחֲלות אַפֶּס בְּנוּ (תהלים קכד, ג), זהו פשוטו לישבו על אופניו, שאין חצות שם דבר של חצי. ורבותינו דרשו, כמו כבחצות הלילה, ואמרו שאמר משה כחצות, דמשמע סמוך לו או לפניו או לאחריו, ולא אמר בחצות, שמא יטעו אצטגניני פרעה ויאמרו, משה בַּדְּאי הוא (ברכות ד.), אבל הקב"ה יודע עתיו ורגעיו, אמר בחצות:
- (5) עד בכור השבי. מה לקו השבויים, כדי שלא יאמרו יראתם תצעה עלבונם, והביאה פורענות על מצרים: מבכור פרעה עד בכור השפחה. כל הפחותים מבכור פרעה וחשובים מבכור השפחה היו בכלל. ולמה לקו בני השפחות, שאף הס היו משעבדים בהם ושמחים בצרתם: וכל בכור בהמה. לפי שהיו עובדין לה, וכשהקב"ה נפרע מן האומה עובדי כוכבים, נפרע מאלהיה (מכילתא פי"ג):
- (7) לא יחרץ כלב לשונו. אומר אני שהוא לשון שנון, לא ישנן. וכן לא סָרַץ לְּבְנֵי יִשְׁרָאֵל לְאִישׁ אֶׁת לְשׁוֹנוֹ (יהושע י, כאֹ), לא שנן. אָז מֶּחֶרֶץ (שמואל־ב ה, כד), תשתנן. לְמֹורַג סָרוּץ (ישעי' מא, טו), שנון. מַהְשְׁבֹּוֹת סָרוּץ (משלי כא, ה), אדם חריף ושנון. וְיַד סָרוּלִים מַּעֲשִׁיר (שם י, ד), חריפים, סוחרים שנונים: אשר יפּלח. יצדיל:

And all these thy servants shall come down unto me, and bow down unto me, saying: Get thee out, and all the people that follow thee; and after that I will go out.' And he went out from Pharaoh in hot anger.

And the LORD said unto Moses:

9 'Pharaoh will not hearken unto
you; that My wonders may be
multiplied in the land of Egypt.'

And Moses and Aaron did all these wonders before Pharaoh; and the LORD hardened Pharaoh's heart, and he did not let the children of Israel go out of his land.

And the LORD spoke unto Moses and Aaron in the land of Egypt, saying:

'This month shall be unto you the beginning of months; it shall be the first month of the year to you.

Speak ye unto all the congregation of Israel, saying: In the tenth day of this month they shall take to them every man a lamb, according to their fathers' houses, a lamb for a household:

וְיִיחֲתוּן כָּל עַבְרָךְ אָלֵין לְוָתִי וְיִבְעוֹן מִנִּי לְמֵימֵר פּוֹק אַתְּ וְכָל עַמָּא דְּעִמֶּךְ וּבְתַר בַּתְלוֹת בַּרְעֹה בִּתְלוֹף רְגַז:

וֹאֲמֵר יִי לְמֹשֶׁה לָא יְקַבֵּיל מִנְּכוֹן פַּרְעֹה בְּדִיל לְאַסְגָּאָה מוֹפְתֵי בְּאַרְעָא דְּמִצְרָיִם:

וּמֹשֶׁה וְאַהֲרֹן עֲבַדוּ יָת כָּל מוֹפְתַיָּא הָאָלֵּין מֶדָם פַּרְעֹה וְתַקֵּיף יָיָ יָת לִבָּא דְּפַּרְעֹה וְלָא שַׁלַח יָת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל מֵאַרְעֵיה:

נאָמַר יְיָ לְמֹשֶׁה וּלְאַהַרֹן בָּאַרְעָא דְּמִצְרַיִם לְמִימַר:

יַרְחָא הָבִין לְכוֹן בִישׁ יַרְחַיָּא פַּרְמַאִי הוּא לְכוֹן לְיַרְחֵי שַׁהָּא:

מַלִּילוּ עם כָּל כְּנִשְׁתָּא דְּיִשְׂרָאֵל לְמֵימֵר בְּעַסְרָא לְיַרְחָא הָדִין וְיִסְּבוּן לְהוֹן זְבַר אִמַר לְבֵית אַבָּא אִמְּרָא לָבֵיתָא: וְיָרְדֵוּ כָל־עַבְנֶּידְ אֲׁלֶּה אֵלֵי וְהִשְּׁתְּחֲוּוּ־לָי לֵאמֹר צֵא אַתְּהֹ וְכָל־הָעֶם אֲשֶׁר־בְּרַגְּלֵיךְ וְאַחֲרִי־כֵן אֵצֵא וַיֵּצֵא מֵעִם־ פַּרְעָה בְּחֲרִי־אֶרְּ: (ס)

וַיָּאמֶר יְהוָה' אֶל־מֹשֶּׁה לֹא־ יִשְׁמָע אֲלֵיכֶם פַּרְעֵׂה לְמַעַן רְבָוֹת מוֹפְתַי בְּאֶרֶץ מִצְרֵים:

וּמֹשֶׁה וְאַהַרֹן עְשֶׂוּ אֶת־כְּל־ הַמּּפְתִּים הָאֵלֶה לִפְנֵי פַּרְעָה וַיְחַזֵּק יְהֹנָה אֶת־לֵב פַּרְעָה וְלְאֹ־שִׁלַּח אֶת־בְּנֵי־יִשְׂרָאֵל מארצו: (ס)

ניָאמֶר יְהנָה' אֶל־מֹשֶׁה וְאֵל־ x אַהָלוְ בְּאֵרֶץ מִצְרַיִם לֵאמָר:

הַחַּבֶשׁ הַזָּה לְכֶם רְאשׁ חֲדָשִׁים יַ רִאשִּוֹן הוּא לְכֶם לְחָדְשֵׁי כִּ הַשְּׁנָה:

דַּבְּרֹוּ מֶּל־כְּל־עֲדַת יִשְׂרָאֵל לֵאמֹר בֶּעְשָׂר לַחַּדֶשׁ הַזָּה וְיִקְחַוּ לְהֶם אֶישׁ שֵׂה לְבֵית־ אָבָת שֶׂה לַבֵּיִת:

- (8) וירדו כל עבדיך. חלק כבוד למלכות (זבחים קב.), שהרי בסוף ירד פרעה בעלמו אליו בלילה ואמר קומו לאי מִמֹוּךְ עַמִי, ולא אמר לו משה מתחלה וירדת אלי והשתחוית לי: אשר ברגליך. ההולכים אחר עלתך והלוכך: ואחרי כן אצא. עם כל העם מארלך: ויצא מעם פרעה. כשגמר דבריו ילא מלפניו: בחרי אף. על שאמר לו אל תוסף ראות פני:
 - (9) למען רבות מופתי. מופתי שנים, רצות שלשה, מכת בכורות וקריעת ים סוף ולנער את מלרים:
 - (10) ומשה ואהרן עשו וגו׳. כבר כתב לנו זאת בכל המופחים, ולא שנאה כאן אלא בשביל לסמכה לפרשה של אחריה:
- ויאמר ה׳ אל משה ואל אהרן. בשביל שאהרן עשה וטרח במופתים כמשה, חלק לו כבוד זה במזוה ראשונה, שכללו עם משה בדבור: בארץ מצרים. חוץ לכרך, או אינו אלא בתוך הכרך, תלמוד לומר כנאמי את העיר וגו', ומה תפלה קלה לא התפלל בתוך הכרך, לפי שהיתה מלאה גילולים, דבר חמור כזה לא כל שכן (מכילתא פסחא פ"א):
- (2) החדש הזה. הראהו לבנה בחדושה (שמו"ר טו, כח), ואמר לו, כשהירח מתחדש יהיה לך ר"ח. ואין מקרא יוצא מידי פשוטו, על חדש ניסן אמר לו, זה יהיה ראש לקדר מנין החדשים, שיהא אייר קרוי שני, סיון שלישי (מכילחא שם): הזה. נתקשה משה על מולד הלבנה, באיזו שעור תראה ותהיה ראויה לקדש, והראה לו באצבע את הלבנה ברקיע, ואמר לו כזה ראה וקדש. וכיצד הראהו, והלא לא היה מדבר עמו אלא ביום, שנאמר וַיְהֵי בְּיוֹם דְּבֶּר ה' (לעיל ז, כח), בְּיוֹם צַּוֹּמֹו (ויקרא ז, לח), מָן הַיֹּוֹם אַשֶּׁר צָוָה ה' וַהְּלְאָה (במדבר טו, כג), אלא סמוך לשקיעת החמה נאמרה לו פרשה זו, והראהו עם חשכה:

and if the household be too little for a lamb, then shall he and his neighbour next unto his house take one according to the number of the souls; according to every man's eating ye shall make your count for the lamb.

Your lamb shall be without 5 blemish, a male of the first year; ye shall take it from the sheep, or from the goats;

and ye shall keep it unto the 6 fourteenth day of the same month; and the whole assembly of the congregation of Israel shall kill it at dusk.

And they shall take of the blood, 7 and put it on the two side-posts and on the lintel, upon the houses wherein they shall eat it.

ואָם זעיר בַּיתָא מִלְאָתִמנַאַה עַל אָמָרָא וִיִּסָב הוּא וִשִׁיבָבֵיה דַּקַרִיב לָבֵיתֵיה בְּמִנִין נַפִּשַׁתַא גבר לפום מיכליה תתמנון על אמרא:

אָמַר שָׁלִים דְּכַר בּר שׁתִיה יִהֵי לְכוֹן מָן אִמְּרַיָּא וּמָן בְּנֵי עזַיָּא תִּסְבוּן:

לכון למטרא ויהי אַרְבָּעַת עַסְרָא יוֹמָא לִיַרְחָא הָדֵין וְיִכְּסוּן יָתֵיה כֹּל קַהָּלַא בּנִשָּׁתַא דִּישָּׁרָאֶל בֵּין שָׁמִשַּׁיַא:

וִיִּסְבוּן מָן דִּמָא וִיִתְנוּן

וָאָם־יִמְעֵט הַבַּּיִת מִהְיוֹת משֹׁה וַלַקַח הוא וּשָׁכָנוֹ הַקַּרָב אל־

שֶה תָמֵים זָכֶר בֶּן־שָנָה יִהְיֶה לָכֵם מִן־הַכִּבָשִים וּמִן־הַעִּזִים תַקחו:

עַד למשמרת אַרבַעה עשר יוֹם לַחֹדֵשׁ הַזָּה עדת-

מו־הַלַּם וַבָּרִזבֵּר שָׁתֵּי הַמְּזוּזֹת וְעַל־הַמַשְׁקֻוֹף עָל הְרֵין סְפַּיָּא וְעַל שָׁקְפָּא עַל הבּתִּים אשר־יאכלוּ אֹתוֹ בהם: בְּתַּיָּא דְּיֵיכְלוֹן יָתֵיה בְּהוֹן:

- (3) דברו אל כל עדת. וכי אהרן מדבר, והלא כבר נאמר אחה מדבר, אלא חולקין כבוד זה לזה, ואומרים זה לזה למדני, והדבור יולא מבין שניהם כאלו שניהם מדברים (מכילתא פסחא פ"ג): אל כל עדת ישראל וגר׳ בעשור לחדש. דברו היום בראש חודש, שיקחוהו בעשור לחודש (שם): הזה. פסח מלרים מקחו מבעשור, ולא פסח דורות (פסחים לו.): לבית אבות. למשפחה אחת, הרי שהיו מרוצין יכול שה אחד לכולן, תלמוד לומר שה לבית (מכילחא פ"ג):
- (4) ואם ימעט הבית מהיות משה. ואס יהיו מועטין מהיות משה אחד, שאין יכולין לאכלו ויצא לידי נותר, ולקח הוא ושכנו וגו', זהו משמעו לפי פשוטו. ועוד יש בו מדרש, ללמד שאחר שנמנו עליו יכולין להתמעט ולמשוך ידיהם הימנו, ולהמנות על שה אחר, אך אם באו למשוך ידיהם ולהתמעט מהיות משה, יממעטו בעוד השה קיים, בהיותו בחיים ולא משנשחט (פסחים פט.): במכסת. חשבון, וכן מִכְסֵת הָעֶרִכְּך (ויקרא כז, כג): לפי אכלו. הראוי לאכילה, פרט לחולה וזקן שאינו יכול לאכול כזית (מכילתא פ"ג): תכסו. תַּתְמֵנוּן:
- מן הכבשים ומן העזים. או מזה (5) תמים. צלא מוס: בן שנה. כל שנתו קרוי צן שנה, כלומר שנולד גשנה זו: או מזה, שאף עז קרויה שה, שנאמר ושה עזים (דברים יד, ד):
- (6) והיה לכם למשמרת. זה לשון נקור, שטעון נקור ממום ארגעה ימים קודם שחיטה. ומפני מה הקדים לקיחתו לשחיטתו ארבעה ימים מה שלא זוה כן בפסח דורות, היה ר' מחיא בן חרש אומר, הרי הוא אומר וַאָעֵבֹר עַלַיְדְ וַאַרְאָךְ וְהַבֶּה עַתַּדְּ עָת לדִים (יחוקאל טו, ח), הגיעה שבועה שנשבעתי לאברהם שאגאל את בניו, ולא היו בידם מצות להתעסק בהם כדי שיגאלו, שנאמר ואת ערם וערנה (שם ז), ונתן להם שתי מצות, דם פסח ודם מילה שמלו באותו הלילה, שנאמר מתבוססת בדמיך (שם ו), בשני דמים, ואומר גַּם אַמָּ בָּדָם בִּרִימֶךְ שָׁלַּמָמִּי אֱסְירֵיָךְ מִבּוֹר אֶין מֵיָם בֹּו (זכריה ט, יא), ושהיו שטופים באלילים, אמר להם מִשְכוּ וּהָחוּ לָכֶם, משכו ידיכם מאלילים וקחו לכם לאן של מלוה: ושחשו אתו וגר׳. וכי כולן שוחטין, אלא מכאן ששלוחו של אדם כמותו (מכילתא פ"ה קידושין מא:): קהל עדת ישראל. קהל ועדה וישראל, מכאן אמרו פסחי לבור נשחטין בשלשה כתוח זו אחר זו, נכנסת כת ראשונה ננעלו דלחות העזרה וכו', כדאיתא בפסחים (סד.): בין הערבים. משש שעות ולמעלה קרוי בין הערבים, שהשמש נוטה לבית מבואו לערוב, ולשון בין הערבים נראה בעיני, אותן שעות שבין עריבת היום לעריבת הלילה, עריבת היום בתחלת שבע שעות מכי ינטו אללי ערב, ועריבת הלילה בתחלת הלילה. ערב לשון נשף וחשך, כמו עַרְבַּה כַּל אָמֶחַה (ישעי' כד, יא):
- (7) ולקחו מן הדם. זו קבלת הדם, יכול ביד, תלמוד לומר אשר בסף: המזוזות. הם הזקופות, אחת מכאן לפתח ואחת מכאן: המשקוף. הוא העליון, שהדלת שוקף עליו כשסוגרין אותו, לינט"ל בלע"ו ולשון שקיפה, חבטה, כמו קול עלה נדף

And they shall eat the flesh in that 8 night, roast with fire, and unleavened bread; with bitter herbs they shall eat it.

Eat not of it raw, nor sodden at all 9 with water, but roast with fire; its head with its legs and with the inwards thereof.

And ye shall let nothing of it remain until the morning; but that which remaineth of it until the morning ye shall burn with fire.

And thus shall ye eat it: with your loins girded, your shoes on your feet, and your staff in your hand; and ye shall eat it in haste—it is the LORD's passover.

For I will go through the land of Egypt in that night, and will smite all the first-born in the land of Egypt, both man and beast; and against all the gods of Egypt I will execute judgments: I am the LORD.

וְיֵיכְלוּן יָת בִּסְרָא בְּלֵילְיָא מָרָרִין יִיכָלוּנִיה:

לָא תֵיכְלוּן מִנֵּיה כָּד חַי וְאַףּ לָא כִד בַּשָּׁלָא מְבוּשֵׁל בְּמַיָּא אֶלְהֵין טְנֵי נוּר רֵישֵׁיה עַל כָּרָעוֹהִי וִעַל גַּנִּיה:

וְלָא תַשְׁאָרוּן מִנֵּיה עַד צַפְּרָא רְּדִישְׁתְאַר מִנֵּיה עַד צַפְּרָא בְּנוּרָא תִיקְדוּן:

וּכְדֵין תֵּיכְלוּן יָתֵיה חַרְצֵיכוֹן יְהוֹן אֲסִירִין מְסָנֵיכוֹן בְּרַגְלִיכוֹן וְחוּמְרֵיכוֹן בְּיַדְכוֹן וְתֵיכְלוּן יָתֵיה בִּבְהִילוּ פִּסְחָא הוּא קַדַם יִיָּ:

יאֶתְּנְלֵי בְּאַרְעָא דְּמִצְרִיִם בּוּכְרָא הָבִין וְאֶקְטוֹל כָּל בּוּכְרָא בְּאַרְעָא דְּמִצְרַיִם אֶצְנָת מִצְרָאֵי אַעֲבֵיד דִּינִין שיא ני.

וְאָכְלוּ אֶת־הַבְּשֶׁר בַּלֵּילָה הַזֶּּה צְלִי־אֲשׁ וּמַצּוֹת עַל־מְרֹרֶים יאכִלָהוּ:

אַל־תּאַכְלָּוּ מָמֶוֹנוּ לָּא וּבְשֵׁל מְבָשֶׁל בַּמָנִם בֵּי אִם־צְלִי־אֵש ראשוֹ עַל־כְּרָעָיו וְעַל־קּרְבְּוֹ:

ְּ וְלֹא־תּוֹתִירוּ מִמֶּנוּ עַד־בְּּקֶר וְחַנֹּתָר מִמֶּנוּ עַד־בְּקֶר בְּאֵש תשרפו:

וְכָּכָה האכִלְוּ אֹתוֹ מְתְנֵיכֶם תַּגָּרִים נַאֲלֵיכֶם בְּרַגְלֵיכֶם וּמַפֶּלְכֶם בְּיָדְכֶם וַאְכַלְתֶּם אֹתוֹ בְּחִפְּוֹן פֶּסָח הָוּא לִיהוָה:

וְעָבַרְתִּי בְאֶרֶץ־מִצְרֵּיִם בַּלַיִּלְה הַזֶּה וְהִבּיתִי כָל־בְּכוֹר בְּאֶרֶץ מִצְרַיִם מֵאָדֶם וְעַד־בְּהַמְּה וּבְכָל־אֶלֹהֵי מִצְרָיִם אֱעֲשֵׂה שִׁבָּטִים אֲנֵי יִהוֹה:

(ויקרא כו, לו), טַרְפָּא דְּשָׁקִיף. חַבּוּרָה, מַשְּׁקוֹפֵי: על הבתים אשר יאכלו אותו בהם. ולא על משקוף ומזוזות שננית התנן וננית הַבָּקַר, שאין דרין נתוכו:

- (8) את הבשר. ולא גידים ועצמות (מכילתא פ"ו): על מררים. כל עשב מר נקרא מרור, וציום לאכול מרור זכר לוימררו את חייהם:
- (9) אל תאכלו ממגו גא. שאינו ללוי כל לרכו קוראו נא בלשון ערבי: ובשל מבושל. כל זה באזהרת לא תאכלו (פסחים מא:): במים. מנין לשאר משקין, חלמוד לומר ובשל מבושל מכל מקום (פסחים מא): כי אם צלי אש. למעלה גזר מא:): במים. מנין לשאר משקין, חלמוד לומר ובשל מבושל מכל מקום (פסחים מא): כי אם צלי אש. למעלה גזר עליו במצות עשה, וכאן הוסיף עליו לא מעשה, אל תאכלו ממנו כי אם ללי אש: ראשו על כרעיו. לולהו כולו כאחד עם ראשו ועם כרעיו ועם קרבו, ובני מעיו נותן לחוכו אחר הדחתן (שם עד.). ולשון על כרעיו ועל קרבו, כלשון על לבְּאֹחֶם (שמות ו, כל), כמו בלבאותם כמות שהן, אף זה כמות שהוא, כל בשרו משלם:
- (10) והגותר ממגו עד בקר. מה תלמוד לומר עד בקר פעם שניה, ליתן בקר על בקר, שהבקר משמעו משעת הנץ החמה, ובא הכתוב להקדים שאסור באכילה מעלות השחר, זהו לפי משמעו. ועוד מדרש אחר, למד שאינו נשרף ביו"ט אלא ממחרת, וכך תדרשנו, והנותר ממנו בבקר ראשון, עד בקר שני תעמוד ותשרפנו:
- (11) מתניכם הגורים. מזומנים לדרך: בחפזון. לשון בהלה ומהירות, כמו וַיְהִי דְּוֹד נֶחְפָּן לֶלֶכֶת (שמואל־א כג, כו), אַבֶּל הְשְׁלֵיכִי אֲרָם בְּחָפְזָם (מלכים־בז, טו): פסח הוא לה׳. הקרבן הוא קרוי פסח, על שם הדלוג והפסיחה שהקב״ה מדלג בתי ישראל מבין בתי מלרים, וקופץ ממלרי למלרי וישראל אמלעי נמלט, ואתם עשו כל עבודותיו לשם שמים (דבר אחר)דרך דילוג וקפילה, זכר לשמו שקרוי פסח, וגם פסק״א לשון פסיעה:
- (12) ועברתי. כמלך העובר ממקום למקום (מכילתא פ"ז), ובהעברה אחת וברגע אחד כולן לוקין: כל בכור בארץ מצרים. אף בכורות אחרים והם במלרים, ומנין אף בכורי מלרים שבמקומות אחרים, חלמוד לומר לְמַבֶּה מְלְרֵיִם בְּבָּלוֹרֵיהָם

And the blood shall be to you for a token upon the houses where ye are; and when I see the blood, I will pass over you, and there shall no plague be upon you to destroy you, when I smite the land of Egypt.

And this day shall be unto you for a memorial, and ye shall keep it a feast to the LORD; throughout your generations ye shall keep it a feast by an ordinance for ever.

Seven days shall ye eat unleavened bread; howbeit the first day ye shall put away leaven out of your houses; for whosoever eateth leavened bread from the first day until the seventh day, that soul shall be cut off from Israel. וִיהֵי דַמָּא לְכוֹן לְאָת עַל בְּתַּיָּא דְּאַתוּן תַּמְּן וְאֶחְזֵי יָת דְמָא נִאֲחוּס עֲלֵיכוֹן וְלָא יְהֵי בְּכוֹן מוֹתָא לְחַבְּלָא בְּמִקְמְלִי בָּאַרְעָא דְּמִצְרָיִם:

ייהי יוֹמָא הָדִין לְכוֹן לְדוּכְרָנָא וְתֵיחַגוּן יָתֵיה חַגָּא קֵדָם יְיָ לְדָרֵיכוֹן מְיָם עָלַם תֵּיחַגוּנִיה:

שָבְעָא יוֹמִין פַּפִּירָא תֵּיכְלוּן בְּרַם בְּיוֹמָא קַדְטָאָה הְּבַשְּלוּן חֲמִירָא מִבְּתֵּיכוֹן אֲרֵי כָל דְּיֵיכוֹל חֲמִיעַ וְיִשְׁתֵיצֵי אֲנָשָא הַהוּא מִיִּשְׂרָאֵל מִיּוֹמָא קַדְמָאָה עַד יוֹמָא שָבִיעָאָה:

וְהָיָהֹ הַדָּׁם לָכֶּם לְאֹת עַל וְ הַבָּתִּים אֲשֶׁר אַתֶּם שָׁם וְרָאִיתִי יּ אֶת־הַדָּׁם וּפָּסַחְתֵּי עֲלֵכֶם ! וְלְאֹ־יִהְיָּה בָכֶם נָגֶף לְמַשְּׁחִית ! בָּהַכֹּתִי בְּאָרֶץ מִצְרֵיִם:

וְהָיָה בּיּוֹם הַנֵּה לְכֶם לְזִכְּרוֹן וְחַגֹּתֵם אֹתוֹ חַג לִיהּוְֹה לְדֹרַתִיכֶּם חֻאָּת עוֹלֶם תְּחָגָהוּ:

שָׁבְעַת יָמִים מַצְּוֹת תּאֹבֶּלוּ אַּךְ בַּיֵּוֹם הָרָאשׁוֹן תַּשְׁבִּיתוּ שְּאָׁר מִבְּמֵיכֶם בַּיוּ כְּל־אַכֵל חָמֵץ וְנִכְרְתָּה הַנָּפֶשׁ הַהִוּא מִיִּשְׂרָאֵׁל מִיִּוֹם הָרָאשׁן עַד־יִוֹם הַשָּׁבִעֵי:

(תהלים קלו, י): מאדם ועד בהמה. מי שהתחיל בעבירה תחלה ממנו מתחלת הפורענות: ובכל אלהי מצרים. של עץ נרקבת, ושל מתכת נמסת ונתכת לארץ: אעשה שפטים אני ה'. אני בעלמי, ולא על ידי שליח:

- (13) והיה הדם לכם לאות. לכס לאות ולא לאחרים לאות, מכאן שלא נתנו הדם אלא מבפנים: וראיתי את הדם. הכל גלוי לפניו, אלא אמר הקב"ה נותן אני את שיני לראות שאתם עסוקים במצותי, ופוסח אני עליכם: ופסחתי. וחמלתי, ודומה לו פסוח וְהַמְלִיט (ישעיה לא, ה). ואני אומר, כל פסיחה לשון דלוג וקפיצה, ופסחתי, מדלג היה מבתי ישראל לבתי מצרים, שהיו שרוים זה בתוך זה, וכן פֹסְחִים על שְׁמַיִּ הַסְּעַפִּים (מלכים־א יח, כא), וכן כל הפסחים הולכים כקופצים, וכן פסוח והמליט, מדלגו וממלטו מבין המומתים: ולא יהיה בכם בגף. אבל הווה הוא במצרים. הרי שהיה ישראל בביחו של מצרי שומע אני ישראל יכול ימלט, מלמוד לומר ולא יהיה בכם נגף, אבל הווה במצרים. הרי שהיה ישראל בביחו של מצרי שומע אני ילקה כמותו, מלמוד לומר ולא יהיה בכם נגף (מכילתא פ"ז):
- (14) לזכרון. לדורום: וחגתם אותו. יום שהוא לך לזכרון אתה חוגגו (שם), ועדיין לא שמענו אי זהו יום הזכרון, מלמוד לומר זְכוֹר אָת הַיּוֹם הַאָּה אֲשֶׁר יְצָאֹהֶם, למדנו שיום היציאה הוא יום של זכרון, ואיזה יום יצאו, מלמוד לומר מִמְּמֵבַת הַלְּמִד נְלֹחֹר (במדבר לג, ג), הוי אומר יום ט"ו בניסן הוא של יו"ט, שהרי ליל ט"ו אכלו את הפסח ולבקר יצאו (מכילתא שם): לדרתיכם וגוי. שומע אני מעוט דורות שנים, תלמוד לומר חקת עולם תחגהו (מכילתא פ"ז):
- (15) שבעת ימים. שטיי"לא של ימיס: שבעת ימים מצות תאכלו. ובמקום אחר הוא אומר ששת ימים אחבל מצות לברים טז, ח), למד על שביעי של פסח שאינו חובה לאכול מצה, ובלבד שלא יאכל חמץ, מנין אף ששה רשות, תלמוד לומר ששת ימיס. זו מדה במורה, דבר שהיה בכלל ויצא מן הכלל ללמד, לא ללמד על עצמו בלבד יצא אלא ללמד על הכלל כלו יצא, מה שביעי ימיס. זו מדה במורה, יכול אף לילה הראשון רשות, תלמוד לומר בערב תאכלו מצות, הכתוב קבעו חובה (פסחים קכ.): אך ביום הראשון תשביתו שאור. מערב יום טוב, וקרוי ראשון לפי שהוא לפני השבעה, ומצינו מוקדם קרוי ראשון, כמו ביום הראשון אָדֶס מִּנְלֵד (איוב טו, ז), הלפני אדם נולדת, או אינו אלא ראשון של שבעה, תלמוד לומר לא מִשְׁמַע עַל מָמֵץ, לא חשחט הפסח ועדיין חמץ קייס: הנפש ההוא. כשהיא בנפשה ובדעתה, פרט לאנוס (מכילתא פ"ח): מישראל. שומע אני מכרת מישראל ותלך לה לעם אחר, תלמוד לומר במקום אחר, תלפני, בכל מקום שהוא רשותי:

And in the first day there shall be to you a holy convocation, and in the seventh day a holy convocation; no manner of work shall be done in them, save that which every man must eat, that only may be done by you.

And ye shall observe the feast of unleavened bread; for in this selfsame day have I brought your hosts out of the land of Egypt; therefore shall ye observe this day throughout your generations by an ordinance for ever.

In the first month, on the fourteenth day of the month at even, ye shall eat unleavened bread, until the one and twentieth day of the month at even.

Seven days shall there be no leaven found in your houses; for whosoever eateth that which is leavened, that soul shall be cut off from the congregation of Israel, whether he be a sojourner, or one that is born in the land.

וּבְיוֹמָא קַדְמָאָה מְעָרַע קַדִּישׁ וּבְיוֹמָא שְבִיעָאָה מְעָרַע קַדִּישׁ יְהֵי לְכוֹן כָּל עֲבִירָא לָא יִתְעֲבִיד בְּהוֹן בְּרַם מָא דְּמִתְאָכִיל לְכָל נְפַשׁ הוּא בִלְחוֹדוֹהִי יִתְעֲבֵיד לְכוֹן:

וְתִּמֶּרוּן יָת פַּמִירָא אֲרֵי בּכְרַן יוֹמָא הָדֵין אַפֵּיקִית יָת חֵילֵיכוֹן מֵאַרְעָא דְּמִצְרִיִם וְתִּשְּׁרוּן יָת יוֹמָא הָדֵין לדריכוֹן קִים עלם:

בְּנִיסָן בְּאַרְבְּעַת עַסְרָא יוֹמָא לַיַרְחָא בְּרַמְשָׁא תֵּיכְלוּן פַּמִירָא עַד יוֹמָא חַד וְעַסְרִין לִיַרַחָא בִּרַמִשֵּׁא:

שַׁבְעָא יוֹמִין חֲמִירָא לָא יִשְּׁהְכַח בְּבָתֵּיכוֹן אֲרֵי כָל אְנְשָׁא הַהוּא מִכְּנִשְׁתָא אְנָשָׁא הַהוּא מִכְּנִשְׁתָא דְּיִשְׂרָאֵל בְּגִּיוֹרַיָּא וּבְיַצִּיבַיָּא דארעא:

וּבַיִּוֹם הָרָאשׁוֹן מִקְרָא־לְּדָשׁ וּבַיּוֹם הַשְּׁבִיעִּי מִקְרָא־לְּדָשׁ יִהְיָה לְכֶם כְּל־מְלָאכָה לֹא־ יִעְשֶׂה בָהֶם אָּךְ אֲשֶׁר יֵאָכֵל לְכָל־נָּפָשׁ הָוֹא לְבַדְּוֹ יֵעְשֶׂה לְכֶם:

וּשְׁמַרְתָּם אֶת־הַמַּצּוֹת פִּי בְּעֶצֶם הַיָּוֹם הַזֶּה הוֹצֵאתִי אֶת־צִּבְאוֹתֵיכֶם מַצֶּרֶץ מִצְּרָיִם וּשְׁמַרְתֶּם אֶת־הַיָּוֹם הַזֶּה לִדרֹתֵיכֵם חָקָת עוֹלֵם:

בָּרִאשׁׁן בָּאַרְבָּעָה מְשָּׂר יָוֹם לַחֹדֶשׁ בָּשֶּׁרֶב תּאֹכְלִוּ מַצִּׁת עַד וָוֹם הָאֶחָד וְעֶשִּׁרֵים לַחְדֶשׁ בערב:

שָׁבְעַת יָמִים שְּׁאֵׁר לְא יִמְּצֵא בְּבָתֵיכֶם בַּיו כְּל־אֹכֵל מַחְמָּצֶת יִשְׂרָאֵׁל בַּגֵּר וּבְאָזְרָח הָאֵרֶץ: יִשְׂרָאֵל בַּגֵּר וּבְאָזְרָח הָאֵרֶץ:

- (16) מקרא קדש. מקרא שם דבר, קרא אומו קדש, לאכילה, ושמייה, וכסות (מכילתא פ"ט): לא יעשה בהם. אפיי על ידי אחרים: הוא לבדו. (יכול אף לעובד גלולים, מלמוד לומר הוא לבדו יעשה לכם, לכם ולא לעובד גלולים) הוא ולא מכשיריו שאפשר לעשותן מערב יום טוב: לכל גפש. אפילו לבהמה, יכול אף לנכרים, מלמוד לומר לכם (נ"א אך) (בילה כח:):
- (17) ושמרתם את המצות. שלא יבאו לידי חמוץ, מכאן אמרו, מְּפַח, מִּלְטוֹשׁ בּלונן. רבי יאשיה אומר, אל חהי קורא את בַּמַּלּוֹח, אלא את בַּמִּלְוֹח, כדרך שאין מחמילין את המלות כך אין מחמילין את המלוות, אלא אם באה לידך עשה אותה מיד: במַנֹּוֹח, אלא את היום הזה. ממלאכה: לדרתיכם חקת עולם. לפי שלא נאמר דורות וחקת עולם על המלאכה אלא על המרתב את היום הזה. ממלאכה, אזהרת כל מלאכה לא יעשה, לא לדורות נאמרה אלא לאומו הדור:
- (18) עד יום האחד ועשרים. למה נאמר, והלא כבר נאמר שבעת ימים, לפי שנאמר ימים, לילות מנין, תלמוד לומר עד יום האחד ועור:
- (19) לא ימצא בבתיכם. מנין לגבולין, חלמוד לומר בכל גבולך. מה חלמוד לומר בבחיכם, מה ביתך ברשוחך אף גבולך ברשוחך, יצא חמצו של נכרי שהוא אצל ישראל ולא קבל עליו אחריות: כי כל אוכל מחמצת. לענוש כרת על השאור, והלא כבר ענש על החמץ, אלא שלא חאמר, חמץ שראוי לאכילה ענש עליו, שאור שאינו ראוי לאכילה לא יענש עליו, ואם ענש על החמץ, אלא שלא חלמר, חמץ שראוי לאכילה ענש עליו, חמץ שאינו מחמץ אחרים לא יענש עליו, לכך על השאור ולא ענש על החמץ, הייתי אומר, שאור שהוא מחמץ אחרים ענש עליו, חמץ שאינו מחמץ אחרים לא יענש עליו, לכך נאמרו שניהם (מכילתא פ"י): בגר ובאזרח הארץ. לפי שהנס נעשה לישראל, הוארץ לרבות את הגרים:

Ye shall eat nothing leavened; in all your habitations shall ye eat unleavened bread.'

כל מחמעא לא תיכלון בכל תאכלו מותבניכון היכלון פּטִירָא: מצות: (פ)

Then Moses called for all the elders of Israel, and said unto them: 'Draw out, and take you lambs according to your families, and kill the passover lamb.

וּקְרַא מֹשֵׁה לְכַל סָבי ישראל ואמר לכון מן בני ענא לזרעיתכון

וַיַּקרַא משׁה לְכַל־זִקנֵי יִשְׂרָאֵל וכחו

And ye shall take a bunch of hyssop, and dip it in the blood that is in the basin, and strike the lintel and the two side-posts with the blood that is in the basin; and none of you shall go out of the door of his house until the morning.

איזובא דבמנא בַדמא דַמָא דַבְמָנָא וָאַתּוּן תפקון אנש מתר

וּלְקַחָתֵּם אַגְדֵת אֵזוֹב וּטְבַלְתֵם בַּדָם אַשֶּׁר־בַּסַף וָהַגַּעָתֵם אל

For the LORD will pass through to smite the Egyptians; and when He seeth the blood upon the lintel, and on the two side-posts, the LORD will pass over the door, and will not suffer the destroyer to come in unto your houses to smite you.

יָהוַה לְנִגֹּף אֵת־מִצְרַיִּם וְיִתְגַּלֵי יִי לְמִמְחֵי יָת מִצְרְאֵי ויחזי ית דמא על שקפא ועל למיעל לבתיכוז לממחי:

וראה את־הדם על-המשלוף וַעַל שַׁתֵּי הַמַּזוּזָת וּפַסַח יָהוָה' על-הפתח ולא יתן המשחית לבא אל-בתיכם לנגף:

And ye shall observe this thing for an ordinance to thee and to thy sons for ever.

וָתִשָּׁרוּן יָת פָּתִגַמַא הַדֵּין לַקּים

And it shall come to pass, when ye be come to the land which the LORD will give you, according as He hath promised, that ye shall keep this service.

וָהַיָּה כֵּי־תַבָּאוּ אֵל־הַאַּרֵץ אֲשֵׁר דּוִתֵּין יִנָ לְכוֹן כָּמַא דּמלּיל יתן יהנה לכם כאשר דבר וָתְמַרוּן יַת פּוּלְחַנַא הדין: ושמַרתָם אַת־הַעַבֹּדַה הַוֹּאת:

(20) מחמצת לא תאכלו. אזהרה על אכילם שאור: כל מחמצת. להגיא את תערונתו: בכל מושבתיכם תאכלו מצות. זה בא ללמד שתהא ראויה ליאכל בכל מושבתיכם, פרט למעשר שני וחלות חודה (מכילתא פ"י ע"ש) (שאינה ראויה להאכל בכל מושבות אלא בירושלים):

(21) משכו. מי שיש לו לאן ימשוך משלו: וקחו. מי שאין לו יקח מן השוק: למשפחותיכם. שה לבית אבות:

(22) אזוב. מין ירק שיש לו גבעולין: אגדת אזוב. ג'קלחין קרויין אגודה: אשר בסף. בכלי, כמו ספות כסף: מן הדם אשר בסף. למה חזר ושנאו, שלא תאמר טבילה אחת לשלש המתנות, לכך נאמר עוד אשר בסף, שתהא כל נתינה ונחינה מן הדם אשר בסף, על כל הגעה טבילה: 🗆 ואתם לא תצאו וגו׳. מגיד, שמאחר שנחנה רשוח למשחיח לחבל, אינו מבחין בין לדיק לרשע, ולילה רשות למחבלים היא, שנאמר בּו מִרְמֹשׁ כֵּל חֵיתוֹ יַעַר (תהלים קד, כ):

(23) ופסח. וחמל וי"ל ודלג: ולא יתן המשחית. ולא יתן לו יכולת לבא, כמו ולא נְחַנֹו חֱלֹהְים לְהַרַע עַמָּדִי (בראשית (1,6):

(25) והיה כי תבאו. מלה הכתוב מצוה זו בביאתם לארץ, ולא נתחייבו במדבר אלא פסח אחד שעשו בשנה השנית על פי כאשר דבר. והיכן דבר, וְהֶבֶּחֹתִי אֶתְכֵס אֱלֹ הָאָרֵץ וגו' (שמות ו, ח):

And it shall come to pass, when your children shall say unto you: What mean ye by this service?

that ye shall say: It is the sacrifice of the LORD's passover, for that He 27 passed over the houses of the children of Israel in Egypt, when He smote the Egyptians, and delivered our houses.' And the people bowed the head and worshipped.

And the children of Israel went and 28 did so; as the LORD had commanded Moses and Aaron, so did they.

And it came to pass at midnight, that the LORD smote all the firstborn in the land of Egypt, from the first-born of Pharaoh that sat on his throne unto the first-born of the captive that was in the dungeon; בּוֹכרֵא דַשביָא דָבבִית and all the first-born of cattle.

And Pharaoh rose up in the night, 30 he, and all his servants, and all the Egyptians; and there was a great cry in Egypt; for there was not a house where there was not one dead.

מא פולחנא הדין לכון:

וָתֵימָרוּן דֵּיבַח חַיַס הוּא קַדַם יי דחס על בתי בני ישראל בַּמַצָרֵיִם כַּד מַחַא יַת מַצְרַאֵי וית בַתַנא שיזיב וכַרע עמא

ואזלו ועבדו בני ישראל כמא רְּפַּקּיד יִיָּ יָת מֹשֶׁה וְאַהַרוֹ כֵּן

כורסי מלכותיה אסירי וכל בוכרא דבעירא:

קם פרעה בליליא הוא וכל מצראי והות עבדותי וכל צְוַחָתַא רַבִּתַא בִּמָצְרַיִם אָרֵי לית ביתא תַּמַן דּלָא הַוָה בַּיה :מיתא

וָהַיַּה פִּי־יאמִרוּ אַלִּיכִם בְּנֵיכִם וִיהֵי אֲבִי יֵימְרוּן לְכוֹן בְּנֵיכוֹן מָה הָעֲבֹרֵה הַזִּאַת לַכֵּם:

> ואמרתם זבח־פסח הוא ליהוה אשר פֿסח על־בתי בני־ישראל וישתחוו:

וילכו ויעשו בני ישראל כאשר יהוה את־משה ואהרן

ויהיו בחצי הלילה וַיהוַה הבֶה

ויקם פּרעה לילה הוּא וכל־ ישַם מֵת:

- (27) ויקד העם. על גשורת הגאולה, וביאת הארץ, וגשורת הבנים שיהיו להם:
- וילכו ויעשו בני ישראל. וכי כבר עשו, והלא מראש חודש נאמר להס, אלא מכיון שקבלו עליהס, מעלה עליהס (28) הכתוב כאלו עשו (מכילתא פי"ב): וילכו ויעשו. אף ההליכה מנה הכתוב, ליתן שכר להליכה ושכר לעשייה: כאשר צוה ה׳ את משה ואהרן. להגיד שנחן של ישראל שלא הפילו דבר מכל מצות משה ואהרן, ומהו כן עשו, אף משה ואהרן כן משו:
- (29) וה׳. כל מקום שנאמר וה׳, הוא ובית דינו, שהוי"ו לשון תוספת הוא, כמו פלוני ופלוני: הכה כל בכור. אף של אומה אחרת והוא במלרים: מבכור פרעה. אף פרעה בכור היה ונשתייר מן הבכורים, ועליו הוא אומר בַּעבוּר זֹאת הַעַמַדְהָּידְ (שמות ט, טו): עד בכור השבי. שהיו שמחין לחידם של ישראל, ועוד שלא יאמרו יראתנו הביאה הפורענות זו. ובכור השפחה בכלל היה, שהרי מנה מן החשוב שבכלן עד הפחות, ובכור השפחה חשוב מבכור השבי:
- (30) ויקם פרעה. ממטמו: לילה. ולא כדכך המלכים בשלש שעות ביום: הוא. מחלה, ואחר כך עבדיו, מלמד שהיה הוא מחזר על בתי עבדיו ומעמידן: כי אין בית אשר אין שם מת. יששם בכור, מת, אין שם בכור, גדול שבבית קרוי בכור, שנאמר אף אָנִי בָּכור אֶפְגָהוּ (תהלים פט, כח). דבר אחר, מלריות מזנות תחת בעליהן ויולדות מרווקים פנויים, והיו להם בכורות הרבה. פעמים הם חמשה לאשה אחת. כל אחד בכור לאביו:

And he called for Moses and Aaron by night and said: 'Rise up, get you forth from among my people, both ve and the children of Israel; and go, serve the LORD, as ye have said.

Take both your flocks and your herds, as ye have said, and be gone; and bless me also.'

And the Egyptians were urgent 33 upon the people, to send them out of the land in haste; for they said: 'We are all dead men.'

And the people took their dough before it was leavened, their kneading-troughs being bound up in their clothes upon their shoulders.

And the children of Israel did according to the word of Moses; and they asked of the Egyptians jewels of silver, and jewels of gold, and raiment.

And the LORD gave the people favour in the sight of the Egyptians, so that they let them have what they asked. And they despoiled the Egyptians.

And the children of Israel 37 journeyed from Rameses to Succoth, about six hundred thousand men on foot, beside children.

וקרא למשה ולאהרן בליליא

אַף עַנָכוֹן אַף תוֹרֵיכוֹן דְּבָרוּ בְּמָא דְמַלֵּילְתוּן וְאִיזִילוּ וְצֵּלוֹ

ונטל עמא ית לישהון עד לא חַמַע מוֹתַר אַצְוַתְהוֹן צְרִיר בַּלְבוּשֵׁיהוֹן עַל כַּתִפֵּיהוֹן:

עשו כִּדְבַר משה וּבְנֵי יִשֹּׁרָאֵל עַבַדוּ כִּפְּתִגמא דמשה ושאילו ממצרים מנין דכסף ומאנין דדהב ולבושין:

מָצָרָאֵי וִאַשָּאִילוּנוּן וְרוֹקִינוּ יָת

מרעמסס ונטלו בני ישראל מרעמסס גוברא רגלאה בר מטפלא:

גם־אתם גם־בני עבדו אַת־יִהוָה כִּדַ

כַלַנוּ מַתֵים:

בַּלֵי־כֵסֶף וכלי זהב ושמלת:

ַנִיהנָّה נָתַוֹ אֶת־חֵוֹ הָעֶם בְּעִינֵי נִייָיְהַב יָת עַמָּא לְרַחֲמִין בְּעֵינֵי מַצְרֵיָם וַיַּשָּאַלִים וַיַנַצָּלוּ אָת־

מאות אַלף רגלי

- (31) ויקרא למשה ולאהרן לילה. מגיד שהיה מחזר על פתחי העיר ולועק, היכן משה שרוי, היכן אהרן שרוי: אתם. הגברים: גם בני ישראל. הטף: ולכו עבדו וגר׳ כדברכם. הכל כמו שאמרתם, ולא כמו שאמרתי אני, בטל לא אשלח, בטל מי ומי ההולכים, בטל רק לאנכם ובקרכם ילג:
- (32) גם צאנכם גם בקרכם קחו. מהו כאשר דברתם, גַם אַתָּה תַּתְּן בִּידִינוּ זְבָּחִים וְעֹלוֹת (שְמוֹח י, כה): וברכתם גם אותי. התפללו עלי שלא אמות, שאני בכור (מכילתא פי"ג):
- (33) כלנו מתים. אמרו, לא כגזרת משה הוא, שהרי אמר ומת כל בכור, וכאן אף הפשוטים מתים, ה' או י' בבית אחד :(ひば)
- (34) טרם יחמץ. המלריים לא הניחום לשהות כדי חימוץ: על שכמם. אע"פ משארתם. שירי מלה ומרור (שם): שבהמות הרבה הוליכו עמהם, מחבבים היו את המצות (שם):
- (35) כדבר משה. שאתר להם במלרים, וְיִשְׁמֵלוּ אִישׁ מָאָם רַעָבוּ (שמות יא, ג): ושמלת. אף הן היו חשובות להם מן הכסף ומן הזהב, והמאוחר בפסוק חשוב (מכילתא שם):
 - (36) וישאלום. אף מה שלא היו שואלים מהם היו נותנים להם, אחה אומר אחד טול שנים ולך: וינצלו. ורוקינו:

And a mixed multitude went up also with them; and flocks, and herds, even very much cattle.

And they baked unleavened cakes of the dough which they brought forth out of Egypt, for it was not leavened; because they were thrust out of Egypt, and could not tarry, neither had they prepared for themselves any victual.

Now the time that the children of Israel dwelt in Egypt was four hundred and thirty years.

And it came to pass at the end of four hundred and thirty years, even the selfsame day it came to pass, that all the host of the LORD went out from the land of Egypt.

It was a night of watching unto the LORD for bringing them out from the land of Egypt; this same night is a night of watching unto the LORD for all the children of Israel throughout their generations.

וְאַרָּא נִּרְּכְרָאִין סַגִּיאִין סְלִיקּוּ עִּמְּהוֹן וְעָנָא וְתוֹרֵי בְּעִירָא סַגִּי לַחְדָּא:

וַאָּפּוֹ יָת לֵישָׁא דְּאַפִּיקּוּ מִּמִּצְרַיִם נְּרִיצָן פַּמִּירָן אֲרֵי וְלָא יְכִילוּ לְאִתְעַכָּבָא וְאַף וְלָא יְכִילוּ לְאִתְעַכָּבָא וְאַף וְנָדִין לָא עֲבַדוּ לְהוֹן:

וּמוֹתַב בְּנֵי יִשְׂרָאֵל דִּיתִיבוּ בְּמִצְרָיִם אַרְבַּע מְאָה וּתְלָתִין שִׁנִין:

וַהֲוָה מִסּוֹף אַרְבֵּע מְאָה וּתְלָתִין שָׁנִין וַהְוָה בִּכְרַן יוֹמֶא הָדֵין נְפַּקוּ כָּל חֵילַיָּא דִּייָ מֵאַרְעָא דְּמִצְרִים:

נָّה לֵילֵי נְטִיר הוּא קְּדָם יְיָ יִם לְאַפָּקוּתְהוֹן מֵאַרְעָא דְּמִצְרָיִם נָّה הוּא לֵילְיָא הָדֵין קֶּדָם יְיָ נְטִיר אָל לְכָל בְּנֵי יִשְׂרָאֵל לְדָרֵיהוֹן:

וְגַם־עֵּרֶב רָב עָלֶה אִתְּם וְצַּאֹן וּבָלֶּר מִקְנֶה כָּבֵד מְאָד:

וַיּאפּׁוּ אֶת־הַבָּצֵׁק אֲשֶׁר הוֹצְיאוּ מִמִּצְרֵיִם עָגְת מַצִּוֹת בָּי לָא הָמֵץ בִּי־גֹּרְשֵׁוּ מִמִּצְרַיִם וְלָא לַא־עָשִּׁוּ לְהַתְּמַהְמֵּהַ וְנִם־צֵּדָה לא־עַשִּׁוּ לָהֵם:

וּמוֹשַׁבֹ בְּנֵי יִשְּׂרָאֵׁל אֲשֶׁר יִשְׁבְוּ בְּמִצְרָיִם שְׁלֹשִים שָׁנֶּה וְאַרְבָּע מֵאָוֹת שָׁנָה:

ַנְיָהִי מִקֵּץ' שְׁלֹשִׁים שֶׁנֶּה וְאַרְבֵּע הַיָּה נָצְאָּוּ כְּל־צִבְאָוֹת יְהֹוָה הַאָּרִץ מִצְרֵים: מֵאָרֵץ מִצְרֵים:

> לֵיל שָׁמֶּרִים הוּאֹ לֵי לְהוֹצִיאָם מֵאֶּרֶץ מִצְּ הְוּא־הַלַּיְלָה הַזֶּהֹ לֵי שִׁמֶּרֵים לְכָל־בְּנֵי יִשְׂוְ

לְדֹרֹתֶם: (פּ)

(37) מרעמסס סכתה. ק"ך מיל היו, וגאו שם לפי שעה, שנאמר וַאָּשָׁא אֶמְכֶס עַל כַּנְפֵי נְשָׁרִים (שמות יט, ד): הגברים: מגן עשרים שנה ומעלה:

(38) ערב רב. תערונות אומות של גרים:

(39) עגות מצות. חררה של מנה. בלק שלא החמיץ קרוי מלה: וגם צדה לא עשו להם. לדרך. מגיד שבחן של ישראל, שלא אמרו האיך נלא למדבר בלא לדה, אלא האמינו והלכו (מכילמא פי"ד), הוא שמפורש בקבלה זַכַרְמִּי לְךְּ הֶּמֶד נְעוּרֵיךְ אַהֲבַּמ פְּלוּלֹסָיִךְ לֶרְמֶּךְ אַמַּבִר בְּמֶרֶךְ לֹא זְרוּעָה (ירמיה ב, ב), ומה שכר מפורש אחריו קֹדֶש יִשְׁרָאֵל לַה' וגו':

(40) אשר ישבו במצרים. אחר שאר הישיבות שישבו גרים בארץ לא להם: שלשים שנה וארבע מאות שנה. בין הכל, משנולד ילחק עד עכשיו היו ארבע מאות שנה, משהיה לו זרע לאברהם נתקיים כי גר יהיה זרעך, ושלשים שנה היו הכן הכל, משנולד ילחק עד שנהלד ילחק. ואי אפשר לומר בארץ מלרים לבדה, שהרי קהת מן הבאים עם יעקב היה, לא וחשוב כל שנותיו וכל שנות עמרם בנו ושמנים של משה, לא תמלאם כל כך, ועל כרחך הרבה שנים היו לקהת עד שלא ירד למלרים, וחשוב כל שנות עמרם נבלעים בשנות קהת, והרבה משמונים של משה נבלעים בשנות עמרם, הרי שלא תמלא ארבע מאות לביאת מלרים, והוזקקת לומר על כרחך שאף שאר הישיבות נקראו גרות, אפילו בחברון, כענין שנאמר מַשָּׁר בָּר שְׁם חַבְּרָהֶס וְיִלְּסֶּק (בראשית לה, כז), ואומר אַת שֶּׁרֶץ מְבָּרֶיהֶם חַשְּׁלָר נְרוֹ בָּה (שמות ו, ד), לפיכך אתה לריך לומר כי גר יהיה זרעך, משהיה לו זרע, וכשתמנה ארבע מאות שנה משנולד ילחק, תמלא מביאתן למלרים עד יליאתן ר"י שנה, וזה אחד מן הדברים ששינו לתלמי המלך:

(41) ויהי מקץ שלשים שנה וגר ויהי בעצם היום הזה. מגיד, שכיון שהגיע הקץ, לא עכבן המקום כהרף עין, בט"ו בניסן באו מלאכי השרת אלל אברהם לבשרו, בט"ו בניסן נולד ילחק, ובט"ו בניסן נגזרה גזירת בין הבתרים (מכילתא פי"ד):

And the LORD said unto Moses and 43 Aaron: 'This is the ordinance of the passover: there shall no alien eat thereof:

but every man's servant that is 44 bought for money, when thou hast circumcised him, then shall he eat thereof.

A sojourner and a hired servant shall not eat thereof.

In one house shall it be eaten; thou 46 shalt not carry forth aught of the flesh abroad out of the house; neither shall ye break a bone thereof.

All the congregation of Israel shall keep it.

> And when a stranger shall sojourn with thee, and will keep the

48 passover to the LORD, let all his males be circumcised, and then let him come near and keep it; and he shall be as one that is born in the land; but no uncircumcised person shall eat thereof.

One law shall be to him that is homeborn, and unto the stranger that sojourneth among you.'

נַיָּאֹמֵר יִהנָה' אֵל־מֹשֶׁה וְאַהֲרֹן נַאֲמַר יְיָ לְמֹשֶׁה וְאַהֲרֹן דָּא זָאת הָקָּת הַפָּּסָח כָּל־בֶּן־נֵכֶר נְזֵירַת פִּסְחָא כָּל בַּר יִשִּׂרָאֵל דישתמד לא ייכול ביה:

ותגזר יתיה בכין ייכול ביה:

תותבא ואגירא לא ייכול ביה:

בַּחַבוּרַא חַדַא יִתְאַכִּיל לַא תַפְּקוּן מִן בֵּיתָא מִן בִּשֹׁרַא

עמכון יַנְעֲבֵיד פִּסְחָא קָּדְם יְיָ מִגְּזַר ליה כל דכורא ובכן יקרב

וּלֹגִיּוֹרַיַּא דִּיִתְגַייִּרוּן בֵּינֵיכוֹן:

לא־יאכל בו:

מַקנת־כַּסֶף ומַלְתָּה אֹתוֹ אֵז יִאכַל בּוֹ:

45 תושב ושכיר לא־יאכל בו:

בבית אָחַד' יַאַכֶּל לא־תוֹצֵיא

כל-עדת ישראל יעשוּ אתוֹ:

וָכֵי־יַגֹּוּר אָתִּדְׁ גֵּר וָעֲשַׂה פַּסְחוֹ לַיהנָה הִמָּוֹל לְוֹ כָל־זַכָּר וִאַז' יקרב לעשהו

אַ תּוֹרָה אַחַת יִהָיֶה לֶאֶזְרָח וְלַגֵּר אוֹרְיְתָא חֲדָא מְּהֵי לְיַצִּיבַיָּא 49

- (42) ליל שמרים. שהיה הקב"ה שומר ומלפה לו לקיים הבטחתו להוליאם מארץ מלרים: הוא הלילה הזה לה׳. הוא הלילה שאמר לאברהם בלילה הזה אני גואל את בניך: שמרים לכל בני ישראל לדרתם. משמר ובא מן המזיקין, כענין שנאמר וַלא יָמָן הַמַשְׁחָית וגו':
- (43) זאת חקת הפסח. ני"ד גניסן נאמרה להם פרשה זו: כל בן נכר. שנתנכרו מעשיו לאביו שבשמים (פסחים לו.). ואחד נכרי ואחד ישראל מומר במשמע (מכילחא פט"ו):
- (44) ומלתה אותו אז יאכל בו. רבו, מגיד שמילת עבדיו מעכבתו מלאכול בפסח (יבמות ע:), דברי רבי יהושע. רבי אליעזר אומר, אין מילת עבדיו מעכבתו מלאכול בפסח, א"כ מה תלמוד לומר אז יאכל בו, העבד:
- (45) תושב. זה גר תושב: ושכיר. זה הנכרי, ומה חלמוד לומר, והלא ערלים הם ונאמר וַכַל עַרֶל לא יאכל בו, אלא כגון ערבי מהול וגבעוני מהול והוא תושב או שכיר:
- (46) בבית אחד יאכל. בסבורה אחם, שלא יעשו הנמנין עליו שמי חבורות ויחלקוהו, אחה אומר בסבורה אחם או אינו אלא בבית אחד כמשמעו, וללמד שאם התחילו והיו אוכלים בחצר וירדו גשמים שלא יכנסו לבית. תלמוד לומר על הבחים אשר יאכלו אותו בהס, מכאן שהאוכל, אוכל בשני מקומות (מכילתא פט"ו): לא תוציא מן הבית. מן החבורה: ועצם לא תשברו בו. הראוי לאכילה, כגון שיש עליו כזית בשר יש בו משום שבירת עלם, אין עליו כזית בשר או מוח, אין בו משום שבירת עלס:
- (47) כל עדת ישראל יעשו אותו. למה נאמר, לפי שהוא אומר בפסח מלרים שה לבית אבות, שנמנו עליו למשפחות, יכול אף פסח דורות כן, תלמוד לומר כל עדת ישראל יעשו אותו:
- (48) ועשה פסח. יכול כל המחגייר יעשה פסח מיד, חלמוד לומר והיה כאזרח הארץ, מה אזרח בארבעה עשר אף גר וכל ערל לא יאכל בו. להביא את שמתו אחיו מחמת מילה, שאינו מומר לערלות ואינו נלמד מבן נכר בארבעה עשר: לא יאכל בו:

Thus did all the children of Israel;
as the LORD commanded Moses
and Aaron, so did they.

רָן דְּפַּקּיד יִיָּ יָת מֹשֶׁה וְיָת אַהְרֹן כָן דְפַּקּיד יִיָּ יָת מֹשֶׁה וְיָת אַהְרֹן בָּן עֲבַדוּ:

וַיִּעֲשִׂוּ כְּל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל כַּאֲשֶׁׁר צוְה יְהוְה אֶת־מֹשֵׁה וְאֵת־אַהֲרָן כֵּן עָשִׁוּ: (ס)

And it came to pass the selfsame day 51 that the LORD did bring the children of Israel out of the land of Egypt by their hosts. וַהַוָּה בִּכְרַן יוֹמָא הָדֵין אַפֵּיק יִיָּ יָת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל מֵאַרְעָא דְּמִצְרַיִם עַל חֵילֵיהוֹן:

ַנִיְהֵּי בְּעֶצֶם הַיַּוֹם הַזָּּחָ הוֹצִּיא יְהֹנָה אֶת־בְּנֵיְ יִשְׂרָאֵל מֵאֶרֶץ מִצְרָיִם עַל־צִרְאֹתֵם: (פּ)

XIII And the LORD spoke unto Moses, saying:

וּמַלֵּיל יְיָ עִם מֹשֶׁה לְמֵימַר:

וּניעי וַיְדַבֵּר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה לֵאמְוֹר:

'Sanctify unto Me all the first-born,
whatsoever opens the womb among
the children of Israel, both of man
and of beast, it is Mine.'

אַקְדֵּישׁ קֶדָמַי כָּל בּוּכְרָא פָּתַח כָּל וַלְדָּא בִּבְנֵי יִשְׂרָאֵל בַּאֲנְשָׁא וּבִבִעִירָא דִּילִי הוּא:

קֶדֶשׁ־לִּי כְל־בְּכוֹר בֶּטֶר כְּל־ רֶחֶם בִּבְנֵי יִשְׂרָאֵׁל בָּאָדֶם וּבבּהמה לי הוּא:

And Moses said unto the people:

'Remember this day, in which ye

came out from Egypt, out of the
house of bondage; for by strength
of hand the LORD brought you out
from this place; there shall no
leavened bread be eaten.

וַאֲמַר מֹשֶׁה לְעַמָּא הֲווֹ דְּכִירִין יָת יוֹמָא הָבֵין דְּנְפַּקְתּוּן מָמָצְרַיִם מִבֵּית עַבְדּוּתָא אֲרֵי בִּתְקוֹף יַד אַפֵּיק יְיָ יָתְכוֹן מַכָּא וַלָא יִתָאַכִיל חֲמִיעַ: וּיֹאמֶר מֹשֶׁה אֶל־הָעָּׁם זְכֿוֹר אֶת־הַיִּוֹם הַזֶּה אֲשֶּׁר יְצָאתֶם מִּמִּצְרַיִם מִבֵּית עֲבָרִים כֻּי בְּחָזֶק יָד הוֹצְיִא יְהוֹּה אֶתְכֶם מִזֶּה וְלֹא יִאָּכֵל חָמֵץ:

This day ye go forth in the month Abib.

יוֹמָא דִין אַתּוּן נְפְּקִין בְּיַרְחָא דַּאֵבִיבָא: ַ הַיְּוֹם אַתֶּם יֹצְאָים בְּחְׂדֶשׁ הָאָבִיב:

And it shall be when the LORD shall bring thee into the land of the Canaanite, and the Hittite, and the Amorite, and the Hivite, and the Jebusite, which He swore unto thy fathers to give thee, a land flowing with milk and honey, that thou shalt keep this service in this month.

יִתִּי אֲבִי יַעֵילְנֶּךְ יְיָ לַאֲבַע כְּנַעֲנָאֵי וְחָתָּאֵי וָאֲמוֹרָאֵי וְחִנָּאֵי יִיבוּסָאֵי דְּקַיֵּים לַאֲבָרָתְּךְ לְמִתַּן לֶךְ אֲבַע עָבְרָא חֲלָב הָרָא בְּיַרְחָא הָבִין: הָרָא בְּיַרְחָא הָבִין: וְהָנֶה כָּי־יְבִיאֲךְּ יְהנְהׁ אֶל־אֶבֶץ הַכְּנַצְנִי וְהַחִתִּי וְהָאֱמֹּוֹי וְהַחִנִּי וְהַיְבוּסִׁי אֲשֶׁר נִשְׁבֵּע לַאֲבֹעּיךְ לְעֶת לָךְ אֶרֶץ זְבַת חָלֶב וּדְבָשׁ וְעָבַרְתָּ אֶר־הָצְבֹרֶה הַזָּאֹת בּחדש הזה:

(49) תורה אחת וגו׳. להשוות גר לאזרה אף לשאר מצות שבתורה (מכילתא שם):

(2) פטר כל רחם. שפתח את הרחם תחלה, כמו פוטר מֵים רֵאשִׁית מָדון (משלי יז, יד). וכן יַפְטִירוּ בְּשָׁפָה (תהלים כב, ח), יפתחו שפתים: לי הוא. לעצמי קניתים, ע"י שהכיתי בכורי מצרים:

(3) זכור את היום הזה. למד, שמזכירין יליחת מלרים בכל יום:

(4) בחדש האביב. וכי לא היינו יודעין באיזה חדש ילאו, אלא כך אמר להם, ראו חסד שגמלכם, שהוליא אמכם בחדש שהוא פַשְׁר לנאמ, לא חמה, ולא לנה, ולא געמים, וכן הוא אומר מוליא אַסִירִים בַּפֹּוּשְׁרוֹת (חהלים סח, ז), חדש שהוא כשר לנאמ:

(5) אל ארץ הכנעני וגר׳. אע"פ שלא מנה אלא חמשה עממין, כל שבעה גוים במשמע (מנחומא בא יב), שכולן בכלל כנעני הם, ואחת ממשפחת כנען היתה שלא נקרא לה שם, אלא כנעני: נשבע לאבתיך וגר׳. באברהם הוא אומר, בּיּוֹם הַסוּא פָּבֶרָת ה' אָת מַבְּבָּרָם וגו' (בראשית טו, יח), ובילחק הוא אומר גּוֹר בְּאָרֶץ הַאֹאח וגו' (שם כו, ג), וביעקב הוא אומר הַאַרָץ הַאֹאח וגו' (שם כו, ג), וביעקב הוא אומר הַאַרֶץ הַאַּר מַבְּבָּר שׁבַב עָלִיהָ וגו' (שם כח, יג): זבת חלב ודבש. חלב זב מן העזים, והדבש זב מן התמרים ומן התאנים (רש"י מגילה ו.): את העבודה הזאת. של פסח (פסחים לו.), והלא כבר נאמר למעלה והיה כי תבאו אל הארץ וגו', ולמה חזר

Seven days thou shalt eat 6 unleavened bread, and in the seventh day shall be a feast to the

Unleavened bread shall be eaten throughout the seven days; and there shall no leavened bread be seen with thee, neither shall there be leaven seen with thee, in all thy

And thou shalt tell thy son in that 8 day, saying: It is because of that which the LORD did for me when I came forth out of Egypt.

And it shall be for a sign unto thee upon thy hand, and for a memorial between thine eyes, that the law of the LORD may be in thy mouth; for with a strong hand hath the LORD brought thee out of Egypt.

Thou shalt therefore keep this ordinance in its season from year to year.

And it shall be when the LORD shall bring thee into the land of the Canaanite, as He swore unto thee and to thy fathers, and shall give it

that thou shalt set apart unto the LORD all that openeth the womb; every firstling that is a male, which thou hast coming of a beast, shall be the LORD's.

שבעת ימים תאכל מצת וביום שבעא יומין תיכול פטירא וֹבִיוֹמָא שָׁבִיעָאָה חַגָּא קֶדָם יִיָ:

יתחזי לך חמיר בכל תחומך:

מַצּוֹת וַאַבֶּל אַת שָׁבָעַת הַיָּמִים פַּטִירָא יִתְאַכִיל יָת שָׁבָעָא וַלֹא־יַרַאָּה לֹדְ חַמַּץ וַלֹא־יַרָאָה יוֹמִין וַלָּא יִתַּחָזֵי לָךְ חַמִּיעַ וּלָא

הַהַוֹּא וּתְחַנֵּי לְבָרַךְ בִּיוֹמֵא הַהוֹא

עַל־יַדָּה וִיהֵי לַהְ לְאַת עַל יִדָּהְ וּלְדְּכְרָן בֵּין עֵינֶךְ בִּדִיל דְּתָהֵי אוֹריתא דַין בַפוּמָך אַרֵי בִיַד תַּקּיפָא

אַפַּקָד יִי מִמְּצְרַיִם:

הַזָּאַת וִתִּשַּׁר יָת קּיָמָא הָדֵין בִּזִּמְנֵיה

ויהי אַרי יַעֵילְנָּךְ יִיָ לַאַרַע

כָל־פֶּטֶר־רֶחֶם וְתַעִבַּר כָּל פָּתַח וַלְדָּא קַדָם יִיַ

בַּעַבוּר זָה עַשֵּה יְהוַה

השביעי חג ליהוה:

וּלְזַכַּרוֹן בֵּין עִינִידְ לְמַעַן תִּהָיֵה חַזַּלָה הוֹצָאַדְּ יְהוֹה מַמַּצְרֵים:

יִבְאַהַּ יִהנָה' אֵל־אֵרֶץ. נשבע

לֵיהוָֹדָה וְכָל־פָּטֶרוּ שָׁגֶר בְּהַמָּה וְכָל פְּתַח וְלַד בְּעִירָא דִּיהוֹן אָשֶּׁר יִהְיֶה לְךֶּ הַזְּכָרִים לַיהוַה: לְדְּ דִּכְרִין תַּקְבִּישׁ קֵּדְם יִיָּ:

ושנאה, בשביל דבר שנתחדש בה, בפרשה ראשונה נאמר וְהַיָּה כִּי אמרוּ אֱלִיכֶּם בְּנֵיכֶם מַה הַעֵּבֹדֶה הַאּאח לָכֶם (שמוח יב, כו), בבן רשע הכתוב מדבר שהוליא את עלמו מן הכלל, וכאן והגדת לבנך בבן שאינו יודע לשאול, והכתוב מלמדך שתפתח לו אתה בדברי אגדה המושכין את הלב:

- עשה ה׳ לי. רמז תשובה לבן רשע לומר, עשה (8) בעבור זה. געבור שאקיים מלותיו, כגון פסח מלה ומרור הללו: ה' לי ולא לך, שאלו היית שם לא היית כדאי ליגאל (מכילתא פי"ו):
- (9) והיה לך לאות. יליאת מלרים תהיה לך לאות: על ידך ולזכרון בין עיניך. רולה לומר, שתכתוב פרשיות הללו ותקשרם ברחש ובזרוע: על ידך. יד שמחל, לפיכך ידכה מלח בפרשה שנייה (פסוק טז), לדרוש בה יד שהיח כהה (מכילתא שם מנחות לז.):
 - (10) מימים ימימה. משנה לשנה (שס לו:):
- (11) והיה כי יבאך. יש מרצותינו שלמדו מכאן, שלא קדשו בכורות הנולדים במדבר, והאומר קדשו מפרש ביאה זו, אם מקיימוהו במדבר, תזכו ליכנס לארץ ומקיימוהו שם (מכילתא שם): נשבע לך. והיכן נשבע לך, וְהַבֵּאתִי אָמָכֵם אֵל הַאַכֵּן אַשֶׁר נַשַּׁאֹמִי וגו' (שמות ו, ח): ובתבה לך. תהא בעיניך כאילו נתנה לך בו ביום, ואל תהי בעיניך כירושת אבות (מכילתא פי"ח):

And every firstling of an ass thou shalt redeem with a lamb; and if thou wilt not redeem it, then thou shalt break its neck; and all the first-born of man among thy sons shalt thou redeem.

And it shall be when thy son asketh thee in time to come, saying: What is this? that thou shalt say unto him: ליה ליה ותימר ליה By strength of hand the LORD brought us out from Egypt, from the house of bondage;

and it came to pass, when Pharaoh would hardly let us go that the LORD slew all the firstborn in the land of Egypt, both the first-born of man, and the first-born of beast; therefore I sacrifice to the LORD all that openeth the womb, being males; but all the first-born of my sons I redeem.

And it shall be for a sign upon thy hand, and for frontlets between your eyes; for by strength of hand the LORD brought us forth out of Egypt.'

וכל בּוּכָרָא דִּחִמֶּרָא תִּפָּרוּק ואם ותקפיה וכל בוכרא דאנשא

בַּתְקוֹף יַד אַפַּקוּא יִי מִמְּצְרֵיִם מבית עבדותא:

מפטיר ממצרים מבית עבו

פתח ולד

הוציאנו

The Haftarah is Jeremiah 46:13 - 46:28 on page 210.

- (12) והעברת. אין והעברת אלא לשון הפרשה, וכן הוא אומר וְהַעֵבַרְמֵּם אֶת נַחֲלַמוֹ לְבָּמוֹ (במדבר כז, ח): נֶפַל, ששגרתו אמו ושלחתו בלא עתו, ולמדך הכתוב שהוא קדוש בבכורה לפטור את הבא אחריו, ואף שאינו נפל קרוי שגר, כמו שגר אלפיד, אבל זה לא בא אלא ללמד על הנפל, שהרי כבר כתב כל פטר רחם, ואם תאמר אף בכור בהמה טמאה במשמע, בא ופירש במקום אחר בָּבָקַרְדְּ וּבְנֹאֹנָדְ. לשון אחר יש לפרש והעברת כל פטר רחם, בבכור אדם הכתוב מדבר:
- (13) פטר חמור. ולא פטר שאר בהמה טמאה, גזרת הכתוב היא, לפי שנמשלו בכורי מלרים לחמורים, ועוד שקייעו את ישראל ביציאתן ממלרים, (שאין לך אחד מישראל שלא נטל הרבה חמורים) טעונים מכספם ומזהבם של מלרים: תפדה בשה. נותן שה לכהן, ופטר חמור מותר בהנאה והשה חולין ביד כהן: וערפתו. עורפו בקופיץ מאחוריו והורגו, הוא הפסיד ממונו של כהן לפיכך יפסיד ממונו (מכילתא פי"ח): וכל בכור אדם בבניך תפדה. חמש סלעים פדיונו, קצוב
- (14) כי ישאלך בנד מחר. יש מחר שהיא עכשיו ויש מחר שהוא לאחר זמן, כגון זה, וכגון מָחָר יֹאמִרוּ בְּגֵיכֶם לְבָּגֵינוּ (יהושע כב, כז), דבני גד ובני ראובן: מה זאת. זה תינוק טפש שאינו יודע להעתיק שאלתו, וסותם ושואל מה זאת, ובמקום אחר הוא אומר מֶה הַעֵלח וְהַחָקִים וְהַמִּשְׁפַּטִים וגו' (דברים ו, כ), הרי זאת שאלת בן חכם. דברה חורה כנגד ארבעה בנים, תם, רשע, ושאינו יודע לשאול, והשואל דרך חכמה:
- (16) ולטוטפות בין עיניך. תפילין, ועל שם שהם ארבעה בחים קרוין טטפח, טט בְּכַחְפֵי שחים, פת באפריקי שחים (סנהדרין ד:). ומנחם חברו עם וְהַשֵּף אֵל דַרום (יחזקאל כא, ב), אַל מַטִיפוּ (מיכה ב, ו), לשון דבור, כמו ולזכרון בין עיניך האמורה בפרשה ראשונה, שהרואה אותם קשורים בין העינים, יזכור הנס וידבר בו:

And it came to pass, when Pharaoh had let the people go, that God led them not by the way of the land of the Philistines, although that was near; for God said: 'Lest the people regret when they see war, and they return to Egypt.'

וַהַנָּה כָּד שַׁלַּח פַּרְעֹה יָת עַמָּא וְלָא דַּבַּרְנּוּן יְיָ אוֹרַח אֲרַע פְּלִשְׁתָּאֵי אֲרֵי קְרִיבָא הִיא אֲרֵי אֲמֵר יְיָ דְּלְמָא יְזוּעוּן עַמָּא בְּמִחְזֵיהוֹן קְרָבָא וִיתוּבוּוּן לִמִּצְרַיִם:

וֹיְהִׁי בְּשַׁלַּח פַּרְעֹה אֶת־הָעָם וֹלְא־נְחָם אֱלֹהִים דֶּרֶךְ אֱרֶץ פְּלִשְׁתִּים כִּי קַרְוֹב הָוּא הָעָם בִּרְאֹתֵם מִלְחָמָה וְשֵׁבוּ הָעָם בִּרְאֹתֵם מִלְחָמָה וְשֵׁבוּ מִצְרֵיִמָה:

But God led the people about, by the way of the wilderness by the Red Sea; and the children of Israel went up armed out of the land of Egypt. וְאַסְחַר וְיָ יָת עַמָּא אוֹרַח מַדְבָּרָא לְיַמָּא דְּסוּךְּ וּמְזְרְזִין סְלִיקוּ בְנֵי יִשְׂרָאֵל מֵאַרְעָא דְּמָצְרָיִם:

וַיַּפֶּׁב אֱלֹתָים וּ אֶת־הָעֶם דֶּרֶךְ הַמִּּדְבָּר יַם־סְוּף וַחֲמֶשִׁים עָלִוּ בִנִּי־יִשִּׁרָאֵל מֵאֶרֵץ מִצְּרֵיִם:

And Moses took the bones of Joseph with him; for he had surely sworn the children of Israel, saying: 'God will surely remember you; and ye shall carry up my bones away hence with you.'

וַאַפֵּיק מֹשֶׁה יָת גַּרְמֵי יוֹסֵךְּ עִּמֵיה אֲבִי אוֹמָאָה אוֹמִי יָת בְּנֵי יִי ְיָתְכוֹן וְתַסְּקוּן יָת גַּרְמֵי מִכָּא עִמְכוֹן: וַיִּקָּח מֹשֶׁה אֶת־עַצְּמְוֹת יוֹמֵף עִּמְּוֹ כִּי הַשְּׁבֵּעַ הִשְּׁבִּיעַ אֶת־ בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל לֵאמֹר פְּלָּד יִפְּלָד אֱלֹהִים אֶתְלֶם וְהַצְלִיתָם אֶת־ עַצְמֹתֵי מִזֶּה אִתְּכֶם:

And they took their journey from Succoth, and encamped in Etham, in the edge of the wilderness.

וּנְשַלוּ מִסּוּכּוֹת וּשְׁרוֹ בְאֵיתָם בִּסְעַר מַדִּבָּרָא: ַנִּיְסְעָּוּ מִּסֶּבֶּת וַיַּחֲנַוּ בְאֵתְם בּקצֵה הַמִּדְבָּר:

And the LORD went before them by day in a pillar of cloud, to lead them the way; and by night in a pillar of fire, to give them light; that they might go by day and by night: יִייָ מְדַבָּר קֵדְמֵיהוֹן בִּימָמָא בְּעִמּוּדָא דַּעֲנָגָא לְדַבְּרוּתְהוֹן בְּאוֹרְחָא וּבְלֵילְיָא בְּעַמּוּדָא רִּאִישָׁתָא לְאַנְהָרָא לְהוֹן לְמִיזַל בִּימִמָא וּבִלִילְיָא:

וַיהנְּה הֹלֵךְ לְפְנֵיהֶם יוֹמְם בְּעַמָּוּד עָנָן לַנְחֹתֶם הַדֶּּרֶךְ וְלַיִּלָה בְּעַמִּוּד אֵשׁ לְהָאֵיר לְהָם לָלֵכָת יוֹמָם וַלֵיִלָה:

- (17) ויהי בשלח פרעה וגר ולא נחם. ולא נהגס, כמו לַדְּ נְחֵה אָת הָעָס (שמות לב, לד), בְּהִתְהַלֶּכְדְּ תַּנְחֶה אֹתְדְ (משלי ו, כב): כי קרוב הוא. ונוח לשוב באומו הדרך למלריס. ומדרש אגדה יש הרבה: בראותם מלחמה. כגון מלחמת וַיֵּכֶדְ הְעַמֶלֵקִי וְהַכְּנַעֲנִי וגו' (במדבר יד, מב), אס הלכו דרך ישר היו חוזריס, ומה אס כשהקיפס דרך מעוקס אמרו נְמְנָהְ רֹצִי בְּעַמֶלֵקִי וְהַבְּנַעֲנִי וגו' (במדבר יד, מב), אס הלכו דרך ישר היו חוזריס, ומה אס כשהקיפס דרך מעוקס אמרו נְמְנָהְ לֹאָשְׁ וְנָשׁרְּבָּה מַלְּרָיְמָה, אס הוליכס בפשוטה על אחת כמה וכמה (מכילתא פסחא פי״ח). (לפי סדר הכחוב נראה הרשימות מהופכיס, ועיין ברא"ם ובג"א ובמ" ישוב נכון ע"ז): פן ינחם. יחשבו מחשבה על שילאו, ויתנו לב לשוב:
- (18) ויסב. הסיבם מן הדרך הפשוטה לדרך העקומה: ים סוף. כמו לים סוף. וסוף הוא לשון אגם שַּגְּדֵלִים בו קנים, כמו וַשָּשֶׁם בַּפִּוּף (שמות ב, ג), קָגָה וְסוף קַמֵלוּ (ישעיה יט, ו): וחמשים. אין חמושים אלא מזויינים, (לפי שהסיבתן במדבר בתר בכלהם שעלו חמושים, שאילו היה דרך ישוב לא היו מחומשים להם כל מה שלריכין, אלא כאדם שעובר ממקום למקום ובדעתו לקנות שם מה שילטרך, אבל כשהוא פורש למדבר לריך לזמן כל הלורך. וכתוב זה לא נכתב כי אם לשבר את האוזן, שלא מאמר, במלחמת עמלק ובמלחמת סיחון ועוג ומדין מהיכן היו להם כלי זיין שהכו ישראל בחרב. ברש"י ישן) וכן הוא אומר, וְאַשָּם בַּמַלְבִּרוּ מַמַשָּׁים (יהושע א, יד), וכן תרגם אונקלום מָזְרְיִין, כמו וַיָּרק שָׁת מַנִיכִיו (בראשית יד, יד) וזריז. דבר אחר חמושים מחומשים, אחד מחמשה ילאו, וארבעה חלקים מתו בשלשת ימי אפילה:
- (19) השבע השביע. השביעם שישביעו לבניהם, למה לא השביע בניו שישאוהו לארך כנען מיד, כמו שהשביע יעקב, אמר יוסף, אני שליט הייתי במלרים והיה ספוק בידי לעשות, אבל בְּנֵי לא יניחום מלרים לעשות, לכך השביעם לכשיגאלו וילאו משם, שישאוהו (מכילחא פי"ח): והעליתם את עצמותי מזה אתכם. לאחיו השביע כן, למדנו שאף עלמות כל השבטים העלו עמהם, שנאמר אתכם:
 - (20) ויסעו מסכות. ביום השני, שהרי בראשון באו מרעמסס לסכות:

the pillar of cloud by day, and the pillar of fire by night, departed not from before the people.

And the LORD spoke unto Moses, saying:

'Speak unto the children of Israel, that they turn back and encamp before Pi-hahiroth, between Migdol and the sea, before Baal-zephon, over against it shall ye encamp by the sea.

And Pharaoh will say of the children of Israel: They are entangled in the land, the wilderness hath shut them in.

And I will harden Pharaoh's heart, and he shall follow after them; and I will get Me honour upon Pharaoh, and upon all his host; and the Egyptians shall know that I am the LORD.' And they did so.

לא־יָלִּישׁ עַפְּוּד הֶעָנָן יוֹלְם לָא עָבִי עַמּוּדָא דַּעַנְגָּא בִּימְמָא וְעַמְוּד הָאֵשׁ לְיֶלְה לְפְנֵי וְאַרְּ לָא עַמוּדָא דְּאִישְׁתָא בְּעַמָּוּד הָאֵשׁ לְיֶלְה לְפְנֵי וְאַרְּ לָא עַמוּדָא דְּאִישְׁתָא בְּעַנְּא בִּימְמָא בְּעַנְּא בִּימְמָא בְּעַנְּא בִּימְמָא בְּעַנְּא בִּימְמָא בְּעַנְּא בִּימְמָא בִּעְנָא בִּימְמָא בּימְנָא בִּימְמָא בּימְנָא בִּימְמָא בּימְנָא בּימְמָא בּימְנָא בּימְמָא בּימְנָא בּימְנָא בּימְנָא בּימְנָא בּימְמָא בּימְנָא בּימְנָא בּימְמָא בּימְנָא בּימְנָא בּימְנָא בּימְמָא בּימְנָא בּימְנִים בּימָינים בּימְיִּים בּימְיִּים בּימְיִים בּימְיִים בּימְיִים בּימְיִּים בּימְיִנְא בּימִינְים בּימְיִים בּימִים בּימְיִים בּימִים בּימְיִים בּימִים בּימִים בּימְיִים בּימִים בּימְנִים בּימִים בּימְיִים בּימִים בּימְנִים בּימִים בּימְיִים בּימִים בּימִים

וּמַלֵּיל יְיָ עִם מֹשֶׁה לְמֵימַר:

מַלֵּיל עם בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וִיתוּבוּן וְיִשְׁרוֹן קֵדָם כּּוֹם חִירָתָא בֵּין מִגְדּוֹל וּבֵין יִמָּא קֵדָם בְּעֵיל צְפוֹן לְקַבְלֵיה תִשְׁרוֹן עַל יַמָּא:

וְיֵימֵר פַּרְעֹה עַל בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל מְעוּרְבְּלִין אִנּוּן בְּאַרְעָא אֲחַד עַלִיהוֹן מַדִּבְרָא:

וַאֲתַקֵּיף יָת לִבָּא דְּפַּרְעֹה וְיִרְדּוֹף בָּתְרֵיהוֹן וְאֶתְיַקֵּר בְּפַרְעֹה וּבְכָל מַשְׁרְיָתֵיה וִיִדְּעוּן מִצְרָאֵי אֲרֵי אֲנָא יִיְ ועבדוּ כו: יי וַיְדַבֵּר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה לֵאמְר:

דַבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְיָשֶׁבוּ וְיַחֲנוּ לִפְנִי פִּי הַחִירת בֵּין מִגְדָּל וּבֵין הַיָּם לִפְנֵי בַּעַל צְפֿן נְכְחָוֹ תַּחֲנָוּ עַלֹּ-הַיֵּם:

וְאָמַר פַּרְעֹה לִבְנֵי יִשְׂרָאֵׁל וְבָכֵים הָם בָּאָרֶץ סְגַר עֲלֵיהֶם הַמִּרְבָּר:

וְחִזּקְתֵּי אֶת־לֵב־פַּרְעֹה וְרָדַךְ אַחֲרִיהֶם וְאִכְּבְדֶה בְּפַּרְעֹה וּבְכָל־חֵילוֹ וְיָדְעִוּ מִצְרַיִם בִּי־אָנִי יָהוֹה וַיִּעֲשׁוּ־כֵן:

- (21) לבחתם הדרך. נקוד פתח, שהוא כמו להנחותם, כמו לַרְאֹקְכֶם בַּדֶּרֶךְ אֲשֶׁר מֵּלְכוּ בָה (דברים א, לג), שהוא כמו להראותכם, אף כאן להנחותם ע"י שליח, ומי הוא השליח, עמוד הענן, והקב"ה בכבודו מוליכו לפניהם, ומכל מקום את עמוד הענן הכין להנחותם על ידו, שהרי על ידי עמוד הענן הם הולכים. עמוד הענן אינו לאורה אלא להורותם הדרך:
- (22) לא ימיש. הקב"ה את עמוד הענן יומס ועמוד האש לילה, מגיד שעמוד הענן משלים לעמוד האש ועמוד האש משלים לעמוד הענן, שעד שלא ישקע זה עולה זה (שבת כג:):
- (2) וישבו. לאחוריהם, לגד מלרים היו מקרבין כל יום השלישי, כדי להטעות את פרעה, שיאמר תועים הם בדרך, כמו שנאמר ואמר פרעה לבני ישראל וגו': ויחנו לפני פי החירות. הוא פיתום, ועכשיו נקרא פי החירות, על שם שנעשו שם בני חורין (מכילתא בשלה פ"א), והם שני סלעים גבוהים זקופים, והגיא שביניהם קרוי פי הסלעים: לפני בעל צפון. הוא נשאר מכל אלהי מלרים, כדי להטעותן, שיאמרו קשה יראתן (שם), ועליו פירש איוב משגיא לגוים ויאַבּדָם (איוב יב, כג):
- (3) ואמר פרעה. כשישמע שהם שָׁבִּים לאחוריהם: לבני ישראל. על בני ישראל. וכן ה' יַּלְחֵם לֶכֶם, עליכם. אָמְרִי לִי אָמִי הוּא (בראשית כ, יג), אמרי עלי: גבכים הם. כלואים ומשוקעים, ובלע"ז שיר"יר כמו בְּעֵמֶק הַבְּכָּא (תהלים פד, ז), מבּכי נַהְלוֹת (איוב כח, יא), נבּכִי יַם (שִם לֹת, טִז). נבכים הם, כלואים הם במדבר, שאינן יודעין לנאת ממנו ולהיכן ילכו:
- (4) ואכבדה בפרעה. כשהקב"ה מתנקס ברשעים שמו מתגדל ומתכבד, וכן הוא אומר וְנְשְׁפְּטְתִּי אַמֹּו וְגוֹי, ואחר כך וְהְשָׁרִי מְבִּי מְשִׁי וְגוֹי (יחוּקאל לח, כבכג), ואומר שֶׁמֶּה שִׁבָּר רְשְׁכֵי קְשֶׁח, ואחר כך נוֹדְעַ בִּיהוּדְה אֱלֹהִים (תהלים וְהַתְנַדְּלְמִּי וְהַתְּבְּדְּשְׁתִּי וְגוֹי (יחוּקאל לח, כבכג), ואומר שֶׁמֶּה שִׁבָּר רְשְׁכֵי קְשֶׁח, ואחר כך נוֹדְע בִּיהוּדְה אֱלֹה (שם ט, יו): בפרעה ובכל חילו. הוא התחיל בעבירה וממנו התחילה הפורענות (מכילתא פ"א): ויעשו כן. להגיד שבחן ששמעו לקול משה, ולא אמרו היאך נחקרב אל רודפינו, אנו זריכים לברוח, אלא אמרו אין לנו אלא דברי בן עמרם (שם):

And it was told the king of Egypt that the people were fled; and the heart of Pharaoh and of his servants was turned towards the people, and they said: 'What is this we have done, that we have let Israel go from serving us?

And he made ready his chariots, and took his people with him.

And he took six hundred chosen

representation of them.

And he took six hundred chosen

therefore the chariots of them.

And the LORD hardened the heart of Pharaoh king of Egypt, and he pursued after the children of Israel; for the children of Israel went out with a high hand.

And the Egyptians pursued after them, all the horses and chariots of Pharaoh, and his horsemen, and his army, and overtook them encamping by the sea, beside Pi-hahiroth, in front of Baal-zephon.

וְאָתְחַנָּא לְמַלְכָּא דְּמִצְרִיִם אָבִי אָזַל עַמָּא וְאָתְהָפֵּיך לַבָּא דְפַּרְעֹה וְעַבְדּוֹהִי בְּעַמְּא נַאָמַרוּ מָא דָּא עֲבַדְנָא אָרֵי שַׁלַחָנָא יָת יִשְׂרָאֵל מִפּּוּלְחָנַנָּא:

וְטַקֵּים יָת רְתִבֵּיה וְיָת עַמֵּיה דְּבַר עִמֵּיה:

וּדְבַר שֵׁית מְאָה רְתִכִּין בְּחִירָן וְכֹל רְתִכֵּי מִצְּרָאֵי וְגִבְּּרִין מְמָנַן עַל כּוּלְהוֹן:

וְתַקּיף יְיָ יָת לְבָּא דְּפַּרְעֹה מַלְכָּא דְּמִצְרֵיִם וּרְדַף בָּתַר בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וּבְנֵי יִשְׂרָאֵל נְפְּקִין בְּרֵישׁ גְּלֵי:

וּרְדַפּוּ מִצְרָאֵי בָּתְרֵיהוֹן וְאַדְבִּיקוּ יָתְהוֹן כַּד שְׁרַן עַל יַמָּא כָּל סוּסָוֶת רְתִבֵּי פַּרְעֹה וּפָּרָשׁוֹהִי וּמַשְּׁרְיָתֵיהּ עַל פֿם חִירַתִּא דְּקַדָם בָּעֵיל צָפּוֹן:

ניֶגַּר לְמֶלֶךְ מִצְּרַיִם כֵּי בְרָח וְ יאֹ הָעֶם וַיֵּהָפֵּךְ לְבַּב פַּרְעָה זְּ וַעֲבָדִיוֹ אֶל־הָעָם וַיְּאִמְרוּ יִ מַה־זָּאִת עָשִּׁינוּ כֵּי־שִׁלַחְנוּ ^{וְ} אֵת־יִשִּׂרָאֵל מֵעָבִדֵנוּ:

ַניֶּאְסָׂר אֶת־רִכְבֵּוֹ וְאֶת־עַמְּוֹ לָקַח עִמָּוֹ:

ַ וַיִּפַּח שֵשׁ־מֵאָוֹת רֶכֶב' בְּחוּר וְכָל רֶכֶב מִצְרָיִם וְשְׁלִשָּׁם עַל־ בָּלְוֹ:

וַיְחַזַּק יְהֹנָּה אֶת־לֵב פַּרְעֹה מֶלֶך מִצְרַיִם וַיִּרְדֵּף אַחָרֵי בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וּבְנֵי יִשְׂרָאֵל יִצְאָים בְּיֵד רָמֶה:

וַיִּרְדְּפֹּוּ מִצְרַיִם אַחֲרֵיהֶם וַיַּשְּׂיגוּ ג'' אוֹתָם' חֹנֵים עַל־הַיָּם כֶּל־סוּס' רֶכֶב פַּרְעָה וּפָּרְשָׁיו וְחֵילֵו עַל־ פִּי הַחִירת לִפָּנֵי בַּעַל צִפָּן:

- (5) ויוגד למלך מצרים. אִיקְטוּרִיןשְלח עמהס (מכילתה פ״ה), וכיון שהגיעו לשלשת ימים שקבעו לילך ולשוב, ורחו שהינן חוזרין למלרים, בהו והגידו לפרעה ביום הרביעי, ובחמישי ובששי רדפו החריהם, וליל שביעי ירדו לים, בשחרית המרו שירה, והוה יום שביעי של פסח, לכך הנו קורין השירה ביום השביעי: ויהפך. נהפך ממה שהיה, שהרי המר להם קומו שירה, והוה יום שביעי של פסח, לכך הנו קורין השרי לשעבר היו הומרים לו עד מָתַי יִהְיָה זָה לְנוּ לְמֹוֹקֵשׁ, ועכשיו נהפכו לרדוף החריהם בשביל ממונם שהשהילום: מעבדבו. מעבוד הותנו:
- (6) ויאסר את רכבו. הוא בעלמו (מכילתא פ"א): ואת עמו לקח עמו. מְשָׁכֶּס בדברים, לקינו ונטלו ממוננו ושלחנום, בואו עמי, ואני לא אתנהג עמכם כשאר מלכים, דרך שאר מלכים עבדיו קודמין לו במלחמה, ואני אקדים לפניכם, שלאמר וּפַרְעֹה הְקְרִיב, הקריב עלמו מיהר לפני חיילוחיו, דרך שאר מלכים ליטול ביזה בראש כמו שיבחר, אני אשוה עמכם בחלק, שנאמר אַמַּלֶּק שָׁלָל:
- (7) בחור. נדחרים, דחור לשון יחיד, כל רכב ורכב שבמנין זה היה דחור: וכל רכב מצרים. ועמהם כל שאר הרכב, ומהיכן היו הבהמות הללו, אם תאמר משל מזרים, הרי נאמר וַיָּשָׁת כֹל מִקְנֵה מִנְּרָיִם (שמות ט, י), ואם תאמר משל ישראל, ומהיכן היו הבהמות הללו, אם תאמר משל מזרים, הרי נאמר וַיָּשָׁת כֹל מִקְנֵה מִנְּרָיִם (שמעון אומר, כשר שבמזרים והלא נאמר וְגַם מִקְנֵנוּ יֵלֵךְ עִשָּנוּ (שם י, כו), משל מי היו, מהירא את דבר ה', מכאן היה רבי שמעון אומר, כשר שבמזרים הרוג, טוב שבנחשים ראוץ את מוחו (מכילתא פ"א): ושלשים על כלו. שרי זבאות כתרגומו:
- (8) ויחזק ה׳ את לב פרעה. שהיה תולה אם לרדוף אם לאו, וחזק את לכו לרדוף: ביד רמה. בגבורה גבוהה ומפורסמת (מכילתא פ"א):

And when Pharaoh drew nigh, the children of Israel lifted up their eyes, and, behold, the Egyptians were marching after them; and they were sore afraid; and the children of Israel cried out unto the LORD.

וּפַּרְעֹה קְרֵיב וּזְקפּוּ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל יָת עֵינֵיהוֹן וְהָא מִצְרָאֵי נָטְלִין בְּתְרֵיהוֹן וּדְחִילוּ לַחְדָּא וּזְעִיקוּ בְנֵי ישׂראל קדם יי:

וּפַּרְעָׂה הָקְרֶים וַיִּשְׁאוּ בְנֵי־ וּ יִשְׂרָאֵל אֶת־עֵינֵיהֶם וְהִנֵּה : מִצְרַיִםוּ נֹסֵעַ אַחֲרֵיהֶם וַיִּירְאוֹּ י מְאֹד וַיִּצְעַקוּ בְנֵי־יִשְׂרָאֵל אֶל־ יִּ יִהנָה:

And they said unto Moses: 'Because there were no graves in Egypt, hast thou taken us away to die in the wilderness? wherefore hast thou dealt thus with us, to bring us forth out of Egypt?

וַאֲמַרוּ לְמֹשֶׁה הֲמָדְּלִית כַּבְרִין בְּמַדְבָּרָא מָא דָא צְבַדְתְּ לַנְא הַמַּדְבָּרָא מָא דָא צְבַדְתְּ לַנְא וַאֲמַרוּ לְמֹשֶׁה הֲמָדְּלִית כַּבְרִין וַיּאמְרוּ אֶל־מֹשֶׁה הְמִבְּלֵי אָין־קְבָרִים בְּמִצְרַיִם לְמַחְתָּנוּ לְנִוּת בַּמִּדְבָּר מַה־זּאת עָשֵּׁיתָ לַנוּ לְהוֹצִיאָנוּ מִמִּצְרֵיִם:

Is not this the word that we spoke unto thee in Egypt, saying: Let us alone, that we may serve the Egyptians? For it were better for us to serve the Egyptians, than that we should die in the wilderness.'

הַלָּא הַין פּּהְנְטָא דְּטַלֵּילְנָא עִמֶּךְ בְּמִצְרִים לְמֵימֵר שְׁבוֹק מַנַּנָא וְנִפְלַח יָת מִצְרָאֵי אָרֵי מָב לָנָא דְנִפְלַח יָת מִצְרָאֵי מִדְנִמוּת בְּמַרְבָּרָא: מִמְתָנוּ בַּמִּדְבֶּר: מִמֶּנוּ וְנְעַבְדָּה אֶת־מִצְּרָיִם מִמֶּנוּ וְנְעַבְדָּה אֶת־מִצְּרָיִם בַּי מִמֶּנוּ וְנְעַבְדָּה אֶת־מִצְרָיִם בִּי מִמֶּנוּ בְּמִּדְרַיִם לֵאמִר חֲדַל מִמְתַנוּ בַּמִּדְבָּר:

And Moses said unto the people: 'Fear ye not, stand still, and see the salvation of the LORD, which He will work for you to-day; for whereas ye have seen the Egyptians to-day, ye shall see them again no more for ever.

וַאָמַר מֹשֶׁה לְעַמָּא לָא תִּדְחֵלוּן אָתְעַתַּדוּ וַחֲזוֹ יָת פּוּרְקְנָּא דֵּיוְ דְּתְעֵבִיד לְכוֹן יוֹמָא דִין אֲבֵי דַּחֲזֵיתוֹן יָת מִצְרָאֵי יוֹמָא דֵין לָא תֵיסְפוּן לְמַחְזֵיהוֹן עוֹד עַד עלמא:

וַיּאמֶר מֹשֶׁה אֶל־הָעָם אַל־ תִּירָּאוּ הְתְיַצִּבׁוּ וּרְאוּ אֶת־ יְשׁוּעַת יְהוָה אֲשֶׁר־יַצְשֶׁה לְכֶם הַיִּוֹם כִּי אֲשֶׁר רְאִיתֶם אֶת־ מִצְרַיִם הַיּוֹם לְא תֹסֶפּוּ לִרְאֹתֶם עוֹד עַד־עוֹלֶם:

The LORD will fight for you, and ye shall hold your peace.'

יְיָ יְגִיחַ לְכוֹן קְרָב וְאַתּוּן תִשְׁתִּקוּן:

ַ יְהֹוֶה יִלְּחֵם לְּכֶם וְאַהֶּם תַּחַרִשִׁוּן: (פֿ)

(10) ופרעה הקריב. היה לו לכתוב ופרעה קרב, מהו הקריב עלמו ונתאמץ לקדם לפניהם, כמו שהתנה עמהם: בסע אחריהם. בלב אחד כאיש אחד. דבר אחר והנה מלרים נוסע אחריהם, ראו שר של מלרים נוסע מן השמים לעזור בסע אחריהם. בלב אחד כאיש אחד. דבר אחר והנה מלרים נוסע אחריהם, ראו שר של מלרים נוסע מן השמים לעזור למלרים (תנחומא בשלח יג): ויצעקו. תפשו אומנות אבותם (מכילתא פ"ב). באברהם הוא אומר, אֶל הַמָּקוֹם אֲשֶׁר עָמַד שֶׁם (בראשית יט, כז). בילחק, לְשִׁהַ בַּשָּׁדֶה (שם כד, סג). ביעקב, וַיִּבְּגַּע בַּמָּקוֹם (שם כה, יא):

(11) המבלי אין קברים. וכי מחמת חסרון קברים, שאין קברים במלרים ליקבר שם, לקחתנו משם. שיפו"ר פלינלס"א דינו"ן פושי"ש:

(12) אשר דברנו אליך במצרים. והיכן דברו, יֵכֶּא ה' עֲלֵיכֶס וְיִּקְפֹּוֹט (שמות ה, כא מכילתא פ"ב): ממותנו. מאשר נמות, ואם היה נקוד מלאפו"ם, (ר"ל חול"ם, כנודע לבעלי דקדוק שקראו חול"ם מלאפו"ם, ועיין לקמן פרשת יתרו ברש"י פסוק פן יפרוץ) היה נבאר ממיחתנו, עכשיו שנקוד בשורק, נבאר מאשר נמות. וכן מִי יִפֵּן מוּתֵנוּ, שנמות. וכן מִי יִפָּן מוּמִנוּ, שנמות. וכן מִי יְפָּן מוּמִי (לפניה ג, ח), עד שוּבִּי בְּשָׁלוֹם (דברי הימים־ב יח, כו) שאקום שאשור:

(13) כי אשר ראיתם את מצרים וגו׳. מה שראיתם אותם אינו אלא היום, היום הוא שראיתם אותם ולא תוסיפו עוד:

(14) ה׳ ילחם לכם. בשבילכס, וכן פִי ה׳ נְלְחֶס לְהֶס, וכן אָס לְמֵל מְּרִיבוּן (איוב יג, ח), וכן וַאֲשֶׁר דְּבֶּר לִי (בראשית כד, ז), וכן האַמֶּס מְּרִיבוּן לַבַּעַל (שופטים ו, לא): And the LORD said unto Moses:

'Wherefore criest thou unto Me?

speak unto the children of Israel,
that they go forward.

And lift thou up thy rod, and stretch out thy hand over the sea, and divide it; and the children of Israel shall go into the midst of the sea on dry ground.

And I, behold, I will harden the hearts of the Egyptians, and they shall go in after them; and I will get Me honour upon Pharaoh, and upon all his host, upon his chariots, and upon his horsemen.

And the Egyptians shall know that 18 I am the LORD, when I have gotten Me honour upon Pharaoh, upon his chariots, and upon his horsemen.'

And the angel of God, who went before the camp of Israel, removed and went behind them; and the pillar of cloud removed from before them, and stood behind them;

and it came between the camp of Egypt and the camp of Israel; and there was the cloud and the darkness here, yet gave it light by night there; and the one came not near the other all the night. וַאָּמַר יְיָ לְמֹשֶׁה קַבֵּילִית צְלוֹתְךְ מַלֵּיל עִם בְּנֵי וִשְׂרָאֵל וימלוּו:

וְאַהְ טוֹל יָת חוּטְרָךְ וַאֲרֵים יְת יָדָךְ עַל יַמָּא וּבַזַּעָהִי וְיֵיעֲלוּוְ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל בְּגוֹ יַמָּא בְּיַבֶּשְׁתָּא:

וַאָּנָא הָאָנָא מְתַקּיף יְת לִבְּא דְּמִצְרָאֵי וְיֵיעֲלוּוְ נְּתְרֵיהוֹן וְאֶתְיַקּר בְּפַּרְעֹה וּבְכָל מַשְּׁרְיָתֵיה בִּרְתִכּוֹהִי וֹבְכָּרָשׁוֹהִי:

וְיִדְּעוּן מָצְרָאֵי אֲרֵי אֲנָא יָי בָּאִתְיִּקְרוּתִי בְּפַּרְעה בִּרְתִכּוֹהִי וּבְכָּרְשׁוֹהִי:

וּנְטַל מַלְאָכָא דַּייָ דִּמְדַבָּר מַשְׁרִיתָא דְּיִשְּׂרָאֵל וַאֲתָא מִבְּתְרֵיהוֹן וּנְטַל עַמּוּדָא מָבָּתְרֵיהוֹן: מִבְּתְרֵיהוֹן:

וְעָאל בֵּין מַשְּׁרִיתָא דְּמִצְּרָאֵי זַבֵּין מַשְּׁרִיתָא דְּיִשְּׁרָאֵל זַבְּוָה עֲנָנָא וְקַבְלָא לְמִצְּרָאֵי זּלְיִשְׂרָאֵל נָהַר כָּל לֵילְיָא וְלָא אָתְקְּרַבוּ דֵין לְוָת דֵּין כָּל וַיָּאמֶר יְהֹוְּהֹ אֶל־מֹשֶׁה מַה־ תִּצְעַק אֵלְי דַּבֵּר אֶל־בְּנִי־ ישׂראל ויסעוּ:

וְאַתְּה הָרֵם אֶת־מַשְּּדֹּ וּנְמַה וְיָבָאוּ בְנִי־יִשְּׂרָאֵל בְּתְוֹךְ הַיָּם בַּיַבָּשֵׁה:

וַאֲנִּי הִנְגֵי מְחַזֵּק אֶת־לֵב מִצְרַיִם וְיָבָאוּ אַחֲרֵיהֶם וְאִכְּבְרֶה בְּפַרְעֹת וּבְכֶל־חֵילוֹ בְּרִכְבָּוֹ וּבְפָּרָשֵׁיו:

ְּ וְיָדְעִוּ מִּצְרֵיִם כִּי־אֲנֵי יְתּוְּה בְּהִכְּבְדֵי בְּפַרְעֹה בְּרִכְבִּוֹ וּבְפָּרְשֵׁיו:

מִאַּחֲרֵיהֶם וַיִּצְּמָד מֵאַחֲרֵיהֶם: מִאַחֲרֵיהֶם וַיִּצְּמָד מֵאַחֲרֵיהֶם: מָאַחֲרֵיהֶם וַיִּצְמָד מֵאַחֲרֵיהֶם:

וַיָּבֹא בֵּיןוּ מַחֲנֵה מִצְרַיִם וּבֵין מַחֲנֵה יִשְּׂרָאֵל וַיְהָי הֶעָּנְן וְהַחֵּשֶׁךְ וַיָּאָר אֶת־הַלְּיֵלְה וְלֹא־ קַרָב זֶהָ אֶל־זֶה כְּל־הַלֵּיְלָה:

- (15) מה תצעק אלי. למדנו, שהיה משה עומד ומתפלל, אמר לו הקב"ה, לא עת עתה להאריך בתפלה, שישראל נתונין בלרה. דבר אחר מה מלעק אלי, עלי הדבר תלוי ולא עליך, כמ"ש להלן, על בְּנֵי וְעֵל פּעַל יָדֵי מְּצַוְנִי (ישעיה מה, יא): דבר בני ישראל ויסעו. אין להם אלא ליסע, שאין הים עומד בפניהם, כדאי זכות אבותיהם, והם, והאמונה שהאמינו בי וילאו, לקרוע להם הים (מכילתא פ"ג):
- (19) וילך מאחריהם. להבדיל בין מחנה מלרים ובין מחנה ישראל, ולקבל חלים וּבְלִיסְטְרָאוֹת של מלרים. בכל מקום הוא אומר מלאך ה׳, וכאן מלאך האלהים, אין אלהים בכל מקום אלא דין, מלמד שהיו ישראל נתונין בדין באותה שעה, אם להנלל אם להאבד עם מלרים: ויסע עמוד העבן. כשחשיכה, והשלים עמוד הענן את המחנה לעמוד האש, לא נסחלק הענן כמו שהיה רגיל להסחלק ערבית לגמרי, אלא נסע והלך לו מאחריהם, להחשיך למלרים:
- (20) ויבא בין מחנה מצרים. משל למהלך בדרך ובנו מהלך לפניו, באו לסטים לשבוחו, נטלו מלפניו ונחנו לאחריו, בא זאב מאחריו, נחנו לפניו, באו לסטים לפניו וזאבים מאחריו, נחנו על זרועו ונלחם בהם. כך וְאָנֹכִי מִּרְגַּלְמִי לְאֶפְרַיִם קְּחָם עַל זְלועֹסֵיו (הושע יא, ג): ויהי העגן והחשך. למצרים: ויאר. עמוד האש את הלילה לישראל, והלך לפניהם כדרכו

And Moses stretched out his hand over the sea; and the LORD caused the sea to go back by a strong east wind all the night, and made the sea dry land, and the waters were divided.

And the children of Israel went into the midst of the sea upon the dry ground; and the waters were a wall unto them on their right hand, and on their left.

And the Egyptians pursued, and 23 went in after them into the midst of the sea, all Pharaoh's horses, his chariots, and his horsemen.

And it came to pass in the morning watch, that the LORD looked forth upon the host of the Egyptians through the pillar of fire and of cloud, and discomfited the host of the Egyptians.

And He took off their chariot wheels, and made them to drive heavily; so that the Egyptians said: 'Let us flee from the face of Israel; for the LORD fighteth for them against the Egyptians.'

וִדַבַר יִי יָת יַמָּא בִּרוּחַ קדוּמָא תַּקִּיף כָּל לֵילָיָא וִשַׁוִּי יָת יַמָּא

יהוה ו את־הים ברוח המים:

ביבשתא ומיא להון

וַיָּבָאוּ בְנֵי־יִשְׂרָאֵל בִּתְוֹדְ הַיַּם להם חומה

כל סוס פרעה רכבו ופרשיו

את־ידוֹ

משה

וירדפו מִצְרֵים וַיַּבְאוּ אַחַרֵיהָם ועאלו בתריהוז רתכוהי ופרשוהי לגו ימא:

וַהַנָּה בִּמַּטָּרַת צַפָּרָא וִאָסתַכִי דַמִּצְרַאֵי בעמודא דאישתא וַשַּגִּישׁ יַת מַשָּׁרִיתַא דִּמְצְרַאֵּי:

באשמרת הַבּקר

יָת גּלְגַּלֵי וּמָדַבָּרִין לָהוֹן בָּתִקוֹף וַאֲמַרוּ אַי נִערוק מון קדם ישראל 'אַי נָערוק מון דָא הָיא גְבוּרָתָא דַּייַ דַעַבַר לָהוֹן קרבין בְּמִצְרַיִם:

וַינַהַגָּהוּ בִּכְבַדִת וַיִּאמֶר מצרים

ללכם כל הלילה, והחשך של ערפל ללד מלרים: ולא קרב זה אל זה. מחנה אל מחנה (מכילתא פ"ד):

- (21) ברוח קדים עזה. גרוס קדים שהיא עזה שברוחות, הוא הרוח שהקב"ה נפרע גה מן הרשעים, שנאמר כרוח קדים אַפִיצָם (ירמי' יח, יז), יָבֹא קָדִים רוּחַ ה' (הושע יג, טו), רוּחַ הַקָּדִים שְׁבֶּרֵךְ בִּלְב יַמִּים (יחזקאל כז, כו), הָגָה בּרוּחוֹ הַקָּשְׁה בִּיוֹם קדים (ישעיה כז, ח): ויבקעו המים. כל מים שבעולם (מכילתא פ"ד):
 - (23) כל סום פרעה. וכי סוס אחד היה, אלא מגיד שאין כולם חשובין לפני המקום אלא כסום אחד:
- (24) באשמרת הבוקר. עלשת חלקי הלילה קרוין אשמורת, ואותה עלפני הנקר קורא אשמורת הבוקר (ברכוח ג.). ואומר אני, לפי שהלילה חלוק למשמרות שיר של מלאכי השרת, כת אחר כת לשלשה חלקים, לכך קרוי אשמורת, וזהו שתרגם אונקלוס מַטֶרַס: וישקף. ויבט, כלומר פנה אליהם להשחיחם. וחרגומו וְאַסְפֶּבֵי, אף הוא לשון הבטה, כמו שָבֶה נֿפִים (צמדבר כג, יד), לַמַקַל קכוּקַה: בעמוד אש ועבן. עמוד ענן יורד ועושה אותו כטיט, ועמוד אש מתיחו, וטלפי קוקיהם משחמטות (מכילתאפ"ה): ויהם. לשון מהומה, אשטורד"יטון בלע"זערבבס, נטל סְגְנֵיוֹת שלהס. ושנינו בפרקי ר' אליעזר בנו של ר' יוסי הגלילי, כל מקום שנאמר בו מהומה, הרעשת קול הוא, וזה אב לכלן, צירעם ה' בַּקוֹל בַּדוֹל וגו' על פַלְשָׁמִים וַיְהַמָּם
- (25) ויסר את אופן מרכבותיו. מכח האשנשרפו הגלגלים, והמרכנות נגררות, והיושנים נהם נעים ואבריהן מתפרקין: וינהגהו בכבדות. בהנהגה שהיא כבדה וקשה להם, במדה שמדדו וַיַּכְבֵּד לְבֹּו הוּא וַעַבָּדְיו (שמות ט, לד), אף כאן וינהגהו נלחם להם במצרים. במלריים. דבר אחר במלרים, בארץ מלרים, שכשם שאלו לוקים על הים, כך לוקים אותם שנשחרו במלרים:

And the LORD said unto Moses:

'Stretch out thy hand over the sea,
that the waters may come back
upon the Egyptians, upon their
chariots, and upon their horsemen.'

And Moses stretched forth his hand over the sea, and the sea returned to its strength when the morning appeared; and the Egyptians fled against it; and the LORD overthrew the Egyptians in the midst of the sea.

And the waters returned, and covered the chariots, and the horsemen, even all the host of Pharaoh that went in after them into the sea; there remained not so much as one of them.

But the children of Israel walked upon dry land in the midst of the sea; and the waters were a wall unto them on their right hand, and on their left.

Thus the LORD saved Israel that day out of the hand of the Egyptians; and Israel saw the Egyptians dead upon the sea-shore.

And Israel saw the great work which the LORD did upon the Egyptians, and the people feared the LORD; and they believed in the LORD, and in His servant Moses.

וַאֲמֵר יְיָ לְמֹשֶׁה אֲבֵים יְת יְדָךְ עַל יַמָּא וִיתוּבוּן מַיָּא עַל מִצְרָאֵי עַל רְתִכֵּיהוֹן וְעַל פָּרְשֵׁיהוֹן:

וֹאָרֵים מֹשֶׁה יָת יְדֵיהּ עַל יַמָּא וְתָב יַמָּא לְעִדְּן צַפְּרָא לְתוּקְבָּיה וּמִצְּרָאֵי עָרְקִין לְקַדָּמוּתִיהּ וְשַׁנֵּיק יְיָ יָת מִצְרַאֵי בָּגוֹ יַמַא:

וְתָבוּ מַיָּא וַחֲפּוֹ יָת רְתִכַּיָּא וְיָת פָּרְשַׁיָּא לְכל מַשְׁרְיָת פַּרְעֹה דְאַלְע בָּתְרֵיהוֹן בְּיַמָּא לָא אִשְׁהְאַר בְּהוֹן עֵד חַד:

וּבְנֵי יִשְּׂרָאֵל הַלִּיכוּ בְּיַבֶּשְׁתָּא בְּגוֹ יַמָּא וּמַיָּא לְהוֹן שׁוּרִין מַנִּמִינְהוֹן וּמִסְמָאלְהוֹן:

יִשְּׂרָאֵל מִיְּדָא דְּמִצְרָאֵי נְחְזָא יִשְּׂרָאֵל יָת מִצְרָאֵי מְיְתִין עַל כֵּיף יַמָּא:

נְחָזָא יִשְׂרָאֵל יָת גְבוּרַת יְדָא רַבְּתָא דַּעֲבַד יְיָ בְּמִצְרָאֵי יְיָ וְהֵימִינוּ בְּמֵימְרָא דַּייִ יְבָנבִיאוּת משה עַבַדִּיה: יּבִנבִיאוּת משה עַבַדִּיה:

וַיָּאמֶר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה נְמֵה אֶת־ יִדְךָּ עַל־הַיָּח וְיָשֶׁבוּ הַפַּוֹם עַל־ מִצְלַיִם עַל־רִכְהַוֹּ וְעַל־פָּרָשֵׁיו:

וַנֵּמ' מֹשֶּׁה אֶת־יָדוֹ עַל־הַיָּם וֹיָשְׁב הַיָּם לִפְּנִוֹת בַּמֶר לְאֵיחָנוֹ וֹמִצְרַיִם נָסִים לִקְרָאתוֹ וַיְנַעֵּר יְהֹוָה אֶת־מִצְרַיִם בְּתִוֹךְ הַיָּם:

וַיָּשֲׁבוּ הַפַּיִם וַיְכַסְּוּ אֶת־הָרֶּכֶבׂ וְאֶת־הַפֶּרְשִׁים לְכֹל' חֵיל פַּרְעָׁה הַבָּאִים אַחֲרֵיהֶם בַּיָּחֵ לְאִ־ וִשְׁאָר בָּהֶם עַד־אֶחֶר:

מִימִינֶם יִשְׂרָאֶל הָלְכִּוּ בַיַּבְּשְׁה בְּתַוֹּךְ הַיָּהַ וְהַמַּיִם לָהֶם חֹמָה מִימִינֶם וּמִשְּׁמֹאֵלֵם:

יַרָּא יִשְּׂרְאֵׁל אֶת־הַיָּדַ הַגְּּדְלָה נַוּ אָשֶּׁר עְשֶׂה יְהנְה בְּמִצְלַיִם ^{רַ} נַיִּירְאָוּ הָעָם אֶת־יְהוְֹה נַיַּאֲמִינוּ (בַּיהוַה וּבִמשָׁה עַבִּדּוֹ: (פּ)

For brevity, all notes of breaks in the Song of the Sea are omitted. For the proper formatting for this passage, see page 204.

(26) וישובו המים. שזקופים ועומדים כחומה, ישובו למקומם ויכסו על מלרים:

- (27) לפנות בקר. לעתשהצוקר פונה לצא: לאיתנו. לתקפו הראשון: נסים לקראתו. שהיו מהוממים ומטורפים ורצין לקראת המים: וינער ה׳. כאדם שמנער את הקדירה והופך העליון למטה והתחתון למעלה, כך היו עולין ויורדין ורצין לקראת המים: וינער ה׳. כאדם שמנער את הקדירה והושקברין בים, ונתן הקצ"ה בהם חיות לקבל היסורין: וינער. וְשַׁנִּיק, והוא לשון טרוף בלשון ארמי. והרבה יש במדרש אגדה:
- (28) ויכסו את הרכב וגו׳ לכל חיל פרעה. כך דרך המקראות לכתוב למ"ד יתירה, כמו לְכָל פֵּלְיו פַּעֲשֶׂה וְחשֶׁת (שמות כז, ג.), וכן לַכֹל פָלֵי הַמִּשְׁפָּן, בִּכֹל עֵבֹדָתוֹ (שם יט), וִיתָּדֹתָם וּמִיתִרִיהָם לְכָל פְּלֵיהָם, ואינה אלא תקון לשון:
- (30) וירא ישראל את מצרים מת. שפלטן הים על שפחו, כדי שלא יאמרו ישראל, כשם שאנו עולים מלד זה, כך הם עולין מלד אחר רחוק ממנו, וירדפו אחרינו:
- (31) את היד הגדולה. את הגבורה הגדולה שעשתה ידו של הקב"ה. והרבה לשונות נופלין על לשון יד, וכולן לשון יד

רביע

Then sang Moses and the children of Israel this song unto the LORD, and spoke, saying: I will sing unto the LORD, for He is highly exalted; The horse and his rider hath He thrown into the sea.

The LORD is my strength and song,
And He is become my salvation;
This is my God, and I will glorify
Him; My father's God, and I will
exalt Him.

בְּכֵן שַׁבַּח מֹשֶׁה וּבְנֵי יִשְּׂרָאֵל יָת תּוּשְׁבַּחְתָּא הָדָא קֵּדָם יְיָ וַאֲמַרוּ לְמֵימַר נִשַּבַּח וְנוֹדֵי קֵדָם יְיָ אֲרִי אִתְגְּאִי עַל גִּיוְתְנַיָּא וְנֵיאוּתָא דִּילֵיה הִיא סוּסִיָּא וְרָכְבֵיה רְמָא בְיַמָּא:

תּוּקְפִּי וְתוּשְׁבַּחְתִּי דְּחִילְא יְיָ אֲמַר בְּמֵימְרֵיה וַהֲוָה לִי לְפָרִיק דֵּין אֱלְהִי וְאֶבְנֵי לֵיה מַקְדַשׁ אֱלָהָא דַּאְבָהָתִי וֹאפלח קדמוֹהי: אָז יָשִׁיר־מֹשֶׁה וּבְנֵי יִשְׂרָאֵׁל אֶת־ הַשִּׁירֶה הַזּאֹת לֵיהנָה נַיּאִמְרָנּ לֵאמָר אָשָּירָה לַיהנָה כִּי־גָאַה גָאָה סָנּס וְרֹכְבָוֹ רָמָה בַּיָּם: גָאָה סִנּס וְרֹכְבָוֹ רָמָה בַּיָם:

שָזָי וְזִמְרָת ֹּהְ וַיְהִי־לִּי לִישׁוּעָה זֶה אֵלִי וְאַנְוֹהוּ אֱלֹהֵי אָבִי וַאֲרֹמְמֶנְהוּ:

ממש הן, והמפרשו יתקן הלשון אחר ענין הדבור:

- (1) אז ישיר משה. אז לשראה היס, עלה בלבו שישיר שירה. וכן אָז יְדֵבֵּר יְהוֹשָׁעַ (יהושע י, יב). וכן ובּזִח יַעֲשָׁה לְבַּח פַּרְשֹׁה (מלכיס־א ז, מ), חשב בלבו שיעשה לה. אף כאן ישיר, אמר לו לבו שישיר, וכן עשה, ויאמרו לאמר אשירה לה'. וכן ביהושע כשראה היס, אמר לו לבו שידבר, וכן עשה, ויאמר לְּבִיב יִשְׁרָאֵל (במדבר כֹא, יז), פירש אחריו עֵלִי בְּאַר עֲנוּ לָה. אָז יִבְּנָה שְׁלְמֹה בָּמָה (מלכיס־א יא, ז), פירשו בו חכמי ישראל שבקש לבנות ולא בנה, כא, יז), פירשו בו חכמי ישראל שבקש לבנות ולא בנה, למדנו שהיו"ד על שם המחשבה נאמרה, זהו ליישב פשוטו. אבל מדרשו אמרו רז"ל, מכאן רמו לתחיית המתים מן התורה, וכן למדנו שהיוד על שם המחשבה נאמרה, זהו ליישב פשוטו. אבל מדרשו אמרו רז"ל, מכאן רמו לתחיית המתים מן התורה, וכן כגון בְּכָּה יַעֲשָׁה אִיֹנִב לְנוֹת וֹלא בנה. ואין לומר וליישב לשון הזה כשאר דברים הנכתבים בלשון עמיד והן מיד, וכגון בְּכָּה יַעֲשָׂה אִיֹנֹב (אִיב א, ה), עַל פִּי ה' יַחֲכוּ (במדבר ע, כג), וְיֵשׁ אַשְׁדָר יִהְיֶה הֶשְנַן, לפי שהן דבר ההווה תמיד, ונופל בו בין לשון עחיד ובין לשון עבר, אבל זה שלא היה אלא לשעה, אינו יכול לישבו בלשון הזה: כי גאה גאה. כתרגומו. (דבר אחר, בא הכפל לומר שעשה דבר שאי אפשר לבשר ודם לעשות, כשהוא נלחם בחבירו ומתגבר עליו, מפילו מן הסוס, וכאן סוס מתלא כפולה, עזי וזמרת יה ויהי לי לישועה, ה' איש מלחמה ה' שמו, וכן כולם. ברש"י ישן). דבר אחר כי גאה גאה, על כל השירות וכל מה שאקלם בו, עוד יש בו תוספת, ולא כמדת בשר ודם, שמקלסין אותו ואין ברו וכן לתחם לרום ומורידין אותם לעומק ואינן נפרדין: רמה. השליך, וכן וּרְמִיו לְגוֹא אַמּהן נוּרָא (דִיהֹל בָּה, והמים מעלין אובה, נחם לחם לחום ומורידין אותם לתחה לחד לומר ירה, מלמד שהיו עולין לרום ויורדין לתהום, כמו מי יִרָּה אָבֶּן בּרְה. ל.), מלמעלה למסף:
- (2) עזר וזמרת יה. אונקלום מרגם פּוֹקְפִי וְסָאֲבַּחְפִּי, עזי כמו עזי בשור"ק, וזמרת כמו וזמרחי, ואני תמה על לשון המקרא, שאין לך כמוהו בנקודתו במקרא, אלא בשלשה מקומות שהוא סמוך אלל וזמרת, וכל שאר מקומות נקוד שור"ק, ה' המקרא, שאין לך כמוהו בנקודתו במקרא, אלא בשלשה מקומות שהוא סמוך אלל וזמרת, וכל שאיי מלויד שלישי מואין השניה (בשו"א) במטף, הראשונה נקודה בשור"ק, כגון עז עזי, רוק רוקי, חק חקי, על עולו, יסור עולו, כל באות שלישים על כלו. ואלו שלשה עזי וזמרת, של כאן ושל ישעיה ושל מהלים, נקודה במטף קמ"ן, ועוד אין באחד מהם כתוב ומרתי, אלא וזמרת, וכלם סמוך להם ויהי לי לישועה. לכך אני אומר ליישב לשון המקרא, שאין עזי כמו עוזי, ולא וזמרת כמו וזמרתי, אלא עזי שם דבר הוא, כמו בּיִּשְבִּי בַּשְּמִים (שם קכג, א), שֹכְנִי בְּמַגְוִי סֵלְע (עובדיה א, ג), שֹכְנִי סְגָה (דברים לג, טז). וזמרתי, אלא עזי שם דבר הוא, כמו בִּישְבִי בַּשְּמִים (שם קכג, א), שֹכְנִי בְּמָגְוִי סֵלְע (עובדיה א, ג), שֹכְנִי סְגָה (דברים לג, טז). מוחר השבח, עזי וזמרת יה, הוא היה לי לישועה, וזמרת דבוק הוא למיבת ה', כמו לְעַוְרַת ה' (שופטים ה, כג), בְּעָבְרַת ה' (ישעיה כמו חובריתה, עזי וזמרת יה, הוא היה לו לישועה, וזמרת לשון לא מִוְמוֹר (ויקרא כה, ד), וְמִיר עָרִילִים (ישעיה כה, ה), לשון כמוח וכריתה, עוזו ונקמחו של אלהינו היה לנו לישועה. ואל תחמה על לשון ויהי, שלא נאמר היה, שיש לנו מקראות מביב. בלשון זה, וזה דוגמתו, אָת קִירות הַבּיִּת בְּבִיב לַהַבְּטָ (דברי הימים־ב י, יז), היה לו לומר מאך עליהם רחבעם. מִבּלְמִי וּבְשָׁבָ לֹא שָׁ לִבּוֹר נגלה עליהם והיו מראין אותו באלבע, יַלַּלֶת ה' וגו' וַיְשָׁם (במדבר יד, טז), היה לו לומר שחשם. וֹהְשָׁב לֹח שָּבׁר וֹנִלְלֹח מִיה וֹ מות היה לו לומר בחשם וֹלוֹמת בוֹב בבדוו נגלה עליהם והיו מראין אותו באלבע, וַלַּבָּר ה' וַיַּיַב בבודו נגלה עליהם והיו מראין אותו באלבע,

The LORD is a man of war, The LORD is His name.

Pharaoh's chariots and his host 4 hath He cast into the sea, And his chosen captains are sunk in the Red

The deeps cover them— They went down into the depths like a stone.

Thy right hand, O LORD, glorious in power, Thy right hand, O LORD, dasheth in pieces the enemy.

And in the greatness of Thine excellency Thou overthrowest them that rise up against Thee; Thou sendest forth Thy wrath, it consumeth them as stubble.

נִצְחַן יַהוָה אֵישׁ מִלְחַמָּה יִהוָה שָׁמִוֹ: 3

רתכי פַרעה ומַשְרוַתִיה שִׁדי בְיַמָּא וּמִּבְחַר גִּבְּרוֹהִי אִּמְבַעוּ בִימָא דִּסוּף:

הְהֹמֶת יְכַסְיָמֵוּ יָרְדוּ בִמְצוֹלְת תָהוֹמַיַּא חַפּוֹ עַלֵיהוֹן נְחַתוּ

יִמִינְהַ יְתֹּלֶׁת נָאְדָּרָי בַּכָּת יְמִינְהָ יַמִּינֶך יְיָ אַדִּירָא בְּחֵילָא יַמִּינֶךְ

תַבַרתָנוּן תוקפַד לדקמו על עמד שלחת רוגוד שיצינון כנורא לקשא:

יהוָה תִּרעֵץ אוֹנֵב:

תִשַּׁלַח חַרְנָדְּ יאכַלֵמוֹ כַּקּשׁ:

ראתה שפחה על הים מה שלא ראו נביאים: ואבוהו. אונקלום תרגם לשון נוה, נוה שַאַנן (ישעיה לג, כ), לְנֵוֶה צאן (שם סה, י). דבר אחר ואנוהו, לשון נוי, אספר נויו ושבחו לבאי עולם, כגון מַה דֹודֵךְ מִדֹּוד, דֹודִי צַח וְאָדוֹם (שיר השירים ה, טי), וכל אלהי אבי. הוא זה, וארוממנהו. אלהי אבי, לא אני תחלת הקדושה, אלא מוחזקת ועומדת לי הקדושה, ואלהותו

- (3) ה׳ איש מלחמה. בעל מלחמה, כמו אָישׁ נַעֲמִי (רוֹת אֹ, ג), וכל איש ואישך מתורגמין בעל, וכן וְחַזַּהְתַּ וְהַיִיתַ לְאָישׁ ה׳ שמו. מלחמותיו לא בכלי זיין, אלא בשמו הוא נלחס, כמו שאמר דוד ואַנֹכִי בַּא אַלֵיךְ בַּשֶׁם ה׳ (מלכים־א ב, ב), לגבור: לְבַמֹּות (שמואל־ה יז, מה). דבר אחר ה' שמו, אף בשעה שהוא נלחם ונוקם מאויביו, אוחז הוא במדתו לרחם על ברואיו ולזון את כל באי עולם, ולא כמדת מלכי אדמה, כשהוא עוסק במלחמה פונה עלמו מכל עסקים, ואין בו כח לעשות זו וזו:
- (4) ירה בים. שַדְּי בִּיַמֶּל, שדי לשון ירייה. וכן הוא אומר או יֵלה יַיָּרֶה (שמות יט, יג), או אָשְׁמְדֶּלָה אִישְׁמָּדֵי, והתי"ו משחמש באלו במקום החפעל: ומבחר. שם דבר, כמו מרכב, משכב, מקרא קדש: טבעו. אין טביעה אלא במקום טיט, כמו טַבַעַתִּי בִּיוָן מָלוּלָה (תהלים סט, ג), וַיָּטְבָּע יִרְמִיָהוּ בַּטִּיט (ירמיה לֹח, ו. מכילתא פ"ד). מלמד שנעשה הים טיט, לגמול להם כמדתם ששעבדו את ישראל בחומר ובלבנים:
- יכסימו. כמו יכסום, והיו"ד האמלעית יתירה בו, ודרך מקראות בכך, כמו וּבַקַרְדְּ וְלֹאנְדְּ יִרְבִּין (דברים ח, יד), יְרְוֹיֻן מַדָּשָׁן בַּימָך (תהלים לו, ט), והיו"ד ראשונה שמשמעה לשון עתיד, כך פרשוהו, טבעו בים סוף כדי שיחזרו המים ויכסו אותן. יכסיומו, אין דומה לו במקרא בנקודתו, ודרכו להיות בנקודתו יכסיומו במלא"פום (גם כאן מוכח להיות חולם כמ"ש): כמו אבן. ובמקום אחר לללו כעופרת, ובמקום אחר יאכלמו כקש, הרשעים כקש, הולכים ומטורפין עולין ויורדין. בינונים כאבן, והכשרים כעופרת, שנחו מיד:
- (6) ימינך. שני פעמיס, כשישראל עושין רלונו של מקום השמאל נעשית ימין: ימינך ה' נאדרי בכח. להליל את ישראל, וימינך השנית תרעץ אויב. ולי נראה, אותה ימין עלמה תרעץ אויב, מה שאי אפשר לאדם לעשות שתי מלאכות ביד אחת. ופשוטו של מקרא, ימינך הנאדרת בכח מה מלאכחה, ימינך, היא תרעץ אויב, וכמה מקראות דוגמתו, כִּי הְנֵה אֹיבֶיךְ ה' כִּי הִנְּה חִיבֶּיךְ יחֹבֵדוּ (מהלים לב, י), עַד מָתַי רְשָׁעִים ה' עַד מְתַי רְשָׁעִים יַעֲלוּוּ (שם לד, ג), נְשְׁחוּ וְהֶרוֹת ה' נְשְׁחוּ וְהֶרוֹת קוֹלֶם (שם לג, ג), לא לָנוּ ה' לא לָנוּ (שם קטו, א), אָעֵנֶה וָאָם ה' אָעֵנֶה אָת הַשְּׁמָיִם (הושע ב, כג), אָלֹכִי לַה' אָלֹכִי אָשְׁיִרֶה (שופטים ה, ג), לוּלֵי ה' וגו' לוּלֵי ה' שֶׁהֶיָה לַנוּ בְּקוּם עַלֵינוּ אָדָם (תהלים קכד, אב), עוּרִי עוּרִי דְּבוֹרָה עוּרִי עוּרִי דְּבִּרִי שִׁיר (שופטים ה, יב), ּ מָּרִמֶסַנֶּה רָגֶל רַגְלֵי עָנִי (ישעיה כו, ו), וְנָחַן חַׁרְגַס לְנַחֵלָה נִחַלָה לִיְשְׁרָחֵל עַבְּדֹּו (תהלים קלו, כאכב): באדרי. היו"ד יתירה, כמו רַבָּתִי עֶם, שָׁרֶתִי בַּמִּדִינוֹת (איכה אֹ, אֹ), גְּנְבָתִי יוֹם (בראשית לא, לט): תרעץ אויב. תמיד היא רועלת ומשברת האויב, ודומה לו וַיִּרְעֵלוּ וַיִּרֹלְנוּ אֹת בָּגִי יִשְׁרָאֵל, בשופטים (י, ח). (דבר אחר, ימינך הנאדרת בכח היא משברת ומלקה אויב): (7) וברב גאוגך. אם היד בלבד רועלת האויב, כשהוא מרימה ברוב גאונו אז יהרוס קמיו, ואם ברוב גאונו לבד אויביו

And with the blast of Thy nostrils the waters were piled up— The floods stood upright as a heap; The deeps were congealed in the heart of the sea.

The enemy said: 'I will pursue, I will, overtake, I will divide the spoil; My lust shall be satisfied upon them; I will draw my sword, my hand shall destroy them.'

Thou didst blow with Thy wind,
the sea covered them; They sank as lead in the mighty waters.

יּרְמֵימֵר פּוּמָךְ חֲכִימוּ מַיָּא קָמוּ כְשוּר אָזְלַיָּא קְפּוֹ תְהוֹמֵי בָּלְבָּא דְיַמָּא:

דַּהָוָה אָמַר סְנְאָה אֶרְדּוֹף אַדְבֵּיק אֲפַלֵּיג בִּזְּתָא תִּסְבַּע מִנְּהוֹן נַפְשִׁי אֶשְׁלוֹף חַרְבִּי תִּשִׁיצִינוּן יִדִי:

אָמַרְתְּ בְּמֵימְרָךְ חֲפָּא עֲלֵיהוֹן יַפָּא אִשְׁתְּקעוּ כַּאֲבָרָא בְּמַיִין תַּקִּיפִין:

וּבְרָוּחַ אַפֶּּיף נֶעֶרְמוּ מַּׁיִם נִאְבְוּ כְמוֹ־נֵּדְ נֹזְלֵים קְפְּאָוּ תְהֹמִת בִּלֵב־יֵם:

אָמֶר אוֹנֶב אֶרְדּף אַשִּׂיג אֲחַלֵּק שֶׁלֶל תִּמְלָאֵמוֹ נַפְשִּׁי אָרֵיק חַרְבִּׁי תּוֹרִישֵׁמוֹ יָדִי:

ַ נְשַׁפְתָּ בְרוּחֲדָּ כִּפְּמוֹ יָם צֵּלְלוּ בֵעוֹבֵּרָת בִּמֵים אָדִּירֵים:

נהרסים, ק"ו כששלח גם חרון אף יאכלמו: תהרם. ממיד אחה הורס קַמֶידְּ הקמים נגדך, ומי הם הקמים כנגדו, אלו הקמים על ישראל, וכן הוא אומר, פִּי הַגֵּה אוֹיְבֶידְּ יֶהֶמֶיוּן (תהלים פג, ג), ומה היא ההמיה, עַל עַמְּדְּ יַעֲרִימוּ סֹוד (שם שם, ד), ועל זה קורא אותם אויביו של מקום:

- (8) וברוח אפיך. היולא משני נחירים של אף, דְבֶּר הכתוב כביכול בשכינה דוגמת מלך בשר ודם, כדי להשמיע אוזן הבריות כפי ההוה, שיוכלו להבין דבר. כשאדם כועם יולא רוח מנחיריו, וכן עַלֶּה עָשֶׁן בְּאַפּׁו (תהלים יח, ט), וכן ומְרוּחַ אַפֿו יִכְלוּ (איוב ד, ט), וזהו שאמר לְמַעַן שָׁמִי אַאַבִּיך אַפִּי (ישעיה מח, ט), כשועפו נחה נשימחו ארוכה, וכשהוא כועם נשימחו קלרה. וחָהְלַּחִי אָהֶטֶם לֶךְ (שם), ולמען חהלתי אשים חטם באפי, לסתום נחירי בפני האף והרוח שלא ינאו. לך, בשבילך. אחטם, כמו נאקה בחטם, במסכת שבת (נא:), כך נראה בעיני. וכל אף וחרון שבמקרא אני אומר כן, חרה אף, כמו וְעַלְמִי חַרֶה מִנִּי חֹרֶב (איוב ל, ל), לשון שרפה ומוקד, שהנחירים מתחממים ונחרים בעת הקלף וחרון, מגזרת חרה, כמו רלון מגזרת רלה, וכן חמה לשון חמימות, על כן הוא אומר וַחַמֵּחו בַּעַרָה בו (אסתר א, יג), ובנוח החמה אומר, נחקררה דעתו: בערמו מים. אונקלום מתוקד מחוק ולשון לחות המקרא כמו עבתת השירים ז, ג), ונלבו כמו נד יוכיח: בערמו מים. ממוקד רוח שילא מאפך יבשו המים, והם נעשו כמין גלים וכריות של ערימה שהם גבוהים: כמו בד. כתרגומו כשור, כחומה: נד. לשון לָבוּר וכנוס, כמו גֵד קַלִיר בִּיוֹם נַחֲלָה (ישעיה יז, יא), כֹגַס כַּגַד (תהלים לג, ו), לא כתב כונס כנאד אלא כנד, ואילו היה כנד כמו כנאד, וכונס לשון הכנסה, היה לו לכתוב מכנים כבנאד מי הים, אלא כונס לשון אוסף ולובר הוא, וכן קמו גד אָסָד (יהושע ג, טו), וְיַעַמְדוּ גֵד אָסָד (שם יג), ואין לשון קימה ועמידה בנאדות אלא בחומות ולבורים, ולא מלינו נאד נקוד אלא במלאפו"ס (חול"ס), כמו שִׁימָה דְמִעָמִי בְּנֹאדֶךְ (תהלים נו, ט), אָת נאוד הֶחְלֶב (שופטים ד, כ): קפאו. כמו וְכַנְּבִינְה קַקְפִּיחָנִי (איוב י, ו), שהוקשו ונעשו כאבנים, והמים זורקים את המלרים על האבן בכח ונלחמים בם בכל מיני קושי: בלב ים. בחוזק הים, ודרך המקראות לדבר כן, עד לֵב הַשְּׁמֵיִם (דברים ד, יא), בַּלֵב הָאַלֶּה (שמואל־ב יח, יד), לשון עקרו ותקפו של :737
- (9) אמר אויב. לעמו, כְּשֶׁפְּסֶס בדברים ארדוף ואשיגם ואחלק שלל עם שרי ועבדי: תמלאמו. ממלא מהם נפשי. רוחי ורלוני, ואל מחמה על תיבה המדברת בשתים, תמלאמו תמלא מהם, יש הרבה כלשון הזה, כִּי שֶּכֶרְ הַבֶּנֶגְ נְחַפְּנִי חֹת יֹחֹל מחמה על תיבה המדברת בשתים, תמלאמו תמלא מהם, יש הרבה כלשון הזה, כִּי , כמו ינאו ממני. מִקְפֵּר אָלְי יִרמיה י, כ), כמו ינאו ממני. מִקְפֵּר נְשָׁבִי שַׁגִּי יְבָּי וְנִי בְּּנִי (אִיוּב לֹא, לו), כמו אגיד לו. אף כאן ממלאמו, ממלא נפשי מהם: אריק חרבי. אשלוף, ועל שם שהוא מריק את התער בשליפתו ונשאר ריק, נופל בו לשון הרקה, כמו מְרִיקִים שַּבְּיבֶם (בראשית מב, לה), וְכֵלִיו יָרִיקוּ (ירמיה מח, יב). ואל תאמר, אין לשון ריקות נופל על היולא, אלא על החיק ועל השק ועל הכלי שילא ממנה, אבל לא על החרב ועל היין, ולדחוק ולפרש אריק חרבי כלשון וַיָּבֶק אֶת הַּנִיכִיו (בראשית יד, יד), אזדיין בחרבי, מנינו הלשון מוסב אף על היולא, שֶׁמֶן חּוֹרַק (שיר השירים א, ג), וְלֹא הוּרַק מִכְלִי מַלְלִי (ירמיה מח, יא). לא הורק הכלי אין כתיב כאן, אלא לא הורק היין מכלי אל כלי, מנינו הלשון מוסב על היין, וכן וְהַרִיקוּ חַרְבֹנְסִם עַל יְפִי חָכְמֶסֶךְ (יחזקאל כח, ז), דחירם: תורישמו. לשון רישות ודלות, כמו מוּרִישׁ וּמְעַשָּיר (שמואל-א ב, ז):
- (10) נשפת. לשון הפחה, וכן וְגַס נָשַׁף בָּהֶס (ישעיה מ, כד): צללו. שקעו, עמקו לשון מלולה: כעופרת. אבר, פלו"ס בלע"ז:

Who is like unto Thee, O LORD,

among the mighty? Who is like
unto Thee, glorious in holiness,
Fearful in praises, doing wonders?

Thou stretchedst out Thy right
hand— The earth swallowed them.

Thou in Thy love hast led the people that Thou hast redeemed; Thou hast guided them in Thy strength to Thy holy habitation.

The peoples have heard, they tremble; Pangs have taken hold on the inhabitants of Philistia.

Then were the chiefs of Edom affrighted; The mighty men of Moab, trembling taketh hold upon them; All the inhabitants of Canaan are melted away.

Terror and dread falleth upon them; By the greatness of Thine arm they are as still as a stone; Till Thy people pass over, O LORD, Till the people pass over that Thou hast gotten.

Thou bringest them in, and plantest them in the mountain of Thine inheritance, The place, O LORD, which Thou hast made for Thee to dwell in, The sanctuary, O Lord, which Thy hands have established.

לֵית בָּר מִנְּדְ אַתְּ הוּא אֶלְהָא יָיָ לֵית אֱלָה אֵלָא אַתְּ אַבִּיר בְּקוּדְשָׁא דְּחִיל תּוּשְׁבְּחָן עָבֵיד פַּרִישׁן:

אַרִימָהְ יַמִּינָךְ בְּלַעַתְנוּוּן אַרִימָהְ יַמִּינָךְ בְּלַעַתְנוּוּן

דַּבַּרְהִי בְּטָבְוֶתְּדְּ לְעַמָּא דְּנָן דִּפְּרַקְתָּא דַּבַּרְהִי בְּתוּקְפְּדְּ לִדִירָא דְּקוּרְשָׁךְ:

שָׁמֵעוּ עַמְמַיָּא וְזָעוּ דַּחְלָא אֲחַדַתְנוּוְ לְדַהֲווֹ יָתְבִין בִּפְּלָשֶׁת:

בְּכֵן אִתְבְּהִילוּ רַבְרְבֵי אֶדוֹם תַּקִּיפֵי מוֹאָב אֲחַדְנּוּן רְתֵיתָא בִּכְנַעַן:

תִּפּוֹל עֲלֵיהוֹן אֵימְתָא וְדַחְלְתָא בִּסְגֵּי תּוּקְפָּךְ יִשְׁחְסִוּן כְּאַבְנָא עַד דְּיִעְבַּר עַמָּךְ יְיָ יָת אַרְנוֹנָא עַד דְּיִעְבַּר עַמָּא דְּנָן דִּפְרַקְתָּא יָת יַרְדְּנָא:

אַמִילְנּוּן וְתַשְׁרֵינוּן בְּטוּרָא אַכִינְתָּךְ אַתְקֵינְתָּא יְיָ מַקְּדְּשָׁא אַרְינְתָּךְ אַתְקֵינְתָּא יְיָ מַקְּדְּשָׁא אַרְיִּנְנָּוּן וְתַשְׁרֵינוּן בְּטוּרָא

מֶי־כָמָּכָה בָּאֵלִם יְהוְּה מֵי כָּמָּכָה נָאְדֵּר בַּמְּדֵשׁ נוֹרֵא תְהִלִּת עִשֵּׁה פֶּלֶא:

יַ נְמִיתָ יְמֵינְךְּ תִּבְלְעֵמוֹ אֶרֶץ:

ַנְתִיתָ בְחַסְרְּךָּ עַם־זַוּ גָּאֶלְתְּ נַתַלְתִּ בְעָזִּךָּ אֶל־נְגֵת קִרְשֶׁרְּ:

י שֲׁמְעִּוּ עַמֵּים יִרְנְּזְוּן חֵיל אָחַׁז. ישְׁבֵי פְּלֶשֶׁת:

ָ אָז נִבְהַלוּ אַלּוּפֵּי אֶדְוֹם אֵילֵי מוֹאָב יְאחֲזֵמוֹ רָעַד נָמגוּ כָּל ישָׁבֵי כְנָעַן:

תּפֵּל עֲלֵיהֶם אֵימֶׂתָה וְפַּׁחַד בּגְדָל זְרוֹעֲךָ יִדְמָוּ כָּאָבֶן עַד־יַעֲבָר יַעֲבָר עַמְּךְ יְהוָה עֵד־יַעֲבָר עַם־זִּוּ קָנֵיתָ:

ְ תְּבָאֵמוֹ וְתִּשְּׁעֵמוֹ בְּהַר נַחֲלֶתְהְּ מָכְוֹן לְשִׁבְתְּךָּ פְּעַלְתִּ יְהוְֹגִה מִקָּדָשׁ אֲדֹנֵ כּוֹנִנִּ יָבֵיף:

- (11) באלים. בחזקים, כמו וְאֶת חֵּילֵי הָאָרֶץ לָקָת (יחזקאל יז, יג), חֱיָלוּתִי לְעֶזְרָתִי חוּשָׁה (תהלים כב, כ): נורא תהלת. יראוי מלהגיד תהלותיו פן ימעטו, כמ"ש לָךְ דְּמִיַּה מִהָּלָּה (שם סה, ב):
- (12) גשית ימיגך. כשהקב"ה נוטה ידו, הרשעים פָלִים ונופלים, לפי שהכל נחון בידו ונופלים בהטייחה, וכן הוא אומר, וה' יַשֶּה יָדוֹ וְכָשֵל עוֹזֵר וְנָפֶל עָזָר (ישטיה לא, ג), משל לכלי זכוכית הנחונים בידי אדם, מטה ידו מעט והן נופלין ומשתברין: תבלעמו ארץ. מכאן שזכו לקבורה, בשכר שאמרו ה' הלדיק:
 - (13) נהלת. לשון מנהל. ואונקלוס תרגם לשון נושא וסובל, ולא דקדק לפרש אחר לשון העברית:
- (14) ירגזון. מתרגזין: ישבי פלשת. מפני שהרגו את בני אפרים, שמיהרו את הקץ ויצאו בחזקה, כמפורש בדברי הימים, והרגום אנשי גת:
- (15) אלופי אדום אילי מואב. והלא לא היה להם לירא כלום, שהרי לא עליהם הולכים, אלא מפני אנינות (מכילתא שירה פ"ט), שהיו מתאוננים ומצטערים על כבודם של ישראל: פ"ט), שהיו מתאוננים ומצטערים על כבודם של ישראל: עלינו הם באים, לכלותינו ולירש את ארצנו:
- (16) תפול עליהם אימתה. על הרחוקים: ופחד. על הקרונים, כענין שנאמר כִּי שְׁמַעְנוּ אֵח אֲשֶׁר הֹונִישׁ וגו' (יהושע ב, י. מכילחא שירה פ"ט): עד יעבור. עד יעבור. כתרגומו: קנית. חגנת משאר אומות, כחפץ הקנוי גדמים יקרים שחביב על האדם:

The LORD shall reign for ever and

For the horses of Pharaoh went in with his chariots and with his horsemen into the sea, and the LORD brought back the waters of the sea upon them; but the children of Israel walked on dry land in the midst of the sea.

And Miriam the prophetess, the sister of Aaron, took a timbrel in her hand; and all the women went out after her with timbrels and with dances.

And Miriam sang unto them: Sing
²¹ ye to the LORD, for He is highly
exalted: The horse and his rider
hath He thrown into the sea.

And Moses led Israel onward from the Red Sea, and they went out into the wilderness of Shur, and they went three days in the wilderness, and found no water. יָנְ מַלְכוּתֵיהּ לְעָלְמָא וּלְעָלְמֵי עלמיאי

אֲרֵי עָאלוּ סוּסְנְת פַּרְעֹה בִּרְתִכּוֹהִי וּבְפָּרָשׁוֹהִי בְּיַמָּא וַאֲתֵיב יְיָ עֲלֵיהוֹן יָת מֵי יַמְּא וֹבְנֵי יִשְׂרָאֵל הַלִּיכוּ בְּיַבֶּשְׁתְּא בְּגוֹ יַמָּא:

וּנְסֵיבַת מָרְיָם נְבִיאֲתָא אֲחָתֵיה דְאַהָרֹן יָת תּוּפָּא בִּידַה וּנְפַּקָא הַבְחָנִגִין:

וּמְעַנְיָא לְהוֹן מִרְיָם שַׁבַּחוּ וְאוֹרוֹ קֵּדָם יְיָ אֲרֵי אִתְגְּאִי עַל גִּיוְתָנַיָּא וְגֵיאוּתָא דִּילֵיה הִיא סוּסְיָא וְרָכְבֵיה רְמָא בְיַמָּא:

וְאַפֵּיל מֹשֶׁה יָת יִשְׂרָאֵל מִיַּמְּא דְסוּף וּנְפַקוּ לְמַדְבְּרָא דְּחַגְּרָא נִאֲזַלוּ תְּלָתָא יוֹמִין בְּמַדְבְּרָא וְלָא אַשִּׁכַּחוּ מַיָּא: יּהְוָה וּ יִמְלְדְּ לְעֹלְם וָעֶד: 18

בֵּי בָא[°] סׄוּס פַּרְעׄה בְּרְכְבָּוֹ וּ וּבְפָּרָשִׁיוֹ בַּיָּם וַיְּשֶׁב יְהֹוֶה ּ עֲלֵהֶם אֶת־מֵי הַיָּם וּבְנֵי ^{וּ} יִשְׂרָאֶל הָלְכִוּ בַיַּבְּשֶׁה בְּתִוֹךְ ^{וְ} הַיֵּם: (פ)

וַתִּפַח מְרְיָם הַנְּבִיאָה אֲחָוֹת אֲהָרָן אֶת־הַתִּּף בְּיָדֶה וַתֵּצֶאן כְל־הַנְשִׁים אַחֲלֶּיהָ בְּּתֻפָּים ירטחלס:

וַתַּעַן לְהֶם מִרְיָם שֵּׁירוּ לִיהוָה בִּי־גְאַה גָּאָה סִוּס וְרֹכְבִוּ רָמֵה בַיֵּם: (ס)

וַיַּסַּׁע מֹשֶׁה אֶת־יִשְׂרָאֵל' מִיַּם־ סוּף וַיִּצְאָנּ אֶל־מִדְבַּר־שָׁנִּר וַיֵּלְכָנִ שְׁלְשֶׁת־יָמֶים בַּמִּדְבֶּר וָלֹא־מֵצָאוּ מֵיִם:

- (17) תביאמו. נתנבא משה שלא יכנס לארץ, לכך לא נאמר תביאנו, (נראה שלא יכנסו לארץ וכו', והכי אימא בהדיא פרק יש נוחלין (בבא בתרא דף קי"ט:) ובמכילתא (שם פ"י), הבנים יכנסו ולא האבות, אף שלא נגזרה גזירת מרגלים עדיין, מכל מקום נוחלין (בבא בתרא דף קי"ט:) ובמכילתא (שם פ"י), הבנים יכנסו ולא האבות, אף שלא נגזרה גזירת מרגלים עדיין, מכל מקדש. ניבא ולא ידע מה ניבא. מהרש"ל): מכון לשבתך. מקדש של מטה מכוון כנגד כסא של מעלה אשר פעלת: מקדש. מקדש השולם נברא ביד הטעם עליו זקף גדול, להפרידו מתיבת השם שלאחריו, המקדש אשר כוננו ידיך ה'. חביב בית המקדש, שהעולם נברא ביד אחת, שנאמר אַף יְדִי יָקְדָה אֶרֶן (ישעיה מח, יג), ומקדש בשתי ידים, ואימתי יבנה בשתי ידים, בזמן שה' ימלוך לעולם ועד, לעתיד לבא שכל המלוכה שלו:
- (18) לעולם ועד. לשון עולמית הוא, והוי"ו בו יסוד, לפיכך הוא פתוחה, אבל וְאָלֹכִי הַיּוֹדֵע וְעֵד (ירמיה כט, כג), שהוי"ו בו שמוש, קמולה היא:
 - (19) כי בא סוס פרעה. כאשר גא:
- (20) ותקח מרים הגביאה. היכן נתנגאה, כשהיתה אחות אהרן קודם שנולד משה, אמרה עתידה אמי שתלד בן וכו', כדאיתא בסוטה (יב:). דבר אחר אחות אהרן, לפי שמסר נפשו עליה כשנצטרעה, נקראת על שמו: את התף. כלי של מיני זמר: בתופים ובמחולות. מובטחות היו צדקניות שבדור שהקב"ה עושה להם נסים, והוציאו תופים ממצרים:
- (21) ותען להם מרים. משה אמר שירה לאנשים, הוא אומר והם עונין אחריו, ומרים אמרה שירה לנשים (מכילחא פ"י):
- (22) ויסע משה. הסיען בעל כרחם, שעטרו מלרים את סוסיהם בתכשיטי זהב וכסף ואבנים טובות, והיו ישראל מולאין אותם בים, וגדולה היתה ביזת הים מביזת מלרים, שנאמר חוֹרֵי זַבְּב נְעֲשֶׁה לָךְּ עִם נְקְדֹּות הַבְּפֶּחָף (שיר השירים א, יא. מכילתא פסחא סוף פי"ג), לפיכך הולרך להסיען בעל כרחם:

And when they came to Marah, they could not drink of the waters of Marah, for they were bitter. Therefore the name of it was called Marah.

And the people murmured against

Moses, saying: 'What shall we
drink?'

And he cried unto the LORD; and the LORD showed him a tree, and he cast it into the waters, and the waters were made sweet. There He made for them a statute and an ordinance, and there He proved them;

and He said: 'If thou wilt diligently hearken to the voice of the LORD thy God, and wilt do that which is right in His eyes, and wilt give ear to His commandments, and keep all His statutes, I will put none of the diseases upon thee, which I have put upon the Egyptians; for I am the LORD that healeth thee.'

And they came to Elim, where were twelve springs of water, and three score and ten palm-trees; and they encamped there by the waters. וַאֲתוֹ לְמֶרָה וְלָא יְכִילוּ לְמִשְׁתֵּי מַיָּא מִפְּרָה אֲבִי מָרִירִין אִנּוּן עַל כֵּן קְרָא שְׁמַה מָרָה:

וְאָתְרָעַמוּ עַמָּא עַל מֹשֶׁה למימר מא נשתי:

וְצַלִּי קֵּדְם וְיָ וְאַלְפֵּיה וְיָ אָעָא וּרְמָא לְמַיָּא וּבְסִימוּ מַיָּא תַּמָּן גְּזַר לֵיה קְיָם וְדִין וְתַמָּן נַסְּיֵיה:

מַנִּם מִפְּּלָה בֵּי מְרָים הֵם עַל־ בֵּן קָרָא־שְּמָה מָרָה:

וַיִּצְעַק אֶל־יְהנְּה וַיּוֹכָהוּ יְהנְה' וְ עִץ וַיַּשְׁלֵךְ אֶל־הַמַּיִם וַיִּמְתְּקוּ וּ הַמָּיִם שֶׁם שֶׁם לָוֹ חָׁק וּמִשְׁפָּט וְ וַשֵּׁם נָסָהוּ:

וַיּאמֶר אָם־שָׁמוֹעַ תִּשְׁמַׁע לְקּוֹלוּ וְאֲמֵר אָם קַבְּלְא תְקַבֵּיוּ יְחֹנְׁה אֱלֹהֶיף וְחַיָּשֶׁר בְּעֵינְיוֹ לְמֵימְרָא דִּייִ אֱלְהְדְּ וּדְּכְשׁוּ תַּעֲשֶׂה וְהָאֲזַנְתָּ לְמִצְּוֹתְיוֹ קֶּלְמוֹהִי וְתִּשֵּׁר כִּל קִנְמוֹהִ וְשְׁמַרְתָּ כְּל־חָקָיוֹ בְּלִבְיוֹם לֹא־ כְּלְמִיתִוֹ דְּשַׁיִּיתִי בְּמִצְרַיִּנ אֲשֶׁר שַׂמְתִּי בְמִצְרַיִם לֹא־ כְּלְ מַרְעִין דְשַׁיִּיתִי בְּמִצְרַיִּנ אָשֵּׁים עְלֶּיִךְ בָּי אֲנֵי יְהָוָה אֶסְךֵ: רִפְּאֶךְ: (ס)

נְיָּבְאוּ אֵילְמָה וְשָּׁם שְׁתֵּים נַאֲתוּ לְאֵילִים וְתַּמָּן תְּרֵי עֲסָר עִיבְת מֵיִם וְשִׁבְעִין דִּקְלִין תְּשָׁרֶה עֵינָת מֻיִם וְשִׁבְעֵים מַבּוּעִין דְּמַיִן וְשִּבְעִין דִּקְלִין תְּמָרֶים וַיַּחֲנוּ־שָׁם עַל־הַמָּיִם: וּשְׁרוֹ תַּמָּן עַל מַיָּא:

(23) ויבאו מרתה. כמו למרה. ה"א בסוף חיבה במקום למ"ד בחחלתה, והחי"ו היא במקום ה"א הטדשת בתיבת מרה, ובסמיכתה כשהיא נדבקת לה"א שהוא מוסיף במקום הלמ"ד, תהפך הה"א של שרש לחי"ו, וכן כל ה"א שהיא שרש בתיבה מתהפך לתי"ו בסמיכתה. כמו חַמֶּה חֵין לִי (ישעיה כז, ד), וַחֲמָלוֹ בְּעֲרָה בֹּו (אֹסְתר אֹ, יב), הרי ה"א של שורש נהפכת לחי"ו מפני שנסמכת אל הוא"ו הנוספת. וכן עבד ואמה, הַגֵּה חֲׁמֶחִי בִּלְהָה (בראשית ל, ג). לְנֶפֶשׁ חַיָּה (שם ב, ז), וְזְהַמַלּו חַיָּלוּ לָמֶח (אֹוב לֹג, כ). בִּין הְרָמֶה (שופטים ד, ה), וְחָשֻׁבָּלוֹ הְרָמֶה (שמואל־א ז, יו):

(24) וילגו. לשון נפעל הוא, וכן התרגום לשון נפעל הוא, וְאַמְרֶעֶמוּ, וכן דרך לשון תלונה להסב הדבור אל האדם, מתלונן, מתרועם, ולא אמר לונן, רועם, וכן יאמר הלועז דקומפ"ל ישנ"ק שי"י מוסב הדבור אליו באמרו שי"י:

(25) שם שם לו. במרה נתן להם מקצת פרשיות של תורה שיתעסקו בהם, שבת, ופרה אדומה, ודינין (סנהדרין נו:): ושם גםהו. לעם, וראה קשי ערפן, שלא נמלכו במשה בלשון יפה, בקש עלינו רחמים שיהיו לנו מים לשתות, אלא נתלוננו:

(26) אם שמוע תשמע. זו קבלה שיקבלו עליהם: תעשה. היא עשייה: והאזגת. מטה אזנים לדקדק בהם: כל חקיו. דברים שאינן אלא גזירת מלך בלא שום טעם, ויצר הרע מקנטר עליהם, מה איסור באלו, למה נאסרו, כגון לבישת כלאים ואכילת חזיר ופרה אדומה וכיוצא בהם: לא אשים עליך. ואם אשים, הרי הוא כלא הושמה, כי אני ה' רופאך (מכילתא ויסע פ"א), זהו מדרשו. ולפי פשוטו כי אני ה' רופאך, ומלמדך תורה ומצות למען תנצל מהם, כרופא הזה האומר לאדם אל מאכל דברים שמחזירים אותך לידי חולי, וזהו איזון מצות, וכן הוא אומר רְפְּאוֹת מְּהִי לְשֶׁרֶךְ (משלי ג, ח):

(27) שתים עשרה עינת מים. כנגד י"ב שבטיס נודמנו להס: וע׳ תמרים. כנגד שבעיס זקניס:

And they took their journey from Elim, and all the congregation of the children of Israel came unto the wilderness of Sin, which is between Elim and Sinai, on the fifteenth day of the second month after their departing out of the land of Egypt.

And the whole congregation of the children of Israel murmured against Moses and against Aaron in the wilderness;

and the children of Israel said unto them: 'Would that we had died by the hand of the LORD in the land of Egypt, when we sat by the flesh-pots, when we did eat bread to the full; for ye have brought us forth into this wilderness, to kill this whole assembly with hunger.'

Then said the LORD unto Moses:
'Behold, I will cause to rain bread

from heaven for you; and the
people shall go out and gather a
day's portion every day, that I may
prove them, whether they will walk
in My law, or not.

And it shall come to pass on the sixth day that they shall prepare that which they bring in, and it shall be twice as much as they gather daily.'

וּנְטַלוּ מֵאֵילִים וַאֲתוֹ כָּל כְּנִשְׁתָּא דִּבְנֵי יִשְׂרָאֵל לְמַדְבָּרָא דְּסִין דְּבֵין אֵילִים וּבֵין סִינִי בַּחֲמֵישָׁתְּ עַסְרָא יוֹמָא לְיַרְחָא תִּנְיָנָא לְמִפַּקְהוֹן מֵאַרְעָא דִּמָצְרַיִם:

וְאָתְרָעַמוּ כָּל כְּנִשְׁתָּא דִּבְנֵי יִשְׂרָאֵל עַל מֹשֶׁה וְעַל אַהְרֹן בִּמִדְבָּרָא:

נְאֲמַרוּ לְהוֹן בְּנֵי יִשְׂרָאֵל לְנֵי דְּמֵיתָנָא מֶדָם יִי בְּאַרְעָא דּמִּיתָנָא וְסָבְעִין אֲבִי אַפֵּיקְתּוּן לַחְמָא וְסָבְעִין אֲבִי אַפֵּיקְתּוּן יָתַנָּא לְמַדְבְּרָא הָבִין לְקַפֶּלָא יָת כָּל קְהָלָא הָבִין בְּכַפְנָּא:

וַאֲמַר יְיָ לְמֹשֶׁה הָאָנָא מַחֵית לְכוֹן לַחְמָא מִן שְׁמַיָּא וְיִפְּקוּן עַמָּא וְיִלְקְמוּן פִּתְגָם יוֹם בִּיוֹמֵיה בְּדִיל דַּאֲנַסֵינוּן היהכוּן בּאוֹריתי אם לא:

וִיהֵי בְּיוֹמָא שְׁתִיתָאָה וִיתַקְּנוּן יָת דְּיַנְתוֹן וִיהֵי עַל חַד תְּרֵין עַל דְּיִלְקְמוּן יוֹם יוֹם:

וַיִּסְעוּ מֵאֵילָם וַיָּבֿאוּ כְּל־עֲדָת אַשֶּׁר בִּין־אֵילָם וּבֵין סִינְגִ בַּחֲמִשָּׁה עָשֶּׁר יוֹם לַחַדֶּשׁ הַשֵּׁנִי לְצֵאתָם מֵאֶרֶץ מִצְרֵים:

(כ׳ וילינו)[ק׳ וַיִּלּוֹנוּ] כְּל־עֲדָת בְּנִי־יִשְׂרָאֶל עַל־מֹשֶׁה וְעֵל־ אַהַרֹן בַּמִּדְבָּר:

וַיּאמְרֹוּ אֲלֵהֶם בְּגֵי יִשְּׂרְאֵׁל מִי־יִמֵּן מוּתַנוּ בְיַד־יְהוָה בְּאָרֶץ מִצְרַיִם בְּשִׁבְתֵנוּ עַל־פִיר הַבְּשָּׁר בְּאָכְלֵנוּ לֶחֶם לְשָּׁבַע כִּי־הוֹצֵאתֶם אֹתְנוּ אֶל־הַמִּדְבְּר הַנָּה לְהָמֵית אֶת־כְּל־הַמְּדְבְּר הזה ברעב: (ס)

וַיָּאמֶר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה הִנְנִי מַמְמֶיר לְכֶם לֶחֶם מִן־הַשְּׁמְיִם וְיָצָא הָעֶם וְלֶקְמוּ דְּבַר־יַוֹם בִּיוֹמֹוֹ לְמַעַן אָנַפֶּנוּ הֲיֵלֵךְ בּתוֹרתי אם־לֹא:

ְוְהָיָהֹ בַּיַּוֹם הַשִּׁשִּׁי וְהֵכְינוּ אֵתְ וִ אֲשֶׁר־יָבְיאוּ וְהָוָה מִשְׁנֶּה עַל : אֲשֶׁר־יִלְקְטָוּ יָוֹם : 'יֹם:

- (1) בחמשה עשר יום. נתפרש היום של חנייה זו, לפי שבו ביום כלתה החררה שהוליאו ממלרים והולרכו למן, למדנו,
 שאכלו משירי הבלק (או משירי המלה) ששים ואחת סעודות, וירד להם מן בט"ז באייר, ויום א' בשבת היה, כדאיתא במסכת שבת (פז:):
 - (2) וילונו. לפישכלה הלחם:
- (3) מי יתן מותבו. שנמות, ואינו שם דבר כמו מותנו (בחולם), אלא כמו עשותנו, חנותנו, שובנו, לעשות אנחנו, לחנות אכחנו, למוח אנחנו. ותרגומו לְוַי דְמִיקְנָא, לו מתנו, הלואי והיינו מחים:
- (4) דבר יום ביומו. לורך אכילת יום ילקטו ביומו, ולא ילקטו היום ללורך מחר (מכילתא ויסע פ"ב): למען אנסנו הילך בתורתי. אם ישמרו מלות התלויות בו, שלא יותירו ממנו, ולא ילאו בשבת ללקוט:
- (5) והיה משנה. ליום ולמחרת: משנה. על שהיו רגילים ללקוט יום יום של שאר ימות השבוע. ואומר אני אשר יביאו והיה משנה, לאחר שיביאו ימלאו משנה במדידה, על אשר ילקטו וימדו יום יום, וזהו לְקְטוּ לֶּחֶם מִשְׁנֶה, בלקיטמו היה נמלא לחם משנה, וזהו עַל כֵּן הוּא נֹחֵן לָכֶם בַּיּוֹם הַשְׁשֵׁי לֶחֶם יוֹמִים, נותן לכם ברכה (פויש"ן) בבית, למלאות העומר פעמים ללחם יומים:

And Moses and Aaron said unto all 6 the children of Israel: 'At even, then ye shall know that the LORD hath brought you out from the land of Egypt;

and in the morning, then ye shall see the glory of the LORD; for that He hath heard your murmurings against the LORD; and what are we, that ye murmur against us?

And Moses said: 'This shall be, when the LORD shall give you in the evening flesh to eat, and in the morning bread to the full; for that the LORD heareth your murmurings which ye murmur against Him; and what are we? your murmurings are not against us, but against the LORD.'

And Moses said unto Aaron: 'Say unto all the congregation of the children of Israel: Come near before the LORD; for He hath heard your murmurings.'

And it came to pass, as Aaron spoke unto the whole congregation of the children of Israel, that they looked toward the wilderness, and, behold, the glory of the LORD appeared in the cloud.

וַאֲמַר מֹשֶׁה וְאַהֵרֹן לְכָל בְּנֵי יִשְׁרָאֵל בְּרַמְשָׁא וְתִדְּעוּן דְּמַצְרָיִם:

וּבְצַפְּרָא וְתִחְזוֹן יָת יְקְרָא דִּייָ בְּדִשְׁמִיעָן קֶּדְמוֹהִי תּוּרְצֵמְתְכוֹן עַל יִיְ וְנַחְנָּא מָא אַרֵי מִתְרָעַמְתּוּן עַל־נָא:

נְאָמַר מֹשֶׁה בְּדְיָתֵין יְיָ לְכוֹן בְּרַמְשָׁא בִּסְרָא לְמֵיכֵל וְלַחְמָא מֶתְרָצְמִין צְלוֹהִי וְנַחְנָא מָא לָא מֶתְרָצְמִין צְלוֹהִי וְנַחְנָא מָא לָא מָתְרָצְמִין צְלוֹהִי וְנַחְנָא מָא לָא מֵימָרָא דִּייַ:

וֹאֲמַר מֹשֶׁה לְאַהֲרֹן אֵימַר לְכָל כְּנִשְׁתָא דְּבְנֵי יִשְׂרָאֵל קְרוּבוּ קָרָם יִיָּ אֲבֵי שְׁמִיעָן קֵדָמוֹהִי תּוּרְעֲמָתְכוֹן:

וַהֲנָה כַּד מַלֵּיל אַהֲרֹן עם כָּל כְּנִשְׁתָא דִּבְנֵי יִשְּׂרָא וַאִּתְפָּנִיאוּ לְמַדְבְּרָא וְהָא יְקָרָא דֵּיי, אִתְגְּלִי בַּעֲנָנָא:

וַיָּאמֶר מֹשֶׁה וְאַהֲרֵּן אֱל־כְּל־ בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל עֶּרֶב וְיִדְעְהֶּם כְּי יְהֹוֶה הוֹצִיא אֶתְכֶם מֵאֶרֶץ מִצְרֵים:

וּבֹקֶר וּרְאִיתֶם אֶת־כְּבְוֹד יְהוָה בְּשְׁמְעִוֹ אֶת־תְּלֻנֹּתִיכֶם עַל־יְהוָה וְנַחְנוּ מְה כִּי (כ׳ תלונו)[ק׳ תַּלִּינוּ] עָלֵינוּ:

וַיַּאמֶר מֹשֶׁה בְּתֵת יְהוְהֹ לְכֶּם בָּבֶּקֶר לִשְּׁבֵּע בִּשְׁלִזע יְהוְה אֶת־ הַלְנַּתִיכֶּם אֲשֶׁר־אַתֵּם מַלִּינָם עָלְיו וְנַחְנוּ מָה לא־עָלֵינוּ תְלִנֹּתִיכֵם כֵּי עַל־יִהוָה:

וַיָּאמֶר מֹשֶׁה אֶל־אַהָה"ן אֱמֹר אֶל־כְּל־עֲדַת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל קרְבָוּ לִפְנֵי יְהוֹגָה כֵּי שְׁמַׁע אָת תִּלִנֹתִיכֵם:

ַנְיָהִי כְּדַבֶּר אַהָרֹן אֶל־כְּל־ וַ עֲדָת בְּנִי־יִשְּׂרָאֵל נַיִּפְנְוּ אֶל־ יִ הַמִּדְבָּר וְהִנֵּה כְּבַוֹד יְהֹוָה ! נִרָאָה בָּעָנֵן: (פּ)

- (6) ערב. כמו לערצ: וידעתם כי ה׳ הוציא אתכם מארץ מצרים. לפי שאמרתם לנו כי הולאתם אותנו, מדעו כי לא אנחנו המוליאים, אלא ה׳ הוליא אתכם שיגיז לכם את השליו:
- (7) ובקר וראיתם. לא על הכבוד שנאמר וְהְגֵּה כְּבּוֹד ה׳ נְרְטָּה בֶּעָבְן נאמר, אלא כך אמר להם, ערב וידעתם כי היכולת בידו ליתן תאותכם, ובשר יתן, אך לא בפנים מאירות יתננה לכם, כי שלא כהוגן שאלתם אותו, ומכרס מלאה, והלחם ששאלתם לורך בירידתו, לבקר תראו את כבוד אור פניו, שיורידוהו לכם דרך חבה בבקר, שיש שעות להכינו, וטל מלמעלה וטל מלמטה כמונח בקופסא: תלנותיכם על ה׳. כמו אשר על ה׳: ונחנו מה. מה אנחנו חשובין: כי תלינו עלינו. שתרעימו עלינו את הכל, את בניכם ונשיכם ובנותיכם וערב רב. ועל כרחי אני זקוק לפרש תלינו בלשון תפעילו, מפני דגשוחו וקרייתו, שאילו היה רפה, הייתי מפרשו בלשון תפעילו, כמו וַיְּלֶן בְּשָׁם עַל משֶׁה (שמוח יז, ג), או אם היה דגוש ואין בו ו״ד ונקרא תלונו, הייתי מפרשו לשון תתלוננו, עכשיו הוא משמע תלינו את אחרים, כמו במרגלים וַיַּלְינוּ עַלִיוּ אָת כַּל הַעָּדָה (במדבר יד, ב):
- (8) בשר לאכול. ולא לשובע, למדה תורה דרך ארץ שאין אוכלין בשר לשובע. ומה ראה להוריד לחם בבקר ובשר בערב, לפי שהלחם שאלו כהוגן, שאי אפשר לו לאדם בלא לחם, אבל בשר שאלו שלא כהוגן, שהרבה בהמוח היו להם, ועוד שהיה אפשר לפי שהלחם שאלו כהוגן. שאי אפשר להם בלא בשר אתם מלינים עליו. את האחרים, השומעים אתכם מחלוננים:
 - (9) קרבו. למקום שהענן ירד:

And the LORD spoke unto Moses, saying:

'I have heard the murmurings of the children of Israel. Speak unto them, saying: At dusk ye shall eat flesh, and in the morning ye shall be filled with bread; and ye shall know that I am the LORD your God.'

And it came to pass at even, that the quails came up, and covered the camp; and in the morning there was a layer of dew round about the camp.

And when the layer of dew was gone up, behold upon the face of the wilderness a fine, scale-like thing, fine as the hoar-frost on the ground.

And when the children of Israel saw it, they said one to another: a'What is it?'—for they knew not what it was. And Moses said unto them: 'It is the bread which the LORD hath given you to eat.

This is the thing which the LORD hath commanded: Gather ye of it every man according to his eating; an omer a head, according to the number of your persons, shall ye take it, every man for them that are in his tent.'

וּמַלֵּיל וְיָ עִם מֹשֶׁה לְמֵימַר:

שָׁמִיעַ קַדָּמֵי יָת תּוּרְעַמָּת בְּנֵי יִשְּׁרָאֵל מַלִּיל עִמְּהוֹן לְמֵימַר בִּין שִׁמְשַׁיָּא תִּיכְלוּן בִּסְרָא וּרָצַפְּרָא תִּסְבְּעוּן לַחְמָא וֹתִדְּעוּן אֲרֵי אָנָא יִיָ אֶלְהַכוֹן:

וַהֲנָה בְרַמְשָׁא וּסְלֵיקּת שְּׁלְיוּ וַחֲפָת יָת מַשְׁרִיתָא וּבְצַפְּרָא הַנָת נָחֲתַת טַלָּא סְחוֹר סְחוֹר לְמַשִּׁרִיתָא:

וּסְלֵיקַת נָחֲתַת טַלָּא וְהָא עַל אַפֵּי מַדְבָּרָא דַּעְדֵּק מָקֻלַּף דַּעְדַּק דְּגִיר כָּגְלִידָא עַל אַרְעָא:

נְחֲזוֹ בְנֵי יִשְּׂרָאֵל נַאֲמֵרוּ גְּבַר לְאַחוּהִי מַנְּא הוּא אֲבִי לָא יְדְעִין מָא הוּא נַאֲמֵר מֹשֶׁה לְהוֹן הוּא לַחְמָא דִּיהַב יְיָ לְכוֹן לִמִיכַל:

דין פּתְגָמָא דְּפַקּיד יְיָ לְקוּטּוּ מִנִיה גְּכַר לְפוֹם מֵיכְלֵיה עוּמְרָא לְגוּלְגוּלְתָא מִנְיַן נַפְשָׁתְכוֹן גְּכַר לְדְבְמַשְׁכְּנֵיה תִּסְבוּן: י וַיְדַבָּר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה לֵאמְר:

שָׁמַּעְתִּי אֶת־תְּלוּנֹת בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל דַבֵּר אֲלֵהֶם לֵאמֹר בֵּין הַשְּׁבְעוּ־לְחָם וִידַעְהֶּם כֵּי אֲנִי יְהַנָּה אֱלֹהִיכֶם:

ְ נִיְהֵי בָשֶּׁרֶב וַתַּעַל הַשְּּלֶּו וַתְּכֵס שֶׁרְבַת הַשַּׁלְ סָבִיב לַמַּחְנֶה: שׁבָבַת הַשַּׁל סָבִיב לַמַּחְנֶה:

ַנּתַּעַל שִּׁכְבַּת הַמָּל וְהִנְּה עַל־ בָּבָּלָּר עַל־הָאָרֶץ: בַּבָּלָּר עַל-הָאָרֶץ:

וַיִּרְאַוּ בְנֵי־יִשְּׂרְאֵׁל וַיּאמְרוּ אֵישׁ אֶל־אָחִיוֹ מָן הוּא כֶּי לְא יְדְעִּוּ מַה־הָוּא וַיָּאמֶר מֹשֶׁה אֲלַהֶּם הָוּא הַלֶּחֶם אֲשֶׁר נְתַּן יְהֹוֶה לְכֶם לְאָכְלֶה:

זֶהְ הַדְּבָר אֲשֶׁר צִּנְּה יְהֹנְּה לִקְטַוּ מִּמֶּנוּ אָישׁ לְפֵּי אָכְלֵוֹ עָׁמֶר לַגָּלְגֹּלֶת מִסְפַּר נַפְשְׁתִיכֶּם אָישׁ לַאֲשֵׁר בִּאָהֵלוֹ תִּקָּחוּ:

- (13) השליו. מין עוף, ושמן מאד (יומא עה::): היתה שכבת הטל. הטל שוכב על המן, ובמקום אחר הוא אומר וּבְּרֶדֶת הַשַּל וֹגו' (במדבר יא, ט), הטל יורד על הארץ, והמן יורד עליו, וחוזר ויורד טל עליו, והרי הוא כמונח בקופסא (יומא עה: מכילתא ויסע פ"ג):
- (14) ותעל שכבת הטל וגר. כשהחמה זורחת, עולה הטל שעל המן לקראת החמה כדרך טל עולה לקראת החמה, אף אם תמלא שפופרת של בילה טל, ותסתום את פיה ותניחה בחמה, היא עולה מאליה באויר. ורבותינו דרשו, שהטל עולה מן הארץ באויר, וכעלות שכבת הטל נתגלה המן, וראו והנה על פני המדבר וגו': דק. דבר דק: מחוספס. מגולה, ואין דומה לו במקרא, ויש לפרש מחוספס, לשון חפיסה וידליסְקְמָא שבלשון משנה, כשנתגלה משכבת הטל, ראו שהיה דבר דק מחוספס בחוכו בין שתי שכבות הטל. ואונקלוס תרגם מקלף, לשון מחשוף הלבן: ככפור. כפור גליד"א בלע"ז בְּעָדַק כגיר, כאבני גיר, והוא מין לבע שחור, כדאמרינן גבי כסוי הדם, הגיר וְהַזְּרְנִיְּר. דַּעְדַק כְּגִיר בְּגְלִידָּא עַל אַרְעָא, דק היה כגיר ושוכב מוגלד כקרח על הארץ, וכן פירושו דק ככפור, שטוח קלוש ומחובר כגליד. דק טינב"ש בלע"ז שהיה מגליד גלד דק מלמעלה, וכגיר שתרגם אונקלום, תוספת הוא על לשון העברית, ואין לו תיבה בפסוק:
 - (15) מן הוא. הכנח מזון הוא, כמו וַיְמַן לְהֶס הַמֶּלֶךְ (דניאל א, ה): כי לא ידעו מה הוא. שיקראוהו בשמו:

And the children of Israel did so, and gathered some more, some less.

And when they did mete it with an omer, he that gathered much had nothing over, and he that gathered little had no lack; they gathered every man according to his eating.

And Moses said unto them: 'Let no man leave of it till the morning.'

Notwithstanding they hearkened not unto Moses; but some of them left of it until the morning, and it bred worms, and rotted; and Moses was wroth with them.

And they gathered it morning by morning, every man according to his eating; and as the sun waxed hot, it melted.

And it came to pass that on the sixth day they gathered twice as much bread, two omers for each one; and all the rulers of the congregation came and told Moses. וַעֲבַדוּ כֵּן בִּנֵי יִשְׂרַאֵל וּלְקַטוּ וַיַּעשוּ־כון בָּנֵי יִשְׁרָאֵל וַיִּלְקְטוּ הַמַּרְבֵּה וָהַמַּמִעֵים:

הַעָּדִיף בעומרא ולא אותר דּאַסְגִּי וּדְאַזִעַר לַא חַסַר גִּבָּר

משה אלהם איש אל־

והוה ביומא שתיתאה בִּנִשְׁתָא וְחַוִּיאוּ למשה:

הַמַּרבָּה וָהַמַּמִעִים לָא החסיר

וילקטו אתו בַבַּקר בַבַּקר אִישׁ כָּפֵּי אַכִלוֹ וָחֵם הַשֵּׁמֵשׁ וְנַמָּס:

קטו לחם

- (16) עומר. שם מדה: מספר נפשותיכם. כפי מנין נפשות שיש לאיש באהלו, תקחו עומר לכל גולגולת:
- (17) המרבה והממעים. יש שלקטו הרבה ויש שלקטו מעט, וכשבאו לביחס, ומדדו בעומר איש איש מה שלקטו, ומלאו שהמרבה ללקוט לא העדיף על עומר לגולגולת אשר באהלו, והממעיט ללקוט לא מלא חסר מעומר לגולגולת, וזהו נס גדול
- (20) ויותירו אנשים. למן ולנילס (שמו"ר כה, י): וירם תולעים. לשון למה: ויבאש. הרי זה מקלל הפוך, שבתחלה הבאיש ולבסוף התליע, כענין שנאמר ולא הבאיש ורמה לא היסה בו, וכן דרך כל המחליעים:
- וחם השמש וגמס. הנשאר בשדה נמוח ונעשה נחלים, ושותין ממנו אילים ולבאים, ואומות העולם לדין מהם וטועמים בהם טעם מן (מכילתא ויסע פ"ד), ויודעים מה שבחן של ישראל. ונמס, פשר, לשון פושרים, ע"י השמש מתחמם ונמס. דישטנ"פריר (לו גיין לו שמעללען), ודוגמתו בסנהדרין בסוף ד' מיתות (סו:):
- (22) לקטו לחם משנה. כשמדדו את לקיטתם באהליהם, מלאו כפלים שני העומר לאחד. ומדרש אגדה, לחם משונה, אותו היום נשתנה לשבח בריחו וטעמו (מכילתאויסע פ"ב), (שאם להגיד ששנים היו והלא כתיב שני העומר לאחד, אלא משונה בטעם וריח): ויגידו למשה. שאלוהו מה היום מיומים, ומכאן יש ללמוד שעדיין לא הגיד להם משה פרשת שבת, שנלטוה לומר להם וַהַיַה בַּיֹוֹם הַשָּׁשֵׁי וְהַכִּינוּ וגו', עד ששחלו חֹת זחת חמר להם הוח חשר דבר ה' שנצטויתי לומר לכם, ולכך ענשו הכתוב, שאמר לו עַד אַנָה מָאַנְהָס, ולא הוליאו מן הכלל:

And he said unto them: 'This is that which the LORD hath spoken:

To-morrow is a solemn rest, a holy sabbath unto the LORD. Bake that which ye will bake, and seethe that which ye will seethe; and all that remaineth over lay up for you to be kept until the morning.'

And they laid it up till the morning, 24 as Moses bade; and it did not rot, neither was there any worm therein.

And Moses said: 'Eat that to-day;

for to-day is a sabbath unto the
LORD; to-day ye shall not find it in
the field.

Six days ye shall gather it; but on the seventh day is the sabbath, in it there shall be none.'

And it came to pass on the seventh
day, that there went out some of
the people to gather, and they
found none.

And the LORD said unto Moses:

'How long refuse ye to keep My
commandments and My laws?

See that the LORD hath given you the sabbath; therefore He giveth you on the sixth day the bread of two days; abide ye every man in his place, let no man go out of his place on the seventh day.'

וְאָמַר לְהוֹן הוּא דְּמַלֵּיל יְיָ שַּבָּא שַּבָּתָא קוּדְשָׁא קְדָם לְמֵיפָא אֵיפּוֹ וְיָת דְּאַתּוּן עֲתִידִין לְבַשָּׁלָא בַּשִּׁילוּ וְיָת בָּל מוֹתָרָא אַצְנַעוּ לְכוֹן למטרא עד צפרא:

וְאַצְנַעוּ יָתֵיהּ עַד צַפְּרָא כְּמָא דְּפַּקֵּיד מֹשֶׁה וְלָא סְרִי וְרִחְשָׁא לָא הַנָת בֵּיהּ:

וַאֲמַר מֹשֶׁה אָכְלוּהִי יוֹמָא בִין אֲבִי שַׁבְּתָא יוֹמָא בִין קָדְם יִיָּ יוֹמָא בִין לָא תַּשְׁכְּחוּנֵיה בָּחַקּלָא:

שָׁתָא יוֹמִין תִּלְקְטוּנֵיה וּבְיוֹמָא שָׁבִיעַאָּה שַׁבִּתָא לַא יְהֵי בֵיה:

וַהֲוָה בְּיוֹמָא שְׁבִיעָאָה וְפַּקוּ מִן עַמָּא לִמִּלִקּט וְלָא אַשִּׁבַּחוּ:

אַתּוּן מְסָרְבִּין לְמִשֵּׁר פָּקּוֹדֵי אַתּוּן מְסָרְבִין לְמִשֵּׁר פָּקּוֹדֵי אֹנְרְיְתִי:

תְזוֹ אֲבֵי יְיָ יְהַב לְכוֹן שַּׁבְּתָא עַל כֵּן הוּא יְהֵיב לְכוֹן בְּיוֹמָא שְׁתִיתָאָה לְחֵים תְּבֵין יוֹמִין תִּיבוּ אֱנָשׁ תְחוֹתוֹהִי לְא יִפּוֹק אֶנְשׁ מֵאַתְבֵיה בְּיוֹמָא שביעאה: וַנְאמֶר אֲלֵהֶם הָנּא אֲשֶׁר דְּבֶּר יְהוָה שַׁבְּתְּוֹן שַׁבַּת־קָּבֶשׁ לִיהוָה מְחָר אֵת אֲשֶׁר־תֹּאפֿוּ אֵפֿוּ וְאֵת אֲשֶׁר־תְּבִשְׁלוּ בַּשֵּׁלוּ וְאֵת כְּל־ הָעַבִּף הַנְּיְחוּ לְכֶם לְמִשְׁמֶּרֶת עַד־הַבְּּקֵר:

וַיַּנְיחוּ אֹתוֹ עַד־הַבּּקֶר כַּאֲשֶׁר צְּוָּה מֹשֶׁה וְלָא הִבְּאִישׁ וְרִפָּה לא־הֵיִתָּה בִּוֹ:

וַיָּאמֶר מֹשֶׁהֹ אָכְלֶּהוּ הַיְּּוֹם כֵּי־ שַׁבֶּת הַיִּוֹם לַיהוְגָה הַיְּּוֹם לָא תִמְצָאֶהוּ בַּשְּׂדֶה:

ְ שֵׁשֶׁת יָמֶים תִּלְקְשֻׁהוּ וּבִיּ֖וֹם הַשָּׁבִיעֵי שַׁבָּת לְא יָהְיֶה־בְּוֹ:

ַ וַיְהִי' בַּיּוֹם הַשְּׁבִיעִּׁי יָצְאָוּ מִן־ הָעָם לִלְקֵׂמ וְלָא מָצְאוּ: (ס)

ַ וַיְּאמֶר יְהוְּה אֶל־מֹשֶׁה עַד־אְנָה מַ מֵאַנְשֶׁם לִשְׁמָר מִצְוֹתֵי וְתוֹרֹתֵי:

רְאֹּוּ כִּי־יְהֹנָה נְתַן לְכֶם הַשַּׁבָּת בִּיּוֹם עַל־בֵּן הַוּא נֹתֵן לְכֶם בַּיִּוֹם הַשִּׁשִׁי לֶחֶם יוֹמָיִם שְׁבָּוּו אַישׁ תַּחְתִּיו אַל־יֵצֵא אֶישׁ מִמְּקֹמִוֹ בַּיִּוֹם הַשִּׁבִיעִי:

- (23) את אשר תאפו אפו. מה שאתם רולים לאפות בתנור, אפו היום הכל לשני ימים, ומה שאתם לריכים לבשל ממנו במים, בשלו היום. לשון אפייה נופל בלחם ולשון בישול בתבשיל: למשמרת. לגניזה:
- (25) ויאמר משה אכלהו היום וגוי. שחרית שהיו רגילין לנאת וללקוט, צאו לשאול אם נצא אם לאו, אמר להם את שבידכם אכלו. לערב חזרו לפניו ושאלוהו מהו לנאת, אמר להם שבת היום, ראה אותם דואגים שמא פסק המן ולא ירד עוד, אמר להם היום לא תמנאוהו לבל מחר ממנאוהו (מכילתא ויסע פ"ד):
- (26) וביום השביעי שבת. שבת הוא, המן לא יהיה בו. ולא בא הכתוב אלא לרבות יום הכפורים וימים טובים (מכילתא 10):
 - עד אנה מאנתם. משל הדיוט הוא, בַּהַדֵּי הוּלָא לָקִי כַּרְבָּא (ב"ק לב.), ע"י הרשעים מתגנין הכשרין:
- (29) ראו. בעיניכם כי ה' בכבודו מזהיר אחכם על השבח, שהרי נס נעשה בכל ערב שבח, לתת לכם לחם יומים: שבו

So the people rested on the seventh day.

And the house of Israel called the name thereof Manna; and it was like coriander seed, white; and the taste of it was like wafers made with honey.

And Moses said: 'This is the thing which the LORD hath commanded:

Let an omerful of it be kept throughout your generations; that they may see the bread wherewith I fed you in the wilderness, when I brought you forth from the land of Egypt.'

And Moses said unto Aaron: 'Take a jar, and put an omerful of manna therein, and lay it up before the LORD, to be kept throughout your generations.'

As the LORD commanded Moses, so
Aaron laid it up before the
Testimony, to be kept.

And the children of Israel did eat the manna forty years, until they came to a land inhabited; they did eat the manna, until they came unto the borders of the land of Canaan. וּשָׁבַתוּ עַמַּא בִּיוֹמָא שָׁבִיעָאָה:

וּקְרוֹ בֵית יִשְּׂרָאֵל יָת שְׁמֵיה מַנָּא וְהוּא כְּבַר וְּרַע גִּדָּא חִינָר וְמַעְמֵיה כָּאָסְקִרִיטָנִן בִּדְבַשׁ:

נִאַמַר מֹשֶׁה דֵין פּּתְגָמָא דְּפַקִּיד יִיָ מְלֵי עוּמְרָא מִנֵּיה לְמַפְּרָא לְדָרֵיכוֹן בְּדִיל דְתְכוֹן בְּמַדְבְּרָא בְּאַפְּקוּתִי יְתְכוֹן בְּמַדְבְּרָא בְּאַפְּקוּתִי יְתְכוֹן מֵאַרְעָא דְּמִצְרָיִם:

וַאֲמֵר מֹשֶׁה לְאַהֲרֹן סַב צְלוֹחִית חֲדָא וְהַב תַּמְּן מְלֵי עוּמְרָא מַנָּא וְאַצְנַע יְתֵיה קֵּדְם יִי לְמַשְּׁרָא לְדָרֵיכוֹן:

כְּמָא דְּפַּקֵּיִד יִיְ לְמֹשֶׁה וְאַצְּנְעֵיה אַהָּרֹן מֶדָם סְהַדוּתָא לְמַשְּׂרָא:

ּיּבְנֵי יִשְּׂרָאֵל אֲכַלוּ יָת מַנְּא אַרְבְּעִין שְׁנִין עַד דְּעָאלוּ לַאֲרַע יָתִיבְהָּא יָת מַנָּא אֲכַלוּ עַד דַּאָתוֹ לִסְיָפֵּי אַרְעָא דַּרִנִינִי : וַיִּשְׁבָּתְוּ הַעָם בַּיִּוֹם הַשְּׁבְעֵי:

וַיִּקְרְאַּוּ בֵּית־יִשְּׂרָאֵל אֶת־שְׁמִוּ מָזְ וְהֹוּא כְּזֶרַע גַּד לְבָּׁן וְמַעְמִוּ כְצַפִּיחָת בִּדְבָש:

וַנְאמֶר מֹשֶּׁה זֶה הַדְּבָר אֲשֶׁר צְּוָּה יְהוָה מְלָא הָעמֶר מִשֶּׁנּ יִרְאַוּ אֶת־הַלֶּחֶם אֲשֶׁר הָאֶכַלְתִּי מָאֶרֶם בַּמִּדְבָּר בְּהוֹצִיאִי אֶתְכֶם מֵאֶרֶץ מִצְרֵים:

וּיֹאמֶר מֹשֶׁה אֶל־אַהֲרֹן קַח צִּנְצֵנֶת אַחַׁת וְתֶן־שֲׁמָּה מְלֹא־ הָעָמֶר מָן וְהַנַּח אֹתוֹ לִפְנֵי יְהֹנָה למשמרת לדרתיכם:

ַ כַּאֲשֶׁר צִּוָּה יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה י ניַנִּיחַהוּ אַהַרָן לִפְּנֵי הָעֵדֶת ! לְמִשְׁמֶרֶת:

וּבְנֵי יִשְּׁרָאֵׁל אֲכְלַוּ אֶת־הַמָּן וּ אַרְבָּעִים שָׁנְה עַד־בּאָם אֶל־ צִּ אָרֶץ נוֹשָׁכָת אֶת־הַמָּן אֵכְלוּ ? עַד־בּאָם אֶל־קְצֵה אֶרֶץ כְּנָעַן: יַּ

איש תחתיו. מכאן סמכו הכמים ד' אמות ליולא חוץ לתחום, ג' לגופו, וא' לפישוט ידים ורגלים: אל יצא איש ממקומו. אלו אלפים אמה של תחום שבת, ולא במפורש, שאין תחומין אלא מדברי סופרים, ועיקרו של מקרא על לוקטי המן נאמר:

- (31) והוא כזרע גד לבן. עשב ששמו קוליינד"רי (קאריאדער) וזרע שלו עגול ואינו לבן, והמן היה לבן, ואינו נמשל לזרע גד אלא לענין העגול כזרע גד היה, והוא לבן: כצפיחת. בלק שמטגנין אותו בדבש, וקורין לו אַסְקְרִיטוּן בלשון משנה, והוא ארגום של אונקלוס:
- (32) למשמרת. לגניזה: לדורותיכם. בימי ירמיהו. כשהיה ירמיהו מוכיחם למה אין אחם עוסקים בחורה, והם אומרים נניח מלאכתנו ונעסוק בחורה מהיכן נתפרנס, הוליא להם לנלנת המן, אמר להם אַפֶּס רְאוּ דְבַר ה' (ירמיהו ב, לא), שמעו לא נאמר, אלא ראו, בזה נתפרנסו אבותיכם, הרבה שלוחין יש לו למקום להכין מזון ליראיו:
- (33) צגצגת. ללוחית של חרס כתרגומו: והגח אותו לפני ד׳. לפני הארון, ולא נאמר מקרא זה עד שנבנה אהל מועד, אלא שנכתב כאן בפרשת המן:
- (35) ארבעים שנה. והלא חסר ל' יום, שהרי בט"ו באייר ירד להם המן תחלה, ובט"ו בניסן פסק, שנאמר וַיִּשְׁבּוֹת הַשְּׁן מִמָּחֵרָת (יהושע ה, יב), אלא מגיד שהעוגות שהוליאו ישראל ממלרים טעמו בהם טעם מן: אל ארץ נושבת. לאחר

Now an omer is the tenth part of an אָשַׂרָא בַּתִּלֶּת

And all the congregation of the children of Israel journeyed from XVII the wilderness of Sin, by their stages, according to the commandment of the LORD, and encamped in Rephidim; and there was no water for the people to drink.

Wherefore the people strove with 2 Moses, and said: 'Give us water that we may drink.' And Moses said unto them: 'Why strive ye with me? wherefore do ye try the LORD?'

And the people thirsted there for water; and the people murmured against Moses, and said: 'Wherefore hast thou brought us up out of Egypt, to kill us and our children and our cattle with thirst?'

And Moses cried unto the LORD, 4 saying: 'What shall I do unto this people? they are almost ready to stone me.'

And the LORD said unto Moses: 'Pass on before the people, and take with thee of the elders of Israel; and thy rod, wherewith thou smotest the river, take in thy hand, and go.

:סָאִין הוא

הוו על

ונצא עמא עם משה ואמרו הבוּ לַנַא מַיַא וִנִשְׁתֵּי לָהוֹן מֹשֵׁה מָא נָצַן אַתּוּן עִמִּי מַא מָנַסָן אַתוּן קַדָם יִנ:

וּצָהָי תַּמַן עַמַּא לְמַיַּא וָאָתְרַעַם משה ואמרו למא

וְצַלְי מֹשֶׁה קַדָם יִי למימר מא אַעַבִיד לעמַא הַדֵין עוֹד

יהוה ויחנו ברפידים ואין מים

העם עם־משה ויאמרו

ויצמא שם העם למים וילן העם על-משה ויאמר למה זה' העליתנו ממצרים להמית אתי וָאָת־בַּנִי וָאָת־מָקנֵי בַּצְּמָא:

וַיִּצְעַק מֹשֵׁה אֱל־יִהוָֹה לָאמֹר מה אַעשה לעם הוה עוד מעט

יהו'ה אל־ וַקַח אָתַדָּ את־היָאר קַח בִּיַדְדָּ וִהְלֶ

שעברו את הירדן (קידושין לח.). (ס"א, שאותה שבעבר הירדן מיושבת וטובה, שנאמר אַעבְּרָה גַּא וְאַרְאָה אָת הַאַרֶץ הַפּוּבָה מַשְׁבֶר בְּעַבֶּר הַיַרְדְּן (דברים ג, כה), ותרגום של נושבת יַמְבַּמָח, ר"ל מיושבת. רש"י ישן): אל קצה ארץ כנען. בתחלת הגבול, קודם שעברו את הירדן והוא ערבות מואב, נמלאו מכחישין זה את זה, אלא בערבות מואב כשמת משה בז' באדר פסק המן מלירד, ונסתפקו ממן שלקטו בו ביום, עד שהקריבו העומר בששה עשר בניסן, שנאמר וַיֹּאֹכְלוּ מֶעֲבוּר הַאָּבֶץ מְמַחֲרַת הפסח (יהושע ה, יא):

- (36) עשירית האיפה. האיפה שלש סאין, והסאה ו' קבין, והקב ד' לוגין, והלוג ששה בינים, נמנא עשירית האיפה מ"ג בילים וחומש בילה, והוא שיעור לחלה ולמנחות:
 - (2) מה תנסון. לומר היוכל לתת מים בארץ ליה:
 - (4) עוד מעט. אם אמתין, עוד מעט וסקלוני:
- (5) עבור לפני העם. וראה אם יסקלוך, למה הולאת לעז על בני: וקח אתך מזקני ישראל. לעדות, שיראו שעל ידך המים יולאים מן הלור, ולא יאמרו מעינות היו שם מימי קדם: ומשך אשר הכית בו את היאור. מה תלמוד לומר אשר הכית בו את היאור, אלא שהיו ישראל אומרים על המטה, שאינו מוכן אלא לפורענות, בו לקה פרעה, ומלרים כמה מכות, במלרים ועל הים, לכך נאמר אשר הכית בו את היאור, יראו עתה שאף לטובה הוא מוכן:

Behold, I will stand before thee there upon the rock in Horeb; and thou shalt smite the rock, and there shall come water out of it, that the people may drink.' And Moses did so in the sight of the elders of Israel.

הָאָנָא קָאֵים קֶדְמֶךְ תַּמֶּן עַל טִּנָּרָא בְּחוֹרֵב וְתִמְחֵי בְּטִנְּרָא וַיִּבְּקוּן מִנֵּיה מֵיָּא וְיִשְׁתֵּי עַמָּא וַעֲבַד כֵּן מֹשֶׁה לְעֵינִי סְבֵי ישׂראל:

הְנְנֵי עִמֵּד ۚ לְפְּנֶּיךְ שָׁם וּ עְּל־ הַצִּוּר בְּחֹרֵב וְהָפְּיתָ בַצִּוּר וְיָצְאָוּ מִמֶּנִּוּ מַיִם וְשְׁתָה הָעָם וַיַּעַשׁ כֵּן מֹשֶׁה לְעֵינֵי זִקְנֵי ישראל:

And the name of the place was called Massah, and Meribah, because of the striving of the children of Israel, and because they tried the LORD, saying: 'Is the LORD among us, or not?'

יּקְרָא שְׁמֵיהּ דְּאַתְרָא נְּמֵיתָא יּמַצוּתָא עַל דִּנְצוֹ בְּנֵי יִשְׁרָאֵל וְעַל דְּנָסִיאוּ קֶדָם יְיָ לְמֵימַר הַאִּית שְׁכִינְתָא דַּייָ בֵּינַנָּא אָם לֹא: וַיִּקְרָאֹ שֵׁם הַמְּלִּוֹם מַסֶּה וֹמְרִיבְה עַל־רֵיבוּ בְּנֵי יִשְּׂרָאֵׁל וְעַל נַסֹּתֶם אֶת־יְהֹנָה לֵאמֹר הַנְשׁ יְהֹנָה בְּקַרְבֵּנוּ אִם־ אִין: (בּ)

Then came Amalek, and fought with Israel in Rephidim.

נאָתָא עָמָלַק נַאָּגִיחַ קְּרָבָא עם יִשִּׁרָאֵל בִּרְפִירִים: וַיָּבָא עֲמָלֵק וַיִּלְּחֶם עִם־יִשְּׂרָאֵל בּרְפִּירָם:

And Moses said unto Joshua:

'Choose us out men, and go out,
fight with Amalek; tomorrow I will
stand on the top of the hill with the
rod of God in my hand.'

וַאֲמֵר מֹשֶׁה לִיהוֹשֶׁעַ בְּחַר לַנָּא גּוּבְרִין וּפּוֹק אֲגִיחַ קְרָבָא בַּעֲמָלֵק מְחַר אֲנָא קָאֵים עַל רֵישׁ רָמְתָא וְחוּטְרָא דְּאָתְעֲבִידוּ בֵיה נִסִּין מִן קֵּדָם יי בידי:

וַיָּאמֶר מִּשֶּׁה אֶל־יְהוֹשֻׁעַּ בְּחַר־ לְנִוּ אֲנִשִּׁים וְצֵא הִלְחֵם בַּצְמְלֵק הַנָּר אָנְכָי נִצְּב עַל־רָאשׁ הַנִּבְעָּה וּמַמֵּה הָאֶלֹהִים בְּיָדִי:

So Joshua did as Moses had said to
him, and fought with Amalek; and
Moses, Aaron, and Hur went up to
the top of the hill.

נְשָבֵד יְהוֹשֶעַ כְּמָא דַּאֲמַר לֵיה מֹשֶׁה לְאָנְחָא קְרָבָא בַּעֲמָלֵק וּמֹשֶׁה אַהֲרֹן וְחוּר סְלִיקוּ לריש רמתא:

וַיַּעַשׁ יְהוֹשָּׁעַ כַּאֲשֶׁר אֲמַר־לוֹ משֶּׁה לְהִלְּחֵם בַּעֲמָלֵק וּמשֶׁה אַהֲרָן וְחוּר עָלִוּ רָאשׁ הַגִּבְעָה:

- (6) והכית בצור. על הצור לא נאמר, אלא בצור, מכאן שהמטה היה של מין דבר חזק ושמו סְגַפִּירִינוֹן, והצור נבקע מפניו.
- (8) ויבא עמלק וגר. סמך פרשה זו למקרא זה לומר, חמיד אני ביניכם ומזומן לכל לרכיכם, ואתם אומרים היש ה' בקרבנו אם אין, חייכם שהכלב בא ונושך אתכם, ואתם לועקים לי וחדעו היכן אני. משל לאדם שהרכיב בנו על כתפו וילא לדרך, היה אותו הבן רואה חפץ ואומר, אבא טול חפץ זה וחן לי, והוא נוחן לו, וכן שנייה, וכן שלישית, פגעו באדם אחד, אמר לו אותו הבן ראית את אבא, אמר לו אביו, אינך יודע היכן אני, השליכו מעליו ובא הכלב ונשכו:
- (9) בחר לנו. לי ולך, השוחו לו, מכאן אמרו, יהי כבוד מלמידן חביב עליך כשלך, וכבוד חברך כמורא רבך מנין, שנאמר ויאמנר אַהַרֹן אֶל משֶׁה בִּי אֲדֹנִי (במדבר יב, יא), והלא אהרן גדול מאחיו היה, ועושה את חברו כרבו. ומורא רבך כמורא שמים מנין, שנאמר אֲדֹנִי משֶׁה כְּלָאֲס (שם יא, כח), כלם מן העולם, חייבין הם כלייה, המורדים בך כאילו מרדו בהקב"ה: וצא מנין, שנאמר אֲדֹנִי משֶׁה כְּלָאֲס (מכילתא עמלק פ"א): מחר. בעת המלחמה, אנכי נצב: בחר לנו אנשים. גבורים היראי חטא, שתהא זכותן מסייעתן. דבר אחר בחר לנו אנשים, שיודעין לבטל כשפים, לפי שבני עמלק מכשפים היו:
- (10) ומשה אהרן וחור. מכאן לתענית שלריכים שלשה לעבור לפני התיבה, שבתענית היו שרוים: חור. בנה של מרים היה, וכלב בעלה:

And it came to pass, when Moses

Held up his hand, that Israel
prevailed; and when he let down his
hand, Amalek prevailed.

But Moses' hands were heavy; and they took a stone, and put it under him, and he sat thereon; and Aaron and Hur stayed up his hands, the one on the one side, and the other on the other side; and his hands were steady until the going down of the sun.

And Joshua discomfited Amalek
and his people with the edge of the sword.

And the LORD said unto Moses:

'Write this for a memorial in the book, and rehearse it in the ears of Joshua: for I will utterly blot out the remembrance of Amalek from under heaven.'

And Moses built an altar, and called the name of it Adonai-nissi.

And he said: 'The hand upon the throne of the LORD: the LORD will have war with Amalek from generation to generation.'

וְהָנֵי כַּד מָרֵים מֹשֶׁה יְדוֹהִי מִתְגַּבְּרִין דְּבֵית יִשְׂרָאֵל וְכַד מַנַּח יְדוֹהִי מִתְגַּבְּרִין דְּבֵית עַמַלֵק:

וִידֵי מֹשֶׁה יְקַרָא וּנְסִיבוּ אַבְנָּא וְשַׁוִּיאוּ תְּחוֹתוֹהִי וִיתֵיב עֲלַה וְאָהָרֹן וְחוּר סְעִידִין בִּידוֹהִי מִבָּא חַד וּמִבָּא חַד וַהֲנָאָה יְדוֹהִי בְּּרִיסָן בִּצְלוֹ עַד דְּעָאל שַמִשָּא:

וְתַבֵּר יְהוֹשֶׁעַ יָת עֲמָלֵקּ וְיָת עמיה לפתגם דחרב:

וַאָּמַר יְיָ לְמֹשֶׁה כְּתוֹב דָּא דּוּכְרָנָא בְּסִפְּרָא וְשַׁו מֶדְם יְהוֹשֶׁעַ אֲבִי מִמְחָא אֶמְחֵי יָת דּוּכְרָנִיה דַּעֲמָלֵק מִהְחוֹת שָׁמַיָּא:

ָּפְרָח מֶשָׁה מַיְבְּתְּעַר לֵיה מָן: מָן:

וַאֲמַר בִּשְׁבוּעָה אֲמִירָא דָּא מִן מֵּדְם דְּחִילָא דִּשְׁכִינְתֵיה עַל מָרָכָא מֻדָם יְיָ בִּדְבֵית עֲמָלֵק לשיציוּתהוֹן מדרי עלמא: וְהָּלָה כַּאֲשֶׁר יָרִים מֹשֶׁה יָדְוֹ וְגָבַר יִשְׂרָאֵל וְכַאֲשֶׁר יָנֶים יָדְוֹ וְגָבַר עֲמָלֵק:

וִידֵי מֹשֶׁה בְּבֵּדִים וַיִּקְחוּ־אֶּבֶן וַיָּשִּׁימוּ תַחְתָּיו וַיַּשֶׁב עָלֶיִה וְאַהֲרֹן וְחוּר תְּמְכֵוּ בִיְדִיו מִזֶּה אֶחָד וּמְזֶּה אֶחָד וַיְהִי יִדְיו אָמוּנַה עָד־בּא הַשַּׁמִשׁ:

ַ נַיַּחֲלְשׁ יְהוֹשֶׁעַ אֶת־עֲמָלֵק וְאֶת־ עַמֵּוֹ לִפִּי־חֲרֵב: (פּ)

וַיּאמֶר יְהוְּה אֶל־מֹשֶׁה כְּתְב עִיל זָאת זִכְּרוֹן בַּסַּפֶּר וְשִׁים בְּאָזְנֵי יְהוֹשֶׁעַ בְּי־מָחָה אֶמְחָה אֶמְחָה אֶת־זֵכֶר עַמֵלֶּק מִתַּחָת הַשָּׁמֵים:

ָּ, נִיֶּבֶן מֹשֶׁה מִזְבֵּחַ נִיּקְרֶא שְׁמִוֹ יְהֹוֶת וּנִּפְי:

קמז וַיּאמֶר בִּי־יָד'עַל־בַּס יָּהּ (בכתר יִּסוֹקִיס ארם צובה היה כתוב בַּסְיָּה בתיבה אחת) מִלְחָמֶה לַיהוָֹה בַּעֲמָלֵק מִדְּר דְּר: (פ)

The Haftarah is Judges 4:4 -5:31 on page 212. Sepharadim read Judges 5:1 -5:31.

- (11) כאשר ירים משה ידו. וכי ידיו של משה נולחות היו המלחמה וכו', כדאיתא בר"ה (כט.):
- (12) וידי משה כבדים. בשביל שנתעלל במלוה ומנה אחר תחתיו, נתייקרו ידיו: ויקחו. אהרן וחור: אבן וישימו תחתיו. ולא ישבלו על כר וכסת, אמר, ישראל שרויין בלער, אף אני אהיה עמהם בלער: ויהי ידיו אמונה. ויהי משה ידיו באמונה, פרושות השמים בתפלה נאמנה ונכונה: עד בא השמש. שהיו עמלקים מחשבין את השעות באילטרו"לוגיאה, באיזו שעה הם נולחים, והעמיד להם משה חמה וערבב את השעות:
- (13) ויחלש יהושע. חתך ראשי גבוריו (תנחומא בשלח כ"ח) ולא השאיר אלא חלשים שבהם, ולא הרגם כולם, מכאן אנו למדים, שעשו על פי הדבור של שכינה:
- (14) כתב זאת זכרון. שבא עמלק להזדווג לישראל קודם לכל האומות (מכילתא עמלק פ"ב): ושים באזני יהושע.
 המכניס את ישראל לארץ, שילוה את ישראל לשלם לו את גמולו, כאן נרמז לו למשה שיהושע מכניס את ישראל לארץ: כי מחה אמחה. לכך אני מזהירך כן, כי חפץ אני למחותו:
- (15) ויקרא שמו. של מזבח: ה׳ גסי. הקב"ה עשה לנו כאן נס גדול, לא שהמזבח קרוי ה׳, אלא המזכיר שמו של מזבח, זוכר את הנס שעשה המקום, ה׳ הוא נס שלנו:
- (16) ויאמר. משה: בי יד על כס יה. ידו של הקב"ה הורמה לישבע בכסאו, להיות לו מלחמה ואיבה בעמלק עולמית,

XVIII

Now Jethro, the priest of Midian, Moses' father-in-law, heard of all that God had done for Moses, and for Israel His people, how that the LORD had brought Israel out of Egypt.

תְּלֵן וּשְׁמַע יִתְרוֹ רַבָּא דְּמִדְיָן יָשֶׂה חֲמוּהִי דְּמֹשֶׁה יָת כָּל דַּצְבַּר עַמֶּוֹ יִיָּ לְמֹשֶׁה וּלְיִשְּׁרָאֵל עַמֵּיה אֲרֵי אָל אַפֵּיק יִיָּ יָת יִשְׂרָאֵל מִמִּצְרָיִם:

וּיִשְׁמַשׁ יִתְרֶּוֹ כֹהֵן מִדְיָן חֹתֵן מּיוּ מֹשֶׁה אֵת כְּל־אֲשֶׁר עָשֶׂה אֶלהִים לְמֹשֶׁה וּלְיִשְּׁרָאֵל עַמֵּוֹ כִּי־הוֹצֵיא יְהוָנֶה אֶת־יִשְׂרָאֵל מִמִּצְרֵים:

And Jethro, Moses' father-in-law, took Zipporah, Moses' wife, after he had sent her away, וּדְבַר יִתְרוֹ חֲמוּהִי דְּמֹשֶׁה יָת צָפַּרָה אָתַּת מֹשֶׁה בָּתַר דְשַׁלְחַה:

וַיִּפַּח יִתְרוֹ חֹתֵן מֹשֶׁה אֶת־ צִּפָּרֶה אֲשֶׁת מֹשֶׁה אַחַר שׁלּוּחיה:

and her two sons; of whom the name of the one was Gershom; for he said: 'I have been a stranger in a strange land';

וְיָת הְבִין בְּנָהָא דְּשׁוֹם חַד גַּרְשׁוֹם אֲרֵי אֲמַר דַּיִּיר הָנֵיתִי בַּאֲרַע נוּכְרָאָה:

ְוְאֵת שְׁנֵי בָנֶיְהָ אֲשֶׁר שֵׁם הָאֶחָדׁ גַרְשָׁם כֵּי אָמַר גַּר הָיִּיתִי בְּאֶרֶץ נכריה:

and the name of the other wasEliezer: 'for the God of my father was my help, and delivered me from the sword of Pharaoh.'

וְשׁוֹם חַד אֱלִיעֶזֶר אֲרֵי אֱלְהֵיה דְאַבָּא הָוָה בְּסַעֲדִי וְשִׁיזְבַנִי מַחַרָבָּא דִּפַּרְעֹה:

וְשֵׁם הָאֶחֶד אֱלִיעֶזֶר כִּי־אֱלֹהֵי וְ אָבִי בְּעֶזְלִי וַיַּצְּלֵנִי מַחֶרֶב ! פּרעה:

And Jethro, Moses' father-in-law, came with his sons and his wife unto Moses into the wilderness where he was encamped, at the mount of God;

יָאָתָא יִתְרוֹ חֲמוּהִי דְּמֹשֶׁה יְבָנוֹהִי וְאָתְּתִיהּ לְנָת מֹשֶׁה לְמִּדְבְּרָא דְּהוּא שָׁרֵי תַּמְּן לְמוּרָא דְאִתְגְּלִי עֲלוֹהִי יְקָרָא דִייי

ניָבֿא יִתְרֹוּ חֹתֵן מֹשֶׁה וּבְנֵיוּ יי וְאִשְּׁתִּוֹ אֶל־מֹשֶׁה אֶל־הַמִּדְבָּר אֲשֶׁר־הָוּא חֹנֵה שֲׁם הַר הַאָּלֹהִים:

ומהו כס ולא נאמר כסא, ואף השם נחלק לחזיו, נשבע הקב"ה, שאין שמו שלם ואין כסאו שלם עד שימחה שמו של עמלק כולו, וכשימחה שמו, יהיה השם שלם והכסא שלם, שנאמר הָאוֹיֵב פַּמּוּ מֵּלְבֹּוֹח לָנְצֵׁח (חהלים ט, ז), זהו עמלק שכחוב בו וְעֵבְּרָחׁוֹ שְׁמָרָה נָשִׁי מָבח שלם, פֿוּגן לַמְשְׁפָּט בָּמָה (מהלים שם), מהו אומר אחריו, וַה' לְעֹוּלֶם יֵשֵׁב, הרי השם שלם, פֿוּגן לַמִּשְׁפָּט פּסִאוֹ, הרי הכסא שלם:

- (1) וישמע יתרו. מה שמיעה שמע וצא, קריעת ים סוף ומלחמת עמלק (זבחים קטז.): יתרו. שבע שמות נקראו לו, רעואל, יתר, יתרו, חוצב, חבר, קיני, פוטיאל, (מכילתא יתרו פ"א). תר, ע"ש שָׁיֶּטֶר פרשה אחת בתורה, ואחה תחזה. יתרו, לכשנתגייר וקיים המלות, הוסיפו לו אות אחת על שמו. חוצב, שחצב את התורה, וחוצב הוא יתרו שנאמר מִּבְּנֵי הֹבָּב הֹמֵן משָׁה (שופטים ד, יא). ויש אומרים רעואל אביו של יתרו היה, ומהו אומר וַשְּבֹאנָה אָל רְעוּאַל אֲבִישֶן (שמות ב, יה), שהתינוקות קורין לאבי אביהן אבא. בספרי (בהעלותך עת): חותן משה. כאן היה יתרו מתכבד במשה, אני חותן המלך, ולשעבר היה משה חולה בחמיו, שנאמר וַיָּשָׁב אָל יֶּסֶר הֹמְנוֹ (מכילתא שם): למשה ולישראל. שָׁקוּל משה כנגד כל ישראל: מה כל אשר עשה. להם בירידת המו, ובנאר, ובעמלה: כי הוציא ה וגר׳. זו גדולה על כולם (מכילתא שם):
- (2) אחר שלוחיה. כשאמר לו הקב"ה במדין, לַךְּ שֻבּ מִלְּרָיס, וַיִּקַח מֹשֶׁה מֶׁם מִׁשְׁפֿוּ וְמָּם בְּנִיו וגו' (שמות ד, יעכ), ויצא אהרן לקראמו ויפגשהו בהר האלהים, אמר לו מי הם הללו, אמר לו זו היא אשמי שנשאמי במדין ואלו בני, אמר לו והיכן אמה מוליכן, אמר לו למצרים, אמר לו על הראשונים אנו מצטערים ואתה בא להוסיף עליהם, אמר לה לכי אל בית אביך, נעלה שני בנות ורלכה לה:
- (4) ויצלני מחרב פרעה. כשגילו דתן ואנירס על דבר המלרי, ובקש להרוג את משה, נעשה לוארו כעמוד של שיש (שמו"ר א, לו):
- (5) אל המדבר. אף אנו יודעים שבמדבר היה, אלא בשבחו של יתרו דְּבֶּר הכתוב, שהיה יושב בכבודו של עולם, ונדבו לבו ללאת אל המדבר מקום תהו, לשמוע דברי תורה:

and he said unto Moses: 'I thy

father-in-law Jethro am coming
unto thee, and thy wife, and her
two sons with her.'

And Moses went out to meet his father-in-law, and bowed down and kissed him; and they asked each other of their welfare; and they came into the tent.

And Moses told his father-in-law all that the LORD had done unto Pharaoh and to the Egyptians for Israel's sake, all the travail that had come upon them by the way, and how the LORD delivered them.

And Jethro rejoiced for all the goodness which the LORD had done to Israel, in that He had delivered them out of the hand of the Egyptians.

And Jethro said: 'Blessed be the LORD, who hath delivered you out of the hand of the Egyptians, and out of the hand of Pharaoh; who hath delivered the people from under the hand of the Egyptians.

Now I know that the LORD is greater than all gods; yea, for that they dealt proudly against them.' וַאָמַר לְמֹשֶׁה אֲנָא חֲמוּך וּתְרוּ אָתֵי לְנָתָך וְאִתְּתֶך וּתְרֵין בִּנַהַא עִמַּה:

וּנְפַּק מֹשֶׁה לְקַדָּמוּת חֲמוּהִי וּסְגִיד וְנַשֵּׁיק לִיה וּשְׁאִילוּ גְּבַר לְחַבְרֵיה לִשְׁלָם וְעָאלוּ לִמַשִׁכָּנָא:

וְאִשְׁתַּעִי מֹשֶׁה לַחֲמוּהִי יָת כָּל דַּעֲבַד יִיָּ לְפַרְעֹה וּלְמִצְּרָאֵי עַל עִיסַק יִשְּׁרָאֵל יָת כָּל עָקְתָא דְּאַשְׁכַּחַתְנוּן בְּאוֹרְחָא וְשֵׁיזֵיבִנּוּן יִיְּ:

נְחְדִּי יִתְרוֹ עַל כָּל טָבְתָא דַּעֲבֶד יְיָ לְיִשְׂרָאֵל דְּשֵׁיזֵיבִנּוּוְ מִיְּרָא דְּמִצְרָאֵי:

וַאֲמַר יִתְרוֹ בְּרִיךְ יְיָ דְשֵׁיזֵיב יְתְכוֹן מִיְּדָא דְּמִצְרָאֵי וּמִיּדָא דְפַּרְעֹה דְּשֵׁיזֵיב יָת עַמְא מִתְּחוֹת מַרְנַת מִצְרָאֵי:

בְּעַן יָדַעָּנָא אֲרֵי רָב יִיָּ וְלֵית דְּחַשִּׁיבוּ מִצְרָאֵי לִמְדָּן יָת דְּחַשִּׁיבוּ מִצְרָאֵי לִמְדָּן יָת יִשַּׂרָאֵל בִּיה דָּנִינּוּן: וַיּאמֶר אֶל־מֹשֶׁה אֲנֶי חֹתֻנְּךְּ יִתְרָוֹ בָּא אֵלֶיִדְּ וְאִשְׁתְּדְּ וּשְׁנֵי בָנֵיהָ עִמָּה:

וַיֵּצֵא מֹשֶׁה לִקְרַאת חְתְּנֹוּ וַיִּשְׁתַחוּ וַיִּשַׁק־לוֹ וַיִּשְׁאֲלִוּ אִישׁ־ לְרֵעֵהוּ לְשָׁלֵוֹם וַיָּבָאוּ הָאְהֶלָה:

וַיְסַפֶּר מֹשֶׁה לְתַּתְנְּוֹ אֵת בְּל־ אֲשֶּׁר עְשֶּׁה יְהֹנְה לְפַּרְעָׁה וּלְמִצְרַיִם עַל אוֹדָת יִשְּׂרָאֵל אֵת כְּל־הַתְּלְאָה אֲשֶׁר מְצָאָתַם בַּדֵּרַדְ נַיַּצְלָם יְהנֵה:

וַיַּחַדְּ יִתְרֹוֹ עַל כְּל־הַטּוֹבְּה אֲשֶׁר־עָשָּׁה יְהֹוָה לְיִשְׂרָאֵל אֲשֶׁר הַצִּילוֹ מִיֵּד מִצְרֵיִם:

ניאמר יתרו בְּרַוּך יְהוָה אֲשֶׁר הִצִּיל אֶתְכֶם מִיַּד מִצְרַיִם וּמִיַּד פַּרְעָה אֲשֶׁר הִצִּיל אֶת־הָעָם מִתַּחַת יַד־מִצְרֵיִם:

ַ עַתָּה יָדַּעְתִּי כִּי־נְדְוֹל יְהְוָה מִכְּל־הָאֶל הָים כֵּי בַדְּבָּר אֲשֶׁר זָדָוּ עֲלֵיהֶם:

- (6) ויאמר אל משה. ע"י שליח: אני חתנך יתרו וגר׳. אם אין אתה יולא בגיני לא בגין אשתך, ואם אין אתה יולא בגין אשתר, ואם אין אתה יולא בגין אשתר לא בגין שני בניה (מכילתא שם):
- (7) ויצא משה. כבוד גדול נתכבד יתרו באותה שעה, כיון שיצא משה, יצא אהרן נדב ואביהוא, ומי הוא שראה את אלו יוצאין ולא יצא: וישתחו וישק לו. איני יודע מי השתחוה למי, כשהוא אומר איש לרעהו, מי הקרוי איש, זה משה, שנאמר והאיץ ולא יצא: מכילתא שם):
- (8) ויספר משה לחותנו. למשוך את לבו לקרבו לתורה (מכילתא שם): את כל התלאה. שעל הים ושל עמלק (מכילתא שם): התלאה. למ"ד אל"ף מן היסוד של תיבה, והתי"ו הוא תיקון ויסוד הנופל ממנו לפרקים, וכן תרומה, מנופה, מקומה, מנואה:
- (9) ויחד יתרו. וישמח יתרו, זהו פשוטו. ומדרש אגדה, נעשה בשרו חדודין חדודין, מילר על אבוד מלרים, היינו דאמרי אינשי, גיורא עד עשרה דרי לא תבזי ארמאה באפיה (סנהדרין לד.): על כל הטובה. טובת המן והבאר והתורה (מכילתא שם), ועל כולן אשר הלילו מיד מלרים, עד עכשיו לא היה עבד יכול לברוח ממלרים, שהיתה הארץ מסוגרת, ואלו ילאו ששים רבוא (מכילתא שם):
- (10) אשר הציל אתכם מיד מצרים. אומה קשה: ומיד פרעה. מלך קשה: מתחת יד מצרים. כתרגומו לשון רדוי ומרות, היד שהיו מכנידים עליהם, היא העבודה:

And Jethro, Moses' father-in-law, took a burnt-offering and sacrifices for God; and Aaron came, and all the elders of Israel, to eat bread with Moses' father-in-law before God.

And it came to pass on the morrow, that Moses sat to judge the people; and the people stood about Moses from the morning unto the evening.

And when Moses' father-in-law saw all that he did to the people, he said:

'What is this thing that thou doest to the people? why sittest thou thyself alone, and all the people stand about thee from morning unto even?'

And Moses said unto his

father-in-law: 'Because the people come unto me to inquire of God;

וְקָרֵיב יִתְרוֹ חֲמוּהִי דְּמֹשֶׁה צֵלְוֹן וְנִכְסַת קּוּדְשִׁין קֵּדְם יְנְ וַאֲּתָא אַהֲרֹן וְכֹל סְבֵי יִשְּׂרָאֵל לְמֵיכַל לַחְמָא עם חֲמוּהִי דְמֹשֶׁה קַדָם יִיָּ:

וַהָנָה בְּיוֹמָא דְּבָתְרוֹהִי וִיתֵיב מֹשֶׁה לִמְדָּן יָת עַמָּא וְקָם עַמָּא עַלְווֹהִי דְּמֹשֶׁה מִן צַפְּרָא עַד רַמִשָׁא:

נְחָזָא חֲמוּהִי דְּמֹשֶׁה יָת כְּל דְּהוּא עָבֵיד לְעַמָּא וַאֲמִר מָא פִּתְגָמָא הָבִין דְּאַהְ עָבֵיד לְעַמָּא מָבִין אַהְ יָתֵיב בּלְחוֹדָךְ וְכָל עַמָּא קּוְמִין עַלָּוְדְּ מַן צַפָּרָא עַד רַמִשָּא:

וַאֲמַר מֹשֶׁה לַחֲמוּהִי אֲרֵי אָתַן לְנָתִי עַמָּא לְמִתְבַּע אוּלְפָּן מִן קָרָם יִיֵּ:

וַיָּפֶּח יִתְרֹוּ חֹתֵן מֹשֶׁה עֹלְה וּזְבָחִים לֵאלֹהִים וַיָּבֹא אַהְרֹן וְכָלו זִקְנֵי יִשְּׁרָאֵׁל לָאֶכְל־לֶחֶם עם־חֹתֵן מֹשֶׁה לִפְנֵי הָאֱלֹהִים:

ָניְהִי מִמְּחֶלָת וַיֵּשֶׁב מֹשֶׁה לִשְׁפְּׁט אֶת־הָשָׁם וַיַּצְמָּד הָעָם עַל־מֹשֶׁה מִן־הַבָּבֶּר עַד־הָעֶרֶב:

וַיַּרְא חֹתֵן מֹשֶּׁה אֶת כְּל־אֲשֶׁר־ הָוּא עֹשֶׂה לְעָם וַיּאׁמֶר מְה־ הַדְּבֶּר הַזֶּה אֲשֶׁר אַתְּה עֹשֶׁה לְעָם מַדִּוּעַ אַתְּה יוֹשֵׁב לְבַדֶּדְּ וְכְל־הָעָם נִצְּב עָלֶידְ מִן־בְּקֶר עד-ערב:

נְיָאמֶר מֹשֶׁה לְחֹתְנֻוֹ בִּי־יָבְאׁ אֵלַי הָעָם לִדְרָשׁ אֱלֹהִים:

- (11) עתה ידעתי. מכירו הייתי לשעבר, ועכשיו ביותר (מכילמאשס): מכל האלהים. מלמדשהיה מכיר בכל עבודת אלילים שבעולם, שלא הניח עבודת אלילים שלא עבדה (מכילמאשס): כי בדבר אשר זדו עליהם. כתרגומו, במים אלילים שבעולם, שלא הניח עבודת אלילים שלא עבדה (מכילמאשם): כי בדבר אשר זדו עליהם. אשר זדו. אשר הרשיעו. ורבותינו דרשוהו (סוטה יא.) לשון ויזד יעקב נזיד (בראשית כה, כט), בקדרה אשר בשלו בה נתבשלו:
- (12) עולה. כמשמעה, שהיא כולה כליל: זבחים. שלמיס: ויבא אהרן וגר. ומשה היכן הלך, והלא הוא שינא לקראתו וגרס לו את כל הכבוד, אלא שהיה עומד ומשמש לפניהם: לפני האלהים. מכאן שהנהנה מסעודה שתלמידי מכמים מסובין בה, כאילו נהנה מזיו השכינה (ברכות סד.):
- (13) ויהי ממחרת. מולאי יום הכפורים היה, כך שנינו בספרי, ומהו ממחרת, למחרת רדמו מן ההר. ועל כרחך אי אפשר לומר אלא ממחרת יום הכפורים, שהרי קודם מתן תורה אי אפשר לומר והודעתי את חוקי וגו', ומשנתנה תורה עד יום הכפורים לא ישב משה לשפוט את העם, שהרי בי"ז בתמוז ירד ושבר את הלוחות, ולמחר עלה בהשכמה ושהה שמונים יום וירד ביום הכפורים. ואין פרשה זו כתובה כסדר, שלא נאמר ויהי ממחרת עד שנה שנייה, אף לדברי האומר יתרו קודם מתן תורה בא, שילוחו אל ארצו לא היה אלא עד שנה שנייה, שהרי נאמר כאן וישלח משה את חותנו, ומצינו במסע הדגלים שאמר לו משה לקעים אַנַקְינוּ אֶל הַשָּלוֹם וגוֹ אַל נָא פַּעֲוֹב אֹפָנוּ (במדבר י, לא), ואם זה קודם מתן תורה, מששלחו והלך היכן מצינו שחזר. ואם מאמר שם לא נאמר יתרו אלא חובב ובנו של יתרו היה, הוא חובב הוא יתרו, שהרי כתיב מַבְּנֵי חֹבֶּב חֹבֵן על ישראל, והוכיחו על רישב משה וגר׳ ויעמוד העם. יושב כמלך וכולן עומדים, והוקשה הדבר ליתרו שהיה מולול בכבודן של ישראל, והוכיחו על כך, שנאמר מדוע אתה יושב לבדך וכלם נלבים: מן הבקר עד הערב. אפשר לומר כן, אלא כל דיין שדן דין אמת לאמיתו אפילו שעה אחת, מעלה עליו הכתוב כאילו עוסק בתורה כל היום, וכאילו נעשה שותף להקב"ה במעשה בראשית, שנאמר בו וְיִבְּי וְשֵבְּב וֹגוֹ עַבְר וֹבוֹ עַבְר וֹבוֹ עַבְר וֹבוֹ עִי מַבְר בּוֹבוֹ עַבְר וֹבוֹ בּיֹבוֹ בּיֹבוֹ בּיֹבוֹ בּוֹבוֹ עַבְר וֹבוֹ בּבְר וֹבוֹ בּיִם בּוֹבוֹ בּיֹבוֹ בּבּבוֹרִי בּבֹבוֹ בּבוֹ בּבוֹבוֹ בּבּבוֹרִ בּבוֹבוֹ בּבֹבוֹרִ בּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹ בּבוֹר בּבוֹבוֹ בּבוֹר בּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹבוֹ בּבּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹבוֹ בּבוֹבוֹבוֹ בּבּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹבוֹם בּבּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹם בּבּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹבוֹ בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹבוֹ בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹ בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בוֹבוֹם בּבוֹבוֹם בוֹבוֹים בּבוֹבוֹם בּ
 - (15) כי יבא. כי כא, לשון הווה: לדרש אלהים. כתרגומו לְמִקְבַּע אוּלְפַן, לשאול תלמוד מפי הגבורה:

when they have a matter, it cometh unto me; and I judge between a man and his neighbour, and I make them know the statutes of God, and His laws.'

And Moses' father-in-law said unto ¹⁷ him: 'The thing that thou doest is not good.

Thou wilt surely wear away, both 18 thou, and this people that is with thee; for the thing is too heavy for thee; thou art not able to perform it thyself alone.

Hearken now unto my voice, I will give thee counsel, and God be with thee: be thou for the people before God, and bring thou the causes unto God.

And thou shalt teach them the statutes and the laws, and shalt show them the way wherein they must walk, and the work that they must do.

Moreover thou shalt provide out of all the people able men, such as fear God, men of truth, hating unjust gain; and place such over them, to be rulers of thousands, rulers of hundreds, rulers of fifties, and rulers of tens.

הַוי חַבְרֵיה וּמָהוֹדַעְנַא לְהוֹן יַת

תַקין פַּתִנָמָא דִאַתִּ עָבֵיד:

מלאַה תלאֵי אַף אַתּ אַף עַמָּא הַבִּין דִּעְמַּדְ אָבֵי יַקִּיר פַתגמא לא תכול למעבדיה

כען קביל מני אמלכנד ויהי מֵימָרַא דַּייָ בְּסַעַדְדְ הֵוִי אַתִּ עַמַא תַבַע אוּלְפַן מָן קַדַם' יָנָ וֹתָהֵי מֵיתֵי אַתְּ יָת פִּתְגְמַיָּא

וְתַזָּהַר יַתָּהוֹן יַת קַיַּמַיַּא וְיַת אוריתא ותהודע להון ית

ואת תחזי מכל עמא גוברין

להם דבר בא אלי כד ש ובין בעהו האלהים

וַיָּאמֶר חֹתַן מֹשֶׁה אָלַיו לֹא־טוֹב' וַאָמֶר חַמוּהִי דַּמֹשֶׁה לִיהּ לָא הדבר אשר אתה עשה:

עתה שמע בקלי איעצה אלהים עמד היה אתה האלהים והבאת את-הדברים אל-האלהים:

אתהם את־החקים ואת־הַתורת והודעת להם את־ הַדַּרַךְ וַלְכוּ בַּה וָאֵת־

ואתה תחזה מכל העם אנשי אלפים שרי מאות שרי

- (16) כי יהיה להם דבר בא. מישהיה לו הדנר גא אלי:
- (17) ויאמר חתן משה. דרך כבוד קוראו הכתוב חותנו של מלך:
- (18) נבל תבול. כתרגומו. ולשונו לשון כמישה פלייש"טרא, כמו וְהַטֶלֶה נָבֵל (ירמיה ח, יג), כְּנָבֹל עַלֶּה מְגָפֵן וגו' (ישעיה לד, ד), שהוא כמוש ע"י חמה וע"י קרח, וכחו תש ונלאה: גם אתה. לרבות אהרן וחור וע' זקנים: כי כבד ממך. כובדו
- היה אתה לעם מול האלהים. (19) איעצד ויהי אלהים עמד. בעלה, אמר לו לא המלך בגבורה (מכילתא פ"ב): שליה ומליץ בינותם למקום, ושואל משפטים מאתו: הדברים. דברי ריבותם:
- (21) ואתה תחזה. ברוח הקדש שעליך: אגשי חיל. עשירים, שאין לריכין להחניף ולהכיר פנים: אלו בעלי הבטחה, שהם כדאי לסמוך על דבריהם, שע"י כן יהיו דבריהם נשמעין: שנאי בצע. ששונאין את ממונם בדין, כההיא דאמרינן, כל דיינא דמפקין ממונא מיניה בדינא, לאו דיינא הוא (צבא בתרא נה:): שרי אלפים. מאות שרים לשש מאות אלף (סנהדרין ית.): שרי מאות. ששת אלפים היו: שרי חמשים. י"ב אלף: ששים אלף. (מה שפירש"יעל כל השרים כמה היו. והוא לכאורה ללא צורך, והנה באמת מיקן בזה ותירץ קושיא בפסוק, דקחשיב

And let them judge the people at all seasons; and it shall be, that every great matter they shall bring unto thee, but every small matter they shall judge themselves; so shall they make it easier for thee and bear the burden with thee.

If thou shalt do this thing, and God command thee so, then thou shalt be able to endure, and all this people also shall go to their place in peace.'

So Moses hearkened to the voice of his father-in-law, and did all that he had said.

And Moses chose able men out of all Israel, and made them heads over the people, rulers of thousands, rulers of hundreds, rulers of fifties, and rulers of tens.

And they judged the people at all seasons: the hard causes they brought unto Moses, but every small matter they judged themselves.

And Moses let his father-in-law depart; and he went his way into his own land.

In the third month after the

Children of Israel were gone forth

Out of the land of Egypt, the same

day came they into the wilderness

of Sinai.

וידינוּן יָת עַמָּא בְּכָל עִדְּן וִיהֵי פָּל פִּתְגָם רַב יַיְתוֹן לְוָתָךְ וְכָל מָנֶךְ וִיסוֹבְרוּן עִמָּך:

אָם יָת פָּתְגָמָא הָבין תַּעְבֵיד וִיפַקְּדִּנְּךְ יִיְ וְתִכּוֹל לִמְקָם וְאַךְּ כָּל עַמָּא הָבִין עַל אַתְבִיה יְהָךְּ בִּשְׁלָם:

וְקַבֵּיל מֹשֶׁה לְמֵימֵר חֲמוּהִי וַעֲבַד כֹּל דַּאֲמָר:

וּבְחַר מֹשֶׁה גּוּבְרִין דְּחֵילָא מַבֶּל יִשְּׂרָאֵל וּמַנִּי יָתְהוֹן רֵישִׁין מַאְוָתָא רַבְּנֵי אַלְפֵּי רַבְּנֵי מָאוְתָא רַבְּנֵי חַמְשִׁין וְרַבְּנֵי אֵשׁׂרְרָיִיתָא:

וְדָיְנִין יָת עַמָּא בְּכָל עִדְּן יְת פָּתְגָם קְשֵׁי מֵיתַן לְוָת מֹשֶׁה וְכָל פָּתְגָם זְעֵיר דְּיְנִין אָנּוּן:

וְשַׁלַּח מֹשֶׁה יָת חֲמוּהִי וַאֲזַל לֵיה לְאַרְעֵיה:

בְּיַרְחָא תְּלִיתָאָה לְמִפַּק בְּנֵי יִשְׂרָאֵל מַאִּרְעָא דְּמִצְרִיִם בְּיוֹמָא הָדֵין אֲתוֹ לְמַדְבְּרָא דְּסִינֵי: וְשָׁפְּטֵּוּ אֶת־הָעָם בְּכְל־עֵתֹ וְהָיֶּה כְל־הַדְּבֶר הַגְּדֹל יָבִיאוּ אֵלֶיךְ וְהָלַר הַדְּבֶר הַמְּמִּן יִשְׁפְּטוּ־הֵח וְהָקַל מֵעְלֶיךְ וְנְשְׁאָוּ אִתְּך:

אָם אָת־הַדְּבֶּר הַזֶּה תַּעֲשֶּׁה וְצִּוְּךָ אֱלֹהִים וְוֶכְלְהָ עֲמָד וְגַם כְּל־הָעָם הַזֶּה עַל־מְלִמִּוֹ יָבְא בִשַּׁלִּוֹם:

נִישָׁ, וַיִּשְׁמֵע מֹשֶׁה לְקּוֹל חֹתְגֵוֹ וַיַּעֲשׁ כָּל אֲשֵׁר אָמֶר:

וַיִּבְחַׁר מֹשֶׁה אַנְשִׁי־חַיִּל' מִכְּל־ יִשְּׁרָאֵׁל וַיִּתֵּן אִתֶּם רָאשִׁים עַל־ הָעָם שָׁרֵי אֲלְפִּים שָׁרֵי מֵאֹוֹת שָׁרֵי חֲמִשִּׁים וְשָׁרֵי עֲשָּׁרת:

ְוֹשְׁפְּטָוּ אֶת־הָטָם בְּכְל־עֵתְ אֶת־ הַדְּבֶר הַקְּשָׁה יְבִיאַוּן אֶל־מֹשֶׁה וְכְל־הַדָּבֶר הַקְּטָׁן יִשְׁפּוּטָוּ הֵם:

ַנְיְשַׁלַּח מֹשֶׁה אֶת־חֹתְנֵוֹ נַיֵּלֶךְ לְוֹ וְ אֶל־אַרְצְוֹ: (פּ) אֶל־אַרְצְוֹ: (פּ)

רניע, בַּחֹדֶשׁ הַשְּׁלִישִּׁי לְצֵאת בְּנֵים יִשְּׂרָאֵל מֵאֶבֶץ מִצְּרָיִם בַּיַּוֹם הַיָּה בָּאוּ מִדְבַּר סִינֵי:

מלמעלה למטה, ר"ל המספר מרובה קודם מספר המועט, ולא הל"ל אלא מחחלה שרי עשרות בראשונה, ואח"כ בהדרגה כולם, ולפי פירושו שהזכיר ופרט סכום מנין השרים, לא וחשוב, וכשתדקדק במנינם ולגבייהו אתי שפיר, מספר המועט תחלה ואח"כ בהדרגה, כן נ"ל נכון ודו"ק):

- (22) ושפשו. וִידֹּנוּוּן, לשון צווי: והקל מעליך. דבר זה להקל מעליך. והקל, כמו וְהַכְּבֵּד אֶת לְבּוֹ (שמות ח, יא), וְהַכּּוֹת אֶת מואָב (מלכים־ב ג, כד), לשון הווה:
- (23) וצוך אלהים ויכלת עמוד. המלך בגבורה, אם ילוה אותך לעשות כך תוכל עמוד, ואם יעכב על ידך לא תוכל לעמוד (מכילתא פ"ב): וגם כל העם הזה. אהרן נדב ואביהוא, ושבעים זקנים הנלוים עתה עתך (מכילתא שם):
- (26) ושפטו. וְדְיִינוּן יָת עַפֶּּח: יביאון. מְיְיתִין: ישפוטו הם. כמו ישפטו (בחולס) וכן לא חַעֲבוּרִי (רות ב, ח), כמו לא מעברי. ותרגומו דָּיִינִין אִינוּן. מקראות העליונים היו לשון לווי, לכך מתורגמין וִידוּנוּן, יֵיחוּן, יְדוּנוּן, ומקראות הללו לשוו עשייה:
 - (מכילתא פ"ב): (גייר בני משפחתו (מכילתא פ"ב):

And when they were departed from Rephidim, and were come to the wilderness of Sinai, they encamped in the wilderness; and there Israel encamped before the mount.

And Moses went up unto God, and the LORD called unto him out of the mountain, saying: 'Thus shalt thou say to the house of Jacob, and tell the children of Israel:

Ye have seen what I did unto the
Egyptians, and how I bore you on
eagles' wings, and brought you
unto Myself.

Now therefore, if ye will hearken unto My voice indeed, and keep My covenant, then ye shall be Mine own treasure from among all peoples; for all the earth is Mine; וּנְטַלוּ מַרְפִּידִים וַאָּתוֹ לְמַדְבְּרָא דְּסִינֵי וּשְׁרוֹ בְּמַדְבְּרָא וּשְׁרָא תַּמָן יִשְׂרָאֵל להביל טוּרא:

וּמֹשֶׁה סְלֵיק לִקְּדָם יְיָ וּקְרָא לֵיה יְיָ מִן טוּרָא לְמִימַר כְּדֵין תֵּימַר לְבֵית יַעֲקֹב וּתְחַנֵּי לִבְנֵי יִשְׂרָאֵל:

אַתּוּן חֲזֵיתוֹן דַּעֲבָדִית לְמִצְרָאֵי וְנַמֵּילִית יָתְכוֹן כָּד עַל גִּדְפֵּי נִשְׁרִין וְקָּרֵיבִית יַתָּכוֹן לְפּוּלְחָנִי:

וּכְעַן אָם קַבָּלָא תְקַבְּלוּן לְמֵימָוִרִי וְתִּשְּׁרוּן יָת קְיָמִי וּתְהוֹן קֻדָּמֵי חַבִּיכִין מִכָּל עממיא ארי דילי כל ארעא:

וַיִּסְעַוּ מֵרְפִּידִּים וַיָּבֵּאוּ מִדְבַּר סִינֵּי וַיַּחֲנָוּ בַּמִּדְבָּּר וַיִּחַן־שָׁם ישָׂרָאֵל גָגֶד הָהֵר:

וּמֹשֶׁה עָלֶה אֶל־הָאֶלֹּהִים וַיִּקְרָא אֵלֶיוּ יְהוָהׁ מִן־הָהָר לַאמֹר כָּה תאמַר לְבֵית יַעֲלֶּב וְתַּגֵּיִד לָבְנֵי יִשִּׂרָאֵל:

אַתֶּם רְאִיתֶּם אֲשֶׁר עָשֶׂיתִי לְמִצְרָיִם וָאֶפֶא אֶתְכֶם אַלְי: אַתָּבְים וָאָבָא אֶתְכֶם אֵלְי:

וְעַהָּה אָם־שָׁמָוֹעַ תִּשְׁמְעוּ בְּקֹלִי סְּגֶלָה מִבְּל-הָעַמִּים כִּי־לָי כְּל-הָאָרֵץ:

- (1) ביום הזה. בראש חדש (שבת פו:). לא היה לריך לכתוב אלא ביום ההוא, מהו ביום הזה, שיהיו דברי תורה חדשים עליך כאילו היום ניתנו:
- (2) ויסעו מרפידים. למה הולרך לחזור ולפרש מהיכן נסעו, והלא כבר כתב שברפידים היו חונים, בידוע שמשם נסעו, אלא להקיש נסיעתן מרפידים לביאתן למדבר סיני, מה ביאתן למדבר סיני במשובה, אף נסיעתן מרפידים במשובה (מכילתא אלא להקיש נסיעתן מרפידים לביאתן למדבר סיני, מה ביאתן למדבר סיני במשובה, אף נסיעתן מרפידים במשובה (מכילתא שם): בגד בהדשר. במדש שלא בישראל. כאיש אחד בלב אחד, אבל שאר כל החניות בתרעומות ובמחלוקת (מכילתא שם): ההר. למזרחו, וכל מקום שאתה מולא נגד, פנים למזרח (מכילתא שם):
- (3) ומשה עלה. ביום השני, וכל עליותיו בהשכתה היו, שנאתר וַיַּשְׁבֵּם משֶׁה בַּבּּקֶר (שמות לד, ד): כה תאמר. בלשון הזה וכסדר הזה: לבית יעקב. אלו הנשים, תאתר להם בלשון רכה: ותגיד לבני ישראל. עונשין ודקדוקין פירש לזכרים, דברים הקשין כגידין (שבת פז. מכילתא בחדש פ"ב):
- (4) אתם ראיתם. לא מסורת היא בידכם, ולא בדברים אני משגר לכם, לא בעדים אני מעיד עליכם, אלא אחם ראיתם אשר עשיתי למלרים, על כמה עבירות היו חייבין לי קודם שנזדווגו לכם, ולא נפרעתי מהם אלא על ידכם: ואשא אתכם. זה יום שבאו ישראל לרעמסם, שהיו ישראל מפוזרין בכל ארץ גושן, ולשעה קלה כשבאו ליסע וללאת, נקבלו כלם לרעמסם (מכילתא פ"ב). ואונקלום תרגם ואשא, וְשַׁעֶלִית יְּמֶכוֹן, כמו ואסיע אחכם, חיקן את הדבור דרך כבוד למעלה: על כגפי גשרים. כנשר הנושא גוזליו על כנפיו, שכל שאר העופות נותנים את בניהם בין רגליהם, לפי שמתיראין מעוף אחר שפורח על גביהם, אבל הנשר הזה אינו מתירא אלא מן האדם שמא יזרוק בו חץ, לפי שאין עוף פורח על גביו, לכך נותנו על כנפיו אומר מועב יכנס החץ בי ולא בבני, אף אני עשיתי כן, וַיִּשַּע מַלְאַךְ הָאֱלֹהִים וגו' וַיְבָּא בֵּין מַקַבָּה מִיְרַיִם וגו' (שמות יד, יעכ), והיו מלרים זורקים חלים ואבני בּלִיסְעַרָאוֹת, והענן מקבלם: ואבא אתכם אלי. כתרגומו:
- (5) ועתה. אם עתה תקבלו עליכם, יערב לכם מכאן ואילך, שכל התחלות קשות (מכילתא פ"ב): ושמרתם את בריתי. שאכרות עמכם על שמירת התורה: סגלה. אולר חביב, כמו וסגלת מלכים (קהלת ב, ח), כלי יקר ואבנים טובות שהמלכים אוכזים אותם מהיו לי סגולה משאר אומות, ולא תאמרו אתם לבדכם שלי ואין לי אחרים עמכם, ומה יש לי עוד שתהא חבתכם נכרת, כי לי כל הארץ, והם בעיני ולפני לכלום:

and ye shall be unto Me a kingdom 6 of priests, and a holy nation. These are the words which thou shalt speak unto the children of Israel.' וְאַתּוּן תְּחוּן קֵדְמֵי מַלְכִין בָּתְנָמִיָּא דִּתְמַלֵּיל עם בְּנֵי יִשְׂרָאֵל:

וְאַתָּם תִּהְיוּ־לֶי מַמְלֶכֶת כּהְנִים וְנִּוֹי קְדִוֹשׁ אֲלֶה הַדְּבְרִים אֲשֶׁר תְדַבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל:

And Moses came and called for the
red elders of the people, and set before
them all these words which the
LORD commanded him.

וַאָתָא מֹשֶׁה וּקֶרָא לְסְבֵי עַמָּא וְסַדַּר קֶדְמֵיהוֹן יָת כָּל פָּתִנְמַיָּא הָאָלֵין דְּפַקְדֵיה יִיָּ: וַיָּבָאׁ מֹשֶׁה וַיִּקְרָא לְזִקְנֵי הָעָם וַיָּשֶּׁם לִפְנֵיהֶם אָת כְּל־הַדְּבְרֵים הָאֵלֶה אֲשֶׁר צָּוָהוּ יְהוָֹה:

And all the people answered together, and said: 'All that the LORD hath spoken we will do.' And Moses reported the words of the people unto the LORD.

וַאָתִיבוּ כָל עַמָּא כַּחְדָּא וַאָמַרוּ כֹּל דְּמַלֵּיל יְיָ נַעֲבֵיד וַאָּתֵיב מֹשֶׁה יָת פָּתְגָמֵי עַמָּא לִקְדָם יְיָ:

וַיִּצְנֹוּ כְל־הָעָם יַחְדָּוֹ וַיַּאמְרֹוּ כָּל אֲשֶׁר־דָּבֶּר יְהוָה נַּצְשֶׁה וַיָּשֶׁב מֹשֶׁה אֶת־דִּבְרֵי הָעָם אֶל־ יהוה:

And the LORD said unto Moses: 'Lo, I come unto thee in a thick cloud, that the people may hear when I speak with thee, and may also believe thee for ever.' And Moses told the words of the people unto the LORD.

וַאֲמַר יְיָ לְמֹשֶׁה הָא אֲנָא מִתְנְּלֵי לָךְ בְּעֵיבָא דַעֲנָגְא בְּדִיל דְּיִשְׁמַע עַמָּא בְּמַלְלוּתִי וְחַוִּי מֹשֶׁה יָת פִּתְנָמֵי עַמָּא לִקָּדָם יִיָּ:

וַיּאמֶר יְהוָּה אֶל־מֹשֶׁה הִנֵּה אָנֹכִי בָּא אֵלֶּיךּ בְּעַב הֶעְנָּן בַּעֲבֿוּר יִשְׁמֵע הָעָם בְּדַבְּרָי עִמֶּךְ וְגַם־בְּךָּ יַאֲמֵינוּ לְעוֹלָם וַיַּגֵּד מֹשֶׁה אֶת־דִּבְרֵי הָעֶם אֶלֹ־ יְהוֹה:

And the LORD said unto Moses: 'Go unto the people, and sanctify them to-day and to-morrow, and let them wash their garments,

נַאֲמֵר יִיָּ לְמֹשֶׁה אִיזֵיל לְוָת עַמְא וּתְיָמֵינִנּוּן יוֹמָא דֵין וּמְחַר וִיחַוִּרוּן לִבוּשֵּׁיהוֹן:

וַיּאֹמֶר יְהֹנֶה אֶל־מֹשֶׁהֹ לֵךְ אֶל־ הָעָּׁם וְקַדַּיִּשְׁתָם הַיֻּוֹם וּמָחָר וְכִבְּסִוּ שִׂמְלֹתָם:

and be ready against the third day;

for the third day the LORD will
come down in the sight of all the
people upon mount Sinai.

יהון זְמִינִין קִיומָא תְּלִיתְאָה וָרִי בְּיוֹמָא תְּלִיתְאָה יִתְגְּלֵי יִסִינָי:

ְּ וְהָיִּוּ נְכֹגִים לַיֵּוֹם הַשְּׁלִישִׁי בֵּיוּ וִיּ בַּיֵּוֹם הַשְּׁלִשִּׁי וֵהֵד יְהוְּה לְשֵׁינֵי צְּׁוּ בָל־הָעָם עַל־הַר סִינֵי:

- (6) ואתם תהיו לי ממלכת כהגים. שרים, כְּמֶה דְאַפְּ אָמֵר, וּבְגֵי דְוִד כֹּהֲנִים הָיוּ (שמואל־בּ ח, יח): אלה הדברים. לא פחות ולא יותר:
- (8) וישב משה את דברי העם וגר. ביום המחרת שהוא יום שלישי, שהרי בהשכמה עלה. וכי צריך היה משה להשיב, אלא בא הכתוב ללמדך דרך ארץ ממשה, שלא אמר הואיל ויודע מי ששלחני, איני צריך להשיב:
- (9) בעב העגן. במעצה העגן, וזהו ערפל: וגם בך. גם בנביאים הבאים אחריך: ויגד משה וגו׳. ביום המחרת שהוא רביעי לחדש: את דברי העם וגר׳. תשובה על דבר זה שמעתי מהם, שראונם לשמוע ממך, אינו דומה השומע מפי שליה לשומע מפי המלך, ראונו לראות את מלכנו:
- (10) ויאמר ה׳ אל משה. אם כן שמזקיקין לְדַבֵּר עמס, לך אל העם: וקדשתם. וזימנתם, שיכינו עלמם היום ומחר:
- (11) והיו גכונים. מוגדלים מאשה (מכילמא פ"ג): ליום השלישי. שהוא ששה גחדש, וגחמישי בנה משה את המזבח מחת ההר ושתים עשרה מלבה (מכילמא שם), כל הענין האמור גפרשת ואלה המשפטים, ואין מוקדם ומאוחר בתורה: לעיני כל העם. מלמד, שלא היה גהם סומא, שנתרפאו כולם (מכילמא שם):

And thou shalt set bounds unto the people round about, saying: Take heed to yourselves, that ye go not up into the mount, or touch the border of it; whosoever toucheth the mount shall be surely put to death:

no hand shall touch him, but he shall surely be stoned, or shot through; whether it be beast or man, it shall not live; when the ram's horn soundeth long, they shall come up to the mount.'

And Moses went down from the 14 mount unto the people, and sanctified the people; and they washed their garments.

And he said unto the people: 'Be ready against the third day; come not near a woman.'

And it came to pass on the third day, when it was morning, that there were thunders and lightnings and a thick cloud upon the mount, and the voice of a horn exceeding loud; and all the people that were in the camp trembled.

And Moses brought forth the
people out of the camp to meet
God; and they stood at the nether
part of the mount.

וּתְתַּחֵים יָת עַמָּא סְחוֹר סְחוֹר לְמֵימַר אָסְתְּמַרוּ לְכוֹן מִלְמִסָּק בְּטוּרָא וּלְמִקְרַב בְּסוֹפֵיה כָּל דְיִקְרַב בְּטוּרָא אתקטלא יתקטיל:

לָא תִקְרַב בֵּיה יַד אֲרֵי אָתְרְגָמָא יִתְרְגִים אוֹ אָשְׁתְּדָאָה יִשְׁתְדִי אָם בְּעִירָא אָם אֲנָשָׁא לָא יִתְקַיִּים בְּמֵיגֵד שׁוֹפָּרָא אָנּוּן מוּרְשַׁן לִמְסַּק בִּטוּרָא:

וּנְחַת מֹשֶׁה מָן שוּרָא לְנִת עַּמָּא וְזָמֵין יָת עַמָּא וְחַנַּרוּ לְבוּשֵׁיהוֹן:

וֹאֲמֵר לְעַמָּא הֲוֹוֹ זְמִינִין לְתְלָתָא יוֹמִין לָא תִקְּרְבוּוּן לְצַד אִתְּתָא:

נְהַנְה בְּיוֹמָא תְּלִיתָאָה בְּמִהְנִי צַפְּרָא נַהֲוֹוֹ קּלִין וּבַרְקִין נַעֲנָּא תַּפִּיף עַל טוּרָא וְקָל שׁוֹפְּרָא תַּפִיף לַחְדָּא וְזָע כָּל עַמְּא הבמשריתא:

וְאַפֵּיק מֹשֶׁה יָת עַמְּא לְקַדְּמוּת מֵימְרָא דַּייָ מָן מַשְׁרִיתָא וְאָתְעַתַדוּ בְּשָׁפּוֹלֵי טוּרָא: וְהִנְבַּלְהְ אֶת־הָעָם ׁ סְבֵּיב לֵאמֹר הּשֶּׁמְרִוּ לָכֶם עֲלִוֹת בָּהָר וּנְגַעַ בְּקְצֵּחוּ כְּלֹ־חַנֹּגֵעַ בְּהָר מְוֹת יוּמֶת:

לא־תִּגַּע בֿוּ יָּד בִּי־סְקְוֹל יִפְּקֵל אוֹ־יָרָה יִיָּרֶה אִם־בְּהַמֶּה אִם־ אָישׁ לָא יִחְיֶה בִּמְשׁׁךְ הַיֹּבֵּל הַמָּה יַצֵּלִוּ בָהָר:

ַ וַיֵּבֶרֵד מֹשֶׁה מָן־הְהָר אֶל־ הָעָם וַיִּקַדֵּשׁ אֶת־הָעָם וַיְכַבְּסִוּ שִׂמָלֹתֵם:

וַיֹּאמֶר אֶל־הָעָׁם הֶיְנִּיּ נְכֹנִים לִשְׁלַשֶׁת יָמֵים אַל־תִּנְשִׁיּ אֶל־ אִשֵּׁה:

וַיְהִי בַיּוֹם הַשְּׁלִישִּׁי בְּהְנֵת הַבּּקֶר וַיְהִי ּלְלֹת וּבְרָלִים וְעָנֵן כְּבֵד עַל־הָהָר וְלְל שׁבֶּר חָזֶק מְאָד וַיֶּחֶרָד כְּל־הָעֶם אֲשֶׁר במחנה:

ַניוֹצֵּא מֹשֶׁה אֶת־הָעֶם לִקְרַאת הַאֱלֹהִים מִן־הַמַּחֲנֻה נַיְּתְיַצְּבִּוּ בְּתַחָתֵּית הָהֵר:

- (12) והגבלת. קבע להם מחומין לסימן, שלא יקרבו מן הגבול והלאה: לאמר. הגבול אומר להם השמרו מעלום מכאן וחלאה, ואתה תזהירם על כך: ונגע בקצהו. אפילו בקצהו:
- (13) ירה יירה. מכאן לנסקלין שהם נדחין למטה (סנהדרין מה.) מבית הסקילה שהיה גבוה שתי קומות: יירה. יושלך למטה לארץ, כמו יָרָה צַיָּס (שמות טו, ד): במשך היובל. כשימשוך היובל קול ארוך, הוא סימן סלוק שכינה והפסקת הקול, וכיון שנסתלק הם רשאין לעלות: היובל. הוא שופר של איל, שכן בערביא קורין לְדְכְרָה יוֹבֶלָא. ושופר של אילו של ילחק היה:
 - :מן ההר אל העם. מלמד שלא היה משה פונה לעסקיו, אלא מן ההר אל העם:
- (15) היו נכונים לשלשת ימים. לסוף שלשת ימיס, הוא יום רציעי, שהוסיף משה יום אחד מדעתו, כדברי רבי יוסי (שבת פז.), ולדברי האומר בששה בחדש ניתנו עשרת הדברות, לא הוסיף משה כלום, ולשלשת ימים, כמו ליום השלישי: אל תגשו אל אשה. כל שלשת ימים הללו, כדי שיהיו הנשים טובלות ליום השלישי ותהיינה טהורות לקבל תורה, שאם ישמש חוך ג' ימים, שמא תפלוט האשה שכבת זרע לאחר טבילתה ותחזור ותטמא, אבל מששהתה שלשה ימים כבר הזרע מסריח ואינו ראוי להזריע, וטהור מלטמא את הפולטת:
- (16) בהיות הבקר. מלמד שהקדים על ידם, מה שאין דרך בשר ודם לעשות כן שיהא הרב ממתין לחלמיד, וכן מלינו קוּם צַא אָל הַבּקשָה וְהַצָּה שָׁם כְּבֹּוֹד ה' עֹמֵד (שם כג):

Now mount Sinai was altogether on smoke, because the LORD descended upon it in fire; and the smoke thereof ascended as the smoke of a furnace, and the whole mount quaked greatly.

And when the voice of the horn waxed louder and louder, Moses spoke, and God answered him by a voice.

And the LORD came down upon mount Sinai, to the top of the mount; and the LORD called Moses to the top of the mount; and Moses went up.

And the LORD said unto Moses: 'Go down, charge the people, lest they break through unto the LORD to gaze, and many of them perish.

And let the priests also, that come 22 near to the LORD, sanctify themselves, lest the LORD break forth upon them.' וְטוּרָא דְּסִינֵי תְּנֵן כּוּלֵיה מִן מֶדָם דְאָתְּגְיִי עֲלוֹהִי יִי בָּאִישֶׁתָא וּסְלֵיק תַּנְנֵיה כְּתַנְנָא דְאַתּוּנָא וְזָע כָּל טוּרָא לַחְדָּא:

וַהֲנָה קל שׁוֹפָּרָא אָזֵיל וְתְקֵיף לַחְדָּא מֹשֶׁה מְמַלֵּיל וּמִן קֵּדָם יִיָ מִתִּעַנִי לִיה בָּקַל:

וְאָתְגְּלִי יִן עַל טוּרָא דְּסִינֵי לְרֵישׁ טוּרָא וּקְרָא יִן לְמֹשֶׁה לרישׁ טוּרא וּסליק משה:

וַאֲמַר וָיָ לְמֹשֶׁה חוֹת אַסְהֵיד בְּעַמָּא דִּלְמָא יְפַגְּרוּן קֵדָם וְיָ לִמְחָזֵי וִיִּפּוֹל מִנְּהוֹן סַגִּי:

וְאַף כָּהַנָּיָא דְּקָרִיבִין לְשַׁמְּשָׁא קֶּדֶם יִיָּ יִתְּקַדְּשׁוּן דִּלְמָא יִקְטוֹל בּהוֹן יִי:

וְתַר סִינֵי עְשַׁן כָּלּוֹ נִּיְחֶרָד כְּל־הָמָּנִי וְ בָּעֶשֶׁן הַכִּּבְשָּׁן וַיֶּחֶרָד כְּל־הָהָר בְּ מאד:

ְנְיְהִי קּוֹל הַשּׁפֶּׁר הוֹלֵךְ וְחָזָק מְאֵד מֹשֶׁה יְדַבֵּּר וְהָאֶלהִים יַשְנַנּוּ בָקוֹל:

ְ נַיַּבֶר יְהְוֶּה עַל־הַר סִינֵי אֶל־ רַאשׁ הָהָר נַיִּקְרָא יְהְוָּה לְמֹשֶׁה אֶל־רָאשׁ הָהָר נַיַּעַל מֹשֶׁה:

ַ וַיָּאמֶר יְהוָהֹ אֶל־מֹשֶׁה הֵד וַ הָעֵד בְּעָם בָּן־יֶהֶרְסִוּ אֶל־יְהוָהֹ יִּ לִרְאוֹת וְנָפָל מִמֶּנוּ רֶב:

וְגַם הַכּּהֲנֵים הַנִּגְּשִׁים אֶל־יְהְוָה ^{וְי} יִתְקַדָּשׁוּ פֶּן־יִפְּרָץ בָּהֶם יְהֹוֶה:

- (17) לקראת האלהים. מגיד שהשכינה יצאה לקראתם כחתן היוצא לקראת כלה, וזה שנאמר ה' מִפְּינֵי בָּא (דברים לג, ב. מכילתא פ"ג), ולא נאמר לסיני בא: בתחתית ההר. לפי פשוטו ברגלי ההר. ומדרשו, שנחלש ההר ממקומו ונכפה עליהם כגיגית (שבת פח.):
- (18) עשן כלו. אין עשן זה שם דבר, שהרי נקוד השי"ן פח"ח, אלא לשון פעל, כמו אמר, שמר, שמע, לכך תרגומו פְּגַן כְּגֵּיה וֹלֹא תרגם פְּנָגָא, וכל עשן שבמקרא נקודים קמ"ץ, מפני שהם שם דבר: הכבשן. של סִיד, יכול ככבשן זה וֹלא יוחר, מלמוד לומר בוער באש עד לב השמים, ומה תלמוד לומר כבשן, לְשַׁבֵּר את האוזן מה שהיא יכולה לשמוע, נותן לבריות סימן הניכר להם. כיולא בו בְּאַרְיֵה יִשְׁאָג (הושע יא, י), וכי מי נתן כח בארי אלא הוא, והכתוב מושלו כאריה, אלא אנו מכנין ומדמין אותו לבריותיו, כדי לְשַבֵּר את האוזן מה שיכולה לשמוע. כיולא בו וְקוֹלוֹ בְּקוֹל מֵיִם רַבִּים (יחזקאל מג, ב), וכי מי נתן קול למים והלא הוא, ואתה מכנה אותו לדמותו לבריותיו כדי לְשַבָּר את האוזן:
- (19) הולך וחזק מאד. מנהג הדיוט כל זמן שהוא מאריך למקוע קולו מחליש וכוהה, אבל כאן הולך וחזק מאד, ולמה כך, מתחלה לְשַׁבֵּר אזניהם מה שיכולין לשמוע: משה ידבר. כשהיה משה מדבר ומשמיע הדברות לישראל, שהרי לא שמעו מפי הגבורה אלא אנכי ולא יהיה לך, והקדוש ברוך הוא מסייעו לחת בו כח להיות קולו מגביר ונשמע: יעגנו בקול. יעננו על דבר האש להורידו:
- (20) וירד ה׳ על הר סיגי. יכול ירד עליו ממש, תלמוד לומר כִּי מִן הַשְּׁמֵיִם דְּבַּרְמִּי עַמֶּכֶם (שמות כ, יט), למד שֶׁהְרְכִּין שמים עליונים ותחתונים, והליען על גבי ההר כמלע על המטה, וירד כסא הכבוד עליהם (מכילתא פ״ד):
- (21) העד בעם. התרה בהס שלא לעלות בהר: פן יהרסו וגו'. שלא יהרסו את מצבם, על ידי שַׁתַּאַוְסָם אל ה' לראות, ויקרבו לצד ההר: וגפל ממגו רב. כל מה שיפול מהם, ואפילו הוא יחידי חשוב לפני רב (מכילתא שם): יהרסו. כל הריסה מפרדת אסיפת הבנין, אף הגפרדין ממצב אנשים הורסים את המצב:
- (22) וגם הכהגים. אף הבכורות שהעבודה בהם (זבחים קטו:): הנגשים אל ה׳. להקריב קרבנות, אף הם אל יסמכו על חשיבותם לעלות: יתקדשו. יהיו מזומנים להתילב על עמדן: פן יפרץ. לשון פרלה, יהרוג בהם ויעשה בהם פרלה:

And Moses said unto the LORD:

'The people cannot come up to
mount Sinai; for thou didst charge
us, saying: Set bounds about the
mount, and sanctify it.'

And the LORD said unto him: 'Go, get thee down, and thou shalt come up, thou, and Aaron with thee; but let not the priests and the people break through to come up unto the LORD, lest He break forth upon them.'

So Moses went down unto the people, and told them.

And God spoke all these words, saying:

וַיָּאֹטֶר מֹשֶׁה שֶׁלְ־יְהוְּה לֹא־יוּכֵל וַאֲמֵר מֹשֶׁה קַדְם יִיָּ לָא יִכּוֹל הַשִּׁם לַעֲלָת אֶל־הַר סִינְּי, כִּי־ עַמָּא לְמִפָּק לְטוּרָא דְּסִינְי אַתְּה הַעֵּלְתָה בָּנוּ לֵאמֹר הַנְבֵּל אֲרֵי אַתְּ אַסְהֵיְדְתְּ בַּנָּא לְמֵימֵר אָת־הָהָר וִקְּדָּשְׁתְּוֹ:

ַנְּיֹאֶמֶר אֶלֶיו יְהֹּנָה לֶּךְ־בֵּר וַאֲמֵר לֵיה יְיָ אִיזֵיל חוֹת וְתְפַּקּ וְשְׁלֵית אֶל־יְהֹּנָה בֶּן־יִפְּרָץ־ דִּלְמָא יִקְמוֹל בְּהוֹן:
יְנְאַלֶּת אֶל־יְהֹנָה בֶּן־יִפְּרָץ־ דִּלְמָא יִקְמוֹל בְּהוֹן:
בּם:

ַ וַיֵּרֶד מֹשֶׁה אֶל־הָעָם וַיִּאמֶר וּנְחַת מֹשֶׁה לְוָת עַמְּא וַאֲמֵר אַלְהֵם: (ס)

ג_א וַיְדַבֵּר אֱלֹהִים אֶת כְּלֹ־ וּמַלֵּיל יְיָ יָת כָּל פּּתְגְמַיָּא _{בַּ} הַדְּבַרִים הַאֵּלָה לַאמָר: (ס) הָאַלֵּין לְמֵימַר:

The Ten Commandments are presented here in Ta'am Taḥton. For the Ten Commandments in Ta'am Elyon, see page 205.

I am the LORD thy God, who
brought thee out of the land of
Egypt, out of the house of bondage.

אָנֹכִי יְהֹנָה אֱלֹהֶיְךְ אֲשֶׁר אֲנָא יְיָ אֱלְהָךְ דְּאַפֵּיקתְּדְ הוֹצֵאתֶיךְ מֵאֶרֶץ מִצְרַיִם מִבֵּית מֵאַרְעָא דְּמִצְרַיִם מִבֵּית עברים:

- (23) לא יוכל העם. איני צריך להעיד בהם, שהרי מותרין ועומדין הם היום שלשת ימים, ולא יוכלו לעלות, שאין להם רשות:
- (24) לך רד. והעד בהם שנית, שמזרזין את האדם קודם מעשה, וחוזרין ומזרזין אותו בשעת מעשה (מכילתא שם): ועלית אתה ואהרן עמך והכהגים. יכול אף הם עמך, תלמוד לומר ועלית אתה, אמור מעתה, אתה מחיצה לעצמך, ועלית אתה ואהרן עמך והכהנים מחיצה לעצמם, משה נגש יותר מאהרן, ואהרן יותר מן הכהנים, והעם כל עיקר אל יהרסו את מצבם לעלות אל ה': פן יפרץ בם. אף על פי שהוא נקוד חטף קמ"ץ, אינו זו מגזרתו, כך דרך כל חיצה שנקודתה מלאפו"ם, כשהיא באה במקף, משתנה הנקוד לחטף קמ"ץ:
 - (25) ויאמר אליהם. התראה זו:
- (1) וידבר אלהים. אין אלהים אלא דיין, וכן הוא אותר אֱלֹהִים לא מְקַלֵּל (שמות כב, כו) ותרגומו דַּיָּינְא, לפי שיש פרשיות בתורה שאם עשאן אדם מקבל שכר ואם לאו אינו מקבל עליהם פורעניות, יכול אף עשרת הדברות כן, תלמוד לומר וידבר אלהים, דיין להפרע: את כל הדברים האלה. מלמד שאמר הקדוש ברוך הוא עשרת הדברות בדבור אחד, מה שאי אפשר לאדם לומר כן, אם כן מה תלמוד לומר עוד אנכי ולא יהיה לך, שחזר ופירש על כל דבור ודבור בפני עלמו. (קושיית אם כן כו', פירוש, לפי זה שמוכח מאת כל הדברים האלה, שגם שאר עשרת הדברות כולם אמר הקב"ה בדבור אחד, אם כן מה תלמוד לומר אנכי וגו', רלונו לומר מה בא להודיענו במה שפרע לשון ב' דברות אלו מהשאר, מדהוליאם בלשון זה שהמשמעות דוקא אלו שנים בפרע מפי הגבורה יצאו, והלא לפי זה כולם כמוהם, הקב"ה בכבודו ובעלמו דיברם. וחירן שחזר ופירש וכו', ורלונו לומר, באותה החזרה, לא החזיר ללמד על הכלל יצא, אלא על הפרע אלו שתי דברות ראשונות ביחוד ודו"ק): לאמר. מלמד שהיו עונין על הן הן ועל לאו לאו (מכילתא שם):
- (2) אשר הוצאתיך מארץ מצרים. כדאי היא ההונאה, שתהיו משועבדים לי. דבר אחר, לפי שנגלה בים כגבור מלחמה ונגלה כאן כזקן מלא רחמים, שנאמר וְהַחָּחַ רַגְּלָיו בְּמַעֲשֵׁה לְבְנַח הַפַּפְּיר (שמוח כד, י), זו היתה לפניו בשעח השעבוד, וכעלם הגלה כאן כזקן מלא רחמים, שנאמר וְהַחָּחַ רְגְלִיו בְּמַעֲשֵׁה לִבְנִי בשְׁמִי רשויות הן (מכילחא פ"ה), אנכי הוא אשר הוצאחיך ממזרים השמים משנגאלו, הואיל ואני משתנה במראות, אל תאמרו שתי רשויות הן (מכילחא פ"ה), אנכי הוא אשר הוצאחיך ממזרים

Thou shalt have no other gods before Me.

Thou shalt not make unto thee a graven image, nor any manner of likeness, of any thing that is in heaven above, or that is in the earth beneath, or that is in the water under the earth:

thou shalt not bow down unto them, nor serve them; for I the LORD thy God am a jealous God, visiting the iniquity of the fathers upon the children unto the third and fourth generation of them that hate Me;

and showing mercy unto the 6 thousandth generation of them that love Me and keep My commandments.

Thou shalt not take the name of 7 the LORD thy God in vain; for the LORD will not hold him guiltless that taketh His name in vain.

Remember the sabbath day, to keep אחששה אוית יומא it holy.

לָא יִהְנֵי לא־יִהוֶה לְדָּ אֵלֹהִים אַחַרִים

לא תעביד מתחת :מְלָרַע לְאַרעא ואשר בּמִים מתחת לאַרץ:

לא תסגוד להון ולא תפלחנין

לַרַחַמַי וּלְנַמָרֵי פַּקּוֹדֵי:

לא תשא את־שם־יהוה אלהיד לַשַּׁוָא כֵּי לֹא ינַקָּה יָהוָה אָת לְמַנָּנָא אַרֵי לָא יוַכֵּי יִיָּ אשר־ישא את־שמו לשוא:(פ)

ולשמרי מצותי:(ס)

לאַלפִים לאהבי

זכור את־יום השבת לקדשו:

ועל הים. דבר אחר, לפי שהיו שומעין קולות הרבה, שנאמר את הקולות, קולות באין מד' רוחות ומן השמים ומן הארץ, אל חאמרו רשויות הרבה הן. ולמה אמר לשון יחיד אלהיך, ליתן פתחון פה למשה ללמד סניגוריא במעשה העגל, וזה הוא שאמר מבית עבדים. מנית לַמָה ה' יַחַרֶה אַפַּדְ בַּעַמָּדְ (שמות לב, יא), לא להם לוית לא יהיה לכם אלהים אחרים, אלא לי לבדי: פרעה שהייתם עבדים לו, או אינו אומר אלא מביח עבדים שהיו עבדים לעבדים, תלמוד לומר ויפדך מביח עבדים מיד פרעה מלך מלרים, אמור מעתה, עבדים למלך היו, ולא עבדים לעבדים:

- (3) לא יהיה לך. למה נאמר, לפי שנאמר לא תעשה לך, אין לי אלא שלא יעשה, העשוי כבר מנין שלא יקיים, תלמוד לומר לא יהיה לך (מכילתא פ"ו): אלהים אחרים. שאינן אלהות, אלא אחרים עשאום אלהים עליהם (מכילתא שם). ולא יחכן לפרש אלהים אחרים זולחי, שגנאי הוא כלפי מעלה לקרותם אלהות אללו. דבר אחר אלהים אחרים, שהם אחרים לעובדיהם, לועקים אליהם ואינן עונים אותם, ודומה כאילו הוא אחר שאינו מכירו מעולם: על פגי. כל זמן שאני קיים, שלא תאמר לא נצטוו על עבודת אלילים אלא אותו הדור (מכילתא שם):
 - (4) פסל. על שם שנפסל: וכל תמונה. חמונת כל דבר אשר בשמים:
- (5) אל קנא. מקנא להפרע, ואינו עובר על מדחו למחול על עון עבודת אלילים. כללשון קנא אנפרי"מנט בלע"ו (אייפערנד) נותן לב ליפרע: לשבאי. כתרגומו, כשאוחזין מעשה אבותיהם בידיהם (סנהדרין כז:):
- (6) גוצר חסד. שאדם עושה, לשלם שכר עד לאלפים דור, נמנאת מדה טובה יתירה על מדת פורעניות אחת על חמש מאות, שזו לארבעה דורות, וזו לאלפים (תוספתא סוטה ד, א):
- (7) לשוא. (השני לשון שקר, כתרגומו) כְּמֶה דְּחֵימֵר אי זהו שבועת שוא, נשבע לשנות את הידוע, על עמוד של אבן שהוא של זהב, (הראשון לשון מגן, כתרגומו) זה הנשבע לחנם ולהבל על של עץ עץ, ועל אבן אבן (שבועות כט.):

Six days shalt thou labour, and do all thy work;

but the seventh day is a sabbath unto the LORD thy God, in it thou 10 shalt not do any manner of work, thou, nor thy son, nor thy daughter, nor thy man-servant, nor thy maid-servant, nor thy cattle, nor thy stranger that is within thy gates;

for in six days the LORD made heaven and earth, the sea, and all that in them is, and rested on the seventh day; wherefore the LORD blessed the sabbath day, and hallowed it.

Honour thy father and thy mother, 12 that thy days may be long upon the land which the LORD thy God giveth thee.

Thou shalt not murder. Thou shalt 13 not commit adultery. Thou shalt not steal. Thou shalt not bear false witness against thy neighbour.

שָׁתַא יוֹמִין תִּפְּלַח וָתַעַבֵּיד כַּל

עַבְדַּדְ וָאֲמָתַּדְ וּבְעִירַדְ וְגִּיוֹרֶדְ

ואמתד ובהמתד

וַיַקַדשהוּ:(ס

וַקַר וָת אֲבוּך וְוָת אִמַּך בִּדִיל הַנִירָכוּן יוֹמַךְ עַל אַרִעַא הַ

לְא תִרְצֶח (ס) לָא תִנְאֶף (ס) לָא תִקְטוּל נִפַּשׁ לָא תִגוּף לָא

(8) זכור. זכור ושמור בדבור אחד נאמרו, וכן מחלליה מוח יותח (שמוח לא, יד) וביום השבה שני כבשים (במדבר כח, ט), וכן לא מִלְבַּשׁ שַעַמְגֵו גִּדְלִים מַעַשֶׁה לֶךְ (דברים כב, יאיב), וכן עֶרְוַת אֲשֶׁת אָמִיךְ (ויקרא יח, טו) יַבָּמָה יָבֹא עַלֶיהָ (דברים כה, ה), הוא שנאמר אַחֶם דְבֶּר חֱלְהִים שְׁחַּיִם זוּ שַׁמַעִּהִי (תהלים סב, יב). זכור לשון פעול הוא, כמו אַכול וְשַׁתוֹ (ישעיה כב, יג), הַלוֹדְ וּבַכֹה (שמואל־ב ג, טו), וכן פתרונו תנו לב לזכור תמיד את יום השבת, שאם נודמן לך חפץ יפה, תהא מזמינו לשבת (בילה טו): (9) ועשית כל מלאכתך. כשתבא שבת, יהא בעיניך כאילו כל מלאכתך עשויה, שלא תהרהר אחר מלאכה (מכילחא פ"ז):

(10) אתה ובנד ובתך. אלו הקטנים, או אינו אלא גדולים, אמרת, הרי כבר מוזהרין הם, אלא לא בא אלא להזהיר גדולים על שביתת הקטנים, וזה ששנינו (שבת קכא.)קטן שבא לכבות, אין שומעים לו, מפני ששביתתו עליך:

(11) וינח ביום השביעי. כביכול הכתיב בעצמו מנוחה, ללמד הימנו קל וחומר לאדם שמלאכתו בעמל וביגיעה שיהא נוח בשבת: ברך. ויקדשהו. ברכו במן לכופלו בששי לחם משנה, וקדשו במן שלח היה יורד בו:

(12) למען יאריכון ימיך. אם תכבד יאריכון ימיך, ואם לאו יקלרון, שדברי תורה נוטריקון הם נדרשים, מכלל הן לאו ומכלל לאו הן (מכילתא פ"ח):

(13) לא תנאף. אין ניאוף אלא באשת איש, שנאמר מות יוּמַת הַנֹאֵף וְהַנֹּטְפֶת (ויקרא כ, ו), ואומר הְאִשְׁה הַמְנְאָפֶת מַחַת אָישָׁהּ חָקַח אָח זַרִים (יחוקאל טו, לב): לא תגנוב. בגונב נפשות הכתוב מדבר, לא תגנובו בגונב ממון, או אינו אלא זה בגונב ממון ולהלן בגונב נפשות, אמרת, דבר הלמד מענינו, מה לא תרלה לא תנאף מדבר בדבר שחייבין עליהם מיחת בית דין, אף לא תגנוב דבר שחייב עליו מיתת בית דין (סנהדרין פו.): Thou shalt not covet thy neighbour's house; thou shalt not covet thy neighbour's wife, nor his man-servant, nor his maid-servant, nor his ox, nor his ass, nor any thing that is thy neighbour's.

And all the people perceived the thunderings, and the lightnings, and the voice of the horn, and the mountain smoking; and when the people saw it, they trembled, and stood afar off.

And they said unto Moses: 'Speak thou with us, and we will hear; but let not God speak with us, lest we die.'

And Moses said unto the people: 17 'Fear not; for God is come to prove you, and that His fear may be before you, that ye sin not.'

And the people stood afar off; but Moses drew near unto the thick darkness where God was.

And the LORD said unto Moses: Thus thou shalt say unto the children of Israel: Ye yourselves have seen that I have talked with you from heaven.

לַא תַחָמֵיד בֵּית חַבְרֵךְ לַא תחמיד אַתַּת חַבְרַךְ וִעַבְדֵּיה וָאַמְתֵּיה וְתוֹרֵיה וּחמריה וכל

וַכַל עַמַּא חַזַן יַת קַלַיַּא וְיַת בַּעוֹרַיָּא וְיָת קַל שׁוֹפָּרָא וְיָת טורא דתנן וחוא עמא וועו

וַיָּאמָרוֹ אַל־מֹשֶׁה דַבֶּר־אָתַה וַאֲמַרוּ לְמֹשֶׁה מַלֶּיל אָתּ עִמְנָא קַדָם יִנְ דְּלְמַא נְמוּת:

הַאֶּלֹהֵים וּבַעַבוּר תהיה אִחְנְּלִי לְכוֹן יְקָרָא דַּייָ וּבִדִּיל דּתְהֵי דַחִלְתֵיה עַל אַפֵּיכוֹן בדיל דלא תחובון:

וָקָם עַמָּא מֵרַחִיק וּמֹשֵׁה קַרִיב

כָּה וַאַמַר יִיָּ לְמֹשֶׁה כִּדְנָן תִּימַר אַל־בָּגֵי יִשְּׂרָאָל אַתֵּם לבני ישְּׁרָאָל אַתּוּן חַזֵיתוֹן אַרֵי

לא תַחִמָּד בֵּית רַעַדְּ לְא־תַחָמִד אַשֶּׁת רַעָּדְ וְעַבִּדוֹ וַאָּמָתוֹ וְשׁוֹרִוֹ וַחַמֹּרוֹ וָכָל אֲשֵׁר לְרַעַדְ:(פּ

יַכַל־הַעָם רֹאָים אָת־הַקּוֹלֹת וָאָת־הַלַּפִּידָם וָאָת קוֹל השׁפֿר וְאֵת־הָהָר עָשֵׁן וַיַּרָא הַעַם וַיַּנְעוּ

עמַנוּ וְנִשְׁמַעָה וְאַל־יִדַבֵּר עמַנוּ וּנִקבּיל וִלָּא יִתְמַלֵּל עִמַנֵּא מִוֹ אַלהֵים פַּן־נמוּת:

וּיֹאמר משה אל-העם" אל- ואמר משה לעמא לא תדחלון תיראוֹ כֹּי לבעבוּר נסוֹת אתכֹם אַרֵי 🔻

> ומשה אל-הערפל

מפטיר רָאִיתֶם כֵּי מָן־הַשָּׁמַּיִם דְּבָּרְתִּי מָן שָׁמַיֵּא מַלֵּילִית עָמָּכוֹן:

(15) וכל העם רואים. מלמד שלא היה בהם אחד סומא, ומנין שלא היה בהם אלם, חלמוד לומר ויענו כל העם, ומנין שלא היה בהם חרש, תלמוד לומר נעשה ונשמע (מכילתא פ"ט): רואים את הקולות. רואין את הנשמע, שאי אפשר לראות במקום אחר (שם): את הקולות. היולאין מפי הגבורה: וינעו. אין נוע אלא זיע (שם): ויעמדו מרחוק. היו נרתעין לאחוריהם שנים עשר מיל, כאורך מחניהם, ומלאכי השרת באין ומסייעין אותן להחזירם, שנאמר מַלְבֵי לְבָּאוֹת יִלֹדוּן ילדון (תהלים סח, יג. מכילתא שם):

(17) לבעבור נסות אתכם. לגדל אתכס בעולס, שילא לכס שם באומות שהוא בכבודו נגלה עליכס: הרמה וגדולה, כמו הַרִימוּ גַם (ישעיה סב, י), אַרִים נָפָי (שם מט, כב), וְכַנֶּם עַל הַגְּבַעַה (שם ל, יז), שהוא זקוף: ובעבור תהיה יראתו. על ידי שראיתם אותו יַראוי וּמְאַיֵם, חדעו כי אין זולתו, ותיראו מפניו:

(18) נגש אל הערפל. לפנים משלש מחיצות, חושך, ענן, וערפל, שנאמר וְהָהֶר בֹּעֵר בְּחֵשׁ עַד לֵב הַשְּׁמֵיִם חשֶׁךְ עָנְן וְעַרְפֶּל (דברים ד, יא). ערפל הוא עב הענן, שאמר לו הנה אָנֹכִי בָּא אֱלֵיךְ בּעַב הֶעָנֶן (שמות יט, ט):

(19) כה תאמר. בלשון הזה: אתם ראיתם. יש הפרש בין מה שאדם רואה למה שאחרים משיחין לו, שמה שאחרים משיחין לו פעמים שלבו חלוק מלהאמין: כי מן השמים דברתי. וכחוב אחר אומר, ויֵרֶד ה' על הַר סִינִי, בא הכחוב Ye shall not make with Me—gods of silver, or gods of gold, ye shall not make unto you.

An altar of earth thou shalt make unto Me, and shalt sacrifice thereon thy burnt-offerings, and thy peace-offerings, thy sheep, and thine oxen; in every place where I cause My name to be mentioned I will come unto thee and bless thee.

And if thou make Me an altar of

stone, thou shalt not build it of
hewn stones; for if thou lift up thy
tool upon it, thou hast profaned it.

Neither shalt thou go up by steps

unto Mine altar, that thy nakedness
be not uncovered thereon.

לָא תַּעְבְּדוּן מֶדָמָי דַּחְלָן דִּכְסַף וְדַחְלָן דִּדְתַב לָא תַעַבִּדוּן לְכוֹן:

מַרְבַּח אֲדַמְתָּא תַּעֲבֵיד קֵּדְמֵי וּתְבֵּי נְּכַח שְׁלוֹהִי יָת עֲלְוָתְךְ וּמִן תּוֹרֶךְ בְּכָל אֲתַר דְּאַשְׁרֵי שְׁכִינְתִי לְתַמָּן אֶשְׁלַח בִּרְכְתִי לְדְ וַאַבְּרַכְנַּהְ:

וְאָם מַדְבָּח אַבְנִין תַּצְבֵיד קֵדְמֵי לָא תִבְנֵי יְתְהוֹן פְּסִילָן לָא תָרִים חַרְבָּדְּ צֵלַה וָתַחֵלִינָה:

וְלֹא־תַצְלֶה בְּמַצְלֹת עַל־ וְלָא תִפַּק בְּדַרְגִּין עַל מַדְבְּחִי מִזְבְּחִי אֲשֶׁר לֹא־תִגְּלֶה עָרְנָתְהְּ דְּלָא תִחְגַּלֵי עַרְיְתָךְ עֲלוֹהִי: עליו: (פ)

נאל הַנְשָׂוּן אִתִּי אֶלְהִי כֶּסֶף. נאל הַי זָהָב לְא תַעֲשִׂוּ לְכֶם:

מִזְבַּח אֲדָמָה מַצְשֶׁה־לִּי וְזָבַחְתְּ צע־צִאנְהָ וְאֶת־בְּקָרֶךְ בְּכָלְ־ הַמָּקוֹם אֲשֶׁר אַזְכָּיר אֶת־שְׁלָטִיךְ הַמָּקוֹם אֲשֶׁר אַזְכִּיר אֶת־שְׁלָיִי

וְאָם־מִזְבָּח אֲבָנִיםׂ תַּצֲשֶּׁה־לִּי לְאֹ־תִבְנֶה אֶתְהֶן נָזֻיִת בַּי חַרְבְּךָּ הַנַּפְתָּ עָלֶיהָ נַתְּחַלְלֶהָ:

> עה וְי פסוקים כִז

השלישי והכריע ביניהם, מן הַשָּׁמִיִם הִשְׁמִישֵךְ אֶת קלוּ לְיַפְּרֶךְ וְעַל הְאָרֶץ הֶרְאֲךְ אֶת אָשׁוֹ הַגִּלוֹלֶה (דברים ד, לו), כבודו בשמים, ואשו וגבורתו על הארץ. דבר אחר, הְרְבִּין השמים ושמי השמים, והניען על ההר, וכן הוא אומר וַיֵּט שְׁמַיִם וַיַּרַד (תהלים יח, ו. מכילתא פ"ט):

- (20) לא תעשון אתי. לא תעשון דמות שמשי המשמשים לפני במרום (מכילתא פ"י): אלהי כסף. בא להזהיר על הכרובים, שאתה עושה לעמוד אתי, שלא יהיו של כסף, שאם שניתם לעשותם של כסף, הרי הן לפני כאלהות: ואלהי זהב. בא להזהיר שלא יוסיף על ב', שאם עשית ד', הרי הן לפני כאלהי זהב: לא תעשו לכם. לא תאמר, הריני עושה כרובים בבתי כנסיות ובבתי מדרשות כדרך שאני עושה בבית עולמים, לכך נאמר לא תעשו לכם:
- (21) מזבח אדמה. מחובר באדמה, שלא יבננו על גבי עמודים או על גבי כיפין (נ"א בסיס) (מכילחא פי"א). בר אחר, שהיה ממלא את חלל מזבח הנחושת אדמה בשעת חנייתן (מכילתא שם): תעשה לי. שתהא תחלת עשייתו לשמי: וזבחת עליו. אללו, כמון שְלַיו מַשָּה מְנַשָּׁה (במדבר ב, כ), ו אינו אלא עליו ממש, חלמוד לומר הַבָּשֶׁר וְהַדְּס עַל מִוְבָּח ה' אֶלֹהֶיךְ (דברים יב, כז), ואין שחיטה בראש המזבח (מכילתא פי"א זבחים נח.): את עולתיך ואת שלמיך. אשר מלאנך ומבקרך. אח לאנך ואת שלמיך: בכל המקום אשר אזכיר את שמי. אשר אתן לך רשות להזכיר שם המפורש אלא במקום המפורש שלי, שם אבוא אליך וברכתיך, אשרה שכינתי עליך, מכאן אחה למד, שלא ניתן רשות להזכיר שם המפורש אלא במקום שהשכינה באה שם, וזהו בית הבחירה, שם ניתן רשות לכהנים להזכיר שם המפורש בנשיאת כפים לברך את העם:
- (22) ואם מזבח אבנים. רבי ישמעאל אומר, כל אם ואם שבתורה רשות, חוץ מג', ואם מובח אבנים מעשה לי, הרי אם זה משמש בלשון כאשר, וכאשר תעשה לי מובח אבנים לא תבנה אתהן גזית, שהרי חובה עליך לבנות מובח אבנים, שנאמר אֲבֶנִים משמש בלשון כאשר, וכאשר תעשה לי מובח אבנים לא תבנה אתהן גזית, שהרי חובה עליך לבנות מובח אבנים, שנאמר אֱבֶנִים שַּבְבִּיטֵבִּוּ (דברים טו, ח), ואף זה משמש בלשון כאשר. וכן אָס פַּקָף שַּלְנָה (שמות כב, כד), זו מנחת העומר שהיא חובה (מכילתא פי"א), ועל כרחך אין אם הללו תלוין, אלא ודאין, ובלשון כאשר הם משמשים: גזית. לשון גזיזה, שפוסלן ומכתתן בברזל: כי חרבך הגפת עליה. הרי כי זה משמש בלשון פן, שהוא דילמא, פן תניף חרבך עליה: ותחללה. הא למדת, שאם הנפת עליה ברזל עליה. הרי כי זה משמש בלשון פן, שהוא דילמא, פן תניף חרבך עליה: ותחללה. הא למדת, שאם הנפת עליה ברזל חללת שהמובת נברא להאריך ימיו של אדם, והברזל נברא לקלר ימיו של אדם, אין זה בדין שיונף המקלר על המחריך (מדות פ"ג מ"ד). ועוד, שהמובח מטיל שלום בין ישראל לאביהם שבשמים, לפיכך לא יבא עליו כורת ומחבל, והרי דברים קל וחומר, ומה אבנים שאינם רואות ולא שומעות ולא מדברות, על ידי שמטילות שלה מהואה פורענות:

The Haftarah is Isaiah 6:1 - 7:6 & 9:5 - 9:6 on page 217. Sepharadim read Isaiah 6:1 - 6:13.

XXI Now these are the ordinances which thou shalt set before them.

וְאָלֵין דִּינַיָּא דְּתַסְדֵּר קדמיהוו:

וְאֵלֶהֹ הַמִּשְׁפְּטִּים אֲשֶׁר תִּשִּׁים וְאַלֵּין לפניהם:

ושפטים

If thou buy a Hebrew servant, six
2 years he shall serve; and in the seventh he shall go out free for nothing.

אָבי תִזְבּוֹן עַבְדָּא בַר יִשְׂרָאֵל שׁית שְׁנִין יִפְּלַח וּבִשְׁבִיעֵיתָא יפּוֹס לבר חוֹריו מגו:

ַנְעֲבֶר וּבַשְּׁבִלִּת וֵצֵא לַּחְפְּשִׁי שֵׁ יַעֲבֶר וּבַשְּׁבִלִּת וֵצֵא לַחְפְשִׁי שֵׁ הִוּבֶם:

If he come in by himself, he shall 3 go out by himself, if he be married, then his wife shall go out with him. אָם בְּלְחוֹדוֹהִי יֵיעוֹל בִּלְחוֹדוֹהִי יִפּוֹק אָם בְּעֵיל אָתֶלָא הוֹא וְתִפּוֹק אָתְּתֵיה אָתָלָא הוֹא וְתִפּוֹק אָתְּתֵיה

אָם־בְּגַפָּוֹ יָבָאׁ בְּגַפָּוֹ יֵצֵא אָם־ בַּעַל אִשָּׁת הוא וְיָצְאָה אִשְׁתְּוֹ עִמְוֹ:

If his master give him a wife, and she bear him sons or daughters; the wife and her children shall be her master's, and he shall go out by himself. אָם רְבּוֹנֵיה יָתֵין לֵיה אָהְּתָא וּתְלִיד לֵיה בְּנִין אוֹ בְנָן אִהְתָא וּבְנַהָא הְהֵי לְרָבּוֹנַה וְהוּא יפּוֹק בּלחוֹדוֹהי:

אָם־אָדנִיוֹ יִתֶּן־לַוֹ אִשְּׁה וְיִלְדָה־ לְוֹ בָנִים אַוֹ בָנִוֹת הָאִשְּׁה וִילָדִיה תִּהְיֶה לֵאדֹנִיה וְהָוֹא יֵצֵא בְנַפְּוֹ:

- (23) ולא תעלה במעלות. כשאתה בונה כבש למזבח, לא מעשהו מעלות מעלות, אשקנו"ש בלע"ז (שטופען שטאפלען) אלא חלוק יהא ומשופע: אשר לא תגלה ערותך. שעל ידי המעלות אתה זריך להרחיב פסיעותיך, ואף על פי שאינו גלוי ערוה ממש, שהרי כתיב ועשה להם מכנסי בד, מכל מקום הרחבת הפסיעות קרוב לגלוי ערוה הוא, ואתה נוהג בהם מנהג בזיון, והרי דברים קל וחומר, ומה אבנים הללו שאין בהם דעת להקפיד על בזיונן, אמרה חורה הואיל ויש בהם זורך לא מנהג בהם מנהג בזיון, חבירך שהוא בדמות יוצרך, ומקפיד על בזיונו, על אחת כמה וכמה:
- (1) ואלה המשפשים. כל מקום שנאמר אלה, פסל את הראשונים, ואלה, מוסיף על הראשונים (שמו"ר ל, צ), מה הראשונים מסיני אף אלו מסיני. ולמה נסמכה פרשת דינין לפרשת מזבח, לומר לך שתשים סנהדרין אזל המקדש (ס"א המזבח): אשר תשים לפניהם. אמר לו הקב"ה למשה, לא תעלה על דעתך לומר, אשנה להם הפרק וההלכה ב'אוג'פעמים, עד שתהא סדורה בפיהם כמשנתה, ואיני מטריח עזמי להבינם טעמי הדבר ופירושו, לכך נאמר אשר תשים לפניהם, כשלחן הערוך ומוכן לאכול לפני האדם: לפניהם בין אותו בדין אחד שהם דנין אותו כדיני ישראל, אל מביאהו בערכאות שלהם, שהמביא דיני ישראל לפני ארמים, מחלל את השם ומיקר שם האלילים להשביחם (ס"א להחשיבם), שנאמר כי לא כזורנו זורם ואויבינו פלילים (דברים לב, לא), כשאויבינו פלילים זהו עדות לעלוי יראתם:
- (2) כי תקנה עבד עברי. עבד שהוא עברי, או אינו אלא עבדו של עברי, עבד כנעני שלקחחו מישראל, ועליו הוא אומר שש שנים יעבוד, ומה אני מקיים וְהַחְנַחַלְּמֶּס אֹמָס (ויקרא כה, מו), בלקוח מן הכנענים, אבל בלקוח מישראל יצא בשש, חלמוד לומר כי ימכר לך אחיך העברי (דברים טו, יב), לא אמרתי אלא באחיך: כי תקנה. מיד בית דין שמכרוהו בגנבתו, כמו שנאמר אָס חֵין לו וְנִמְפַּר בְּגְנֵבְּטוֹ (שמות כב, א), או אינו אלא במוכר עצמו מפני דחקו, אבל מכרוהו בית דין לא יצא בשש, כשהוא אומר וְכִי יָמוּךְ שְׁמִיךְ עִמֶּךְ וְנִמְפַר לָךְ (ויקרא כה, לט), הרי מוכר עצמו מפני דוחקו אמור, ומה אני מקיים כי חקנה, בנמכר בבית דין: לחפשי. לחירות:
- (3) אם בגפו יבא. שלא היה נשוי אשה, כתרגומו אם בלחודוהי. ולשון בגפו, בכנפו, שלא בא אלא כמות שהוא, יחידי בתוך לבושו, בכנף בגדו: בגפו יצא. מגיד, שאם לא היה נשוי מתחלה, אין רצו מוסר לו שפחה כנענית להוליד ממנה עבדים לבושו, בכנף בגדו: בגפו יצא. מגיד, שאם לא היה נשוי מתחלה פ"צ): ויצאה אשתו עמו. וכי מי הכניסה שתלא, אלא מגיד הכתוב, שהקונה עבד עברי חייב במזונות אשתו ובניו (קידושין כב.):
- (4) אם אדביו יתן לו אשה. מכאן, שהרשות ביד רבו למסור לו שפחה כנענית להוליד ממנה עבדים. או אינו אלא בישראלית, חלמוד לומר האשה וילדיה חהיה לאדוניה, הא אינו מדבר אלא בכנענית, שהרי העבריה אף היא יולאה בשש, ואפילו לפני שש אם הביאה סימנין יולאה, שנאמר אָחִיךְּ הַעַבְּרִי אוֹ הַעַבְּרִיָה (דברים טו, יב) מלמד שאף העבריה יולאה בשש:

But if the servant shall plainly say: I

5 love my master, my wife, and my
children; I will not go out free;

then his master shall bring him unto God, and shall bring him to the door, or unto the door-post; and his master shall bore his ear through with an awl; and he shall serve him for ever.

And if a man sell his daughter to be
a maid-servant, she shall not go out
as the men-servants do.

If she please not her master, who hath espoused her to himself, then shall he let her be redeemed; to sell her unto a foreign people he shall have no power, seeing he hath dealt deceitfully with her.

וְאָם מֵימָר יֵימֵר עַבְדָּא רָחֵימְנָּא יָת רְבּוֹנִי יָת אָמְתִי וְיָת בְּנָי לָא אֶפּוֹק בַּר חוֹרִין:

וּיקֶרְבְנֵּיהּ רְבּוֹנֵיהּ לְקְדָם דַּיִּינָיָא וִיקְרְבְנֵּיהּ לְוָת דַּשָּׁא אוֹ דַּלְוָת מְזוּזְתָא וְיַרְצַע רְבּוֹנֵיהּ יָת אוּדְנֵיהּ בְּמַרְצְעָא ויהי ליה עבד פּלח לעלם:

וַאֲרֵי יְזַבֵּין גְּכַר יָת בְּרַתֵּיה לְאַמְהוּ לָא תִפּוֹק כְּמַפְּקְנוּת עַבְדַיָּא:

אָם בִּישָׁת בְּעֵינֵי רְבּוֹנַה דִּיקִיִּימָה לֵיה וְיִפְּרְקנָּה לְגְבֵּר אָחֶרָן לֵית לֵיה רְשׁוּ לְזַבּוֹנַה בָּמִשְׁלְטֵיה בַּה: וְאָם־אָלָּוֹר יאִמַר' הָעֶּׁבֶּד אָהַבְּתִּי' אֶת־אָדֹּנִי אֶת־אִשְׁתִּי וְאֶת־בָּנְגִּ לִא אֵצֵא חָפִשִׁי:

וְהָגִּישָׁוֹ אֲדֹנְיוֹ אֶל־הָנָאֶלהִּים וְהָגִּישׁוֹ אֶל־הַדֶּלֶת אָוֹ אֶל־ הַמְּזוּזְהָ וְרָצַע אֲדֹנֵיו אֶת־אָזְנוֹ בַּמַּרְצֵּע וַעְבָדָוֹ לְעֹלֶם: (ס)

י, וְכִי־יִמְכָּר אָישׁ אֶת־בִּתְּוֹ לְאָמְָתְּ, לְאׁ תַּצֵּא כְּצָאת הָעֲבָדִים:

אָם־רָעָּה בְּעֵינֵי אֲדֹנֶיהָ אֲשֶׁר־ (כ׳ לא)[ס׳ לִוֹ] יְעָדֶה וְהֶפְּדָּה לְעַם נְכָרֶי לֹא־יִמְשָׁל לְמְכְרָה בּבגדוֹ־בה:

- (5) את אשתי. השפחה:
- (6) אל האלהים. לבית דין, לריך שימלך במוכריו שמכרוהו לו (מכילתא פ"ב): אל הדלת או אל המזוזה. יכול שתהא המזוזה כשרה לרלוע עליה, תלמוד לומר וְנְחַשֶּׁה בְּשְׁזֵלוּ וּבַּבֶּלֶת (דברים טו, יז), בדלת ולא במזוזה, הא מה תלמוד לומר וֹלְחַשְׁה בְּשְׁזֵלוּ וּבַּבֶּלֶת (דברים טו, יז), בדלת ולא במזוזה, הא מה מזוזה מעומד אף דלת מעומד (קידושין כב:): ורצע אדוניו את אזנו במרצע. הימנית, או אינו אלא של שמאל, תלמוד לומר אזן אזן לגזירה שוה, נאמר כאן ורלע אדוניו את אזנו, ונאמר במלורע שְּנוּךְ אֹזֶן הַמְּשַׁבֶּר הַיְּמָנִית (ויקרא יד, יד), מה להלן הימנית אף כאן הימנית. ומה ראה אזן להרלע מכל שאר אברים שבגוף, אמר ר' יוחנן בן זכאי, אזן זאת ששמעה על הר סיני לא תגנוב, והלך וגנב, תרלע (מכילתא פ"ב), ואם מוכר עצמו, אזן ששמעה על הר סיני לה תגנוב, והלך וגנב, תרלע (מכילתא פ"ב), ואם מוכר עצמו, אזן ששמעה על הר סיני לשר לרו ממוזה מכל כלים שבבית, אמר הקב"ה, דלת ומזוזה שהיו עדים במלרים כשפסחתי על המשקוף ועל שתי המזוזות, ואמרתי כי לי בני ישראל עבדים, עבדי הם, ולא עבדים לעבדים, והלך זה וקנה אדון לעצמו, ירלע בפניהם: ועבדו לעולם. עד היובל, או אינו אלא לעולם כמשמעו, תלמוד לומר וְאִישׁ אֶל מִשְׁפַּקְּחֹּוּ שָּשָׁבּוּ (ויקרא כה, י), מגיד שחמשים שנה קרוים עולם, ולא שיהא עובדו כל חמשים שנה, אלא עובדו עד היובל, בין ממוך בין מופלג:
- (7) וכי ימכר איש את בתו לאמה. בקטנה הכחוב מדבר (מכילתא פ"ג), יכול אפילו הביאה סימנים, אמרח קל וחומר, ומה מכורה קודם לכן יולאה בסימנין, כמו שכתוב וילאה חנם אין כסף, שאנו דורשים אותו לסימני נערות, שאינה מכורה אינו דין שלא תמכר (ערכין כט:): לא תצא כצאת העבדים. כיליאת עבדים כנענים שיולאים בשן ועין, אבל זו לא מלא בשן ועין, אלא עובדת שש, או עד היובל, או עד שתביא סימנין, וכל הקודם קודם לחירותה, ונותן לה דמי עינה או דמי שינה, או אינו אלא לא תלא כלאת העבדים בשש וביובל, חלמוד לומר כי ימכר לך אחיך העברי או העבריה, מקיש עבריה לעברי לכל יליאותיו, מה עברי יולא בשש וביובל, אף עבריה יולאה בשש וביובל, ומהו לא תלא כלאת העבדים, לא תלא בראשי איברים כעבדים כנענים, יכול העברי יולא בראשי איברים, חלמוד לומר העברי או העבריה, מקיש עברי לעבריה, מה העבריה אינה יולאה בראשי איברים.
- (8) אם רעה בעיני אדניה. שלא נשאה חן בעיניו לכנסה (מכילתא פ"ג): אשר לא יעדה. שהיה לו ליעדה ולהכניסה לו לאשה, וכסף קנייתה הוא כסף קדושיה. וכאן רמז לך הכתוב שמלוה ביעוד, ורמז לך שאינה לריכה קדושין ולהכניסה לו לאשה, וכסף קנייתה הוא כסף קדושיה. וכאן רמז לך הכתוב שמלוה ומה הוא מקום שנותן לה, שמגרע מפדיונה אחרים: והפדה. יתן לה מקום להפדות וללאת, שאף הוא מסייע בפדיונה ועשתה אללו ב"שנים, אומרים לו, יודע היית במספר השנים שעשתה אללו כאילו היא שכורה אללו, כילד, הרי שקנאה במנה ועשתה אללו ב"שנים, אומרים לו, יודע היית

And if he espouse her unto his son, he shall deal with her after the manner of daughters.

If he take him another wife, her food, her raiment, and her conjugal rights, shall he not diminish.

- And if he do not these three unto her, then shall she go out for nothing, without money.
- He that smiteth a man, so that he dieth, shall surely be put to death.

And if a man lie not in wait, but 13 God cause it to come to hand; then I will appoint thee a place whither he may flee.

ואם לבריה יקיימנה כהלכת בנת ישראל יעביד לה:

שָׁאָרֶה אָם אוּחָרָנָתָא יַפָּב לֵיה זִיוּנה יַקַח־לָוֹ :סותה וענתה לא ימנע בָסוּתָה וְעֹנַתָה לֹא יִגְרֵע:

ַ וְאָם־שָׁלֶשׁ־אָלֶה לָא יַעֲשָׂה לָה וָאָם תִּלָת אָלֵין לָא יַעֲבֵיד לַה וָתִפּוֹק מַגַּן דְּלָא כְסַף: ווצאה חנם אין כסף: (ס)

וִיקִמְלְנֵיה לאַנש אתקטלא יתקטיל:

מַכַּה אָישׁ וַמָת מוֹת יוּמַת:

אָתִמָּסַר לִידֵיה וַאֲשַׁנֵי לָךְ אֲתַר דיערוק לתמן:

וַאַשׁר לִאׁ צַּדָּה וְהָאֱלֹהֵים אִנָּה וּדְלָא כְמַן לֵיה וּמָן קֵּדָם וְיָ לָיָרָוֹ וְשַׂמָתַי לִדְּ' מָלִּוֹם אֲשֵׁר

שעתידה לנאת לסוף שש שנה, נמצא שקנית עבודת כל שנה ושנה בששית המנה, ועשתה אצלך ב' שנים, הרי שלישית המנה, טול שני שלישיות המנה ותלא מאללך: לעם נכרי לא ימשל למכרה. שאינו רשאי למכרה לאחר, לא האדון ולא האב (קידושין יה:): בבגדו בה. אם בא לבגוד בה, שלא לקיים בה מצות יעוד, וכן אביה, מאחר שבגד בה ומכרה לזה:

- (9) ואם לבנו ייעדנה. הסדון, מלמד שסף בנו קס מסתיו ליעדה אם ירלה אביו, ואינו לריך לקדושין אחרים, אלא אומר לה, הרי את מיועדת לי בכסף שקיבל אביך בדמיך: כמשפט הבנות. שאר כסות ועונה:
- (10) אם אחרת יסח לו. עליה: שארה כסותה ועונתה לא יגרע. מן האמה שייעד לו כבר: (כתובות מז:): כסותה. כמשמעו: ענתה. תשמיש:
- ואם שלש אלה לא יעשה לה. אם אחת משלש אלה לא יעשה לה, ומה הן השלש, ייעדנה לו, או לבנו, או יגרע מפדיונה ומלא, וזה לא יעדה לא לו, ולא לבנו, והיא לא היה בידה לפדות את עלמה: ויצאה חגם. ריבה לה יליאה לזו יותר ממה שריבה לעבדים, ומה היא היליאה, ללמדך שתלא בסימנין, ותשהה עמו עוד עד שתביא סימנין, ואם הגיעו שש שנים קודם סימנין, כבר למדנו שתנא, שנאמר הָעַבָּרִי אוֹ הָעַבִּרְיָה וַעַבַּדְךְ שֵׁשׁ שָׁנִים (דברים טו, יב), ומהו האמור כאן ויצאה חנם, שאם קדמו סימנים לשש שנים תלא בהן (מכילתא פ"ג), או אינו אומר שחלא אלא בבגרות (קידושין ד.), תלמוד לומר אין כסף, לרבות יציאת בגרות, ואם לא נאמרו שניהם, הייתי אומר ויצאה חנם זו בגרות, לכך נאמרו שניהם שלא ליתן פתחון פה לבעל
- (12) מכה איש ומת. כמה כתוגים נאמרו גפרשת רולחין, ומה שגידי לפרש למה גאו כולם, אפרש: מכה איש ומת. למה נאמר, לפי שנאמר וְאִישׁ כִּי יַכֵּה כָּל נֶפֶשׁ אָדָם מות יוּמָת (ויקרא כד, יז), שומע אני הכאה בלא מיחה, חלמוד לומר מכה איש ומת, אינו חייב אלא בהכאה של מיתה (סנהדרין פד:). ואם נאמר מכה איש ולא נאמר ואיש כי יכה, הייתי אומר אינו חייב עד שיכה איש, הכה את האשה ואת הקטן מנין, תלמוד לומר כי יכה כל נפש אדם, אפילו קטן ואפילו אשה. ועוד, אילו נאמר מכה איש, שומע אני אפילו קטן שהכה והרג יהא חייב, תלמוד לומר ואיש כי יכה (שם), ולא קטן שהכה. ועוד, כי יכה כל נפש אדם אפילו נפלים במשמע, תלמוד לומר מכה איש, שאינו חייב עד שיכה בן קיימא, הראוי להיות איש (מכילתא פ"ד):
- (13) ואשר לא צדה. לא ארב לו ולא נתכוין. לדה לשון ארב, וכן הוא אומר וְאַפָּה לֹדֶה אָת נַפְשִׁי לְקַחְפָּה (שמואל־א כד, יא). ולא יתכן לומר צדה לשון הצד ציד, שצידת חיות אין נופל ה"א בפועל שלה, ושם דבר בה ציד, וזה שם דבר בו צדייה ופועל שלו לודה, וזהו פועל שלו לד. ואומר אני פתרונו כתרגומו ודלא כמן ליה. ומנחם חברו בחלק לד ליד, ואין אני מודה לו, ואם יש לחברו באחת ממחלוקת של לד, נחברנו בחלק על לד תִנְשָׁאוּ (ישעיה סו, יב), לְדֶה אוֹרֶה (שמואל־א כ, כ), וּמִלְין לְלֵד עְלָאַה ימלל (דניאל ז, כה), אף כאן אשר לא לדה, לא לדד למלוא לו שום לד מיתה, ואף זה יש להרהר עליו, מכל מקום לשון אורב הוא: והאלהים אנה לידו. זמן לידו, לשון לא מָאָנֶה אַלֶּיךְ רָעָה (מהלים לא, י), לא יָאָנֶה לַצַּדְּיק כֶּל אָנֵן (משלי יב, כא), מִמְאַנֵּה הוא לי (מלכיס־ב ה, ז), מזדמן למצוא לי עלה: והאלהים אנה לידו. ולמה תצא זאת מלפניו, הוא שאמר דוד, כַּאַשֶׁר יאמר מְשַׁל הַקַּדְמנִי מֵרְשָׁעִים יַגַא רָשַׁע (שמואל־א כד, יג), ומשל הקדמוני היא החורה, שהיא משל הקב"ה שהוא קדמונו של

And if a man come presumptuously יַזַד אִישׁ עַל־רֵעָהוּ לְהַרְגוֹ וַאֲרֵי יַרְשַׁע גָּבַר עַל חַבְרֵיה 14 upon his neighbour, to slay him לְמָקְטָלֵיה בָּנְכִילוּ מָן מַדְבַחִי בְעָרְמָה מֵעֵם מִזְבַּחִי תִּקַּחַנּוּ with guile; thou shalt take him תדברניה למקטל: from Mine altar, that he may die. And he that smiteth his father, or ואמו his mother, shall be surely put to יומת: (ס) אתקטלא יתקטיל: death. . And he that stealeth a man, and וְגֹנֵב אָישׁ וּמִכָּרוֹ וְנִמְצֵא בִיְדְוֹ selleth him, or if he be found in his מות יומת: (ס) hand, he shall surely be put to death. And he that curseth his father or מות ודילום ¹⁷ his mother, shall surely be put to אָנְשִׁים וִהִכָּה־אִישׁ And if men contend, and one smite 18 the other with a stone, or with his יָת חַבְרֵיה בָּאַבְנָא אוֹ אַת־רַעַּהוּ בַּאָבֵן אָוֹ בָאַגִּרָף וִלְא fist, and he die not, but keep his בְּכוּרְמֵיזָא וִלָּא יִמוּת וִיפּוֹל bed;

עולם, והיכן אמרה תורה מרשעים יצא רשע, והאלהים אנה לידו, במה הכתוב מדבר, בשני בני אדם, אחד הרג שוגג ואחד הרג מזיד, ולא היו עדים בדבר שיעידו, זה לא נהרג וזה לא גלה, והקב"ה מזמנן לפונדק אחד, זה שהרג במזיד יושב תחת הסולם, וזה שהרג שהרג שוגג עולה בסולם ונופל על זה שהרג במזיד והורגו, ועדים מעידים עליו ומחייבים אותו לגלות, נמצא זה שהרג בשוגג גולה, וזה שהרג במזיד נהרג: ושמתי לך מקום. אף במדבר שינוס שמה. ואי זה מקום קולטו, זה מחנה לויה (מכות יב:):

- (14) וכי יזיד. למה נאמר, לפי שנאמר מכה איש וגו', שומע אני אפילו רופא שהמית, ושליח בית דין שהמית במלקות ארבעים, והאב המכה את בנו, והרב הרודה את תלמידו, והשוגג, תלמוד לומר וכי יזיד ולא שוגג, להרגו בערמה ולא שליח בית דין והרופא והרודה בנו ותלמידו, שאף על פי שהם מזידין, אין מערימין: מעם מזבחי. אם היה כהן ורולה לעבוד עבודה, תקחנו למות (פנהדרין לה:, יומא פה.):
- (15) ומכה אביו ואמו. לפי שלמדנו על החובל בחבירו שהוא בתשלומין ולא במיתה, הולרך לומר על החובל באביו שהוא במיתה. ואינו חייב אלא בהכאה שיש בה חבורה (סנהדרין פד:): אביו ואמו. או זה או זה: מות יומת. בחנק:
- (16) וגגב איש ומכרו. למה נאמר, לפי שנאמר בְּי יִפְּצֵא אִישׁ בֹּגַב נֶפֶשׁ מֵאֶסְיו (דברים כד, ז), אין לי אלא איש שגנד נפש, אשה או טומטום או אנדרוגינוס שגנדו מנין, תלמוד לומר וגונד איש ומכרו. ולפי שנאמר כאן וגונד איש, אין לי אלא נפש, אשה או טומטום או אנדרוגינוס שגנדו מנין, תלמוד לומר וגונד נפש (שם), לכך הולרכו שניהם, מה שחסר זה גלה זה (מכילתא פ"ה): ונמצא בידו. שראוהו עדים שגנדו ומכרו, ונמלא בידו כבר קודם מכירה (סנהדרין פה:): מות יומת. בחנק. כל מיתה האמורה בידור. שראוהו עדים שגנדו ומפסיק הענין וכתב וגונד איש בין מכה אביו ואמו למקלל אביו ואמו, ונראה לי היינו פלוגתא, דמר סבר מקשינן הכאה לקללה, ומר סבר לא מקשינן (שם):
- (17) ומקלל אביו ואמו. למה נאמר, לפי שהוא אומר אִישׁ אָשֶׁר יִקְבֵּל אֶת אָבִיו (ויקרא כ, ט), אין לי אלא איש שקלל את מביו, אשה שקללה את אביה מנין, תלמוד לומר ומקלל אביו ואמו, סתם, בין איש ובין אשה, אם כן למה נאמר איש אשר יקלל, אביו, אשה שקללה את אביה מנין, תלמוד לומר ומקלל אביו ואמו, סתם, בין איש ובין אשה, אם כן למה נאמר איש אשר יקלל, מורניא את הקטן: מות יומת. בסקילה. וכל מקום שנאמר דמיו בו, בסקילה, ובנין אב לכולם, בַּאֶבֶן יִרְבְּמוּ אֹמְם דְּמֵיִם בֹּּנֹם (מ"כ פ"קדושים קידושין ל:):
- (18) וכי יריבון אנשים. למה נאמר, לפי שנאמר עין מחת עין, לא למדנו אלא דמי איבריו, אבל שבת ורפוי לא למדנו, לכך נאמרה פרשה זו (מכילתא פ"ו): ונפל למשכב. כתרגומו ויפל לבוטלן, לחולי שמבטלו ממלאכתו:

if he rise again, and walk abroad upon his staff, then shall he that smote him be quit; only he shall pay for the loss of his time, and shall cause him to be thoroughly healed.

And if a man smite his bondman, or his bondwoman, with a rod, and he die under his hand, he shall surely be punished.

Notwithstanding if he continue a day or two, he shall not be punished; for he is his money.

And if men strive together, and hurt a woman with child, so that her fruit depart, and yet no harm follow, he shall be surely fined, according as the woman's husband shall lay upon him; and he shall pay as the judges determine.

But if any harm follow, then thou shalt give life for life,

אָם יְקוּם וִיהַלֵּיךְ בְּבֶרָא עַל בָּרְיֵיה וִיהֵי זְכָא מָחְיָא לְחוֹד בּוּטְלְנֵיה יִתֵּין וַאָּגַר אַסְיָא יִשַׁלֵּים:

נַאֲבֵי יִמְחֵי נְּבַר יֶת עַבְּדֵּיה אוֹ יֶת אַמְתֵּיה בְּשׁוּלְטָן וִימוּת תְּחוֹת יְבֵיה אִתְּדָנָא יִתְּדָן:

בְּרֵם אָם יוֹמָא אוֹ הְּרֵין יוֹמִין יִתְקַיִּים לָא יִתְּדָן אֲרֵי כַסְפֵּיה הוּא:

נְאָבֵי יִנְצוֹן גּוּבְרִין וְיִמְחוֹן הַאָּתָא מְעַדְּיָא וְיִפְּקוּן וַלְדּהָא הַמָא דִּישַׁיִּי עֲלְוֹהִי בַּעְלַה הָאָבִי יִנְאָרִי בְּעְלַה הַאָּבִי יִנְצוֹן מִמְימַר בַּיְינַיָּא:

וְאָם מוֹתָא יְהֵי וְתִתֵּין נַפְּשָׁא חלף נפשא:

אִם־יָקֿוּם וְהִתְהַלֵּךְ בַּחָוּץ עַל־ מִשְׁעַנְתִּוֹ וְנָקָּה הַמַּכֶּה רָק שִׁבְתָּוֹ יִתֵּן וְרַפָּא יְרַבֵּא: (ס)

יִנְקֶם: אֲמָתוֹ בַּשֵּׁבֶט וּמֵת תַּחַת יָדִוֹ נָלְם ,, וְכִי־יַבֶּה אָישׁ אֶת־עַבְדֹּוֹ אָוֹ אֶת־,

ַ אָךְ אִם־יָוֹם אָוֹ יוֹמַיִם יַעֲמֶד לָא יֻלָּם כָּי כַסְפָּוֹ הְוּא: (ס)

ּוְכִי־יִנְּצַוּ אֲנָשִׁים וְנְגְפֹּוּ אִשֶּׁה וַאֲ הָרָה וְיִצְאַוּ יְלָדֶיהָ וְלָא אוּ יִהְיֶה אָסָוֹן עְנַוֹשׁ יֵעְנֵשׁ כְּאֲשֶׁׁר וְיְ יִשְׁית עָלִיוֹ בַּעַל הֵאִשָּׁה וְנָתַן כְּּ בּפּללים:

וְאִם־אָסָון יִהְיֶּה וְנְתַתְּה נֶפֶשׁ וְאִם נ הַחָת נֶפֶשׁ: הַתָּת נֶפֶשׁ

- (19) על משענתו. על בוריו וכחו (מכילתא שם): ונקה המכה. וכי תעלה על דעתך שיהרג זה שלא הרג, אלא ללמדך כאן, שחובשים אוחו עד שנראה אם יחרפא זה, וכן משמעו, כשקם זה והלך על משענתו, אז ונקה המכה, אבל עד שלא יקום זה, כאן, שחובשים אוחו עד שבתו. בטול מלאכתו מחמת החולי, אם קטע ידו או רגלו, רואין בטול מלאכתו מחמת החולי, כאילו הוא כבר נחן לו מחמת נזקו דמי ידו ורגלו, שנאמר יד הוא שומר קשואין, שהרי אף לאחר החולי אינו ראוי למלאכת יד ורגל, והוא כבר נתן לו מחמת נזקו דמי ידו ורגלו, שנאמר יד תחת יד רגל תחת רגל: ורפא ירפא. כתרגומו, ישלם שכר הרופא (בבא קמא פה:):
- (20) וכי יכה איש את עבדו או את אמתו. בעבד כנעני הכחוב מדבר, או אינו אלא בעברי, חלמוד לומר כי כספו הוא, מה כספו קנוי לו עולמית, אף עבד הקנוי לו עולמית, והרי היה בכלל מכה איש ומת, אלא בא הכתוב והוליאו מן הכלל, הוא, מה כספו קנוי לו עולמית, אף עבד הקנוי לו עולמית, והרי היה בכלל מכה איש ומת, אלא בא הכתוב והוליאו מן הכלל, להיות נדון בדין יום או יומים, שאם לא מת תחת ידו ושהה מעת לעת פטור: בשבש. כשיש בו כדי להמית הכתוב מדבר, או אינו אפילו אין בו כדי להמית, תלמוד לומר בישראל, וְאָם בְּשָׁבְן יָדְ אֲשֶׁר יָמוּת בָּה (במדבר לה, יז) (או בכלי עץ יד אשר ימות בו. גירסת רא"ם) הכהו, והלא דברים קל וחומר, מה ישראל חמור אין חייב עליו אלא אם כן הכהו בדבר שיש בו כדי להמית, ועל אבר שהוא כדי למות בהכאה זו, עבד הקל לא כל שכן: בקם ינקם. מיתת סייף (סנהדרין נב: מכילתא פ"ז), וכן הוא אומר שֶּכֶּב בְּשֶׁעִם בְּבָם בְּרִית (ויקרא כו, כה):
- (21) אך אם יום או יומים יעמוד לא יוקם. אם על יום אחד הוא פטור על יומים לא כל שכן, אלא יום שהוא כיומים, ואיזה, זה מעת לעת (מכילתא פ"ז): לא יוקם כי כספו הוא. הא אחר שהכהו, אף על פי ששהה מעת לעת קודם שמת, חייב:
- (22) וכי ינצו אנשים. זה עם זה, ונתכוון להכות את חבירו, והכה את האשה (מכילתא פ"ח): ונגפו. אין נגיפה אלא לשון דחיפה והכאה, כמו פֶּן מִגֹּף בְּטָבֶן רַגְּלֶךְ (תהלים לא, יב), וּבְּטֶרֶם יִמְנַגְּפוּ רַגְלֵיכֶם (ירמיה יג, טו), וּלְטָבֶן נֶגְף (ישעיה אלא לשון דחיפה והכאה, כמו פֶּן מִגֹּף בְּטָבֶן רַגְלֶךְ (תהלים לא, יב), וּבְטֶרֶם יִמְנַגְּפוּ רַגְלֵיכֶם (ירמיה יג, טו), וּלְטָבֶן נֶגְף (ישעיה ח, יד'): ולא יהיה אסון באשה: ענש יענש. לשלם דמי ולדות לבעל, שמין אותה כמה היתה ראויה להמכר בשוק, להעלות בדמיה בשביל הריונה: ענש יענש. יגבו ממון ממנו, כמו וְעַלְשׁוּ אֹחֹ וֹתְנָבְּי רְבִּרֹבְי (מְנָהְדֹרִין עט.); יש אותרים נפש ממש, שהמתכוין להרוג את זה והרג את זה פטור ממיתה, ומשלם ליורשיו דמיו כמו שהיה נמכר ויש אותרים ממון אבל לא נפש ממש, שהמתכוין להרוג את זה והרג את זה פטור ממיתה, ומשלם ליורשיו דמיו כמו שהיה נמכר

eye for eye, tooth for tooth, hand for hand, foot for foot,

wound, stripe for stripe.

burning for burning, wound for

And if a man smite the eye of his bondman, or the eye of his bondwoman, and destroy it, he shall let him go free for his eye's

And if he smite out his bondman's tooth, or his bondwoman's tooth, he shall let him go free for his tooth's sake.

And if an ox gore a man or a woman, that they die, the ox shall be surely stoned, and its flesh shall not be eaten; but the owner of the ox shall be quit.

עינָא חֲלָף עִינָא שִׁנָּא חֲלָף שִׁנָּא יָדָא חַלָף יְדָא רִגְלָא חַלָף רִגַלָא:

כְּנִאָה חֲלָף כְּנִאָה פְּדְעָא חֲלָף פִּדְעָא מַשְׁקוֹפִי חֲלָף מַשְׁקוֹפִי:

נְאָבִי יִמְחֵי נְּבַר יָת עֵינָא דְּעַבְבִּיה אוֹ יָת עֵינָא דְּאַמְתֵּיה נִיחַבְּלִנַּה לְבַר חוֹרִין יפטרניה חלף עיניה:

וְאָם שָׁנָּא דְּעַבְדֵּיה אוֹ שִׁנָּא דְאַמְתֵּיה יַפִּיל לְכַר חוֹרִין יִפְּטְרַנִּיה חֲלָף שָׁנֵיה:

נַאָּבֵי יִגָּח תּוֹרָא יָת גּוּבְרָא אוֹ יָת אָתְּרָגִּטְא יִתְרְגִים תּוֹרָא וְלָא יִתְאָבִיל יָת בָּסְבֵיה וּטָבִיה דְּתוֹרָא יְהֵי זראי עין תַּחַת לַּיִן שֵׁן תַּחַת שֵׁן יָד בַּעָּל מָחַת בָּעָל: תַּחַת יָּד בָגֶל תַּחַת בְגֶל:

מַחַת פָּצַע חַבּוּלֶּה פָּחַת מַחַת פָּצַע חַבּוּלֶה פָּחַת בִּוּרֶה: (ס)

וְכִי־יַבֶּה אִׁישׁ אֶת־עֵין עַבְדֶּוֹ אִוֹ־ אֶת־עֵין אֲמָתְוֹ וְשֶׁחֲתָהּ לַחְפְּשֵׁי יְשַׁלְּחָנוּ תַּחַת עֵינִוֹ:

ְוֹאָם־שֵׁן עַבְדֶּוֹ אְוֹ־שֵׁן אֲמָתְוֹ יַפֵּיל לִחְפְשֵׁי יְשַׁלְּחָנוּ תַּחַת שִׁנִּוֹ: (פ)

ְוְכִי־יִגַּח שָׁוֹר אֶת־אֶישׁ אָוֹ אֶת־ אָשָּׁה נָמֵת סָלּוֹל יִסְלֵל הַשּׁוֹר וְלָא יִאָכֵל' אֶת־בְּשָּׂרוֹ וּבַעַל השור נקי:

נשוק:

(24) עין תחת עין. סימא עין חבירו, נותן לו דמי עינו כמה שפחתו דמיו למכור גשוק, וכן כולם, ולא נטילת אבר ממש, כמו שדרשו רבותינו בפרק החובל (בבא קמא פד.):

(25) כויה תחת כויה. מכות אש. ועד עכשיו דבר בחבלה שיש בה פחת דמים, ועכשיו בשאין בה פחת דמים אלא לער, כגון כוואו בשפוד על לפרניו, אומדים כמה אדם כיולא בזה רולה ליטול להיות מלטער כך: פצע. היא מכה המוליאה דם, שפלע את בשרו, נפר"דור בלע"ז (אפענע וואונדע) הכל לפי מה שהוא, אם יש בו פחת דמים נותן נזק, ואם נפל למשכב נותן שבת ורפוי ובשת ולער. ומקרא זה יתר הוא, ובהחובל דרשוהו רבותינו לחייב על הלער אפילו במקום נזק, שאף על פי שנותן לו דמי ידו, אין פוטרין אוחו מן הלער, לומר, הואיל וקנה ידו, יש עליו לחתכה בכל מה שירלה, אלא אומרים יש לו לחתכה בסם שאינו מלטער כל כך, וזה חתכה בברזל ולערו: חבורה. היא מכה שהדם נלרר בה ואינו יולא, אלא שמאדים הבשר כנגדו, ולשון חבורה טק"א בלע"ז (פפלעקקן) כמו וְנֶמֶר חֲבֶּרְבָּרֹטֶיוֹ (ירמיה יג, כג), ותרגומו משקופי, לשון חבטה, בטדור"א בלע"ז (שלאב) וכן שְַּרָפֹוֹת הַדְּיִם, שִקיפּן קידום, חבוטות ברות. וכן וְעַל הַמַשֹקוֹף (שמות יב, ז), על שם שהדלת נוקש עליו:

(26) את עין עבדו. כנעני, אבל עברי אינו יוצא בשן ועין, כמו שאמרנו אצל לא מצא כצאת העבדים: תחחת עיבו. וכן בכ"ד ראשי אברים, אצבעות הידים והרגלים, ושתי אזנים, והחוטם, וראש הגויה שהוא גיד האמה. ולמה נאמר שן ועין, שאם בכ"ד ראשי אברים, אצבעות הידים והרגלים, ושתי אזנים, והחוטם, וראש הגויה שהוא גיד האמה. ולמה נאמר שן ועין, שאם נאמר עין ולא נאמר שן, הייתי אומר, אפילו שן תינוק שיש לה חליפין, לכך נאמר עין (מכילתא פ"ט):

(28) וכי יגח שור. אחד שור ואחד כל בהמה וחיה ועוף, אלא שדבר הכחוב בהווה (בבא קמא נד:): ולא יאכל את בשרו. ממשמע שנאמר סקול יסקל השור, איני יודע שהוא נבלה, ונבלה אסורה באכילה, אלא מה תלמוד לומר ולא יאכל אח בשרו. שאפילו שחטו לאחר שנגמר דינו אסור באכילה, בהנאה מנין, תלמוד לומר ובעל השור נקי, כאדם האומר לחברו יצא פלוני נקי מנכסיו ואין לו בהם הנאה של כלום, זהו מדרשו (פסחים כב:, בבא קמא מא). ופשוטו כמשמעו, לפי שנאמר במועד, וגם בעליו יומת, הולרך לומר בתם ובעל השור נקי:

But if the ox was wont to gore in time past, and warning hath been given to its owner, and he hath not kept it in, but it hath killed a man or a woman; the ox shall be stoned, and its owner also shall be put to death.

If there be laid on him a ransom,
then he shall give for the
redemption of his life whatsoever is
laid upon him.

Whether it have gored a son, or

Have gored a daughter, according to this judgment shall it be done unto him.

If the ox gore a bondman or a

bondwoman, he shall give unto
their master thirty shekels of silver,
and the ox shall be stoned.

And if a man shall open a pit, or if a man shall dig a pit and not cover it, and an ox or an ass fall therein,

the owner of the pit shall make it good; he shall give money unto the owner of them, and the dead beast shall be his. וְאָם תּוֹר נַגְּח הוּא מֵאֶתְמָלִי וּמִדְּקַמּוֹהִי וְאָתַסְהַד בְּּמְבִיה וְלָא נַמְבִיה וְיִקְמוֹל גְּבַר אוֹ אָתָּא תּוֹרָא יִתְרְגִים וְאַךְּ מָבִיה יחסמילי

אָם מָמוֹן יְשַׁוּוֹן עֲלוֹהִי וְיִתֵּין פּוּרְקוֹ נַפְשֵׁיה כְּכֹל הִּישַׁוּוֹן עַלוֹהִי:

אוֹ לְבַר יִשְּׂרָאֵל יִגַּח תּוֹרָא אוֹ לְבַת יִשְׂרָאֵל יִנַּח כְּדִינָא הָדֵין יתעביד ליה:

אָם לְעַבְדָּא יִגַּח תּוֹרָא אוֹ לְאַמְתָּא כַּסְפָּא תְּלְתִין סִלְעִין יִתֵּין לְרַבּוֹנֵיה וְתוֹרָא יִתְרְגֵים:

וַאָבי יִפְתַח גְּבַר גּוּב אוֹ אָבי יִכְבִי גְּבַר גּוּב וְלָא יְכַסֵּינֵיה וִיפּוֹל תַּמַן תּוֹרָא אוֹ חַמֵּרָא:

מָרֵיה דְּגוּבָּא יְשַׁלֵּים כַּסְפָּא יָתִיב לְמָרוֹהִי וּמִיתָא יְהֵי היליה:

וְאָם שׁוֹר נַנְּח הוֹּא מִתְּמֵּל שִׁלְשִׁם וְהוּעַד בִּבְעָלְיוֹ וְלָא יִשְׁמֶלֶנוּ וְהַמֵּית אִישׁ אַוֹ אִשְּׁה הַשׁוֹר יִסְלֵּל וְגִם־בְּעָלָיו יוּמֶת:

ַּ אָם־כָּפֶר יוּשַׁת עָלְיו וְנָתַן בּּדְיַן נַפְשׁׁוֹ כָּלָל אֲשֶׁר־יוּשָׁת עָלְיו:

אוֹ־בֶן יָגָח אוֹ־בַת יָגָח כַּמִּשְׁפְּט הַיָּה לְוֹ: הַזָּה יֵעֲשָה לְוֹ:

אָם־עֶבֶד יְגַּח הַשְּׁוֹר אַוֹ אָמֶה בֶּסֶףוֹ שְׁלִשִּים שְׁקְלִים יִתֵּן לְאדֹּנָיו וְהַשִּׁוֹר יִסְּקֵל: (ס)

ְּ וְכִי־יִפְּתַּח אִּישׁ בּוֹר אוֹ כִּי־ יִכְרֶה אָישׁ בִּר וְלָא יְכַסֶּנּוּ וְנְפַּל־ שֵׁפָּח שִּׁוֹר אָוֹ חֲמְוֹר:

לְבְעָלֻיו וְהַמֵּאת יְהְנֶה־לְּוֹ: (ס) בְּעַל לִבְעָלָיו וְהַמֵּאת יְהְנֶה־לְּוֹ: (ס)

- (29) מתמל שלשום. הרי שלש נגיחות (מכילתא פ"י): והועד בבעליו. לשון התראה בעדים, כמו הֶעֵד הֲעָד בְּנוּ הַאָּישׁ (בראשית מג, ג): והמית איש וגר. לפי שנאמר כי יגח, אין לי אלא שהמיחו בנגיחה, המיתו בנשיכה, דחיפה, ובשיטה, מניין, תלמוד לומר והמית: וגם בעליו יומת. בידי שמים, יכול בידי אדם, תלמוד לומר מוח יוּמַח הַמַּבֶּה רֹצֵח הוֹ (מנהדרין טו:): הוא (במדבר לה, טו), על רליחתו אתה הורגו, ואי אתה הורגו על רליחת שורו (סנהדרין טו:):
- (30) אם כופר יושת עליו. אם זה אינו תלוי, והרי הוא כמו אם כסף תלוה, לשון אשר, זה משפטו, שישיתו עליו בית דין כופר: ונתן פדיון נפשו. דמי ניזק, דברי רבי ישמעאל. רבי עקיבא אומר, דמי מזיק (בבא קמא כז.):
- (31) או בן יגח. בן שהוא קטן: או בת. שהיא קטנה, לפי שנאמר והמית איש או אשה, יכול אינו חייב אלא על הגדולים, תלמוד לומר או בן יגח וגו', לחייב על הקטנים כגדולים (מכילתא נזיקין פי"א):
- (32) אם עבד או אמה. כנעניים (מכילתא שם): שלשים שקלים יתן. גזירת הכתוב הוא, בין שהוא שוה אלף זוז, בין שאינו שוה אלא דינר. והשקל משקלו ד' זהובים, שהם חזי אונקיא למשקל הישר של קלוני"א:
- (33) וכי יפתח איש בור. שהיה מכוסה וגלהו: או כי יברה. למה נאמר, אם על הפתיחה חייב על הכרייה לא כל שכן, אלא להציא כורה אחר כורה שהוא חייב (צבא קמא נא.): ולא יבסגו. הא אם כסהו פטור, וצחופר צרשות הרצים שכן, אלא להציא כורה אחר כורה שהוא חייב (צבא קמא נא.): ולא יבסגו. הא אם כסהו פטור, וצחופר צרשות הרצים דבר הכתוב (שם נ.): שור או חמור. הוא הדין לכל צהמה וחיה, שבכל מקום שנאמר שור וחמור, אנו למדין אותו שור משבת, שהאמר למען ינוח שורך וחמורך, מה להלן כל צהמה וחיה כשור, שהרי נאמר צמקום אחר וכל צהמתך, אף כאן כל בהמה וחיה כשור, ולא נאמר שור וחמור אלא שור ולא אדם חמור ולא כלים (שם נג:):
- (34) בעל הבור. בעל התקלה, אף על פי שאין הבור שלו, שעשאו ברשות הרבים, עשאו הכתוב בעליו להתחייב עליו בנזקיו: כסף ישיב לבעליו. ישיב, לרבות שוה כסף ואפילו סובין (שם ז.), (והא דכתיב מיטב שדהו וכתב רש"י שהניזקין מן העידית, תירץ בגמ' בפרק קמא דבבא קמא רב הונא בריה דרב יהושע, דזהו אם בא לגבות קרקע, אבל מטלטלי כל מילי

And if one man's ox hurt another's, so that it dieth; then they shall sell the live ox, and divide the price of it; and the dead also they shall divide.

Or if it be known that the ox was
wont to gore in time past, and its
owner hath not kept it in; he shall
surely pay ox for ox, and the dead
beast shall be his own.

If a man steal an ox, or a sheep, and kill it, or sell it, he shall pay five oxen for an ox, and four sheep for a sheep.

If a thief be found breaking in, and XXII be smitten so that he dieth, there shall be no bloodguiltiness for him.

וַאָבִי יִגּוֹף תּוֹר דִּגְבַר יָת תּוֹרָא דְּחַבְרֵיה וִימוּת וִיזַבְּנוּן יָת תּוֹרָא חַיָּא וְיִפְּלְגוּן יָת כַּסְפֵּיה ואף ית דמי מיתא יפּלגוּן:

או אָתְיְדַע אֲבֵי תּוֹר נַגְּּח הוּא מֵאֶתְטָלִי וּמִדְּקַמּוֹהִי וְלָא נַטְבִיה מָבִיה שַׁלְּמָא יְשַׁלֵּים תּוֹרָא חֲלָף תּוֹרָא וּמִיתָא יְהֵי דיליה:

אֲרֵי יִגְנוֹב גְּבֶר תּוֹר אוֹ אִמַּר וְיִבְּסְנֵּיה אוֹ יְזַבְּנְנֵּיה חַמְשְׁא תוֹרִין יְשַׁלֵּים חֲלֶךְ תּוֹרָא וְאַרְבַּע עָנָא חֲלֶךְ אִמְּרָא:

אָם בְּמַחְתַּרְתָּא יִשְׁתְּכַח גַּנְּבָא ויתמחי וימות לית ליה דם:

וְכִי־יִגְּּף שְׁוֹר־אָישׁ אֶת־שְׁוֹר הַתֵּל וְחָצֵּוּ אֶת־כַּסְפֿוֹ וְגַם אֶת־ הַמַּת יַחַצִּוּ אֶת־כַּסְפֿוֹ וְגַם אֶת־ הַמַּת יַחַצִּוּן:

אָוֹ נוֹדִע בִּי שֵׁוֹר נַגָּח הוּא' מִּתְּמָוֹל שִׁלְשֵׁם וְלָא יִשְׁמְרֶנּוּ בְּעָלְיִו שַׁלֵּם יְשַׁלֵּם שוֹר תַּחַת הַשּׁוֹר וְהַמָּת יְהְיֶה־לְּוֹ: (ס)

כֵּי יִגְּנָב־אִישׁ שַּוֹר אוֹ־שֶּׁה וּטְבָחוֹ אַוֹ מְכָרֲוֹ חֲמִשְּׁה בָקְר יְשַׁלֵם תַּחַת הַשׁוֹר וְאַרְבַּע־צָאון תחת השה:

אָם־בַּמַּחְתֶּרֶת יִמְצֵא הַגַּנֶּב xx וִהָּבָּה וָמֵת אֵין לוֹ דַּמִים:

מיטב הוא, דאי לא מודבן הכא מודבן הכא): והמת יהיה לו. לניזק, שמין את הנבלה ונוטלה בדמים, ומשלם לו המזיק עליה תשלומי נזקו (מכילתא פי"א בבא קמא י:):

- (35) וכי יגוף. ידחוף, דין בקרניו, בין בקרניו, בין ברגליו, בין שנשכו בשיניו, כולן בכלל נגיפה הם, שאין נגיפה אלא לשון מכה: שור איש. שור של איש: ומכרו את השור וגר. בשוים הכתוב מדבר, שור שוה מאתים שהמיח שור שוה מאחים, בין שהנבלה שוה הרבה בין שהיא שוה מעט, כשנוטל זה חלי החי וחלי המת וזה חלי החי וחלי המת, נמלא כל אחד מפסיד חלי נזק שהזיקה המיתה, למדנו, שהתם משלם חלי נזק, שמן השוין אתה למד לשאינן שוין, כי דין התם לשלם חלי נזק לא פחות ולא יותר. או יכול אף בשאינן שוין בדמיהן כשהן חיים אמר הכתוב וחלו את שניהם, אם אמרת כן, פעמים שהמזיק משתכר הרבה, כשהנבלה שוה לימכר לעובד כוכבים הרבה יותר מדמי שור המזיק, ואי אפשר שיאמר הכתוב שיהא המזיק נשכר, או פעמים שהניזק נוטל הרבה יותר מדמי נזק שלם, שחלי דמי שור המזיק שוה יותר מכל דמי שור הניזק, ואם אמרת כן הרי תם חמור ממועד. על כרחך לא דבר הכתוב אלא בשיין, ולמדך שהתם משלם חלי נזק, ומן השוין מלמוד לשאינן שוין, שהמשתלם חלי נזקו, שמין לו את הגבלה, ומה שפחתו דמיו בשביל המיתה נוטל חלי הפחת והולך. ולמה אמר הכתוב בלשון הזה ולא אמר ישלם חליו, שמין לו את הגבלה, ומה שפחתו דמיו בשביל המיתה נוטל אל המור, שלא להמבלה, ואם אינה מגעת לחלי נזקו יפסיד. או שור שוה מנה שנגח שור שוה חמש מאות זוז, אינו נוטל אלא חשור, שלא נתחייב התם לחייב את בעליו לשלם מן העליה (בבא מחל טוז):
- (36) או גודע. או לא היה מס, אלא נודע כי שור נגח הוא, היום ומתמול שלשום, הרי שלש נגיחות: שלם ישלם שור. נזק שלם: והמת יהיה לו. לניזק, ועליו ישלים המזיק עד שישתלם ניזק כל נזקו:
- (37) חמשה בקר וגר. אמר ר' יוסנן בן זכאי, חס המקום על כבודן של בריות, שור שהולך ברגליו, ולא נתבזה בו הגנב לנושאו על כתפו, משלם ארבעה, הואיל ונתבזה בו. אמר רבי מאיר, בא וראה כמה גדולה לנושאו על כתפו, משלם ארבעה, הואיל ונתבזה בו. אמר רבי מאיר, בא וראה כמה גדולה כחה של מלאכה, שור שבטלו ממלאכתו, חמשה, שה שלא בטלו ממלאכתו, ארבעה: תחת השור תחת השה. שנאן הכתוב לומר, שאין מדת חשלומי ד' וה' נוהגת אלא בשור ושה בלבד (שם סו:):
- (1) אם במחתרת. כשהיה חותר את הבית: אין לו דמים. אין זו רליחה, הרי הוא כמת מעיקרו. כאן למדתך תורה,
 אם בא להרגך השכם להרגו, וזה להרגך בא, שהרי יודע הוא שאין אדם מעמיד עלמו ורואה שנוטלין ממונו בפניו ושותק,
 לפיכך, על מנת כן בא, שאם יעמוד בעל הממון כנגדו, יהרגנו (סנהדרין עב.):

If the sun be risen upon him, there shall be bloodguiltiness for him—he shall make restitution; if he have nothing, then he shall be sold for his theft.

If the theft be found in his hand alive, whether it be ox, or ass, or sheep, he shall pay double.

If a man cause a field or vineyard to be eaten, and shall let his beast loose, and it feed in another man's field; of the best of his own field, and of the best of his own vineyard, shall he make restitution.

If fire break out, and catch in thorns, so that the shocks of corn, or the standing corn, or the field are consumed; he that kindled the fire shall surely make restitution.

If a man deliver unto his neighbour money or stuff to keep, and it be stolen out of the man's house; if the thief be found, he shall pay double.

אָם עֵינָא דְּסְהֲדַיָּא נְפַּלַת עֲלוֹהִי דְּמָא לֵיה שַׁלְּמָא יְשַׁלֵּים אָם לֵית לֵיה וְיִזְדַּבַּן בִּגְנוּבְתֵּיה:

אָם אִשְׁתְכָחָא תִשְׁתְכַח בִּידִיה גְּנוּבְתָּא מִתּוֹר עַד חֲמָר עַד אָמֵר אָנּוּן חַיִּין עַל חַד תְּרֵין ישׁלִּים:

אָבי יוֹכֵיל גְּכַר חֲקַל אוֹ כְרַם וִישַׁלָח יָת בְּעִיבִיהּ וְיֵיכוֹל בַּחֲקַל אָחֲרָן שְׁפַּר חַקְלֵיה וּשָׁפָּר כַּרִמֵיהּ יִשַּׁלִים:

אָבֵר יִתַּפַּק נוּר וְיַשְׁכַּח כּוּבִּין וְיֵיכוֹל גְּדִישִׁין אוֹ קְמָא אוֹ חַקַל שַׁלְמָא יְשַׁלֵּים דְּאַדְלֵיק יַת דָלִיקתָא:

אָרי יִתִּין גְּבַר לְחַבְרֵיהּ כְּסַף אוֹ מָנִין לְמִשֵּׁר וְיִתְגִּנְבוּו מִבֵּית גוּבְרָא אָם יִשְׁתְּכַח גַּנְּבָא ישׁלִים על חַד תַּרִין:

אָם־זְרְחָה הַשֶּׁמֶשׁ עָלֶיו דְּמֵים לוֹ שַׁלֵם יְשַׁלֵּם אָם־אֵין לוֹ וְנִמְכַּר בִּגְנִבְרְוֹ:

אָם־הִמְּצֵא תְמְצֵא בְיָדׁוֹ הַגְּנֵבְּה מִשְּׁוֹר עַד־חֲמָוֹר עַד־שֶׁה חַיִּיִם שְׁנַיִם יְשַׁלֵּם: (ס)

בֶּי יַבְעֶר־אִישׁ שְׂדֶה אוֹ־בֶּׁרֶם וְשִׁלַּח אֶת־בְּעִירֹה וּבִעֵר בִּשְׁדֵה אַחֵר מֵימָב שְׁדֵהוּ וּמֵימַב כַּרְמִוֹ יִשְׁלֵם: (ס)

בַּי־תַצֵּא אֵשׁ וּמְצְאֱה לְּצִיםׂ וְנֶאֶכֵל גָּדִישׁ אָוֹ הַקְּמָה אָוֹ הַשְּׁדֶה שַׁלֵּם יְשַׁלֵּם הַמַּבְעָר אֶת־הַבְּעֵרֶה: (ס)

בְּי־יִתֵּן אָישׁ אֶל־רֵעֵׁהוּ בֶּסֶף אָוֹ־ כֵלִים לִשְׁמֹר וְגָנַּב מִבֵּית הָאִישׁ אִם־יִמְּצֵא הַגַּנָּב יְשַׁלֵם שְׁנִים:

- (2) אם זרחה השמש עליו. אין זה אלא כמין משל, אם ברור לך הדבר שיש לו שלום עמך, כשמש הזה שהוא שלום בעולם, כך פשוט לך שאינו בא להרוג אפילו יעמוד בעל הממון כנגדו, כגון אב החותר לגנוב ממון הבן, בידוע שרחמי האב על הבן ואינו בא על עסקי נפשות (מכילתא פי"ג, סנהדרין עב.): דמים לו. כחי הוא חשוב, ורליחה היא אם יהרגנו בעל הבית: שלם ישלם. הגנב ממון שגנב, ואינו חייב מיתה. ואונקלום שתרגם אם עינא דסהדיא נפלת עלוהי, לקח לו שטה אחרת, לומר שאם מלאוהו עדים קודם שבא בעל הבית, וכשבא בעל הבית נגדו התרו בו שלא יהרגהו, דמים לו, חייב עליו אם הרגו, שמאחר שיש רואים לו, אין הגנב הזה בא על עסקי נפשות, ולא יהרוג את בעל הממון:
- (3) אם המצא תמצא בידו. ברשוחו, שלא טבח ולא מכר: משור עד חמור. כל דבר בכלל חשלותי כפל, בין שיש בו רוח חיים בידו בידו היים, שהרי נאמר במקום אחר על שָׁה על שַׁלְמָה עַל כָּל אֲבַדָּה וגו' יְשַׁלֵּם שְׁנִים לְרֵעֵהוּ: חיים שנים שבים ולא ישלם לו מחים, אלא חיים או דמי חיים:
- (4) כי יבער. את בעירה. ובער. כולס לשון בהמה, כמו אַנַקְנוּ וּבְּעִירנוּ (במדבר כ, ד): כי יבער. יוליך בהמוחיו בשדה וכרס של חבירו, ויזיק אותו באחת משתי אלו, או בשלוח בעירה, או בביעור, ופירשו רבותינו (בבא קמא ב:), ושלח הוא נוקי מדרך כף רגל, ובער הוא נזקי השן האוכלת ומבערת: בשדה אחר. בשדה של איש אחר: מיטב שדהו ישלם. שמין את הנזק, ואם בא לשלם לו קרקע דמי נזקו, ישלם לו ממיטב שדותיו, אם היה נזקו סלע, יתן לו שוה סלע מעידית שיש לו. למדך הכתוב, שהנזקין שמין להם בעידית (שם ו:):
- (5) כי תצא אש. חפילו מעלמה: ומצאה קוצים. קרדו"נט בלע"ז: ונאכל גדיש. שליחכה בקולים, עד שהגיעה לגדיש או לקמה המחוברת בקרקע: או השדה. שליחכה את נירו, ולריך לניר אותה פעם שניה: שלם ישלם המבעיר. אף על פי שהדליק בתוך שלו, והיא ילאה מעלמה על ידי קולים שמלאה, חייב לשלם, לפי שלא שמר את גחלתו שלא תלא ותזיק:
 - (6) וגגב מבית האיש. לפי דבריו (שם סג:): אם ימצא הגגב. ישלם הגנג שנים לבעלים:

If the thief be not found, then the
master of the house shall come near
unto God, to see whether he have
not put his hand unto his
neighbour's goods.

For every matter of trespass, whether it be for ox, for ass, for sheep, for raiment, or for any manner of lost thing, whereof one saith: 'This is it,' the cause of both parties shall come before God; he whom God shall condemn shall pay

double unto his neighbour.

If a man deliver unto his neighbour 9 an ass, or an ox, or a sheep, or any beast, to keep, and it die, or be hurt, or driven away, no man seeing it;

the oath of the LORD shall be between them both, to see whether he have not put his hand unto his neighbour's goods; and the owner thereof shall accept it, and he shall not make restitution. אָם לָא יִשְׁתְּכַח גַּנְּבָא וְיִתְקְּרֵב מְבִיה דְּבֵיתָא לִקְדָם דַּיִּנְיָּא אָם לָא אוֹשֵׁיט יְדֵיהּ בְּמָא דִּמָסַר לֵיה חַבְרֵיה:

על כָּל פָּתְנֶם דְּחוֹב עַל תּוֹר על חֲמֶר על אָמֵר על כְּסוּ על כָּל אָבִידְתָא דְּיֵימֵר אָרֵי הוּא דֵין לִקְדָם דַּיָּינַיָּא יֵיעוֹל דִין תַּרְוֵיהוֹן דִּיחַיְבוּן דַּיִּינַיָּא יְשַׁלֵּים עַל חַד תְּרֵין לְחַבְרֵיה: יְשַׁלֵּים עַל חַד תְרֵין לְחַבְרֵיה:

אָברי יִתִּין גְּבַר לְחַבְבֵיהּ חֲמָר אוֹ תוֹר אוֹ אָמַר וְכָל בְּעִירָא לְמִפֵּר וּמִית אוֹ אָתְּבַר אוֹ אָשְׁתָּבִי לֵית דְּחָזֵי:

מוֹמָתָא דֵּייָ תְּהֵי בֵּין תַּרְנֵיהוֹן אָם לָא אוֹשֵׁיט יְדֵיהּ בְּמָא דָמְסַר לֵיהּ חַבְרֵיהּ וִיקבֵּיל מֶרֵיהּ מִנֵּיהּ מוֹמָתָא וְלָא ישלים: אָם־לָא יִמְּצֵא הַגּּנְּב וְנִקְרֵב בְּעַל־הַבָּיִת אֶל־הֵאֱלֹתְים אִם־ לִא שָׁלָח יָדִוֹ בִּמְלֶאכֶת רֵעֵהוּ:

עַל־כְּל־דְבַר־פָּשׁע עַל־שְּׂוֹר עַל־בְּל־אֲבַרְה אֲשֶׁר יֹאמַר עַל־כְּל־אֲבַרָּה אֲשֶׁר יֹאמַר כִּי־הַוֹּא זֶה עַד הַאֱלֹהִים יִבְא דְבַר־שְׁנֵיהֶם אֲשֶׁר יַרְשִׁיעֻן אֱלֹהִים יְשַׁלֵּם שְׁנֵים לרעהו: (ס)

בְּי־יִתֵּן אִישׁ אֶל־רֵעֵׁהוּ חֲמֹוֹר אוֹ־שִׁוֹר אוֹ־שֶׂה וְכְל־בְּהַמָּה לִשְׁמִר וּמֶת אוֹ־נִשְׁבָּר אוֹ־נִשְׁבָּה אין ראה:

שְׁבֻעַת יְהוָּה תִּהְיֶה בֵּין שְׁנֵיהֶם אִם־לִא שָׁלַח יָדִוֹ בִּמְלֶאכֶת רֵעֲהוּ וְלָקַח בְּעָלָיו וְלָא יְשַׁלֵּם:

- (7) אם לא ימצא הגנב. וכא השומר הזה שהוא בעל הכית: ונקרב. אל הדיינין, לדון עם זה, ולישבע לו שלא שלח ידו בשלו:
- (8) על כל דבר פשע. שימלאשקרן בשבועתו, שיעידו עדים שהוא עלמו גנבו, וירשיעוהו אלהים על פי העדים: ישלם שנים לרעהו. למדך הכתוב, שהטוען בפקדון לומר נגנב הימני, ונמלא שהוא עלמו גנבו, משלם תשלומי כפל, ואימתי, בזמן שנשבע ואחר כך באו עדים. שכך דרשו רבותינו, ונקרב בעל הבית אל האלהים, קריבה זו שבועה היא, אחה אומר לשבועה או אינו אלא לדין, שכיון שבא לדין וכפר לומר נגנבה, מיד יתחייב בכפל אם באו עדים שהוא בידו, נאמר כאן שליחות יד, ונאמר למטה שליחות יד שְבָעַת ה' מִּהְיָה בִּין שְׁנֵיהֶם אִם לֹא שְׁלַח יָדוֹ, מה להלן שבועה אף כאן שבועה: אשר יאמר כי הוא זה. לפי פשוטו, אשר יאמר העד כי הוא זה שושבעת עליו הרי הוא אללך, עד הדיינין יבא דבר שניהם ויחקרו את העדות, ואם כשרים הם וירשיעוהו לשומר זה, ישלם שנים, ואם ירשיעו את העדים שנמלאו זוממין, ישלמו הם שנים לשומר. ורבותינו ז"ל דרשו, כי הוא זה, ללמד שאין מחייבין אותו שבועה אלא אם כן הודה במקלת, לומר כך וכך אני חייב לך, והמותר נגנב ממני (שם הו:):
- (9) כי יתן איש אל רעהו חמור או שור. פרשה ראשונה נאמרה בשומר חנם (בבא מציעא צד:) לפיכך פטר בו את הגנבה, כמו שכתוב וגונב מבית האיש אם לא ימצא הגנב ונקרב בעל הבית, לשבועה, למדת שפוטר עצמו בשבועה זו, ופרשה זו אמורה בשומר שכר, לפיכך אינו פטור אם נגנבה, כמו שכתוב אם גנוב יגנב מעמו ישלם, אבל על האונס, כמו מת מעצמו, או נשבר, או נשבה בחזקה על ידי לסטים. וחין רוחה. יעיד נדגר:
- (10) שבעת ה' תהיה. ישבע שכן הוא כדבריו, והוא לא שלח בה יד להשתמש בה לעצמו, שאם שלח בה יד ואחר כך נאנסה, חייב באונסים: ולקח בעליו. השבועה: ולא ישלם. לו השומר כלום:

But if it be stolen from him, he

shall make restitution unto the
owner thereof.

If it be torn in pieces, let him bring it for witness; he shall not make good that which was torn.

And if a man borrow aught of his
13 neighbour, and it be hurt, or die,
the owner thereof not being with it,
he shall surely make restitution.

If the owner thereof be with it, he shall not make it good; if it be a hireling, he loseth his hire.

And if a man entice a virgin that is not betrothed, and lie with her, he shall surely pay a dowry for her to be his wife.

If her father utterly refuse to give her unto him, he shall pay money according to the dowry of virgins.

Thou shalt not suffer a sorceress to

Whosoever lieth with a beast shall surely be put to death.

ּ וְאָם־גָּנָב יִגָּנָב מֵעִמֵּוֹ יְשַׁלֵּם וְאָם אָתְגְּנְבְא יִתְגְּנִיב מֵעִמֵּיה לבעליו:

ַ אָם־טָּלָף יִטְּרֵף יְבָאֵהוּ עֻד אָם אִתְּבָרָא יִתְּבַר יִיְתֵי סְהַדִּין הַטְּרֵפָּה לָא יִשַׁלֵם: (פּ) דּתְבִיר לָא יְשַׁלֵים:

ְּ וְכִי־יִשְׁאַל אָישׁ מֵעֶם רֵעָהוּ וַאָּרֵי יִשְׁאַל גְּבַר מִן חַבְרֵיהּ וְנִשְׁבַּר אוֹ־מֵּת בְּעָלֶיו אֵין־עִמְוֹ וְיִתְּבַר אוֹ יְמוּת טְרֵיהּ לֵית שַׁלֵּם יִשַּׁלֵם: שַׁלֵּם יִשַּׁלֵם:

שָׁכֵיר הוּא בָּא בְשַׁלֵּיו עִמָּוֹ לָא יְשַׁלֵּם אָם־ אָם מְרֵיה עִמֵּיה לָא יְשַׁלֵּים אָם ¼ַיִּר הוּא בָא בְּשָׁכָרוֹ: (ס) אַנִירָא הוּא עָאל בְּאַנְרִיה:

ְּ וְכְי־יְפַתֵּח אִּישׁ בְּתוּלֶח אֲשֶׁר וַאֲרֵי יְשַׁדֵּיל גְּבַר בְּתוּלְתָא לא־אֹרֶשָּׁה וְשָׁכַב עִּמָּה מָהֶר דְּלָא מְאָרְסָא וְיִשְׁכּוֹב עִּמַּה יִמְהָרֶבָּה לָוֹ לְאִשֶּׁה:

אָם־מָאַן יְמָאַן אָבֶיהָ לְתִּתַּהּ אָם מִצְבָּא לָא יִצְבֵּי אַבוּהָא לְוֹ כֶּכֶסֶף יִשְׁמִל כְּמָהַר לְמִּחְנַהּ לֵיהּ כַּסְבָּּא יִתְּקוּל הָבָּרוּלְתִּ: (ס) בְּבִּתוּלְתָא:

: חָרָשָׁא לָא תַחֵי

... כַּל־שֹׁכֵב עִם־בָּהָמֵו

מַכשׁפַה לֹא תַחַיֵּה:

ַל־שֹׁכֵב עם־בְּהֵמֶּה מְוֹת כָּל דְיִשְׁכּוֹב עם בְּעִירָא אֶתְקְטָלָא יִתְקְטִיל:

- (12) אם טרף ישרף. על ידי חיה רעה: יבאהו עד. ידיא עדים שנטרפה באונס ופטור: הטרפה לא ישלם. אינו אומר טרפה לא ישלם, אלא הטרפה, יש טרפה שהוא משלם ויש טרפה שאינו משלם, טרפת חחול ושועל ונמיה משלם, אינו אומר טרפה לא ישלם, אלא הטרפה, יש טרפה שהוא משלם ומד להון כן, שהרי כמיד ומת או נשבר או נשבה, מה מיתה שאין יכול להדיל, אף שבר ושביה שאין יכול להדיל:
- (13) וכי ישאל. בא ללמדך על השואל שחייב באונסין: בעליו אין עמו. אם בעליו של שור אינו עם השואל במלאכתו (בבא מליעא שם):
- (14) אם בעליו עמו. בין שהוא באותה מלאכה בין שהוא במלאכה אחרת, היה עמו בשעת שאלה, אינו לריך להיות עמו בשעת שבורה ומתה (שם לה:): אם שביר הוא. אם השור אינו שאול אלא שכור, בא בשכרו ליד השוכר הזה ולא בשאלה, ואין כל הנאה שלו, שהרי על ידי שכרו נשתמש, ואין לו משפט שואל להתחייב באונסין. ולא פירש מה דינו אם כשומר חנם או ומין כל הנאה שלר, לפיכך נחלקו בו חכמי ישראל, שוכר כילד משלם, רבי מאיר אומר כשומר חנם, רבי יהודה אומר כשומר שכר:
- (15) וכי יפתה. מדבר על לבה עד ששומעת לו, וכן תרגומו וארי ישדל. שדול בלשון ארמי כפתוי בלשון עברי: מהר ימהרגה. יפסוק לה מוהר כמשפט איש לאשתו, שכותב לה כתובה וישאנה:
- (16) כמהר הבתולות. שהוא קצוב חמשים כסף אצל התופס את הבתולה ושוכב עמה באונס, שנאמר וְנָתַן הָאִיש הַשֹׁבֵב עִמָּה לַאַבִּי הַנַעַרָה חֵמִשִׁים כָּסֶף (דברים כב, כט):
- (17) מכשפה לא תחיה. אלא תומת בבית דין, ואחד זכרים ואחד נקבות, אלא שדבר הכתוב בהווה, שהנשים מלויות מכשפות (סנהדרין סז:):
 - (18) (ס"א כל שוכב עם בהמה מות יומת. נסקילה, רובע כנרגעת, שכתוג נהן דמיהס נס:)

He that sacrificeth unto the gods,

save unto the LORD only, shall be
utterly destroyed.

And a stranger shalt thou not
wrong, neither shalt thou oppress
him; for ye were strangers in the
land of Egypt.

Ye shall not afflict any widow, or fatherless child.

If thou afflict them in any
wise—for if they cry at all unto Me,
I will surely hear their cry—

My wrath shall wax hot, and I will
kill you with the sword; and your
wives shall be widows, and your
children fatherless.

If thou lend money to any of My
people, even to the poor with thee,
thou shalt not be to him as a
creditor; neither shall ye lay upon
him interest.

דִּידַבַּח לְטְעֲנֶת עַמְמַיָּא יִתְקְטִיל אֶלְהֵין לִשְׁטָא דַּייָ בַּלְחוֹדוֹהִי:

וּלְגִיוֹרָא לָא תּוֹנוֹן וְלָא תָעִיקּוּן אֲרֵי דַּיָּיִרִין הָוֵיתוֹן בְּאַרְעָא דְּמִצְרָיִם:

:כָּל אַרְמְלָא וְיִיתַם לָא תְעַנּוֹן

אָם עַנָּאָה תְעַנֵּי יָתֵיהּ אֲרֵי אָם מִקְבָּל יִקְבַּל קֶדָמֵי קַבְּלָא אַקבִּיל קבִילִתִיה:

וְיִתְקַף רוּגְיִי וְאֶקְטוֹל יָתְכוֹן בָּחַרְבָּא וְיִהְוִין נְשֵׁיכוֹן אַרְמְלָן וּבָנֵיכוֹן יַתְמִין:

אָם כַּסְפָּא תוֹזֵיף בְּעַמִּי לְעַנְיָא דְּעִמֶּךְ לָא תְהֵי לֵיהּ כְּרְשִׁיָא לַא תִשַּוּוֹן עֵלוֹהִי חִיבוּלִיָא:

ָּ זֹבֶתַ לְאֱלֹהֵים יְחֲרֶם בִּּלְתִּי לַיהוָה לְבַרִּוֹ:

ְ וְגֵר לא־תוֹנֶה וְלָא תִלְחָצֶנּוּ כֵּי־ גַרִים הָיִיתֶם בְּאֶרֶץ מִצְרֵיִם:

- בָּל־אַלְמָנְה וְיָתֻוֹם לְאֹ תְעַנְּוּן:

יִצְעַק' אֵלַי שָׁמְעַ אֶשְׁמַע צַעֲקְתְוֹ: 22 אָם־צַנָּה תְעַנָּה אֹתְוֹ בַּי אָם־צְעָקּתְוֹ:

וְחָרֶה אַפִּּי וְהָרַגְתֵּי אָתְכֶם בּחָרֶב וְהָיָוּ נְשֵׁיכֶם אַלְמְנוֹת וּבְנֵיכֶם יִתֹמֵים: (פּ)

אָם־כֶּסֶףוּ תַּלְּוֶה אֶת־עַמִּׁי אֶת־ הָעָנִי עִמָּךְ לֹא־תִהְיֶה לְּוֹ כְּנֹשֶׁה לִא־תִשִּׁימִוּוּ עַלֵּיוּ נִשֵּׁדְ:

- (19) לאלהים. לעבודת גילולים. אילו היה נקוד לאלהים (הלמ"ד בציר"י), היה זריך לפרש ולכחוב אחרים, עכשיו שאמר לאלהים, אין זריך לפרש אחרים, שכל למ"ד ובי"ת וה"א המשמשות בראש התיבה, אם נקודה בחטף, כגון למלך, למדבר, לעיר, זריך לפרש לאיזה מלך, לאיזה מדבר, לאיזה עיר, וכן למלכים, ולרגלים, בחיר"ק, זריך לפרש לאיזה, ואם אינו מפרש, לעיר, זריך לפרש לאיזה מלך, לאיזה מדבר, לאיזה עיר, וכן למלכים במשמע, וכן לאלהים כל אלהים במשמע, אפילו קודש, אבל כשהיא נקודה פתח, כמו למלך, למדבר, לעיר, (פת"ח וקמ"ץ ענין אחד בענין זה, וגם יש לומר בדרך אחר כמ"ש בדקדוקי רש"י יעויין בו) נודע באיזה מלך מדבר, וכן לעיר נודע באיזה עיר מדבר, וכן לאלהים לאותן שהוזהרתם עליהם במקום אחר. כיוצא בו מֵיח במקום אחר וְהוֹצְאָם שָׁ הַ הַּאִישׁ פִירש, הוצרך לינקד פת"ח: יחרם. יומת. ולמה נאמר יחרם, והלא כבר נאמרה בו מיתה במקום אחר וְהוֹצְאָם שָׁ הַּהִיאׁ וֹג לִנקד פת"ח: יחרם. יומת. ולמה נאמר יחרם, והלא כבר נאמרה בו מיתה במקום אחר וְהֹוֹצְחָ הַהִּיאׁ בְּהִיל לִנקד פת"ח: יחרם. וומת. ולמה נאמר יחרם, והלא כבר נאמרה בו מיתה במקום אחר וְהוֹצְחַ בְּהִיל וֹנִי לִל בְּאָ בְּהִיל וֹגוֹ לִנִי לִל בּיִ שִׁ אוֹנוֹ לברים יו, ה), אלא לפי שלא פירש על איזו עבודה חייב מיתה, שלא מאמר כל עבודת המתפר והמנסך שהם עבודות בפנים, וחייבין עליהם לכל עבודת אלילים, בין שדרכה לעבדה בכך בין שאין דרכה לעבדה בכך, אבל שאר עבודות, כגון המכבד והמרבץ והמנשף והמנשף, אינו במיתה אלא באזהרה:
- (20) וגר לא תונה. אונאת דברים, קונטרליאר"ר בלע"ז (העהנען) כמו וְהַאֲכַלְמִּי אֶת מוֹנַיְךְ אֶת בְּשָׁרם (ישעיה מט, כו): ולא תלחצבו. בגזילת ממון: כי גרים הייתם. אם הוניתו, אף הוא יכול להונותך, ולומר לך אף אתה מגרים באת, מום שבך אל תאמר לחברך. כל לשון גר, אדם שלא נולד באותה מדינה, אלא בא ממדינה אחרת לגור שם:
- (21) כל אלמנה ויתום לא תענון. הוא הדין לכל אדס, אלא שדבר הכתוב בהווה, לפישהם תשושי כח ודבר מצוי לענותם:
- (22) אם ענה תענה אתו. הרי זה מקרא קלר, גזם ולא פירש ענשו, (והא דכתיב והיו נשיכם וגו', זהו אם לעוק ילעק, אבל באם לא ילעק לא פירש, וק"ל) כמו לֶכֵן כֶּל הֹרֵג קַיִן (בראשית ד, טו), גזם ולא פירש ענשו, אף כאן אם ענה תענה אוחו, לשון גזום, כלומר סופך ליטול את שלך, למה, כי אם לעק ילעק אלי וגו':
- (23) והיו גשיכם אלמנות. ממשמע שנאמר והרגמי אחכם, איני יודע שנשיכם אלמנות ובניכם יחומים, אלא הרי זו קללה אחרת, שיהיו הנשים לרורות כאלמנות חיות, שלא יהיו עדים למיתת בעליהן ותהיינה אסורות להנשא, והבנים יהיו יתומים, שלא יניחום בית דין לירד לנכסי אביהם, לפי שאין יודעים אם מתו אם נשבו:

If thou at all take thy neighbour's 25 garment to pledge, thou shalt restore it unto him by that the sun goeth down;

for that is his only covering, it is his garment for his skin; wherein shall he sleep? and it shall come to pass, when he crieth unto Me, that I will hear; for I am gracious.

Thou shalt not revile God, nor curse a ruler of thy people.

Thou shalt not delay to offer of the fulness of thy harvest, and of the outflow of thy presses. The first-born of thy sons shalt thou give unto Me.

Likewise shalt thou do with thine 29 oxen, and with thy sheep; seven days it shall be with its dam; on the eighth day thou shalt give it Me.

כסותא

היא כסותיה בלחודה היא תותביה למשכיה במא

אַלהַים לָא תִקַלֵּל וִנְשִׂיא בִעַמִּדְ

אם־חבל תחבל שלמת רעד

עד־בא השמש תשיבנו לו:

דַּיָּינָא לָא תַקִּיל וְרַבָּא בִּעַמַּדְ

לא תאַחַר תאַחָר בַּכוּרָדְ

וִדמְעֲדָ

לצאנד עם־אמו

- (24) אם כסף תלוה את עמי. רבי ישמעאל אומר, כל אם ואם שבחורה רשוח, חוץ מג', וזה אחד מהן: עמי ונכרי, עמי קודם. עני ועשיר, עני קודם. עניי עירך ועניי עיר אחרת, עניי עירך קודמין (בבא מליעא עא.). וזה משמעו, אם כסף תלוה, את עמי תלוהו קודם לעובד גילולים, ולאיזה מעמי, את העני, ולאיזה עני, לאותו שעמך. (ד"א את העני, שלא מנהוג בו מנהג בזיון בהלואה שהוא עמי. את העני עמך, הוי מסתכל בעצמך כאילו אתה עני): א תהיה לו כנשה. לא מתבענו בחזקה, אם אתה יודע שאין לו, אל תהי דומה עליו כאילו הלויתו, אלא כאילו לא הלויתו, כלומר, לא מכלימהו: נשך. רבית, שהוא כנשיכת נחש, שנחש נושך חבורה קטנה ברגלו ואינו מרגיש, ופתאום הוא מבלבץ ונופח עד קדקדו, כך רבית, אינו מרגיש ואינו ניכר עד שהרבית עולה ומחסרו ממון הרבה:
- (25) אם חבול תחבל. כל לשון הצלה אינו משכון בשעת הלואה, אלא שממשכנין את הלוה כשמגיע הזמן ואינו פורע. (חבול מחבול כפל לך בחבלה עד כמה פעמים, אמר הקב"ה, כמה אתה חייב לי, והרי נפשך עולה אלליכל אמש ואמש ונותנת דין וסשבון ומתחייבת לפני, ואני מחזירה לך, אף אחה טול והשב טול והשב): עד בא השמש תשיבנו לו. כל היום תשיבנו לו עד בא השמש, וכבוא השמש תחזור ותטלנו עד שיבא בקר של מחר, ובכסות יום הכתוב מדבר שאין לריך לה בלילה (מכילתא
 - (26) כי הוא כסותה. זו טלית: שמלתו. זו חלוק: במה ישכב. לרבות את המלע:
 - (27) אלהים לא תקלל. הריזו אזהרה לברכת השם, ואזהרה לקללת דיין (סנהדרין סו.):
- (28) מלאתך. חובה המוטלת עליך כשתחמלה תבוחתך להתבשל, והם בכורים: ודמעך. התרומה, ואיני יודע מהו לשון דמע: לא תאחר. לא תשנה סדר הפרשתן, לאחר את המוקדם ולהקדים את המאוחר, שלא יקדים תרומה לבכורים, ומעשר לתרומה: בכור בניך תתן לי. לפדותו בחמש סלעים מן הכהן, והלא כבר צוה עליו במקום אחר, אלא כדי לסמוך לו כן תעשה לשורך, מה בכור אדם לאחר ל' יום פודהו, שנאמר וּפְדוּיֵיו מִבֶּן חֹדֶשׁ מִפְּדֶּה (במדבר יח, טו), אף בכור בהמה דקה מטפל בו ל' יום, ואחר כך נותנו לכהן:
- (29) שבעת ימים יהיה עם אמו. זו אזהרה לכהן, שאם בא למהר את קרצנו, לא ימהר קודם שמונה, לפי שהוא מחוסר ביום השמיני תתנו לי. יכול יהא חוצה לבו ביום, נאמר כאן שמיני ונאמר להלן ומיום השמיני ובללה ירצה (ויקרא כב, כז), מה שמיני האמור להלן להכשיר משמיני ולהלן, אף שמיני האמור כאן להכשיר משמיני ולהלן (מכילחא פי"ט), וכן

And ye shall be holy men unto Me; therefore ye shall not eat any flesh that is torn of beasts in the field; ye shall cast it to the dogs.

Thou shalt not utter a false report;
put not thy hand with the wicked
to be an unrighteous witness.

Thou shalt not follow a multitude
to do evil; neither shalt thou bear
witness in a cause to turn aside after
a multitude to pervert justice;

- neither shalt thou favour a poor man in his cause.
- If thou meet thine enemy's ox or 4 his ass going astray, thou shalt surely bring it back to him again.

נאָנְשִׁין קּדִּישִׁין תְּהוֹן קֶּדָמְי וּבְשַׁר תְּלִישׁ מִן חֵינָא חַיָּא לָא תֵיכְלוּן לְכַלְבָּא תִּרְמוֹן יָתֵיה:

לָא תְקַבֵּיל שֵׁימַע דִּשְׁקַר לָא תְשַׁנֵי יְדָךְ עִם תַיִּיבָא לְמִהְנֵי לֵיה סָתִיד שַׁקָּר:

לָא תְהֵי בָּתַר סָגִיאֵי לְאַבְאָשָׁא וְלָא תִתְמְנֵע מִלְאַלְפָּא מָא דִּבְעֵינֶךְ עַל דִּינָא בָּתַר סַגִּיאֵי שַׁלֵּים דִּינָא:

וְעַל מָסְכֵּינָא לָא תְרַחֵים בִּדינִיה:

אָבִי תִפְּגַע תּוֹרָא דְּשְׁנָאָד אוֹ חֲמֶבִיה דְּטָעֵי אָתְבָא תָּתִיבִנֵּיה ליה:

ְוְאַנְשֵׁי־לָּדָשׁ תִּהְנִוּן לֵי וּבְשָּׁר בַּשָּׂדֶה טְרֵפָּה לָא תאֹבֵלוּ לַבֵּלֵב תַּשָּׁלְכִוּן אֹתָוֹ: (ס)

יַרְהְּ' עִם־רָשְּׁע לְהְיֻת עֵד חְמֶס: יַרְהְּ' עִם־רָשָּׁע לִהְיֻת עֵד חְמֶס:

לא־תִהְיֶה אַחֲבִי־רַבִּים לְרָעָׁת וְלֹא־תַעֲנֶה עַל־רָב לִנְטָּת אַחֲבֵי רַבִּים לְהַטָּת:

- (ס) :וְדֶּל לְאׁ תֶהְהַּר בְּרִיבְוֹ:
- ַּבְי תִפְּגַּע שַּׁוֹר אִיִבְךָּ אָוֹ חֲמֹרְוֹ תּעֶה הָשֵׁב הְשִׁיבֶנוּ לְוֹ: (ס)

משמעו, וביום השמיני אתה רשאי ליתנו לי:

- (30) ואנשי קודש תהיון לי. אם אתם קדושים ופרושים משקולי נגלות וטרפות, הרי אתם שלי, ואם לאו אינכם שלי: ובשר בשדה טרפה. אף גבית כן, אלא שדגר הכתוג גהווה (מכילתא פ"כ), מקום שדרך בהמות ליטרף, וכן כִּי צַשְּׁבֶּה מְּלָבָה (דברים כג, כז), וכן אֲשֶׁר לֹא יִהְיֶה טְהֹר מִקְבָה לְיִלָּה (שם כג, יא), הוא הדין למקרה יום, אלא שדגר הכתוג בהווה. מְלָבָה (ואונקלום תרגם) ובשר דתליש מן חיוא חימא, גשר שנתלש על ידי טרפת זאג או ארי (או) מן חיה כשרה או מבהמה כשרה בחייה: לכלב תשליכון אתו. אף הוא כו' או אינו אלא כלג כמשמעו בנגלה או מכור לנכרי קל וחומר לטרפה שמותרת בכל הנאות א"כ מה תלוד לומר לכלג למדך הכתוג שאין הקב"ה מקפח שכר כל בריה, שנאמר וּלְכֹל בְּגֵי יִשְׁרָאֵל לֹא יָחֲרַץ כֶּלֶג לְשׁנֹו (שמות יא, ז), אמר הקב"ה תנו לו שכרו (מכילתא פ"כ):
- (1) לא תשא שמע שוא. כתרגומו לא תקבל שמע דשקר, אזהרה למקבל לשון הרע, ולדיין שלא ישמע דברי בעל דין עד שיבא בעל דין חבירו: אל תשת ידך עם רשע. הטוען את חבירו חביעת שקר, שהבטיחהו להיות לו עד חמס:
- לא תהיה אחרי רבים לרעות. יש במקרא זה מדרשי הכמי שראל, אבל אין לשון המקרא מיושב בהן על אופניו. מכאן דרשו שאין מטין לחובה בהכרעת דיין אחד (סנהדרין ב.), וסוף המקרא דרשו, אחרי רבים להטות, שאם יש שנים מחייבין יותר על המזכין, הטה הדין על פיהם לחובה, ובדיני נפשות הכתוב מדבר. ואמלע המקרא דרשו, ולא תענה על ריב, של יב, שאין חולקין על מופלא שבבית דין, לפיכך מתחילין בדיני נפשות מן הלד, לקטנים שבהן שואלין תחלה שיאמרו את דעתם. ולפי דברי רבים לרעת. לחייב מיתה בשביל דיין אחד שירבו מחייבין על המזכין. ולא תענה על רב. לנטות מדבריו, ולפי שהוא חסר יו"ד דרשו בו כן. אחרי רבים להשת. ויש רבים שאחה נוטה אחריהם, ואימתי, בזמן שהן שנים המכריעין במחייבין יותר מן המזכין. וממשמע שנאמר לא תהיה אחרי רבים לרעות, שומע אני אבל היה עמהם לטובה, מכאן אמרו דיני נפשות מטין על פי אחד לזכות ועל פי שנים לחובה. ואונקלום תרגם לא תתמנע מלאלפא מה דבעינך על דינא, ולשון העברי לפי התרגום כך הוא נדרש: לא תענה על ריב לנשות, אם ישאלך דבר למשפט, לא תהיה אחרי רבים לרעות. אם ראית רשעים מטין משפט, לא תאמר הואיל ורבים הם הנני נוטה אחריהם: ולא תענה על ריב לנשות וגר. ואם ישאלך הנדון על אותו המשפט, אל תעננו על הריב דבר הנוטה אחרי אום והמשפט כאשר הוא, וקולר יהא תלוי בנוחר הרבים:
 - (3) לא תהדר. לא מחלוק לו כבוד לזכוחו בדין ולומר, דל הוא אזכנו ואכבדנו:

If thou see the ass of him that hateth thee lying under its burden, thou shalt forbear to pass by him; thou shalt surely release it with him. מא בללבה עלוני וּעַפְּרִיק מִלְּמִשְׁלֵל לֵיה מִשְׁבִּיק תִּשְׁבּוֹק לְבִיע מְחוֹת מוּעְנִיה וְתִּתְּמְנֵע אָרִי תִּחִוֹּת מוּעְנִיה וְתִּתְּמְנֵע

פִּי־תִרְאָּה חֲמָוֹר שַּׂנַאֲדְּ רֹבֵץ תַּחַת מַשָּׂאוֹ וְחָדַלְתָּ מֵעֲזָב לֵוֹ עָזָב תַּעֲזָב עִמְוֹ: (ס)

Thou shalt not wrest the judgment of thy poor in his cause.

לָא תַצְלֵי דִּין מִסְכֵּינְךְ בְּדִינִיה:

ממשי לא תַמֶּה מִשְׁפַּט אֶבְיֹנְהָ בְּרִיבְוֹ:

Keep thee far from a false matter;

7 and the innocent and righteous slay thou not; for I will not justify the wicked.

מָפַּתְגָמָא דְּשָׁקְרָא הָוִי רַחִיק וְדִזְכֵּי וְדִנְפַּק דְּכֵי מִן דִּינָא לָא תַקְטוּל אֲרֵי לָא אֲזַכֵּי חַיָּיכָא:

מָדְבַר־שֶׁקֶר תִּרְחָק וְנָקֵי וְצַדִּיקׁ אַל־תַּהַרג כֵּי לא־אַצְדָּיק רְשֵׁע:

And thou shalt take no gift; for a 8 gift blindeth them that have sight, and perverteth the words of the righteous.

וְשׁוּחְדָּא לָא תְקַבֵּיל אֲרֵי שוּחְדָּא מְעַוּר עֵינֵי חַכִּימִין וּמקלקיל פּתגמין תריצין:

יְעַנֵּר פָּאָתְקָח בָּי הַשַּׂחַד יְעַנַּר -אָקְתִּים וִיסַכֵּלָף דִּבְרֵי צַדִּיקִים:

And a stranger shalt thou not

9 oppress; for ye know the heart of a
stranger, seeing ye were strangers in
the land of Egypt.

וּלְגִּיוֹרָא לָּא תָעִיקוּן נְאַתּוּן יְדַעְתּוּן יָת נַפְּשָׁא דְּגִּיוֹרָא דְּמִצְרָיִם: דְּמָצְרָיִם: ְּ וְגֵר לֵא תִלְחָץ וְאַפֶּׁם יְדַעְתֶּם אֶת־גָפֶשׁ הַגֵּר בִּי־גַרִים הֱיִיתֶם בְּאֶרֶץ מִצְרֵיִם:

And six years thou shalt sow thy land, and gather in the increase thereof;

וְשֵׁית שְׁנִין תִּזְרַע יָת אַרְעָדְּ וְתִּכְנוֹשׁ יַת עֵלַלְתַּה:

ַוְאֶטֶׁפֶתָּ אֶת־תִּבוּאֶתֵה: וָאֶסֶפָתַּ אֶת־תִּבוּאֶתֵה:

- (5) כי תראה חמור שונאך וגו׳. הרי כי משמש בלשון דלמא, שהוא מד' לשונות של שמושי כי, וכה פתרונו, שמא תראה חמורו רובץ מחת משאו: וחדלת מעזוב לו. בתמיה: עזב תעזב עמו. עזיבה זו לשון עזרה, וכן עַנּוּר וְעָזוּב (מלכיס־א יד, י), וכן וַיַּעַזְבוּ יְרוּשָׁלַיִם עַד הַחֹוֹמָה (נחמיה ג, ח), מלאוה עפר לעזוב ולסייע את חוזק החומה. כיונא בו, כִי חאמר בּלְבְּבְּךְּ רַבְּים הַגּ וֹיִם הָמֹלֶה מִמֶנִי וגו' (דברים ז, יז), שמא תאמר כן, בתמיה, לא מִירָא מֵהֶם. ומדרשו כך דרשו רבוחינו, כי תראה וחדלת, פעמים שאתה חודל ופעמים שאתה עוזר, הא כינד, זקן ואינו לפי כבודו, וחדלת, או בהמת עובד כוכבים ומשאו של ישראל (בבא מניעא לב:), וחדלת: עזב תעזב עמו. לפרק המשא, מלמשקל ליה, מליטול משאוי ממנו:
 - (6) אבינך. לשון אובה, שהוא מדולדל ותאב לכל טובה (שם קיא:):
- (7) ונקי וצדיק אל תהרג. מנין ליוצא מבית דין חייב, ואמר אחד יש לי ללמד עליו זכות, שמחזירין אותו, חלמוד לומר ונקי אל חהרוג, ואף על פי שאינו לדיק, שלא נצטדק בבית דין, מכל מקום נקי הוא מדין מיתה, שהרי יש לך לזכותו. ומנין ליוצא מבית דין זכאי, ואף על פי שאינו צלים עליו חובה שאין מחזירין אותו לבית דין, תלמוד לומר וצדיק אל תהרג, וזה צדיק הוא, שנצטדק בבית דין: כי לא אצדיק רשע. אין עליך להחזירו, כי אני לא אצדיקנו בדינו אם יצא מידך זכאי, יש לי שלוחים הכנת להמיתו במיתה שנתחייב בה:
- (8) ושחד לא תקח. אפילו לשפוט אמת, וכל שכן כדי להטוח את הדין, שהרי כדי להטוח את הדין נאמר כבר לא תטה משפט: יעור פקחים. ואפילו חכם בתורה ונוטל שוחד, סוף שתטרף דעתו עליו, וישתכח תלמודו, ויכהה מאור עיניו (מכילתא פ"כ): ויסלף. כתרגומו ומקלקל: דברי צדיקים. דברים המלודקים, משפטי אמת, וכן תרגומו פתגמין תרילין, ישרים:
- (9) וגר לא תלחץ. בהרבה מקומות הזהירה תורה על הגר, מפני שסורו רע (צבא מליעא נט:): את נפש הגר. כמה קשה לו כשלוחלים אותו:
 - (10) ואספת את תבואתה. לשון הכנסה לניח, כמו וַאֲסַפְמּוֹ אֶל מּוֹךְ בֵּימֶךְ (דנרים כנ, ג):

but the seventh year thou shalt let it rest and lie fallow, that the poor of thy people may eat; and what they leave the beast of the field shall eat. In like manner thou shalt deal with thy vineyard, and with thy oliveyard.

Six days thou shalt do thy work, but on the seventh day thou shalt rest; that thine ox and thine ass may have rest, and the son of thy handmaid, and the stranger, may be refreshed.

And in all things that I have said
unto you take ye heed; and make no
mention of the name of other gods,
neither let it be heard out of thy
mouth. .

Three times thou shalt keep a feast unto Me in the year.

The feast of unleavened bread shalt thou keep; seven days thou shalt eat unleavened bread, as I commanded thee, at the time appointed in the month Abib—for in it thou camest out from Egypt; and none shall appear before Me empty;

וּשְׁבִיעֵיתָא תִּשְׁמְטִנּהּ וְתִרְטְשִׁנָּהּ וְיֵיכְלוּן מִסְכֵּינֵי עַמָּךְ וּשְׁאָרְהוֹן תִּיכוֹל חַיַּת בָּרָא כֵּן תַּעֲבִיד לְכַרְמָךְ לזיתה:

שָׁתָּא יוֹמִין תַּעֲבֵיד עוּבְרָךְ וּבִיוֹמָא שְׁבִיעָאָה תְּנוּחַ בְּדִיל בַּר אַמְתָּךְ וּחְמֶרָךְ וְיִשְׁקוֹט בַּר אַמְתָּךְ וּחְמֶרָר

וּבְכֹל דַּאֲמַרִית לְכוֹן הַסְתַּמְרוּן וְשׁוֹם טָעֲוָת עַמְמַיָּא לָא תִדְכְרוּן לָא יִשִׁתִּמַע עַל פּוּמָכוֹן:

תְּלָת זִמְנִין תֵּיחֲגוּוּן מֶדָמַי בִּשַּׁתַא:

יֶת חַגָּא דְּפַּמִירַיָּא תִּמֵּר שִׁבְעָא יוֹמִין תֵּיכוֹל פַּמִּירָא דַאָּבִיבָא אֲרֵי בֵיהּ נְפַּקְתָּא דַאָּבִיבָא אֲרֵי בֵיהּ נְפַּקְתָּא תִיקָנִין: וְהַשְּׁבִיעָת תִּשְׁמְטֵּנְּה וּנְטַשְׁהְּה וְאָכְלוּ אֶבִינֵי עַפֶּדְ וְיִתְרֶם תּאַכֵל חַיַּת הַשְּׂדֶה בֵּן־תַּעֲשֶׂה לַכַרְמְּךָ לְזֵיתֶך:

אָמָתְדָּ וְהַגָּר: יָנִּיּחַ שְּוֹרְדְּ וַחֲמֹרֶדְּ וְיִנָּבְּשׁ בֶּן־ יָנִיּחַ שְׁוֹרְדְּ וַחֲמֹרֶדְ וְיִנָּבְּשׁ בֶּן־ שֵׁשֶׁת יָמִים תַּצְשֶׁהֶד

וּבְכֶּל אֲשֶׁר־אָמַיְרְתִּי אֲלֵיכֶם תִּשְּׁמֵּרוּ וְשֵׁם אֱלֹהֵים אֲחַרִים לֵא תַּוְבָּירוּ לָא יִשְּׁמֵע עַל־פֶּיך:

י שָׁלָשׁ רְגָלִּים מְּחָג לִי בַּשְּׁנָה:

אֶת־חֶג הַמַּצוֹת הִשְׁמֹר שִׁבְעַת יְמִים תּאַכֵּל מַצּוֹת כְּאָשֶׁר צִּוּיתִּדְּ לְמוֹעֵד חָבֶשׁ הְאָבִים בִּי־בִוֹ יָצָאת מִמִּצְרָיִם וְלֹא־ יֵרָאִוּ פָּנֵי רֵיקֵם:

- (11) תשמטנה. מעבודה: ונטשתה. מאכילה אחר זמן הביעור. דבר אחר תשמטנה, מעבודה גמורה, כגון חרישה וזריעה. ונטשתה, מלזבל ומלקשקש: ויתרם תאכל חית השדה. להקיש מאכל אביון למאכל חיה, מה חיה אוכלת בלא מעשר, מראבל ומלקשקש: ויתרם תאכל או מעשר בשביעית (מכילתא פ"כ): כן תעשה לכרמך. ומחלת מתקרא מדבר בשדה הלבן, כמו שאמר למעלה הימנו חזרע את ארלך:
- (12) וביום השביעי תשבת. אף בשנה השביעית לא תעקר שבת בראשית ממקומה (שס), שלא מאמר, הואיל וכל השנה קרויה שבת, לא מנהג בה שבת בראשית: למען ינוח שורך וחמורך. מן לו נייח, להתיר שיהא חולש ואוכל עשבים מן הקרויה שבת, לא מנהג בה שבת בראשית: למען הבית, אמרת, אין זה נייח אלא לער: בן אמתך. בעבד הערל הכתוב מדבר (שס): והגר. זה גר תושב:
- (13) ובכל אשר אמרתי אליכם תשמרו. לעשות כל מצות עשה באזהרה, שכל שמירה שבתורה אזהרה היא במקום לאו (יל"ש שנה, בשם המכילתא): א תזכירו. שלא יאמר לו, שמור לי בצד עבודת אלילים פלונית (סנהדרין סג:), או תעמוד עמי ביום עבודת אלילים פלונית. דבר אחר ובכל אשר אמרתי אליכם תשמרו ושם אלהים אחרים לא תזכירו, ללמדך, ששקולה עבודת אלילים כנגד כל המצות כולם, והנזהר בה כשומר את כולן: א ישמע. מן הנכרי: על פיך. שלא תעשה שותפות עם עובדי כוכבים, וישבע לך בעבודת אלילים שלו, נמצאת שאתה גורם שיזכיר על ידך:
 - (14) רגלים. פעמיס, וכן כִּי הִכִּיסָנִי זֵה שׁלשׁ רְגָלִים (במדבר כב, כח):
- (15) חדש האביב. שהתנוחה מתמלחת בו בחביה. חביב לשון חב, בכור ורחשון לבשל פירות: ולא יראו פני ריקם. כשתבחו לרחות פני ברגלים, הביחו לי עולות (חגיגה ז.):

and the feast of harvest, the first-fruits of thy labours, which thou sowest in the field; and the feast of ingathering, at the end of the year, when thou gatherest in thy labours out of the field.

Three times in the year all thy males shall appear before the Lord God.

Thou shalt not offer the blood of My sacrifice with leavened bread; neither shall the fat of My feast remain all night until the morning.

The choicest first-fruits of thy land thou shalt bring into the house of the LORD thy God. Thou shalt not seethe a kid in its mother's milk.

Behold, I send an angel before thee, to keep thee by the way, and to bring thee into the place which I have prepared.

Take heed of him, and hearken unto his voice; be not rebellious against him; for he will not pardon your transgression; for My name is in him.

תולב מו שללא: במפלה בשלא למללשל יע במפלה בשלא למללשל יע למפלה בשלא הללשל הללשה המוכה השלא הללשלה הללשה

תְּלָת זִמְנִין בְּשַׁתָּא יִתַּחְזוֹן כָּל דְכוּרֶדְ קַדָם רְבּוֹן עַלְמֵא יִי:

לָא תִכּוֹס עַל חֲמִיעַ דַּם פִּסְחִי וְלָא יִבִיתוּן בָּר מִמַּדְבְּחָא תַּרְבֵּי נִכְסַת חַגָּא עַד צַפְּרָא:

בישׁ בָּפּוּבִי אַרְעָדְ תַּיְתֵי לְבֵית מַקְדְשָׁא דַּייָ אֱלְהָדְ לָא תֵיכְלוּוְ בִּשַּׂר בָּחַלָב:

הָא אָנָא שָׁלַח מַלְאַכָּא קְּדְּמָדְ לְמִשְּׁרָדְ דְּאַהְקִינִית: לְאַתָּרָא דְּאַהְקִינִית:

אָסְהְמַר מִן קֶּדְמוֹהִי וְקַבֵּיל לְמִימְרִיהּ לָא הְסָרִיב לְקַבְלֵיהּ אֲרֵי לָא יִשְׁבּוֹק לחוֹביכוֹז ארי בשמי מימריה:

ְוְחָג הַקּצִיר בּפּוּרֵי מַצְשֶּׁיף אֲשֶׁר תִּוְרֵע בַּשְּׁרֶה וְחַג הַאָּסִף בְּצֵאת הַשְּׁנָה בְּאָסְפְּּךְּ אֶת־ מַעֲשֵׂיִף מִן־הַשֵּׁרֵה:

ַ שָׁלְשׁ פְּעָמֶים בַּשָּׁנָה יֵרָאֶה כְּל־ זְכַוּרְדְּ אֶל־פְנֵי הָאָדְן ו יְהֹוָה:

ַ לֹא־תִזְבָּח עַל־חָמֵץ דַם־זִבְחָי וְלֹא־יָלִין חֵלֶב־חַגִּי עַד־בְּקֶר:

ראשִׁית בּכּוּרֵי אַדְמֶתְדְּ תְּבִּשֵּׁל בִּית יְהוְּה אֱלֹהֵיְדְּ לְא־תְבַשֵּׁל בִּית בָחֵלֵב אָמִוֹ: (פּ)

ָ, הַנֵּה אָנֹכִי שׁלֻחַ מַלְאָדְ לְפָּנֶּיךְ לִשְׁמָרְדָּ בַּדְּרֶדְ וְלַהַבֵּיאֲדְּ אֶל־ הַמָּקוֹם אֲשֵׁר הַכִּנְתִי:

ַ הִשְּׁמֶר מִפְּנָיו וּשְׁמֵע בְּקֹלְוֹ אַל־ תַּמֵר בִּוֹ כִּי לְא יִשָּׂא לְפִּשְׁעֲכֶּם בִּי שְׁמֵי בִּקְרְבִּוֹ:

- (16) וחג הקציר. הוא חג שבועות: בכורי מעשיך. שהוא זמן הבאת בכורים, ששתי הלחם הבאין בעלרת, היו מתירין החדש למנחות ולהביא בכורים למקדש, שנאמר וּבְיוֹם הַבִּבּוּרִים וגו' (במדבר כח, כו): וחג האסיף. הוא חג הסוכות: באספך את מעשיך. שכל ימות החמה התבואה מתייבשת בשדות, ובחג אוספים אותה אל הבית מפני הגשמים:
- (17) שלש פעמים וגר. לפי שהענין מדבר בשביעית, הולרך לומר שלא יתעקרו שלש רגלים ממקומן (מכילתא פ"כ): כל זכורך. הזכרים שבך:
- (18) לא תזבח על חמץ וגר. לא משחט את הפסח בי"ד בניסן עד שתבער החמץ (מכילתא שם פסחים סג): ולא ילין חלב חגי וגר. מוץ למזבח: עד בקר. יכול אף על המערכה יפסל בלינה, חלמוד לומר על מוֹקְדָה על הַמִּוְבַּח כָּל הַלַּיְלָה חלב חגי וגר. מוץ למזבח: עד בקר. יכול אף על המערכה יפסל בלינה, חללה יכול להעלותו מן הרלפה למזבח: (ויקרא ו, ב): ולא ילין. אין לינה אלא בעמוד השחר, שנאמר עד בקר, אבל כל הלילה יכול להעלותו מן הרלפה למזבח:
- (19) ראשית בכורי אדמתך. אף השביעית חייבת בבכורים, לכך נאמר אף כאן בכורי אדמתך. כילד, אדם נכנס לחוך שדהו, רואה תאנה שבכרה, כורך עליה גמי לסימן ומקדישה. ואין בכורים אלא משבעת המינין האמורין במקרא אֶבֶץ חִּפְּה וּשְׁעַבְה וּגו' (דברים חֹל משבעת המינין האמורין במקרא אֶבֶץ חִפְּה וּשׁעַבָה וּגו' (דברים ח, ח): לא תבשל גדי. אף עגל וכבש בכלל גדי, שאין גדי אלא לשון ולד רך, ממה שאחה מולא בכמה מקומות בחורה שכתוב גדי והולכך לפרש אחריו עזים, כגון אָלִבִי אֲשַׁלַּח גְּדִי עַזְים (בראשית לח, יז), אֶם גְּדִי הָעִזִים (שם כ), שְנֵי בְּיִם (שם כז, ט). ללמדך שכל מקום שנאמר גדי סתם, אף עגל וכבש במשמע. ובג' מקומות נכתב בחורה, אחד לאיסור אכילה, ואחד לאיסור הנאה, ואחד לאיסור בשול (חולין קטו:):
- (20) הגה אגכי שולח מלאך. כאן נתצשרו שעתידין לחטוא ושכינה אומרת להם כִּי לא אֶעֶלֶה בְּקְרְבְּךְּ (שמות לג, ג): אשר הכנותי. אשר זמנתי לתת לכם, זהו פשוטו. ומדרשו, אל המקום אשר הכינותי כבר, מקומי ניכר כנגדו, וזה אחד מן המקראות שאומרים שבית המקדש של מעלה, מכוון כנגד בית המקדש של מטה:

But if thou shalt indeed hearken
unto his voice, and do all that I
speak; then I will be an enemy unto
thine enemies, and an adversary
unto thine adversaries.

For Mine angel shall go before thee, and bring thee in unto the Amorite, and the Hittite, and the Perizzite, and the Canaanite, the Hivite, and the Jebusite; and I will cut them off.

Thou shalt not bow down to their gods, nor serve them, nor do after their doings; but thou shalt utterly overthrow them, and break in pieces their pillars.

And ye shall serve the LORD your God, and He will bless thy bread, and thy water; and I will take sickness away from the midst of

None shall miscarry, nor be barren, in thy land; the number of thy days I will fulfil.

I will send My terror before thee, and will discomfit all the people to whom thou shalt come, and I will make all thine enemies turn their backs unto thee. אֲבִי אָם קַבְּלָא תְקַבֵּיל לְמִימְבִיה וְתַעֲבִיד כּל דַאֲמַלֵּיל וְאֶסְנִי יָת סְנָאָדְּ וָאָעֵיק לִדְמִעִיקִין לַדְּ:

אָבי יְהָךְּ מַלְאָכִי קּדָּטְרְּ וֹפְרָזָאֵי וּכְנַעֲנָאֵי חִנָּאֵי וִיבוּסָאֵי וַאָשֵׁיצִינוּן:

לָא תִסְגּוֹד לְטָעֲוְתְהוֹן וְלָא תִפְּלְחִנִּין וְלָא תַעֲבִיד כְּעוּבְדִיהוֹן אֲבִי פַּגָּרָא תְפַּגְּרְנּוּן וְתַבְּרָא הְתַבַּר קָמָתְהוֹן:

וְתִּפְּלְחוּן בֶּישִׁין מִבֵּינָךְ: וִיבָרֵיךְ יָת מֵיכְלָךְ וְיָת מִשְּׁתְּךְ וְאַעֲדֵי מַרְעִין בִּישִׁין מִבֵּינָךְ:

לָא תְהֵי תָּכְלָא וְעַקְּרָא בָּאַרְעָך יִת מִנְיַן יוֹמֶךְ אַשְׁלֵים:

יָת אֵימְתִי אֲשַׁלַּח קַדְמְּהְ לְאָנְחָא בְּהוֹן קְרָב וְאָמְסַר לְאָנְחָא בְּהוֹן קְרָב וְאָמְסַר יָת כָּל בַּעֲלֵי דְּבָבְךְ קֵּדְמְהְּ

בָּר אָם־שָּׁמָוֹעַ תִּשְׁמַע' בְּקֹלֵּוֹ וְעָשִּׁיתָ כָּל אֲשֶׁר אֲדַבֵּר וְאָיַבְתִּי אָת־אַּיְבֶּיד וְצִּרְתִּי אָת־צֹּרְרֶיך:

ַנִי-נֵלֶדְ מַלְאָכִי לְפָּנֶּידְ נְהַבְּנִאַדְ הָבְּנַצְנִי הַחָּנִּי וְהַפְּרִזִּי הַבְּנַצְנִי הַחָּנִּי וְהַפְּרִזִּי בִּי-נֵלֶדְ מַלְאָכִי לְפָּנֶּידְ נְהָבִּיאָדְּ

לא־תִּשְׁתַּחֲנָה לֵאלְהֵיהֶם וְלָא בֶּי הָרֵס תְּהָרְסֵׁם וְשַׁבֵּר תְּשַׁבֵּר מַצֵּבֹתִיהֶם: מַצֵּבֹתִיהָם:

וַעֲבַרְהֶּם אָת יְהֹוֶה אֶּלְהֵיכֶּם וֹבַרָך אֶת־לַחְמְּךְּ וְאֶת־מֵימֶיִךְ וַהָּסִרֹתִי מַחֲלָה מִפְּרְבֶּדְ: (ס)

לְאַ תִּהְיֶהְ מְשַׁכֵּלֶה וַשְּקְרֶה בְּאַרְצֶךְ אֶת־מִסְפָּר יָמֶיךְ אֲמַלֵּא:

אָת־אֵימָתִי אֲשַׁלַח לְפָּנֶּיף ! וְהַמּזֹתִי אֶת־כְּל־הָעָּם אֲשֶׁר ! תָּבָא בָּהֶם וְנָתַתַּי אֶת־כְּלֹ־ ! אֹיבֵיף אֵלֵיף עָרָף:

(21) אל תמר בו. לשון המראה, כמו אַשֶּׁל יַמְרֶה אֶת פִּיךְּ (יהושע א, יח): כי לא ישא לפשעכם. אינו מלומד בכך, שהוא מן הכת שאין חוטאין, ועוד, שהוא שליח, ואינו עושה אלא שליחותו: כי שמי בקרבו. מחובר לראש המקרא, השמר מפניו כי שמי משותף בו. ורבותינו אמרו, זה מטטרו"ן, ששמו כשם רבו, מטטרו"ן בגימטריא שדי:

(22) וצרתי. כתרגומו ואעיק:

(24) הרס תהרסם. לאותם אלהות: מצבותיהם. אננים שהם מליבין להשתחוות להם:

(26) לא תהיה משכלה. אם תעשה רזוני: משכלה. מפלח נפלים או קוברת את בניה, קרויה משכלה:

(27) והמותי. כמו והמממי, ומרגומו ואשגש. וכן כל חיבה שפועל שלה בכפל אות אחרונה, כשתהפוך לדבר בלשון פעלמי, יש מקומות שנוטל אות הכפולה ומדגיש את האות ונוקדו במלאפו"ם, כגון והמותי, מגזרת וְּהָמֵם גִּלְגַּל עֻגְּלָחוֹ (ישעיה כח, כח). וְמַבֹּוֹתִי, מגזרת וְסַבַּב בֵּית חֲל (שמואל־א ז, טו). דַּלוֹתִי, מגזרת דְּלְלוֹ וְסִרְבוֹ (ישעיה יט, ו). עַל כַּפַּיִם חַקְתִיךְ (שם מט, טו), מגזרת חַקְקֵילְב (שופטים ה, טו). אָת מִי רַצֹּוֹחִי (שמואל־א יב, ג), מגזרת רְצַּלְ שָוַב דַּלִּים (איוב כ, יט). והמתרגם והמותי, טו), מגזרת מִיתה היתה, אין ה"א שלה בפת"ח, ולא מ"ם שלה מודגשת, ולא נקודה מלאפו"ם. אלא וְהַתַּמִּי (בצירי)כגון וְהַתַּמֶּה אֶת בְּעָם הַאָּה (במדבר יד, טו), והתי"ו מודגשת לפי שתבא במקום ב'תוי"ן, האחת נשרשת לפי שאין מיתה בלא תי"ו, והאחרת משמשת כמו אמרתי, חטאתי, עשיתי. וכן ונתתי, התי"ו מודגשת, שהיא במקום שתים, לפי שהיה בלא תי"ו, והאחרת משמשת כמו אמרתי, חטאתי, עשיתי. וכן ונתתי, התי"ו מודגשת, שהיא באה במקום שתים, לפי שהיה

And I will send the hornet before
thee, which shall drive out the
Hivite, the Canaanite, and the
Hittite, from before thee.

I will not drive them out from before thee in one year, lest the land become desolate, and the beasts of the field multiply against thee.

By little and little I will drive them out from before thee, until thou be increased, and inherit the land.

And I will set thy border from the Red Sea even unto the sea of the Philistines, and from the wilderness unto athe River; for I will deliver the inhabitants of the land into your hand; and thou shalt drive them out before thee.

Thou shalt make no covenant with them, nor with their gods.

They shall not dwell in thy land—lest they make thee sin against Me, for thou wilt serve their gods—for they will be a snare unto

And unto Moses He said: 'Come up unto the LORD, thou, and Aaron, Nadab, and Abihu, and seventy of the elders of Israel; and worship ye afar off;

וְיָת חִתְּאֵי מִן קֶדְּמָך: וּתְתְרֵיך יָת חִנָּאֵי יָת כְּנִעֲנָאֵי וְאֶשְׁלַח יָת עָרָעִיתָא קְּדְמָך:

לָא אֲתָרִיכִנּוּן מָן קֵּדְמָּה בְּשַׁתָּא נְדְיָא וְתִסְנִּי עֲלֶךְ חַיַּת בַראי

זְעֵיר זְעֵיר אֲתֶרֵיכִנּוּן מָן קֵרְמָךְ עַד דְּתִסְגֵּי וְתַחְסֵין יָת ארעא:

וּתְתָבִיכִנּוּן מִן אָבִּמְהַ: אֶמְסֵר בְּיַבְּכוּן יָת יָתְבֵּי אַרְּאָא וּמִמַּדְבְּרָא עַד פְּרָת אָבִי דְאָשַנִּי יָת תְּחוּמָך מִיּמָא הַאָּשַנִּי יָת תְּחוּמָך מִיּמָא

לָא תִגְזַר לְהוֹן וּלְטְעֲנְתְהוֹן קים:

לָא יִתְבוּן בְּאַרְעָךְ דִּלְמָא יָת טָשֲוֹתְהוֹן אֲרֵי יְהוֹן לָךְ לְתַקְלָא:

וּלְמֹשֶׁה אֲמֵר סַק לִקְדָם יְיָ אַתְּ וְאַהָּרן נָדָב וַאֲבִיהוּא וְשִׁבְעִין מִסְּבֵי יִשְׂרָאֵל וְתִסְגְּדוּן מַרַחִיק:

וְשֶׁלַחְתֵּי אֶת־הַצִּרְעָה לְפָּנֶּיְדְּ וְגַרְשָׁה אֶת־הַחִנֵּי אֶת־הַכְּנַעֲנֵי וִאֵת־הַחִתִּי מִלְפָּנֵיך:

ַ לָא אָגְרְשֶׁנּוּ מִפְּנֵיךּ בְּשְׁנֵה אֶחְת פֶּן־תִּהְיָה הָאָרֶץ שְׁמָמָה וְרַבָּה עָלֶיךִ חַיַּת הַשְּׁרֵה:

אָשֶׁר תִּפְּנֶּה וְנָחַלְתָּ אֶת־הָאֶּנֶץ: אֲשֶׁר תִּפְּנֶּה וְנָחַלְתָּ אֶת־הָאֶּנֶץ:

וְשַׁתֵּי אֶת־גְּבֶלְהֹּ מִיַם־סוּף וְעַד־ יָם פְּלִשְׁתִּים וּמִמְדְבָּר עַד־ הַנְּהָר כִּיו אֶתַּן בְּיֶדְכָּם אֵת ישְׁבֵי הַצָּרָץ וָגָרִשְׁתַּמוֹ מִפָּנִיף:

₃ לְא־תִּכְרָת לְהֶם וְלֵאלְהֵיהֶם ₃ בָּרִית:

יַּחֲמָיאוּ אַתְּךָּ לְּי בֶּי תַעֲבֹּד אֶת־אֵּלְהֵיהֶם בִּי־יִהְיֶה לְךָּ לְמוֹמֵשׁ: (בּ)

וְאֶל־מֹשֶּׁה אָמַׁר עֲלֵה אֶל־ יְהֹנָה אַתְּה וְאָבְרֹן נְּדֶב וַאֲבִיהוּא וְשִׁבְעִים מִזּקְנֵי ישראל והשתחויתם מרחה:

אריך שלשה חוי"ן, שחים ליסוד כמו בְּיֹוֹם פֵּח ה' (יהושע י, יבֹ), מַפַּח אֱלֹהִים הִיאׁ (קהלת ג, יג), והשלישית לשמוש: – עורף. שינוסו מלפניך ויהפכו לך ערפם:

- (28) הצרעה. מין שרץ העוף, והיתה מכה אותם בעיניהם, ומטילה בהם ארם והם מתים. והזרעה לא עברה את הירדן (28) הוארעה. מין שרץ העוף, והיתה מכה אותם בעיניהם, ומטילה בהם אלה מלה לו.): והחתי והכנעני. הם ארץ סיחון ועוג, לפיכך מכל ז' אומות לא מנה כאן אלא אלו. וחוי, אף על פי שהוא מעבר הירדן והלאה, שנו רבותינו במסכת סוטה (שם), על שפת הירדן עמדה וזרקה בהם מרה:
 - (29) שממה. ריקנית מבני אדם, לפי שאתם מעט ואין בכם כדי למלאות אותה: ורבה עליך. ותרבה עליך:
 - (30) עד אשר תפרה. מרנה, לשון פרי, כמו פרו ורנו:
- (31) ושתי. לשון השתה, והתי"ו מודגשת מפני שבאה תחת שתים, שאין שיתה בלא תי"ו, והאחת לשמוש: עד הנהר. פרת: וגרשתמו. ותגרשם:
- (33) כי תעבד וגר׳. הרי אלו כי משמשין במקום אשר, וכן בכמה מקומות, וזהו לשון אי, שהוא אחד מד' לשונות שהכי משמש, וגם מלינו בהרבה מקומות אם משמש בלשון אשר, כמו וְאָם אַקְרִיב מִנְחַת בּבּוּרִים (ויקרא ב, יד), שהיא חובה:
 - (1) ואל משה אמר. פרשה זו נאמרה קודם עשרת הדברות, ובד' בסיון נאמרה לו עלה:

and Moses alone shall come near
unto the LORD; but they shall not
come near; neither shall the people
go up with him.'

And Moses came and told the people all the words of the LORD, and all the ordinances; and all the people answered with one voice, and said: 'All the words which the Lord hath spoken will we do.'

And Moses wrote all the words of the LORD, and rose up early in the morning, and builded an altar under the mount, and twelve pillars, according to the twelve tribes of Israel.

And he sent the young men of the children of Israel, who offered burnt-offerings, and sacrificed peace-offerings of oxen unto the LORD.

And Moses took half of the blood, and put it in basins; and half of the blood he dashed against the altar.

And he took the book of the covenant, and read in the hearing of the people; and they said: 'All that the LORD hath spoken will we do, and obey.'

And Moses took the blood, and sprinkled it on the people, and said: 'Behold the blood of the covenant, which the LORD hath made with you in agreement with all these words.'

וְיִתְקָרֵב מֹשֶׁה בִּלְחוֹדוֹהִי לִקְדָם יְיָ וְאִנּוּן לָא יִתְקָרְבוּן וִעִמָא לַא יִפְקוּן עִמֵּיה:

וַאֲתָא מֹשֶׁה וְאִשְׁתַּעִי לְעַמָּא יָת כָּל פִּתְגִמַיָּא דִּייָ וְיָת כָּל דִּינִיָּא וַאֲמֵיב כָּל עַמָּא קָלָא חַד וַאֲמֵרוּ כָּל פִּתְגִמַיָּא דְּמַלֵּיל וְיָ נעביד:

וּכְתַב מֹשֶׁה יָת כָּל פִּתְגְמֵיָא דֵּייָ וְאַקְדֵים בְּצַפְּרָא וּבְנָא מֵדְבְּחָא בְשָׁפּוֹלֵי טוּרָא וְתַרְתַּא עֶשְׁרֵי קְמָא לְתְרֵי עֲשַׂר שִׁבְטַיָּא דְיִשְׂרָאֵל:

וּשְׁלַח יָת בְּכוֹרֵי בְנֵי יִשְּׂרָאֵל וְאַפִּיסוּ עֲלָוָן וְנַכִּיסוּ נִכְסַת קוּדְשִׁין קֵדָם יִיְ תּוֹרִין:

וּנְסֵיב מֹשֶׁה פַּלְגוּת דְּמָא וְשַׁוּי בְּמִזְרָקִיָּא וּפַלְגוּת דְּמָא זְרַק עַל מַדְבָּחָא:

ּנְסֵיב סִפְּרָא דִּקְיָמָא וּקְרָא קֶדָם עַמָּא וַאֲמַרוּ כֹּל דְּמַלֵּיל יָן נַעֲבֵיד וּנְקַבֵּיל:

וּנְסֵיב מֹשֶׁה יָת דְּמָא וּזְרַקּ עַל מַדְבְּחָא לְכַפְּרָא עַל עַמְא נַאֲמֵר הָא דַם קְיָמָא דִּגְזַר יְיָ עַל מַדְבָּחָא לְכַפְּרָא עַל עַמְּא ַ וְנִגַּשׁ מֹשֶׁה לְבַדּוֹ אֶל־יְהוְּה וְהַם בּ לֵא יִגָּשׁוּ וְהָעָּם לְא יַעֲלְוּ עִמְּוֹ:

וַיָּבָא מֹשֶׁה וַיְסַפֵּר לְעָם אָת כְּל־דִּבְרֵי יְהֹנָה וְאָת כְּל־ הַמִּשְׁפְּטִים וַיַּעַן כְּל־הָעָם קוֹל אָחָד וַיָּאמְרֹוּ כְּל־הַדְּבָרֵים אַשֶּׁר־דְּבֵּר יִהוָה נַעֲשֵׂה:

וַיִּכְתַּב מֹשֶׁה אֲת כְּל־דִּבְרֵי יְהֹנְה וַיִּשְׁבֵּם בַּבּׁכֶּר וַיִּבֶן מִזְבֵּח מַצֵּבָה לִשְׁנִים עָשֶׂר שִׁבְמֵי יִשְׁרָאַל:

נִיִּשְׁלַח אֶת־נַעֲרֵי בְּנֵי יִשְּׂרָאֵּל נַיַּעֲלִּוּ עֹלֶת וַיִּזְבְּחוּ זְבְחָים שְׁלָמֵים לִיהוָה פָּרִים:

ַנִּאָּח מֹשֶׁה חֲצֵי הַדָּׁם נַיָּשֶּׂם בָּאַנְּגָׁת וַחֲצֵי הַדָּׁם זָרָק עַל־ הַמָּזַבֵּח:

ַ וַיִּקַּח ׁ סֵפֶּר הַבְּּרִית וַיִּקְרָא בְּאָזְנֵי הָעָם וַיַּאמְרֹּוּ כֶּל אֲשֶׁר־דִּבֶּר יְהֹוָה נַעֲשֶׂה וְנִשְׁמֵע:

וַיִּקֵח מֹשֶׁה שֶּׁת־הַדְּּם וַיִּזְרָק עַל־ הָעָם וַיֹּאמֶר הָנֵּה דְם־הַבְּרִית אֲשֶׁר כְּרַת יְהוְה עִמְּכֶם עַל כְּל־ הדברים האלה:

⁽²⁾ ונגש משה לבדו. אל הערפל:

⁽³⁾ ויבא משה ויספר לעם. גו גיוס: את כל דברי ה'. מנות, פרישה, והגגלה: ואת כל המשפטים. ז' מנות שננטוו גני נח, ושבת, וכגוד אג ואס, ופרה אדומה, ודינין, שניתנו להס גמרה (מכילתא גחדש פ"ג):

⁽⁴⁾ ויכתוב משה. מבראשית ועד מתן תורה, וכתב מלות שנלטוו במרה (שם): וישכם בבקר. בחמשה בסיון:

⁽⁵⁾ את נערי. הגכורות:

⁽⁶⁾ ויקח משה חצי הדם. מי חלקו, מלאך בא וחלקו: באגנות. שמי אגנות, אחד לחצי דם עולה, ואחד לחצי דם שלמים, להזות אותם על העם. ומכאן למדו רבותינו, שנכנסו אבותינו לברית במילה וטבילה והזאת דמים, שאין הזאה בלא נודילה:

⁽⁷⁾ ספר הברית. מגראשית ועד מתן תורה, ומלות שנלטוו גמרה:

Then went up Moses, and Aaron,
Nadab, and Abihu, and seventy of
the elders of Israel;

and they saw the God of Israel; and there was under His feet the like of a paved work of sapphire stone, and the like of the very heaven for clearness.

And upon the nobles of the

"children of Israel He laid not His
hand; and they beheld God, and
did eat and drink.

And the LORD said unto Moses:
'Come up to Me into the mount and be there; and I will give thee the tables of stone, and the law and the commandment, which I have written, that thou mayest teach them.'

And Moses rose up, and Joshua his minister; and Moses went up into the mount of God.

And unto the elders he said: 'Tarry ye here for us, until we come back unto you; and, behold, Aaron and Hur are with you; whosoever hath a cause, let him come near unto them.'

וּסְלֵיק מֹשֶׁה וְאַהֲרֹן נָדְב וַאָבִיהוּא וְשִׁבְעִין מִסְּבֵי יִשַּׂרָאָל:

נְחַזוֹּ יָת יְקָר אֶלְהָא דְּיִשְׂרָאֵל אֶבֶן טָּבָא וּכְמִחְזֵי שְׁמַיָּא לָבַרִירוּ:

וּלְרַבְּרְבֵּי בְּנֵי יִשְׁרָאֵל לָא הָוָה הָדָן בְּקוּרְבָּנֵיהוֹן דְּאָתְקַבַּלוּ בָּאָלוּ אָכִלִין וִשְׁתַן:

נְאֲמֵר יָיָ לְמֹשֶׁה סַק לִקְדָמֵי לְטוּרָא וְהְוִי תַּמָּן וְאֶתֵּין לְךְּ יָת לּוּחֵי אַבְנָא וְאוֹרְיְתָא וְתַפָּמֵידְהָּא לְאַלּוֹפֵּיהוֹן:

וְקֶם מֹשֶׁה וִיהוֹשֶׁעַ מְשׁוּמְשְׁנֵיה וּסְלֵיק מֹשֶׁה לְטוּרָא דְּאִתְגְּלִי עֲלוֹהִי יְקָרָא דִּייָ:

וּלְּסָבַיָּא אֲמַר אוֹרִיכוּ לַנָּא הָכָא עַד דְּנְתוּב לְנְתְכוֹן וְהָא אַהָרן וְחוּר עִּמְכוֹן מַן דְּאִית לֵיה דִּינָא יִתְקְּרֵב לִקְדְמֵיהוֹן:

יַנַעַל מֹשֶׁה וְאַהֲרֶן נָדָב'וַאֲבִיהׁוּא וְשִׁרְאֵל: וְשִׁבְעִים מִזִּקְנֵי יִשְׂרָאֵל:

וַיִּרְאוּ אָת אֶלֹהֵי יִשְּׂרָאֵל וְתַחַת רַגְלָיו כְּמַעֲשֵׂה לִבְנַת הַסַּפִּיר וּרָצֵצֶם הַשָּׁמַיִם לְטְׁהַר:

וְאֶל־אֲצִילֵי בְּנֵי יִשְׂרָאֵׁל לְא שָׁלַח יָדִוֹ וַיֶּחֲזוֹּ אֶת־הָאֵלֹהִים וַיֹּאֹכְלִוּ וַיִּשְׁתִּוּ: (ס)

ניאמֶר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה עֲלֵה אֵלֶי הָהָרָה נֶהְיֵה־ שָׁם וְאֶתְּנָה לְךְּ אֶת־לֻחָׁת הָאֶבֶן הַתּוֹרָת וְהַמִּצְוָּה אֲשֶׁר כְּתַּבְתִּי להוֹרֹתם:

ַ וַיָּקָם מֹשֶּׁה וִיהוֹשֻׁעַ מְשְּׁרְתֵּוֹ וַיָּעַל מֹשֶׁה אֶל־הַר הָאֶלֹהִים:

וְאֶל־הַזְּכֵנִים אָמַר שָׁבוּ־לְנוּ בָּוֶה אַהַלְן וְחוּר עִמְּכֶּם מִי־ וְהָנֵּה אָהַלְן וְחוּר עִמְּכֶּם מִי־ בַעַל דְּבָרִים יִנִּשׁ אֵלֵהֵם:

- (8) ויזרוק. ענין הואה, ותרגומו וזרק על מדבחא לכפרא על עמא:
- (10) ויראו את אלהי ישראל. נסתכלו והציצו ונתחייבו מיתה, אלא שלא רצה הקב"ה לערבב שמחת התורה, והמתין לנדב ואביהוא עד יום חנוכת המשכן, ולזקנים עד וַיְּהִי הְּעָם כְּתְּחָאֹנֵים וגו' וַמְּבְּעֵר בָּם אֵשׁ ה' וַמֹּאַכֵּל בִּקְצָה הַמִּחֲנָה, בקצינים לנדב ואביהוא עד יום חנוכת המשכן, ולזקנים עד וַיְּהִי הְּעָם כְּתְּחָאֹנֵים וגו' וַמְּבְּעֵר בָּם אֵשׁ ה' וַמֹּחֹנְה: היא היתה לפניו בשעת השעבוד, לזכור צרתן של ישראל שהיו משועבדים במעשה לבנים: כמרגומו לשון מראה: לשהר. לשור לבנים: וכעצם השמים לשהר. משנגאלו היה אור וחדוה לפניו: וכעצם. כתרגומו לשון מראה: לשהר. לשור ברור וצלול:
- (11) ואל אצילי. הם נדב ואביהוא והזקנים: לא שלח ידו. מכלל שהיו ראויים להשמלח בהם יד: ויחזו את האלהים. היו מסתכלין בו בלב גם, מתוך אכילה ושתייה, כך מדרש תנחומא (בהעלותך ט"ו). ואונקלום לא תרגם כן, אנילי, לשון גדולים, כמו ומַאַּצִילָיהָ קַרָאֹתִידְ (ישעיה מא, ט), וַיָּאֹצֵל מִן הָרוּחַ (במדבר יא, כה), שַׁשׁ אַמּוֹת אַצִּילָה (יחזקאל מא, ח):
- (12) ויאמר ה׳ אל משה. לאחר מתן תורה: עלה אלי ההרה והיה שם. מ'יוס: את לחת האבן והתורה והמצוה אשר כתבתי להורותם. כל שש מאות ושלש עשרה מלות נכלל עשרת הדגרות הן. ורגינו סעדיה פירש נאזהרות שיסד, לכל דגור ודגור מלות התלויות בו:
- (13) ויקם משה ויהושע משרתו. לא ידעתי מה טיבו של יהושע כאן, ואומר אני שהיה התלמיד מלוה לרב עד מקום הגבלת תחומי ההר, שאינו רשאי לילך משם והלאה, ומשם ויעל משה לבדו אל הר האלהים, ויהושע נטה שם אהלו ונתעכב שם כל מ' יום, שכן מלינו כשירד משה, וישמע יהושע את קול העם ברעה, למדנו שלא היה יהושע עמהם:

And Moses went up into the mount, אַבּה and the cloud covered the mount.

וסליק משה לטורא

ויעל משה אַל־הַהַר וַיִּכַס הַעָּגַן

And the glory of the LORD abode 16 upon mount Sinai, and the cloud covered it six days; and the seventh day He called unto Moses out of the midst of the cloud.

And the appearance of the glory of 17 the LORD was like devouring fire on the top of the mount in the eyes of the children of Israel.

And Moses entered into the midst 18 of the cloud, and went up into the mount; and Moses was in the mount forty days and forty nights. ועאל משה בגו עננא וסליק

The Haftarah is Jeremiah 34:8 - 34:22 & 33:25 - 33:26 on page 219. On Shabbat Shekalim, Maftir is Exodus 30:11 - 16, and the Haftarah is the special Haftarah on page 238. When Shabbat Shekalim is Rosh Hodesh, read as before but combine the 6th and 7th aliyot from the parsha, and read the 7th aliya for Shabbat Rosh Hodesh on page 233. On Rosh Hodesh that is not Shabbat Shekalim, the Maftir and Haftarah are on page 233. On Erev Rosh Hodesh that is not Shabbat Shekalim, read the Haftarah on page 236

And the LORD spoke unto Moses, saying:

וידבר יהוה אל־משה לאמר: וּמַלֵּיל יָיַ עִם משה לְמֵימַר:

'Speak unto the children of Israel, 2 that they take for Me an offering; of every man whose heart maketh him willing ye shall take My offering.

לִי תַּרוּמָה מָאֵת כַּל־אִישׁ אשׁר יִדְבֵנוּ לְבֹּוֹ תִּקְחָוּ אֶת־תִּרוּמַתֵי:

And this is the offering which ye shall take of them: gold, and silver, and brass;

וְדָא אַפְּרָשׁוּתָא דִּתִסְבִּוּן מִנָּהוֹן מאַתַם זַהַב וַכַסָף וּנָחָ

(14) ואל הזקנים אמר. בלאתו מן המחנה: שבו לנו בזה. והתעכבו כאן עם שאר העם במחנה, להיות נכונים לשפוט לכל איש ריצו: חור. צנה של מרים היה, ואציו כלב בן יפנה, שנאמר וַיִּקַח לוֹ כָלֵב אָח אֶפְרְח וַמֵּלֶד לוֹ אֶח חוּר (דברי הימיס־א ב, יט), אפרת זו מרים, כדאיתא בסוטה (יא:): מי בעל דברים. מישיש לו דין:

(16) ויכסהו העגן. רבותינו חולקים בדבר (יומא ד.:), יש מהם אומרים אלו ששה ימים שמראש חדש (עד עלרת יום מתן מורה. רש"י ישן): ויכסהו הענן. להר: ויקרא אל משה ביום השביעי. לומר עשרת הדברות, ומשה וכל בני ישראל עומדים, אלא שחלק הכתוב כבוד למשה. ויש אומרים, ויכסהו הענן למשה ו' ימים, לאחר עשרת הדברות, והם היו בתחלת מ' יום שעלה משה לקבל הלוחות, ולמדך שכל הנכנס למחנה שכינה טעון פרישה ששה ימים (שם):

(18) בתוך העגן. ענן זה כמין עשן הוא, ועשה לו הקב"ה למשה שביל (נ"א חופה) בתוכו:

(2) ויקחו לי תרומה. לי, לשמי: תרומה. הפרשה, יפרישו לי מממונס נדבה: ידבנו לבו. לשון נדבה, והוא לשון רלון טוב, פיישנ"ט בלע"ז (געשענק) – תקחו את תרומתי. אמרו רבוחינו, ג'תרומות אמורות כאן, אחת תרומת בקע לגלגלת שנעשו מהם האדנים, כמו שמפורש באלה פקודי, ואחת תרומת המזבח בקע לגלגלת, לקופות, לקנות מהן קרבנות לבור, ואחת תרומת המשכן, נדבת כל אחד ואחד שהתנדבו. י"ג דברים האמורים בענין, כולם הולרכו למלאכת המשכן או לבגדי כהונה כשתדקדק בהם:

ותכלא ואַרגּוָנָא וּצְבַע זהורי

- and blue, and purple, and scarlet, and fine linen, and goats' hair;
 - , וערת אילם מאדמים and rams' skins dyed red, and וּמַשָּׁבֵּי דִּדְכָרֵי מָסוּמָּקֵי וּמַשָּׁבֵּי sealskins, and acacia-wood; :תַּחַשֵּׁים וַעֲצֵי שׁמִּים:
- הַמִּשָּׁחָה וָלְקִּמַּרֵת הַסְּמֵּים:

יתכלת וארגמן ותולעת שני

- oil for the light, spices for the anointing oil, and for the sweet incense;
- אַבְנֵי בוּרָלָא וְאַבְנֵי אֲשִׁלמוּתא מַלאָים ואַבני לשקעא באיפודא ובחושנא:
- onyx stones, and stones to be set, for the ephod, and for the breastplate.
- וְיַעְבְּדוּן הֶדְמַי מַקְדַשׁ וְאַשְׁרֵי
- And let them make Me a sanctuary, that I may dwell among them.
- כָּכֹל אֲשֵׁר אָנִי מַרָאָה אוֹתְדְּ אָת כָכֹל דַאָנָא מַחָזֵי יַתַדְ יַת דְמוּת מַשִּׁכָנָא וִיָת דְמוּת כַּל מנוהי תַבנִית הַמִּשֶׁבֶּן וָאָת תַבנִית כַּל־ כַלִיו וְכֵן תַּעֲשִׁוּ: (ס)
- According to all that I show thee, the pattern of the tabernacle, and the pattern of all the furniture thereof, even so shall ye make it.

- (3) זהב וכסף ונחשת וגו׳. כלס באו בנדבה איש איש מה שנדבו לבו, חוץ מן הכסף שבא בשוה, מחלית השקל לכל אחד. ולא מלינו בכל מלאכת המשכן שהולרך שם כסף יותר, שנאמר וְכֶּסֶף פְּקוֹדֵי הַעֵּדָה וגו' בַּקַע לְגַּלְגֹלֶת וגו' (שמות לח, כוכז), ושאר הכסף הבא שם בנדבה, עשאוה לכלי שרת:
- (4) ותכלת. למר לבוע בדם חלזון (מנחות מד.), ולבעו ירוק: וארגמן. למר לבוע ממין לבע ששמו ארגמן: ושש. הוא פשתן (יבמות ד:): ועדים. נולה של עזים, לכך תרגם אונקלוס ומעזי, הבא מן העזים, ולא עזים עלמן, שתרגום של עזים עזיה:
- (5) מאדמים. לבועות היו אדום לאחר עבודן: תחשים. מין חיה, ולא היתה אלא לשעה (שבת כח:), והרבה גוונים היו לה, לכך מתרגם ססגונה, שם ומתפחר בגוונין שלו (שם): ועצי שטים. ומחין היו להם במדבר, פירש רבי תנחומה (תרומה ט), יעקב אבינו לפה ברוח הקדש שעתידין ישראל לבנות משכן במדבר, והביא ארזים למלרים ונטעם, ולוה לבניו ליטלם עמהם כשילאו ממלרים:
- (6) שמן למאור. שמן זית זך להעלות נרתמיד: בשמים לשמן המשחה. שנעשה למשוח כלי המשכן והמשכן לקדשו, ולקטורת הסמים. שהיו מקטירין בכל ערב ובקר, כמו שמפורש בואתה והולרכו לו בשמים, כמו שמפורש בכי תשא: תלוה. ולשון קטרת, העלאת קיטור ותמרות עשן:
- (7) אבני שהם. שתים הולרכו שם, ללורך האפוד האמור בואתה תלוה: מלאים. על שם שעושין להם בזהב מושב כמין גומא, ונותנין האבן שם למלאות הגומא, קרויים אבני מלואים, ומקום המושב קרוי משבלות: לאפוד ולחושן. אנני השהם לאפוד ואבני המלואים לחשן. וחשן ואפוד מפורשים בואחה תלוה, והם מיני תכשיט:
 - (8) ועשו לי מקדש. ועשו לשמי נית קדושה:
- (9) ככל אשר אני מראה אותך. כאן, את תבנית המשכן (מנחות כט.). המקרא הזה מחובר למקרא שלמעלה הימנו, ועשו לי מקדש ככל אשר אני מראה אותך: וכן תעשו. לדורות (סנהדרין טז:, שבועות יד:), אם יאבד אחד מן הכלים או כשתעשו לי כלי בית עולמים, כגון שולחנות ומנורות וכיורות ומכונות שעשה שלמה, כתבנית אלו תעשו אותם. ואם לא היה המקרא מחובר למקרא שלמעלה הימנו, לא היה לו לכתוב וכן תעשו, אלא כן תעשו, והיה מדבר על עשיית אהל מועד וכליו:

And they shall make an ark of acacia-wood: two cubits and a half shall be the length thereof, and a cubit and a half the breadth thereof, and a cubit and a half the height thereof.

And thou shalt overlay it with pure gold, within and without shalt thou overlay it, and shalt make upon it a crown of gold round about.

And thou shalt cast four rings of gold for it, and put them in the four feet thereof; and two rings shall be on the one side of it, and two rings on the other side of it.

And thou shalt make staves of acacia-wood, and overlay them with gold.

And thou shalt put the staves into the rings on the sides of the ark, wherewith to bear the ark.

The staves shall be in the rings of the ark; they shall not be taken from it.

And thou shalt put into the ark the testimony which I shall give thee.

יַעְבְּדוּן אֲרוֹנָא דְּאָעֵי שִׁמִּין תַּרְתֵּין אַמִּין וּפַּלְנָא אוּרְכֵּיה אַמְתָא וּפַּלְנָא פוּתְיֵיה וְאַמְּתָא פַּלְנָא רומֵיה:

וְתַחְפֵּי יָתֵיהּ דְּהַב דְּכֵי מִגְּיוּ וּמִבָּרָא תִּחְפִינִיהּ וְתַעֲבֵיד עַלוֹהִי זִיר דְּרְהַב סְחוֹר סחוֹר:

וְתַתֵּיךְ לֵיהּ אַרְבַּע עִזְקְן דְּדְהַבּ וְתִתֵּין עַל אַרְבַּע זְוְיָתֵיהּ וְתַרְתֵּין עִזְקָן עַל סְטְרֵיה תַד וְתַרְתֵּין עִזְקָן עַל סטריה תנינא:

וְתַעֲבֵיד אֲרִיחֵי דְּאָצֵי שִׁטִּין וֹתִחָפֵּי וָתִהוֹן דַּהבָּא:

תֵעֵיל יָת אֲרִיחַיָּא בְּעִזְקְתָא עַל סִטְרֵי אֲרוֹנָא לְמִפֵּל יָת אֱרוֹנָא בָּהוֹן:

ֶּצְיְקְתָּ אֲרוֹנָא יְהוֹן אֲרִיחַיָּא בָא יִעְדּוֹן מָנֵיה:

הַאַתֵּין לֶדְ: וְתִּתֵּין בַּאֲרוֹנָא יָת סְהַדוּתָא וְעְשָׂוּ אֲרָוֹן עֲצֵי שִׁמִּים אַמְּתִׁיִם נְחֵצִי אָרְכּוֹ וְאַמֶּה נִחֵצִי רְחְבּׁוֹ ואמה וחצי למתו:

וְצִפִּיתְ אֹתוֹ זְהָב טְהוֹר טְבָּית וּמִחְוּץ הְצַפֶּנוּ וְעָשֵׂיתְ עָלָיו זֵר זָהָב סְבִיב:

וְיָצֵקְתָּ לֹּוֹ אַרְבַּעׁ טַבְּעַׂת זָּהָׁב טַבָּעָת עַל־צַּלְעוֹ הֵאֶחֶׁת וּשְׁתֵּי טַבָּעָת עַל־צַלְעוֹ הֵאֶחֶׁת וּשְׁתֵּי

ָּ וְעָשֶׂיתָ בַדֵּי עֲצֵי שִׁמֵּים וְצִפִּיתְ אֹתָם זָהַב:

ְוָהֵבֵאתָ אֶת־הַבַּדִּים ׁבַּטַּבְּעׄת עֵל צַלְעַת הָאָרָן לְשֵׂאת אֶת־הָאָרָן בַּהֵם:

ַ בְּמַבְּעֹת הָאָרוֹ יִהְיוּ הַבַּדֵּים לְא יִּ יַסָרוּ מִמֵנוּ:

וְנָתַהָּ אֶלֹ־הָאָרֶן אָת הָעֵדֶׁוּ אֵשׁר אִתּן אליד:

(10) ועשו ארון. כמין ארונות שעושים בלא רגלים, עשוים כמין ארגז שקורין אישקרי"ן (שריין שראנק) יושב על שוליו:

- (11) מבית ומחוץ תצפנו. שלשה ארונות עשה בצלאל, ב' של יהב וא' של ע'ן (יומא ע'ב:), וד' כתלים ושולים לכל אחד, ופתוחים מלמעלה, נתן של עץ בתוך של זהב, ושל זהב בתוך של עץ, וְתַּפֶּה שפתו העליונה בזהב, נמצא מצופה מבית ומחוץ: זר זהב. כמין כתר מוקף לו סביב, למעלה משפתו, שעשה הארון החיצון גבוה מן הפנימי, עד שעלה למול עובי הכפורת ולמעלה הימנו משהו, וכשהכפורת שוכב על עובי הכתלים, עולה הזר למעלה מכל עובי הכפורת כל שהוא, והוא סימן לכתר מורה:
- (12) ויצקת. לשון התכה כתרגומו: פעמותיו. כתרגומו זְוְיְמֵיהּ. ובזויות העליונות סמוך לכפורת היו נתונים, שתים מכאן ושתים מכאן לרחבו של ארון, והבדים נתונים בהם, וארכו של ארון מפסיק בין הבדים אמתים וחלי בין בד לבד, שיהיו שני בני אדם הנושאין את הארון מהלכין ביניהם, וכן מפורש במנחות (לח:) בפרק שתי הלחם: ושתי טבעות על צלעו האחת. הן הן ד'טבעות שבתחלת המקרא, ופירש לך היכן היו, והוי"ו זו יתירה היא, ופתרונו כמו שתי טבעות, ויש לך לישבה כן, ושתי מן הטבעות האלו על זלעו האחת: צלעו. זרו:
 - (13) בדי. מוטות:
 - :(15) לא יסורו ממנו לעולם (יומא עב.):
 - (16) ונתת אל הארן. כמו בארון: העדת. התורה, שהיא לעדות ביני וביניכם שלויתי אתכם מלות הכתובות בה:

And thou shalt make an ark-cover
of pure gold: two cubits and a half
shall be the length thereof, and a
cubit and a half the breadth thereof.

ותֶּוֹר וְתַעֲבֵיד כָּפּוּרְתָּא דְּדְהַב דְּכֵי אַמֶּח תַּרְתֵּין אַמִּין וּפַּלְנָּא אוּרְכַּה וַאָמָתָא וּפַלְנָא פּוּתְיָה:

ְּוְעָשֶׂיתָ כַּפָּׁרֶת זָהֲב שָׁהֵוֹר וְ אַפְּתַיִם וָחֵצִי אְרְכָּהּ וְאַמָּה וּ וְחֵצִי רָחָבָּהּ:

And thou shalt make two cherubim of gold; of beaten work shalt thou make them, at the two ends of the ark-cover.

וְתַעֲבֵיד תְּרֵין כְּרוּבִין דִּדְהַב בְגִיד תַּעֲבֵיד יָתְהוֹן מִתְּרֵין סִמְרֵי כָּפוּרְתָּא:

ַ וְעָשֶׁיתָ שְנִיִם אַּלֶּם מִשְּׁנֵי קְצְּוֹת הַכָּפָּרֵת: הַכָּפָּרֵת:

And make one cherub at the one end, and one cherub at the other end; of one piece with the ark-cover shall ye make the cherubim of the two ends thereof.

וְעֲבֵיד כְּרוּבָא חַד מִּסְּטְרָא מִכָּא מִן כָּפוּרְתָּא תַּעְבְּדוּן יָת מָבָּא מִן כָּפוּרְתָּא תַּעְבְּדוּן יָת מָבָּא מִן כָּפוּרְתָּא תַּעְבְּדוּן יָת

וַעֲשֵׂה כְּרוּב אֶחֶד מִקְצָה מִּיֶּה וֹכְרוּב־אֶחֶד מִקְצָה מִיֶּה מִוְּ הַכַּפָּׂרֶת תַּעֲשִׂוּ אֶת־הַכְּרֶבִים עַל־שֵׁנִי קצוֹתֵיו:

And the cherubim shall spread out their wings on high, screening the ark-cover with their wings, with their faces one to another; toward the ark-cover shall the faces of the cherubim be. יַיהוֹן כְּרוּבַיָּא פְּרִיסִין גַּרְפֵּיהוֹן לְעֵילָא מְטַלַן בְּגַרְפֵּיהוֹן עַל כְּפוּרְתָּא יַאַפֵּיהוֹן חַד לְקַבֵיל חַד לְקַבֵיל כָּפוּרְתָּא יְהוֹן אַפֵּי

וְהָנֵוּ הַכְּרָבִים ׁ פֹּרְשֵּׁי כְנְפַׁיִם ' לְמַּשְלָה סֹכְכֵים בְּכַנְפֵיהֶם עַל־ הַכַּפּׁרֶת וּפְנֵיהֶם אֵישׁ אֶל־אָחִיו אֶל־הַכַּפֿרֶת יִהְיוּ פְּנֵי הַכְּרָבִים:

And thou shalt put the ark-cover above upon the ark; and in the ark thou shalt put the testimony that I shall give thee.

וְתִתֵּין יָת כָּפּוּרְתָּא עַל אֲרוֹנָא מִלְעִילָא וּבַאֲרוֹנָא תִּתֵּין יָת סַתַרוּתַא דָּאָתֵין לַדְּ:

וְנְתַהָּ אֶת־הַכַּפֶּׂרֶת עַל־הָאָרָן מִלְמָעְלָה וְאֶל־הָנָאָרֹן תִּמֵּן אֶת־ הָעֵרָת אֲשֵׁר אֵמֵן אֵלֵיף:

- (17) כפורת. כסוי על הארון, שהיה פחוח מלמעלה, ומניחו עליו כמין דף: אמתים וחצי ארכה. כארכו של ארון, ורחבה כרחבו של ארון, ומונחת על עובי הכחלים ארבעתם, ואף על פי שלא נחן שיעור לעוביה, פירשו רבוחינו שהיה עוביה מפח (סוכה ה.):
- (18) כרבים. דמות פרצוף תינוק להם: מקשה תעשה. אלא תעאם בפני עצמם ותחברם בראאי הכפורת לאחר עשייתם, כמעשה צורפים שקורין שולדירי"ץ, אלא הטיל זהב הרבה בתחלת עשיית הכפורת, והכה בפטיש ובקורנס באמצע, וראשין בולטין למעלה, וצייר הכרובים בבליטת קצותיו: מקשה. בטדי"ץ בלע"ז כמו דְּא לְדָא נְקְשֶׁן (דניאל ה, ו): קצות הכפורת. ראשי הכפורת:
- (19) ועשה כרוב אחד מקצה. שלא תאמר שנים כרובים לכל קצה וקצה, לכך הוצרך לפרש כרוב אחד מקצה מזה: מן הכפורת. עצמה מעשה את הכרובים, זהו פירושו של מקשה מעשה אותם, שלא מעשם בפני עצמם ותחברם לכפרת:
- (20) פורשי כנפים. שלא תעשה כנפיהם שוכבים, אלא פרושים וגבוהים למעלה אצל ראשיהם, שיהא י'טפחים בחלל שבין הכנפים לכפורת, כדאיתא בסוכה (ה:):
- (21) ואל הארון תתן את העדת. לא ידעתי למה נכפל, שהרי כבר נאמר ונחם אל הארון את העדות, ויש לומר, שבא ללמד שבעודו ארון לבדו בלא כפורם, יתן מחלה העדות לחוכו, ואחר כך יתן את הכפורת עליו, וכן מלינו כשהקים את המשכן, נאמר רַיִּשָּן אֶת הָעָדָת אֵל הָאָלוֹ (שמות מ, כ), ואחר כך וַיִּשָּן אָת הַפַּפֹּרֶת עַל הָאָלוְ מִלְמַעַלָה:

And there I will meet with thee, and I will speak with thee from
22 above the ark-cover, from between the two cherubim which are upon the ark of the testimony, of all things which I will give thee in commandment unto the children of Israel.

And thou shalt make a table of acacia-wood: two cubits shall be the length thereof, and a cubit the breadth thereof, and a cubit and a half the height thereof.

And thou shalt overlay it with pure gold, and make thereto a crown of gold round about.

And thou shalt make unto it a border of a handbreadth round about, and thou shalt make a golden crown to the border thereof round about.

And thou shalt make for it four ²⁶ rings of gold, and put the rings in the four corners that are on the four feet thereof.

Close by the border shall the rings be, for places for the staves to bear the table. וַאָזְמֵין מֵימִרִי לְדְּ תַּמְּן וַאֲמַלֵּיל עִמְּדְ מֵעלְנֵי כָּפּוּרְתָּא מִבֵּין תְּרֵין כְּרוּבַיָּא דְּעַל אַרוּנָא דְּסָהֲדוּתָא יָת כָּל דַאֲפַמֵּיד יָתָדְ לְנָת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל:

וְתַעֲבֵיד פָּתוּרָא דְאָעֵי שִׁמִּין פּוּתְנֵיה וְאַמִּין אוּרְכֵיה וְאַמְּתָא פּוּתְנֵיה וְאַמְּתָא וּפַּלְנָּא רוּמֵיה:

וְתִּחְפֵּי יָתֵיהּ דְּהַבּ דְּכֵי וְתַעֲבֵיד לֵיהּ זִיר דִּדְהַבּ סחור סחור:

וְתַעֲבֵיד לֵיה גְּדָנָפָא רוּמֵיה פּוּשְׁכָּא סְחוֹר סְחוֹר וְתַעֲבֵיד זִיר דִּדְהַב לִגְדְנָפֵיה סְחוֹר סְחוֹר:

וְתַעֲבֵיד לֵיהּ אַרְבַּע עִזְקּן דְּרְתַב וְתִתֵּין יָת עִזְקּתָא עַל אַרְבַּע זְוֵיָתָא דִּלְאַרְבַּע רגלוהי:

לֶקֶבֵיל גְּדָנָפָּא יִהְוְיָן עִזְקָתָא צַּתְרָא לַאֲרִיחַיָּא לְמִפֵּל יָת בָּתוּרָא: וְנוֹעַרְתִּי לְךְּ שֶׁםְ וְדְבַּרְתִּי אִּחְדִּ מֵעַל הַכַּפּׂרֶת מִבֵּין שְׁנֵי הַכְּרָבִּים אֲשֶׁר עַל־אָרַוֹן הָעֶדֶת אַת כְּל־אֲשֶׁר אֲצֵוֶּה אוֹתְדְּ אֶל־ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל: (פ)

וְעָשִׂיתְ שֻׁלְּחָן עֲצֵי שִׁמָּים אַמְּתַים אָרְכּוֹ וְאַמָּה רְחְבֵּוֹ וְאַמָּה וְחֵצִי לִמְתִּוֹ:

לָּוֹ זֶר זָהָב סָבִיב: לֵּוֹ זֵר זָהָב סָבִיב:

וְעָשִּׁיתָ לִּוֹ מִסְגָּרֶת שִׂפַּח סְבֵיב וְעָשֵּׁיתָ זֵר־זְהָב לְמִסְגַּרְתִּוֹ סְבִיב:

וְעָשֵּׁיתָ לּוֹ אַרְבָּע טַבְּעָת זְהָב וְנָתַתְּ אֶת־הַשַּבָּעת עַל אַרְבַּע הַבָּּאת אֲשֶׁר לְאַרְבָּע רַגְלֵיו:

לְשָׁמַת הַמִּסְגֶּׁרֶת תִּהְיֶיןְ הַמַּבְּעַת לְבָתֵּים לְבַדִּים לְשֵׂאת אֶת־ השׁלחן:

(22) וגועדתי. כשאקבע מועד לך לדבר עמך, אותו מקום אקבע למועד, שאבא שם לדבר אליך: ודברתי אתך מעל הכפורת. וגמקום אחר הוא אומר, וַיְדַבֵּר ה' אֵלְיו מֵאֹבֶל מֹועֵד לֵאמֹר (ויקרא א, א), זה המשכן מחוץ לפרכת, נמנאו שני כתובים מכחישים זה את זה, בא הכתוב השלישי והכריע ביניהם, וּבְבֹּא מֹשֶׁה אֶל מֹבֶל מוֹעֵד וַיִּשְׁמַע אֶת הַקּוֹל מִדְּבֵּר אַנִי מֵעַל הַכִּבּר זְּי, פט), משה היה נכנס למשכן, וכיון שבא בחוך הפתח, קול יורד מן השמים לבין הכרובים, ומשם יונא בפּפַּרֶת וֹגו' (במדבר ז, פט), משה היה נכנס למשכן, וכיון שבא בחוך הפתח, קול יורד מן השמים לבין הכרובים, ומשם יונא ונשמע למשה באהל מועד: ואת כל אשר אצוה אותך אל בני ישראל. הרי וי"ו זו יחירה וטפלה, וכמוהו הרבה במקרא, וכה תפתר, ואת אשר אדבר עמך שם את כל אשר אלוה אותך, אל בני ישראל הוא:

- (23) קומתו. גובה רגליו עס עובי השלחן (פסחים קט: ובחום' שם ד"ה אמתא):
- (24) זר זהב. סימן לכתר מלכות, שהשולחן שם עושר וגדולה, כמו שאומרים שלחן מלכים:
- (25) מסגרת. כתרגומו גְּדַיְפֶּא, ונחלקו חכמי ישראל בדבר, יש אומרים למעלה היתה סביב לשולחן, כמו לבזבזין שבשפת שולחן שרים, ויש אומרים למטה היתה תקועה, מרגל לרגל בארבע רוחות השולחן, ודף השולחן שוכב על אותה מסגרת: ועשית זר זהב למסגרתו. הוא זר האמור למעלה, ופירש לך כאן שעל המסגרת היתה:
- (27) לעמת המסגרת תהיין הטבעות. ברגלים מקועות כנגד ראשי המסגרת: לבתים לבדים. אותן טבעות יהיו בתים להכנים בהן הבדים: לבתים. ללורך בתים: לבדים. כתרגומו לַאַתְרָא לַאַרִיחַיַּא:

And thou shalt make the staves of acacia-wood, and overlay them with gold, that the table may be borne with them.

And thou shalt make the dishes thereof, and the pans thereof, and the jars thereof, and the bowls thereof, wherewith to pour out; of pure gold shalt thou make them.

And thou shalt set upon the table showbread before Me always.

And thou shalt make a candlestick of pure gold: of beaten work shall the candlestick be made, even its base, and its shaft; its cups, its knops, and its flowers, shall be of one piece with it. יתְעֲבֵיד יָת אֲרִיחַיָּא דְּאָעֵי שִׁמִין וְתִּחְפֵּי יָתְהוֹן דַּהְבָּא וִיהוֹן נַּמְלִין בָּהוֹן יַת פַּתוּרַא:

וְתַצְבֵיד מְגּפּוֹתִי וּבְזְכּוֹתִי וְקְסְוָתֵיה וּמְכִילְתֵיה דְּיִתְנַפַּדְ בְּחוֹן דִּדְהַב דְּכֵי תַּצְבֵיד יתהוו:

וְעָשִּׁיתָ קְעָרֹתִׁיו וְכַפּּתִׁיו וּקְשׁוֹתִיוֹ וּמְנַקּיֹּתִיו אֲשֶׁר יָפַּךְ בְּחֵן זְהָב טהור פעשה אתם:

הַשָּׁלְחֵן:

עשית את־הבדים עצי שמים

וְתִּתֵּין עַל פָּתוּרָא לְחֵים אַפּּיָא קָדָמַי תִּדִירָא:

ּ וְנְתַתָּ עַל־הַשֶּׁלְחָן לֶחֶם פָּנִים לְפָנֵי חָמָיד: (פּ)

וְתַעֲבֵיד מְנֶרְתָא דְּדְהַב דְּכֵי נְגִיד תִּתְעֲבֵיד מְנֶרְתָא שִׁדַּה וְמָנֵה כַּלִידָהָא חַזּוּרַהָּא וְשׁוֹשַׁנַּהָא מִנַּה יְהוֹן:

ְּוְעָשֵּׁיתָ מְנֹרָת זְהָב טָּהָוֹר מִקְשָׁׁה וְ מִּיעֶשֶּׁה (בספרי ספרד ואשכנז וְ גִּרִיעֶיהָ כַּפְתֹּרֶיהָ יְרֵכָהּ וְקְנָּהְ וּ מִמֵּנַּה יִהִינִּ: מִמֵּנַּה יִהִינִּ:

(28) ונשא בם. לשון נפעל, יהיה נשא גם את השלחן:

(29) ועשית קערותיו וכפותיו. קערומיו זה הדפום, אהיה עאוי כדפום הלחם, והלחם היה עאוי כמין מידה פרולה משחירוחותיה, אולים לו למטה, וקופל מכאן ומכאן כלפי מעלה כמין כוחלים, ולכך קרוי לחם הפנים, איש לו פנים רואין לכאן משחירוחותיה, אולים לו למטה, וקופל מכאן ומכאן כלפי מעלה כמין כוחלים, ולכך קרוי לחם הפנים, שיא לו דפום זהב ודפום ולכאן, לאדי הבית מזה ומזה, נותן ארכו לרחבו אל אולון, וכתליו זקופים כנגד אפת האולחן. והיה עאוי לו דפום זהב ודפום ברול, בשל ברול הוא נאפה, וכשמוליאו מן התנור נותנו בשל זהב עד למחר בשבח שמחדרו על האולון ולחו דפום קרוי קערה: וכפותיו. הן בזיכין שנותנין בהם לבונה, ושתים היו לשני קומלי לבונה שנותנין על שתי המערכות, שנאמר וְנָסַפָּ עַל הַפְּעֲבֶהֶ לְבֹּלֶה זַבֶּה (ויקרא כד, ז): וקשותיו. הן כמין חלאי קנים חלולים הנסדקין לארכן, דוגמתן עשה של זהב, ומסדר ג'על ראש כל לחם, שישב לחם האחד על גבי אותן הקנים, ומבדילין בין לחם ללחם, כדי שתכנם הרוח ביניהם ולא יתעפשו, ובלשון ערבי כל דבר חלול קרוי קסו"א: ומבקיותיו. תרגומו ומבילים שה (הרא"ם גורם חמשה) פצולים זה למעלה מזה, וראשי הקנים שבין מו השלחן הרבה כנגד גובה מערכת הלחם, ומפוללים שה (הרא"ם גורם חמשה) פצולים זה למעלה מזה, וראשי הקנים שבין לחם ללחם במוכין על אותן פצולין, כדי שלא יכבד משא הלחם העליונים על התחחונים וישברו, ולשון מַכְלְחַה מָפִל (ירמיה ו, יא). אבל לשון מנקיות איני יודע איך נופל על סניפין, ויש מחכמי ישראל אומרים (מנקיות הו שלא ישבר. ומנקיותיו. לו הקנים שמנקין אותו שלא יתעפש, אבל אומקו שלא כנפין, שהיו עליו כמין סכך וכסוי, וכן במקום אחר הוא אומר וְאֵם קְשֹה הַנֶּסֶךְ (במדבר ד, ז), וזה וזה, יוסך והנסך, לשו מכך וכסוי הם:

(30) לחם פנים. שיש לו פנים, כמו שפירשתי, ומנין הלחם וסדר מערכותיו, מפורשים באמור אל הכהנים:

(31) מקשה תיעשה המגורה. שלא יעשנה חוליות, ולא יעשה קניה ונרותיה איברים איברים, ואחר כך ידביקם כדרך הלורפים שקורין שולדיר"ך, אלא כולה באה מחתיכה אחת, ומקיש בקורנס וחותך בכלי האומנות, ומפריד הקנים אילך ואילך: מקשה. תרגומו נְגִיד, לשון המשכה, שממשיך את האיברים מן העשת לכאן ולכאן בהקשת הקורנס, ולשון מקשה מכת קורנס, במשי"ץ בלע"ז כמו דָּא לְדָא נָקְשָׁן (דניאל ה, ו): תיעשה המגורה. מאליה (מנחומא בהעלותך ג), לפי שהיה משה מתקשה בם (מנחות כט.), אמר לו הקב"ה, השלך את הככר לאור והיא נעשית מאליה, לכך לא נכתב תעשה (תנחומא שם): ירכה. הוא הרגל של מטה העשוי כמין תיבה, ושלשה רגלים יולאין הימנה ולמטה: וקבה. הקנה האמלעי שלה העולה באמלע הירך, זקוף כלפי מעלה, ועליו נר האמלעי עשוי כמין בזך, לזוק השמן לתוכו ולתת הפתילה: גביעיה. הן כמין כוסות שעושין מזכוכית, ארוכים וקלרים, וקורן להם מדירנ"ס, ואלו עשויין מזהב, ובולטין ויולאין מכל קנה וקנה כמנין שנתן בהם הכתוב, ולא היו בה אלא לנוי: כפתריה. כמין תפוחים היו, עגולין סביב, בולטין סביבות הקנה האמלעי, כדרך שעושין הכתוב, ולא היו בה אלא לנוי: כפתריה. כמין תפוחים היו, עגולין סביב, בולטין סביבות הקנה האמלעי, כדרך שעושין הכתוב, ולא היו בה אלא לנוי: כפתריה.

And there shall be six branches going out of the sides thereof: three branches of the candlestick out of the one side thereof, and three branches of the candle-stick out of the other side thereof;

three cups made like almond-blossoms in one branch, a knop and a flower; and three cups made like almond-blossoms in the other branch, a knop and a flower; so for the six branches going out of the candlestick.

And in the candlestick four cups
made like almond-blossoms, the
knops thereof, and the flowers
thereof.

And a knop under two branches of one piece with it, and a knop under two branches of one piece with it, and a knop under two branches of one piece with it, for the six branches going out of the candlestick.

ְוְשִׁשְׁה קָנִים יִצְאָים מִצִּדֶּיהָ וְשִׁמָּא קְנִין נָפְּקִין מִפְּטְרַהּ שְלשְׁה קָנֵי מְנֹרָה מִצִּדְּה חַד וּתְלְתָא קְנֵי מְנָרָתָא מִפְּטְרַה מָצְּדָּה הַשָּׁנֵי מִצְּדָּה הַשֵּׁנֵי:

תְּלָתָא כַלִּידִין מְצָיְרִין בְּקַנְיָא חַזּוּר וְשׁוֹשֶׁן כֵּן לְשִׁתָּא קְנִין כַלִּידִין מְצָיְרִין בְּקַנְיָא חַד הַזּוּר וְשׁוֹשֶׁן כֵּן לְשִׁתָּא קְנִין הַנָּפְקִין מָן מִנָּרִתָּא: שׁלשֶׁה גְּבִעִּים מְשֻׁקְּדִּים בַּקְּנֵה הָאֶחָד בַּפְתִּר וָפֶּׁרַח וּשְׁלשֲׁה גְבִעִּים מְשֻׁקְּדֵים בַּקְנֵה הָאֶחָד כַפְתִּר וָפָרַח כֵּן לְשֵׁשֶׁת הַקְּנִים הַיִּצְאָים מִן־הַמְּנֹרֶה:

וּבִמְנְרָתָא אַרְבְּעָא כַלִּידִין מָצְיָרִין חַזּוּרַהָא וְשׁוֹשַׁנַּהָא: וּבַמְּנֹרֶה אַרְבָּעָה גְבִעִים משקרים כַּפּתריה וּפּרחיה:

יחזור הְחוֹת הְנֵין קְנְין קְנְין דְּמָנַה וְחַזּוּר תְּחוֹת תְּרֵין קְנִין דְמַנַּה וְחַזּוּר תְּחוֹת תְּרֵין קְנִין מנרתא: לְשֵׁשֶׁת הַקָּנִים הַיּצְאָים מִן־ וְכַפְּתִּר תַּחַת שְׁנֵי הַקְּנִים מִשֶּׁנְּה וְכַפְתִּר תַּחַת־שְׁנֵי הַקְּנִים מִשֶּׁנְּה וְכַפְתִּר תַּחַת שְׁנֵי הַקְּנִים מִשְּׁנְּה וְכַפְתִּר הַחַת שְׁנֵי הַקְּנִים מִשְּׁנְּה

למנורות שלפני השרים, וקורין להם פימל"ש, ומנין שלהם כתוב בפרשה כמה כפתורים בולטין ממנה וכמה חלק שבין כפתור לכפתור: ופרחיה. ליורין עשוין בה כמין פרחין: ממנה יהיו. הכל מקשה יולא מתוך חתיכת העשת, ולא יעשם לבדם וידביקם:

(32) יוצאים מצדיה. לכאן ולכאן, באלכסון נמשכים ועולין עד כנגד גובהה של מנורה, שהוא קנה האמלעי, ויולאין מחוך קנה האמלעי זה למעלה מזה, המחמון ארוך, ושל מעלה קלר הימנו, והעליון קלר הימנו, לפי שהיה גובה ראשיהן שוה לגובהו של קנה האמלעי השביעי שממנו יולאים הששה קנים:

(33) משקדים. כתרגומו, מלויירים היו, כדרך שעושין לכלי כסף וזהב שקורין ניאל"ר: ושלשה גבעים. בולטין מכל קנה וקנה:

(34) ובמגרה ארבעה גבעים. בגופה של מנורה היו ארבעה גביעים, אחד בולט בה למטה מן הקנים, והג' למעלה מן יליאת הקנים היולאין מלדיה: משקדים כפתוריה ופרחיה. זה אחד מחמשה מקראות שאין להם הכרע (יומא נב:), אין ידוע אם גביעים משוקדים, או משוקדים כפתוריה ופרחיה:

(35) וכפתור תחת שני הקנים. מחוך הכפחור היו הקנים נמשכים משני לדיה אילך ואילך. כך שנינו במלאכת המשכן (מנחות כח:), גובהה של מנורה י"ח טפחים, הרגלים והפרח ג' טפחים, הוא הפרח האמור בירך, שנאמר עד יְרֵכֶה עַד פְּרְסֶה (במדבר ח, ד), וטפחיים חלק, וטפח שבו גביע מהארבעה גביעים, וכפחור ופרח משני כפחורים ושני פרחים האמורים במנורה עלמה, שנאמר משוקדים כפחוריה ופרחיה, למדנו שהיו בקנה שני כפחורים ושני פרחים לבד מן הג' כפחורים שהקנים נמשכין מחוכן, שנאמר וכפחור מחח שני הקנים וגו', וטפחיים חלק, וטפח כפחור ושני קנים יולאים ממנו אילך ואילך נמשכים ועולים כנגד גובהה של מנורה, טפח חלק, וטפח כפחור ושני קנים יולאים ממנו ונמשכים ועולין כנגד גובהה של מנורה, וטפחיים חלק, נשתיירו שם ג' טפחים, שבהם ג' גביעים וכפחור ופרח, יולאים ממנו ונמשכים ועולין כנגד גובהה של מנורה, וטפחיים חלק, נשתיירו שם ג' טפחים, שבהם ג' גביעים וכפחור ופרח, ממלאו גביעים כ"ב, י"ח לששה קנים יולאים מהם, ושנים עוד נאמרו במנורה, שנאמר משוקדים כפחוריה, ומיעוט כפחורים שנים, האחד למטה אלל הירך, והאחד בג' טפחים העליונים עם ג' הגביעים, וחשעה פרחים היו לה, ו' לששת הקנים, שנאמר משוקדים כפחוריה ופרחים, וו' למטה אלל הירך, והאחד בג' טפחים העליונים עם ג' הגביעים, וחשעה פרחים היו לה, ו' לששת הקנים, שנאחר בפרשת בקנה האחד כפחור ופרח, וג' למנורה, שנאמר משוקדים כפחוריה ופרחיה, ומיעוט פרחים שנים, ואחד האמור בפרשת

Their knops and their branches

36 shall be of one piece with it; the
whole of it one beaten work of pure
gold.

ַ כַּפְתֹּבִיהֶם וּקְנֹתָם מָמֶנָּה יִהְיֵוּ חַזּוּבֵיהוֹן וּקְנִיהוֹן מִנַּהּ יְהוֹן כָּלֶה מִקְשֵׁה אַחַת זָהֶב טְּהְוֹר: כּוּלַה נְגִידָא חֲדָא דִּדְהַב דְּכֵי:

And thou shalt make the lamps thereof, seven; and they shall light the lamps thereof, to give light over against it. ְוְעָשֵּׁיתָ אֶת־גַרֹתֶּיהָ שִּׁבְעָה וְתַעֲבֵיד יָת בּוֹצִינַהָא שִׁבְעָא וְהָעֲלָהֹ אֶת־גַרֹתִּיהָ וְהַאָּיר וְתַדְלֵיק יָת בּוֹצִינַהָא וִיהוֹן עַל־עֵבֵר פָּגַיהָ: מְנְהַרִין לְהֵבֵיל אַפַּהָא:

And the tongs thereof, and the snuffdishes thereof, shall be of pure gold.

ַ נְמֵלְקֶתֶיהָ וּמַחְתֹּתֶיהָ זָהָב וְצֵיבְתַהָּא וּמַחְתִּיְתַהָּא דְּדְהַב מַהָוֹר:

Of a talent of pure gold shall it be made, with all these vessels.

יָתַהּ יָת כָּל מָנַיָּא דְּכְיָא יַעְבֵיד יָתַהּ יָת כָּל מָנַיָּא הָאָלֵין:

בְּבֶּר זָהָב טָּהְוֹר יַצְשֶׂה אֹתֻהּ אֵת פְּ כָל־הַכֵּלִים הָאֵלֵּה:

And see that thou make them after their pattern, which is being shown thee in the mount. נְחָזִי נִעְבֵיד בִּדְמוּתְהוֹן דְאַתְּ מִתַּחְזֵי בְּטוּרָא: ַּ וּרְאָה וַעֲשֵׂה בְּתַּבְנִיתָּם אֲשֶׁר. אֲתַּה מַרְאָה בָּהֵר: (ס)

XXVI tabernacle with ten curtains: of fine twined linen, and blue, and purple, and scarlet, with cherubim the work of the skilful workman shalt thou make them.

וְיָת מַשְּׁכְּנָא תַּעֲבֵיד עֲשֵׁר יְרִיעָן דְּבוּץ שִׁיִר וְתַכְלָא רְוֹבִין עוֹבָד אוּמָן תַעֲבֵיד יחדני

מַאֲשֵׁה חֹשֵׁב תַּצְשֶׁה אֹתֶם: וְאַרְגְּמָן וְתֹלַעַת שָׁנִּי כְּרָבֶים וְיִּ יִרִיעָת שֵׁשׁ מְשְׁזָּר וּתְכַּלֶת יְיִּנְיִם בְּיִּרִי יִּנְיִּ

בהעלותך, עד ירכה עד פרחה. ואם תדקדק במשנה זו הכתובה למעלה, תמנאם כמנינם איש איש במקומו:

- (37) את גרותיה. כמין בזיכין שנותנין בתוכן השמן והפתילות: והאיר על עבר פניה. עשה פי ששת הנרות שבראשי הקנים היולאים מלדיה, מוסבים כלפי האמלעי, כדי שיהיו הנרות כשתדליקם מאירים על עבר פניה, מוסב אורם אל לד פני הקנה האמלעי שהוא גוף המנורה:
- (38) ומלקחיה. הם הלצמים העשויין ליקח צהם הפתילה מחוך השמן, לישבן ולמושכן צפי הנרות, ועל שם שלוקחים צהם קרויים מלקחים. הם כמין בזיכין קטנים, שחותה צהן קרויים מלקחים. וְלַבְּיְחֶהֶהׁ שתרגם אונקלום, לשון לצח, טוליי"ש צלע"ז ומחתותיה. הם כמין בזיכין קטנים, שחותה צהן את האפר שצנר צבקר בבקר, כשהוא מטיצ את הנרות מאפר הפתילות שדלקו הלילה וכצו, ולשון מחתה פויישד"א צלע"ז כמו לחפות אש מיקוד (ישטיה ל, יד):
- (39) ככר זהב שהור. שלא יהיה משקלה עם כל כליה אלא ככר, לא פחות ולא יותר, והככר של חול ששים מנה, ושל קדש היה כפול, ק"ך מנה, והמנה הוא ליטרא ששוקלין בה כסף למשקל קולוני"א, והם ק' זהובים, כ"ה סלעים, והסלע ארבעה זהובים:
- (40) וראה ועשה. לאה כאן בהר תבנית שאני מראה אותך. מגיד שנתקשה משה במעשה המנורה, עד שהראה לו הקב"ה מנורה של אש: אשר אתה מראה. כתרגומו דְּאַפְּ מִתְקַחֵי בְּטוּרָא, אילו היה נקוד מראה בפת"ח, היה פתרונו אתה מראה לאחרים, עכשיו שנקוד חטף קמץ, פתרונו דאת מתחזי, שאחרים מראים לך (שהנקוד מפריד בין עושה לנעשה):
- (1) ואת המשכן תעשה עשר יריעות. להיות לו לגג, ולמחילות מחוץ לקרשים, שהיריעות תלויות מאחוריהן לכסותן: שש משזר ותכלת וארגמן ותולעת שני. הרי ארבע מינין יחד בכל חוט וחוט, אחד של פשתים, וג' של למר, וכל חוט וחוט כפול ו', הרי ד' מינין כשהן שזורין יחד כ"ד כפלים לחוט (ברייתא דמלאכת המשכן): כרובים מעשה חשב. כרובים היו מלויירין בהם באריגתן, ולא ברקימה שהוא מעשה מחט, אלא באריגה בשני כוחלים, פרלוף אחד מכאן ופרלוף אחד מכאן, ארי מלד זה ונשר מלד זה, כמו שאורגין חגורות של משי שקורין בלע"ז פיישיש"א

The length of each curtain shall be
eight and twenty cubits, and the
breadth of each curtain four cubits;
all the curtains shall have one
measure.

Five curtains shall be coupled

together one to another; and the other five curtains shall be coupled one to another.

And thou shalt make loops of blue upon the edge of the one curtain that is outmost in the first set; and likewise shalt thou make in the edge of the curtain that is outmost in the second set.

Fifty loops shalt thou make in the one curtain, and fifty loops shalt thou make in the edge of the curtain that is in the second set; the loops shall be opposite one to another.

שַּרָא לְכֶל יִרִיעֲתָא חֲדָא עֶשְׁחַתָּא אַמִּין דִּירִיעֲתָא חֲדָא מִשְׁחַתָּא חַדָּא לְכֶל יִרִיעֲתָא חֲדָא עֶשְׁרִין

חֲמֵישׁ יְרִיעָן יִהְוֹיָן מְלְפָּפְּן חֲדָא עם חֲדָא וַחֲמֵישׁ יְרִיעָן מלפפן חדא עם חדא:

וְתַעֲבֵיד עֲנוּבִּין דְתַכְלָא עַל ספְּתָא דִּירִיעֲרָא חֲדָא מִסְּטְרָא בֵּית לוֹפֵי וְכֵן תַּעֲבֵיד בְּסִפְּתָּא דִּירִיעֲתָא בְּסִטְרָא בֵּית לוֹפֵי תנינא:

חַמְשִׁין שְנוּבִּין תַּעֲבֵיד בִּירִיעֲתָא חֲדָא וְחַמְשִׁין עֲנוּבִּין תַּעֲבֵיד בְּסִמְרָא דִּירִיעֲתָא דְּבֵית לוֹפֵי תִּנְיָנָא מַכְוְנָן עֵנוּבִּיָּא חַדָּא לָקַבֵיל חַדָּא:

אַּרֶדּוּ הַיְרִיעָה הָאַחַׁת שְׁמֹנֶה וְעֶשְׂרִים בְּאַפְּׁה וְרֹחַב אַרְבָּע בָּאַפָּׁה הַיְרִיעָה הָאֶחָת מִדְּה אַחַת לִכַל־הַיִרִיעִת:

חֲמֵשׁ הַיְרִיעׄת תְּהְנֶיןְ חְבְרֵּת אִשֶּׁה אֶל־אֲחֹתָהּ וְחָמֵשׁ יְרִיעֹת חְבְרֵת אִשָּׁה אֶל־אֲחֹתֵה:

וְעָשִּׁיתָ לֶּלְצִּׁת תְּכֵּלֶת עַל שְּׁפַּת הַיִּרִיעָה הָאֶּחָת מִקּצָה בַּחֹבֶרֶת הַקִּיצוֹנָה בַּשַּׂתַת הַשֵּׁנֵית: הַקִּיצוֹנָה בַּמַּחִבֵּרַת הַשֵּׁנֵית:

חַמִּשֵּׁים לֻלְאׄת פַּעֲשֶׁה בַּיִריעֵה י הָאֶחָת נַחֲמִשִּים לֻלְאֹת תַּעֲשֶׁה בּקצֵה הַיִּרִיעָה אֲשֶׁר בַּמַּחְבֶּרֶת הַשֵּׁנִית מַקְבִּילֹת הַלֶּלְאֹת אִשֶּׁה אָל־אַחֹתַה:

- (3) תהיין חוברות. מופרן במחט זו בלד זו, חמש לבד וחמש לבד: אשה אל אחותה. כך דרך המקרא לדבר בדבר שהוא לשון נקבה, ובדבר שהוא לשון זכר אומר איש אל אחיו כמו שנאמר בכרובים, וּפְגֵיהֶם אִיש אָל אָחִיו (שמות כה, כ):
- (4) לולאות. לזו"לש בלע"ז וכן מרגם אונקלום ענובין, לשון עניבה: מקצה בחוברת. באומה יריעה שבסוף החבור. קבוזת חמשת היריעות קרויה חוברת: וכן תעשה בשפת היריעה הקיצונה במחברת השנית. באותה יריעה שהיא קיזונה, לשון קזה, כלומר לסוף החוברת:
- (3) מקבילות הלולאות אשה אל אחותה. שמור שתעשה הלולאות במדה אחת, מכוונות הבדלתן זו מזו, וכמדתן ביריעה זו כן יהא בחברתה, כשתפרוש חוברת אלל חוברת יהיו הלולאות של יריעה זו מכוונות כנגד לולאות של זו, וזהו לשון מקבילות, זו כנגד זו, תרגומו של כנגד, לקבל. היריעות ארכן כ"ח ורחבן ארבע, וכשחבר חמש יריעות יחד נמלא רחבן כ", וכן החוברת השנית. והמשכן ארכו שלשים מן המזרח למערב, שנאמר עשרים קרשים לפאת נגבה תימנה, וכן ללפון, וכל קרש אמה החובי האמה, הרי שלשים מן המזרח למערב. רוחב המשכן מן הלפון לדרום עשר אמות, שנאמר ולירכתי המשכן ימה וגו', ושני קרשים למקלעות הרי עשר, ובמקומם אפרשם למקראות הללו. נותן היריעות ארכן לרחבו של משכן, עשר אמות אמלעיות לגג קרשים של לרוחב המשכן, ואמה מכאן ואמה מכאן לעובי ראשי הקרשים שעוביים אמה, נשתיירו ט"ז אמה, ח' ללפון וח' לדרום מכסות קומת הקרשים שגבהן עשר, נמלאו שתי אמות התחתונות מגולות. רחבן של יריעות ארבעים אמה כשהן מחוברות, עשרים אמה לחוברת, שלשים מהן לגג חלל המשכן לארכו, ואמה כנגד עובי ראשי הקרשים שבמערב, ואמה לכסות עובי העמודים שבמזרת, שלא היו קרשים במזרח אלא ד' (ברש"י ישן חמשה) עמודים, שהמסך פרוש וחלוי בווין שבהן כמין וילון, נשתיירו ש"אמות החלויין על אחורי המשכן שבמערב, ושתי אמות התחתונות מגולות. זו מלאתי בברייתא דמסכת מדות, אבל במסכת שבת פרוכת תחת הקרסים, ואם כדברי הברייתא הואת, נמלאת פרוכת משוכה מן הקרסים ולמערב אמה:
 ונתת את הפרוכת תחת הקרסים, ואם כדברי הברייתא הואת, נמלאת פרוכת משוכה מן הקרסים ולמערב אמה:

And thou shalt make fifty clasps of gold, and couple the curtains one to another with the clasps, that the tabernacle may be one whole.

And thou shalt make curtains of 7 goats' hair for a tent over the tabernacle; eleven curtains shalt

thou make them.

The length of each curtain shall be 8 thirty cubits, and the breadth of each curtain four cubits; the eleven curtains shall have one measure.

And thou shalt couple five curtains by themselves, and six curtains by themselves, and shalt double over the sixth curtain in the forefront of the tent.

And thou shalt make fifty loops on the edge of the one curtain that is outmost in the first set, and fifty loops upon the edge of the curtain which is outmost in the second set.

And thou shalt make fifty clasps of brass, and put the clasps into the loops, and couple the tent together, that it may be one.

And as for the overhanging part that remaineth of the curtains of the tent, the half curtain that remaineth over shall hang over the back of the tabernacle. וְתַעֲבֵיד חַמְשִׁין פּוּרְפִין דִּדְהַב וּתְלָפֵיף יָת יְרִיעָתָא חֲדָא עם חַדָא בְּפוּרְפַיָּא וִיהֵי מַשְׁכְּנָא חד:

וְתַעֲבֵיד יְרִיעָן דְּמַעְזֵי לְפָּרָסָא עַל מַשְׁכְּנָא חֲדָא עֶשְׂרֵי יְרִיעָן תַּעֲבֵיד יָתְהוֹן:

אוּרְכָּא דִּירִיעֲתָא חֲדָא תְּלָתִין דִּירִיעֲתָא חֲדָא מִשְׁחֵתָא חֲדָא לַחֲדָא עֶשְׂרֵי יִרִיעָן:

וּתְלָפֵּיף יָת חֲמֵישׁ יְרִיעָן לְחוֹד יָת יְרִיעֲתָא שְׁתִיתֵיתָא לְקָבֵיל אַפֵּי מַשְׁכָּנָא:

וְתַעֲבֵיד חַמְשִׁין עֲנוּבִּין עַל סִפְתָּא דִּירִיעֲתָא חֲדָא בְּסִטְרָא סִפְתָּא דִּירִיעֲתָא דְּבֵית לוֹפֵי תִּנְיָנָא:

וְתַעֲבֵיד פּּוּּרְפִּין דִּנְחָשׁ חַמְשִׁין וְתַעֵיל יָת פּוּרְפַיָּא בַּעֲנוּבַּיָּא וּתְלָפֵיף יָת מַשְׁכְּנָא וִיהֵי חַד:

וְסֶרְחָא דְּיַתִּיר בִּירִיעָת מַשְּׁכְּנָא פַּלְגוּת יְרִיעֲתָא דְּיָתְרָא תִּסְרַח עַל אֲחוֹרֵי מַשְּׂכְנָא:

וְעָשִּׁיתִ חֲמִשֵּׁים קַרְסֵי זָהָב וְחַבַּרְתָּ אֶת־הַיְריעׄת אִשֵּׁה אֶל־ אֲחֹתָה בַּקְּרָסִים וְהָיֶה הַמִּשְׁבֶּן אֶחֵר:

וְעָשִּׁיתְ יְרִיעִּת עִּוִּּים לְאָהֶל עַל־ הַמִּשְׁכֵּן עַשְׁתֵי־עֶשְׂרֵה יְרִיעִת תַּעֲשֵׂה אֹתָם:

אַּרֶךְּוּ הַיְרִיעֲה הָאַחַׁת שְׁלֹשִׁיםׂ בָּאַמָּה וְרֹחַבֹ אַרְבַּע בָּאַמְּה הַיְרִישָה הָאֶחָת מִדְּה אַחַת לִשְשָׁתֵּי עֲשָׂרֵה יָרִיעִת:

וְחַבַּרְתָּ אֶת־חֲמֵשׁ הַיְרִיעֹת לְבָּד וְאֶת־שֵׁשׁ הַיְרִיעֹת לְבָד וְכְפַּלְתָּ אֶת־הַיְרִיעֲה הַשִּׁשִּׁית אֶל־מִוּל פני האָהל:

וְעָשִּׁיתָ חֲמִשַּׁים לְלָאֹת עַל שְּׁפֵּת הַיְרִיעָה הָאֶחָת הַקּיצֹנָה בַּחֹבָרֶת וַחֲמִשֵּׁים לְלָאֹת עַל שְׂפַּת הַיְרִיעָה הַחֹבֶרֶת הַשֵּׁנִית:

וְעָשֶּׂיתָ קּרְסֵי נְחְשֶׁת חֲמִשֵּׁים וְ וְהֵבֵאתָ אֶת־הַקְּרָסִים בַּלֶּלְאֹת וְ וחברת את־האהל והיה אחד: י

ְוְסֶׂרַחֹ הָעֹבֵּף בִּירִיעִׂת הָאֵהֶל חֲצִי הַיְרִיעָה הָעֹבֶּפֶת תִּסְרַח על אחרי המשכּו:

- (6) קרסי זהב. פירמיל"ש בלע"ז ומכניסין ראשן אחד בלולאות שבחוברת זו, וראשן אחד בלולאות שבחוברת זו, ומחברן בהן:
 - (7) יריעות עזים. מנולה של עזים: לאהל על המשכן. לפרוש אותן על היריעות התחתונות:
- (8) שלשים באמה. שכשנותן ארכן לרוחב המשכן כמו שנתן את הראשונות, נמצאו אלו עודפות אמה מכאן ואמה מכאן, לכסות אחת מהשתי אמות שנשארו מגולות מן הקרשים, והאמה התחתונה של קרש שאין היריעה מכסה אותו, היא האמה התחובה בנקב האדן, שהאדנים גבהן אמה:
- (9) וכפלת את היריעה הששית. העודפת באלו העליונות יותר מן התחתונות: אל מול פני האהל. חלי רחבה היה תלוי, וכפול על המסך שבמזרת כנגד הפתח, דומה לכלה לנועה המכוסה בלעיף על פניה:
- (12) וסרח העודף ביריעות האהל. על יריעות המשכן. יריעות האהל הן העליונות של עזים, שקרוים אהל, כמו

And the cubit on the one side, and the cubit on the other side, of that

which remaineth over in the length of the curtains of the tent, shall hang over the sides of the tabernacle on this side and on that side, to cover it.

ימצּע לְכַפּּעוּ: מְבָּא וּמִבָּא לְכַפְּעוּ: מְבָּא וּמִבָּא לְכַפְּיוּתִיה: מְבָּא וּמִבָּא לְכַפְּיוּתִיה: מְבָּא וּמִבָּא לְכַפְיוּתִיה: מְבָּא וּמִבָּא לְכַפְיוּתִיה: מְבָּא וּמִבָּא לְכַפְיוּתִיה: מְבָּא וּמִבָּא לְכַפְיוּתִיה: מְבָּא וּמִבָּא לְכַפְיוּתִיה:

And thou shalt make a covering for the tent of rams' skins dyed red and a covering of sealskins above. וְעָשֵּׁיתְ מִכְּסֶהֹ לָאֹהֶל עֹרָת וְתַּצְבֵיד חוּפָּאָה לְמַשְּׁכְּנָא אֵילָם מְאָדְמֵים וּמִּכְסֶה עֹרָת דְּמַשְׁבֵּי דְּכְרֵי מְסּוּמְקֵּי מִלְעֵילָא: (פּ) מִלְעֵילָא:

And thou shalt make the boards for the tabernacle of acacia-wood, standing up.

וְתַעֲבִיד יָת דַּפַּיָּא לְמַשְׁכְּנָא דְאָעֵי שִׁטִּין קְיְמִין: יניעי וְעָשִׁיתָ אֶת־הַקְּרָשִׁים לַמִּשְׁבָּן עַצֵי שָׁטִים עֹמְדִים:

Ten cubits shall be the length of a board, and a cubit and a half the breadth of each board.

עֲשַׂר אַמִּין אוּרְכָּא דְּדַבָּא וְאַמְּתָא וּפַלְגוּת אַמְּתָא פּוּתְיָא דְּדַבָּא חַד:

ַ עֶשֶּׂר אַמְּוֹת אָּרֶךְ הַקָּרֶשׁ וְאַמָּהֹ וְ נַחֲצִי הָאַמָּה רְחַב הַמֶּרֶשׁ וְ הַאָּחֵר:

Two tenons shall there be in each

17 board, joined one to another; thus

shalt thou make for all the boards

of the tabernacle.

תָד הְרֵין צִירִין לְדַפָּא חַד כֵּן מְשׁרָּנִא: הַשָּבִיד לִכֹל דַּפֵּי מַשְׁכָּנָא:

ְ שְׁתֵּי יָדוֹת כַקֶּרֶש הָאֶחָד תְּ מְשָׁלְבֹת אָשָּׁה אֶל־אֲחֹתְהּ כֵּן מְ תּעשֹׁה לכֹל קרשי המשכּו: תַּ

שנאמר בהן לאהל על המשכן, וכל אהל האמור בהן אינו אלא לשון גג, שמאהילות ומסככות על התחתונות, והן היו עודפות על התחתונות חלי היריעה למערב, שהחלי של יריעה אחת עשרה היתירה, היה נכפל אל מול פני האהל, נשארו שתי אמות רוחב חליה, עודף על רוחב התחתונות: תסרח על אחורי המשכן. לכסות ב'אמות שהיו מגולות בקרשים: אחורי המשכן. הוא לד מערבי, לפי שהפתח במזרת שהן פניו, ולפון ודרום קרויין לדדין, לימין ולשמאל:

- (13) והאמה מזה והאמה מזה. ללפון ולדרוס: בעדף באורך יריעות האהל. שהן עודפות על חורך יריעות האהל. שהן עודפות על חורך יריעות המשכן שתי חמשכן שתי חמות: יהיה סרוח על צדי המשכן. ללפון ולדרוס, כמו שפירשתי למעלה. למדה תורה דרך חרץ, שיהם חדס מם על היפה:
- (14) מכסה לאהל. לאותו גג של יריעות עזים, עשה עוד מכסה אחד של עורות אילים מאדמים, ועוד למעלה ממנו מכסה עורות מחשים, ואותן מכסאות לא היו מכסין אלא את הגג, ארכן ל'ורחבן י', אלו דברי רבי נחמיה. ולדברי רבי יהודה, מכסה אחד היה חזיו של עורות אילים מאדמים וחזיו של עורות תחשים:
- (15) ועשית את הקרשים. היה לו לומר ועשים קרשים, כמו שנאמר בכל דבר ודבר, מהו הקרשים, מאותן העומדין ומיוחדין לכך. יעקב אבינו נטע ארזים במלרים, וכשמח, לוה לבניו להעלותם עמהם כשילאו ממלרים, ואמר להם שעתיד הקב"ה ללוות אותן לעשות משכן במדבר מעלי שטים, ראו שיהיו מזומנים בידכם, הוא שיםד הבבלי בפיוט שלו, עם מַשַע מְזוֹרָזִים קורות בתינו ארזים, שנודרזו להיות מוכנים בידם מקודם לכן: עצי שטים עומדים. אישטנבי"ש בלע"ז שיהא אורך הקרשים זקוף למעלה בקירות המשכן, ולא תעשה הכתלים בקרשים שוכבים, להיות רוחב הקרשים לגובה הכתלים קרש על קרש:
- (16) עשר אמות אורך הקרש. למדנו, גנהו של משכן עשר אמות: ואמה וחצי האמה רוחב. למדנו, ארכו של משכן לכ' קרשים שיהיו בלפון ובדרום מן המזרח למערב, ל' אמה:
- (17) שתי ידות לקרש האחד. היה חורץ את הקרש מלמטה באמלעו בגובה אמה, ומניח רביע רחבו מכאן ורביע רחבו מכאן ורביע מכזן והן הן הידות, והחריץ חלי רוחב הקרש באמלע, (רלונו לומר, קרש נקרא מה שנשאר לאחר שחרץ מכאן ומכאן, והן הן הידות, והחריץ חלי רוחב הקרש שבאמלע הוא חלי אמה. וכן פירש רש"י בהדיא בפ' הזורק (שבת דף ל"ח:) שהחריץ באמלע רחב אמה, והיה חורץ רביעית אמה מכל לד, וכל יד היה רוחב רביעית אמה, וכן כל שפת אדן היה רוחב רביעית

And thou shalt make the boards for the tabernacle, twenty boards for the south side southward:

And thou shalt make forty sockets of silver under the twenty boards: two sockets under one board for its two tenons, and two sockets under another board for its two tenons;

and for the second side of the tabernacle, on the north side, twenty boards.

And their forty sockets of silver: two sockets under one board, and

And for the hinder part of the tabernacle westward thou shalt make six boards.

And two boards shalt thou make for the corners of the tabernacle in the hinder part.

And they shall be double beneath, and in like manner they shall be complete unto the top thereof unto the first ring; thus shall it be for them both; they shall be for the two corners.

וְתַעֲבֵיד יָת דַּפַּיָא לְמַשְׁכְּנָא עשְׁרִין דַּפִּין לְרוּחַ עֵיבַר דַרוֹמַא:

וְאַרְבְּעִין סָמְכִין דִּכְּסַף הַעֲבֵיד הְּחוֹת שֶשְׁרִין דַּפִּין חַד לִתְבִין צִירוֹהִי וּתְבִין חַד לִתְבִין צִירוֹהִי וּתְבִין צירוֹהי:

וְלֹסְטַר מַשְּׁכְּנָא תִּנְיָנָא לְרוּחַ צָפּוּנָא עַשְׁרִין דַּפִּין:

וְאַרְבְּעִין סָמְכֵיהוֹן דִּכְסַף תְּרֵין סָמְכִין תְחוֹת דַּבָּא חַד וֹתְרֵין סָמְכִין תְחוֹת דַּבָּא חַד:

וְלִסְיָפֵּי מַשְּׁכְּנָא מַעְרְבָא תַּעֲבֵיד שׁתָּא דָּפִּין:

וּתְרֵין דַּפָּין תַּעֲבֵיד לְזְוֵיָת מַשְׁכָנָא בָּסוֹפְהוֹן:

יִיהוֹן מַכְוִנִין מִלְּרֵע וְכַחְדָּא יְהוֹן מַכְוִנִין עַל בֵישֵׁיהוֹן בְּעִזְקָתָא חָדָא כֵּן יְהֵי לְתַרְנִיהוֹן לְתַרְתֵּין זְוָיִין יְהוֹן: וְעָשֵּׂיתָ אֶת־הַקְּרָשִׁים לַמִּשְׁבָּּג עֶשְׂרֵים לֶּרֶשׁ לִפְּאָת נֶגְבְּה תֵימֵנָה:

וְאַרְבָּעִים אַדְנִי־כֶּסֶךּ תַּצְשֶּׁה תַּחַת עֶשְׁרֵים הַקֶּרֶשׁ שְׁנֵּי אַדְּנִים תַחַת־הַקֶּרֶשׁ הָאֶחָד לִשְׁתֵּי יְדֹלָיו וּשְׁנֵי אֲדָנִים תַּחַת־הַקֶּרֶשׁ הַאָּחַד לִשָּׁתֵּי יִדֹתֵיו:

וּלְצֶלַע הַמִּשְׁכֵּן הַשֵּׁנֵית לִפְאַת צַפִּוֹן עַשְׂרִים קֵרֵשׁ:

וְאַרְבָּעִים אַדְנִיהֶם כְּסֶף שְׁנֵי אַדְנִים תַּחַת הַקָּרֶשׁ הָאֶחָד וּשְׁנֵי אַדְנִים תַּחַת הַקּרַשׁ הַאָּחָד:

ַ וְּלְיַרְכְּתֵי הַמִּשְׁכֶּן יָגָּיה תַּעֲשֶׂה וּ שַׁשֵּׁה קַרָשִׁים:

ָּ וּשָׁנֵי קְרָשִׁים' תַּעֲשֶּׁה לִמְקָצְעָת הַמִּשָּׁבָּן בַּיַּרְכָתֵיִם:

וְיִהְנִיּ תְאֲמִם מִלְמַפְּתֹּ וְיַחְדָּוּ וִיה בּיַבְּעַת הָאֶחָת כָּן יִהְיָה בְּשִּׁ לִשְׁנֵיהֶם לְשְׁנֵי הַמִּקְצֹעת יִהְיָה בְּשִּׁ לִשְׁנֵיהֶם לִשְׁנֵי הַמִּקְצֹעת יִהְיִּוּ: לְתַּ

אמה. ודוק היטב ואז סרה תלונת הרמב"ן ותמיהתו מסולקת) ואותן הידות מכניס באדנים שהיו חלולים, והאדנים גבהן אמה, ויושבים רלופים מ' זה אלל זה, וידות הקרש הנכנסות בחלל האדנים חרולות משלשה לדיהן, רוחב החריץ כעובי שפת אמה, ויושבים רלופים מ' זה אלל זה, וידות הקרש הנכנסות בחלל האדנים חרולות משלשה לדיהן, רוחב החריץ בעובי שפח איי האדנים שיפסיקו ביניהם, וזהו שלאמר וְיִהִיוּ הֹאֲמִים מִלְּמַשָּה, שיחרוץ את לדי הידות כדי שיתחברו הקרשים זה אלל זה: משור בות. עשויות כמין שליבות סולם, מובדלות זו מזו, ומשופין ראשיהם ליכנס בתוך חלל האדן, כשליבה הנכנסת בנקב עמודי הסולם: אשה אל אחתה. מכוונות זו כנגד זו, שיהיו חריליהם שוים זו כמדת זו, כדי שלא יהיו שתי ידות זו משוכה ללד פנים וזו משוכה ללד חוץ בעובי הקרש שהוא אמה, ותרגום של ידות לירִין, לפי שדומות ללירי הדלת הנכנסים בחורי המפתן:

- (18) לפאת נגבה תימנה. אין פאה זו לשון מקלוע, אלא כל הרוח קרויה פאה, כתרגומו לרוּחַ עִיבֶּר דְּרוֹמָא:
- (22) ולירכתי. לשון סוף, כתרגומו ולסְיָפֵי. ולפי שהפתח במזרח קרוי מזרח פנים והמערב אחורים, וזהו סוף, שהפנים הוא הראש: תעשה ששה קרשים. הריט' אמות רוחב:
- (23) ושני קרשים תעשה למקצעת. אחד למקלוע לפונית מערבית ואחד למערבית דרומית, כל שמנה קרשים בסדר אחד הן, אלא שאלו השתים אינן בחלל המשכן, אלא חלי אמה מזו וחלי אמה מזו נראות בחלל להשלים רחבו לעשר, והאמה מזה והאמה מזה, באות כנגד אמות עובי קרשי המשכן הלפון והדרום, כדי שיהא המקלוע מבחוץ שוה:
- (24) ויהיו תואמים מלמטה. כל הקרשים תואמים זה לזה מלמטה, שלא יפסיק עובי שפת שני האדנים ביניהם להרחיקן

Thus there shall be eight boards,
and their sockets of silver, sixteen
sockets: two sockets under one
board, and two sockets under
another board.

And thou shalt make bars of acacia-wood: five for the boards of the one side of the tabernacle,

and five bars for the boards of the
other side of the tabernacle, and
five bars for the boards of the side
of the tabernacle, for the hinder
part westward;

and the middle bar in the midst of the boards, which shall pass through from end to end. סָמְכִין תְּחוֹת דַּפָּא חַד וּתְבִין הַסְכִין תְּחוֹת דַּפָּא חַד וּתְבִין דִּרְסַף שִׁתַּת עֲשֵׁר סְמְכִין תְּבִין

וְתַעֲבֵיד עָבְרֵי דְּאָעֵי שִׁמִּין חַמְשָׁא לְדַפֵּי סְמַר מַשְׁכְּנָא חר:

וְחַמְשָׁא עָבְרִין לְדַפֵּי סְטַר מַשְּׁכְּנָא תִּנְיָנָא וְחַמְשָׁא עָבְרִין לְדַפֵּי סְטַר מַשְׁכָּנָא לְסוֹפְהוֹן מערבא:

וְעָבָרָא מְצִיעָאָה בְּגוֹ דַּפּיָּא מַעבַר מן סוַפִּי לְסוַפִּי:

וְהָיוּ שְׁמֹנֵה קְרָשִׁים וְאַדְנֵיהֶם בָּסֶף שִׁשָּׁה עָשֶּׁר אֲדָנִים שְׁנֵי אָדְנִים מַּחַת הַאֶּּרֶשׁ הָאֶחָׁד וּשְׁנֵי אָדְנִים מַּחַת הַאָּרֶשׁ הָאֶחָד:

וְעָשֶּׂיתָ בְּרִיחָם עֲצֵי שִׁמִּים חַמִּשֶּׁה לְקַרְשֵׁי צֶלַע־הַמִּשְׁכֵּן הַאָּחָר:

וַחָמִשְׁה בְרִיחָם לְקַרְשֵׁי צֶלַע הַמִּשְׁבֶּן הַשֵּׁגִית וַחֲמִשְׁה בְרִיחָם לְקַרְשֵׁי צֶלַע הַמִּשְׁבֶּן לַיַּרְכָתַיִם ימה:

יַ וְהַבְּרֶיחַ הַתִּילָן בְּתַוֹּךְ הַקְּרָשִׁים וְ מַבְרֵּחַ מָן־הַקָּצֵה אֶל־הַקָּצֵה: נְּ

זו מזו, זהו שפרשתי, שיהיו זירי הידות חרוזים מלדיהן, שיהא רוחב הקרש בולט ללדיו חוץ לידי הקרש, לכסות את שפת האדן, וכן הקרש שאצלו, ונמצאו תואמים זה לזה, וקרש המקצוע שבסדר המערב, חרוץ לרחבו בעביו כנגד חריץ של לד קרש הצפוני והדרומי, כדי שלא יפרידו האדנים ביניהם: ויחדו יהיו תמים. כמו תאומים: על ראשו. של קרש: אל השבעת האחת. כל קרש וקרש היה חרוץ מלמעלה ברחבו שני חריצין בשני לדיו כמו עובי טבעת, ומכניסו בטבעת אחת, נמצא מתאים לקרש שאצלו. אבל אותן טבעות לא ידעתי אם קבועות הן אם מטולטלות. ובקרש שבמקצוע היה טבעת בעובי הקרש (נראה כי מלות הדרומי והצפוני וראש קרש כו' נכנס לתוכו, ומה שכתב היה טבעת בעובי קרש, רוצה לומר בשרבי. ודו"ק) הדרומי והצפוני, וראש קרש המקצוע שבסדר מערב נכנס לתוכו, נמצאו שני הכתלים מחוברים: כן יהיה לשניהם. לשני הקרשים שבמקצוע, לקרש שבסוף צפון ולקרש המערבי, וכן לשני המקצועות:

- (25) והיו שמנה קרשים. הן האמורות למעלה תעשה ששה קרשים ושני קרשים תעשה למקולעות, נמלאו שמנה קרשים בסדר מערבי. כך שנויה במשנה מעשה סדר הקרשים במלאכת המשכן. היה עושה את האדנים חלולים, וחורץ את הקרש מלמטה רביע מכאן ורביע מכאן, והחריץ חליו באמלע, ועשה לו שתי ידות כמין שני חמוקין (ולי נראה שהגרסא כמין שני חווקין) כמין שני שליבות סולם המובדלות זו מזו, ומשופות להכנס במלל האדן כשליבה הנכנסת בנקב עמודי הסולם, והוא לשון משולבות, עשויות כמין שליבה, ומכניסן לחוך שני אדנים, שנאמר שני שלדים לשני שלינים (שמות לו, ל), וחורץ את הקרש מלמעלה אצבע מכאן ואצבע מכאן, ונותנן לחוך טבעת אחת של זהב, כדי שלא יהיו נפרדין זה מזה, שנאמר ויהיו תואמים מלמעלה הצבע מכאן, ונותנן לחוך טבעת אחת של זהב, כדי שלא יהיו נפרדין זה מזה, שנאמר ויהיו תואמים מלמטה וגו', כך היא המשנה, והפירוש שלה הצעתי למעלה בסדר המקראות:
- (26) בריחם. כתרגומו עַבְּרִין, ובלע"ז אשפרי"ש חמשה לקרשי צלע המשכן. אלו ה', ג' הן, אלא שהבריח העליון והתחחון עשוי משחי חמיכוח, זה מבריח עד חלי הכוחל, זה נכנס בטבעת מלד זה וזה נכנס בטבעת מלד זה, עד שמגיעין זה לזה, נמלא שעליון ותחחון שנים שהן ארבע, אבל האמלעי ארכו כנגד כל הכוחל, ומבריח מקלה הכוחל מלד זה, עד שמגיעין זה לזה, נמלא שעליון ותחחון שנים שהן ארבע, אבל האמלעי ארכו כנגד כל הכוחל, ומבריח מקלה הכיח מן הקלה אל הקלה, שהעליונים והתחחונים היו להן טבעות בקרשים להכנס לחוכן, שתי טבעות לכל קרש, משולשים בתוך עשר אמות של גובה הקרש, חלק אחד מן הטבעת העליונה ולמעלה, וחלק אחד מן התחחונה ולמטה, וכל חלק הוא רביע אורך הקרש, ושני חלקים בין טבעת לטבעת, כדי שיהיו כל הטבעות מכוונות זו כנגד זו, אבל לבריח התיכון אין טבעות, אלא הקרשים נקובין בעובים, והוא נכנס בהם דרך הנקבים שהם מכוונין זה מול זה, וזהו שנאמר בתוך הקרשים. הבריחים העליונים והתחחונים שבלפון ושבדרום, אורך כל אחת ט"ו אמה, והתיכון ארכו ל' אמה, וזהו מן הקלה אל הקלה, מן המזרח ועד המערב, וה' בריחים שבמערב אורך העליונים והתחחונים ו' אמות, והתיכון ארכו י"ב, כנגד רוחב ח' קרשים, כך היא מפורשת במלאכת המשכן (שבת לה:):

And thou shalt overlay the boards with gold, and make their rings of gold for holders for the bars; and thou shalt overlay the bars with gold.

And thou shalt rear up the
tabernacle according to the fashion thereof which hath been shown
thee in the mount.

And thou shalt make a veil of blue, and purple, and scarlet, and fine twined linen; with cherubim the work of the skilful workman shall it be made.

And thou shalt hang it upon four 32 pillars of acacia overlaid with gold, their hooks being of gold, upon four sockets of silver.

And thou shalt hang up the veil under the clasps, and shalt bring in thither within the veil the ark of the testimony; and the veil shall divide unto you between the holy place and the most holy.

And thou shalt put the ark-cover upon the ark of the testimony in the most holy place. וְיָת דַּפּיָּא תְּחְפֵּי דַּהְבָּא וְיָת עִזְקְתְהוֹן תַּעֲבֵיד דַּהְבָּא אַתְרָא לְעָבְרַיָּא וְתִחְפֵּי יָת עָבְרַיָּא דַהבּא:

וּתְקִים יָת מַשְׁכְנָא כְּהִלְּכְתֵיה דָאָתַּחִזִּיתָא בִּטוּרָא:

וְתַעֲבֵיד פָּרוּכְתָּא דְּתַכְלָא וְאַרְגִוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי וּבוּץ שִׁזִיר עוֹכָד אוּמָן יַעֲבֵיד יָתַהּ שורת כּרוּביז:

וְתִתֵּין יָתַהּ עַל אַרְבְּעָא עַמּוּדֵי שָׁפִין מְחוּפַּן דַּהְבָּא וָנֵיהוֹן דַּהְבָּא עַל אַרְבְּעָא סָמְכִין דּכֹסר:

יְתְתֵּין יָת פָּרוּכְתָּא וְבִין לְּדֶשׁ הַּנְרוֹן בֵּין קּנְּרוּכְתָּא יָת אֲרוֹנָא הַטְּדֵרוּתָא וְתַפְּרֵישׁ פָּרוּכְתָּא קלכוֹן בֵין קּנְּרוּכְתָּא יְבִין לְּדֶשׁ קרוֹנָא קרוּבִשיא:

ַּדְסָהֵרוּתָא בְּּלֹדֶשׁ מִּלְ אֲׁרוֹנְא וְתִתֵּין יָת כָּפּוּרְתָּא עַל אֲרוֹנְא

וְאֶת־הַקְּרָשִׁׁים תְּצַפֶּה זְהָב וְאֶת־ לַבְּרִיחָם וְצִפִּיתָ אֶת־הַבְּרִיחָם זָהָב:

וְעָשֵּׁיתָ פָּרֹכֶת חְּצֵלֶת וְאַרְגָּמָן וְתוֹלֵעַת שָׁנִי וְצֵשׁ מְשְׁזֶר מַעֲשֵׂה וֹעִב יַעֲשֶׂה אֹתָה כְּרָבִים:

וְנָתַתָּה אֹתָה עַל־אַרְבָּעָה עַמּוּדֵי שִׁשִּׁים מְצָבְּים זְהָב וְנֵיהֶם זְהֻב עַל־אַרְבָּעָה אַרְנִי־כֶּסֶף:

וְנָתַתָּה אֶת־הַפְּרֹכֶת ׁ תַּחַת ּיִ הַקְּרָסִים וְהַבֵּאתִ שְׁמָּה מָבֵּית לְ לַפְּרָכָת אָת אָרָוֹן הָעֵדִיּת לְ הַבְּדִילֶה הַפְּרָכֶת לֶכֶם בֵּין הַבָּּדִשׁ יִבֵּין לְּדָשׁ הַקֵּרְשִׁים:

ָּ וְנָתַתְּ אֶת־הַכַּפּׂרֶת עַל אֲרַוֹן וְ הַבֶּרֶתְים: ּ .ִּ הַעֶּרָת בְּלָרֶשׁ הַבֵּּרָתִים:

(29) בתים לבריחם. הטבעות שתעשה בהן יהיו בתים להכנים בהן הבריחים: וצפית את הבריחים זהב. לא שהיה הזהב מדובק על הבריחים, שאין עליהם שום לפוי, אלא בקרש היה קובע כמין ב'פיפיות של זהב כמין ב' סדקי קנה חלול, וקובען אלל הטבעות לכאן ולכאן, ארכן ממלא את רוחב הקרש מן הטבעת לכאן וממנה לכאן, והבריח ככם לחוכו, וממנו לטבעת, ומן הטבעת לפה השני, נמלאו הבריחים מלופים זהב כשהן תחובין בקרשים, והבריחים הללו מבחוץ היו בולטות. הטבעות והפיפיות לא היו נראות בתוך המשכן, אלא כל הכותל חלק מבפנים:

(30) והקמת את המשכן. לאחר שיגמור, הקימהו: הראית בהר. קודם לכן, שאני עתיד ללמדך ולהראותך סדר הקמתו:

(31) פרוכת. לשון מחילה הוא, ובלשון חכמים פרגוד, דבר המבדיל בין המלך ובין העם: תכלת וארגמן. כל מין ומין היה כפול, בכל חוט וחוט ו' חוטין: מעשה חושב. כבר פרשתי שזו היא אריגה של שתי קירות, והליורין שמשני עבריה אינן דומין זה לזה: כרבים. ליורין של בריות יעשה בה.

(32) ארבעה עמודי שטים. ד'עמודים מקועים בחוך ד' אדנים, ואונקליות קבועין בהן, עקומין למעלה להושיב עליהן כלונס שראש הפרוכת כרוך בה, והאונקליות הן הווין, שהרי כמין ווין הן עשוים, והפרוכת ארכה י' אמות לרחבו של משכן, ורחבה י' אמות כגבהן של קרשים, פרוסה בשליש של משכן, שיהא הימנה ולפנים עשר אמות, והימנה ולחוץ כ' אמה, נמלא בית קדשי הקדשים עשר על עשר, שנאמר וְנְתַּהָּה אֶת הַפְּלֹכֶת תַּחַת הַקְּרְסִים, המחברים את שמי חוברות של יריעות המשכן, ורוחב החוברת כ' אמה, וכשפרשם על גג המשכן מן הפתח למערב, כלתה בשני שלישי המשכן, והחוברת השנית כסתה שלישו של משכן, והמותר תלוי לאחוריו לכסות את הקרשים:

And thou shalt set the table without the veil, and the candlestick over against the table on the side of the tabernacle toward the south; and thou shalt put the table on the north side.

וּתְשַׁנֵּי יָת פָּתוּרָא מָבַּרָא לְפָרוּכְתָא וְיָת מְנְרְתָא לְקְבֵיל פָתוּרָא עַל סְטֵר מַשְׁכְנָא סָטַר צָפּוּנָא:

בְּפְּוֹן: מִימָגָה וְהַשֶּׁלְחָׁן תִּמֵּן עַל־צֶּלַע הַשֶּׁלְחָׁן עַל צֶּלַע הַמִּשְׁבָּן ⁵ וְשַׂמְנָה וְהַשֶּׁלְחָׁן תִּמֵּן עַל־צֶּלַע אָפָוֹן:

And thou shalt make a screen for the door of the Tent, of blue, and purple, and scarlet, and fine twined linen, the work of the weaver in colours.

וְתַעֲבֵיד פָּרָסָא לִתְרַע מַשְּׁכְּנָא תַּכְלָא וְאַרְגְּוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי וּבוּץ שְׁזִיר עוֹבָד צַיָּיר: וְעָשַּׁיתָ מָסָךְ לְפָּתַח הָאֹהֶל הְכֵלֶת וְאַרְגָּמָן וְתוֹלַעַת שָׁנִי וְשֵשׁ מְשְׁזָרִ מַעֲשֵה רֹקֵם:

And thou shalt make for the screen five pillars of acacia, and overlay them with gold; their hooks shall be of gold; and thou shalt cast five sockets of brass for them. וְתַעֲבֵיד לְפָּרֶסָא חַמְשָׁא עַמּוּדֵי שִׁטִּין וְתִחָפֵי יָתְהוֹן דַּהְבָּא וָנִיהוֹן דַּהְבָּא וְתַתֵּיךְ לְהוֹן חַמִשָׁא סָמָכִין דְּנָחַשָּׁא: וְעָשִּׁיתָ לַמָּסְׁךְ חֲמִשְׁהֹ עַמּוּהֵי שִׁטִּים וְצִפִּיתָ אֹתָם זְהָב וָנִיהֶם זָהָב וְנָצַקְתָּ לָהֶם חֲמִשֶּׁה אַדְנֵי נְחָשֶׁת: (ס)

And thou shalt make the altar of acacia-wood, five cubits long, and five cubits broad; the altar shall be four-square; and the height thereof shall be three cubits.

וְתַעֲבֵיד יָת מַדְבְּחָא דְּאָעֵי יָחֵישׁ אַמִּין פּוּתְיָא מְרוּבֵּע יָחֵי מַדְבְּחָא וּתְלָת אַמִּין רוּמיה: וְעָשֶׂיֶתְ אֶת־הַמִּזְבֵּחַ עַצֵּי שִׁמִּים החב רְבָּנִע יִהְיֶה הַמִּזְבֵּחַ וְשֶׁלְשׁ אמות קמתו:

And thou shalt make the horns of
it upon the four corners thereof;
the horns thereof shall be of one
piece with it; and thou shalt overlay
it with brass.

וְתַעֲבֵיד קַרְנוֹהִי עַל אַרְבַּע זְוְיָתִיה מִנֵּיה יִהְוְיִן קַרְנוֹהִי וְתַחָפֵּי יָתִיה נְחַשֵּׁא:

נָחָשֶׁת: מְמֶינֹּרְ תִּהְיֵיוֹן קַרְנֹתָיו וְצִפִּיתָ אֹתְוֹ וְעָשֵּׁיתָ קַרְנֹתָיו עַל אַרְבַּע פִּנֹתְיו

And thou shalt make its pots to
take away its ashes, and its shovels,
and its basins, and its flesh-hooks,
and its fire-pans; all the vessels
thereof thou shalt make of brass.

וְתַעֲבֵיד פְּסַכְתֵיךְוָתֵיה לְמִסְבֵּי קשָמֵיה וּמַגְרוֹפְיָתֵיה וּמִזְרְקוֹהִי וְצִּנּוֹרְיָתֵיה וּמַחְתִּיְתֵיה לְכָל מַנוֹהִי תַּעֲבֵיד נָחַשָּא:

וְעָשֻּׂיתָ פִּירֹתִיוֹ לְדַשְׁנֹּוֹ וְיָעָיוֹ וּמִזְרְלֹתָיו וּמִזְלְגֹתָיו וּמַחְתֹּתִיוּ לְכָל־כֵּלֶיו תַּעֲשֶׂה נְחְשֶׁת:

- (35) ושמת את השלחן. שלחן בלפון, משוך מן הכוחל הלפוני שתי אמות ומחלה, ומנורה בדרום, משוכה מן הכוחל הדרומי שתי אמות ומחלה, ומזבח הזהב נתון כנגד אויר שבין שלחן למנורה, משוך קמעא כלפי המזרח, וכולם נתונים מן חלי המדרומי שתי אמות ומחלה, ומזבח הזהב נתון הפתח לפרוכת עשרים אמה, המזבח והשלחן והמנורה משוכים מן הפתח ללד מערב עשר אמות:
- (36) ועשית מסך. וילון, הוא מסך כנגד הפתח, כמו שַׂרְפָּ בְּעֲדֹו (איוב א, י), לשון מגין: מעשה רוקם. הלורות עשויות בו מעשה מחט, כפרלוף של עבר זה כך פרלוף של עבר זה: רוקם. שם האומן ולא שם האומנות, ותרגומו עוֹבַּד לַּיִּיר, ולא עובד ליור. מדת המסך כמדת הפרוכת י' אמות על י' אמות:
- (1) ועשית את המזבח וגוי. ושלש אמות קומתו. דברים ככתבן, דברי רבי יהודה, רבי יוסי אומר, נאמר כאן רבוע ונאמר בפנימי רבוע, מה להלן גבהו פי שנים כארכו, אף כאן גבהו פי שנים כארכו, ומה אני מקיים ושלש אמות קומתו, משפת סובב ולמעלה (זבחים נט:):
- (2) ממנו תהיין קרנותיו. שלא יעשם לגדם ויחגרם בו: וצפית אותו נחושת. לכפר על עזות מלח, שנאמר וּמִלְחַף נָחוֹשָׁה (ישעיה מח, ד):
- (3) סירותיו. כמין יורות: לדשנו. להסיר דשנו לתוכה, והוא שתרגם אונקלוס לְמִסְפֵי קְטְמֵיהּ, לספות הדשן לתוכם, כי

And thou shalt make for it a 4 grating of network of brass; and upon the net shalt thou make four brazen rings in the four corners thereof.

And thou shalt put it under the 5 ledge round the altar beneath, that the net may reach halfway up the

And thou shalt make staves for the altar, staves of acacia-wood, and overlay them with brass.

And the staves thereof shall be put into the rings, and the staves shall be upon the two sides of the altar, in bearing it.

ותעביד ליה סרדא עובד מִצַּדְתַא דְּנָחַשֵּׁא וְתעביד על מִצַדתַא אַרבַע עוַקַן דְּנָחַשָּא

יחיא יַתָהוֹן נַחַשַא:

וְיַעֵיל יָת אַרִיחוֹהִי בַּעִזקּתא מדבחא במטל יתיה:

מעשה רשת עַל־הַרַשׁת אַרבַע טַבִּעת נחשת עַל אַרבַע קצותיו:

וֹנָתַתָּה הַמִּזְבֵּחַ מִלְּמָטָה וְהַיִתָה הַרֵּשֵׁת

ועשית בדים למזבח בדי עצי שָׁמָים וִצְפָּיתַ אֹתַם נַחֹשׁת:

וָהוּבָא אֵת־בַּדָּיו בַּטַבָּעָת וָהָיִוּ הַבַּדִּים עַל־שָׁתֵּי צַלִּעָת הַמָּזְבֵּחַ וִיהוֹן אֲרִיחַיָּא עַל תִּרֵין סִטְרֵי

יש מלות בלשון עברית מלה אחת מתחלפת בפתרון, לשמש בנין וסתירה כמו וַמַּשַׁרֵשׁ שַׁרַשִׁיהַ (תהלים פ, י), אַוְיל מַשַׁרִישׁ (איוב ה, ג), וחלופו, וּבְּכַל מִבּוּאָתִי מִשַׁרֶשׁ (שם לא, יב). וכמוהו בְּסִעְפֵיהַ פֹּרְיֵה (ישעיה יז, ו), וחלופו מִסְעַף פַּאֹרֶה (שם י, לג), מפשח סעיפיה. וכמוהו וזה הַאַמַרון עַנְמוֹ (ירמיה ג, יז), שבר עלמיו. וכמוהו וַיִּסְקְלָהוּ בַּאַבָנִים (מלכים־א כא, יג), וחלופו סַקּלוּ מַמְבָן (ישעי' סב, י), הסירו אבניה, וכן וַיְעַזְקָהוּ וַיִּסְקָלֶהוּ (שם ה, ב). אף כאן לדשנו להסיר דשנו, ובלע"ו אדשלדר"יר כתרגומו, מגרפות שנוטל בהם הדשן, והן כמין כסוי קדרה של מתכת דק, ולו בית יד, ובלע"ז וידי"ל ומזרקותיו. לקבל בהם דם הזבחים: ומזלגותיו. כמין אונקליות כפופים, ומכה בהם בבשר ונתחבים בו, ומתהפכין בהן על גחלי המערכה שיהא ממהר שריפתן, ובלע"ז קרולינ"ש ובלשון חכמים לנוריות: ומחתותיו. בית קבול יש להם, ליטול בהן גחלים מן המובח לשאתם על מובח הפנימי לקטרת, ועל שם חתייתן קרויים מחתות, כמו לחפות אש תיקוד (ישעיה ל, יד), לשון שאיבת אש ממקומה, וכן הַיַחַמָּה אִישׁ אָשׁ בְּחֵיקוֹ (משלי ו, כז): לכל כליו. כמו כל כליו:

- (4) מכבר. לשון כברה שקורין קריבל"ש (זיעב) כמין לבוש עשוי לו למזבח, עשוי חורין חורין כמין רשת, ומקרא זה מסורס, וכה פתרונו, ועשית לו מכבר נחושת מעשה רשת:
- (5) כרכב המזבח. סובב, כל דבר המקיף סביב בעגול קרוי כרכב, כמו ששנינו בהכל שוחטין (חולין כה.), אלו הן גולמי כלי עץ, כל שעתיד לשוף ולכרכב, והוא כמו שעושין חריצין עגולין בקרשי דפני התיבות וספסלי העץ, אף למזבח עשה חריץ סביבו, והיה רחבו אמה בדפנו לנוי, והוא לסוף שלש (ס"א שש) אמות של גבהו, כדברי האומר גבהו פי שנים כארכו, הא מה אני מקיים ושלש אמות קומתו, משפת סובב ולמעלה, אבל סובב להלוך הכהנים, לא היה למזבח הנחשת, אלא על ראשו לפנים מקרנותיו, וכן שנינו בזבחים (סב.), איזהו כרכוב, בין קרן לקרן, והיה רוחב אמה ולפנים מהן אמה של הלוך רגלי הכהנים, שתי אמות הללו קרויים כרכוב. ודקדקנו שם, והכתיב תחת כרכוב המזבח מלמטה, למדנו שהכרכוב בדפנו הוא ולבוש המכבר מחמיו, ומירץ המתרץ, תרי הוי, חד לנוי, וחד לכהנים דלא ישתרגו, זה שבדופן לנוי היה, ומתחתיו הלבישו המכבר, והגיע רחבו עד חלי המזבח, נמלא שהמכבר רחב אמה, והוא היה סימן לחלי גבהו, להבדיל בין דמים העליונים לדמים התחתונים, וכנגדו עשו למזבח בית עולמים, דוגמת חוט הסקרא באמלעו. וכבש שהיו עולין בו, אף על פי שלא פירשו בענין זה, כבר שמענו בפרשת מזבה אדמה תעשה לי, ולא תעלה במעלות, לא תעשה לו מעלות בכבש שלו אלא כבש חלק, למדנו שהיה לו כבש. כך שנינו במכילתא (בחדש פי"א). ומובח אדמה הוא מובח הנחשת, שהיו ממלאין חללו אדמה במקום חנייתן, והכבש היה בדרום המזבח, מובדל מן המזבח מלא חוט השערה, ורגליו מגיעין עד אמה סמוך לקלעי החלר שבדרום, כדברי האומר י' אמות קומתו. ולדברי האומר דברים ככתבן, ג' אמות קומתו, לא היה אורך הכבש אלא י' אמות, כך מלאתי במשנה מ"ט מדות, וזה שהיה מובדל מן המזבח מלא החוט, במסכת זבחים (סב:) למדנוה מן המקרא:
 - (7) בטבעות. בארבע טבעות שנעשו למכבר:

8 make it; as it hath been shown thee in the mount, so shall they make it.

נְבָוּב לֶחָת תַּצְשֶׁה אֹתְוֹ חֲלִיל לוּחִין תַּעֲבֵיד יָחֵיה בַּאֲשֶׁר הֶרְאָה אֹתְךֶּ בָּהָר כְּמָא דְּאַחְזִי יִתְּךְ בְּטוּרָא כֵּן בֵּאֲשֶׂר: (ס) יַנְבְּּדוּן:

And thou shalt make the court of the tabernacle: for the south side southward there shall be hangings for the court of fine twined linen a hundred cubits long for one side. וְתַעֲבֵיד יָת דָּרַת מַשְׁכְּנָא לְרוּחַ עֵיבַר דָּרוֹמָא סְרָבִי לְדָרְתָא דְּבוּץ שְׁזִיר מְאָה אַמִּין אוּרָכָּא לִרוּחָא חַדָּא:

וְעָשִּׁיתָ אֶת חֲצַר הַמִּשְׁכָּן לִפְאַת מְשְׁזָר מֵאָה בְאַמָּה אֶרֶךְ לַפַּאָה הָאֶחֶת:

And the pillars thereof shall be
twenty, and their sockets twenty, of
brass; the hooks of the pillars and
their fillets shall be of silver.

וְעַמּוּדוֹהִי עַסְרִין וְסְמְכֵיהוֹן עַסְרִין דִּנְחָשָׁא וְוֵי עַמּוּדַיָּא וְכִבּוּשֵׁיהוֹן כְּסִף:

ַ וְעַמָּדָיוּ עֶשְּׂרִים וְאַדְנִיהֶם עשָׂרִים נְחָשֶׁת וָוַיִּ הָעַמָּדָים נַחֲשָׁקֵיהֶם כָּסֶף:

And likewise for the north side in length there shall be hangings a hundred cubits long, and the pillars thereof twenty, and their sockets twenty, of brass; the hooks of the pillars and their fillets of silver.

וְכֵן לְרוּחַ צִּפּוּנָא בְּאוּרְכָּא סְרָדֵי מְאָה אוּרְכָּא וְעַמּוּדוֹהִי דְּנְחָשָא וָנֵי עַמּוּדַיָּא וְכִבּוּשֵׁיהוֹן כַּסף:

וְבֵּן לִפְּאָת צָפּוֹן בָּאֹרֶךְ קְלָּאִים מֵאָה אָרֶךְ וְעַמֶּדֵו עֶשְׂרִים וְאַדְנִיהֶם עֶשְׂרִים נְחִשֶּׁת וָוִיְ הַעַּמָּדֵים וַחֲשָׁקִיהֶם כֶּסֶף:

And for the breadth of the court on the west side shall be hangings of fifty cubits: their pillars ten, and their sockets ten. וּפּוּתְיָא דְּדְרְתָא לְרוֹחַ מַעְרְבָא סְרָדֵי חַמְשִׁין אַמִּין עַמּוּדֵיהוֹן עֶשְׂרָא וְסָמְכֵיהוֹן עַשִׂרָא:

ְּ וְרָחַב הֶחָצֵר לְפְאַת־יָּם קְלָּצִים חֲמִשִּׁים אַפָּת עַפֶּביהָם עֲשָׂרָה וְאַדְנִיהָם עֲשָׂרֶה:

And the breadth of the court on the east side eastward shall be fifty cubits.

וּפוּתְיָא דְּדֶרְתָא לְרוּחַ קּדּוּמָא מַדְנָחָא חַמְשִׁין אַמִּין:

ַ וְרַחַב הֶחָצֵּׁר לִפְּאָת מֵּדְמָה מִּיְרָמָה מִּזְרָחָה חַמִּשֵּׁים אַמֶּה:

- (8) גבוב לוחות. כתרגומו הַלָּיל לוּחִין, לוחות עצי שטים מכל צד והחלל באמצע, ולא יהא כולו עץ אחד, שיהא עביו ה' אמות על ה' אמות, כמין סדן:
- (9) קלעים. עשויין כמין קלעי ספינה נקבים נקבים, מעשה קליעה ולא מעשה אורג, ותרגומו סְרָדִין כתרגומו של מכבר המתורגם סָרַדָא לפי שהן מנוקבין ככברה: לפאה האחת. כל הרוח קרוי פאה:
- (10) ועמודיו עשרים. חמש אמות בין עמוד לעמוד: ואדניהם. של העמודים נחשת, האדנים יושבים על הארץ, והעמודים תקועין לתוכן, היה עושה כמין קונדסין שקורין פלא"ש, ארכן ו' טפחים ורחבן ג', וטבעת נחשת קבוע בו באמלעו, וכורך שפת הקלע סביביו במיתרים כנגד כל עמוד ועמוד, ותולה הקונדס דרך טבעתו באונקליות שבעמוד העשוי כמין וי"ו, ראשו זקוף למעלה וראשו אחד תקוע בעמוד, כאותן שעושין להציב דלתות שקורין גונזי"ש, ורחב הקלע תלוי מלמטה, והיא קומת מחילות החלכ: ווי העמודים. הם האונקליות: וחשוקיהם. מוקפות היו העמודים בחוטי כסף סביב, ואיני יודע אם על פני כולן, אם בראשם, ואם באמלעם, אך יודע אני שחשוק לשון חגורה, שכך מלינו בפילגש בגבעה, וְעַמֹּו צֶּעֶד מַמֹּוֹרִים מַבּוֹשִׁים (שופטים יט, י), תרגומו חשוקים:
- (13) לפאת קדמה מזרחה. פני המזרח קרוי קדם, לשון פנים, אחור, לשון אחורים, לפיכך המזרח קרוי קדם שהוא פנים, ומערב קרוי אחור, כמו דתרגם אונקלום הַיָּם הַאַחֲלון (דברים יא, כד), ימא מערבא: חמשים אמה. אותן נ'אמה פנים, ומערב קרוי אחור, כמו דתרגם אונקלום הַיָּם הַאַחַלון (דברים יא, כד), ימא מערבא: חמשים אמה. אותן נ'אמה לא היו סתומים כולם בקלעים, לפי ששם הפתח, אלא ט"ו אמה קלעים לכתף הפתח מכאן, וכן לכתף השנית, נשאר רחב חלל הפתח בנתים כ'אמה, וזהו שנאמר וּלְשַעַר הֶּקְצַר מָקָדְ עָשָׁרָים אַמָּה, וילון למסך כנגד הפתח, כ'אמה ארך כרוחב הפתח:

The hangings for the one side [of the gate] shall be fifteen cubits: their pillars three, and their sockets three.

וֹחֲמֵשׁ עָשְׁרֵה אַפֶּוֶה קְלְּשָׁה וְסְמְכֵישׁ עָשְׁרֵי אַפְּוֹ לַכְּתֻלֵּף עַפְּּוֹדִיהָם שְׁלֹשֶׁה לְעִבְּרָא עַמּוּדִיהוֹן תְּלְתָא וַחֲמֵשׁ עָשְׁרֵה אָפָּוֶה קְּלְּשָׁה וַחֲמֵישׁ עָשְׁרֵי אַפִּין סְרָבי

And for the other side shall be hangings of fifteen cubits: their pillars three, and their sockets three.

ְוְלַכְּתֵף הַשֵּׁנִּית חֲמֵשׁ עָשְּׁרֶה וּלְעִבְרָא תִּנְיָנָא חֲמֵישׁ עֶשְּׁרֵי קְלָעִים עַמָּבִיהָם שְׁלֹשָׁה סְרָדִין עַמּוּבִיהוֹן תְּלָתָא וָאָדנֵיהָם שׁלשַה: יְסְמְּכֵיהוֹן תְּלָתָא:

And for the gate of the court shall be a screen of twenty cubits, of blue, and purple, and scarlet, and fine twined linen, the work of the weaver in colours: their pillars four, and their sockets four.

וְלַתְרֵע דָּרְתָא פְּרָסָא עֶשְּׁרִין אַמִּין דְּתַכְלָא וְאַרְגָּנְנְא וּצְבַע עַמוּדִיהוֹן אַרְבְּעָא וְסָמְכֵיהוֹן אַרְבְּעָא:

וּלְשַּׁעַר הָחָצֵּר מְסֶךּו עֶשְּׂרֵים שָׁנֶי וְשֵׁשׁ מְשְׁזֶר מַעֲשֵׁה רֹֹקֵם עַמֶּדִיהֶם אַרְבָּעָה וְאַרְנִיהֶם אַרִּבּעה:

All the pillars of the court round
17 about shall be filleted with silver;
their hooks of silver, and their
sockets of brass.

בְּל עַמּוּדֵי דְּרְתָא סְחוֹר סְחוֹר מְכוּבְשִׁין בְּסַף וְוֵיהוֹן בְּסַף וְסָמְכֵיהוֹן דִּנְחָשָׁא:

מפטיר כְּל-עַמּוּבֵׁי הֶחָצֵר סְבִיב' מְחֻשָּׁקִים כֶּסֶף וְוֵיהֶם כְּסֶף ואדניהם נחשת:

The length of the court shall be a hundred cubits, and the breadth fifty every where, and the height five cubits, of fine twined linen, and their sockets of brass.

אּוּרְכָּא דְּדָרְתָא מְאָה אַמִּין וּפּוּתְיָא חֲמָשִׁין בְּחַמְשִׁין וְרוּמָא חֲמֵישׁ אַמִּין דְּבוּץ שִׁזִּיר וְסָמָכֵיהוֹן דְּנָחַשָּא:

אָרֶךְ הֶחָצֵר מֻאָּה בֶאַמָּה וְרַחַבּו אַמְשִׁים בַּחֲמִשִּים וְלְמֶת חָמֵש אַמְּוֹת שֵׁשׁ מְשְׁזֶרְ וְאַדְנִיהֶם נָחָשֵׁת:

All the instruments of the tabernacle in all the service thereof, and all the pins thereof, and all the pins of the court, shall be of brass.

לְכֹל מָנֵי מַשְׁכְּנָא בְּכֹל פּוּלְחָנֵיה וְכָל סִכּוֹהִי וְכָל סִכֵּי דְּרְתָא דִּנְחָשָא:

ז לְכֹל בְּלֵי הַמִּשְׁבְּׁן בְּכָל עֲבֹדְתְוֹ פ^{סוקיס} וְכָל-יְתֵדֹתְיו וְכָל-יִתְדְת הֶחָצֵּר נחשת: (ס)

(14) עמדיהם שלשה. המש אמות בין עמוד לעמוד, בין עמוד שבראש הדרום העומד במקצוע דרומית מזרחית, עד עמוד שהוא מן הג'שבמזרח ה'אמות, וממנו לשני חמש אמות, ומן השני לשלישי חמש אמות, וכן לכתף השנית, וארבעה עמודים למסך, הרי י' עמודים למזרח כנגד י' למערב:

(17) כל עמודי החצר סביב וגר׳. לפי שלא פירש ווין וחשוקים ואדני נחשת אלא לזפון ולדרום, אבל למזרח ולמערב לא נאמר ווין וחשוקים ואדני נחשת אלא לזפון ולדרום, אבל למזרח ולמערב לא נאמר ווין וחשוקים ואדני נחשת, לכך בא ולמד כאן:

(18) ארך החצר. הלפון והדרום שמן המזרח למערב מאה באמה: ורחב חמשים בחמשים. חלר שבמזרח היחה מרובעת חמשים על חמשים, שהמשכן ארכו שלשים ורחבו עשר, העמיד מזרח פתחו בשפת נ' החילונים של אורך החלר, נמלאו מרובעת חמשים הפנימים, וכלה ארכו לסוף ל', נמלאו כ' אמה ריוח לאחוריו בין הקלעים שבמערב ליריעות של אחורי המשכן, וכן ורחב המשכן עשר אמות באמלע רוחב החלר, נמלאו לו עשרים אמה ריוח ללפון ולדרום מן קלעי החלר ליריעות המשכן, וכן למערב, וחמשים על חמשים חלר לפניו (עירובין כג:): וקומה חמש אמות. גובה מחילות החלר, והוא רוחב הקלעים: ואדביהם בחושת. להביא אדני המסך, שלא תאמר לא נאמרו אדני נחושת אלא לעמודי הקלעים, אבל אדני המסך של מין אחר היו. כך נראה בעיני שלכך חזר ושנאן:

The Haftarah is I Kings 5:26 – 6:13 on page 221. On Shabbat Shekalim, Maftir is Exodus 30:11 – 16, and the Haftarah is the special Haftarah on page 238. When Shabbat Shekalim is Rosh Hodesh, read as before but combine the 6th and 7th aliyot from the parsha, and read the 7th aliya for Shabbat Rosh Hodesh on page 233. For Shabbat Zachor the maftir and haftarah are on page 240. On Rosh Hodesh that is not Shabbat Shekalim, the Maftir and Haftarah are on page 233.

And thou shalt command the children of Israel, that they bring unto thee pure olive oil beaten for the light, to cause a lamp to burn continually.

וְאַהְ הְפַקּיד יָת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְיִסְבוּן לְדְּ מְשַׁח זֵיתָא דְּכִיְא בָּתִישָׁא לְאַנְהָרָא לְאַדְלָקָא בּוֹצִינַיָּא תִּדִירָא:

וְאַתְּּה תְּצַנֶּהוּ אֶת־בְּנֵי יִשְּׂרָאֵׁל וְיִקְחוּ אֵלֶידְּ שֶׁמֶן זַיִת זָדְ כְּתִית לַמְּאָוֹר לְהַצֵּלְת גֵר תְּמִיד:

In the tent of meeting, without the veil which is before the testimony,

Aaron and his sons shall set it in order, to burn from evening to morning before the LORD; it shall be a statute for ever throughout their generations on the behalf of the children of Israel.

בְּמַשְׁכַן זִמְנָא מִבּרָא לְפָרוּכְתָּא דְעַל סְהַדּוּתָא מַרַמְשָׁא עַד צַפְּרָא מֶדָם יִי מְרַמְשָׁא עַד צַפְּרָא מֶדָם יִי ישׂראל:

בְּאַהֶל מוֹעֵד מְחוּץ לַפְּרְכֶת אֲשֶׁר עַל־הָעֵדְת יַעֲרֹךְ אֹתוּ אַהְרָן וּבָנְיוֹ מֵעֶרֶב עַד־בְּקֶר לִפְנֵי יְהוֹּה חֻכַּת עוֹלְם לְדַרֹתְם מֵאֵת בָּנִי יִשִּׂרָאֵל: (ס)

And bring thou near unto thee
Aaron thy brother, and his sons
with him, from among the
children of Israel, that they may
minister unto Me in the priest's
office, even Aaron, Nadab and
Abihu, Eleazar and Ithamar,
Aaron's sons.

וְאַתְּ קָרֵיב לְוָתֶךּ יָת אַהַרֹן אֲחוּדְ וְיֶת בְּנוֹהִי עִמֵּיה מִגּוֹ בְנֵי יִשְׂרָאֵל לְשַׁמָּשָׁא קֵדָמָי אַהַרֹן נָדָב וַאֲבִיהוּא אֶלְעָזֶר וְאִיתְמָר בְּנֵי אַהַרֹן: וְאַתְּׁה הַקְּרֵב אֵלֶּיף ּ אֶת־אַהַרֹּן ישִׂרָאֵל לְכַהֲנוֹ־לֵי אַהַדֵּן נְדָב יאָרָאָל לְכַהֲנוֹ־לֵי אַהַדֵּן נְדָב אַהָרוֹ: אָהַרוֹ:

And thou shalt make holy garments for Aaron thy brother, for splendour and for beauty.

וְתַעֲבֵיד לְבוּשֵׁי קּוּדְשָׁא לְאַהַרֹן אֲחוּך לִיקָר וּלתוּשׁבּחא:

וְעָשִּׁיתָ בִּגְבִי־קֹּדֶשׁ לְאַהְרַוֹ אָתִיף לְכָבָוֹד וּלְתִּפְּאָרֶת:

And thou shalt speak unto all that are wise-hearted, whom I have filled with the spirit of wisdom, that they make Aaron's garments to sanctify him, that he may minister unto Me in the priest's office.

וְאַהְ הְמַלֵּיל עם כָּל חַכִּימֵי לִבָּא דְאַשְׁלֵימִית עִמְּהוֹן רוּחַ חָכְמָא וְיַעְבְּדוּן יָת לְבוּשֵׁי אַהֲרֹן לְקַדְּשׁוּתֵיה לְשַׁמְשְׁא קַדְמַי: וְאַתָּה תְּדַבֵּר אֶל־כְּל־חַכְמֵי־ לֵב אֲשֶׁר מִלֵּאתִיו רַוּחַ חְכְמָה וְעָשׁוּ אֶת־בִּגְדֵי אַהֲרָן לְקַדְּשׁוּ לְכַהַנוֹ־לִי:

- (19) לכל כלי המשכן. שהיו לריכין להקממו ולהורדמו, כגון מקבות למקוע ימדות ועמודים: יתדות. כמין נגרי נחושת עשויין ליריעות האהל ולקלעי החלר, קשורים במיתרים סביב סביב בשפוליהן, כדי שלא תהא הרוח מגביהתן, ואיני יודע אם מחובין בארץ, או קשורין ומלויין וכובדן מכביד שפולי היריעות שלא ינועו ברוח, ואומר אני, ששמן מוכיח עליהם שהם מקועין בארץ, לכך נקראו ימדות, ומקרא זה מסייעני, אֹהֶל בּל יִפְע יִחָלהַיו לְגַלַח (ישעיה לג, כ):
- (20) זך. בלי שמרים, כמו ששנינו במנחות (פו.), מגרגרו בראש הזית וכו': בתית. הזיתים היה כותש במכתשת ואינו טוחנן בריחים, כדי שלא יהא בו שמרים, ואחר שהוליא טפה ראשונה, מכנימן לריחים וטוחנן, והשמן השני פסול למנורה טוחנן בריחים, כדי שלא יהא בו שמרים, ואחר שהוליא טפה ראשונה, מכנימן לריחים וטוחנן, והשמן השני פסול למנורה וכשר למנחות, שלאמר כתית למאור, ולא כתית למנוחות: להעלות בר תמיד. מדליק עד שתהא שלהבת עולה מאליה (שבת כא.): תמיד. כל לילה ולילה קרוי חמיד, כמו שאתה אומר עלת שָּמִיד (במדבר כח, ו), ואינה אלא מיום ליום. וכן במנחת חביתין נאמר תמיד (ויקרא ו, יג), ואינה אלא מַחֲלִיְמָהּ בַּבֹּקֵר וּמַחֲלִימָהּ בַּעֶרֶב, אבל תמיד האמור בלחם הפנים, משבת לשבת הוא:
- (21) מערב עד בוקר. חן לה מדחה שתהא דולקת מערב ועד בוקר, ושיערו חכמים חצי לוג ללילי טבת הארוכין, וכן לכל הלילות, ואם יותר אין בכך כלום:
 - (1) ואתה הקרב אליך. לאחר שתגמור מלאכת המשכן:

And these are the garments which they shall make: a breastplate, and 4 an ephod, and a robe, and a tunic of chequer work, a mitre, and a girdle; and they shall make holy garments for Aaron thy brother, and his sons, that he may minister unto Me in the priest's office.

And they shall take the gold, and the blue, and the purple, and the scarlet, and the fine linen.

And they shall make the ephod of 6 gold, of blue, and purple, scarlet, and fine twined linen, the work of the skilful workman. וְאַלֵּין לְבוּשַׁיָּא דְּיַעְבְּדוּן חוּשְׁנָא וְאֵיפּוֹדָא וּמְעִילָא וְכִתּוּנִין מְיַעְבְּדוּן לְבוּשֵׁי קוּדְשָׁא לְאַהַרֹן אֲחוּךְ וֹלְבְנוֹהִי לְשַׁמַשָּא קַדַמִי:

וְאָנּוּן יִסְבוּן יָת דַּהְבָּא וְיָת תַּכְלָא וְיָת אַרְגְוָנָא וְיָת צְבַע זְהוֹרִי וְיָת בּוּצָא:

וְאֵלֶּה הַבְּגָּדִים אֲשֶׁר יַצְשׁׁוּ חְשֶׁן וְאֵפּוֹד וּמְצִיל וּכְתְנֶת תַּשְׁבֵּץ מִצְנֶפֶת וְאַבְנֵמֻ וְעָשׁוּ בִגְּדִי־קְׁדֶשׁ לְאַהַרָן אָחָיף וּלְבָנָיו לְכַהַנוֹ־ לִי:

וְהֵם ׁ יִקְחַוּ אֶת־הַזְּהָב וְאֶת־ הַתְּכֵלֶת וְאֶת־הֵאַרְגָּמָן וְאֶת־ תּוֹלֵעַת הַשָּׁנִי וְאֶת־הַשֵּׁשׁ: (פּ)

ְוְעָשָׂוּ אֶת־הָאֵפָּׁד וְּהָב הְּכֵּלֶת וְיַעְבְּדוּוְ יָת אֵיפּוֹדָא דַּהְבָּא וְאַרְגָּטָׁן תּוֹלַעַת שָׁנֵי וְשֵׁשׁ מְשְׁזֶר תַּכְלָא וְאַרְגְּוִוּנָא צְבַע זְהוֹרִי מעשה חשב:

- (3) לקדשו לכחגו לי. לקדשו להכניסו בכהונה על ידי הבגדים, שיהה כהן לי, ולשון כהונה שירות הוא, שנטריא"ה בלע"ז
- תכשיט כנגד הלב: ואפוד. לא שמעתי (שהוא לבוש)ולא מנאתי בברייתא פירוש תבניתו, ולבי אותר לי שהוא חגור לו מאחוריו, רחבו כרוחב גב איש, כמין סינר שקורין פורצי"נט שחוגרות הַשְּׁרוֹת כשרוכבות על הסוסים, כך מעשהו מלמטה, שנאמר ודוד סגור אפוד בד (שמואל־ב ו, יד), למדנו שהאפוד חגורה היא. ואי אפשר לומר שאין בו אלא חגורה לבדה, שהרי נאמר וַיָּמָן עַלָּיו אָם הַאפֹד (ויקרא ח, ז) ואחר כך וַיַּחַבּׁר אֹמו בַּחֲשֵׁב הַאָפֹד (שם), ותרגם אונקלום בְּהַמִין אפודה, למדנו שהחשב הוא החגור, והאפוד שם תכשיט לבדו. ואי אפשר לומר שעל שם שתי הכתפות שבו הוא קרוי אפוד, שהרי נאמר שתי כתפות האפוד, למדנו שהאפוד שם לבד, והכתפות שם לבד, והחשב שם לבד. לכך אני אומר שעל שם הסינר של מטה קרוי אפוד, על שם שאופדו ומקשטו בו, כמו שנאמר ויאפד לו בו (שם), והחשב הוא חגור שלמעלה הימנו, והכחפות קבועות בו. ועוד אומר לי לבי, שיש ראיה שהוא מין לבוש, שתרגם יונתן ודוד חגור אפוד בד, כַּרְדוּט דְבוּץ, ותרגם כמו כן מעילין, פַּרְדוּטֵין, במעשה תמר אחות אבשלום, כִּי כֵן מִלְבַשַׁן בַּנות הַמֵּלֶךְ הַבְּחוּלֹת מִעִילִים (שמואל־ביג, יח): ומעיל. הוא כמין חלוק, וכן הכתונת, אלא שהכתונת קמוך לבשרו, ומעיל קרוי חלוק העליון: תשבץ. עשויין משבלות לנוי, והמשבלות הם כמין גומות העשויות בתכשיטי זהב למושב קביעת אבנים טובות ומרגליות, כמו שנאמר באבני האפוד מַקַבּת מְשַׁבְּנוֹת וַהָב, ובלע"ז קוראין אותו קשטונ"ש מצגפת. כמין כיפת כובע שקורין קופי"א, שהרי במקום אחר קורא להם מגבעות, ואבנט. היא חגורה על הכתונת, והאפוד חגורה על המעיל, כמו שמלינו בקדר ומתרגמינן כּוֹבַעִין (עיין יומא כה.): לבישמן, ויפון עליו אָת הַכְּפֹּגָת וַיַחַבּׁר אֹתוֹ בַּאָבָנֵע וַיַּלְבֵּשׁ אֹתוֹ אֶת הָמָעִיל וַיִּפוּן עַלִיו אָת הָאָפֿד: מתרומה המהודשת לשמי יעשו אותם:
 - (5) והם יקחו. אותם חכמי לג שיעשו הבגדים, יקבלו מן המחנדבים את הזהג ואת התכלח, לעשות מהן את הבגדים:
- (6) ועשו את האפוד. אם באתי לפרש מעשה האפוד והחשן על סדר המקראות, הרי פירושן פרקים וישגה הקורא בלרופן, לכך אני כותב מעשיהם כמות שהוא, למען ירוץ הקורא בו, ואחר כך אפרש על סדר המקראות. האפוד עשוי כמין סינר של נשים רוכבות סוסים, וחוגר אותו מאחוריו כנגד לבו למטה מאליליו, רחבו כמדת רוחב גבו של אדם ויותר, ומגיע עד עקביו, והחשב מחובר בראשו על פני רחבו מעשה אורג, ומאריך לכאן ולכאן כדי להקיף ולחגור בו, והכתפות מחוברות בחשב, אחת לימין ואחת לשמאל, מאחורי הכהן לשני קצות רחבו של סינר, וכשזוקפן עומדות לו על שני כתפיו, והן כמין שתי רצועות עשויות ממין האפוד, ארוכות כדי שיעור לזקפן אצל צוארו מכאן ומכאן, ונקפלות לפניו למטה מכתפיו מעט, ואבני השהם קבועות בהם, אחת על כתף ימין ואחת על כתף שמאל, והמשבצות נתונות בראשיהם לפני כתפיו, ושתי עבותות הזהב תחובות בשתי טבעות שבחשן בשני קצות רחבו העליון, אחת לימין ואחת לשמאל, ושני ראשי השרשרות תקועים במשבצות לימין, וכן שני ראשי השרשרות הממאלית תקועין במשבצות שבכתף שמאל, נמצא החשן תלוי במשבצות האפוד על לבו מלפניו, ועוד שתי טבעות בשני קצות החשן בתחתיתו, וכנגדם שתי טבעות בשתי כתפות האפוד מלמטה, בראשו התחתון המחובר בחשב, טבעות בשני קצות החשן בתחתיתו, וכנגדם שתי טבעות בשתי כתפות האפוד מלמטה, בראשו התחתון המחתוב בחשב, טבעות בשני קצות החשן בתחתיתו, וכנגדם שתי טבעות בשתי כתפות האפוד מלמטה, בראשו התחתון המחתוב בחשב, טבעות

It shall have two shoulder-pieces
joined to the two ends thereof, that it may be joined together.

- And the skilfully woven band, which is upon it, wherewith to gird it on, shall be like the work thereof and of the same piece: of gold, of blue, and purple, and scarlet, and fine twined linen.
- And thou shalt take two onyx

 stones, and grave on them the
 names of the children of Israel:

six of their names on the one stone, and the names of the six that remain on the other stone, according to their birth.

With the work of an engraver in stone, like the engravings of a signet, shalt thou engrave the two stones, according to the names of the children of Israel; thou shalt make them to be inclosed in settings of gold.

שְׁתֵּי כְתַפַּת חְבְרֹת יְהְיֶה־לֶּוֹ חְבִין כִּתְפִין מְלְפְפָן יְהוֹן לֵיהּ אֶל־שְׁנֵי קְצוֹתָיו וְחָבֶּר: עַל חְבין סִטְרוֹהִי וְיִתְלְפַף:

וְהַמְיַן תִּקּוּנֵיה דַּעֲלוֹהִי כְּעוֹבָדֵיה מָנֵּיה יְהֵי דַּהְבָּא תַּכְלָא וְאַרְגְוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי וֹבוּץ שְׁזִיר:

וְחֵשֶׁב אֲפָּדָתוֹ אֲשֶׁר עָלְיוּ הְּכֵלֶת וְאַרְגָּמָן וְתוֹלֵעַת שְׁנִי וְשֵשׁ מְשְׁזֶר:

וְתִּסַב יָת תַּרְתֵּין אַבְנֵי בוּרְלָא וְתִגְלוֹף עֲלֵיהוֹן שְׁמָהָת בְּנֵי יִשְׂרָאָל:

ְוְלֶקּחְתְּׁ אֶת־שְׁתֵּי אַבְנִי־שְׁהַם וּפִתַּחְתָּ עֲלֵיהֶם שְׁמָוֹת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל:

ישראל

שָׁתָּא מִשְּׁמֶהֶתְהוֹן עַל אַבְנָא הַדָּא וְיָת שְׁמָהָת שִׁהָּא דְּאִשְׁתְאַרוּ עַל אַבְנָא תִּנְיֵיתָא כְּתוֹלְדָרְתוֹן:

שִׁשְׁהֹ מִשְּׁמֹתְם עַל הָאֶבֶן הָאֶחָת וְאֶת־שְׁמֹות הַשִּשְׁה הַנּוֹתְרֶים עַל־הָאֶבֶן הַשֵּׁנִית כְּתוֹלְדֹתֶם:

עוֹבָד אוּמָן אֶבֶן טָבָא כְּחָב מְפְרַשׁ כִּגְלָף דְּעִזְקָא תִּגְלוֹף יָת תַּרְתֵּין אַבְנַיָּא עַל שְׁטְהָת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל מְשַׁקְּעָן מְרַמְּצְן דִּדְהַב תַּעָבִיד יַתָּהוֹן:

מַצְשֵּׁה חָרַשׁׁ שֶּׁבֶןְּ פִּתּוּחֵי חֹתָם תְּפַתַּח אֶת־שְׁתֵּי הָאָבָנִים על־שְׁמִת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל מֶסַבָּת משבצות זהב תעשה אתם:

החשן אל מול טבעות האפוד שוכבים זה על זה, ומרכסן בפתיל תכלת תחוב בטבעות האפוד והחשן, שיהא תחתית החשן דבוק לחשב האפוד, ולא יהא נד ונבדל, הולך וחוזר: זהב תכלת וארגמן ותולעת שני ושש משזר. חמשה מינים הללו שזורין בכל חוט וחוט. היו מרדדין את הזהב כמין טסים דקין, וקולצין פתילים מהם, וטווין אותן חוט של זהב עם שש חוטין של תכלת, וכן בחולעת שני, וכן בשש, שכל המינין חוטן כפול ששה וחוט של זהב עם כל אחד ואחד, וחוט של זהב עם שש חוטין של ארגמן, וכן בחולעת שני, וכן בשש, שכל המינין חוטן כפול ששה וחוט של זהב עם כל אחד ואחד, ואחר כך שוזר את כולם כאחד, נמלא חוטן כפול כ"ח, וכן מפורש במס' יומא (עב.), ולמד מן המקרא הזה וירקעו את פחי הזהב וקצץ פתילים לעשות (את פתילי הזהב) בתוך התכלת ובחוך הארגמן וגו', למדנו שחוט של זהב שזור עם כל מין ומין: מעשה חושב. כבר פרשתי שהוא אריגת שתי קירות שאין צורת שני עבריהם דומות זו לזו:

- (7) שתי כתפות וגר. הסינר מלמטה, וחשב האפוד היא החגורה, ולמודה לו מלמעלה דוגמת סינר הנשים, ומגבו של כהן היו מחוברות בחשב שתי חתיכות כמין שתי רלועות רחבות, אחת כנגד כל כתף וכתף, וזוקפן על שתי כתפותיו עד שנקפלות לפניו כנגד החזה, ועל ידי חבורן לטבעות החשן נאחזין מלפניו כנגד לבו שאין נופלת, כמו שמפורש בענין, והיו זקופות והולכות כנגד כתפיו, ושתי אבני שהם קבועות בהן, אחת בכל אחת: אל שבי קצותיו. אל רחבו של אפוד, שלא היה רחבו אלא כנגד גבו של כהן, וגבהו עד כנגד האצילים שקורין קודי"ש, שנאמר לא יַמְגְּרוּ בַּיַּזְע (יחזקאל מד, יח), אין חוגרין במקום זיעה, לא למעלה מאציליהם ולא למטה ממתניהם, אלא כנגד אציליהם: וחבר. האפוד עם אותן שתי כתפות האפוד יחבר אותם במחט למטה בחשב, ולא יארגם עמו, אלא אורגם לבד ואחר כך מחברם:
- (8) וחשב אפדתו. וחגור שעל ידו, הוא מאפדו ומתקנהו לכהן ומקשטו: אשר עליו. למעלה בשפת הסינר היא החגורה: כמעשהו. כאריגת הסינר מעשה חושב ומחמשת מינין, כך אריגת החשב מעשה חושב ומחמשת המינים: ממנו יהיה. עמו יהיה ארוג, ולא יארגנו לבד ויחברנו:
- (10) כתולדותם. כסדר שנולדו, ראובן שמעון לוי יהודה דן ונפתלי, על האחת, ועל השניה, גד אשר יששכר זבולן יוסף, ובנימין מלא, שכן הוא כתוב במקום תולדותו, כ"ה אותיות בכל אחת ואחת:
- (11) מעשה חרש אבן. מעשה אומן של אבנים. חרש זה, דבוק הוא לחיבה שלאחריו, ולפיכך הוא נקוד פתח בסופו,

And thou shalt put the two stones upon the shoulder-pieces of the ephod, to be stones of memorial for the children of Israel; and Aaron shall bear their names before the LORD upon his two shoulders for a memorial.

And thou shalt make settings of gold;

and two chains of pure gold; of plaited thread shalt thou make them, of wreathen work; and thou shalt put the wreathen chains on the settings.

And thou shalt make a breastplate of judgment, the work of the skilful workman; like the work of the ephod thou shalt make it: of gold, of blue, and purple, and scarlet, and fine twined linen, shalt thou make it.

Four-square it shall be and double: a span shall be the length thereof, and a span the breadth thereof.

And thou shalt set in it settings of stones, four rows of stones: a row of carnelian, topaz, and smaragd shall be the first row;

יּתְשַׁנִי יָת תַּרְתֵּין אַבְנַיָּא עַל כָּתְפֵּי אֵיפּוֹדָא אַבְנִי דּוּכְרְנָא שְׁמָהָתְהוֹן קָדָם יִיְ עַל תְּרֵין שְׁמָהָתְהוֹן קָדָם יִיְ עַל תְּרֵין כָּתִפּוֹהָי לִדוּכְרַנָּא:

יַתְעֲבֵיד מְרַמְּצְן דְּדְהַב:

וְתַרְתֵּין תִּכִּין דִּדְתַב דְּכֵי מְתַחֲמָן תַּצְבִיד יָתְהוֹן עובָר גְּדִילוּ וְתִתֵּין יָת תִּכַּיָּא גְּדִילְתָא עַל מְרַמְּצְתָא:

וְתַּעֲבֵיד חֹשֶׁן דְּינָא עוֹכָד אּוּמֶן כְּעוֹכָד אֵיפּוֹדָא תַּעְבְּדְנֵיה זְהוֹרִי וּבוּץ שְׁזִיר תַּעֲבֵיד יַתֵיה:

מְרוּבַע יְהֵי עִיף זַרְתָּא אוּרְכֵּיה וִזַרְתָּא פּוּתִיֵּה:

וְתַשְׁלֵים בֵּיה אַשְׁלְמוּת אַבְגָא אַרְבָּעָא סִרְרִין דְּאֶבֶן שָׁבָא סִרְרָא סַרְנִאָם סִמְקֹן יִרְקֹן וּבַרָקַן סִדְרָא תַד: וְשַּׁמְהְּ שֶׁת־שְׁתֵּי הָאֲבָנִים עֻל ישְׂרָאֵל וְנִשְׁא אַהְרֹן אֶת־שְׁמוֹתְם ישְׂרָאֵל וְנִשְׂא אַהְרֹן אֶת־שְׁמוֹתְם לִפְנֵי יְהֹוָה עַל־שְׁתֵּי כְתַפְּיו

י ועשית מִשְׁבִּצְת זָהָב:

וּשְׁתֵּי שַׁרְשָׁרֹת זָהָב טְהוֹר מִגְבָּלֶת תַּצְשֶׁה אֹחָם מַצְשֵׁה עֲבָת וְנָתַתָּה אֶת־שַׁרְשִׁרְעִּרְת העבֹתת על-המשׁבצת: (ס)

וְעָשִּׁיתָ חְשֶׁן מִשְׁפָּטֹ מַעֲשֵׂה חשֵׁב כְּמַעֲשֵׂה אֵפִּד תַּעֲשֶׂנוּ זְהָב תְבַׁלֶת וְאַרְנְּמָן וְתוֹלַעַת שְׁנֵי ושש משזר תעשה אתו:

ָ, רָבָוּעַ יִהְיֶה כְּפֵּוּל זֶרֶת אָּרְכָּוֹ , וְזֵרֶת רָחִבְּוֹ:

ַ וּמִלֵּאתָ בוֹ מִלְאַת אֶּבֶן אַרְבְּעָה טוּרִים אָבֶן טוּר אָדֶם פִּטְדָה וּבַרֶּקת הַטִּוּר הַאָּחֵד:

וכן חָרֵשׁ עֵלִים נְטֶה קוֹ (ישעיה מד, יג), חרש של עלים. וכן חָרֵשׁ בַּרְזֶל מַשְּלֶד (שם יב), כל אלה דבוקים ופחוחים: פתוחי חותם. כתרגומו כְּחַב מְפָרָשׁ כְּגְלֹף דְּעִוְקָא, חרולות האותיות בחוכן, כמו שחורלין חותמי טבעות שהם לחתום אגרות, כתב ניכר ומפורש: על שמות. כמו בשמות: מסבות משבצות. מוקפות האבנים במשבלות זהב, שעושה מושב האבן בזהב כמין גומא למדת האבן, ומשקעה במשבלות, נמלאת המשבלת סובבת את האבן סביב, ומחבר המשבלות בכתפות האפוד:

- (12) לזכרון. שיהא רואה הקב"ה את השבטים כתובים לפניו, ויזכור לדקתם:
- (13) ועשית משבצות. מיעוט משבלות שתים, ולא פירש לך עתה בפרשה זו אלא מקלת לרכן, ובפרשת החשן גומר לך פירושן:
- (14) שרשרות זהב. שלשלאות: מגבלות. לסוף גבול החשן חעשה אותם: מעשה עבות. מעשה קליעת חוטין, ולא מעשה נקבים וכפלים כאותן שעושין לבורות, אלא כאותן שעושין לעַרְדַּסְקָאוֹת שקורין אינשיינשייר"ש (רוכפאם) (בילה כב:): ונתתה את שרשרות. של עבותות העשויות מעשה עבות על משבלות הללו. ולא זה הוא מקום לוואת עשייתן של שרשרות ולא לוואת קביעותן, ואין חעשה האמור כאן לשון לווי, ואין ונתתה האמור כאן לשון לווי, אלא לשון עתיד, כי בפרשת החשור ומלוהו על עשייתן ועל קביעותן, ולא נכתב כאן אלא להודיעך מקלת לורך המשבלות שלוה לעשות עם האפוד, וכתב לך זאת, לומר לך המשבלות הללו יוזקקו לך, לכשתעשה שרשרות מגבלות על החשן, תתנם על המשבלות הללו:
- (15) חושן משפט. שמכפר על קלקול הדין. דבר אחר משפט, שמברר דבריו והבטחחו אמת, דרישנמ"ט בלע"ז שהמשפט משמש ג' לשונות, דברי טענות בעלי הדין, וגמר הדין, ועונש הדין, אם עונש מיתה אם עונש מכות אם עונש ממון, וזה משמש לשון בירור דברים, שמפרש ומברר דבריו: במעשה אפוד. מעשה חושב ומחמשת מינין:
- (16) זרת ארכו וזרת רחבו. כפול, ומוטל לו לפניו כנגד לבו, שנאמר וְהָיוּ עַל לֵב אַהֲרֹן, תלוי בכתפות האפוד הבאות מאחוריו על כתפיו, ונקפלות ויורדות לפניו מעט, והחשן תלוי בהן בשרשרות וטבעות, כמו שמפורש בענין:

and the second row a carbuncle, a sapphire, and an emerald;

וְסִדְרָא תִּנְיָנָא אִזְמַרַגְדִּין שַׁבְזֵיז וְסַבְהֵלוֹם:

וְהַשָּׁוּר הַשֵּׁנִי נָפֶּךְ סַפָּיר וְיָהֲלְם:

and the third row a jacinth, an agate, and an amethyst;

וְסִרְרָא תְּלִיתָאָה קַנְּכֵּירִי טָרַקּיָא וִעֵין עָגִלָא:

וֹאַטְלֵמָה: הַ וְהַשָּׁיִר הַשְּׁלִישִׁי כֶּשֶׁם שְּׁבְּוֹ וְ

and the fourth row a beryl, and an onyx, and a jasper; they shall be inclosed in gold in their settings.

וְסִדְרָא רְבִיעָאָה כְּרוּם יַמָּא וּבוּרְלָא וּפַנְתֵּירִי מִרְמְּצְן בִּרְהַב יְהוֹן בְּאַשְׁלְמוּתְהוֹן:

ְוְהָפוּר הָרְבִיעִי תַּרְשִׁישׁ וְשָהַם 1 וְיָשְׁפֵּּאָ מְשֶׁבָּצִים זְהָב יִהְיִּוּ בְּמָלּוּאֹרֶם:

And the stones shall be according to the names of the children of Israel, twelve, according to their names; like the engravings of a signet, every one according to his name, they shall be for the twelve tribes. וְאַבְנַיָּא יִהְוְיָן עַל שְׁמָהָת בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל תַּרְתַּא עֶשְׁרֵי עַל שְׁמָהָתְהוֹן כְּתָב מְפָּרַשׁ כִּגְלְף דְּעִזְקָא גְּבַר עַל שְׁמֵיה יִהְוְיָן לתרי עשר שבטין: וְהָאָבָנִּים תְּהְיֶׁין עַל־שְׁמַּת בְּנֵי־ יִשְׂרָאֵל שְׁתֵּים עֶשְׂרֵה עַל־ שְׁמֹתָם פִּתּוּחֵי חוֹתָם אֵישׁ עַל־ שְׁמֹוֹ תִּהְדֶּין לִשְׁנֵי עְשָׂר שֶׁבֶשׁ:

And thou shalt make upon the breastplate plaited chains of wreathen work of pure gold. תַשְבֵיד עַל חוּשְׁנָא תִּכִּין אֶתַחֲמָן עוֹבָד גְּדִילוּ דִּדְהַב רֹי: ּ וְעָשָּׂיתָ עַל־הַחָּשֶׁן שַּׁרְשָּׁת נַּבְּלֶּת מַעֲשֵּׁה עֲבָת זָהָב שָׁהְוֹר:

And thou shalt make upon the
breastplate two rings of gold, and
shalt put the two rings on the two
ends of the breastplate.

וְתַעֲבֵיד עַל חוּשְׁנָא תַּרְתֵּין עִזְקָן דִּדְהַב וְתִּמֵּין יָת תַּרְתֵּין עִזְקָתָא עַל הְּבֵין סִטְבִי חוּשָׁנַא:

ַ וְעָשָּׁיתָ עַל־הַחְשֶׁן שְׁתֵּי מַבְּעִוֹת זְהָב וְנָתַהָּ אֶת־שְׁתֵּי הַמַּבְּעוֹת עַל־שְׁנֵי קַצְּוֹת הַחְשֶׁן:

And thou shalt put the two
wreathen chains of gold on the two
rings at the ends of the breastplate.

וְתִּתֵּין יָת תַּרְתֵּין גְּדִילָן דִּדְהַב עַל תַּרְתֵּין עִזְקָתָא בְּסִטְרֵי תוּשָׁנָא:

וְנָתַהָּה אֶת־שְׁתֵּי עֲבֹתַת הַזְּהָב עַל־שְׁתֵּי הַשַּבְּעֵת אֶל־קְצִוֹת החשו:

(17) ומלאת בו. על שם שהאבנים ממלאות גומות המשבצות המתוקנות להן, קורא אותן בלשון מלואים:

(20) משבצים זהב. יהיו הטורים במלואותם, מוקפים משבצות זהב בעומק שיעור שיתמלא בעובי האבן, זהו לשון במלואותם, כשיעור מלוי עביין של אבנים יהיה עומק המשבצות, לא פחות ולא יותר:

(21) איש על שמו. כסדר תולדותם סדר האבנים, אודם לראובן, פטדה לשמעון, וכן כלם:

(22) על החושן. בשביל החשן, לקבעם בטבעותיו, כמו שמפורש למטה בענין: שרשת. לשון שרשי אילן, המאחיזין לאילן להאחז ולהחקע בארץ, אף אלו יהיו מאחיזין לחשן, שבהם יהיה תלוי באפוד, והן שתי שרשרות האמורות למעלה בענין המשבצות, ואף שרשרות פתר מנחם בן סרוק לשון שרשים, ואמר שהרי"ש יתירה, כמו מ"ם שבשלשום, ומ"ם שביקם, ואיני רואה את דבריו, אלא שרשרת בלשון עברית כשלשלת בלשון משנה: גבלת. הוא מגבלות האמור למעלה, שתחקעם בטבעות שיהיו בגבול החשן, וכל גבול לשון קצה, אשומי"ל בלע"ז מעשה עבות. מעשה קליעה:

(23) על החושן. לזורך החושן, כדי לקבעם בו. ולא יתכן לומר שחהא חחלת עשייתן עליו, שאם כן מה הוא שחוזר ואומר ונתח את שתי הטבעות, והלא כבר נתונים בו, היה לו לכתוב בתחלת המקרא, ועשית על קלות החשן שתי טבעות זהב, ואף בשרשרות לריך אתה לפתור כן: על שני קצות החושן. לשתי פאות שכנגד הלואר לימנית ולשמאלית הבאים מול כתפות האפוד:

(24) ונתתה את שתי עבותות הזהב. הן הן שרשות גבלות הכתובות למעלה, ולא פירש מקום קבוען בחשן, עכשיו מפרש לך שיהא תוחב אותן בטבעות, ותדע לך שהן הן הראשונות, שהרי בפרשת אלה פקודי לא הוכפלו: And the other two ends of the two wreathen chains thou shalt put on the two settings, and put them on the shoulder-pieces of the ephod, in the forepart thereof.

And thou shalt make two rings of gold, and thou shalt put them upon the two ends of the breastplate, upon the edge thereof, which is toward the side of the ephod inward.

And thou shalt make two rings of gold, and shalt put them on the two shoulder-pieces of the ephod underneath, in the forepart thereof, close by the coupling thereof, above the skilfully woven band of the ephod.

27

And they shall bind the breastplate by the rings thereof unto the rings of the ephod with a thread of blue, that it may be upon the skilfully woven band of the ephod, and that the breastplate be not loosed from the ephod. וְיָת תַּרְתֵּין גְּדִילָן דְעַל תְּרֵין סִטְרוֹהִי תִּתֵּין עַל תַּרְתֵּין מָרַמְצָתָא וְתִתֵּין עַל כִּתְבֵּי אַפּוֹהָי:

וְתַעֲבֵיד תַּרְתֵּין עִזְקּן דִּדְתַב וּרְשַׁנֵּי יָתְהוֹן עַל תְּבֵין סִטְבִי חוּשְׁנָא עַל סִפְתֵיה דְּלְעִבְרָא דָּאִיפּוֹדָא לְגֵיו:

וְתַאֲבֵיד תַּרְתֵּין עִזְקּן דְּדְהַב וְתִתֵּין יָתְהוֹן עַל תְּבֵין כִּתְפֵּי אַפּוֹהִי לְקֵבֵיל בֵּית לוֹפִי מַעְלָנֵי לְהִמְיַן אֵיפּוֹדָא:

יַנְיחֲדוּן יָת חוּשְׁנָא מֵעִזְקְתֵיה אֵיפוֹדָא וְלָא יִתְפָּרֵק חוּשְׁנָא מֵעְלָנִי אֵיפוֹדָא בְּחוּשְׁגִּא מֵעְלָנִי אֵיפּוֹדָא: וְאֵת שְׁתֵּי קצות שְׁתֵּי הָאֲבֹתת תְתֵּן עַל-שְׁתֵּי הַמִּשְׁבְּצִוֹת אֶל-מִוּל פָּנֵיו:

וְעָשִּׁיתְ שְׁתֵּי מַבְּעַוֹת זָהָב וְשַּׂמְתְּ אֹלֶם עַל־שְׁנֵי קְצְּוֹת הַחְשׁן עַל־ שָׁפָתוֹ אֲשֶׁר אֶל־עֵבֶר הָאֵפִּוֹד) בַּיִתָה:

וְעָשִּׁיתָ שְׁתֵּי טַבְּעַוֹת זָהָבֹּ וְנָתַתְּה אֹתָם עַל־שְׁתֵּי כִתְפֹּוֹת הָאֵפָּוֹד מִלְּמַשְׁה מִמְּנִּל בְּּנְיוּ לְעָמַת מַחְבַּרְתִּוֹ מִמַּעַל לְחַשֶׁב האפור:

וְיִרְכְּסֵוּ אֶת־הַּחֲשֶׁן מְשַּבְּעֹתְּוּ אֶל־שַבְּעָת הָאֵפּוֹד בִּפְתַיל הְלֵלֶת לְהְיֻוֹת עַל־חֵשֶׁב הָאֵפְוֹד וְלָא־יִזַּח הַחִּשֶׁן מֵעָל הָאֵפִּוֹד:

- (25) ואת שתי קצות. של שתי העבותות, ב' ראשיהם של כל אחת ואחת: תתן על שתי המשבצות. הן הן הכתובות למעלה בין פרשת החשן ופרשת האפוד, ולא פירש את לרכן ואת מקומן, עכשיו מפרש שיתקע בהן ראשי העבותות התחובות בטבעות החשן לימין ולשמאל אלל הלואר, שני ראשי שרשרות הימנית מוקע במשבלות של ימין, וכן בשל שמאל שני ראשי שרשרות השמאלית: ונתתה. המשבלות על כתפות האפוד, אחת בזו ואחת בזו, נמלאו כתפות האפוד מחזיקין את החשן שלא יפול ובהן הוא חלוי, ועדיין שפת החשן התחחונה הולכת ובאה, ונוקשת על כריסו ואינה דבוקה לו יפה, לכך הולרך עוד ב' טבעות לתחתיתו, כמו שמפרש והולך: אל מול פביו. של אפוד, שלא יתן המשבלות בעבר הכתפות שכלפי המעיל, אלא בעבר העליון שכלפי החוץ, והוא קרוי מול פניו של אפוד, כי אותו עבר שאינו נראה אינו קרוי פנים:
- (26) על שני קצות החושן. הן שתי פאותיו התחחונות לימין ולשמאל: על שפתו אשר אל עבר האפוד ביתה. הרי לך שני סימנין, האחד שיתנס בשני קלות של תחתיתו, שהוא כנגד האפוד, שעליונו אינו כנגד האפוד, שהרי סמוך ללואר הוא, והאפוד נחון על מתניו, ועוד נתן סימן, שלא יקבעם בעבר החושן שכלפי החוץ, אלא בעבר שכלפי פנים, שנאמר ביתה, וחאתו העבר הוא ללד האפוד, שחשב האפוד חוגרו לכהן, ונקפל הסינר לפני הכהן על מתניו, וקלת כריסו מכאן ומכאן עד כנגד קלות החשן, וקלותיו שוכבין עליו:
- (27) על שתי כתפות האפוד מלמטה. שהמשצלות נתונות צראשי כתפות האפוד העליונים, הצאים על כתפיו כנגד גרונו ונקפלות ויורדות לפניו, והטצעות לוה ליתן צראשן השני שהוא מחוצר לאפוד, והוא שנאמר לעומת מחצרתו, סמוך למקום חצורן באפוד למעלה מן החגורה מעט, שהמחצרת לעומת החגורה, ואלו נתונים מעט בגוצה זקיפת הכתפות, הוא שנאמר ממעל לחשב האפוד, והן כנגד סוף החשן, ונותן פתיל תכלת באותן הטצעות ובטצעות החשן, ורוכסן באותו פתיל לימין ולשמאל, שלא יהא תחתית החשן הולך לפנים וחוזר לאחור ונוקש על כריסו, ונמצא מיושב על המעיל יפה: ממוד פביו. בעבר החילון:
- (28) וירכסו. לשון חצור, וכן מַרָכְסֵי אִישׁ (תהלים לא, כא), חצורי חצרי רשעים. וכן וְהְרְכָסִים לְבִּקְעָה (ישעיה מ, ד),

And Aaron shall bear the names of the children of Israel in the breastplate of judgment upon his heart, when he goeth in unto the holy place, for a memorial before the LORD continually.

And thou shalt put in the breastplate of judgment the Urim
and the Thummim; and they shall be upon Aaron's heart, when he goeth in before the LORD; and Aaron shall bear the judgment of the children of Israel upon his heart before the LORD continually.

And thou shalt make the robe of the ephod all of blue.

And it shall have a hole for the head in the midst thereof; it shall have a binding of woven work round about the hole of it, as it were the hole of a coat of mail that it be not rent.

And upon the skirts of it thou shalt
make pomegranates of blue, and of
purple, and of scarlet, round about
the skirts thereof; and bells of gold
between them round about:

וְיִפוֹל אַהָרן יָת שְׁמָהָת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל בְּחֹשֶׁן דִּינָא עַל לְבֵּיה בְּמֵיעֲלֵיהּ לְקוּרְשָׁא לְדוּכְרָנָא קֵּדָם יְיָ תְּדִירָא:

וְתִתֵּין בְּחֹשֶׁן דִּינָא יָת אוּרַיָּא וְיָת תּוּמִּיָּא וִיהוֹן עַל לִבָּא וְיִפוֹל אַהֲרֹן יָת דִּין בְּנֵי יִשְׂרָאֵל עַל לְבֵּיה קֶּדָם יְיָ תִּדִירָא:

וְתַעֲבֵיד יָת מְעִיל אֵיפּוֹדָא גָמִיר תַּכִלָא:

ויהֵי פּוּמֵיה כְּפִּיל לְגוֵיה תּוּרָא יְהֵי מַקַּף לְפּוּמֵיה סְחוֹר סְחוֹר עוֹבָד מָחֵי כְּפוֹם שִׁרְיָן יְהֵי לֵיה דִּלָא יִתִּבִּזַע:

וְתַעֲבֵיד עַל שָׁפּוֹלוֹהִי רְמּוֹנֵי תַּכְלָא וְאַרְגְּנָגָּא וּצְבַע זְהוֹרִי עַל שָׁפּוֹלוֹהִי סְחוֹר סְחוֹר וְזַגִּין דְּרָב בֵּינֵיהוֹן סְחוֹר סְחוֹר:

וְנְשֵּׂא אַהַרֿן אֶת־שְׁמֹוֹת בְּגֵי־ יִשְּׂרָאֵל בְּחַשֶּׁן הַמִּשְׁפָּט עַל־לִבְּוֹ בְּבֹאַוֹ אֶל־הַקָּׁדָשׁ לְזִכְּרָן לִפְּגִי־ יִהוָה תַּמִיד:

וְנָתַהְּ אֶל־חֲשֶׁן הַמִּשְׁפָּׁט אֶת־ הָאוּרִים וְאֶת־הַתְּמִּים וְהִיוּ עַל־ לֵב אַהֲרֹן בְּבֹאִוֹ לִפְנֵי יְהוֹּה וְנָשְׂא אַהֲרֹן אֶת־מִשְׁפַּׁט בְּנִי־ יִשְׂרָאֵל עַל־לִבָּוֹ לִפְנֵי יְהוָה תִּמִיר: (ס)

, וְעָשֶּׂיתָ אֶת־מְעֵיל הָאֵפּוֹד כְּלֵיל הַ תַּכֵלַת:

וְהָיֵה פִּי־ראַשְּוֹ בְּתוֹכִוֹ שָּׁפְּׁה יִהְיֶה לְפִּיו סְבִיב מַצְשֵּׁה אֹרֵג כְּפִי תַחְרָא יְהְיֶה־לִּוֹ לְא יִפְּרֵעַ:

וְעָשֵּׁיתָ עַל־שׁוּלָיו רְמּנֵי הְבֶּלֶת וְ הַבְּיב וּפַּצְמֹנֵי זְהֶב בְּתוֹלֶם יְ סביב:

הרים הסמוכים זה לזה, שאי אפשר לירד לגיא שביניהם אלא בקושי גדול, שמתוך סמיכתן הגיא זקופה ועמוקה, יהיו לבקעת מישור ונוחה לילך: להיות על חשב האפוד. להיות החשן דבוק אל חשב האפוד: ולא יזח. לשון ניתוק, ולשון ערבי הוא כדברי דונש בן לברט:

(30) האורים ואת התמים. הוא כתב שם המפורש שהיה נותנו בתוך כפלי החשן, שעל ידו הוא מאיר דבריו ומתמם את דבריו (יומא עג:). ובמקדש שני היה החשן, שאי אפשר לכהן גדול להיות מחוסר בגדים, אבל אותו השם לא היה בתוכו, ועל שם אותו הכתב הוא קרוי משפט, שנאמר וְשָׁאַל לוּ בְּמִשְׁפַּט הָאוּרִים (במדבר כז, כא): את משפט בני ישראל. דבר שהם נשפטים ונוכחים על ידו אם לעשות דבר או לא לעשות. ולפי המדרש אגדה, שהחשן מכפר על מעוותי הדין נקרא משפט, על שם סליחת המשפט:

(31) את מעיל האפוד. שאפוד ניתן עליו לחגורה: כליל תכלת. כולו חכלת, שאין מין אחר מעורצ בו:

(32) והיה פי ראשו. פי המעיל בגבהו, הוא פתיחת ביח הלואר: בתוכו. כתרגומו בְּפִיֹל לְבֵוֵיהּ, כפול לחוכן, להיות לו לשפה כפילחו, והיה מעשה אורג ולא במחט: כפי תחרא. למדנו שהשריונים שלהם פיהם כפול לחוכן: לא יקרע. כדי שלא יקרע, והקורעו עובר בלאו, שזה ממנין לאוין שבתורה, וכן לא יַאַח הַחשָׁן, וכן לא יָסְרוּ מִמֶּנוּ (שמות כה, טו), הנאמר בבדי הארון:

(33) רמוני. עגולים וחלולים היו, כמין רמונים העשויים כבלת תרנגולת: ופעמוני זהב. זגין עם עַנְבָּלִין שבתוכס: בתוכם סביב. ביניהם סביב, בין שני רמונים פעמון אחד, דבוק וחלוי בשולי המעיל: a golden bell and a pomegranate, a
golden bell and a pomegranate,
upon the skirts of the robe round

And it shall be upon Aaron to minister; and the sound thereof shall be heard when he goeth in unto the holy place before the LORD, and when he cometh out, that he die not.

And thou shalt make a plate of pure gold, and engrave upon it, like the engravings of a signet: HOLY TO THE LORD.

And thou shalt put it on a thread of
37 blue, and it shall be upon the mitre;
upon the forefront of the mitre it
shall be.

And it shall be upon Aaron's forehead, and Aaron shall bear the iniquity committed in the holy things, which the children of Israel shall hallow, even in all their holy gifts; and it shall be always upon his forehead, that they may be accepted before the LORD.

זַגָּא דְּדַהְבָּא וְרִמּוֹנָא זַגָּא דְדַהְבָּא וְרִמּוֹנָא עַל שִׁפּוֹלֵי מעילא סחור סחור:

יִיהֵי עַל אַהָרֹן לְשַׁמְּשְׁא וְיִשְׁתְּמַע קָלֵיהּ בְּמֵיעֲלֵיהּ לְקוּדְשָׁא לִקְדָם יְיָ וּבְמִפְּקֵיהּ ולא ימוּת:

וְתַשְּבֵיד צִיצָא דִּדְהַב דְּכֵי וְתִגְלוֹף עֲלוֹהִי כְּתָב מְפְּרַשׁ לִדָשׁ לִייַ:

וּתְשַׁנֵּי יָתֵיהּ עַל חוּמָא דּתְכִילְתָא וִיהֵי עַל מַצְנַפְּתָּא לָקֶבֵיל אַפֵּי מַצְנַפְּתָא יְהֵי:

וִיהֵי עַל בֵּית עֵינוֹהִי דְאַהָּרֹן וְיִפּוֹל אַהָּרֹן יָת עֲוְיָת קּוּרְשַׁיָּא דְיַקְּדְשׁוּן בְּנֵי יִשְׂרָאֵל לְכל מַתְּנָת קּוּרְשֵׁיהוֹן וִיהֵי עַל בֵּית עֵינוֹהִי תְּדִירָא לְרַעֲוָא לְהוֹן קדם יי: יָהְבֹּ וְרָמֵּוֹן מָקָבֹ וְרָמֹּוֹן בְּעֲמָּוֹן זְהָב -וִרְמֵּוֹן עַל־שׁוּלֵי הַמְּעָיל סְבִיב:

וֶהְיֶה עַל־אַהַרְן לְשְׁרֵת וְנִשְׁמַע קולו בְּבֹאוֹ אֶל־הַפֹּדֶשׁ לִפְּנֵי יְהוָּה וּבְצֵאתִוֹ וְלְאׁ יָמִוּת: (ס)

ַ וְעָשֵׂיתָ צִּיץ זְהָב טָהֵוֹר וּפִּתַּחְהֵּ אַלְיוֹ פָּתּוּחֵי חֹתָם לְּדֶשׁ לִיהֹוָה:

ְוְשַׂמְהֶ אֹתוֹ עַל־פְּתֵיל הְבַּׁלֶת וְהָיָה עַל־הַמִּצְנָפֶת אֶל־מִוּל פִּנִי־הַמִּצִנָפֵת יִהְנֵה:

וְהָיָה´ עַל־מַצַח אַהַרֹן וְנְשָּׁא אַהַרֹן אֶת־עֲנֹן הַקֶּדְשִׁים אֲשֶׁר יַקְדִּישׁוּ בְּנֵי יִשְּׁרָאֵל לְכֶל־מַתְּנָת קְרְשֵׁיהֶם וְהָיָה עַל־מִצְחוֹ תְּמִיד לִרַצִּוֹן לַהָם לִפְנֵי יִהנֵה:

- (34) פעמון זהב ורמון וגר׳. פעמון זהב ורמון אללו:
- (35) ולא ימות. מכלל לאו אתה שומע הן, אם יהיו לו לא יתחייב מיתה, הא אם יכנס מחוסר אחד מן הבגדים הללו, חייב מיתה בידי שמים:
 - (36) ציץ. כמין טס של זהב היה, רוחב ב' אלבעות, מקיף על המלח מארון לאוון (סוכה ה:):
- (37) על פתיל תכלת. ובמקום אחר הוא אומר, וַיִּשְנוּ שָלָיו פְּחֵיל מְבֹשׁ (שמוח לט, לא), ועוד, כחיב כאן והיה על המלנפת, ולמטה הוא אומר והיה על מלח אהרן, ובשחיטת קדשים שנינו (זבחים יט::), שערו היה נראה בין ליך למלנפת ששם מניח תפלין, למדנו שהמלנפת למעלה בגובה הראש, ואינה עמוקה להכנס בה כל הראש עד המלח, והליך מלמטה, והפחילים היו בנקבים, וחלויין בו בשני ראשים ובאמלעו, ששה בג'מקומות הללו, פחיל מלמעלה אחד מבחוץ ואחד מבפנים כנגדו, וקושר ראשי הפחילים מאחורי העורף שלשחן, ונמלאו בין אורך הטם ופתילי ראשיו מקיפין את הקדקד, ופתיל האמלעי שבראשו קשור עם ראשי השנים, והולך על פני רוחב הראש מלמעלה, נמלא עשוי כמין כובע, ועל פתיל האמלעי הוא אומר והיה על המלנפת, והיה נותן הליך על ראשו כמין כובע על המלנפת, והפתיל האמלעי מחזיקו שאינו נופל, והטם חלוי כנגד מלחו, ונתקיימו כל המקראות, פתיל על הליץ, וליץ על הפתיל, ופתיל על המלנפת מלמעלה:
- (38) ונשא אהרן. לשון סליחה, ואף על פי כן אינו זו ממשמעו, אהרן נושא אח המשא של עון, נמצא מסולק העון מן הקדשים: את עון הקדשים. לרצות על הדם ועל החלב שקרבו בטומאה, כמו ששנינו (מנחות כה.), אי זה עון הוא נושא, אסרי אם עון פגול הרי כבר נאמר לא ירצה, ואם עון נותר הרי נאמר לא יחשב, ואין לומר שיכפר על עון הכהן שהקריב טמא, שהרי עון הקדשים נאמר, ולא עון המקריבים, הא אינו מרצה אלא להכשיר הקרבן: והיה על מצחו תמיד. אי אפשר לומר שיהא על מצחו ממיד, שהרי אינו עליו אלא בשעת העבודה, אלא ממיד לרצות להם, אפילו אינו על מצחו, שלא היה כהן גדול עובד באותה שעה, ולדברי האומר עודהו על מצחו מכפר ומרצה, ואם לאו אינו מרצה, נדרש על מצחו ממיד, מלמד שממשמש בו בעודו על מצחו, שלא יסיח דעתו ממנו:

And thou shalt weave the tunic in chequer work of fine linen, and thou shalt make a mitre of fine linen, and thou shalt make a girdle, the work of the weaver in colours.

And for Aaron's sons thou shalt make tunics, and thou shalt make for them girdles, and head-tires shalt thou make for them, for splendour and for beauty.

And thou shalt put them upon Aaron thy brother, and upon his sons with him; and shalt anoint them, and consecrate them, and sanctify them, that they may minister unto Me in the priest's office.

And thou shalt make them linen breeches to cover the flesh of their nakedness; from the loins even unto the thighs they shall reach.

And they shall be upon Aaron, and upon his sons, when they go in

43 unto the tent of meeting, or when they come near unto the altar to minister in the holy place; that they bear not iniquity, and die; it shall be a statute for ever unto him and unto his seed after him.

And this is the thing that thou

Shalt do unto them to hallow them, to minister unto Me in the priest's office: take one young bullock and two rams without blemish,

מְצַשֶּׁהְ רָקֵם: מִצְנֶפֶּת שֵׁשׁ וְאַבְנֵט תַּעֲשֶׂה וְתַעֲבֵיד מַצְנַפְּתָא דְּבוּצָא מָצַשֶּׁה רָקֵם: מַצַשֵּׁה רָקַם:

וְלְבָנֵי אַהַרֹן תַּצְשֶׂה כְתֵּנֹת וְלְבְנֵי אַהַרֹן תַּצְבֵיד כְּחּוּנִין וְלָשֶׁיתְ לָהֶם לְכָבְוֹד וְקוֹבְעִין תַּצְבֵיד לְהוֹן וּמִגְבָּעוֹת תַּצְשֶׁה לָהֶם לְכָבְוֹד וְקוֹבְעִין תַּצְבֵיד לְהוֹן וּלתפּארת:

וְתַלְבֵּישׁ יָתְהוֹן יָת אַהָּרֹן אֲחוּךְ וְיָת בְּנוֹהִי עִמֵּיה וּתְרַבֵּי יִתְהוֹן וּתְקָבִיב יָת קוּרְבְּנְהוֹן וּתְקַבִּישׁ יתהוֹן וישמשוּן קדמי: וְהַלְבַּשְׁתָּ אֹתִם אֶת־אַהֲרָן אָחִידְ וּמָלֵאתָ אֶת־יִדָּם וְקַדִּשְׁתָּ אֹתָם וֹכִהנוּ לִי: וֹכִהנוּ לִי:

וַצְבֵיד לְהוֹן מִכְנְסִין דְּבוּץ לְכַפָּאָה בְּשֵׂר עֶרְיָא מֵחַרְצִין וַעַר יִרְכָן יִהוֹן:

ַנְצְשָּׁה לָהֶם מִכְנְסֵי־בָּד לְכַסָּוֹת בְּשַּׁר עֶרְוָה מִמְּתְנֵיִם וְעַד־ יְרֵכַיִם יִהְיְוֹּ:

ייהון על אַהֲרֹן וְעֵל בְּנוֹהִי בְּמֵיעַלְהוֹן לְמַשְׁכֵּן וִמְנָא אוֹ בְמִקְרַבְהוֹן לְמַדְבְּחָא לְשַׁמְשְׁא בְּקוּדְשָׁא וְלָא יְמַבְּלוֹן חוֹבָא וְלָא יְמוּתוּן מְיָם עָלַם לֵיה וִלְבנוֹהִי בָּתְרוֹהִי:

וְהָיוּ עַר־אַהָרן וְעַל־בָּנְיוֹ וְ בְּבֹאָםוּ אֶל־תַּמִּזְבֵּתַ לְשְׁרֵת יּ בַּלֶּדֶשׁ וְלֹא־יִשְׁאִוּ עָיָן וְמָתְוּ יִּ תַּקָּת עוֹלֶם לְוֹ וּלְזַרְעוֹּ יְ תַּקָּת יוֹלֶם לְוֹ וּלְזַרְעוֹּ יְּ הַחֲרֵיו: (ס)

וְדֵין פָּתְגָמָא דְּתַעֲבֵיד לְהוֹן לְפַדָּשָׁא יָתְהוֹן לְשַׁמְשָׁא פֶדָמִי סָב תּוֹר חַד בַּר תּוֹבֵי וְדְכְרִין תָּבֵין שֵׁלִמִין:

וְזֶּה הַדְּבָּר אֲשֶׁר־תַּצְשֶׂה לְהֶם יִּשֹׁ לְקַדֵּשׁ אֹתָם לְכַהַן לִי לְקַח פַר אֶחָד בָּן־בָּקֶר וְאֵילִם שְׁנַיִם תמימם:

- (39) ושבצת. עשה אותם משכלות משכלות, וכולם של שש:
- (40) ולבני אהרן תעשה כתנת. ארצעה בגדים הללו ולא יותר, כתונת, ואבנט, ומגבעות היא מלנפת, ומכנסים הכתובים למטה בפרשה:
- (41) והלבשת אותם את אהרן. אותם האמורין באהרן, חשן, ואפוד, ומעיל, וכתונת תשבץ, מלנפת, ואבנט, וליץ, ומכנסים, הכתובים למטה בכולם: ואת בניו אתו. אותם הכתובים בהם: ומשחת אותם. את אהרן ואת בניו בשמן המשחה: ומלאת את ידם. כל מלוי ידים לשון חנוך, כשהוא נכנס לדבר להיות מוחזק בו מאותו יום והלאה, ובלשון לע"ז, כשממנין אדם על פקודת דבר, נותן השליט בידו בית יד של עור שקורין גוואנ"טו, ועל ידו הוא מחזיקו בדבר, וקורין לאותו מסירה וויר"סטיר, והוא מלוי ידים:
 - (42) ועשה להם. לאהרן ולבניו: מכנסי בד. הריח' בגדים לכהן גדול וארבעה לכהן הדיוט:
- (43) והיו על אהרן. כל הצגדים האלה, על אהרן הראויין לו: ועל בניו. האמורין צהם: בבואם אל אהל מועד. להיכל וכן למשכן: ומתו. הא למדת, שהמשמש מחוסר צגדים, צמיתה: חקת עולם לו. כל מקום שנאמר חקת עולם, סוא גזירה מיד ולדורות לעכב צו:

and unleavened bread, and cakes
unleavened mingled with oil, and
wafers unleavened spread with oil;
of fine wheaten flour shalt thou
make them.

And thou shalt put them into one basket, and bring them in the basket, with the bullock and the two rams.

And Aaron and his sons thou shalt
bring unto the door of the tent of
meeting, and shalt wash them with
water.

And thou shalt take the garments, and put upon Aaron the tunic, and the robe of the ephod, and the ephod, and the breastplate, and gird him with the skilfully woven band of the ephod.

- And thou shalt set the mitre upon his head, and put the holy crown upon the mitre.
- Then shalt thou take the anointing oil, and pour it upon his head, and anoint him.
- And thou shalt bring his sons, and put tunics upon them.

יַלֶּחֶם מַצִּּוֹת וְחַלָּת מַצִּתֹ וּלְחֵים פַּטִיר וּגְרִיצָן פַּטִירָן בְּלְשַׁח סֹלֶת בְּשֶׁמֶן וּרְקִיקֵי מַצִּוֹת דְּפִילָן בִּלְשַׁח סֹלֶת מְשָׁח סֹלֶת בְּשָׁמֶן וּרְקִיקֵי מַצִּוֹת דְּפִילָן בִּלְשִׁח סֹלֶת מְשָׁח סֹלֶת מַצְּיִם פַּטִירִין דִּלְשִׁח סֹלֶת מַצְּיִם בַּשְׁמֶן וּרְקִינִן כְּלְשֵׁח סֹלֶת מַצְּיִם בִּשְׁמֶן וּרְקִינִן:

וְתִּמֵין יָתְהוֹן עַל סַלְּא חַד וּתְקָבִיב יְתְהוֹן בְּסַלָּא וְיָת תוֹרָא וְיָת תְּבִין דִּכְרִין:

ְוְנָתַתָּ אוֹתָם עַל־סַל אֶּחָד וְרִ וְהַקְרַבְתָּ אֹתָם בַּסְּל וְאֶּת־הַפְּּר וּרְ וְאָת שָׁנֵי הָאֵילָם:

וְיָת אַהֶרן וְיָת בְּנוֹהִי תְּקְרֵיב לְתְרַע מַשְּׁכֵּן זִמְנָא וְתַסְחֵי יִתְהוֹן בְּמַיָּא:

ְוְאֶת־אַהַּרָן וְאֶת־בְּנְיוֹ תַּקְרִיב אֶל־בֶּתַח אָׁהֶל מוֹעֵד וְרָחַצְתָּ אֹתַם בָּמַיִם:

וְתַּפַב יָת לְבוּשַׂיָּא וְתַלְבֵּישׁ יָת אֲהָרֹן יָת כִּתּוּנְא וְיָת מְעִיל אֵיפּוֹדָא וְיָת אֵיפּוֹדָא וְיָת חוּשְׁנָא וְתַתְּקֵין לֵיהּ בְּהִמְיַן אֵיפּוֹדָא:

וְלְקַחְתָּ אֶת־הַבְּגְדִּים וְהַלְבַּשְׁתָּ אֶת־אַהַרֹן אֶת־הַכָּחּנֶת וְאֵת מְעֵיל הָאֵפִּר וְאֶת־הָאֵפְּר וְאֶת־הַחְשֶׁן וְאָפַּרְתָּ לוֹ בְּחֵשֶׁב האפֹר:

ושמת המצנפת על-ראשו ונתת

אָת־נָזֵר הַקּדשׁ על

ּוּתְשַׁנֵי מַצְנַפְּתָּא עַל בִישֵׁיה וְתִתֵין יָת כְּלִילָא דְּקוּדְשָׁא עַל מצנפתא:

וֹגַבְּלָתָ עַל־ראַשֶׁוּ וּמְשַׁחְתָּ אֹתְוּ: וּתְרִיקּ עַל בישֵׁיה וּתְרַבּּ וֹלֶלַקַחְתָּ אֶת־שֶׁמֶן הַמִּשְׁחְתָּ אֹתְוֹ: יְתִיהִּ עַל בישֵׁיה וּתְרַבּּ

וְיָת בְּנוֹהִי מְּקְרֵיב וְתַלְבֵּישִׁנּוּן בָּתוּנִין:

ּ וְאֶת־בָּנָיו תַּקְרֵיב וְהִלְבַּשְׁחָם וְיְ כּתנת:

- (1) לקח. כמו קח, ושתי גזרות הן, אחת של קיחה ואחת של לקיחה, ולהן פתרון אחד: פר אחד. לכפר על מעשה העגל שהוא פר:
- (2) ולחם מצות וחלת מצת ורקיקי מצות. הרי אלו ג' מינין, רצוכה, וחלות, ורקיקין. לחם מלות היא הקרויה למטה בענין חלת לחם שמן, על שם שנותן שמן ברצוכה כנגד החלות והרקיקין, וכל המינין באים עשר עשר חלות (מנחות עו.): בשמן. כשהן המח, יולק בהן שמן וצוללן (שם עה.): משחים בשמן. אחר אפייתן מושחן כמין כ"ף יונית שהיא עשויה כנו"ן שלנו (שם):
 - (3) והקרבת אותם. אל חלר המשכן ביום הקמתו:
 - (4) ורחצת. זו טבילת כל הגוף:
 - (5) ואפדת. קשט ותקן החגורה והסינר סביבותיו:
- (6) גזר הקדש. זה הלין: על המצגפת. כמו שפירשתי למעלה, על ידי הפתיל האמלעי ושני פתילין שבראשו הקשורין שלשתן מאחורי העורף, הוא נותנו על המלנפת כמין כובע:
 - (7) ומשחת אותו. אף משיחה זו כמין כ"ף יונית, נותן שמן על ראשו, ובין ריסי עיניו, ומחברן באלבעו:

And thou shalt gird them with girdles, Aaron and his sons, and bind head-tires on them; and they shall have the priesthood by a perpetual statute; and thou shalt consecrate Aaron and his sons.

And thou shalt bring the bullock before the tent of meeting; and Aaron and his sons shall lay their hands upon the head of the bullock.

And thou shalt kill the bullock

before the LORD, at the door of the tent of meeting.

And thou shalt take of the blood of the bullock, and put it upon the horns of the altar with thy finger; and thou shalt pour out all the remaining blood at the base of the altar.

And thou shalt take all the fat that covereth the inwards, and the lobe above the liver, and the two kidneys, and the fat that is upon them, and make them smoke upon the altar.

But the flesh of the bullock, and its skin, and its dung, shalt thou burn with fire without the camp; it is a sin-offering.

Thou shalt also take the one ram; and Aaron and his sons shall lay their hands upon the head of the ram. וּתְזֶבֵיז יָתְהוֹן הִמְיָנֵין אַהֲרֹן וּבְנוֹהִי וְתַּתְּקֵין לְהוֹן קּוֹבְעִין וּתְהֵי לְהוֹן כְּהוּנְּתָא לִקְיָם עָלָם וּתְקָבֵיב קוּרְבָּנָא דְאַהֲרֹן וֹקוּרבּנָא דבנוֹהי:

וּתְקָבִיב יָת תּוֹרָא לִקְּדָם מַשְּׁבָּן זִמְנָא וְיִסְמוֹךְ אֲהָרֹן וּבְנוֹהִי יָת יְדֵיהוֹן עַל בִישׁ תּוֹרא:

וְתִבּוֹס יָת תּוֹרָא מֶדָם יְיָ בִּתְרַע מַשְׁכַּן זִּמְנָא:

וְתַּסָב מָדְּמָא דְּתוֹרָא וְתִּתֵּין עַל קַרְנָת מַדְבְּחָא בְּאֶצְבְּעְדְ וְיָת כָּל דְּמָא תִּשְׁפּוֹדְ לִיסוֹדָא דְמַדְבָּחָא:

וְתַּפַב יָת כָּל תַּרְבָּא דְּחָפֵּי יָת נַּיָּא וְיָת חַצְרָא דְּעַל כַּבְדָּא וְיָת תַּרְתֵּין כּוֹלְיָן וְיָת תַּרְבָּא דַּעֲלֵיהוֹן וְתַפֵּיק לְמַדְבְּחָא:

וֹיָת אוּכְלֵיהּ תּוֹקֵיד בְּנוּרָא מִבַּרָא לְמַשְׁרִיתָא חַפְּאתָא הוּא:

וְיָת דִּכְרָא חַד תִּסַּב וְיִסְמְכוּן אַהֵּרֹן וּבְנוֹהִי יָת יְדִיהוֹן עַל בִישׁ דְּכִרָא: וְחָגַרְתָּ אֹלָם אַבְנֵט אַהַרַן וּבְנִיו וְחָבַשְׁתֵּ לְהֶם מִּנְבָּעת וְהִיְתָה לָהֶם בְּהֻנָּה לְחֻקֵּת עוֹלְם וִמִלֵּאתְ יִד־אַהַרָן וְיַד־בָּגַיו:

ְ וְהִקְּרַבְתָּ אֶת־הַפֶּּר לִפְנֵי אָהֶל מוֹצֵד וְסָמַּך אֲהַרָן וּבְנָיו אֶת־ יְדִיהֶם עַל־רָאשׁ הַפֶּר:

ַ וְשָׁחַטְתֵּ אֶת־הַפֶּר לִפְנֵי יְהוָֹהְ בָּתַח אָהֶל מוֹעֵר:

וְלֶקַחְתָּ מִדֵּם הַפָּּר וְנָתַתָּה עַל־כַּרְנָת הַמִּזְבָּח בְּאֶצְבָּעֶךְ וְאֶת־כְּל-הַדָּם תִּשְׁפַּׁךְ אֶל־יְסִוֹד המזבח:

ְּלְקַחָהָּ אֶת־כְּלֵּר וְאֵת הַיְּעֶרֶת עַל־הַכְּבֵּר וְאֵת שְׁתֵּי הַּיְּעֶרֶת עַל־הַכְּבֵר וְאֵת שְׁתֵּי הַכְּלִית וְאֶת־הַחֻלֶּב אֲשֶׁר עַלִּיהָן וְהִקְּשַּרְתָּ הַמִּוְבֵּחָה:

ַלְמַּחֲנֶת הַשָּּלֵר בְּאֵשׁ מִחָּוּץ וְאֶת־בִּּלְשׁוֹ תִּשְּׁרֵף בָּאֵשׁ מִחָוּץ וְאֶת־בִּשַׂיִר הַפָּּר בְּאֵשׁ מִחָוּץ

ְ וְאֶת־הָאָיל הָאֶחֶד תִּקֶּח וְסְׁמְכֹּוּ וְ אַהַרָּן וּבָנְיו אֶת־יְדֵיהֶם עַל־ יּ ראש האיל:

- (9) והיתה להם. מלוי ידים זה לכהונת עולם: ומלאת. על ידי הדברים החלה: יד אהרן ויד בניו. במילוי ופקודת הכהונה:
 - (11) פתח אהל מועד. נחלר המשכן שלפני הפתח:
- (12) על קרנות. למעלה, בקרנות ממש (זבחים נג.): ואת כל הדם. שירי הדם: אל יסוד המזבח. כמין בליטת בית קבול עשוי לו סביב סביב לאחר שעלה אתה מן הארץ (מדות פ"ג מ"א):
- (13) החלב המכסה את הקרב. הוא הקרום שעל הכרס שקורין טיל"א: ואת היתרת. הוא טַרְפְּשָׁא דְכַבְּדָא שקורין אינר"ש (ראטהפלייש): על הכבר. אף מן הכבד יטול עמה (ת"כג, ד):
 - (14) תשרף באש. לא מלינו חטאת חילונה נשרפת אלא זו:

And thou shalt slay the ram, and thou shalt take its blood, and dash it round about against the altar.

And thou shalt cut the ram into its pieces, and wash its inwards, and its legs, and put them with its pieces, and with its head.

And thou shalt make the whole ram smoke upon the altar; it is a burnt-offering unto the LORD; it is a sweet savour, an offering made by fire unto the LORD.

And thou shalt take the other ram; and Aaron and his sons shall lay their hands upon the head of the ram.

Then shalt thou kill the ram, and take of its blood, and put it upon the tip of the right ear of Aaron, and upon the tip of the right ear of his sons, and upon the thumb of their right hand, and upon the great toe of their right foot, and dash the blood against the altar round about.

And thou shalt take of the blood that is upon the altar, and of the anointing oil, and sprinkle it upon Aaron, and upon his garments, and upon his sons, and upon the garments of his sons with him; and he and his garments shall be hallowed, and his sons and his sons' garments with him.

וְתַכּוֹס יָת דְּכְרָא וְתַפַּב יָת דְּמֵיה וְתִזְרוֹק עַל מַדְבְּחָא סחוֹר סחוֹר:

וְיָת דִּכְרָא מְּפַּלֵיג לְאֶבְרוֹהִי וּתְחַלֵּיל גַּוֵּיה וּכְרָעוֹהִי וְתִתֵּין עַל אֵבְרוֹהִי וְעַל רֵישֵׁיה:

וְתַפֵּיק יָת כָּל דִּכְרָא לְמַדְבְּחָא עֲלְתָא הוּא קֵדָם יִיְ לְאָתְקַבְּלְא בְּרַעֲוָא קוּרְבָּנָא קֵדָם יִיְ הוּא:

וְתַפַּב יָת דִּכְרָא תִּנְיָנָא וְיִסְמוֹדְ אַהֲרֹן וּבְנוֹהִי יָת יְדֵיהוֹן עַל רֵישׁ דִּכְרָא:

וְתַכּוֹס יָת דְּכָרָא וְתַפַּב הְצְהַרֹן וְעַל רוּם אוּדְנָא הְבְנוֹהִי דְּיַמִּינָא וְעַל אִלְיוֹן יַדְהוֹן דְּיַמִּינָא וְעַל אִלְיוֹן רַגְלְהוֹן דְּיַמִּינָא וְעַל אִלְיוֹן דְּמָא עַל מַדְבָּחָא סְחוֹר סחור:

וְתִּסָּב מִן דְּמָא דְּעַל מַדְבְּחָא וּמִמִּשְׁחָא דִּרְבוּתָא וְתַדֵּי עַל אַהָרֹן וְעַל לְבוּשׁוֹהִי וְעַל בְּנוֹהִי וְעַל לְבוּשֵׁי בְנוֹהִי עִמֵּיה וְיִתְקַדַּשׁ הוּא וּלְבוּשׁוֹהִי וּבנוֹהִי וּלֹבוּשׁי בנוֹהִי עמיה: ַ וְשָׁחַשְהָּ אֶת־הָאָיֵל וְלֵקַחְהָּ אֶת־ דָּמֹוֹ וְזָרַקְתָּ עַל־הַמִּזְבָּחַ סְבִּיב:

ְוְאֶׁת־הָאֵּיִל הְּנַתֵּחַ לִּנְתָחֶיו וְרָחַצְּתָּ קִּרְבּוֹ וּכְרָעָיו וְנָתַתָּ עַל־נִתָּחָיו וְעַל־ראִשְׁוֹ:

ְ וְהִקְּטַרְתָּ הַמִּזְבָּחָה עֹלֶה הְוּא לֵיהוֹוֶה הֵיח ניחוֹם אשֵׁה לִיהוֹוָה הַוּא:

ָ, וְלָכַחְתָּׁ אָת הָאַיִל הַשֵּׁנֵי וְסְמַׁךְּ אַהְרָן וּבְנֵיו אֶת־יְדִיהֶם עַל־ רִאשׁ הַאָּיִל:

וְשְׁחַמְתָּ אֶת־הָאַׁיִל וְלֶּקּחְתָּ מִדְּמוֹ וְנְתַתְּה עַל־תְּנוּדְ אֹֹנֶן אַהָרוֹ וְעַל־כְּהָנוּךְ אָׁנֶן בְּנְיוֹ הַיְמָנִּית וְעַל־כְּהָנוּךְ אָׁנֶן בְּנְיוֹ וְעַל־בְּהָן וִדְם הַיְמָנִית וְזָרַקְתָּ אֶת־הַבָּם עַל־הַמִּזְבָּח סְבִיב:

יִבְגָיו וּבָנָיו וּבִגְדֵי בָנָיו אָתָּוֹ: עַל־בִּגְדֵי בָנָיו אָתָּוֹ וְקָדַשׁ הוּא וְעַל־בִּגְדֵי בָנָיו אָתָּוֹ וְקָדַשׁ הוּא וְעַל־בִּגְדֵי בָנָיו אִתָּוֹ וְקָדַשׁ הוּא וְלָקַחְתָּּ, מִן־הַדָּם אֲשֶׁר עַל־

- (16) וזרקת. בכלי, אוחז במזרק וזורק כנגד הקרן, כדי שיראה לכאן ולכאן, ואין קרבן טעון מתנה באצבע אלא חטאת בלבד, אבל שאר זבחים אינן טעונין קרן ולא אצבע, שמתן דמם מחצי המזבח ולמטה, ואינו עולה בכבש, אלא עומד בארץ וזורק: סביב. כך מפורש בשחיטת קדשים (זבחים נג:), שאין סביב אלא ב' מתנות שהן ארבע, האחת בקרן זוית זו, והאחת בקרן שכנגדה באלכסון, וכל מתנה נראית בשני צדי הקרן אילך ואילך, נמצא הדם נתון בד' רוחות סביב, לכך קרוי סביב:
 - (17) על נתחיו. עם נתחיו, וסף על שאר הנתחים: (18) ריח ניחוח. נחת רוח לפני, שאמרתי ונעשה רצוני: אשה. לשון אש, והיא הקטרת איברים שעל האש:
- (20) תנוך. הוא הַפְּחוּס (ת"כ מילואים כ"ה), גדר האמלעי שבתוך האוזן, שקורין טנדרו"ס: בהן ידם. הגודל, ובפרק האמלעי:

Also thou shalt take of the ram the fat, and the fat tail, and the fat that covereth the inwards, and the lobe of the liver, and the two kidneys, and the fat that is upon them, and the right thigh; for it is a ram of consecration;

תַרבַא בון תרבא ות גוַא וות חַצַר

החלב והאליה ואת־החלבו המכסה את־הקורב ואת יתרת הכבד וָאֵתוּ שָׁתֵּי הַכְּלַיֹּת וָאַת־הַחֵּלֹב' אַשר עַלִיהָו וָאָת שִׁוֹק הַיָּמֵין כֵּי איל מלאים הוא:

and one loaf of bread, and one cake of oiled bread, and one wafer, out of the basket of unleavened bread that is before the LORD.

דלחים משח חדא ואספוג חד

וַכַבָּר לֹחַם אָחַת וַחַלָּת לֹחַם וּפַתָּא דַלֹחֵים חַדַא וּגריצַתא מָסל שמו אַחַת וַרַקִּיק אַחַד

And thou shalt put the whole upon the hands of Aaron, and upon the hands of his sons; and shalt wave them for a wave-offering before the LORD.

ותשוי כולא על ידי אהרן ועל יִדִי בִנוֹהִי וּתִרִים יָתִהוֹן אֱרָמָא ושמת הכל על כפי אַהַרון ועל כפי בניו והנפת אתם תנופה

And thou shalt take them from their hands, and make them smoke on the altar upon the burnt-offering, for a sweet savour before the LORD; it is an offering made by fire unto the LORD.

וַתְּסָב יַתְהוֹן מִיַּדְהוֹן וַתְּסֵיק

ולקחת אתם מידם והקטרת ניחות לפני יהוה אשה הוא

And thou shalt take the breast of Aaron's ram of consecration, and wave it for a wave-offering before the LORD; and it shall be thy portion.

אַרמַא קדם יִי וִיהֵי לַדְּ

(22) החלב. זה חלב הדקים או הקיבה (חולין מט:): והאליה. מן הכליות ולמטה, כמו שמפורש בויקרא (ג, ט) שנאמר לעפת העצה יסירניה, מקום שהכליות יועלות, ובאמורי הפר לא נאמר אליה, שאין אליה קריבה אלא בכבש וכבשה ואיל, אבל שור ועז אין טעונים אליה: ואת שוק הימין. לא מלינו הקטרה בשוק הימין עם האמורים, אלא זו בלבד: כי איל מלואים הוא. שלמים לשון שלמות, שהושלם בכל. מגיד הכתוב שהמלואים שלמים, שמשימים שלום למזבח, ולעובד העבודה, ולבעלים לכך אני מצריכו החזה, להיות לו לעובד העבודה למנה, וזה משה ששימש במלואים, והשאר אכלו אהרן ובניו, שהם בעלים, כמפורש בענין:

(23) וככר לחם. מן החלות: וחלת לחם שמן. ממין הרצוכה: ורקיק. מן הרקיקין אחד, מעשר שבכל מין ומין. ולא מלינו תרומת לחם הבא עם זבת נקטרת, אלא זו בלבד, שתרומת לחמי חודה ואיל נזיר נתונה לכהנים עם חזה ושוק, ומזה לא היה למשה למנה. אלא חזה בלבד:

(24) על כפי אהרן וגר׳ והגפת. שניהם עסוקין בתנופה, הבעלים והכהן, הא כילד, כהן מניח ידו תחת יד הבעלים ומניף, ובזה היו אהרן ובניו בעלים ומשה כהן: תבופה. מוליך ומביא למי שארבע רוחות העולם שלו, ותנופה מעכבת ומבטלת פורעניות ורוחות רעות. תרומה, מעלה ומוריד למי שהשמים והארץ שלו, ומעכבת טללים רעים (מנחות סב.):

(25) על העולה. על האיל הראשון שהעלית עולה: לריח ניחוח. לנחת רוח למי שאמר ונעשה רצונו: אשה. לאש נתן: לה׳. לשמו של מקום: And thou shalt sanctify the breast of the wave-offering, and the thigh of the heave-offering, which is waved, and which is heaved up, of the ram of consecration, even of that which is Aaron's, and of that which is his sons'.

And it shall be for Aaron and his sons as a due for ever from the
children of Israel; for it is a heave-offering; and it shall be a heave-offering from the children of Israel of their sacrifices of peace-offerings, even their heave-offering unto the LORD.

And the holy garments of Aaron
9 shall be for his sons after him, to be
anointed in them, and to be
consecrated in them.

Seven days shall the son that is priest in his stead put them on, even he who cometh into the tent of meeting to minister in the holy place.

And thou shalt take the ram of consecration, and seethe its flesh in a holy place.

And Aaron and his sons shall eat the flesh of the ram, and the bread that is in the basket, at the door of the tent of meeting. מִדּלְאַהַרן וּמִדּלְבָּנוֹתִי: וֹיְת שָׁקָא דְּאַפְּרָשׁוֹתָא דְּאָתַּרִם וֹיְת שָׁקָא דְאַפְּרָשׁוֹתָא דְאָתַּרִם וּתְקַבִּישׁ יָת הֶדְיָא דַּאַרָמוּתָא

יִיהֵי לְאַהְרֹן וְלֹבְנוֹהִי לְקְיָם עָלָם מִן בְּנֵי יִשְׂרָאֵל אֲבִי אַפְּרָשׁוּתָא הוּא וְאַפְּרָשׁוּתָא יְהֵי מִן בְּנֵי יִשְׂרָאֵל מִנְּכְסַת קוּרְשֵׁיהוֹן אַפְּרָשׁוּתְהוֹן קֶּדָם

וּלְבוּשֵׁי קוּדְשָׁא דִּלְאַהֲרֹן יְהוֹן לִבְנוֹהִי בָתְרוֹהִי לְרַבְּאָה בְּהוֹן וּלְקָרָבָא בְּהוֹן יָת קוּרְבָּנְהוֹן:

שַּבְעָא יוֹמִין יִלְבְּשִׁנּוּן כְּהֲנָא תְחוֹתוֹהִי מִבְּנוֹהִי דְּיֵיעוֹל לְמַשְּׁכֵּן זִמְנָא לְשַׁמָשָׁא בִּקוּדשַא:

וְיָת דְּכַר קּוְּרְבְּנֵיָּא תִּפְּב וּתְבַשֵּׁיל יָת בִּשְּׁרֵיה בַּאֲתַר קַדִּישׁ:

וְנֵיכוֹל אַהֲרֹן וּבְנוֹהִי יָת בְּשַּׁר דְּכְרָא וְיָת לַחְמָא דִּבְסַלְּא בַּתְרַע מַשְּבֵּן זִמְנָא: וְקִדַּשְׁתְּ צֵּתוּ חֲזֵה הַתְּנוּפְּה וְצֵּת שׁוֹק הַתְּרוּמָה אֲשֶׁר הוּנֵף וַאֲשֶׁר הוּרֶם מֵצִיל הַמִּלֶּאִים מֵאֲשֶׁר לְאַהַלְוֹ וּמֵאֲשֶׁר לְבָנֵיו:

וְהָיָהֹ לְאַהָּהֵׁן וּלְבָנִיוּ לְחָקּ־ עוֹלָם מֵאֵת בְּנֵי יִשְׂרָאֵׁל כִּי תְרוּמָה הָוּא וּתְרוּמָׁה יִהְיֶּה מֵאָת בְּנִי־יִשְׂרָאֵל מִזִּבְחֵי שַׁלְמֵיהֶם תְּרוּמָתָם לַיהוָה:

וּבְגְדֵי הַלֶּדֶשׁ אֲשֶׁר לְאַהַדֵּן יִהְיִּוּ לְבָנָיו אַחָרָיו לְטְשְׁחָה בָהֶם וּלְמַלֵּא־בָם אֶת־יָדֶם:

שָׁבְעַת יָמִים יִלְבְּשֵׁם הַכּּהָן הַחְחָּיו מִבְּנָיו אֲשֶׁר יָבָא אֶל־ אָהֶל מוֹעֵד לְשָׁרֵת בַּקּדָש:

ַּ וְאֶת אֵיל הַמִּלְאָים תִּקֶּח וּבִשַּׁלְתְּ אַת־בִּשָּׁרִוֹ בִּמַלְם קַדִּשׁ:

וְאָבָּל אַהֲרָן וּבְנִיוֹ אֶת־בְּשַּׁר הָאַיִל וְאֶת־הַלֶּחֶם אֲשֶׁר בַּסְּל בַּתַח אֹהָל מוֹעֵד:

- (27) וקדשת את חזה התגופה ואת שוק התרומה וגר׳. קדשם לדורות, להיות נוהגת תרומתם והנפתם בחזה ושוק של שלמים, אבל לא להקטרה, אלא והיה לאהרן ולבניו לאכול: תגופה. לשון הולכה והבאה, וינטלי"ר בלע"ז: הורם. לשון מעלה ומוריד:
- (28) לחק עולם מאת בני ישראל. שהשלמים לגעלים, ואת החזה ואת השוק יתנו לכהן: כי תרומה הוא. החזה ושוק הזה:
- (29) לבניו אחריו. למי שבא בגדולה אחריו: למשחה. להתגדל בהס, שיש משיחה שהיא לשון שררה, כמו לְּדְּ נְחַמִּיס לְבָנִיוֹ אחריו. למי שבא בגדים הוא מתלבש בכהונה לְמֶשְׁסֶה (במדבר יח, ח), אַל מִּגְעוּ בִּמְשִׁיסֶי (תהליס קה, טו): ולמלא בם את ידם. על ידי הבגדים הוא מתלבש בכהונה גדולה:
- (30) שבעת ימים. רלופין: ילבשם הכהן. אשר יקום מבניו מחתיו לכחונה גדולה, כשימנוחו להיות כהן גדול: אשר יבא אל אהל מועד. אותו כהן המוכן להכנס לפני ולפנים ביום הכפורים, וזהו כהן גדול, שאין עבודת יום הכפורים אשר יבא אל אהל מועד. אותו כהן המוכן להכנס לפני ולפנים ביום הכפורים, וזהו כהן גדול מחתיו מבניו. מלמד, שאם יש לו לכהן גדול בן ממלא את מקומו, ימנוהו כהן גדול מחתיו מבניו. מכאן ראיה, כל לשון כהן, לשון פועל עובד ממש, לפיכך ניגון מבניו מבניו. מכאן ראיה, כל לשון כהן, לשון פועל עובד ממש, לפיכך ניגון מביר נמשך לפניו:
 - (31) במקום קדש. בחלר אהל מועד, שהשלמים הללו קדשי קדשים היו:
 - (32) פתח אהל מועד. כל החזר קרוי כן:

And they shall eat those things
wherewith atonement was made, to
consecrate and to sanctify them;
but a stranger shall not eat thereof,
because they are holy.

And if aught of the flesh of the consecration, or of the bread, remain unto the morning, then thou shalt burn the remainder with fire; it shall not be eaten, because it is holy.

And thus shalt thou do unto Aaron, and to his sons, according to all that I have commanded thee; seven days shalt thou consecrate them.

And every day shalt thou offer the bullock of sin-offering, beside the other offerings of atonement; and thou shalt do the purification upon the altar when thou makest atonement for it; and thou shalt anoint it, to sanctify it.

Seven days thou shalt make
atonement for the altar, and
sanctify it; thus shall the altar be
most holy; whatsoever toucheth the
altar shall be holy.

וְיֵיכְלוּן יָתְהוֹן דְּאָתְכַפַּר בְּהוֹן לְקָרָבְא יָת קּוּּרְבְּנְהוֹן לְקַדָּשָׁא יָתְהוֹן וְחִילוֹנִי לָא יֵיכוֹל אֲרֵי קוּרְשָׁא אִנּוּן:

וְאָם יִשְׁתְאַר מִבְּשֵׁר קּוּרְבְּנַיָּא יָת דְּאָשְׁתְאַר בְּנוּרָא לָא יָת דְּאָשְׁתְאַר בְּנוּרָא לָא יִתִאַכִיל אַרֵי קוּדִשָּׁא הוּא:

וְתַשְבֵיד לְאַהָרֹן וְלִבְנוֹהִי כְּדֵין כְּכֹל דְּפַקֵּיִדִית יָתֶךְ שִׁבְעָא יומִין תְּקָרֵיב קוּרְבָּנְהוֹן:

וְתוֹרָא דְּחַפָּאתָא תַּצְבֵּיד לְיוֹמָא עַל כָּפּוּרַיָּא וּתְדַבֵּי עַל מַדְבְּחָא בְּכַפָּרוּתָדְּ עֲלוֹהִי וּתְרַבֵּי יָתֵיהּ לְקַדְּשׁוּתֵיהּ:

שִּבְעָא יוֹמִין תְּכַפַּר עַל מַדְבְּחָא וּתְקַבִּישׁ יָתִיהּ וִיהֵי מַדְבְּחָא לִדֶשׁ קוּדְשִׁין כָּל דִּיִקָרַב בִּמַדְבָּחָא יִתְקַדַּשׁ: וְאָכְלָוּ אֹתָם אֲשֶׁר כָּפַּר בָּהֶּם לְמַלֵּא אֶת־יָדֶם לְקַדֵּשׁ אֹתָם וְזֶר לא־יאכָל כִּי־קָּדֶשׁ הַם:

וְאָם־יִנְתֵּר מִבְּשֵּׁר הַמִּלֶּאֶים אָת־הַנּוֹתָר בְּאֵשׁ לֹא וַאְכֵל פָּי־קֹּדֵשׁ הָוּא:

וְעָשִּׁיתָ לְאַהְרָן וּלְבָנִיוֹ בָּכָה כְּכָל אֲשֶׁר־צִּוִּיתִי אֹתֻכָּה שִׁבְעַת ימים תמלא ידם:

וּפַּר חַשָּׁאת תַּצְשֶּׁה לַיּוֹם עַל־ הַכָּפֶּרְהָ עָלְיִו וּמְשֵׁחְתָּ אֹתְוֹ בְּכַפֶּרְהָ עָלְיִו וּמְשַׁחְתָּ אֹתְוֹ לִקָּדְשִׁוֹ:

שָׁבְעַת יָמִּים הְּכַפֵּר עַל־הַמִּזְבֵּח קָדֶשׁהָ אֹתִוֹ וְהָיָה הַמִּזְבֵּח קַדֶשׁ קָדָשִׁים כְּל־הַנִּגַעַ בַּמִּזְבֵּח יקדש: (ס)

- (33) ואכלו אתם. אהרן ובניו, לפישהם בעליהם: אשר כפר בהם. להם כל זרות ותיעוב: למלא את ידם. באיל ולחם הללו: לקדש אתם. שעל ידי המלואים הללו נממלאו ידיהם ונתקדשו לכהונה: כי קדש הם. קדשי קדשים, ומכאן למדנו אזהרה לזר האוכל קדשי קדשים, שנתן המקרא טעם לדבר משום דקדש הם:
- (35) ועשית לאהרן ולבניו ככה. שנה הכתוב וכפל לעכב, שאם חסר דבר אחד מכל האמור בענין, לא נתמלאו ידיהם להיות כהנים, ועבודתם פסולה: אתכה. כמו אותך: שבעת ימים תמלא וגר. בענין הזה ובקרבנות הללו בכל יום: (36) על הכפורים. בשביל הכפורים, לכפר על המזבח מכל זרות ותיעוב, ולפי שנאמר שבעת ימים תמלא ידם, אין לי אלא דבר הבא בשבילם, כגון האילים והלחם, אבל הבא בשביל המזבח, כגון פר שהוא לְחָפוּי המזבח, לא שמענו, לכך הולרך מקרא זה. ומדרש תורת כהנים (מילואים ט"ו) אומר, כפרת המזבח הולרך, שמא התנדב איש דבר גזול במלאכת המשכן והמזבח: וחשאת. וּתְדַבֵּי, לשון מתנת דמים הנתונים באלבע קרוי חטוי: ומשחת אותו. בשמן המשחה, וכל המשיחות כמין כ"ף יונים:
- (37) והיה המזבח קדש. ומה היא קדושתו, כל הנוגע במזבח יקדש, אפילו קרבן פסול שעלה עליו, קדשו המזבח להכשירו שלא ירד, מחוך שנאמר כל הנוגע וגו' יקדש, שומע אני בין ראוי בין שאינו ראוי, כגון דבר שלא היה פסולו בקדש, כגון הרובע שלא ירד, מחוך שנאמר כל הנוגע וגו' יקדש, שומע אני בין ראוי בין שאינו ראוי, כגון דבר שלא היה פסולו בקדש, כל ראויה והנרבע, ומוקצה, ונעבד, והטריפה, וכיולא בהן, תלמוד לומר וזה אשר תעשה, הסמוך אחריו, מה עולה ראויה אף כל ראויה (מ"כ ו, ב. זבחים פג:), שנראה לו כבר ונפסל משבא לעזרה, כגון הלן, והיולא, והטמא, ושנשחט במחשבת חוך לומנו וחוך למקומו, וכיולא בהן:

Now this is that which thou shalt 38 offer upon the altar: two lambs of the first year day by day continually. ן וֶּהְ אֲשֶׁר תַּצְשֶׁה עַל־הַמִּוְבֶּחַ וְדִין דְּתַּצְבֵיד עַל מַדְבְּחָא בְּּבֶישְׂים בְּנֵי־שָׁנֶּה שְׁנֵיִם לַיִּוֹם אִמְּרִין בְּנֵי שְׁנָא תְּרֵין לְיוֹמָא תְּדִירָא:

The one lamb thou shalt offer in the morning; and the other lamb thou shalt offer at dusk.

אָת־הַכֶּבֶשׁ הָאֶּחָד תַּעֲשֶׂה יָת אִמְּרָא תִּנְיָגְא תַּעֲבֵיד בֵּין בַבְּּכֶר וְאֵת הַכָּבֶשׁ הַשֵּׁנִּי תַּעֲשֶׂה וְיָת אִמְּרָא תִּנְיָנָא תַּעֲבֵיד בֵּין בֵין הַעַרִבָּיִם:

And with the one lamb a tenth part of an ephah of fine flour mingled with the fourth part of a hin of beaten oil; and the fourth part of a hin of wine for a drink-offering. וְעֶשֶׂרוֹנָא סוּלְתָּא דְּפִּיל בִּמְשַׁח כָּתִישָׁא רַבְעוּת הִינָא וְנְסְכָּא רַבְעוּת הִינָא חַמְרָא לְאִמְּרָא חד:

וְעִשָּׂרֹן סֿלֶת בְּלוּל בְּשֶׁמֶן כְּתִית ַרָבַע הַהִּין וְנֵּסֶךְ רְבִיעֵת הַהָּין יַוֹן לַבָּבֵשׁ הַאָּחֵר:

And the other lamb thou shalt offer at dusk, and shalt do thereto according to the meal-offering of the morning, and according to the drink-offering thereof, for a sweet savour, an offering made by fire unto the LORD.

וְיָת אִמְּרָא תִּנְיָנָא תַּעֲבֵיד בֵּין שִׁמְשַׁיָּא כְּמִנְחַת צַּפְּרָא וְּכְנִסְכַּה תַּעֲבֵיד לַה לְאִתְקַבְּלָא בְּרַעֲנָא קוּרְבָּנָא קֵדָם יִיָּ:

וְאֵתֹ הַכֶּבֶשׁ הַשֵּׁנִּי תַּעֲשֶׂה ⁴ בֵּין הָעַרְבָּיִם כְּמִנְחַת הַבְּּקֶר וּכְנִסְכָּהֹ תִּעֲשֶׂה־לְּה לְרֵיחַ נִיחֹחַ אִשֶּׁה לִיהֹוָה:

It shall be a continual burnt-offering throughout your generations at the door of the tent of meeting before the LORD, where I will meet with you, to speak there unto thee.

עַלַת תְּדִירָא לְדָרֵיכוֹן בִּתְרַע מִשְׁכַּן זִמְנָּא קֶּדָם וְיָ דַּאָזְמֵין מִימְרִי לְכוֹן תַּמָּן לְמַלְּלָא עָמָךְ תַּמָּן:

עלָת תִּמִיד לְדרַתֵּיכֶם פֶּתַח אָהֶל־מוֹעֵד לִפָם שְׁמָּח לְדַבֵּר אֵלֶיף שָׁם: שֵׁם:

And there I will meet with the children of Israel; and [the Tent] shall be sanctified by My glory. וְנֹעַדְתִּי שָׁמָּה לִבְנֵי יִשְּׂרָאֵל נִאָּזָמֵין מֵימְרִי תַּמָּן לִבְנ יִשְׂרָאֵל וָאֶתְקַדִּשׁ בִּיקּרִי:

(40) ועשרון סולת. עשירית האיפה, מ"ג בילים וחומש בילה: בשמן כתית. לא לחובה נאמר כתית, אלא להכשיר, לפי שנאמר כתית למאור, ומשמע למאור ולא למנחות, יכול לפסלו למנחות, חלמוד לומר כאן כתית, ולא נאמר כתית למאור אלא למעט מנחות שאין לריך כתית, שאף הטחון ברחיים כשר בהן (מנחות פו.): רבע ההין. שלשה לוגין: ונסך. לספלים, למעט מנחות שאין לריך כתית, שאף הטחון ברחיים כשר בהן (מנחות פו.): רבע ההין. שלשה לוגין: ונסך. לספלים כמו ששנינו במסכת סוכה (מח.), שני ספלים של כסף היו בראש המזבח, ומנוקבים כמין שני חוטמין דקים, נותן היין לתוכו, והוא מקלח ויולא דרך החוטם, ונופל על גג המזבח, ומשם יורד לשיתין במזבח בית עולמים, ובמזבח הנחשת יורד מן המזבח לארץ:

(41) לריח גיחוח. על המנחה נאמר, שמנחת נסכים כולה כליל, וסדר הקרצתם, האיברים בתחלה ואחר כך המנחה, שנאמר עלה ומנחה (ויקרא כג, לז):

(42) תמיד. מיום אל יום, ולא יפסיק יום בנתיים: אשר אועד לכם. כשאקבע מועד לדבר אליך, שם אקבענו לבא. ויש מרצותינו למדים מכאן, שמעל מזבח הנחשת היה הקב"ה מדבר עם משה משהוקם המשכן, ויש אומרים מעל הכפורת כמו שנאמר וְדַּבַּרְמִי אִמְּקְּ מֵעַל הַכַּפֹּרֶת (שמות כה, כב). ואשר אועד לכם האמור כאן אינו אמור על המזבח, אלא על אהל מועד הנזכר במקרא:

(43) וגועדתי שמה. אחועד עמס בדבור, כמלך הקובע מקום מועד לדבר עם עבדיו שם: ונקדש. המשכן: בכבודי. שחשרה שכינתי בו. ומדרש אגדה, אל מקרי בכבודי אלא במכובדי, במכובדים שלי, כאן רמז לו מיתת בני אהרן ביום הקמתו, וזהו שאמר משה הוא אַשֶּׁר דְּבֶּר ה' לֵאמֹר בִּקּרִבִּי אָפֶּרָשׁ (וִיקרא י, ג), והיכן דְבֶּר, ונקדש בכבודי:

And I will sanctify the tent of
meeting, and the altar; Aaron also
and his sons will I sanctify, to
minister to Me in the priest's office.

And I will dwell among the

children of Israel, and will be their
God.

And they shall know that I am the LORD their God, that brought them forth out of the land of Egypt, that I may dwell among them. I am the LORD their God.

And thou shalt make an altar to
burn incense upon; of acacia-wood
shalt thou make it.

A cubit shall be the length thereof, and a cubit the breadth thereof; foursquare shall it be; and two cubits shall be the height thereof; the horns thereof shall be of one piece with it.

And thou shalt overlay it with pure gold, the top thereof, and the sides thereof round about, and the horns thereof; and thou shalt make unto it a crown of gold round about.

And two golden rings shalt thou make for it under the crown thereof, upon the two ribs thereof, upon the two sides of it shalt thou make them; and they shall be for places for staves wherewith to bear it.

And thou shalt make the staves of 5 acacia-wood, and overlay them with gold.

נְאָקַדֵּישׁ יָת מַשְׁכָּן זִמְנָאּ וְיָת מַדְבָּחָא וְיָת אַחֲרֹן וְיָת בְּנוֹהִי אַקִּדִּישׁ לשמשא קדמי:

וְאַשְׁרֵי שְׁכִינְתִי בְּגוֹ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְאֶהְנֵי לְהוֹן לֶאֱלָה:

וְיִדְּעוּן אֲרֵי אֲנָא יִי אֱלְהַהוֹן דְּאַפֵּיקִית יָתְהוֹן מֵאַרְעָא דְּמִצְרַיִם לְאַשְׁרָאָה שְׁכִינְתִי בִּינִיהוֹן אֲנָא יִי אֱלְהַהוֹן:

וְתַעֲבֵיד מַדְבָּחָא לְאַקְטָרָא עֲלוֹהִי קְטֹרֶת בּוּסְמִין דְּאָעֵי שׁמִין תַּעַבִיד יָתֵיה:

אַמְתָא אוּרְכֵּיה וְאַמְתָא פּוּתְיֵיה מָרוּבָּע יְהֵי וְתַרְהֵּין אַמִּין רוּמֵיה מָנֵיה קרְנוֹהִי:

וְתִחָפֵּי יְתֵיהּ דְּהַב דְּכֵי יְת סְחוֹר וְיָת כַּוּתְלוֹהִי סְחוֹר לֵיהּ זִיר דִּדְהַב סְחוֹר סְחוֹר:

וְתַרְתֵּין עִזְּקוֹ דְּדְתַּב תַּעְבִיד לֵיה מִלְרַע לְזִירֵיה עַל תַּרְתֵּין זְוָיָתִיה תַּעֲבִיד עַל תְּרֵין סִטְרוֹהִי וִיהֵי לְאַתְרָא לַאָּרִיחִיָּא לְמִטֵּל יָתֵיה בְּהוֹן:

ֶּתַעֲבֵיד יָת אֲרִיחַיָּא דְּאָעֵי שִׁפִין וְתִּחְפֵּי יָתְהוֹן דַּהְבָּא: ן וְקַדַּשְׁתֵּי אֶת־אָּהֶל מוֹעֵד וְאֶת־בּּנְיוּ הַמִּזְבֵּחַ וְאֶת־אַהָּרָן וְאֶת־בּּנְיוּ אֲקַדֵּשׁ לְכַהֵן לִי:

ְ וְשֶׁכַנְתִּׁי בְּתֻוֹךְ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל -וְהָיֵיתִי לָהֶם לֵאלֹהִים:

וְיָדְעֹּוּ כֵּי אֲנָי יְהוָה' אֶלְהֵיהֶׁם ⁴ אֲשֶׁר הוֹצֵאתִי אֹתָם מֵאֶכֶץ מִצְרַיִם לְשְׁכְנֵי בְתוֹכָם אֲנִי יְהֹוָה אֱלֹהֵיהֶם: (פּ)

שניע, וְעָשִּׁיתָ מִזְבֶּחַ מִקְּמֵר קְמָׁרֶת עֲצֵי שָּׁמִים תַּעֲשֶׂה אֹתוֹ:

אַמְּה אָרְכּוֹ וְאַמָּתִים סְמְתֵוֹ מִמֶּנּוּ יִהְנֶה וְאַמְּתַיִם סְמְתֵוֹ מִמֶּנּוּ קַרְנֹתֵיו:

את־

ואַת־

ַ פֿבּיב: אָפָתָת לְזֵרוּ עָל שְׁנֵי צִּלְעֹתָיוּ אָפָתָת לְזֵרוּ עָל שְׁנֵי צַּלְעֹתָיוּ פָבִיב:

ְּ וְעָשִּׁיתָ אֶת־הַבַּדֵּים עֲצֵי שִׁמֵּים , וְצִפִּיתָ אֹתָם זָהֵב:

בַהַמַּה:

⁽⁴⁶⁾ לשכני בתוכם. על מנת לשכון אני בתוכס:

⁽¹⁾ מקטר קטורת. להעלות עליו קיטור עשן סמים:

⁽³⁾ את גגו. זה היה לו גג, אבל מזבח העולה לא היה לו גג, אלא ממלאים חללו אדמה בכל חנייתם: זר זהב. סימן הוא לכתר כהונה:

⁽⁴⁾ צלעותיו. כאן הוא לשון זויות כתרגומו, לפי שנאמר על שני לדיו, על שתי זויותיו שבשני לדיו: והיה. מעשה הטבעות האלה: לבתים לבדים. לכל בית תהיה הטבעת לבד:

And thou shalt put it before the veil 6 that is by the ark of the testimony, before the ark-cover that is over the testimony, where I will meet with

וְתָתֵּין נְתֵיהּ קֵּדָם פְּרוּכְתָּא דְּעַל אֲרוֹנָא דְּסְהֲדוּתָא קֵדָם בָּאָזָמֵין מִימָרִי לְדְּ תַּמָּן: וְנָתַתְּה אֹתוֹ לִפְנֵי הַפְּרֶּכֶת אֲשֶׁר עַל־אֲרָן הָעֵרֶת לִפְנֵי הַכַּפּׁרֶת אֲשֶׁר עַל-הָעֵדֶת אֲשֶׁר אִנְּעֵד לְךָּ שׁמה:

And Aaron shall burn thereon 7 incense of sweet spices; every morning, when he dresseth the lamps, he shall burn it. וְיַקְמַר עֲלוֹהִי אַהֲרֹן קְטֹרֶת בּוּסְמִין בִּצְפַר בִּצְפַר בְּאַתְקְנוּתֵיהִ יָת בּוֹצִינִיָּא יַקְטִרנַה:

וְהִקְמֵיר עָלֶיו אַהַרְּן קְּטַּׁרֶת סַמֵּים בַּבְּּסֶר בִּבֹּסֶר בְּהֵישִיבְוֹ אֶת־הַנֵּרָת יַקְשִירֶנְּה:

And when Aaron lighteth the
8 lamps at dusk, he shall burn it, a
perpetual incense before the LORD
throughout your generations.

יּבְאַדְלְקּוּת אַהְרֹן יָת בּוֹצִינָיָא בֵּין שִׁמְשַּיָּא יַקְטְרַנַּהּ קְטֹרֶת לָדַרֵיכוֹן: יפטיר בֵּין הָעַרְבָּיִם יַקְטִירֶנָּה קְטָּרֶת הָמָיד לִפְנֵי יְהֹוָה לְדֹרֹתֵיכֶם:

Ye shall offer no strange incense 9 thereon, nor burnt-offering, nor meal-offering; and ye shall pour no drink-offering thereon. לָא תַסְּקוּן עֲלוֹהִי קְטֹּרֶת פּוּסְמִין נוּכְרָאִין וַעֲלְתָא וּמִנְחָתָא וְנִסְכָּא לָא תְנַסְּכוּן עלוֹהי:

לא־תַעֲלוּ עָלֶיו קְּטְּׁרֶת זְּרֶה וְעֹלֶה וּמִנְחָה וְנֵּסֶךְ לָא תִּסְּכִוּ עָלֶיו:

And Aaron shall make atonement upon the horns of it once in the year; with the blood of the sin-offering of atonement once in the year shall he make atonement for it throughout your generations; it is most holy unto the LORD.'

וִיכַפָּר אַהָרן עַל קַרְנְתֵיהּ חֲדָא בְּשַׁתָּא מִדַּם חַפַּאת כָּפּוּרִיָּא לְדָרֵיכוֹן לֹּדֶשׁ קוּדְשִׁין הוּא קָדָרֵיכוֹן לֹדֶשׁ קוּדְשִׁין הוּא קָדָרִיכוֹן

ְוְכָפֶּר אַהֲרֹן עַל־קּרְנֹתִּיו אָחַת וְי אַחָת בַּשְּׁנָה יְכַפֵּר עָלְיוֹ דְּ לְדֹרָתִיכֶּם לְּדָשׁ־קְדָשִׁים הָוּא ^{רְ} לַיהֹוָה: (פ)

The Haftarah is Ezekiel 43:10 – 43:27 on page 223. For Shabbat Zachor the maftir and haftarah are on page 240.

And the LORD spoke unto Moses, saying:

כיפשה וְיַדַבֵּר יְהוָּה אֶל־מֹשֶׁה לֵאמְר: וּמַלֵּיל יְיָ עִם מֹשֶׁה לְמֵימַר:

- (6) לפני הפרכת. שמא תאמר משוך מכנגד הארון לנפון או לדרום, תלמוד לומר לפני הכפרת, מכוון כנגד הארון מבחוץ:
- (7) בהיטיבו. לשון נקוי הצזיכין של המנורה מדשן הפתילות שנשרפו בלילה, והיה מטיבן בכל בקר ובקר: הגרות. לוזי"ש בלע"ז, וכן כל נרות האמורות במנורה, חוץ ממקום שנאמר שם העלאה, שהוא לשון הדלקה:
 - (8) ובהעלות. כשידליקס להעלות להבתן: יקטירנה. בכל יום, פרס מקטיר שחרית, ופרס מקטיר בין הערבים:
- (9) לא תעלו עליו. על מזכח זה: קטרת זרה. שום קטורת של נדבה, כולן זרות לו חוץ מזו: ועולה ומנחה. ולא עולה ומנחה ביח של לחם:
- (10) וכפר אהרן. מתן דמים: אחת בשנה. ביום הכפורים, הוא שנאמר גאחרי מות וְיְגָּא אֶל הַמִּוְבֵּח אֲשֶׁר לְפְגֵי ה'וְכְפֶּר שָלָיו (ויקרא טז, יח): חטאת הכפרים. הם פר ושעיר של יום הכפורים, המכפרים על טומאת מקדש וקדשיו: קדש קדשים. המזבת מקודש לדברים הללו בלבד, ולא לעבודה אחרת:

'When thou takest the sum of the children of Israel, according to

12 their number, then shall they give every man a ransom for his soul unto the LORD, when thou numberest them; that there be no plague among them, when thou numberest them.

This they shall give, every one that passeth among them that are numbered, half a shekel after the shekel of the sanctuary—the shekel is twenty gerahs—half a shekel for an offering to the LORD.

Every one that passeth among them that are numbered, from twenty years old and upward, shall give the offering of the LORD.

The rich shall not give more, and the poor shall not give less, than the half shekel, when they give the offering of the LORD, to make atonement for your souls. אָרֵי תְקַבֵּיל יָת חוּשְׁבַּן בְּנֵי ישְׂרָאֵל לְמִנְיָנִיהוֹן וְיִתְּנוּן גְּכַר פּוּרְקַן נַפְשֵׁיה קָדָם יִיָּ כַּד מִמְנֵי יָתְהוֹן וְלָא יְהֵי בְהוֹן מותַא כָּד תִּמְנֵי יַתְהוֹן:

בֵּי תִשְּׁא אֶת־רָאשׁ בְּנֵי־יִשְּׂרָאֵלֹּ לִפְקָדִיהָם וְלָתְנֹוּ אֵישׁ כְּּפֶר נַפְשָׁוֹ לַיהוָה בִּפְלָד אֹתֶם וְלֹא־יִהְיֶה בָהֶם נָגֶף בִּפְלָד אֹתֶם:

הֵין יִתְּנוּן כָּל דְּעָבַר עַל מִנְיָנָיָא פַּלְגוּת סִלְעָא בְּסִלְעֵי קוּדְשָׁא עֶשָּׁרִין מָעִין סִלְעָא פַּלְגוּת סִלְעָא אַפְּרָשוּתָא מֻדְם יי:

זֶהוּ יִתְנוּ כְּל־הָעֹבֵר עַל־ הַפְּקָּדִים מַחֲצִית הַשֶּׁקֶל בְּשֶׁקֶל הַלָּרֶשׁ עֶשְׁרִים גֵּרָה הַשֶּׁקֶל מַחֲצִית הַשֶּׁקֶל תְּרוּמָה לֵיהֹוֶה:

פֿל דְעָבַר עַל מִנְיָנִיָּא מִבַּר עֶשְׂרִין שָׁנִין וּלְעֵילָא יִתֵּין אָפָרַשׁוּתָא קֵדָם יָיָ: ֶ כֵּל הָעֹבֵר עַל־הַפְּּקְדִּים מִבֶּן עֲ עֶשְׂרִים שָׁנָה וָנָגְעְלָה יִתַּן תְרוּמָת יְהֹוָה:

דְּעַתִּיר לָא יַסְגֵּי וּדְמִסְכֵּין לָא יַזְעַר מִפַּלְגוּת סִלְעָא לְמִתַּן יָת אַפְּרָשׁוּתָא קָדָם יְיָ לְכַפָּרָא עַל נפשתכון:

הֶעְשֵּׁיר לְא־יַרְבָּה וְהַדַּל' לָא יַמְלִּים מְמַּחֲצִית הַשְּׁקֶל לָתֵת' אֶת־תְרוּמַת יְהוָּה לְכַפֵּר עַל־ נפשתיכם:

- (12) כי תשא. לשון קבלה כתרגומו, כשתחפוץ לקבל סכום מנינם לדעת כמה הם, אל תמנם לגלגולת, אלא יתנו כל אחד מחלית השקל, ותמנה את השקלים ותדע מנינם: ולא יהיה בהם נגף. שהמנין שולט בו עין הרע, וְהַדֶּבֶּר בא עליהם, כמו שמלינו בימי דוד:
- (13) זה יתנו. הראה לו כמין מטצע של אש ומשקלה מחלים השקל, ואמר לו כזה יתנו: העובר על הפקודים. דרך המונין מעבירין את הנמנין זה אחר זה, וכן פֿל אֱשׁר יַעֲבֹר מַחַת הַשְּׁבֶּט (ויקרא כז, לב), וכן מַּעֲבֹרְיְהָה הַצֹּאוֹ עֵל יְדֵי מֹוֹנֶה (ירמיה לג, יג): מחצית השקל בשקל הקדש. במשקל השקל שקלצמי לך לשקול בו שקלי הקדש, כגון שקלים האמורין בפרשת ערכין ושדה אחוזה: עשרים גרה השקל. עכשיו פירש לך כמה הוא: גרה. לשון מעה, וכן בשמואל (א ב, לו) יָבֹוֹא לְהַשִׁק מוֹח לוֹ לַאֲבֹוֹרַת בְּשָׁר לָקָס: עשרים גרה השקל. שהשקל השלם ד' זוזים, והזוז מתחלתו חמש מעות, אלא באו והוסיפו עליו שתוח, והעלוהו לשש מעה כסף, ומחלית השקל הזה שאמרתי לך, יתנו תרומה לה':
 - (14) מבן עשרים שנה ומעלה. למדך כאן, שאין פחות מגן עשרים יולא לנגא, ונמנה בכלל אנשים:
- (15) לכפר על נפשותיכם. שלא תנגפו על ידי מנין. דבר אחר לכפר על נפשותיכס, לפי שרמז להם כאן ג' תרומות, שנכתב כאן תרומת ה' ג' פעמים, אחת תרומת אדנים, שמנאן כשהתחילו בנדבת המשכן, ונתנו כל אחד ואחד מחלית השקל, ועלה למאת הככר, שנאמר וְכֶּסֶף פְּקוֹּצֵי הָעַדֶּה מְאַת פְּבֶּר (שמות לֹח, כה), ומהם נעשו האדנים שנאמר וַיְּהֶי מְאַה פְּבֶּר הַפֶּקף וגוֹ (משׁ לֹח המכר, שנאמר וְיְבֶּסְף פְּקוֹצֵי הְעַדָּה מְאַה פְּבָּר (שמות לֹח, כה), ומהם נעשו האדנים שנאמר וַיְּהִי מְאַה פְּבָּר הַבְּלֹח וֹנוֹ הַמֹּר מִנִין, שמנאן משהוקם המשכן, הוא המנין האמור במחלת חומש הפקודים, בְּאָסִד לַחֹנֵי בַּשְׁנִי בַּשְׁנִים בַּמֹיִנִ (במדבר א, א), ונתנו כל אחד מחלית השקל, והן לקנות מהן קרבנות לבור של כל שנה ושנה, והשוו בהם עניים ועשירים, ועל אותה תרומה נאמר לכפר על נפשותיכם, שהקרבנות לכפרה הם באים. והשלישית היא תרומת המשכן, כמו שנאמר כֵּלְ מֵרִים מְּבִרְּנִת כַּסֵף וּנְחִשָּׁת (שמות לֹה, כד), ולא היתה יד כלם שוה בה, אלא איש איש מה שנדבו לבו:

And thou shalt take the atonement money from the children of Israel, and shalt appoint it for the service of the tent of meeting, that it may be a memorial for the children of Israel before the LORD, to make atonement for your souls.'

And the LORD spoke unto Moses, saying:

'Thou shalt also make a laver of brass, and the base thereof of brass, whereat to wash; and thou shalt put it between the tent of meeting and the altar, and thou shalt put water therein.

And Aaron and his sons shall wash their hands and their feet thereat;

when they go into the tent of meeting, they shall wash with water, that they die not; or when they come near to the altar to minister, to cause an offering made by fire to smoke unto the LORD;

וְתַּסָב יָת כְּסַף כָּפּוּרַיָּא מִן בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וְתִמֵּין יָתֵיה עַל פּוּלְחַן מַשְׁכַּן זִמְנָא וִיהֵי לִבְנֵי יִשְׁרָאֵל לְדוּכְרָנָא מֻדָּם יְיָ לְכַפָּרָא עַל נַפְשָׁתְכוֹן:

וּמַלֵּיל יִיָ עִם מֹשֶׁה לְמֵימַר:

וְתַעֲבֵיד כִּיּוֹרָא דִּנְחָשְׁא וּבְסִיסֵיה דְּנְחָשָׁא לְקִדּוּשׁ וְתִּמֵין יָתֵיה בֵּין מַשְׁכַּן זִמְנָא וֹבֵין מַדְבָּחָא וְתִתֵּין תַּשְׁן מַיָּא:

וִיקַדְּשׁוּן אַהָרן וּבְנוֹהִי מִנֵּיה יָת יִבִיהוֹן וַיַת רַגִּלִיהוֹן:

בְּמֵיעַלְהוֹן לְמַשְׁכֵּן זִמְנָא יָקַדְּשׁוּן מַיָּא וְלָא יְמוּתוּן אוֹ בָמִקְרַבְהוֹן לְמַדְבָּחָא לְשַׁמָשָׁא לְאַפָּקָא קוּרְבָּנָא קָדָם יִי:

וְלְקַחְהְּ אֶת־כֶּסֶף הַכִּפֶּרִים מֵאֵתֹ וְ בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל וְנְתַתְּ אֹתֹוֹ עַל־ ' עֲבֹדָת אֲהֶל מוֹעֵד וְהָיָה לְבְנֵי ' יִשְׂרָאֵל לְזִכָּרוֹן לִפְנֵי יְהֹוֶה ' לְכַבֵּר עַל־נַפְשׁׁתִיכֵם: (פ)

ראל ניְדַבֶּר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה לֵאמָר:

מֵים: לְרָחָצָּה וְנָתַתָּ אֹתוֹ בֵּין־אָׁהֶל מוֹצֵד וּבֵין הַמִּזְבֵּׁח וְנָתַתְּ שֶׁמָּה מוֹצֵד וּבֵין הַמִּזְבַּׁח וְנָתַתְּ שֶׁמָּה

ַ וְרָחֲצֶוּ אַהֲלֹן וּבְנָיו מִּמֶנוּ אֶת־ יִדִיהֶם וְאֶת־רַגְלֵיהֶם:

בְּבֹאָם אֶל־אֲהֶל מוֹעֵד יִרְחֲצוּ־ מֵיִם וְלָא יָטֶתוּ אַוֹ בְגִשְׁתָּם אֶל־ הַמִּזְבַּתַ לְשָׁרֵת לְהַקְמֵיר אָשֶׁה לִיתוָה:

- (16) ונתת אותו על עבודת אהל מועד. למדם, שנטוו למנוסם במחלם נדבם המשכן אחר מעשה העגל, מפני שנכנם בהם מגפה, כמו שנאמר וַיִּבֹּף ה' אָם הְשָׁם (שמוח לב, לה), משל לנאן החביבה על בעליה שנפל בה דבר, ומשפסק, אמר לו לרועה בבקשה ממך, מנה את נאני ודע כמה נותרו בהם, להודיע שהיא חביבה עליו. ואי אפשר לומר שהמנין הזה הוא האמור בחומש הפקודים, שהרי נאמר בו בְּאָבֶד לַחֹבֶשׁ הַשִּׁנִי (במדבר א, א), והמשכן הוקם באחד לחדש הראשון, שנאמר בְּיוֹם הַאָּבֶר הַבְּעָב הְרִאשׁוֹן בְּאָבְד לַחֹבֶשׁ הְרִאשׁוֹן שמחת בחומת בחומת בחלת במבר במוח האדנים משקלים שלו, שנאמר וַיְּהִי מְאַח כְּבַר הַבֶּבֶף לְנָבֶח וְגוּ' (שם לח, בְּאָבְד שִׁבְּיוֹם הַחֹלֹם נדבמן אחר יום הכפורים בשנה ראשונה, ואחת בשנה שנייה באייר משהוקם המשכן. כו), הא למדת, ששמים היו, אחת במחלת נדבמן אחר יום הכפורים בשנה ראשונה, ואחת בשנה שנייה באייר משהוקם המשכן. ובסומש הפקודים אף בו נאמר כן, וַיִּהִיוּ בָּל הַבְּקַדִים שֵׁשׁ מֵאוֹם שָׁלֶבִים וַחֲמֵשׁ מֵאוֹם וַבְּלָבִים וֹבְשׁב בשנים לובת לאמר כן, וַיִּהיוּ בָּל הַבְּקַדִים שֵׁשׁ מֵאוֹם שִׁלֶבִים וַחֲמֵשׁ מֵאוֹם וֹבִים (במדבר א, מו), והלח בשתים היו, ואי אפשר שלא היו בשעת מנין הראשון בני י"ע שנה שלא נמנו, ובשנייה נעשו בני כ'. חשובה לדבר, אלל שנות האנשים בשנה אחת נמנו, אבל למנין יליאת מלרים היו שתי שנים, לפי שליליאת מלרים מונין מניםן, כמו ששנינו במפר החת, המנין הראשון היה במשרי לאחר יום הכפורים, שנתרלה המקום לישראל למלח להם ונלטוו על המשכן, והשני באחד באייר: על עבודת אהל מועד. הן אדנים שנשן בו:
- (18) כיור. כמין דוד גדולה, ולה דדים המריקים בפיהם מים: וכנו. כתרגומו בְּסִיסֵיהּ, מושב מחוקן לכיור: לרחצה. מוסב על הכיור: ובין המזבח. מזבח העולה, שכחוב בו שהוא לפני פתח משכן אהל מועד, והיה הכיור מָשׁוּךְּ קְרחצה. מוסב על הכיור: ובין המזבח. מזבח העולה, שכחוב בו שהוא לפני פתח משכן אהל מועד, והיה הכיור מְשׁוּךְ קְמעא, ועומד כנגד אויר שבין המזבח והמשכן ואינו מפסיק כלל בנחיים, משום שנאמר וְאַת מְשְׁבְּ חְשׁנְיֹה שִׁכּ בְּסִית מועד, ואין כיור לפני אהל מועד, הא כילד, משוך קמעא כלפי הדרום, כך שנויה בזבחים (נט.):
- (19) את ידיהם ואת רגליהם. בבת אחת היה מקדש ידיו ורגליו, וכך שנינו בזבחים (יט:), כילד קדוש ידים ורגלים, מנית ידו הימנית על גבי רגלו הימנית, וידו השתאלית על גבי רגלו השתאלית, ומקדשן:

so they shall wash their hands and their feet, that they die not; and it shall be a statute for ever to them. even to him and to his seed throughout their generations.'

Moreover the LORD spoke unto Moses, saying:

'Take thou also unto thee the chief spices, of flowing myrrh five hundred shekels, and of sweet cinnamon half so much, even two hundred and fifty, and of sweet calamus two hundred and fifty,

and of cassia five hundred, after the shekel of the sanctuary, and of olive oil a hin.

And thou shalt make it a holy anointing oil, a perfume compounded after the art of the perfumer; it shall be a holy anointing oil.

And thou shalt anoint therewith the tent of meeting, and the ark of the testimony,

and the table and all the vessels 27 thereof, and the candlestick and the vessels thereof, and the altar of incense.

ליה ולבנוהי לדריהון:

וְאָתִּ סַב לַךְ בּוּסְמִין רֵישַׁא מירָא דָּכִיָא מַתְקַל חַמֵּישׁ מִאָּה וקנמן בשם פלגותיה מתקל מַאתוֹ וְחַמִשִין וּקנֵי בוּסְמַא מתקל מאתן וחמשין:

וקציעתא מתקל חמיש מאָה בסלעי קודשא ומשח זיתא

רבות קודשא בוּסְמַנוּ מִשַׁח

וּתְרַבֵּי בֵּיה יָת מַשְׁכַּן זְמִנָּא וִיָת

וית פתורא וית כל מנוהי וית מָנַרָתָא וִיַת מַנַהַא וִיַת מַדְבָּחָא דקטרת בוסמיא:

וְרָחַצֵּוּ יִבִיהֵם וְרַגְּלֵיהֵם וְלֹא וִיקָּדְשׁוּן יִבִיהוֹן וְרַגְלֵיהוֹן וְלַא יָּמֶתוּ וְהַיִּתָה לְהָם חָק־עוֹלְטָם לְוֹ יְמוּתוּן וּתְהֵי לְהוֹן קִיָם עְלַם ולזרעו לדרתם: (פ)

ע"כ בחול

וַיָּדַבֶּר יָהוָה אֱל־מֹשֵׁה לֶאמָר: וּמַלֵּיל יִי עִם מֹשֵׁה לְמִימַר:

מר-דרור' חמש מאות וקנמן־ בשם מחציתו חמשים ומאתים וקנה־בשם חמשים ומאתים:

יקדה חַמֵשׁ מַאָוֹת בִּשֵׁקֵל הַקְּרָשׁ 24 ושַׁמֵן זַיֵת הֵין:

ועשית אתו שמן משחת־קדש רַקַח מָרַקַחַת מַעשה רֹקַחַ שֵּמֵן

וּמַשַׁחָתַ בִוֹ אָת־אָהֶל מוֹעֶד וָאָת

ואת־כּל־כּליו

(20) בבואם אל אהל מועד. להקטיר שחרית ובין הערבים קטרת, או להזות מדם פר כהן המשיח ושעירי עבודת אלילים: ולא ימותו. הא אם לא ירחצו ימותו, שבתורה נאמרו כללות, ומכלל לאו אתה שומע הן: אל המזבח. החיצון, שאין כאן ביחת חהל מועד חלח בחלר:

(12) ולא ימותו. לחייב מיחה על המשמש במזבח ואינו רחוץ ידים ורגלים, שממיחה הראשונה לא שמענו אלא על הנכנס להיכל:

(23) בשמים ראש. השובים: וקנמן בשם. לפי שהקנמון קליפת עך הוא, יש שהוא טוג ויש בו ריח טוג וטעס, ויש שאינו אלא כעץ, לכך הוצרך לומר קנמן בשם, מן הטוב: מחציתו חמשים ומאתים. מחלית הבחתו תהח חמשים ומאתים, נמלא כלו חמש מאות, כמו שיעור מר דרור, אם כן למה נאמר בו חלאין, גזרת הכתוב היא להביאו לחלאין, להרבות בו ב' הכרעות, שאין שוקלין עין בעין, וכך שנויה בכריתות (ה.): וקנה בושם. קנה של בשם, לפי שיש קנים שאינן של בשם, הולרך לומר בשם: חמשים ומאתים. סך משקל כולו:

(24) וקדה. שם שורש עשב, ובלשון חכמים קליעה: הין. י"ב לוגין, ונחלקו בו חכמי ישראל, ר' מאיר אומר, בו שלקו את העקרין, אמר לו ר' יהודה, והלא לסוך את העקרין אינו סיפק, אלא שראום במים שלא יבלעו את השמן, ואחר כך הליף עליהם

השמן, עד שקלט הריח וקפחו לשמן שעל העקרין:

(25) רוקח מרקחת. רוקח שם דבר הוא, והטעם מוכיח שהוא למעלה, והרי הוא כמו רקע, רגע, ואינו כמו רגע הים (ישעיה נא, טו), וכמו לוקע הַאָרֶץ (שם מב, ה), שהטעם למטה, וכל דבר המעורב בחבירו, עד שזה קופח מזה או ריח או טעם, קרוי מרקחת: רקח מרקחת. רקח העשוי על ידי אומנות ותערובות: מעשה רוקח. שם האומן בדבר:

(26) ומשחת בו. כל המשיחות כמין כ"ף יונית, חוץ משל מלכים שהן כמין נזר:

and the altar of burnt-offering
with all the vessels thereof, and the

And thou shalt sanctify them, that they may be most holy; whatsoever toucheth them shall be holy.

And thou shalt anoint Aaron and his sons, and sanctify them, that they may minister unto Me in the priest's office.

And thou shalt speak unto the

31 children of Israel, saying: This shall
be a holy anointing oil unto Me
throughout your generations.

Upon the flesh of man shall it not be poured, neither shall ye make any like it, according to the composition thereof; it is holy, and it shall be holy unto you.

Whosoever compoundeth any like it, or whosoever putteth any of it upon a stranger, he shall be cut off from his people.'

And the LORD said unto Moses:

'Take unto thee sweet spices, stacte,
and onycha, and galbanum; sweet
spices with pure frankincense; of
each shall there be a like weight.

וְיָת מַדְבְּחָא דַּעֲלֶתָא וְיָת כָּל מָנוֹהִי וְיָת כִּיוֹרָא וְיָת בְּסִיסִיה:

וּתְקַדֵּישׁ יָתְהוֹן וִיהוֹן לְּדֶשׁ קוּרְשִׁין כָּל דְּיִקְרַב בְּהוֹן יִתְקַדַּשׁ:

וְיָת אַהָּרֹן וְיָת בְּנוֹהִי הְּרַבֵּי וּתְקַבִּישׁ יָתְהוֹן לְשַׁמְּשָׁא קַדַמַי:

וְעָם בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל הְּמַלֵּיל לְמֵימֵר מְשַׁח רְבוּת קוּרְשָׁא יְבֵי בִין קָדְמֵי לְדָרֵיכוֹן:

יִיסְׁךְ עַל בִּשְׂרָא דַאֲנְשָׁא לָא יִתַּפַּךְ כָּלֵּהוּ וּבִּדְמוּתֵיהּ לָא תַעְבְּדוּן כְּוְתֵיה ס: פוּדְשָׁא הוּא קוּדְשָׁא יְהֵי לְכוֹן:

גְּבַר דִּיבַפֵּים דְּכְוָתֵיה וְּדְיִתֵּין מִנֵּיה על חִילוֹנֵי וְיִשְׁתֵּיצֵי מֵעמֵיה:

וַאֲמֵר יְיָ לְמֹשֶׁה סַב לֶּךְ בּוּסְמִין נָטוֹפָּא וְטוּפְּרָא וְחֶלְבּוֹנְתָא בּוּסְמִין וּלְבוֹנְתָא דָּכִיתָא מַתְקַל בְּמַתְקַל יְהֵי: גַ וְאֶת־מִזְּבָּח הָעֹלֶה וְאֶת־כְּנְיֹ־ בֶּלִּר בָּנְיֹ: בַּלְיִו וְאֶת־הַכִּיִּר וְאֶת־כַּנִּוֹ:

ַ וְקִדַּשְׁתָּ אֹּתָם וְהִיוּ לֵּדֶשׁ: כְּלֹ־הַנַּגַעַ בָּהֶם יִקְדֶּשׁ:

וְאֶת־אַהֲלָן וְאֶת־בָּנָיו תִּמְשְׁח ! וְקַדַּשְׁתָּ אֹתָם לְכַהֵן לֵי:

ְוֶאֶל־בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל תְּדַבֵּר לֵאמֵּר וְ שֶׁמֶן מִשְׁחַת־מָּדֶשׁ יִהְיֶה זֶה לִּי לִדֹרֹתֵיכֵם:

ַ עַל־בְּשַׂר אָדָם לַא יִיסְׁדְ הַבְּמַתְכָּנְתֹּוֹ לָא תַעֲשִׂוּ כְּמָחוּ קָדֵשׁ הִוּא קֹדֵשׁ יִהְיֵה לַכֵּם:

אָישׁ אֲשֶׁר יִרְקַּח כְּמֹהוּ וַאֲשֶׁר וּ יִתֶּן מִשֶּׁנוּ עַל־זֶר וְנִכְרַת יִּ מֵעַמֵּיו: (ס)

ני אֶמֶר יְהֹנָה אֶל־מֹשֶׁה קַח־לְךֵּ וּוּ סָמִּים וּלְבֹנָה זַבָּה בִּד בְּבָד ^{וְוּ} יִהְנֵה:

- (29) וקדשת אותם. משיחה זו מקדשתם להיות קדש קדשים, ומה היא קדושתם, כל הכוגע וגו', כל הראוי לכלי שרת, משנכנס לתוכו קדוש קדושת הגוף, להפסל ביוצא, ולינה, וטבול יום, ואינו נפדה לצאת לחולין, אבל דבר שאינו ראוי להם אין מקדשין. ושנויה היא משנה שלימה אצל מזבח, מתוך שנאמר כֹּל הַבֹּגַע בַּמִּוְבַּח יִקְדָּשׁ (שמות כט, לז), שומע אני בין ראוי בין מאינו ראוי, חלמוד לומר כבשים, מה כבשים ראויים אף כל ראויים. כל משיחת משכן וכהנים ומלכים מתורגם לשון רבוי, לפי שאין צורך משיחתן אלא לגדולה, כיכן יסד המלך שזה חנוך גדולתן, ושאר משיחות, כמו רקיקין משוחין וְכַאשִׁית שְׁמָנִים יִמְשָׁחוּ (עמום ו, ו), לשון ארמית בהן כלשון עברית:
- (31) לדרתיכם. מכאן למדו רבוחינו לומר שכולו קיים לעתיד לבא (הוריות יא:): זה. בגימטריא חריסר לוגין הוו: (32) לא ייסך. בשני יודי"ן, לשון לא יפעל, כמו לְמַעַן יִיטַב לְךְּ (דברים ו, יח): על בשר אדם לא ייסך. מן השמן הזה עלמו: ובמתכנתו לא תעשו כמוהו. בסכום סממניו, לא תעשו אחר כמוהו במשקל סממנין הללו, לפי מדת הין שמן, אבל אם פחת או רבה סממנין לפי מדת הין שמן, מותר, ואף העשוי במתכונתו של זה, אין הסך ממנו חייב, אלא הרוקחו (כריתות ה.): ובמתכנתו. לשון חשבון, כמו מתכנת הלבנים, וכן במתכונתה, של קטורת:
 - (33) ואשר יתן ממנו. מאומו של משה: על זר. שאינו לורך כהונה ומלכות:
- (34) בשף. הוא לרי, ועל שאינו אלא שרף הנוטף מעלי הקטף קרוי נטף, ובלע"ז גומ"א (גוממיא), והלרי קורין לו טרי"אקה (34) בשף. ושחלת. שורש בשם, חלק ומלהיר כלפורן, ובלשון המשנה קרוי לפורן, וזהו שתרגם אונקלוס וְטוֹפְרָא:

And thou shalt make of it incense, 35 a perfume after the art of the perfumer, seasoned with salt, pure and holy.

And thou shalt beat some of it very small, and put of it before the testimony in the tent of meeting, where I will meet with thee; it shall be unto you most holy.

And the incense which thou shalt make, according to the composition thereof ye shall not make for yourselves; it shall be unto thee holy for the LORD.

Whosoever shall make like unto that, to smell thereof, he shall be cut off from his people.'

XXXI And the LORD spoke unto Moses, saying:

'See, I have called by name Bezalel
the son of Uri, the son of Hur, of
the tribe of Judah;

and I have filled him with the spirit of God, in wisdom, and in understanding, and in knowledge, and in all manner of workmanship, וְתַעֲבֵיד יְתַהּ קְטֹבֶת בּוּסְמִין בּוּסֶם עוֹבָד בּוּסְמָנוּ מְעָרֵב הכי לפודשא:

לָרֶשׁחוֹק מָנַּהּ וְתַדֵּיק וְתָּתֵּין זִמְנָא דַּאָזָמֵין מֵימְרִי לְךְ תַּמָּן זִמְנָא דַּאָזָמֵין מֵימְרִי לְךְ תַּמָּן

וּקְמַּרֶת בּוּסְמִין דְּתַּצְבֵיד בִּדְמוּתַהּ לָא תַעְבְּדוּן לְכוֹן קוּדְשָׁא תְּהֵי לָךְ קֵּדָם יְיָ:

גְּבַר דְּיַעֲבֵיד דְּכְוָתַהּ לְאָרָחָא בַה וְיִשְׁתֵיצֵי מֵעַמֵּיה:

וּמַלֵּיל יְיָ עִם מֹשֶׁה לְמֵימַר:

חָזִי דְּרַבִּיתִי בְשׁוֹם בְּצַלְאֵל בֵּר אוּר לְשִׁבְטָא דִּיהוּדָה:

וְאַשְׁלֵימִית עִמֵּיה רוּחַ מִן קַדָם יְיָ בְּחָכְמָה וּבְסוּכְלְתָנוּ וּבְמַדֵּע וּבכל עבידא: וְעָשֵּׂיתָ אֹתָהֹ קְשֹׁרֶת רְכַּח מַצְשֵׂה רוֹקֵחַ מְמֶלֶּח שָהָוֹר לְּדָשׁ:

וְשֵׁחַקְתָּ מִפֶּנְהֹ הָדֵקֹּ וְנְתַהְּה מִפֶּנְה לִפְנֵי הָעֵדְת בְּצִּהֶל מוֹעֵד אֲשֶׁר אִנְעֵד לְךָּ שֲׁמָּה לִּדָשׁ מַדַשִׁים תִּהְנֵה לַכֵּם:

אָישׁ אֲשֶׁר־יַשְשֶׂה כְמָוֹהְ לְהָרֵיחַ -בָּה וָנִכְרָת מֵעַשֵּׁיו: (ס)

יִרַבַּר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה לֵאמְר: xxx

רָאָה קְּרָאתִי בְשֵׁם בְּצַלְאֵל בֶּן־ אוּרִי בָן־חִוּר לְמַשֵּה יְהוּדֵה:

> ְּ וְאֲמַלֵּא אֹתִוֹ רַוּחַ אֵ בְּחְכְמֶָה וּבִתְבוּנָה וּ וּבְכַל־מָלַאכָה:

וחלבנה. בשם שריחו רע, וקורין לו גלצ"נא (גאלצאן) ומנאה הכחוב בין סממני הקטורת, ללמדנו שלא יקל בעינינו לזרף עמנו באגודת תעניותינו ותפלחנו את פושעי ישראל שיהיו נמנין עמנו: סמים. אחרים: ולבונה זכה. מכאן למדו רבותינו (כריחות ו:) י"א סממנין נאמרו לו למשה בסיני, מעוט סמים שנים, נטף ושחלת וחלבנה ג', הרי ה', סמים, לרצות עוד כמו אלו, הרי עשר, ולצונה, הרי י"א. ואלו הן, הזרי, והזפורן, החלבנה, והלצונה, מור, וקזיעה, שבולת נכד, וכרכום, הרי ח', שהשבולת וכרד אחד שהנכד דומה לשבולת, הקושט, והקילופה, והקנמון, הרי י"א. בורית כרשינה אינו נקטר, אלא בו שפין שת הזפורן ללבנה שתהא נאה: בד בבד יהיה. אלו הארבעה הנזכרים כאן יהיו שוין משקל במשקל, כמשקלו של זה כך משקלו של זה, וכן שנינו, הזכי והזפורן והחלבנה והלבונה משקל שבעים שבעים מנה. ולשון בד, נראה בעיני שהוא לשון יחיד, אחד באחד יהיה, זה כמו זה:

- (35) ממלח. כתרגומו מעורב, שיערב שחיקתן יפה יפה זה עם זה, ואומר אני שדומה לו וַיִּרְאוּ הַמַּלְּחִים (יונה א, ה), מַלְחֵיךְ וְחֹבְּלִידְ (יחזקאל כז, כז), על שם שמהפכין את המים במשוטות כשמנהיגים את הספינה, כאדם המהפך בכף בינים מלופות לערבן עם המים, וכל דבר שאדם רונה לערב יפה יפה, מהפכו באנבע או בבזך: ממולח שהור קדש. ממולח יהיה, וקדש יהיה:
- (36) ונתתה ממנה וגר. היא קטרת שבכל יום ויום שעל מזכח הפנימי שהוא באהל מועד: אשר אועד לך שמה. כל מועדי דבור שאקבע לך, אני קובעם לאותו מקום:
 - (37) במתכנתה. במנין סממניה: קדש תהיה לך לה׳. שלא מעשנה אלא לשמי:
 - (38) להריח בה. אבל עושה אתה במתכנתה משלך כדי למכרה לזבור:
 - (2) קראתי בשם. לעשות מלאכתי, את בצלאל:

to devise skilful works, to work in gold, and in silver, and in brass,

and in cutting of stones for setting,

and in carving of wood, to work in
all manner of workmanship.

And I, behold, I have appointed with him Oholiab, the son of Ahisamach, of the tribe of Dan; and in the hearts of all that are wise-hearted I have put wisdom, that they may make all that I have commanded thee:

the tent of meeting, and the ark of
the testimony, and the ark-cover
that is thereupon, and all the
furniture of the Tent;

and the table and its vessels, and the pure candlestick with all its vessels, and the altar of incense:

and the altar of burnt-offering with all its vessels, and the laver and its base;

and the plaited garments, and the holy garments for Aaron the priest, and the garments of his sons, to minister in the priest's office; לְאַלְפָּא אוּמְנְוֹן לְמֶעֶבַּד ברהבא ובכספא ובנחשא:

וּבְאוּמָנוּת אֶבֶן טָבָא לְאַשְׁלָמָא וּבְנִּנְרוּת אָעָא לְמֶעֶבַד בְּכָל עֲבִידָא:

וַאֲנָא הָא יְהַבִּית עִּמֵּיה יָת אָהֶלִּיאָב בַּר אֲחִיסְמְךְ לְשִׁבְטָא דְּדָן וּבְלֵב כָּל חַבִּימֵי לִבָּא יְהַבִּית חָכְמְתָא וְיַעְבָּדוּוְ יָת כָּל דְּפַּמֵּידְתָּף:

יָת מַשְׁכַּן זִמְנָא וְיָת אֲרוֹנָא לְסָהַדוּתָא וְיָת כְּפּוּרְתָּא דַּעֲלוֹהִי וְיָת כָּל מָנֵי מַשְׁכְּנָא:

וְיָת פָּתוּרָא דְּקְטֹרֶת בּוּסְמֵיָּא: מְנֶרְתָא דְּכִיתָא וְיָת כָּל מְנַהָא וְיָת מַּדְבְּחָא דִּקְטֹרֶת בּוּסְמַיָּא:

וְיָת מַדְבְּחָא דַּעֲלְתָא וְיָת כָּל מָנוֹהִי וְיָת כִּיוֹרָא וְיָת בְּסִיםִיה:

וְיָת לְבוּשֵׁי שִׁמּוּשָׁא וְיָת לְבוּשֵׁי קוּדְשָׁא לְאַהֵרֹן כְּהַנָּא וְיָת לִבוּשֵׁי בִנוֹהִי לִשְׁמַשַׁא:

ַּיבַבֶּסֶף וּבַנְּחְשֶׁת: יבַבֶּסֶף וּבַנְּחְשֶׁת:

וּבַחֲרָשֶׁת אֶבֶן לְמַלֹּאת וּבַחֲרָשֶׁת עֵץ לַעֲשָׂוֹת בְּכְל־ מְלָאבֶה:

וַאֲנִּי הָנַּהְ נְתַתִּי אִתּוֹ אֵת אְהֵלִיאָׁב בֶּן־אֲחִיסְמָךְ לְמַמֵּה־ דְן וּבְלֵב בְּל־חֲכַם־לֵב נְתַתִּי בָּנִיתֵּד:

אַתוּ אַׄהֶל מוֹעֵׁד וְאֶת־הָאָרֹן ' לְעֵלֶּת וְאֶת־הַכַּפַּׂרֶת אֲשֶׁר עָלְיִוּ ' וְאֵת כָּל־כְּלֵי הָאְהָל:

וְאֶת־הַשֶּׁלְחָן וְאֶת־כֵּלְיוּ וְאֶת־ הַמְּנֹרֶה הַמְּהֹרֶה וְאֶת־כְּל־ כֵּלֶיהָ וְאֵת מִזְבָּח הַקְּטְּרֶת:

ָּ וְאֶת־מִּזְבָּח הָעֹלֶה וְאֶת־בְּלֹ־ בֵּלְיו וְאֶת־הַכִּיִּוֹר וְאֶת־בַּנְּוֹ:

ְוֹאֶת בּנְבֵי הַשְּׁרֵד וְאֶת־בּּנְבֵי וְ הַלְּדֶשׁ לְאַהַרָן הַכּבוֹן וְאֶת־בִּנְבֵי י בניו לכהו:

- (3) בחכמה. מה שאדם שומע דצרים מאחרים ולמד: ובתבונה. מצין דצר מלצו מחוך דצרים שלמד: ובדעת. רוח הקדש:
 - (4) לחשוב מחשבות. אריגת מעשה השב:
- (5) ובחרשת. לשון אומנות, כמו סָרֶשׁ סָרֶס (ישעיה מ, כ). ואונקלוס פירש, ושנה בפירושן, שאומן אבנים קרוי אומן, ומרש עץ קרוי נגר: למלאת. להשיבה במשבלות שלה במלואה, לעשות המשבלת למדת מושב האבן ועוביה:
 - (6) ובלב כל חכם לב וגר׳. ועוד שאר חכמי לב שבכס, וכל אשר נחתי בו חכמה, ועשו את כל אשר לויתיך:
 - (7) ואת הארון לעדות. לנורך לוחות העדות:
 - (8) המהורה. עלשס זהג טהור:
- (10) ואת בגדי השרד. אומר אני לפי פשוטו של מקרא, שאי אפשר לומר שבבגדי כהונה מדבר, לפי שנאמר אללם ואת בגדי הקדש לאהרן הכהן ואת בגדי בניו לכהן, אלא אלו בגדי השרד הם, בגדי התכלת והארגמן וחולעת שני האמורים ואת בגדי הקדש לאהרן הכהן ואת בגדי בניו לכהן, אלא אלו בגדי השרד הם, בגדי התכלת והארגמן וחולעת שני האמורים בפרשת מסעות, וְנָקְנוּ שָנִיהֶם בָּגְד חַׁנְתְּנוּ שָנִיים בְּגָד חַׁנְתְנוֹ בָּגְד חַבְּיר לְשִׁר בְּבְי שְׁנִי שְׁם יג), וְנְתְנוּ שְנִי (שם יג), וְנְתְנוֹ הַמְּכֵלֶת וְהָהַלְנְגִי וְחִוֹלְעַת הַשְּׁנִי עָשׁוּ בִגְדֵי שְׂרָד לְשְׁרֵת בַּקְּדֶשׁ (שמות לט, א), ולא הוזכר שש עמהם, ומר בבגדי כהונה מדבר, לא מלינו באחד מהם ארגמן או חולעת שני בלא שש: בגדי השרד. יש מפרשים לשון עבודה ושירות, כתרגומו לבוּשֵׁי שְׁמִּוּשְׁא, ואין לו דמיון במקרא, ואני אומר שהוא לשון ארמי, כתרגום של קלעים ותרגום של מכבר,

and the anointing oil, and the

incense of sweet spices for the holy
place; according to all that I have
commanded thee shall they do.'

And the LORD spoke unto Moses, saying:

'Speak thou also unto the children of Israel, saying: Verily ye shall keep My sabbaths, for it is a sign between Me and you throughout your generations, that ye may know that I am the LORD who sanctify you.

Ye shall keep the sabbath therefore, for it is holy unto you; every one that profaneth it shall surely be put to death; for whosoever doeth any work therein, that soul shall be cut off from among his people.

Six days shall work be done; but on the seventh day is a sabbath of solemn rest, holy to the LORD; whosoever doeth any work in the sabbath day, he shall surely be put to death.

Wherefore the children of Israel
shall keep the sabbath, to observe
the sabbath throughout their
generations, for a perpetual
covenant.

וְאֵׁת שֶׁמֶן הַמִּשְׁחָה וְאֶת־קְּמְנֶת וְיָת מִשְׁחָא דִּרְבוּתָא וְיָת הַסַּמִּים לַלְּדֶשׁ כְּכָל אֲשֶׁר־ קְטֹרֶת בּוּסְמַיָּא לְּקוּדְשְׁא כְּכֹל צוִּיתָךְ יַעֲשְׂוֹ: (פ)

וַאֲמַר יְיָ לְמֹשֶׁה לְמֵימַר:

וְאַהְ מַלֵּיל עִם בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל לְמֵימַר בְּרָם יָת יוֹמֵי שַׁבַּיָּא דִּילִי תִּשְּׁרוּן אֲרֵי אָת הִיא בֵּין מֵימָרִי וּבֵינֵיכוֹן לְדָרֵיכוֹן לְמַדֵּע אַרֵי אַנָּא יִיָ מִקּדְּשָׁכוֹן:

וְתִּשְּׁרוּן יָת שַׁבְּתָא אֲרֵי קּוּדְשָׁא הִיא לְכוֹן דְּיַחֲלֹנַה אִתְקְטָלְא יִתְקְטִיל אֲרֵי כָל דְיַעֲבֵיד בַּה עַבִידְתָא וְיִשְׁתֵּיצֵי אֲנְשָׁא הַהוּא מגוֹ עמיה:

שַׁתָּא יוֹמִין תִּתְעֲבֵיד עֲבִידְתָא אַרִינְמָא שְבִיעָאָה שַׁבָּא שַבָּתְא עֲבִידְתָא בְּיוֹמָא דְּשַׁבְּתָא עָבִידְתָא בְּיוֹמָא דְּשַׁבְּתָא אָתִקִּטֵלָא יָתִקּמִיל:

וְיִּמְרוּן בְּנֵי יִשְׂרָאֵל יָת שַׁבְּתָא לְמֶעֶבֶר יָת שַבְּתָא לְדָרֵיהוֹן קָיָם עָלָם: ּ וַיָּאמֶר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה לֵאמְר:

וְאַתָּה דַּבֵּר אֶל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל לַאמָר אָך אֶת־שַׁבְּתֹתֵי תִּשְׁמֻׁרוּ לְדְרָתֵילֶם לְדֵּעַת כֵּי אֲנִי יְהֹוָה מְקַדְּשָׁכֶם:

וּשְׁמַרְתָּם אֶת־הַשַּׁבָּת כֵּי לְּדָשׁ הָוֹא לְכֶם מְחַלְלֵּיה מְוֹת יוּמְת כִּי כְּלֹ־הָעֹשֶׁה בָה מְלָאכְה וְנִכְרְתָּה הַנֶּפָשׁ הַהָּוֹא מִאֶּרֶב עַמֵּיהַ:

שַׁשֶּׁת יָמִים יֵצְשֶׁה מְלָּאְכָה וּבַיֵּוֹם הַשְּׁבִיעִׁי שַׁבַּת שַׁבְּתוֹן לְּדֶשׁ לִיהֹוָהִ כְּל־הָעשֵּׁה מְלָאכָה בְּיִוֹם הַשַּׁבָּת מְוֹת יומָת:

ַ וְשְׁמְרָוּ בְנֵי־יִשְּׂרָאֵל אֶת־הַשַּׁבָּת וְ כַּעֲשַּׂוֹת אֶת־הַשַּׁבְּת לְדֹּרֹתָם י בָּרִית עוֹלֵם:

שהיו ארוגים במחט, עשויים נקבים נקבים, ללי"דין בלע"ז (שלינגווערק):

(11) ואת קטורת הסמים לקדש. לצורן הקטרת ההיכל שהוא קדש:

(13) ואתה דבר אל בני ישראל. ואתה, אף על פי שהפקדתיך לצותם על מלאכת המשכן, אל יקל בעיניך לדחות את השבת מפני אותה מלאכה: אך את שבתותי תשמורו. אף על פי שתהיו רדופין וזריזין בזריזות המלאכה, שבת אל הדחה מפניה. כל אכין ורקין מעוטין, למעט שבת ממלאכת המשכן: כי אות היא ביני וביניכם. אות גדולה היא בינינו שבתרתי בכס, בהנחילי לכם את יום מנותתי למנותה: לדעת. האומות בה, כי אני ה' מקדשכם:

(14) מות יומת. אס יש עדים והתראה: ונכרתה. בלא התראה: מחלליה. הנוהג בה חול בקדושתה:

(15) שבת שבתון. מנוחם מרגוע ולא מנוחם עראי: (שבת שבתון. לכך כפלו הכחוב, לומר שאסור בכל מלאכה, אפילו אוכל נפש, וכן יום הכפורים שנאמר בו שַׁבָּח שַבְּחוֹן הוּא לֶכֶם (ויקרא כג, לב), אסור בכל מלאכה, אבל יום טוב לא נאמר בו כי אוכל נפש, וכן יום הכפורים שנאמר בו שַבָּחוֹן הוּא לֶכֶם (ויקרא כג, לב), אסורים בכל מלאכת עבודה, ומותרים במלאכת אוכל נפש:) קדש לה׳. שמירת קדושתה לשמי ובמלותי:

It is a sign between Me and the children of Israel for ever; for in six days the LORD made heaven and earth, and on the seventh day He ceased from work and rested.'

אות בין מימרי ובין בני ישראל את היא לעלם ארי שתא יומין עַבַד יִי יָת שְׁמַיָּא וְיָת אַרעַא ַוֹאָת־ יהוה את־השמים וביומא שביעאה שבת ונח: וביום

And He gave unto Moses, when He had made an end of speaking with him upon mount Sinai, the two tables of the testimony, tables of stone, written with the finger of God.

ויתן אל-משה כַכַלתוֹ לדַבֵּר ויהב למשה כד שיצי למקלא בטורא אָתוֹ בָהַר סִינִי שָׁנֵי לַחַת אָבֶן

And when the people saw that Moses delayed to come down from the mount, the people gathered themselves together unto Aaron, and said unto him: 'Up, make us a god who shall go before us; for as for this Moses, the man that brought us up out of the land of Egypt, we know not what is become of him.

וַחַזָא עַמַא אָרֵי אוֹחַר מֹשֵׁה לְמֵיחַת מָן טוּרָא וָאָתְכָּנִישׁ עמא על אַהַרן וַאָמַרוּ לִיה קום עביד לַנָּא דַחַלַן דִיהַכַן קַדַמַנָּא אַרֵי דֵין משה גּוּבְרָא דאַסִּקנָא מֵאַרעָא דּמִצְרַיִם לַא ידענא מא הוה ליה:

משה העם לַבַבת מָן־הַהַר הַעֵלָנוּ מַאֲרֶץ מִצְרַיִם לָא מַה־הֵיַה לוֹ:

(17) ויגפש. כתרגומו ונח, וכל לשון נופש הוא לשון נפש, שמשיב נפשו ונשימתו בהרגיעו מטורח המלאכה, ומי שכתוב בו לא יישף ולא ייגע (ישעיה מ, כח), וכל פעלו במאמר הכחיב מנוחה לעלמו, לשבר האוזן מה שהיא יכולה לשמוע:

- (18) ויתן אל משה וגר. אין מוקדם ומאוחר בתורה, מעשה העגל קודם ללווי מלאכת המשכן ימים רבים היה, שהרי בי"ז בתמוז נשתברו הלוחות, וביום הכפורים נתרצה הקב"ה לישראל, ולמחרת התחילו בנדבת המשכן והוקם באחד בניסן. (צ"ע טובא, דילמא הכל כסדר, ואווי הקב"ה למשה היה בארבעים ימים הראשונים, טרם עשותם העגל, וקודם רדתו מההר עשו העגל, ומשה לא הגיד לישראל לווי המשכן עד למחרת יום הכפורים, שהיו ישראל מרולים להקב"ה, וכן הוא בהדיא בזוהר ויקהל, אשר על כן בצווי הקב"ה כתיב מאת כל איש, דהיינו גם ערב רב, כמו שדרשו רבותינו ז"ל, איש איש, מלמד וכו', ומשה בציווי אמר לישראל, קחו מאתכם דייקא, ולא מערב רב, לפי שהם גרמו בנזקין וק"ל): ככלתו, כתיב חסר, ככלתו. שנמסרה לו תורה במתנה ככלה לחתן, שלא היה יכול ללמוד כולה בזמן מועט כזה. דבר אחר, מה כלה מחקשטת בכ"ד קשוטין, הן האמורים בספר ישעיה (ג, חכד), אף תלמיד חכם לריך להיות בקי בכ"ד ספרים: לדבר אתו. החקים והמשפטים שבואלה המשפטים: לדבר אתו. מלמד שהיה משה שומע מפי הגבורה, וחוזרין ושונין את ההלכה שניהם יחד: לחת. לחת כתיב, שהיו שתיהן שוות:
- (1) כי בשש משה. כתרגומו לשון איחור, וכן בשש רכבו (שופטים ה, כח), וַיַּחִילוּ עַד בּוֹשׁ (שם ג, כה), כי כשעלה משה להר אמר להם, לפוף ארבעים יום אני בא בתוך ו' שעות, כסבורים הם שאותו יום שעלה מן המנין הוא, והוא אמר להם שלימים, ארבעים יום ולילו עמו, ויום עלייתו אין לילו עמו, שהרי בז' בסיון עלה, נמלא יום ארבעים בשבעה עשר בתמוז, בי"ו בא השטן וערבב את העולם, והראה דמות חשך ואפלה וערבוביא, לומר ודאי מת משה לכך בא ערבוביא לעולם, אמר להם מת משה שכבר באו שש שעות ולא בא וכו', כדאיתא במסכת שבת (פט.), ואי אפשר לומר שלא טעו אלא ביום המעונן, בין קודם חלות בין לאחר חנות, שהרי לא ירד משה עד יום המחרת, שנאמר וַיַּשְׁבִּימוּ מְמַחֲרֶת וַיַּשֵלוּ עֹנות: אשר ילכו לפנינו. אלהות הרצה איוו להס: כי זה משה האיש. כמין דמות משה הראה להם השטן, שנושאים אותו באויר רקיע השמים: אשר העלגו מארץ מצרים. והיה מורה לנו דרך אשר נעלה בה, עתה לריכין אנו לאלהות אשר ילכו לפנינו:

XXXII

And Aaron said unto them: 'Break off the golden rings, which are in the ears of your wives, of your sons, and of your daughters, and bring them unto me.'

And all the people broke off the golden rings which were in their ears, and brought them unto Aaron.

And he received it at their hand, and fashioned it with a graving tool, and made it a molten calf; and they said: 'This is thy god, O Israel, which brought thee up out of the land of Egypt.'

And when Aaron saw this, he built

an altar before it; and Aaron made
proclamation, and said:

'To-morrow shall be a feast to the
LORD.'

And they rose up early on the morrow, and offered burnt-offerings, and brought peace-offerings; and the people sat down to eat and to drink, and rose up to make merry.

ניָאמֶר אֲלֵהֶם אָהָרֹן פֶּרְקוּ נְאֲמֵר לְהוֹן אַהַרֹן פְּרִיקוּ נּוְמֵי הַזָּהָב אֲשֶׁר בְּאָזְנֵי נְשֵׁיכֶּם קְּדָשֵׁי דְּדַהְבָּא דִּבְאוּדְנֵי נִיּמִי הַזָּהָב אֲשֶׁר בְּאָזְנֵי נְשֵׁיכֶם לְּשֵׁיכוֹן בְּנִיכוֹן וּבְנָתְכוֹן וְאֵיתוֹ

וּפָּרִיקוּ כָל עַמָּא יָת קְּדָשֵׁי דְּדַהְבָּא דִּבְאוּדְנֵיהוֹן וְאֵיתִיאוּ לָוַת אֲהַרֹן:

וַיִּתְבֶּּרְקוּ כְּל־הָלָּם אֶת־נִזְמֵי הַזְּהָב אֲשֶׁר בְּאָזְנֵיהָם וַיָּבִיאוּ אֵל־אַהַרֹן:

וּנְסֵיב מָיַּדְהוֹן וְצָר יָתֵיהּ בְּזִיפָּא וְעַבְדֵיהּ עֵיגֶל מַהְּכָא וַאֲּמַרוּ אִלֵּין דַּחְלָתָף יִשְּׂרָאֵל דְאַסְקוּף מֵאַרְעָא דְּמִצְרָיִם:

וַיָּקַח מִיָּדָם וַיֶּצַר אֹתוֹ בַּהֶּרֶט וּ וַיִּצְשֵׂהוּ צֵגֵל מַסַּכָּה וַיַּאמְרוּ וּ אֵלֶה אֱלֹהֶיךְ יִשְׂרָאֵל אֲשֶׁר וְּ הָעֵלִוּךְ מַאֶּרֶץ מִצְרֵיִם:

ַנְחָנֶא אַהַרֹן וּבְנָא מַדְבְּחָא הַבְּמוֹהִי וּקְרָא אַהַרון נַאְמֵר הַנָּא קַדָּם יִיָ מִחַר:

ניַרָא אַהַרֹּן ניָבֶן מִזְבָּחַ לְפָּנְיֵוּ נִיּקְרָא אַהַרֹן נִיּאׁמֵּׁר חָג לֵיהוָה מָחֶר:

וְאַקְהִּימוּ בְּיוֹמָא דְּבָתְרוֹהִי וְאַסִּחַר עַמָּא לְמֵיכֵל וּלְמִשְׁתֵּי וְאַסְחַר עַמָּא לְמֵיכֵל וּלְמִשְׁתֵּי וְקָמוּ לְחַיָּיכָא: ַ וַיַּשְׁכִּימוּ מִפְּחֶלֶת וַיַּשְלָּוּ עֹלֹת וַיַּגְשׁוּ שְׁלָמֵים וַיָּשֶׁב הָעָם לֶאֶכָּל וְשָׁתֹּוֹ וַיָּקָמוּ לְצַחֵק: (פּ)

- (2) באזני נשיכם. אמר אהרן בלבו, הנשים והילדים חסים בתכשיטיהן, שמא יתעכב הדבר, ובתוך כך יבא משה, והם לא המתינו ופרקו מעל עלמן: פרקו. לשון לווי, מגזרת פרק ליחיד, כמו ברכו מגזרת ברך:
- (3) ויתפרקו. לשון פריקת משא, כשנטלום מאזניהם נמנאו הם מפורקים מנזמיהם, דישקריי"ר בלע"ז (ענטלאזטעט): את בזמי. כמו מנזמי, כמו פגאתי אָת הַעִיר (שמות ט, כט), מן העיר:
- (4) ויצר אותו בחרש. יש לתרגמו בשני פנים, האחד ויצר לשון קשירה, בחרט לשון סודר, כמו וְהַמִּעְפָּהֹוֹת וְהְקַרִיטִים (מלכים־ב ה, כג). והב' ויצר לשון צורה, בחרט כלי אומנות הצורפין שחורצין (ישעיה ג, כב), וַיַּצַר בְּבְּרַיִם בָּסֶף בִּשְׁצֵי חֲרִיטִים (מלכים־ב ה, כג). והב' ויצר לשון צורה, בחרט כלי אומנות הצורפין שחורצין בו חורטין בו צורם בחבים שקורין בלע"ז (ישעיה ח, א), וזהו שתרגם אונקלום וְצַר יָתַיִּה בְּזִיפָּא, לשון זיוף הוא, כלי אומנות שחורצין בו בזהב אותיות ושקדים שקורין בלע"ז ני"ל (גראבשטיכל), אומייפין על ידו חותמות: עגל מסכה. כיון שהשליכו לְאוֹר בַּבּוֹר, באו מכשפי ערב רב שעלו עמהם ממצרים ועשאוהו בכשפים, ויש אומרים מיכה היה שם, שילא מתוך דמוםי בנין שנתמעך בו במצרים (סנהדרין קא:), והיה בידו שם וטם, שכתב בו משה עלה שור עלה שור להעלות ארונו של יוסף מתוך נילום, והשליכו לחוך הַבּוּר, ויצא העגל: מסכה. לשון מתכת. דבר אחר, קכ"ה קנטרין זהב היו בו, כגימטריא של מסכה: אלה אלהיך. ולא נאמר אלה אלהינו, מכאן שערב רב שעלו ממצרים הם שנקהלו על אהרן והם שעשאוהו, ואחר כך הטעו את ישראל אחריו:
- (5) וירא אהרן. שהיה בו רוח חיים, שנאמר בְּחַבְּנִית שוֹר אַכֵּל עֵשֶׁב (תהלים קו, כ), וראה שהלליח מעשה שטן, ולא היה לו פה לדחותם לגמרי: ויבן מזבח. לדחותם: ויאמר חג לה׳ מחר. ולא היום, שמא יבא משה קודם שיעבדוהו, זה פשוטו. ומדרשו בויקרא רבה (י, ג), דברים הרבה ראה אהרן, ראה חור בן אחותו שהיה מוכיחם והרגוהו, וזהו ויבן (לשון בינה) מזבח לפניו, ויבן מזבוח לפניו, ועוד ראה ואמר מוטב שיתלה בי הסרחון ולא בהם, ועוד ראה ואמר, אם הם בונים את המזבח, זה מביא לרור וזה מביא אבן ונמצאת מלאכתן עשויה בבת אחת, מתוך שאני בונה אותו ומתעצל במלאכתי, בין כך ובין המזבח, זה בלבו היה לשמים, בטוח היה שיבא משה ויעבדו את המקום:
- (6) וישכימו. השטן זרום כדי שיחטאו: לצחק. יש במשמע הזה גלוי עריות, כמו שנאמר לְצַמֶּק בִּי (בראשית לט, יז),

And the LORD spoke unto Moses:
7 'Go, get thee down; for thy people, that thou broughtest up out of the land of Egypt, have dealt corruptly;

they have turned aside quickly out of the way which I commanded them; they have made them a molten calf, and have worshipped it, and have sacrificed unto it, and said: This is thy god, O Israel, which brought thee up out of the land of Egypt.'

And the LORD said unto Moses: 'I' have seen this people, and, behold, it is a stiffnecked people.

Now therefore let Me alone, that My wrath may wax hot against them, and that I may consume them; and I will make of thee a great nation.'

And Moses besought the LORD his God, and said: 'LORD, why doth Thy wrath wax hot against Thy people, that Thou hast brought forth out of the land of Egypt with great power and with a mighty hand?

Wherefore should the Egyptians speak, saying: For evil did He bring them forth, to slay them in the mountains, and to consume them from the face of the earth? Turn from Thy fierce wrath, and repent of this evil against Thy people.

נִיְדַבֶּר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה לֶךְּ־נֵּד וּמַלֵּיל יְיָ עִם מֹשֶׁה אִיזֵיל חוֹת כָּי שָׁחֵת עַמְּךְ אֲשֶׁר הָעֶלֵיתְ אֲבִי חַבֵּיל עַמְּךְ דְּאַפֵּיקְתָּא מֵאַרְעָא דְּמִצְרָיִם:

סְטוֹ בִּפְּרִיעַ מִן אוֹרְחָא הַפַּקִירְתִּנּוּן עֲבַרוּ לְהוֹן עֵיגַל מַתְּכָא וּסְגִידוּ לֵיהּ וְדַבַּחוּ לֵיהּ וַאָּמַרוּ אָלֵין דַּחְלֶתָּהְ יִשְּׂרָאֵל הַאָּסְקוּךְ מַאַרְעָא דְּמִצְלְיִם:

סָרוּ מַהֵּר מִן־הַדֶּלֶרְךְ אֲשֵׁר צִּוּיתִּם עְשִּׁוּ לָהֶם עֵגֵל מַסַּכְּה וַיִּשְׁתַּחְוּוּ־לוֹ וַיִּזְבְּחוּ־לוֹ וַיַּאמְרֹוּ אֵלֶה אֱלֹהֶיךְ יִשְׂרָאֵל אֲשֶׁר הַעַלוּהְ מָאָרֵץ מִצְרֵיִם:

וַאָמַר יָיָ לְמֹשֶׁה גְּלֵי קַדָּמַי עַמְּא הָבֵין וְהָא עַם קשׁי קְדָל הוּא:

וַיָּאמֶר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה רָאִיתִיּ אֶת־הָעֶם הַּנֶּה וְהִנֵּה עַם־קְשֵׁה־ עֶרֶף הְוֹא:

בָהֶם וַאָּכַלֵם וְאֵצֵשֵׁה אוֹתִּדּ

וּכְעַן אָנַח בָּעוּתָדְ מִן קְדָמֵי וְיִתְקַף רוּגְזִי בְּהוֹן וַאֲשֵׁיצֵינוּוּן וְאַעֲבֵיד יָתָדְ לְעַם סַגִּי:

וְצַלִּי מֹשֶׁה קֶּדָם יְיָ אֱלְהֵיהּ וֹאֲמֵר לְמָא יְיָ יִתְקַף רוּגְזְדְ בְּעַמָּךְ דְּאַפֵּיקְתָּא מֵאַרְעָא דְמָצְרַיִם בְּחֵיל רַב וּבְיַד דְמִצְרַיִם בְּחֵיל רַב וּבְיַד

נִיְחַל מֹשֶּׁה אֶת־פְּנֵי יְהנְה אֱלֹהָיו וְצְּ נִיאׁמֶר לְמָה יְהנְה 'יֶחֶרֶה אַפְּךְ' נִצְּ בְּעַמֶּךְ אֲשֶׁר הוֹצֵאתְ מַצָּרֶץ בְּ מִצְרָיִם בְּלָחַ גִּּרָוֹל וּבְיֵד חָזֵקֵה: הַ

לְמָא יַיִּמְרוּן מִצְרָאֵי לְמֵימֵר בְּבִישָׁא אָפֵּיקנּוּן לְקַפֶּלָא יָתְהוֹן מֵעַל אַפֵּי אַרְעָא וּלְשֵׁיצִיוּתְחוֹן מֵעַל אַפֵּי אַרְעָא תּוֹב מִתְּקוֹף רוּגְזְךְ וַאָּתִיב מִוּרַיָּא בִּשְׁתָא דְּמַלֵּילְתָּא לְמֶעֶבַר לְעָמֵך: לֶּמָה יאמְרוּ מִצְרַיִם לֵאמֹר בְּרָעָה הְוֹצִיאָם לַהֲרָג אֹתָם בֶּהָרִים וּלְכַלּתְם מַעַל פְּנֵי הָאָדָמָה שִׁוּב מַחֲרַוֹן אַפֶּּךְ וְהִנָּחֵם עַל־הָרָעָה לִעַמֵּך:

ושפיכות דמים, כמו שנאמר יָקוּמוּ נָא הַנְּעָרִים וִישַׁחַקוּ לְפָגֵינוּ (שמואל־ב ב, יד), אף כאן נהרג חור:

- (7) וידבר. לשון קושי הוא, כמו וַיְדַבֵּר אָפֶס קְשׁוֹת (בראשית מב, ז): לך רד. רד מגדולחך, לא נחתי לך גדולה אלא בשבילס (ברכות לב.), באותה שעה נחנדה משה מפי בית דין של מעלה: שחת עמך. שחת העם לא נאמר, אלא עמך, ערב רב שקבלת מעלמך וגיירתס, ולא נמלכת בי, ואמרת טוב שידבקו גרים בשכינה, הם שחתו והשחיתו:
 - (9) קשה עורף. מחזירין קשי ערפס לנגד מוכיחיהם וממחנים לשמוע:
- (10) הניחה לי. עדיין לא שמענו שהתפלל משה עליהם והוא אומר הניחה לי, אלא כאן פתח לו פתח והודיעו שהדבר תלוי בו, שאם יתפלל עליהם לא יכלם (שמו"ר מב, י):
 - (11) למה ה׳ יחרה אפך. כלום מתקנא אלא חכם בחכם, גבור בגבור:
 - (12) והנחם. המעשת מחשבה אחרת להיטיב להס: על הרעה. אשר חשבת להס:

Remember Abraham, Isaac, and Israel, Thy servants, to whom Thou didst swear by Thine own self, and saidst unto them: I will multiply your seed as the stars of heaven, and all this land that I have spoken of will I give unto your seed, and they shall inherit it for ever.'

And the LORD repented of the evil which He said He would do unto His people.

And Moses turned, and went down from the mount, with the two tables of the testimony in his hand; tables that were written on both their sides; on the one side and on the other were they written.

And the tables were the work of God, and the writing was the writing of God, graven upon the tables.

And when Joshua heard the noise of the people as they shouted, he said unto Moses: 'There is a noise of war in the camp.'

And he said: 'It is not the voice of them that shout for mastery, neither is it the voice of them that cry for being overcome, but the noise of them that sing do I hear.'

אַדְּכַר לְאַבְרָהָם לְיִצְּחָקּ וּלְיִשְּׂרָאֵל עַבְדָּדְּ דְּקַיֵּימְהָא לְהוֹן בְּמֵימְּרָדְ וּמַלֵּילְהָא עִמְּחוֹן אַסְגֵּי יָת בְּנֵיכוֹן כְּכוֹכְבֵי שְׁמַיָּא וְכָל אַרְעָא הָדָא דַּאֲמַרִית אָתֵין לִבְנֵיכוֹן וִיחסנּוּז לעלם:

וְתָב יְיָ מָן בִּשְׁתָּא דְּמַלֵּיל לִמֵעַבָּד לִעַמִּיה:

וְאָתְפָּנִי וּנְחַת מֹשֶׁה מִן טוּרָא וּתְרֵין לּוּחֵי סְהַדוּתָא בִּידִיה לּוּחֵי כְּתִיבִין מִהְרֵין עֶּבְרֵיהוֹן מַכָּא וּמִכָּא אִנּוּן כְּתִיבִין:

וְלֹּחַיָּא עוּבְרָא דֵּייָ אִנּוּן וּכְתָבָא כְּתָבָא דֵּייִ הוּא מְפָּרַשׁ עַל לוּחַיָּא:

לַּבָבָא בְּמַשְׁרִיתָא: פַּר מְיַבְּבִין וַאֲמַר לְמַשֶּׁה קְל הַּשְׁמַע יְהוּשֶׁעַ יְּה קְּל

וַאֲמַר לָא קָל גִּבְּרִין דְּנָצְחִין בְּקָרָבָא וְאַך לָא קָל חַלְּשִׁין דְּמִתַּבְּרִין קָל דִּמְחָיְכִין אֲנָא שָׁמַע: זְכֵּר לְאַבְרָהָם לִיצִּחָׁק וּלְישִׂרָאֵל עֲבָדִיף אֲשֶׁר נִשְּׁבְּעִהְ לְהֶם בְּךְּ וַתְּדַבֵּר אֲלֵהֶם אַרְבָּה אֶת־זִרְעֲכֶּם כְּכוֹרְבֵי הַשְּׁמְיִם אֶתֹּל־הָאָרֶץ הַזֹּאת אֲשֶׁר אָמַרְתִּי אָתֵן לְזַרְעֲכֶּם וְנְחֲלִי לְעֹלֶם:

ַרִּנְּנֶחֶם יְהֹוָתָה עַל־הָרָעָּה אֲשֶׁר יַּנְּנֶּחֶם יְהֹוָתְ לְעַמְּוֹ: (פּ)

וּיָּפֶּן וַיַּרֶד מֹשֶׁה מָן־הָּהָר וּשְׁנֵי לְחָת הָעֵדֶת בְּיָדִוֹ לְחִת כְּתְבִים מִשְׁנֵי עֶבְרֵיהֶם מִזֶּה וּמִזֶּה הֵם כְּתָבִים:

וְהַּלֶּחֹת מַצְשֵּׂה אֱלֹהִים הַמְּה וְהַמִּכְתָּב מִכְתַּב אֱלֹהִים הוּא חָרָוּת עַל־הַלֶּחְת:

ַ וַיִּשְׁמַע יְהוֹשֶׁעַ אֶת־קּוֹל הָאֶם בּּרֵעָה וַיּאמֶר אֶל־מֹשֶׁה קּוֹל מַלְחָמָה בְּמַחֲנֵה:

ַ וַיּאׁמֶר אֵין קוֹל' שְנַוֹת גְּבוּרָה וְאָין קוֹל שְנַוֹת חֲלוּשָׁה קוֹל עַנַּוֹת אָנֹכִי שׁמֵעַ:

(13) זכור לאברהם. אם עברו על עשרת הדברות, אברהם אביהם נתנסה בעשר נסיונות ועדיין לא קבל שכרו, תנהו לו וינאו עשר בעשר: לאברהם ליצחק ולישראל. אם לשרפה הם, זכור לאברהם שמסר עלמו להשרף עליך באור לו וינאו עשר בעשר: לאברהם ליצחק ולישראל. אם לגלות, זכור ליעקב שגלה לחרן (שמו"ר מד, ה), ואם אינן נצולין כצולין מדים, אם להריגה, זכור לינאסק שפשט צוארו לעקידה, אם לגלות, זכור ליעקב שגלה לחרן (שמו"ר מד, ה), ואם אינן נצולין בזכותן, מה אתה אומר לי ואעשה אותך לגוי גדול, ואם כסא של שלש רגלים אינו עומד לפניך בשעת כעסך, קל וחמר לכסא של רגל אחד (ברכות לב.): אשר נשבעת להם בך. לא נשבעת להם בדבר שהוא כלה, לא בשמים ולא בארץ, לא בהרים ולא בגעות, אלא בך, שאתה קיים ושבועת קיימת לעולם, שנאמר בִּי יִשְבַּעָּהִי יְאָס ה' (בראשית כב, טו), ולילחק נאמר, וְהַקִּמְוֹתִי שָׁבְּעָה אַּבְּעָה וֹקְבָּעָה יֹלְבָּרְהָם לִי, וֹל שַׁדִי בּרִיהם. היו האותיות נקראות, ומעשה נסים היה (שבת קד.):

(16) מעשה אלהים המה. כמשמטו, הוא בכבודו עשאן. דבר אחר, כאדם האומר לחברו כל עסקיו של פלוני במלאכה פלונית, כך כל שעשועיו של הקב"ה בתורה: חרות. לשון חרת וחרט אחד הוא, שניהם לשון חיקוק, אנטליי"ר בלע"ז (איינשניידעו):

(17) ברעה. בהריעו, שהיו מריעים ושמחים ולוחקים:

(18) אין קול ענות גבורה. אין קול הזה נראה קול עניית גבורים הלועקים נלחון, ולא קול חלשים שלועקים וי, או ניסה:

And it came to pass, as soon as he came nigh unto the camp, that he saw the calf and the dancing; and Moses' anger waxed hot, and he cast the tables out of his hands, and broke them beneath the mount.

And he took the calf which they had made, and burnt it with fire, and ground it to powder, and strewed it upon the water, and made the children of Israel drink of it.

And Moses said unto Aaron: 'What did this people unto thee, that thou hast brought a great sin upon them?'

And Aaron said: 'Let not the anger of my lord wax hot; thou knowest the people, that they are set on evil.

So they said unto me: Make us a god, which shall go before us; for as for this Moses, the man that brought us up out of the land of Egypt, we know not what is become of him.

And I said unto them: Whosoever hath any gold, let them break it off; so they gave it me; and I cast it into the fire, and there came out this calf.'

And when Moses saw that the people were broken loose—for Aaron had let them loose for a derision among their enemiesנְהַנָה כַּד קְרֵיב לְמַשְׁרִיתָא נַחַזָּא יָת שִּגְלָא וְחִנְּגִין וּתְּקֵיף רוּגְזָא דְּמֹשֶׁה וּרְמָא מִיְּדוֹהִי יָת לּיחַיָּא וְתַבַּר יָתְהוֹן בְּשִׁפּוֹלֵי טוּרא:

וּנְסֵיב יָת עִגְלָא דַּעֲבַדוּ וְאוֹקֵיד בְּנוּרָא וְשָׁךְ עַד דַּהֲוָה דַּקִּיק וּדְרָא עַל אַפֵּי מַיָּא וְאַשְׁקִי יָת בּני ישׂראל:

וֹאֲמֵר מֹשֶׁה לְאַהָרֹן מָא עֲבַר לָךְ עַמָּא הָבִין אֲבִי אֵיתִיתָא עַלוֹהִי חוֹבָא רַבָּא:

נִאֲמֵר אַהָרֹן לְא יִתְקַף רוּגְזָא דְּרָבּוֹנִי אַתְּ יְדַעְתְּ יָת עַמָּא אֲבֵי בְּבִישׁ הוּא:

וַאֲמַרוּ לִּי עֲבֵיד לַנְא דַּחְלָן דִּיהָכָן מְדָמַנָּא אֲבֵי בִין משֶׁה גּוּבְרָא דְּאַפְּקּנָא מָאַרְעָא דְּמִצְרַיִם לָא יְדַעְנָא מָא הֲנָה ליה:

וַאֲמַרִית לְהוֹן לְמַן הַּהְבָּא פָּרִיקוּ וִיהַבוּ לִי וּרְמֵיתֵיה בְּנוּרָא וּנְפַק עִגְלָא הָדֵין:

נְחָזָא מֹשֶׁה יָת עַמָּא אֲבִי בְּטִיל הוּא אֲבֵי בַּטֵּילִנּוּן אַהֲרֹן לְאַסְבוּתְהוֹן שׁוֹם בִּישׁ לִדֵרֵיהוֹן: וַיְהִי כַּאֲשֶׁר קְרַב' אֶל־הַמַּחֲנֶּה ' וַיֵּרָא אֶת־הָעֵגֶל וּמְחֹלֻת וַיְּחַר־ אַף מֹשֶׁה וַיַּשְׁלֵךְ מִיָּדָוֹ אֶת־ הַלָּחָת וַיְשַׁבֵּר אֹחֶם תַּחַת הָהֵר:

וַיִּשְּׁח אֶת־הָעֵגֶל אֲשֶׁר עְשׁוּׂ וַיִּשְׁרָף בָּאֵשׁ וַיִּטְחָן עַד אֲשֶׁר דָּק וַיִּּזֶר עַל־בְּנֵי הַמַּיִם וַיַּשְׁקְ אָת־בָּנִי יִשְׂרָאֵל:

וַיָּאמֶר מֹשֶׁה אֱל־אַהֲרֶן מֶה־ עְשֶׂה לְךָּ הָעֶם הַזֶּהָ כִּי־הֵבָאתְ עַלֵּיו חַטָּאָה גִּדֹלֵה:

ַ וַיַּאמֶר אַהַרֹן אַל־יִחַר אָף אֲדֹנִי אַתְּהֹ יָדַעְתָּ אֶת־הָעֶׁם כֵּי בְרָע הָוּא:

וַיֹּאמְרוּ לִּי עֲשֵּׁה־לְנוּ אֱלֹהִים אֲשֶׁר יַלְכִוּ לְפָנֵינוּ כִּי־זֶהוּ מֹשֶׁה הָאִישׁ אֲשֶׁר הָעֶלְנוּ מֵאֶרֶץ מִצְרַיִם לָא יָדַעְנוּ מֶה־הָיָה לְוֹ:

ְ וָאֹמֵר לְהֶם לְמֵי זָהָב הִתְּפְּּרֶקוּ וַיִּתְנוּ־לָי וָאַשְׁלְבֵּהוּ בָאֵשׁ וַיֵּצֵא הָעֵגֶל הַזֶּה:

ַ וַיַּרָא מֹשֶׁה' אֶת־הָעָּׁם כֵּי פָּרֶעַ הָוּא כִּי־פְּרָעַׂה אַהַרון לְשִׁמְצֶה בָּקְמֵיהָם:

קול עבות. קול חרופין וגדופין, המענין את נפש שומען כשנאמרין לו:

- (19) וישלך מידו וגר. אמר, מה פסח שהוא אחד מן המצוח, אמרה חורה כל בן נכר לא יאכל בו, החורה כולה כאן, וכל ישראל מומרים ואחננה להם: תחת ההר. לרגלי ההר:
- (20) ויזר. לשון נפוץ, וכן יזורה על נוהו גפרית (איוב יח, טו), וכן כִּי חִנְּס מְוֹרֶה הְרָשֶׁת (משלי א, יז), שזורין בה דגן וקטניות: וישק את בני ישראל. נתכוין לבדקס כסוטות, שלש מיתות נדונו שם, אם יש עדים והתראה, בסייף, כמשפט אנשי עיר הנדחת שהן מרובין, עדים בלא התראה, במגפה, שנאמר וַיִּגֹף ה' אָת הֶשֶׁם, לא עדים ולא התראה, בהדרוקן (יומא פו:), שבדקום המים ולבו בטניהם:
 - :מה עשה לך העם. כמה יסורים סבלת שיסרוך עד שלא תביא עליהם חטא זה:
 - (22) כי ברע הוא. נדרך רע הס הולכין תמיד, ובנסיונות לפני המקום:
- (24) ואמר להם. דבר אחד, למי זהב לבד, והם מהרו והתפרקו ויתנו לי: ואשלכהו באש. ולא ידעתי שילא העגל הזה, וילא:

then Moses stood in the gate of the camp, and said: 'Whoso is on the LORD'S side, let him come unto me.' And all the sons of Levi gathered themselves together unto him.

And he said unto them: 'Thus saith the LORD, the God of Israel: Put ye every man his sword upon his thigh, and go to and fro from gate to gate throughout the camp, and slay every man his brother, and every man his companion, and every man his neighbour.'

And the sons of Levi did according 28 to the word of Moses; and there fell of the people that day about three thousand men.

And Moses said: 'Consecrate yourselves to-day to the LORD, for every man hath been against his son and against his brother; that He may also bestow upon you a blessing this day.'

And it came to pass on the morrow, that Moses said unto the people: 'Ye have sinned a great sin; and now I will go up unto the LORD, peradventure I shall make atonement for your sin.'

And Moses returned unto the
LORD, and said: 'Oh, this people
have sinned a great sin, and have
made them a god of gold.

וְאָמָר מַן דְּחֲלַנָּא דֵּייָ נִיתוֹן לְוָתִי וְאָתְכְּנִישׁוּ לְוָתֵיהּ כָּל בְּנֵי לִינִי וְאָתְכְּנִישׁוּ לְוָתֵיהּ כָּל בְּנֵי

וַאֲמַר לְהוֹן כִּדְנָן אֲמַר יִּי אֶלְהָא דְּיִשְּׂרָאֵל שַׁוּוֹ גְּבַר חַרְבֵּיה עַל יִרְכֵּיה עֵיבַרוּ וְתוּבוּ מִתְּרַע לְתְרַע בְּמַשְׁרִיתָא וּקְטוּלוּ גְּבַר יָת אֲחוּהִי וּגְבַר יָת חַבְרֵיה וָאֶנְש ית קריביה:

וַעֲבַדוּ בְנֵי לֵוִי כְּפִּתְגְמָא דְּמֹשֶׁה וּנְפֵּל מִן עַמָּא בְּיוֹמָא הַהוּא כִּתְלָתָא אַלְפִין גוּבְרָא:

וַאֲמַר מֹשֶׁה קְרִיבוּ יְדֵיכוֹן יוֹמֶא דֵין קוּרְבָּנָא קֵּדְם יְיָ וּלְאֵיתָאָה עֲלֵיכוֹן יוֹמָא דֵין וּלְאֵיתָאָה עֲלֵיכוֹן יוֹמָא דֵין

נְהַנָה בְּיוֹמָא דְּבְתְרוֹהִי נַאֲמַר מֹשֶׁה לְעַמָּא אַתּוּן חַבְתּוּן חוֹבָא רַבָּא וּכְעַן אֶפַּסִּ לִקְדָם יִיָּ מָאָם אֲכַפַּר עַל חוֹבִיכוֹן:

וְתָב מֹשֶׁה לִקְרָם יְיָ וַאֲמַר בְּבָעוּ חָב עַמָּא הָבִין חוֹבָא רַבָּא וַעֲבַרוּ לְהוֹן דַּחְלָן דרהב: וַיַּצְמָּד מֹשֶׁה בְּשַׁעַר הְמַּחֲנֶּה וַיֹּאמֶר מִי לַיהוָה אֵלֶי וַיֵּאָסְפְּוּ אֵלֶיו כָּל-בְּנֵי לֵוִי:

וּיַאּמֶר לָהֶם כְּה־אָמֵר יְהּוָה אֶלהֵי יִשְּׁרָאֵל שִׁימוּ אִיש־חַרְבְּּוֹ עַל־יְרֵכִוֹ עִבְרוּ וָשׁוּבוּ מִשַּעַר לְשַׁעַר בְּמַחֲנֶה וְהִרְנַוּ אִישׁ־אֶת־ אָחֶיו וְאִישׁ אֶת־רֵעֵהוּ וְאִישׁ אֶת־ קַרֹבוּ:

וַיִּצְשִׂוּ בְנֵי־לֵוָי כִּדְבַר מֹשֶׁה וַיִּפְּל מִן־הָעָם בַּיַּוֹם הַהוּא כִּשִּׁלְשֵׁת אַלִפֵּי אֵישׁ:

ַ ניָאמֶר מֹשֶּׁה מִלְאוּ יֶדְכֶם הַיּוֹם לִיהוָה כָּי אִישׁ בִּבְנְוֹ וּבְאָחֵיו וְלָתַת עֲלֵיכֶם הַיָּוֹם בְּרָבֶה:

וַיְהִי מִמְּחֲלָת וַיָּאמֶר מֹשֶׁה' אֶל־ הָעָּם אַתֶּם חֲטָאתֶם חֲטָאָה גְדֹלָה וְעַתָּה אֶעֶלֶה אֶל־יְהוָה אוּלֵי אֲכַפְּרָה בִּעִד חַפַּאתְכֶם:

ַ נִיָּשְׁב מֹשֶׁה אֶל־יְהוָה נִיּאמֻר אָנָּא חָשָׁא הָעֶם הַזֶּה חֲטָאָה גְדֹלָה נִיַּצְשִׂוּ לְהֶם אֱלֹהֵי זָהֵב:

- (25) פרוע. מגולה, נמגלה שמצו וקלונו, כמו וּפָרַע אָת ראשׁ הָאִשְׁה (במדבר ה, יח): לשמצה בקמיהם. להיות להם הדבר הזה לגנות בפי כל הקמים עליהם:
 - (26) מי לה׳ אלי. יבא אלי: בני לוי. מכאן שכל השבט כשר (יומא שס):
- (27) כה אמר וגר׳. והיכן אמר, זבֵח לְחֱלֹהִים יְחֵרָס (שמות כב, יט), כך שנויה במכילתא (פסחא פי"ב): אחיו. מאמו, והוא ישראל:
- (29) מלאו ידכם. אתם ההורגים אותם, בדבר זה תתחנכו להיות כהנים למקום: כי איש. מכם ימלא ידו בבנו ובאחיו:
 - (30) אכפרה בעד המאתכם. אשים כופר וקנוח וסתימה לנגד חטאתכם, להגדיל ביניכם ובין החטא:
- (31) אלהי זהב. אתה הוא שגרמת להם, שהשפעת להם זהב וכל חפלם, מה יעשו שלא יחטאו (יומא פו: ברכות לב.). משל למלך, שהיה מאכיל ומשקה את בנו ומקשטו, ותולה לו כיס בצוארו ומעמידו בפתח בית זונות, מה יעשה הבן שלא יחטא (ברכות שם):

Yet now, if Thou wilt forgive their 32 sin—; and if not, blot me, I pray Thee, out of Thy book which Thou hast written.'

And the LORD said unto Moses: 33 'Whosoever hath sinned against Me, him will I blot out of My book.

And now go, lead the people unto the place of which I have spoken unto thee; behold, Mine angel shall go before thee; nevertheless in the day when I visit, I will visit their sin upon them.'

And the LORD smote the people, because they made the calf, which Aaron made.

And the LORD spoke unto Moses: 'Depart, go up hence, thou and the XXXIII people that thou hast brought up out of the land of Egypt, unto the land of which I swore unto Abraham, to Isaac, and to Jacob, saying: Unto thy seed will I give it-

> and I will send an angel before thee; and I will drive out the Canaanite, the Amorite, and the Hittite, and the Perizzite, the Hivite, and the Jebusite—

unto a land flowing with milk and honey; for I will not go up in the midst of thee; for thou art a stiffnecked people; lest I consume thee in the way.'

וכען אם שבקת וָאָם לָא מָחיני כעז מספרה

ואמר ייַ למשה מון דּחָב קַדָּ

חוביהון:

ומחא ראשתעבד אַהַרֹן:

יי עם משה איזיל סק דאסיקתא

אמוראי וַחַתַּאֵי וּפַרוַאֵי חוַאֵי וִיבוּסאֵי:

וַיָּאמֶר יָהוָה אֶל־מֹשֵׁה מֵי אֲשֵׁר חטא־לי אמחנו מספרי:

ועתה לדו נחה את־העם אל ופַקדתי עלהם חַפַּאתם:

יהוה את־העם על

והחתי

קשה־ערף אתה פו

(32) ועתה אם תשא חטאתם. הרי טוב, איני אומר לך מחני: ואם אין מחני. וזה מקרא קלר, וכן הרבה: מספרך. מכל התורה כולה, שלא יאמרו עלי שלא הייתי כדאי לבקש עליהם רחמים:

(34) אל אשר דברתי לך. יש כאן לך אצל דבור במקום אליך, וכן לדבר לו על אדוניהו (מלכים־א ב, יט): מלאכי. ולא אני: וביום פקדי וגר. עתה שמעתי אליך מלכלותם יחד, ותמיד תמיד כשאפקוד עליהם עונותיהם, ופקדתי עליהם מעט מן העון הזה עם שאר העונות, ואין פורענות באה על ישראל שאין בה קלת מפרעון עון העגל:

(35) ויגוף ה׳ את העם. מיתה נידי שמים, לעדים בלא התראה:

(1) לך עלה מזה. ארץ ישראל גבוה מכל הארצות, לכך נאמר עלה. דבר אחר, כלפי שאמר לו בשעת הכעם לך רד, אמר לו אתה והעם. כאן לא אמר ועמך: בשעת רצון לך עלה:

(2) וגרשתי את הכנעני וגר׳. ששה אומות הן, והגרגשי עמד ופנה מפניהם מאליו:

165

And when the people heard these
4 evil tidings, they mourned; and no
man did put on him his ornaments.

And the LORD said unto Moses:

'Say unto the children of Israel: Ye
are a stiffnecked people; if I go up
into the midst of thee for one
moment, I shall consume thee;
therefore now put off thy
ornaments from thee, that I may
know what to do unto thee.'

And the children of Israel stripped themselves of their ornaments from mount Horeb onward.

Now Moses used to take the tent and to pitch it without the camp,

7 afar off from the camp; and he called it The tent of meeting. And it came to pass, that every one that sought the LORD went out unto the tent of meeting, which was without the camp.

And it came to pass, when Moses went out unto the Tent, that all the people rose up, and stood, every man at his tent door, and looked after Moses, until he was gone into the Tent.

וּשְׁמֵע עַמָּא יָת פִּּתְנֶמָא בִּישָׁא הָבֵין וְאָתְאַבֵּלוּ וְלָא שַׁוּוֹ גְּבֵר תִּקוּן זִינֵיה עֵלוֹתִי:

וֹאָמַר יִי לְמֹשֶׁה אֵימַר לִבְנֵי יִשְׂרָאֵל אַתּוּן עַם קְשֵׁי קְדָל שָׁעָה חֲדָא אֲסַלֵּיק שְׁכִינְתִי מִבּינְהְ וַאָשִׁיצִינְהְ וּכְעַן אַעְהְ תִּקּוּן זֵינְהְ מִנְּהְ וְּלֵי מֻדָּמַי מָא אַצַבִיד לַהְ:

וְאַעְדּוֹ כְנֵי יִשְׂרָאֵל יָת תִּקּוּן זִינְהוֹן מִטּוּרָא דְּחוֹרֵב:

וּמֹשֶׁה נְסֵיב יָת מַשְּׁכְּנָא וּפַּרְסֵיה לֵיה מִבְּרָא לְמַשְׁרִיתָא אָרְחֵיק מִן מַשְׁרִיתָא וְקְרֵי לֵיהּ מַשְׁכַּן בִּית אוּלְפָּנָא וְהָנִי כָּל דְּתָבַע אוּלְפָּן מִן קֵדָם יִיָ נְבֵּיק לְמַשְׁכַּן בִּית אוּלְפָנָא דְּמִבַּרָא לְמִשְׁכַן בִּית אוּלְפָנָא דְּמִבַּרָא

וְהָנֵי כַּד נְפֵּיק מֹשֶׁה לְמַשְּׁכְּנָא קְיְמִין כָּל עַמְּא וּמִתְעַתְּדִין וְּבָר בִּתְרַע מַשְׁכְּנֵיה וּמִסְתַּכְּלִין אֲחוֹרֵי מֹשֶׁה עד דעליל למשכנא: וַיִּשְׁמַע הָעָּם אֶת־הַדְּבֶּר הָרֶע הַזֶּה וַיִּתְאַבָּלוּ וְלֹא־שְׁתוּ אִישׁ עָדְיוֹ עָלֶיו:

וַיּאמֶר יְהוָּה אֶל־מֹשֶּׁה אֶמָר אֶל־בְּנִי־יִשְּׂרָאֵל אַתֶּם עַם־ קשֵׁה־עֶּרֶף רָנַע אֶחָד אֵעֱלֵה בְּקִרְבְּּהְ וְכִלְיתִידְּ וְעַהָּה הוֹרֶד עֶדְיִדְּ מֵעְלֶידְ וְאַדְעָה מֶה אֶעֱשֶׂה־לֶּךְ:

ַ וַיְּתְנַצְּלָוּ בָנֵי־יִשְׂרָאָל אֶת־עֶדְיָם מֵהֵר חוֹרֶב:

וּמֹשֶׁה יָפַּׁח אֶת־הָאֹהֶל וְנְּטָה־ לַוֹּו מִחָוּץ לַפַּחְנָּה הַרְחֵק מִן־ הַפַּחֲנָה וְקָרָא לָוֹ אֲהֶל מוֹעֵד וְהָיָה בָּל-מְבַקֵּשׁ יְהוָה יֵצֵא אֶל־ אָהֶל מוֹעֵׁד אֲשֶׁר מִחְוּץ לַפַּחְנָה:

וְהָיָה בְּצֵאת מֹשֶׁהֹ אֶל־הָאֹהֶל יְלְנִמּוֹ בְּל־הָעָּׁם וְנִצְּבׁוּ אָישׁ פָּתַח אָהֵלְוֹ וְהִבִּיטוּ אַחֲרֵי מֹשֶׁה עַד־בֹּאוֹ הַאֹהֵלָה:

- (3) אל ארץ זבת חלב ודבש. אני אומר לך להעלותס: כי לא אעלה בקרבך. לכן אני אומר לך ושלחתי לפניך מלאך: כי עם קשה עורף אתה. וכששכינתי בקרבכס ואתס ממריס בי, מרבה אני עליכס זעס: אכלך. לשון כליון: (4) הדבר הרע. שאין השכינה שורה ומהלכת עמס: איש עדיו. כתריס שניתנו להס בחורב כשאמרו נעשה ונשמע (4):
- (5) רגע אחד אעלה בקרבך וכליתיך. אם אעלה בקרבך ואתם ממרים בי בקשיות ערפכם, אזעום עליכם רגע אחד, שהוא שיעור זעמי, שנאמר מַבִּי כִמְעַט רָגַע עַד יַעֲבָר זְעָם (ישעיה כו, כ), ואכלה אמכם, לפיכך טוב לכם שאשלח מלאך: מחדעה פורענות זו תלקו מיד, שתורידו עדיכם מעליכם: ואדעה מה אעשה לך. בפקודת שאר העון, אני יודע מה שבלבי לעשות לך:
 - (6) את עדים מהר חורב. את הַעַדִי שהיה נידס מהר חורנ:
- (7) ומשה. מאומו עון והלאה: יקח את האהל. לשון הווה הוא, לוקח אהלו ונוטהו מחוץ למחנה, אמר, מנודה לרב מנודה לחלמיד: הרחק. אלפים אמה, כענין שנאמר אַךְּ לְחֹן יְהְיֶה בֵּינֵיכֶם וּבֵינֶן כְּאַלְפֵּיִם אַמֶּה בַּמִּדְּה (יהושע ג, ד): לרב מנודה לחלמיד: הרחק. אלפים אמה, כענין שנאמר אַךְּ לְחֹן יְהְיֶה בֵּינֵיכֶם וּבֵינֶן כְּאַלְפֵּיִם אַמֶּה בַּמִּדְּה הוא ביח ועד למבקשי חורה: כל מבקש ה׳. מכאן למבקש פני זקן, כמקבל פני שכינה: יצא אל אהל מועד. כמו יולא. דבר אחר והיה כל מבקש ה׳, אפילו מלאכי השרח כשהיו שואלים מקום שכינה, חבריהם אומרים להם הרי הוא באהלו של משה:

And it came to pass, when Moses entered into the Tent, the pillar of cloud descended, and stood at the door of the Tent; and [the LORD] spoke with Moses.

And when all the people saw the

pillar of cloud stand at the door of
the Tent, all the people rose up and
worshipped, every man at his tent
door.

And the LORD spoke unto Moses face to face, as a man speaketh unto his friend. And he would return into the camp; but his minister Joshua, the son of Nun, a young man, departed not out of the Tent.

And Moses said unto the LORD:

'See, Thou sayest unto me: Bring up this people; and Thou hast not let me know whom Thou wilt send with me. Yet Thou hast said: I know thee by name, and thou hast also found grace in My sight.

וְהָנֵי כֵּד עָלֵיל מֹשֶׁה לְמַשְּׁכְּנָא נְחֵית עַמּוּדָא דַּעֲנָגְא וְקְאֵים בָּתְרַע מַשְׁכְּנָא וּמִתְמַלֵּל עִם משה:

וְחָזַן כָּל עַמָּא יָת עַמּוּדָא דַּעֲנָגָא קָאָים בִּתְרַע מַשְׁכְּנָא וַקִימִין כָּל עַמָּא וְסָגְדִין גְּבַר בתרע משכניה:

וּמְמַלֵּיל יְיָ עִם מֹשֶׁה מַמְלַל עִם מַמְלַל כְּמָא דִּימַלֵּיל גּוּבְרָא עִם חַבְרֵיה וְתָאֵיב לְמַשְׁרִיתָא וּמְשׁוּמְשָׁנֵיה יְהוֹשֶׁעַ בַּר נוּן עוּלֵימָא לָא עָדֵי מִגוֹ מַשְּׁבְּנָא:

נְאָמֵר מֹשֶׁה קֵדֶם יְיָ חָזִי דְּאַהְּ וְאַתְּ לָא אוֹדַעְתַּנִי יָת דְּתִשְׁלַח וָאַתְּ לָא אוֹדַעְתַּנִי יָת דְּתִשְׁלַח וְאַרְ אַשְׁכַּחְתָּא רַחֲמִין קֶּדְמִי: וְאַרְ אַשְׁכַּחְתָּא רַחֲמִין קֵּדְמִי:

וְהִיָּה כְּבָא מֹשֶׁהֹ הָאֹהֶלָה וֵבֵד עַמָּוּד הֵעָנָּן וְעָמַד פָּתַח הָאָׁהֶל וְדָבֶּר עִם־מֹשֶׁה:

וְרָאֶה כְּל־הָעָם אֶת־עַמִּוּד הֶעְנְּן עמֵד פָּתַח הָאָהֶל וְקָם כְּל־הָעָם וְהָשִּׁתַחוֹּוּ אָישׁ פֶּתַח אָהֵלוּ:

וְדַבֶּּר יְהְוֶֹה אֶל־מֹשֶׁה ׁפְּנֵים אֶל־ בּבְּנִים כַּאֲשֶׁר יְדַבֵּר אִישׁ אֶל־ בעֵהוּ וְשָׁב אֶל־הַמַּחֲנֶּה וּמְשָּׁרְתׁוֹ יְהוֹשֶׁעַ בִּן־נוּוֹ נַעַר לְאׁ יָמִישׁ מִתּוֹךְ הַאֹּהֵל: (פּ)

נּיּאמֶר מֹשֶׁה אֶל־יְהֹנָה רְאֵּה זּיּ אַתְּה אֹמֵר אֵלִי הַעַל אֶת־הָעֶם הַנֶּה וְאַתְּה לֵא הְוֹדַעְתַּנִי אֵת אֲשֶׁר־תִּשְׁלַח עִמִי וְאַתְּה אָמַרְתְּ יְדַעְתְּיךְ בְשֶׁם וְנַם־מָצֵאתָ חֵן בעיני: בעיני:

- (8) והיה. לשון הווה: כצאת משה מן המחנה. ללכת אל האהל: יקומו כל העם. עומדים מפניו, ואין יושגין עד שנתכסה מהם: והביטו אחרי משה. לשנת, אשרי ילוד אשה שכך מוגטח שהשכינה תכנס אחריו לפתח אהלו:
- (9) ודבר עם משה. כמו ומִדַּבֵּר עם משה. חרגומו וּמִקְמלֵל עם משה, שהוא כבוד השכינה, כמו וַיִּשְׁמַע אָח הַקּוֹל מִדַּבֵּר חַלְיוֹ (במדבר ז, פט), ואינו קורא מְדבר אליו, כשהוא קורא מִדבר פתרונו הקול מדבר בינו לבין עלמו, וההדיוט שומע מאליו, וכשהוא קורא מִדבר, משמע שהמלך מדבר עם ההדיוט:
 - (10) והשתחוו. לשכינה:
- (11) ודבר ה׳ אל משה פנים אל פנים. ומִּמְמֵלֵל עס משה: ושב אל המחנה. לאחר שנדבר עמו, היה שד משה אל המחנה, ומלמד לוקנים מה שלמד, והדדר הזה נהג משה מיום הכפורים עד שהוקם המשכן ולא יותר, שהרי בשדעה עשר בממוז נשחברו הלוחות (תענית כה:), ודי"ח שרף את העגל ודן את החוטאים, ודי"ט עלה, שנאמר וַיְהִי מִמְּמֶקְרָחוֹיאֹמֶר משֶׁה אֶל בממוז נשחברו הלוחות (תענית כה:), ודי"ח שרף את העגל ודן את החוטאים, ודי"ט עלה, שנאמר וַיְהִי מִמְּמֶקְרָחוֹיאֹמֶר משֶׁה אֶל הֹל ועלית בבקר אל הר סִיני, לקבל לוחות האחרונות, ועשה שם מ' יום, שנאמר בהם וְשִׁלְכִי עַמַדְּמִּי בְּבֶּר פַּיָּמִים הְרִאשׁוֹנִים נאר ועלית בבקר אל הר סִיני, לקבל לוחות האחרונות, ועשה שם מ' יום, שנאמר בהם וְשִׁלְכִי עַמַדְּמִּי בְּבֶּר פַּיָּמִים הְרָאשׁוֹנִים ברלון אף האחרונים ברלון, אמור מעתה, אמנעיים היו בכעם. בי' בחשרי נתרלה הקב"ה לישראל וגו' (שם י, ו), מה הראשונים ברלון אף האחרונים ברלון, אמור מעתה, אמנעיים היו בכעם. בי' בחשרי נתרלה הקב"ה לישראוהו בשמחה ובלב שלם, ואמר לו למשה סַלַּקְמִּי בְּדְּבֶּרֶיך, ומסר לו לוחות אחרונות, וירד והתחיל ללוותן על מלאכת המשכן, ועשאוהו עד אחד בניסן, ומשהוקם לא נדבר עמו עוד, אלא מאהל מועד: ושב אל המחנה. תרגומו וְסֵבְּלְמִיּלְהָ, וֹדבר ה' אל משה לשון הווה, וכן כל הענין, וראה כל העם וחזן, ונלבו וקיימין. והביטו, ומסתכלין. והשתחוו, וְסֵגְּדִין. ומדרשו, ודבר ה' אל משה שישוב אל המתנה, אמר לו אני בכעם ואתה בכעם, אם כן מי יקרבם:
- (12) ראה אתה אומר אלי. ראה, תן עיניך ולבך על דבריך, אתה אומר אלי וגו' ואתה לא הודעתני וגו', ואשר אמרת לי הבה אתה אמרת ידעתיך בשם. הכרתיך משאר בני הבשה אמרת ידעתיך בשם. הכרתיך משאר בני אדם בשם משיבות, שהרי אמרת לי הַגָּה אָלִיךָ בְּשׁ מַלֵּיךְ בְּשַׁ בַּהָעָן וגו' וגם בְּדְ יַאֲמִינוּ לְעוֹלֶם (שם יט, ט):

Now therefore, I pray Thee, if I have found grace in Thy sight, show me now Thy ways, that I may know Thee, to the end that I may find grace in Thy sight; and consider that this nation is Thy people.'

And He said: 'My presence shall go with thee, and I will give thee rest.'

And he said unto Him: 'If Thy presence go not with me, carry us not up hence.

For wherein now shall it be known that I have found grace in Thy sight, I and Thy people? is it not in that Thou goest with us, so that we are distinguished, I and Thy people, from all the people that are upon the face of the earth?'

And the LORD said unto Moses: 'I
will do this thing also that thou
hast spoken, for thou hast found
grace in My sight, and I know thee
by name.'

And he said: 'Show me, I pray Thee, Thy glory.'

And He said: 'I will make all My goodness pass before thee, and will proclaim the name of the LORD before thee; and I will be gracious to whom I will be gracious, and will show mercy on whom I will show mercy.'

יּכְעַן אָם כְּעַן אַשְׁכַחִית רַחֲמִין קּדָטָך אוֹדַעני כְעַן יָת אוֹרַח הַנְּבָך וְאָדַע רַחֲמָך בְּדִיל הַנְּבָך אָנִד עָהָיל בְּדִיל הַנְעָן אָם כְּעַן אַשְׁכַחִית רַחֲמִין:

נאָמַר שְׁכִינְתִי תְּהֶךְ וַאֲנִיחַ לְּך:

וַאֲמַר קֶדָמוֹהִי אִם לֵית שָׁכִינְתָךְ מְהַלְּכָא בֵּינַנָא לָא תַּסְקַנָּנָא מִכָּא:

אַפּֿ אַרָּאָא: וּלְאַפָּׁר אַרָּאָ פְּרִישָּׁן לִּי וֹתַּפָּּר הַלָּא בּּמְהַף שְׁכִּינְתָּף אַשְּׁכַּטִית רַטְמִין בֵּלָא פְּרִישָּׁן לִי אַשְּׁכַּטִית רַטְמִין בֵּלָא אָנִא וּלְאַא יִעְיָבע הָכָּא אָנִי

נִאֲמַר יָנְ לְמֹשֶׁה אַף יָת פִּתְּגְמָא הָבִין דְּמַלֵּילְתָא אַעֲבֵיר וָרַבִּיתַף בָּשׁוֹם:

וַאֲמַר אַחְזִינִי כְעַן יָת יְקָרְךּ:

וֹאֲמֶר אֲנָא אַעְבָּר כָּל טוּבִי עַל אַפָּף וְאֶקְנִי בִשְׁמָא דִּייָ בֶּדְמָךְ נַאֲחוּן לְמֵן דַּאֲחוּן וַאֲרַחֵים עַל וַאַמָר אָנָא אַעְבָּר כָּל וְעַתָּׁה אִם־נָא מָצָּאתִי חֵוְ בְּעֵינִיךְ הוֹדעֵנִי נָא אֶת־דְּרָכֶּׁךְ וְאֵדְעַלְּ לְמַעַן אֶמְצָא־חֵן בְּעֵינֵיְךְּ וּרְאֵה בִּי עַמְּךְ הַגִּוֹי הַזֶּה:

ַניאַמֻר פָּנֵי יֵלֻכוּ וַהֲנִתְׂתִי לֶךְ: -

ַניָּאמֶר אֵלְיו אִם־אַין פְּנֶיקּר הַלְכִים אַל-תַּעֲלֵנוּ מִזֶּה:

וּבַמֶּהוּ יִנְּדַע אֵפּוֹא כִּי־מְצְּאתִי הַלֶּכְתְּךָּ עִּמָנִי וְנִפְּלִינוּ אֲנֵי רְצַלֶּכְתְּךָּ עִּמָנִי וְנִפְּלִינוּ אֲנֵי וְעַמְּדָּ מִבְּלִ-הָעָם אֲשֶׁר עַל־פְּגֵי הַאָּדַמָּה: (פ)

ַניָאמֶר יְהנָה אֱל־מֹשֶּׁה גַּם אֶת־ ישי הַדָּבֶּר הַנָּה אֲשֶׁר דִּבַּרְתְּ אֱשֶשֶׁה בִּי־מְצָאתִ חֵן בְּעִינִי וְאֵדְעֲהָ בִּשֵׁם:

ז ניאנור הַרְאֵנִי נָא אֶת־כְּבֿדֶף: ...

ַנּיּאמֶר אֲנִּי אַצְבָיר כְּל־טּוּבִי עַל־פָּנֶיךּ וְחַנַּתִי אֶת־אֲשֶׁר אָחׁן לְפָנֶיךּ וְחַנִּתִי אֶת־אֲשֶׁר אָחׁן וְרִחַמְמָּי אֶת־אֲשֶׁר אֲחָם:

- (13) ועתה. אם אמת שמצאתי חן בעיניך, הודיעני נא את דרכיך, מה שכר אתה נותן למוצאי חן בעיניך: ואדעך למען אמצא חן בעיניך. ואדע בזו מדת תגמוליך, מה היא מציאת חן שמצאתי בעיניך, ופתרון למען אמצא חן, למען אכיר כמה שכר מציאת החן: והדה כי עמך הגוי הזה. שלא תאמר ואעשה אותך לגוי גדול, ואת אלה תעזוב, ראה כי עמך הגוי הזה. שלא תאמר ואעשה אותך לגוי גדול, ואת אלה תעזוב, ראה כי עמך המס מקדם, ואני סומך על היוצאים מחלצי שיתקיימו, ואת תשלום השכר שלי בעם הזה תודיעני. ורבותינו דרשוהו במסכת ברכות (ז.), ואני ליישב המקראות על אופניהם ועל סדרם באתי:
 - (14) ויאמר פני ילכו. כתרגומו, לא אשלח עוד מלאך, אני בעצמי אלך, כמו וּפְנֶיךְ הֹלְכִים בַּקְרָב (שמואל־ב יז, יא):
 - (15) ויאמר אליו. בזו אני חפץ, כי על ידי מלאך אל תעלנו מזה:
- (16) ובמה יודע אפוא. יודע מליאת החן, הלא בלכתך עמנו, ועוד דבר אחר אני שואל ממך, שלא תשרה שכינתך עוד על אומות עובדי אלילים: ונפלינו אני ועמך. ונהיה מובדלים בדבר הזה מכל העם, כמו וְהַפְּלֶּה ה' בֵּין מִקְנֵה יִשְׂרָאֵל וגו' (שמות ט, ד):
- (17) גם את הדבר הזה. שלא משרה שכינמי עוד על עובדי אלילים אעשה, ואין דבריו של בלעם הרשע על ידי שריית שכינה, אלא נופל וגלוי עינים, כגון וְאָלֵי דָּבָר יִגִּנָּב (איוב ד, ב), שומעין על ידי שליה:
- (18) ויאמר הראני גא את כבודך. ראה משה שהיה עת רלון ודגריו מקוגלים, והוסיף לשאול להראוחו מראית כגודו:

And He said: 'Thou canst not see My face, for man shall not see Me and live

וַאָמֶר לָא תְכוֹל לְמָחָזֵי יַת אָפֵּי שְׁכִינְתִי אֲרֵי לָא יִחְזֵינַנִי אַנַשְׁא

וַ אמר לא תוכל לראת אֶת־פּנִי בִּי לֹא־יִראַנִי הַאָּדֵם וַחֵי:

And the LORD said: 'Behold, there is a place by Me, and thou shalt stand upon the rock.

וַאֲמַר יְיָ הָא אֲתַר מָתוּקַן קֵדַמַי ותתעתד על טנרא:

ניאמר יהוה הנה מקום אתי ונצבת על־הצור:

And it shall come to pass, while My glory passeth by, that I will put thee in a cleft of the rock, and will cover thee with My hand until I have passed by.

יַקַרי וַאֲשַׁוֵינֶךְ בַּמְעָרַת מִנָּרָא וִאַנֵּין בִּמֵימִרִי :עלך עד דאעבר

בּנִקרַת הַצִּוּר וִשַּׂכּתֵי כָפֵּי

And I will take away My hand, and thou shalt see My back; but My face shall not be seen.'

יַת דִּבְרַת יִקַרִי וִתִחְזֵי יָת

והסרתי אַת־כַּפִּי וְרָאֵיתָ אֵת־ יראו: (פ) (ספק פרשה סתומה בכתר צובה)

And the LORD said unto Moses: 'Hew thee two tables of stone like XXXIV unto the first; and I will write upon the tables the words that were on the first tables, which thou didst break.

וַאָמַר יָיַ לִמֹשֶׁה פָּסַל לַךְ תְּרֵין לוחי אַבניַא כַּקַדמַאָי וָאָכַתּוֹב על לוחיא ית פתגמיא דהוו

וַיָּאמַר יָהוָה' אֵל־מֹשֶׁה פְּסַל־ לִחָת אֲבָנֵים כַּרְאשׁנֵים הַדְּבָרִים אֲשֶׁר הָיֵוּ עַל־הַלְּחָת עַל לוּחַיָּא קּדְטָאֵי דִּתַבַּרְתַּא: הראשנים אשר שברת:

(19) ויאמר אני אעביר וגר׳. הגיעה שעה שתראה בכבודי מה שארשה אותך לראות, לפי שאני רולה ולריך ללמדך סדר חפלה, שכשנלרכת לבקש רחמים על ישראל, הזכרת לי זכות אבות, כסבור אתה שאם תמה זכות אבות אין עוד תקוה, אני אעביר כל מדת טובי לפניך על הצור, ואתה צפון במערה: וקראתי בשם ה׳ לפניך. ללמדך סדר בקשת רחמים, אף אם תכלה זכות אבות. וכסדר זה שאתה רואה אותי מעוטף וקורא י"ג מדות (ראש השנה יז:), הוי מלמד את ישראל לעשות כן, ועל ידי שיזכירו לפני רחום וחנון, יהיו נענין, כי רחמי לא כלים: וחנותי את אשר אחון. אותן פעמים שארלה לחון: ורחמתי. עת שאחפוץ לרחם. עד כאן לא הבטיחו אלא עתים אענה ועתים לא אענה, אבל בשעת מעשה אמר לו הְנֶה אַנֹבִי כֹּרֶת בְּרִית, הבטיחו שאינן חוזרות ריקם (שם):

(20) ויאמר לא תוכל וגר׳. אף כשאעביר כל טובי על פניך, איני נותן לך רשות לראות את פני:

(21) הנה מקום אתי. בהר אשר אני מדבר עמך חמיד, יש מקום מוכן ליללרכך שאטמייך שם שלא חזוק, ומשם תראה מה שתראה, זו פשוטו. ומדרשו, על מקום שהשכינה שם מדבר, ואומר המקום אתי ואינו אומר אני במקום, שהקב"ה מקומו של עולם ואין עולמו מקומו:

בנקרת הצור. כמו סַעֵינֵי הָמַנִשְׁים הָהֶם מִנָהֵר (במדבר טז, יד), יְקְרוּהָ (22) בעבור כבודי. כשאעגור לפניך: ערבי נַקַל (משליל, יו), אַנִי קַרְמִּי וְשָׁתִיתִי מַיָּס (ישעיה לו, כה), גורה אחת להם: נקרת הצור. כריית הצור: ושכותי כפי. מכאן שנתנה רשות למחבלים לחבל (ת"כ פ' ויקרא), ותרגומו וְאָגֵין בְּמֵימָרִי, כנוי הוא לדרך כבוד של מעלה, שאינו לריך לסוכך עליו בכף ממש:

(23) והסרותי את כפי. וְחַעְבֵייַת דְּבְרַת יְקָרִי, כשתסתלק הנהגת כצודי מכנגד פניך, ללכת משם ולהלן: אחורי. הראהו קשר של תפילין:

(1) פסל לך. הראהו מחלב סנפירינון מחוך אהלו, ואמר לו הפסולת יהיה שלך, ומשם נתעשר משה הרבה: אתה שברת הראשונות, אתה פסל לך אחרות, משל למלך שהלך למדינת הים והניח ארוסתו עם השפחות, מתוך קלקול השפחות ילא עליה שם רע, עמד שושבינה וקרע כתובתה, אמר, אם יאמר המלך להורגה, אומר לו עדיין אינה אשתך, בדק המלך ומלא שלא היה הקלקול אלא מן השפחות, נתרצה לה, אמר לו שושבינה, כחוב לה כתובה אחרת שנקרעה הראשונה, אמר לו המלך, And be ready by the morning, and come up in the morning unto mount Sinai, and present thyself there to Me on the top of the mount.

And no man shall come up with thee, neither let any man be seen throughout all the mount; neither let the flocks nor herds feed before that mount.'

And he hewed two tables of stone like unto the first; and Moses rose up early in the morning, and went up unto mount Sinai, as the LORD had commanded him, and took in his hand two tables of stone.

And the LORD descended in the cloud, and stood with him there, and proclaimed the name of the LORD.

And the LORD passed by before him, and proclaimed: 'The LORD, the LORD, God, merciful and gracious, long-suffering, and abundant in goodness and truth;

keeping mercy unto the thousandth generation, forgiving iniquity and 7 transgression and sin; and that will by no means clear the guilty; visiting the iniquity of the fathers upon the children, and upon the children's children, unto the third and unto the fourth generation.' וְהְוִי זְמִין לְצַפְּרָא וְתִּסֵּק רְתְּעַעַּד קָדָמֵי תַּמָּן עַל בֵישׁ מוּרָא:

וֹאֲנְשׁ לָא יִפַּק עִמְּדְּ וְאַףּ אֶנְשׁ לָא יִתַּחְזֵי בְּכָל טוּרָא אַף עָנָא וְתוֹבֵי לָא יִרְעוֹן לְקֶבֵיל טוּרָא ההוּא:

וּפְסַל תְּבִין לוּחֵי אַבְנַיָּא כְּקַדְמָאֵי וְאַקְדִּים מֹשֶׁה בְּצַבְּרָא וּסְלֵיק לְטוּרָא דְּסִינֵי כְּמָא דְפַקֵּיד יִי יָתֵיה וּנְסֵיב בִּידִיה תְּבִין לוּחֵי אַבְנַיָּא:

יָאָתְגְּלִי יָיָ בַּעֲנָגָא וְאָתְעַתַּד עָמֵיה תַּמָּן וּקְרָא בַשְׁמָא דַּייָ:

וְאַעְבַּר יְיָ שְׁכִינְתֵיהּ עַל אַפּּוֹהִי יִקְרָא יְיָ יְיָ אֱלְהָא רַחְמָנָּא וְחַנָּנָא מַרְחֵיק רְגז וּמַסְגֵּי לְמֶעֶבֵד טָבְוָן וּקְשׁוֹט:

נְמֵיר מִיבוּ לְאַלְפֵּי דָרִין שָׁבֵיק לַצְוָיָן וְלִמְרוֹד וּלְחוֹבִין סְלַח תִּיבִין לָא מְזַבֵּי מַסְעַר חוֹבֵי תְּיָבִין עָל בְּנִי וְעַל בְּנֵי בְנִין מֻרָדִין עַל בְּנִין וְעַל בְּנֵי בְנִין דר רביעאי:

נְהְנֵה נְּכָוֹן לַבְּּקֶר וְעָלֵיתָ בַבּּקֶר אֶל־הַר סִינִּי וְנִצֵּבְתָּ לֵי שֶׁם עַל־ רָאשׁ הָהֶר:

וְאִישׁ לְאִ־יַעֲלֶה עִמֶּּדְ וְגַם־אָישׁ אַל־יֵרֶא בְּכְל־הָהָר נַּם־הַצְּאון וְהַבָּקָר אַל־יִרְעוּ אֶל־מִוּל הָהָר ההוּא:

וַיִּפְּסֵׁל שְׁנֵי־לֶחׄת אֲבְנִּים כָּרִאשׁנִּים וַיִּשְׁכֵּם מֹשֶׁה בַבּּקֶר וַיַּעַל אֶל־תַּר סִינִּי כַּאֲשֶׁר צְּוְּה יְהוָה אֹתִוֹ וַיִּקַּח בְּיָדׁוֹ שְׁנֵי לֶחְת אבנים:

נַיָּבֶר יְהֹוָה בֶּעְנָּן וַיִּתְיַצֵּב עִמְּוֹ ' שָׁם וַיִּקְרָא בְשֵּם יְהוָה:

וַיַּעֲבֿר יְהֹוֶה וּ עַל־פָּנְיוֹ וַיִּקְרָאׂ יְהֹוֶה וּ יְהֹוֶה אֵל רַחִּיּם וְחַנִּיּוּן אֶרֶךְ אַפָּיִם וְרַב־חֶסֶר וָאֶטֶת:

לַצֶּר (בספרי תימן נַצֵּר בנו״ן רגילה) חֶסֶר לְאָלְפִּים נַשֵּׂא עְּנֶן נְפֶשַׁע וְחַשְּאָה וְנַקֵּה לָא יְנַקֶּה פֹּקֵדו עֲנָן אָבוֹת עַל־בָּנִים וְעַל־ בְּנֵי בָנִים עַל־שִׁלַשִּׁים וְעַל־ רְבֵּעִים:

אתה קרעת אותה, אתה קנה לה נייר אתר ואני אכתוב לה בכתב ידי, כן המלך זה הקב"ה, השפחות אלו ערב רב, והשושבין זה משה, ארוסתו של הקב"ה אלו ישראל, לכך נאמר פסל לך:

- (2) נכון. מזומן:
- (3) ואיש לא יעלה עמך. הראשונות על ידי שהיו בתשואות וקולות וקהלות, שלטה בהן עין רעה, אין לך יפה מן הלניעות:
 - (5) ויקרא בשם ה׳. מתרגמינן וּקְנָּל בִּשְׁמָל דה׳:
- (6) יה יד. מדת רחמים היא, אחת קודם שיחטא, ואחת לאחר שיחטא וישוב (ראש השנה יז:): אל. אף זו מדת רחמים, וכן הוא אומר, אַלִי אַלִי לְמָה עֲזַבְּפָּנִי (תהלים כב, ב), ואין לומר למדת הדין למה עזבתני, כך מנאחי במכילתא (שירה פ"ג): ארך אפים. מאריך אפו, ואינו ממהר ליפרע, שמא יעשה תשובה: ורב חסד. לנריכים חסד, שאין להם זכיות כל כך: ואמת. לשלם שכר טוב לעושי רלונו:

And Moses made haste, and bowed his head toward the earth, and worshipped.

And he said: 'If now I have found grace in Thy sight, O Lord, let the Lord, I pray Thee, go in the midst of us; for it is a stiffnecked people; and pardon our iniquity and our sin, and take us for Thine inheritance.'

And He said: 'Behold, I make a covenant; before all thy people I will do marvels, such as have not been wrought in all the earth, nor in any nation; and all the people among which thou art shall see the work of the LORD that I am about to do with thee, that it is tremendous.

Observe thou that which I am commanding thee this day; behold, I am driving out before thee the Amorite, and the Canaanite, and the Hittite, and the Perizzite, and the Hivite, and the Jebusite.

Take heed to thyself, lest thou make a covenant with the inhabitants of the land whither thou goest, lest they be for a snare in the midst of thee.

But ye shall break down their altars, and dash in pieces their pillars, and ye shall cut down their Asherim. ַנְיָשָׁהַ נּיָקָּד אַּרְצָה וְאוֹחִי מֹשֶׁה וּכְרַע עַל אַרְעָא וּיְנִישָׁהָחוּ: וּסְגִיד:

נְאָמַר אָם כְּעַן אַשְּכַּחִית הַחָמִין מֻדְמָד יְיָ הְּהָדְּ כְּעַן עַם קְשֵׁי קְדָל הוּא וְתִּשְׁבּוֹק לְחוֹבנָא וְלִחְטָאַנָּא וְתַחְסְנִנּנָא:

וּנִשלְתֵּנוּ: בְּמִרְבֵּנוּ כֵּי עַם־לְּשִׁתְּנוּ בְּמִרְבֵּנוּ כֵּי עַם־לְשֵׁת-עָרֶרְ בַּמִינִּיךְ אֲדִנִּי יֵלֶךְ-נֵּא אֲדִנִּי וּאָמֶר אִם-נָא מָצְּאתִי חֵן

נְאָמַר הָא אָנָא נְזַר קְיָם קְּדָם כָּל עַמָּךְ אַעְבֵיד פְּרִישָׁן דְּלָא אַתְבְּרִיאוּ בְּכָל אַרְעָא וּבְכָל עַמְמָיָא וְיִחְזֵי כָל עַמְּא דְּאָתְ דְּתִיל הוּא דַּאָנָא עָבֵיד עִמְּך דְחִיל הוּא דַּאָנָא עָבֵיד עִמְּך:

וֹיּאמֶר הִנֵּה אָנֹכִי כֹּרֵת בְּרִיתֹ נֶגֶד כְּל-עַמְּךְ אֶצֶשֶׂה נִפְּלְאֹת יִּבְכָל-הַגּוֹיִם וְרָאֲה כְל-הָאֶרֶץ יְבְכָל-הַגּוֹיִם וְרָאֲה כְל-הָאֶרֶץ יְמִיְת כִּי־נוֹרָא הֹוּא אֲשֶׁר אֲנִי יִחְוָת כִּי־נוֹרָא הֹוּא אֲשֶׁר אֲנִי עשֵׁה עִמֶּך:

וּפִרְנָאֵי וְחִנָּאֵי וִיבוּסָאֵי: יָת אָמוֹרָאֵי וּכְנַעֲנָאֵי וְחִתָּאֵי בין הָאָנָא מִתְּרֵיךִ מִן מֻדְמָּהְ מַר לְדְּ יָת דַּאֲנָא מְפַּמְּדָרְ יוֹמָא

שְּטְר־רְךּ צֶּת אֲשֶׁר אָנֶכִי מְצַּוְּךְּ הַיָּנִם הִנְנֵי גֹרֵשׁ מִפְּנָּיִךּ אֶת־ הָאֶמֹרִי וְהַכְּנַעֲנִי וְהַחִתִּי וְהַפְּרִזִּי וְהַחִנִּי וְהַיְבוּסִי:

אָסְתְּמֵר לָךְ דִּלְמָא תִגְזַר קְיָם לְיָתֵיב אַרְעָא דְאַתְּ עָלֵיל עֲלַה דְּלְמָא יְהֵי לְתַקְלָא בֵּינָךְ:

הַשֲּׁמֶר לְּךָּ פֶּן־תִּכְרָת בְּרִית לִיוֹשֵב הָאָרֶץ אֲשֶׁר אַתָּה בָּא עָלֶיִה פָּן־יִהְיֶה לְמוֹקֵשׁ בַּקרבַּד:

מַצֵּבתָם הְשַׁבֵּרְוּן וְאֶת־אֲשֵׁרֶיוּ וְיָת קְמָתְהוֹן הְתַּבְּרוּן וְיָה מַצֵּבתָם הְשַׁבֵּרְוּן וְאֶת־אֲשֵׁרֶיוּ וְיָת קְמָתְהוֹן הְתַּבְּרוּן וְיָה הָּכִרתוּן:

- (7) גוצר חסד. שהאדם עושה לפניו: לאלפים. לשני אלפים דורות. עונות, אלו הזדונות. פשעים, אלו המרדים שאדם עושה להכעים: ונקה לא ינקה. לפי פשוטו משמע, שאינו מוותר על העון לגמרי, אלא נפרע ממנו מעט מעט. ורצותינו דעשה להכעים: ונקה לא ינקה. לפי פשוטו משמע, שאינו מוותר על העון לגמרי, אלא נפרע ממנו מעשה אצותיהם דרשו (יומא פו.), מנקה הוא לשנים ולא ינקה לשאינן שבים: פוקד עון אבות על בנים. כשאוחזים מעשה אצותיהם בידיהם, שכבר פירש במקרא אחר לשולאי: ועל רבעים. דור רביעי, נמלאת מדה טובה מרובה על מדת פורענות אחת לחמש מאות, שבמדה טובה הוא אומר נולר חסד לאלפים:
 - (8) וימַהר משה. כשראה משה שכינה עוברת ושמע קול הקריאה, מיד וישתחו:
- (9) ילך נא ה׳ בקרבנו. כמו שהבטחתנו, מאחר שאתה נושא עון, ואם עם קשה עורף הוא וימרו בך, ואמרת על זאת
 פן אכלך בדרך, אתה תסלה לעונינו וגו'. יש כי במקום אם: ונחלתנו. ותתננו לך לנחלה (ס"א שתתן לנו נחלה) מיוחדת, זו
 היא בקשת ונפלינו אני ועמך, שלא תשרה שכינתך על האומות עובדי אלילים:
- (10) כורת ברית. על זאת: אעשה גפלאות. לשון ונפלינו, שתהיו מוגדלים גזו מכל האומות עוגדי אלילים, שלא תשרה שכינתי עליהם:
 - (11) את האמורי וגו׳. ו' אומות יש כאן, כי הגרגשי עמד ופנה מפניהם:

For thou shalt bow down to no other god; for the LORD, whose name is Jealous, is a jealous God;

lest thou make a covenant with the inhabitants of the land, and they go astray after their gods, and do sacrifice unto their gods, and they call thee, and thou eat of their sacrifice;

and thou take of their daughters
unto thy sons, and their daughters
go astray after their gods, and make
thy sons go astray after their gods.

Thou shalt make thee no molten gods.

The feast of unleavened bread shalt thou keep. Seven days thou shalt eat unleavened bread, as I commanded thee, at the time appointed in the month Abib, for in the month Abib thou camest out from Egypt.

All that openeth the womb is Mine; and of all thy cattle thou shalt sanctify the males, the firstlings of ox and sheep.

And the firstling of an ass thou shalt redeem with a lamb; and if thou wilt not redeem it, then thou shalt break its neck. All the first-born of thy sons thou shalt redeem. And none shall appear before Me empty.

רי לָא תִסְגּוֹד לְטְעֲנְת עַמְמַיָּא אֲרֵי לָא תִסְגּוֹד לְטְעֲנְת עַמְמַיָּא אֲרֵי יִיָּ קַנָּא שְׁמֵיה אֵל קַנָּא הוא:

דּלְמָא תִּגְזַר קְיָם לְיָתֵיב אַרְעָא יְיִשְׁעוֹן בָּתַר מָשְנֵתְהוֹן יִידַבְּחוּן לְטָעֲנְתָהוֹן וְיִקְרוֹן לָךְ וְתֵיכוֹל מִדְּבְחֵיהוֹן:

וְתַפַּב מִבְּנְתְהוֹן לִבְנָךְ וְיִשְׁעוֹן בְּנֶתְהוֹן בְּתַר שְצֵוְתְהוֹן: יָת בְּנָךְ בָּתַר שְצֵוְתְהוֹן:

דָּחָלָן דְּמַתְּכָא לָא תַעֲבֵיד לִד:

יָת חַגָּא דְּפַטִּירַיָּא תִּטַּר שַּבְּעָא יוֹמִין תֵּיכוֹל פַּטִּירָא דַּאֲבִיבָא יְנִמִן יַרְחָא דַּאֲבִיבָא נְפַקְתָּא מִמִּצְרִים: בּאַבִיבָא נְפַקְתָּא מִמִּצְרִים:

כָּל פָּתַח וַלְדָּא דִּילִי הוּא וְכָל בְּעִירָךְ תַּקְבֵּישׁ דִּכְרִין בְּכוֹר תּוֹר וְאִמֵּר:

בּילַנּין: הַלְּבִרוּל וְלָא יִשַּחְזִּוֹן לֵּבְתַּי הַלְּבִּילָרָא בִּילָרָא בִּלְּבָּ הַלְּאָמָרָא וְאָם לָא תִפְּרוּלְ הַבּילְרָא הִחְמָרָא תִפְּרוּלְ ָּבֶי לְא תִשְׁתַּחֲנֶה לְאֵל אַחֵרבּי יְהנָה קַנָּא שְׁמוֹ אֵל קַנָּא הָוּא:

פּוֹן־תִּכְרָת בְּרֵית לְיוֹשֵׁב הָאֶרֵץ וּ לֵאלְהֵיהֶם וְקָרֵא לְהְּ וְאָכַלְתָּ פּוֹן־תִּכְרָת בְּרֵית לְיוֹשֵׁב הָאֶרֵץ וּ

בָּנִידִ אַחֲבִי אֱלְבֵיהֶן וְהִזְּנוּ אֶתְ־ בְּנֹתִיו אַחֲבִי אֱלְבֵיהֶן וְהִזְנוּ אֶתִּ וְלָקַחָתָּ מִבְּנֹתָיו לְבָנֶיִדְּ וְזְנֵוּ

יּ אֶלֹהֵי מַסֵּכָה לְאׁ תַּצְשֶּה־לֶּךְ:

אֶת־חַג הַמַּצוֹת ׄתִּשְׁמֹר ׁ שִׁבְעַׁת יָמִים תּאַכֵּל מַצוֹת אֲשֶׁר צִּוִּיתִּדְ לְמוֹעֵד חָדֶשׁ הָאָבֵיב כָּי בְּחָדֶשׁ הַאָּבִיב יָצָאת מִמִּצְרֵים:

ַ בְּל־פֶּטֶר רֶחֶם לֵי וְכְל־מִקְנְדְּ תִּזְּלָר פָּטֶר שָוֹר וְשֶׂה:

וּפֶּטֶר חֲמוֹר ׁתִּפְדֶּה בְשֶּׁה וְאָם־ בָּנֶידְ תִּפְדֶּה וְלְאֹ־יֵרָאָוּ פָּנֵי רֵיבֵם:

- :ו) אשריו. הוא אילן שעובדים אותו:
- (14) קנא שמו. מקנא להפרע ואינו מוותר. וזהו כל לשון קנאה, אוחז בנלחונו ופורע מעוזביו:
- (15) ואכלת מזבחו. כסבור אתה שאין עונש באכילתו, ואני מעלה עליך כמודה בעבודתו, שמתוך כך אתה בא ולוקח מבנותיו לבניך (עבודה זרה ח.):
 - (18) חדש האביב. חדש הַבְּכּוּר, שהתבוחה מתבכרת נבישולה:
- (19) כל פטר רחם לי. באדס: וכל מקנך תזכר וגו׳. וכל מקנץ אשר תזכר בפטר שור ושה, אשר יפטור זכר את רחמה. פטר. לשון פתיחה, וכן פוטר מים ראשית מלון (משלי יז, יד). תי"ו של תזכר לשון נקבה היא, מוסב על היולדת: (20) ופטר חמור. ולא שאר בהמה טמאה: תפדה בשה. נותן שה לכהן, והוא חולין ביד כהן, ופטר חמור מותר בעבודה לבעלים: וערפתו. עורפו בקופיץ, הוא הפסיד ממון כהן, לפיכך יופסד ממונו: כל בכור בניך תפדה. ממשה סלעים פדיונו קצוב, שנאמר וּפְדּיִּין מִבֶּן חֹדֶשׁ מִּפְדֶּה (במדבר יח, טז): ולא יראו פני ריקם. לפיפשוטו של מקרא, דבר בפני עצמו הוא, ואינו מוסב על הבכור, שאין במצות בכור ראיית פנים, אלא אזהרה אחרת היא, וכשתעלו לרגל לראות, לא יראו פני ריקם, מצוה עליכם להביא עולת ראיית פנים. ולפי מדרש ברייתא, מקרא יתר הוא, ומופנה לגזרה שוה, ללמד

Six days thou shalt work, but on the 21 seventh day thou shalt rest; in plowing time and in harvest thou shalt rest.

And thou shalt observe the feast of 22 weeks, even of the first-fruits of wheat harvest, and the feast of ingathering at the turn of the year.

Three times in the year shall all thy males appear before the Lord God, the God of Israel.

For I will cast out nations before thee, and enlarge thy borders; neither shall any man covet thy land, when thou goest up to appear before the LORD thy God three times in the year.

Thou shalt not offer the blood of My sacrifice with leavened bread; neither shall the sacrifice of the feast of the passover be left unto the morning.

The choicest first-fruits of thy land thou shalt bring unto the house of the LORD thy God. Thou shalt not seethe a kid in its mother's milk.'

וביום וביומא שתא ובחצדא תנוח:

דשבועיַא תַעַבֵיד וַחַגָּא חָמַין חַצַּד דַכנשא בַּמַפַּקה דַשְׁתַא:

קצִיר חָמָים וְחַגֹּ הָאַסִּיף תִּקוּפַת

תלת זמנין בשתא יתחזון כל אלהא דישראל:

אַבי אַתָביך עַמִּמִין מָן קֶּדְמָד ואפתי ית תחומה ולא יחמיד

לַא תַכּוֹס עַל חַמִיעַ דַּם פַּסְחִי יביתון ּנָכָסַת חַנַּא דִּפַּסְחַא:

ריש בכורי ארעך תיתי לבית

שַׁלְשׁ פִּעָמֵים בַּשָּׁנָה יֵרָאֵה כָּל־ זְכִוּרָךְ אָת־פָּנֵי הַאָּדֹן ו יְהֹנָה

וחג שבעת תעשה לד בכורי

גוים אָת־גִּבְלַדְּ והרחבתי יחמד איש את־ארצה לַרָאוֹת אָת־פָּנֵי יְהוָה אַלהֵיךּ שלש פעמים בשנה:

הפסח:

ראשית בכורי אַדמַתדּ תַבִּיא בֵּית יִהוָה אֵלהַיִד לֹא־תִבַשֵּׁל מַקְדְשָׁא דַּייָ אֶלְהָדְּ לָא תִיכְלוּן גדי בחלב אמו: (פ)

על הענקתו של עבד עברי שהוא חמשה סלעים מכל מין ומין, כפדיון בכור, במסכת קדושין (יז.):

- (21) בחריש ובקציר תשבות. למה נזכר חריש וקליר, יש מרצוחינו אומרים (ראש השנה ט.), על חריש של ערג שביעית הנכנס לשביעית וקליר של שביעית היולא למולאי שביעית, ללמדך שמוסיפין מחול על הקדש, וכך משמעו, ששת ימים תעבוד וביום השביעי משבות, ועבודת ו' הימים שהתרתי לך, יש שנה שהחריש והקליר אסור, ואין לריך לומר חריש וקליר של שביעית, שהרי כבר נאמר שַדְדְּ לֹא תַזְרֵע וגו' (ויקרא כה, ד). ויש אומרים שאינו מדבר אלא בשבת, וחריש וקציר שהוזכר בו לומר לך, מה חריש רשות אף קליר רשות, ילא קליר העומר שהוא מלוה, ודוחה את השבת:
- (22) בכורי קציר חטים. שאתה מביא בו שתי הלחם מן החטים. בכורם שהיא מנחה ראשונה הבאה מן החדש של חטים למקדש, כי מנחת העומר הבאה בפסח, מן השעורים היא: וחג האסיף. בזמן שאתה אוסף תבואתך מן השדה לבית. אסיפה זו לשון הכנסה לבית, כמו נאספלו אל פוף ביסף (דברים כב, ב): תקופת השנה. שהיא בחזרת השנה, בתחלת השנה הבאה: תקופת. לשון מסיבה והקפה:
- (23) כל זכורך. כל הזכרים שבך. הרבה מצות בחורה נאמרו ונכפלו, ויש מהם שלש פעמים וארבע, לחייב ולענוש על מנין לאוין שבהם, ועל מנין עשה שבהם:
- כתרגומו אַמַבֶּדְ, וכן הַמֶּל רָשׁ (דברים ב, לא), וכן וַיּוֹרֶשׁ אָת הָאֵמרִי (במדבר כא, לב), לשון גירושין: והרחבתי את גבלך. . ואסה רחוק מבים הבחירה, ואינך יכול לראום לפני ממיד, לכך אני קובע לך שלשה רגלים הללו:
- (25) לא תשחט וגר׳. לא תשחט את הפסח ועדיין חמץ קיים, אזהרה לשוחט, או לזורק, או לאחד מבני חבורה (פסחים סג.): ולא ילין. כתרגומו, אין לינה מועלת בראש המזבח, ואין לינה אלא בעמוד השחר: זבח חג הפסח. אמוריו, ומכאן אתה למד לכל הקטר חלבים ואברים:

And the LORD said unto Moses:

'Write thou these words, for after
the tenor of these words I have
made a covenant with thee and
with Israel.'

וַאֲמֵר יִיָּ לְמֹשֶׁה כְּתוֹב לְּדְּ יָת פָּתְגָמַיָּא הָאִלֵּין אֲרֵי עַל מֵימַר פָּתְגָמַיָּא הָאִלֵּין גְּזַרִית עִמְּדְ קִיָם וְעָם יִשְׂרָאֵל:

וַיָּאמֶר יְהנָה אֶל־מֹשֶׁה כְּתְבּ־ לְךָּ אֶת־הַדְּבָרֵים הָאֵלֶה כְּיִתִּי עַל־פָּיו הַדְּבָרֵים הָאֵלֶה כְּרַתִּי אָתִּדְּ בָּרִית וָאֶת־יִשְׂרָאֵל:

שביעי

And he was there with the LORD forty days and forty nights; he did neither eat bread, nor drink water. And he wrote upon the tables the words of the covenant, the ten words.

וַהָנָה תַּמָּן מֵּרָם וְיָ אַרְבְּעִין לָא אֲכַל וּמַיָּא לָא שְׁתִי וּכְתַב עַל לוּחַיָּא יָת פִּתְגָמֵי קְּיָמָא עַל לוּחַיָּא יָת פִּתְגָמֵי קְיָמָא עַשְׂרָא פִּתְּגָמִין:

ַנְיְהִי־שֶׁם עִם־יְהֹנְה אַרְבָּעִים יוֹם וְאַרְבָּעִים לַיְלָה לֶחֶם לָא אָכַּל וּמָיִם לָא שָׁתְה וַיִּכְתְּב עַל־הַלָּחת אֵת דִּבְרֵי הַבְּרִית עַשֵּׂרֵת הַדְּבָרִים:

And it came to pass, when Moses came down from mount Sinai with 29 the two tables of the testimony in Moses' hand, when he came down from the mount, that Moses knew not that the skin of his face sent forth abeams while He talked with him.

נְהָנָה כַּד נְחַת מֹשֶׁה מִפּוּרָא דְּסִינֵי וּתְרֵין לּוּחֵי דְּסְהֲדוּתָא פוּרָא וּמֹשֶׁה לָא יְדַע אֲרֵי סְגִי טוּרָא וּמֹשֶׁה לָא יְדַע אֲרֵי סְגִי עמיה: וֹיְהִי בְּרֶדֶת מֹשֶׁה מַהַּר סִינַּי וּשְׁנֵּי לֻחָת הֲעֵדֶת בְּיַד־מֹשֶׁה בְּרִדְתִּוֹ מִן־הָהֶר וּמֹשֶׁה לְא־ יִדַע כִּי קָרֶן עִוֹר בְּנָיו בְּדַבְּרְוֹ אָתִּוֹ:

And when Aaron and all the children of Israel saw Moses, behold, the skin of his face sent forth beams; and they were afraid to come nigh him.

וַחַזָּא אַהֶרן וְכֶל בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל יָת משֶׁה וְהָא סְגִּי זִיוּ יְקְרָא דְאַפּוֹהִי וּדְחִילוּ מִלְאִתְקֶּרָבָא לְנָתֵיה: וַיַּּרָא אַהַרון וְכְל־בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל אֶת־מֹשֶּׁה וְהִנֵּה קְרָן עַוֹר פָּנְיֵו וַיִּירְאָוּ מִגָּשֶׁת אֵלֵיו:

And Moses called unto them; and
Aaron and all the rulers of the
congregation returned unto him;
and Moses spoke to them.

וּקְרָא לְהוֹן מֹשֶׁה וְתָבוּ לְנְתֵיה אַהָרֹן וְכָל רַבְרְבַיָּא בִּכְנִשְׁתָּא וּמַלֵּיל מֹשֶׁה עִּמְּהוֹן:

ַנִּיקְרֶא אֲלֵהֶם ׁ מֹשֶׁׁה נַיָּשֻׁבוּ אֵלְיו אַהַלֹן וְכָל־הַנְּשָׂאִים בְּעַדָּה נוְדַבֵּר מֹשֶׁה אֲלֵהֶם:

And afterward all the children of
Israel came nigh, and he gave them
in commandment all that the
LORD had spoken with him in
mount Sinai.

וּבְתַר כֵּן אָתְקַרֵבוּ כָּל בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וּפַקֵּידִנּוּן יָת כָּל דְּמַלֵּיל יְיָ עִמֵּיהּ בְּטוּרָא דָּסִינֵי:

ְּ וְאַחֲבִי־כֵן נִנְּשָׁוּ כְּל־בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל נִיְצַנֵּּם אֵת כְּל־אֲשֶׁר דִּבֶּר יְהוְּה אִתְּוֹ בְּהַר סִינֵי:

(26) ראשית בכורי אדמתך. משבעת המינין האמורים נשבה ארלך, אֶרֶץ חִפְּה וּשְׁעֹרֶה וְגָפֶן וּגו' (דברים ח, ח), וּדְבָּשֹׁ, הוֹא דבש תמרים: לא תבשל גדי. אזהרה לנשר וחלב, ושלשה פעמים כמוב בתורה, אחד לאכילה, ואחד להנאה, ואחד לאיסור בישול (חולין קטו:): גדי. כל ולד רך במשמע, ואף עגל וכנש, ממה שהולרך לפרש בכמה מקומות גדי עזים, למדת שגדי סתם כל יונקים במשמע: בחלב אמו. פרט לעוף, שאין לו חלב אם, שאין איסורו מן התורה אלא מדברי סופרים: (27) את הדברים האלה. ולא אתה רשאי לכמוב תורה שבעל פה:

(29) ויהי ברדת משה. כשהביא לוחות אחרונות ביום הכפורים: כי קרן. לשון קרנים, שהאור מבהיק ובולט כמין קרן. ומהיכן זכה משה לקרני ההוד, רבוחינו אמרו מן המערה, שנתן הקב"ה ידו על פניו, שנאמר וְשַׁפֹּחִי כַפִּי (שמוח לג, כב): (30) וייראו מגשת אליו. בא וראה כמה גדולה כחה של עבירה, שעד שלא פשטו ידיהם בעבירה מהו אומר, וּמַרְאֵה כְּבֹּוֹד הֹ כְּמִוֹ אַכֶּלְם בְּבִּיֹי יְשְׁרָאֵל (שמוח כד, יז), ולא יראים ולא מזדעזעים, ומשעשו את העגל, אף מקרני הודו של משה היו מרתיעים ומדעזעים:

(31) הנשאים בעדה. כמו נשיאי העדה: וידבר משה אליהם. שליחותו של מקום, ולשון הווה הוא כל הענין הזה:

And when Moses had done speaking with them, he put a veil on his face.

But when Moses went in before the LORD that He might speak with him, he took the veil off, until he came out; and he came out; and spoke unto the children of Israel that which he was commanded.

And the children of Israel saw the face of Moses, that the skin of Moses' face sent forth beams; and Moses put the veil back upon his face, until he went in to speak with Him.

וַיַכַל מֹשֵּׁה מִדַּבֵּר אָתָם וַיִּתֵּן ושיצי משה מלמללא עמהון ויהב על אפוהי בית אפי: על־פּניו מסות:

וּבָבֹא משה לפני יהוָה לדבר למללא עמיה מעדי ית בית את־המסוה אפי עד מפקיה ונפיק וממליל עם בני ישראל ית דמתפקד: ישראל את אשר יצוה:

וָחַזַן בָּנֵי יִשְׂרָאֵל יַת אפּי משה אַרִי סִגִּי זִיו יִקַרָא דַאַפֵּי מֹשֵׁה ומתיב משה ית בית אפי

וראוּ בני־ישראל' את־פּני משה בֵי קַרָן עור פּנֵי משה והשיב מֹשֵׁה אָת־הַמַּסְוָה עַל־פַּנִּיו עַד בֹאוֹ לדבר אתוֹ: (ס)

שבת שַבַּתִוֹן לַיהוָה כַּל

בו מלאכה יומת:

The Haftarah is I Kings 18:1 - 18:39 on page 225. Sepharadim read I Kings 18:20 - 18:39. On Shabbat Parah, read Maftir and Haftarah on page 244.

And Moses assembled all the congregation of the children of XXXV Israel, and said unto them: 'These are the words which the LORD hath commanded, that ye should do them.

> Six days shall work be done, but on the seventh day there shall be to you a holy day, a sabbath of solemn rest to the LORD; whosoever doeth any work therein shall be put to death.

Ye shall kindle no fire throughout your habitations upon the sabbath day.'

:לעשת אתם

לַא תַבַעַרוּן

משבתיכם ביום השבת: (פ)

- (32) ואחרי כן נגשו. אחר שלמד לזקנים, חוזר ומלמד הפרשה או ההלכה לישראל. תנו רבנן, כילד קדר המשנה, משה היה לומד מפי הגבורה, נכנס אהרן, שנה לו משה פרקו, נסתלק אהרן וישב לו לשמאל משה, נכנסו בניו, שנה להם משה פרקם, נסתלקו הם, ישב אלעזר לימין משה ואיתמר לשמאל אהרן, נכנסו זקנים, שנה להם משה פרקם, נסתלקו זקנים ישבו ללדדין, נכנסו כל העם, שנה להם משה פרקם, נמלא ביד כל העם א', ביד הזקנים ב', ביד בני אהרן שלשה, ביד אהרן ארבעה וכו', כדאיתא בעירובין (נד:):
- (33) ויתן על פניו מסוה. כתרגומו בית אפי, לשון ארמי הוא בגמרא קוי לבא (כתובות קב:), ועוד בכתובות (ם.), הוה קא מסוה לאפה, לשון הבטה, היה מסחכל בה, אף כאן מסוה, בגד הניתן כנגד הפרצוף ובית העינים, ולכבוד קרני ההוד שלא יזונו הכל מהם, היה נותן המסוה כנגדן, ונוטלו בשעה שהיה מדבר עם ישראל, ובשעה שהמקום נדבר עמו עד לאתו, ובלאתו ילא בלא מסוה:
 - (34) ודבר אל בני ישראל. וראו קרני ההוד גפניו, וכשהוא מסתלק מהס:
 - (35) והשיב משה את המסוה על פניו עד בואו לדבר אתו. וכקנא לדנר אתו נוטלו מעל פניו:
- (1) ויקהל משה. למחרת יום הכפורים כשירד מן ההר, והוא לשון הפעיל, שאינו אוסף אנשים בידים, אלא הן נאספים על פי דבורו, ותרגומו וַאַּכְנָשׁ:
 - (2) ששת ימים. הקדים להם אזהרת שבת לצווי מלאכת המשכן, לומר, שאינו דוחה את השבת:

| 4 | And Moses spoke unto all the congregation of the children of Israel, saying: 'This is the thing which the LORD commanded, saying: | וַאָּמַר מֹשֶׁה לְכָל כְּנִשְׁתָּא דִּבְנֵי יִשְׂרָאֵל לְמֵימַר דֵּין פִּתְגָמָא דְפַקֵּיד יָיָ לְמֵימַר: | ַנַּאמֶר מֹשֶּׁה אֶל־כְּל־עֲדַת בְּנֵי־ יִשְּׂרָאֵל לֵאמֶר זֶהַ הַדְּבָּר אֲשֶׁר־ צִּנָה יְהֹוָה לֵאמָר: | לוי | | |
|----|--|--|---|------|--|--|
| 5 | Take ye from among you an offering unto the LORD, whosoever is of a willing heart, let him bring it, the LORD'S offering: gold, and silver, and brass; | סַבוּ מָנְּכוֹן אַפְּרָשׁוּתָא קֶדָם יִיָּ כֹּל דְּיִתְרְשֵי לְבֵּיה יִיְתֵי יָת אַפְּרָשׁוּתָא קֶדָם יִיְ דַּהְבָּא וְכַסְפָּא וּנְחָשָׁא: | קְחוּ מֵאָתְּכֶם תְּרוּמָת לֵיחנְּה כָּל וְדֵיב לִבּוֹ יְבִיאֶה אֶת תְּרוּמַת יְהוֹוָה זָהָב וָכֶסֶף וּנְחְשֶׁת: | 5 | | |
| 6 | and blue, and purple, and scarlet, and fine linen, and goats' hair; | וְתַכְלָא וְאַרְגְּוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי וּבוּץ וּמַעְזֵי: | וּתְכֵלֶת וְאַרְגָּמֶן וְתוֹלַעַת שָׁנִי וְשֵׁשׁ וְעִזִּים: | 6 | | |
| 7 | and rams' skins dyed red, and sealskins, and acacia-wood; | ּוּמַשְׁכֵּי דְּדָּכְרֵי מְסֻמְּקֵי וּמַשְׁכֵּי סָסְגוֹנָא וְאָעֵי שִׁמִּין: | וְעֹרֵת אֵילָם מְאָדָּמֶים וְעֹרָת תְּחָשִׁים וַעֲצֵי שִׁמֶּים: | 7 | | |
| 8 | and oil for the light, and spices for the anointing oil, and for the sweet incense; | וּמִשְׁחָא לְאַנְהָרוּתָא וּבוּסְמַיָּא לִמְשַׁח רְבוּתָא וְלִקְמַׂרֶת בּוּסְמַיָּא: | וְשֶׁמֶן לַמְּאָוֹר וּבְשָּׁמִים ׁ לְשֵּׁמֶן הַמִּשְׁהָה וְלִקְּשָׂרֶת הַפַּמִּים: | 8 | | |
| 9 | and onyx stones, and stones to be set, for the ephod, and for the breastplate. | וְאַרְנִי בוּרְלָא וְאַרְנִי אַשְׁלֶמוּתָא לְשַקּעָא בְּאֵיפּוֹדָא וּבְחוּשְׂנָא: | וְאַׁבְנֵי־שֶׁהַם וְאַבְנֵי מִלֶּאֵים לָאֵפָּוֹד וְלַחְשֶׁן: | 9 | | |
| Ю | And let every wise-hearted man among you come, and make all that the LORD hath commanded: | וְכָל חַכִּימֵי לְבָּא דִּבְכוֹן יֵיתוֹן וְיַעְבְּדוּן יָת כָּל דְּפַּקֵיד יְיָ: | וְכָל־חֲכַם־לֵב בָּכֶם יָבְאוּ וְיַצְשׁוּ אָת כְּל־אֲשֶׁר צִּוָּה יְהֹוֶה: | Ю | | |
| п | the tabernacle, its tent, and its covering, its clasps, and its boards, its bars, its pillars, and its sockets; | יָת מַשְּׁכְנָא יָת פְּרָסֵיהּ וְיָת חוּפָאֵיהּ פּוּרְפּוֹהִי דַּפּוֹהִי עָבְרוֹהִי עַמּוּדוֹהִי וְסָמְכוֹהִי: | אֶת־הַמִּשְׁבְּׁן אֶת־אֲהָלוֹ וְאֶת־ מִכְסֵהוּ אֶת־קְרָסִיוֹ וְאֶת־קְרָשִּׁיו אֶת־בְּרִיחָוֹ אֶת־עַפֶּדָיוֹ וְאֶת־ אֲדָנֵיו: | שרחל | | |
| 12 | the ark, and the staves thereof, the ark-cover, and the veil of the screen; | יָת אֲרוֹנָא וְיָת אֲרִיחוֹהִי יָת כָּפּוּרְתָּא וְיָת פָּרוּכְתָּא דִּפְרָסָא: | אֶת־הָאָלִן וְאֶת־בַּדֶּיוּ אֶת־ הַכַּפַּׂבֶת וְאֵת פָּלִכֶת הַמְּּסֶךּ: | 12 | | |
| 13 | the table, and its staves, and all its vessels, and the showbread; | יָת פָּתוּרָא וְיָת אֲרִיחוֹהִי וְיָת כָּל מָנוֹהִי וְיָת לְחֵים אַפַּיָּא: | אֶת־הַשֶּׁלְחֵן וְאֶת־בַּדֶּיו וְאֶת־ כְּל־כֵּלְיִו וְאֵת לֵחֶם הַפָּנִים: | 13 | | |

- (3) לא תבערו אש. יש מרצוחינו אומרים, הצערה ללאו ילאת, ויש אומרים לחלק ילאת (סנהדרין לה:, יבמות ו:):
 - (4) זה הדבר אשר צוה ה׳. לילחמרלכס:
 - (5) נדיב לבו. על שם שלנו נדנו קרוי נדינ לצ. כנר פירשתי נדנת המשכן ומלחכתו נמקום לווחתם:
- (11) את המשכן. יריעות התחתונות הנראות בתוכו קרוים משכן: את אהלו. היא אהל יריעות עזים העשוי לגג: ואת מכסהו. מכסה עורות אילים והתחשים:
- (12) ואת פרוכת המסך. פרוכת המחילה. כל דבר המגין בין למעלה בין מכנגד קרוי מסך וסכך, וכן שַּׁכְּהָּ בַּעֲדֹו (איוב א, ו), הִנְיִ שַׁךְּ אֶׁת דַּרְבַּדְּ (הושע ב, ח):

the candlestick also for the light, and its vessels, and its lamps, and the oil for the light;

and the altar of incense, and its staves, and the anointing oil, and the sweet incense, and the screen for the door, at the door of the tabernacle;

the altar of burnt-offering, with its grating of brass, its staves, and all its vessels, the laver and its base;

the hangings of the court, the pillars thereof, and their sockets, and the screen for the gate of the court;

the pins of the tabernacle, and the pins of the court, and their cords;

the plaited garments, for ministering in the holy place, the holy garments for Aaron the priest, and the garments of his sons, to minister in the priest's office.'

And all the congregation of the children of Israel departed from the presence of Moses.

And they came, every one whose heart stirred him up, and every one whom his spirit made willing, and brought the LORD'S offering, for the work of the tent of meeting, and for all the service thereof, and for the holy garments.

וְיָת מְנֶרְתָא דְאַנְהוֹרִי וְיָת מְנַהָא וְיָת בּוֹצִינַהָא וְיָת מִשְׁחָא דָאַנָהַרוּתָא:

וֹיָת מַּדְבְּחָא דְּקְטֹרֶת בּוּסְמַיָּא וֹיָת שְּׁרָסָא דְּתַרְעָא לִתְרַע דִּרְבוּתָא וְיָת קְטֹרֶת בּוּסְמַיָּא משכנא:

יָת מַדְבְּחָא דַּעֲלֶתְא וְיָת סְרָדָא דְּנְחָשָׁא דִּילֵיה יָת אֲרִיחוֹהִי וְיָת כָּל מָנוֹהִי יָת כִּיּוֹרָא וְיָת בּסיסיה:

יָת סְלָבִי דְּרְתָא יָת עַמּוּדוֹהִי דְיָת סְלְכַהָא וְיָת פְּּרָסָא דִּתְרַע דְּרָתָא:

יָת סָבֵּי מַשְּׁבְּנָא וְיָת סִבֵּי דְּרְתָא וְיָת אֲטוּנֵיהוֹן:

יָת לְבוּשֵׁי שִׁמּוּשָׁא לְשַׁמְשָׁא בְּקוּדְשָׁא יָת לְבוּשֵׁי קּוּדְשָׁא לְאַהַרֹן כָּהַנָּא וְיָת לְבוּשֵׁי בְנוֹהִי לְשַׁמִּשָׁא:

וּנְפַקוּ כָּל כְּנִשְׁתָּא דִּבְנֵ יִשְׂרָאֵל מִן קַדָם מֹשֵׁה:

וַאֲתוֹ כֶּל וְּכָר דְּאִתְרְעִי לְבֵּיה וְכֹל דְּאַשְׁלֵימֵת רוּחֵיה עִּמֵּיה אֵיתִיאוּ יָת אַפְּרָשׁוּתָא קֵדָם יְיָ לַעֲבִידַת מַשְׁכַּן זִמְנָא וּלְכָל פּוּלְחָנֵיה וְלִלְבוּשֵׁי קוּדְשָׁא: וְאֶת־מְנֹרֶת הַמְּאֶוֹר וְאֶת־כֵּלֶיהְ וְאֶת־גַרֹּתָיִה וְאֵת שֶׁמֶן הַמְּאִוֹר:

וְאֶת־מִּזְבָּח הַקְּשׁׁרֶת ׁ וְאֶת־בַּדְּיוּ הַפַּמִּים וְאֶת־מְסַךְ הַפָּתַח הַפַּמִּים וְאֶת־מְסַךְ הַפָּתַח לִבָּתַח הַמִּשְׁכַּן:

אַתוּ מִזְבַּח הָעֹלְה וְאֶת־מִּכְבַּר הַנְּחֹשֶׁת אֲשֶׁר־לוֹ אֶת־בַּדָּיוּ וְאֶת־כָּל־כַּלְיִוּ אֶת־הַכִּיִּר וְאֶת־ כַּנִּוֹ:

ָּ אָת קַלְעֵי הָחְצֵר אֶת־עַמָּדָיוּ וְאֶת־אֲדָנֶיִהְ וְאֵת מָסַךְּ שַׁעַר הָחָצֵר:

ָּג אֶת־יִתְדָּת הַמִּשְׁכָּן וְאֶת־יִתְדָּת יְ הָחָצֵר וְאֶת־מֵיתְביהֶם: וְ

ָּ אֶת־בּּגְדֵי הַשְּּׁרֶד לְשָׁרֵת בַּּלְּדֶשׁ אֶת־בִּגְדֵי הַלְּדֶשׁ לְאַהַרָן הַכּּהֵן אֶת־בִּגְדֵי בָנָיו לְכַהַן:

ַ נַיַּצְאָּוּ כְּל־עֲדָת בְּנֵי־יִשְּׂרָאֵל מַלְפְנֵי מֹשֶׁה:

ניְבאּוּ בְּל אָשֶׁר נְדְבָּה רוּחׁוּ אֹתוֹ הֵבִּיאוּ אֶת־תְּרוּמַת יְהוְּה לִמְלֶאכֶת אָהֶל מוֹעֵד וּלְכָל־ עֲבָּדָתׁוֹ וּלְבִגְדֵי הַלְּדָשׁ:

- (13) לחם הפנים. כבר פירשתי, על שם שהיו לו פנים לכאן ולכאן, שהיה עשוי כמין תיבה פרולה:
- (14) ואת כליה. מלקחים ומחחות: גרותיה. לוליני"ש בלע"ז, בזיכים שהשמן והפחילות נחונין בהן: ואת שמן המאור. אף הוא לריך חכמי לב, שהוא משונה משאר שמנים, כמו שמפורש במנחות (פו.), מגרגרו בראש הזית, והוא כמית וזך:
 - (15) מסך הפתח. וילון שלפני המזרח, שלא היו שם קרשים ולא יריעות:
- (17) את עמודיו ואת אדניה. הרי חלר קרוי כאן לשון זכר ולשון נקבה, וכן דברים הרבה: ואת מסך שער החצר. וילון פרוש ללד המזרח עשרים אמה אמלעיות, של רוחב החלר שהיה חמשים רחב, וסתומין הימנו ללד לפון ט"ו אמה, וכן לדרום, שנאמר וַמַמָשׁ עָשַׂרֶה אַמָּה קַלְעִים לַבְּתַּף (שמות כז, יד):
 - (18) יתדות. למקוע ולקשור בהם סופי היריעות בארץ, שלא ינועו ברוח: מיתריהם. חבלים לקשור:
 - (19) בגדי השרד. לכסות הארון והשלחן והמנורה והמזנחות נשעת סילוק מסעות:

And they came, both men and women, as many as were

willing-hearted, and brought nose-rings, and ear-rings, and signet-rings, and girdles, all jewels of gold; even every man that brought an offering of gold unto the LORD.

And every man, with whom was found blue, and purple, and scarlet, and fine linen, and goats' hair, and rams' skins dyed red, and sealskins, brought them.

Every one that did set apart an offering of silver and brass brought the LORD'S offering; and every man, with whom was found acacia-wood for any work of the service, brought it.

And all the women that were wise-hearted did spin with their hands, and brought that which they had spun, the blue, and the purple, the scarlet, and the fine linen.

And all the women whose heart stirred them up in wisdom spun the goats' hair.

And the rulers brought the onyx

27 stones, and the stones to be set, for
the ephod, and for the breastplate;

וּמֵיתַן גּוּבְרַיָּא עַל נְשַׁיָּא כּל דְאָתְרְעִי לְבֵּיה אֵיתִיאוּ שֵׁיְרִין וְשַׁבִּין וְעִזְקון וּמָחוֹךְ כָּל מָן דְּדָהַב וְכָל גְּבֵר דַּאֲבִים אַרְמוּת דַּהְבָּא קֵדָם יִיָּ:

וְכָל גְּבַר דְּאִשְׁתְּכַח עִמֵּיה תַּכְלָא וְאַרְגְּוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי וּבוּץ וּמַעָזֵי וּמַשְׁכֵּי דְּדִּכְרֵי מָסְמָּמֵי וּמַשְׁכֵּי סָסְגוֹנָא איתיאוּ:

בָּל דַאָבים אָרָמוּת כְּסַף וּנְחָשׁ אַיתִיאוּ יָת אַבְּרָשׁוּתָא קֶּדָם יְיָ וְכֹל דְּאִשְׁתְכַח עִמֵּיה אָעֵי שִׁטִּין לְכָל עַבִידַת פּוּלְחָנָא אֵיתִיאוּ:

וְכָל אָתְּתָא חַכִּימַת לְבָּא בִּידַהָּא עָזְלָא וּמֵיתַן כִּד עֲזִיל יָת תַּכְלָא וְיָת אַרְגְּוְנָא יָת צְבַע זהורי וית בּוּצא:

כָר נְשַּיָּא דְּאָתְרְעִי רָבְּהוּן זִּמְּחוֹן בְּחָרָמָא עָזְלָן יָת זַעַזְיָא:

וְרַבְּרְבַיָּא אֵיתִיאוּ יָת אַבְנִי בוּרְלָא וְיָת אַבְנֵי אַשְׁלְמוּתָא לְשָׁקַעַא בָּאֵיפּוֹדָא וּבְחוּשָׁנַא:

וַיָּבְאוּ הָאֲנָשִׁים עַל־הַנָּשִׁים כַּלוּ נְדָיב לֵב הֵבִּיאוּ חָח וְנָּזֶם וְטַבַּעַת וְכוּמָזֹ כְּל־כְּלֵי זָהָב וְ וְכָל-אִישׁ אֲשֶׁר הֵנֶיף חְנוּפָּת זָהָב לַיהוָה:

וְכָל־אָישׁ אֲשֶׁר־נִמְצֵא אִהֹּוּ הְבַלֶּת וְאַרְגְּמָן וְתוּלַעַת שָׁנִּי וְשֵׁשׁ וְעִזִּים וְעֹרָת אֵילָם מְאָדָּמָים וְעֹרָת הְחָשִׁים הַבִּיאוּ:

פָּל־מֵּרִים תְּרָוּמַת כֶּטֶף וּנְחֵּשֶׁת הַבִּיאוּ אָת תְּרוּמַת יְהוֹּה וְכֹל אֲשֶׁר נִמְצָא אִתֹּוֹ עֲצֵי שִׁשֶּׁים לְכָל־מְלֵאכֶת הָעֲבֹדָה הֵבִיאוּ:

וְכֶל־אִּשֶׁה חַכְמַת־לֵב בְּיָדֵיהְ מָגֵוּ וַיִּבְיאוּ מַטְוָה אֶת־הַהְּכֵלֶת וְאֶת־הַשֵּׁשׁ: וֹאֵת־הַשֵּׁשׁ:

ַ וְכְּל־הַנָּשִּׁים אֲשֶׁר נִשְּׂא לִבְּן אֹתָנָה בְּחְכָמָה טָוָוּ אֶת־הָעִזִּים:

ַ וְהַנְּשָׂאֲם הַבִּיאוּ אֵת אַבְנֵי הַשְּׁהַם וְאֵת אַבְנֵי הַמִּלֶּאֵים לְאֵפְּוֹד וִלַחְשֵׁן:

- (22) על הגשים. עם הנשים, וסמוכין אליהם. (מה שהחרגום הניח על כפשוטו, משום דלא מתרגם ויבאו האנשים ואֲחוֹ (22) אַבְּרַיָּא, כמו שמתרגם לעיל מיניה, רק מתרגם וּמַיִּיסֶן, ורצה לומר שהביאו חח ונזם בעודן על הנשים, כמו שכתב רש"י על טוו אַבְּרַיָּא, כמו שמתרגם לעיל מיניה, רק מתרגם וּמַיִּיסֶן, ורצה לומר שהביאו חח וכומז. כלי זהב הוא, נחון כנגד אותו מקום את העזים): □ חח. הוא חכשיט של זהב עגול, נחון על הזרוע, והוא הצמיד: □ וכומז. כלי זהב הוא, נחון כנגד אותו מקום לאשה, ורבומינו פירשו שם כומז, כאן מקום זמה:
 - (23) וכל איש אשר נמצא אתו. תכלת או ארגמן או תולעת שני או עורות אילים או תחשים, כולם הכיאו:
 - (26) שוו את העזים. היא היתה אומנות יתירה, שמעל גבי העזים היו טווין אותם (שבת לט.):
- (27) והגשאם הביאו. אמר ר' נמן, מה ראו נשיאים להתנדב בחנוכת המזבח בתחלה, ובמלאכת המשכן לא התנדבו בתחלה, אלא כך אמרו נשיאים, יתנדבו לבור מה שמתנדבים, ומה שמחסרין אנו משלימין אותו, כיון שהשלימו לבור את הכל, שנאמר יְהַשְּׁלֶחֹכָה הַיְּיֶם (שמות לו, ז), אמרו נשיאים מה עלינו לעשות, הביאו את אבני השהם וגו', לכך התנדבו בחנוכת המזבח תחלה, ולפי שנתעללו מתחלה, נחסרה אות משמם, והנשאם כתיב:

and the spice, and the oil, for the light, and for the anointing oil, and for the sweet incense.

וְיָת בּוּסְמָא וְיָת מִשְׁחָא לְאַנְהָרוּתָא וְלִמְשַׁח רְבוּתָא וִלְקַמֹּרֵת בּוּסְמַיָּא:

וְאֶת־הַבְּשֶׁם וְאֶת־הַשָּׁמֶן לְמָאֿוֹר וְ וּלְשֶׁמֶן הַמִּשְׁחָה וְלִקְמָּנֶת יְ הַפָּמֵּים:

The children of Israel brought a freewill-offering unto the LORD; every man and woman, whose heart made them willing to bring for all the work, which the LORD had commanded by the hand of Moses to be made.

כּל גְּבָר וְאָתָּא דְּאָתְרְעִי לִבְּחוֹן עִּמְּחוֹן לְאֵיתָאָה לְכָל עֲבִידְתָא דְּפַקֵּיד יִיְ לְטֶעֶבַד בִּידָא דְּמֹשֶׁה אֵיתִיאוּ בְנֵי יִשְׂרָאֵל נְדַבְתָּא קֵדָם יִיָ:

כְּל-אֵישׁ וְאִשָּׁה אֲשֶּׁר נָדַב לִבְּם` אֹתָם לְהָבִיאׁ לְכָל-הַמְּלְאּלָה אֲשֶׁר צִּוְּה יְהנְה לַצְשָׂוֹת בְּיַד־ מֹשֶׁה הַבִּיאוּ בְנֵי־יִשְׂרָאֵל נְדָבָה לַיהוָה: (פ)

And Moses said unto the children of Israel: 'See, the LORD hath called by name Bezalel the son of Uri, the son of Hur, of the tribe of Judah.

וַאֲמַר מֹשֶׁה לְבְנֵי יִשְׂרָאֵל חֲזוֹ דְּרַבִּי יְיָ בְּשׁוֹם בְּצַלְאֵל בַּר אוּרִי בַר חוּר לְשִׁבְטָא דִּיהוּדָה:

וַיָּאמֶר מֹשֶׁהֹ אֶל־בְּנֵי יִשְּׂרְאֵׁל יִרְאָוּ קְרָא יְהֹוָה בְּשֵׁם בְּצַלְאֵל בָּן־אוּר לְמַמֵּה יהודה:

שלישי

And He hath filled him with the spirit of God, in wisdom, in understanding, and in knowledge, and in all manner of workmanship.

וְאַשְׁלֵים עִמֵּיה רוּחַ מִן קֶּדְם יִי בְּחְכִמָא בְּסוּכְלְתָנוּ וּבְמַדַּע וּבכל עבידא:

ַ וַיְמַלֵּא אֹתוֹ רַוּחַ אֶּלֹתִים בְּחְכְמָת בִּתְבוּנֵה וּבְדָעַת וּבִכֶּל־מִלָּאכֵה:

And to devise skilful works, to work in gold, and in silver, and in brass,

ּיִלְאַלְפָּא אָמָּנְוֹן לְטֶעֶבִר בְּדַהְבָּא וִּבְכַסְפָּא וִבנְחָשָׁא:

ּ וְלַחְשָׁב מַחֲשֶׁבֶת לַצְשֶּׂת בַּזְּחָב יבַבֶּסֶף יבַּנְּחְשֶׁת:

and in cutting of stones for setting, and in carving of wood, to work in all manner of skilful workmanship. וּבְאוּמָנוּת אָבֶן טְבָא לְאַשְׁלְמָא יִבְנּגְרוּת אָנְא לְמָצֶבַד בְּכְל עָבִידַת אוּמְוּנִן:

ַּיבַחֲרָשֶׁת אֶבֶן לְמַלְאֹת וּ מְלֶאכֶת מַחֲשֶׁבֶת: מְלֶאכֶת מַחֲשֶׁבֶת:

And He hath put in his heart that

34 he may teach, both he, and
Oholiab, the son of Ahisamach, of
the tribe of Dan.

וּלְאַלְפָּא יְתַב בְּלְבֵּיהּ הוּא וְאָהֵלִיאָב בַּר אֲחִיסְמָהְ לְשִׁבְטָא דְּדָן:

ַ וּלְהוֹרָת נָתַן בְּלַבֵּוֹ הֿוּא וּי וְאֲהֵלִיאֵב בָּן־אֲחִיסְמָךְ לְמַמֵּה־ וְּיֹּ דֵו:

Them hath He filled with wisdom of heart, to work all manner of workmanship, of the craftsman, and of the skilful workman, and of the weaver in colours, in blue, and in purple, in scarlet, and in fine linen, and of the weaver, even of them that do any workmanship, and of those that devise skilful works.

מָלֵּא אֹתָם חְכְמַת-לֵב לַעֲשׁוֹת אַשְׁלֵים עִּמְּהוֹן חַכִּימוּת לְבָּא כְּל-מְלֶאכֶת חְרָשׁ וּ וְחֹשֵׁב לְמֶעֶבִד כְּל עֲבִידַת נַנְּר וְאוּמְן וְרֹלֵים בַּתְּכַלֶּת וּבְאַרְגִּמְוֹ בְּאַבְי וְחוֹרִי וּבְבוּצְא וּמְחֵי בְּתוֹלַעַת חַשְּׁנִי וּבַשֵּׁשׁ וְאֹרֵג עֹשֵׁי בְּאַבְי וְחוֹרִי וּבְבוּצְא וּמְחֵי בְּל-מְלָאַלָּת חַשְּׁנִי מַחֲשְּׁבְּת: אוּמְנְן:

⁽³⁰⁾ חור. גנה של מרים היה:

⁽³⁴⁾ ואהליאב. משבט דן, מן הירודין שבשבטים, מבני השפחות, והשוחו המקום לבללאל למלאכת המשכן, והוא מגדולי השבטים, לקיים מה שנאמר וְלא נָכֵר שַׁעַ לְפָנֵי דָל (איוב לד, יט):

And Bezalel and Oholiab shall work, and every wise-hearted man, XXXVI in whom the LORD hath put wisdom and understanding to know how to work all the work for the service of the sanctuary, according to all that the LORD hath commanded.'

ויעביד בצלאל ואהליאב וכל חכים לבא דיהב למעבד ית כל עבידת

ועשה בצלאל ואהליאב וכלו איש חכָם־לָב אָשֶׁר נֶתָן יְהוָה חכמה ותבונה בהמה לעשת את־כַּל־מלאכת עבדה

And Moses called Bezalel and Oholiab, and every wise-hearted man, in whose heart the LORD had put wisdom, even every one whose heart stirred him up to come unto the work to do it.

ולאהליאב ולכל גבר חכים לְבַּא דִיהַב יִיַ חַכְמָתַא בִּלְבֵּיה דאתרעי לביה למקרב

ויקרא משה אל-בצלאל אהליאב ואל כל-איש לב אשר נתן יהנה חכמה בלבו כל אשר נשאו לבו אל-המלאכה לעשת אתה:

And they received of Moses all the offering, which the children of Israel had brought for the work of the service of the sanctuary, wherewith to make it. And they brought yet unto him freewill-offerings every morning.

And all the wise men, that wrought 4 all the work of the sanctuary, came every man from his work which they wrought.

ואתוֹ כּל חכִּימַיֵּא דְעַבְדִין יַת כַל עַבִידַת קוּדְשַא גָבַר גָבַר המה עשים: ממלאכתו אשר־

And they spoke unto Moses, saying: 'The people bring much more than enough for the service of the work, which the LORD commanded to make.'

עמא לאיתאה מסת פוי לַעֲבִידָתָא דִּפַּקֵיד

צוַה אַשַר

And Moses gave commandment, and they caused it to be proclaimed throughout the camp, saying: 'Let neither man nor woman make any more work for the offering of the sanctuary.' So the people were restrained from bringing.

משה

עוד מלאכה לתרומת הקדש ויכלא העם מהביא:

For the stuff they had was sufficient for all the work to make it, and too much.

- (5) מדי העבודה. יותר מכדי לורך הענודה:
 - (6) ויכלא. לשון מניעה:

And every wise-hearted man among them that wrought the work made the tabernacle with ten curtains: of fine twined linen, and blue, and purple, and scarlet, with cherubim the work of the skilful workman made he them.

ַנְצְבַרוּ כָל חַכִּימֵי לְבָּא בְּעְבְדֵי עֲבִידְתָא יָת מַשְׁכְּנָא עֲשֵׁר יְרִיעָן דְּבוּץ שְׁזִיר וְתַכְלָא נְאַרְגְּוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי צוּרַת כָּרוּבִין עוֹבָד אוּמָן עֲבַד יַתָהוֹן:

ניַּצְשׁׁוּ כָל־חֲכַם־לֵב בְּעֹשֵּׁי וּ עי הַמְּלָאכָה אֶת־הַמִּשְׁבֶּן עָשֶּׁר וְ יְרִיעָת שֵׁשׁ מְשְׁזָּר וּתְכַלֶּת וְאַרְגָּמָן וְתוֹלַעַת שְׁנִי כְּרָבִים מַעֲשֵׁה חשֵב עָשָׂה אֹתֵם:

The length of each curtain was
9 eight and twenty cubits, and the
breadth of each curtain four cubits;
all the curtains had one measure.

אַרְּבָּא דִּירִיעֲתָא חֲדָא מִשְׁחֲתָא אַמִּין דִּירִיעֲתָא חֲדָא מִשְׁחֲתָא חֲדָא לְכָל יְרִיעָתָא:

אֶרֶךְ הַיְרִיעֲה הָאַחַׁת שְׁמֹנֶה וְעֶשְּׂרִים בָּאַפְּּחׁה וְרְחַב אַרְבַּע בָּאַפְּחֹה הַיְרִיעָה הָאֶחָת מִדְּה אחת לכל-היריעת:

And he coupled five curtains one to another; and the other five curtains he coupled one to another. וְלָפֵיף יָת חֲמֵישׁ יְרִיעָן לְפֵּיף עָם חֲדָא עָם חֲרָא: מַלָּא עָם חָרָא: ַנְיְחַבֵּר אֶת־חֲמֵשׁ הַיְרִיעֵּת אַחַת אֶל־אֶחָת וְחָמֵשׁ יְרִיעֹת חַבַּר אַחַת אֵל־אָחַת:

And he made loops of blue upon the edge of the one curtain that was outmost in the first set; likewise he made in the edge of the curtain that was outmost in the second set.

וַעֲבַד עֲנוּבִּין דְּתַכְלָא עַל סִפְּתָא דִּירִיעֲתָא חֲדָא מִסְּטְרָא בֵּית לוֹפֵי כֵּן עֲבַד בְּסִפְּתָא דִירִיעֲתָא בְּסִטְרָא בֵּית לוֹפִי תנינא:

וַיַּעַשׁ לֶלְאַת תְּכֵּלֶת עַל שְּׁפַּת הַיְרִיעָה הָאֶחָת מִקְּאָה בַּמַּחְבָּנֶרת כֵּן עְשָׂה בִּשְּׂבָּת הַיְרִיעָה הַקַּיצוֹנְה בַּמַחְבֶּּרֶת השנית:

Fifty loops made he in the one curtain, and fifty loops made he in the edge of the curtain that was in the second set; the loops were opposite one to another.

חַמְשִׁין עֲנוּבִּין עֲכַד בִּיִריעֲתָא חֲדָא וְחַמְשִׁין עֲנוּבִּיְא חֲדָא הָּנְיָנָא מַכְוֹנָן עֲנוּבִּיָּא חֲדָא לַקַבֵּיל חַדָּא:

חֲמִשֵּׁים לֶלְאׄת עְשְׁה בַּיְרִיעֲה י בּקצָה הַוְרִישָׁה אֲשֶׁר בַּמַּחְבֶּרֶת יִּ הַשֵּׁגִית מַקְבִּילֹת הַלֶּלְאֹת אַחָת אַלֿ־אָחָת:

And he made fifty clasps of gold, and coupled the curtains one to another with the clasps; so the tabernacle was one. וַעֲבֵד חַמְשִׁין פּוּרְפִין דִּדְהַב וְלָפֵיף יָת יְרִיעָתְא חֲדָא עִם חֵדָא בְּפוּרְפַיָּא וַהֲוָה מַשְׁכְּנָא חַד:

ַנַיַּעַשׁ חָמִּשָּׁים כַּרְסֵי זָהָב נַי נַיְחַבֶּּר אֶת־הַיְרִיעׄת אַחַת אֶל־ וְי אַחַת בַּקְּרָסִים וַיְהָי הַמִּשְׁכֶּן ^{דְ} אָחֵד: (בּ)

And he made curtains of goats' hair for a tent over the tabernacle; eleven curtains he made them.

וַצְבַר וְרִיעָן דְּמַעְזֵי לְפְּרָסְא עַל מַשְּׁכְּנָא חֲדָא עֶשְׂבֵי וְרִיעָן עֲבַר וְתְהוֹן:

ַנַּצַשׁ יְרִיצַּת עִּזִּים לְאָהֶל עַל־ הַמַּשְׁכָּן עַשְׁתֵּי־עֶשְׂרֵה יְרִיעִת עָשָׂה אֹתֶם:

(7) והמלאכה היתה דים לכל המלאכה ומלאכת ההבאה היתה דים של עושי המשכן, לכל המלאכה של משכן לעשות אותה, ולהותר: והותר. כמו וַהַּכָבָּד אָת לְבֹּוֹ (שמות ה, יא), וְהַבֹּוֹת אָת מוֹאָב (מלכיס־ב ג, כד):

The length of each curtain was
thirty cubits, and four cubits the
breadth of each curtain; the eleven
curtains had one measure.

אּוּרְכָּא דִּירִיעֲתָא חֲדָא תְּלְתִין אַמִּין וְאַרְבַּע אַמִּין פּוּתְיָא דִּירִיעֲתָא חֲדָא מִשְׁחֲתָא חֲדָא לַחֲדָא עֶשְׂרֵי יְרִיעָן: אָרֶךְ הַיְרִיעֵה הָאַחַׁת שְׁלֹשִׁיםׂ בָּאַמָּה וְאַרְבָּע אַמּוֹת רְחַב הַיְרִיעָה הָאֶחָת מִדְּה אַחַׁת לִעִשָּׁהֵי עִשְּׂרָה יִרִיעִת:

And he coupled five curtains by themselves, and six curtains by themselves.

וְלָפֵּיף יָת חֲמֵישׁ יְרִיעָן לְחוֹד: וִיָת שֵׁית יִרִיעָן לְחוֹד:

ָ נִיְחַבֶּר אֶת־חֲמֵשׁ הַיְרִישָׁת לְבֶד וְאֶת־שֵׁשׁ הַיְרִישָׁת לְבֵּד:

And he made fifty loops on the edge of the curtain that was outmost in the first set, and fifty loops made he upon the edge of the curtain which was outmost in the second set.

וַעֲבַד עֲנוּבִּין חַמְשִׁין עַל סִפְּתָּא דִּירִיעֲתָא בְּסִמְרָא בֵּית לוֹפֵי וְחַמְשִׁין עֲנוּבִּין עֲבַד עַל סִפְּתָא דִירִיעֲתָא דְּבֵית לוֹפֵי תִּנְיָנָא:

וּיַּעַשׁ לֶלָאֵת חֲמִשִּׁים עֻל שְּבָּת הַיְרִיעָה הַקּיצֹּנָה בַּמַּחְבָּרֶת וַחֲמִשֵּׁים לֶלְאָת עָשָׁה עַל־שְׁבַּת הַיָּרִיעַה הַחֹבֵרֶת הַשֵּׁנִית:

And he made fifty clasps of brass to couple the tent together, that it might be one.

ַיְעֲבֵד פּוּרְפִּין דִּנְחָשׁ חַמְשִׁין לְלָפָפָא יָת מַשְּכְּנָא לְמִהְנֵי חר: ַנַיָּעַשׂ קַרְסֵי נְחְשֶׁת חֲמִּשִּׁים לְחַבֵּּר אֶת־הָאָהֶל לְהְיָת אֶחֶד:

And he made a covering for the tent of rams' skins dyed red, and a covering of sealskins above.

וַעַבַד חוּפָאָה לְמַשְּכָּנָא דְּמַשְׁכֵּי דִּכְרֵי מְסָמְקֵי וְחוּפָאָה דּמשׁכִּי ססגוֹנא מלעילא: ַניַעַשׁ מִּכְסֶה לְאֹהֶל עֹרָת אֵילֶם מְאָדָּמִים וּמִכְסֵה עֹרָת תְּחָשִׁים מִלְמֶעְלָה: (ס)

And he made the boards for the tabernacle of acacia-wood, standing up.

ַנְצַבַר יָת דַּפַּיָּא לְמַשְׁכְּנָא דְּאָצֵי שִׁטִּיו קָיָמִין: משר וַיַּעַשׂ אֶת־הַקְּרָשִׁים לַמִּשְׁכָּן עֲצֵי שִׁמִּים עֹמָדֵים:

Ten cubits was the length of a board, and a cubit and a half the breadth of each board.

אָשְׁרָא וּפַלְגוּת אַמְּתָא פּוּתְיָא וְאַמְּתָא וּפַלְגוּת אַמְּתָא פּוּתְיָא וְאַמְּתָא וּפַלְגוּת אַמְּתָא

ַ עֶשֶׁר אַמָּת אָרֶךְ הַּלֶּלֶשׁ וְאַפְּה נחַצֵּי הָאַמָּה רְחַב הַמֶּרֶשׁ הָאֶחֶר:

Each board had two tenons, joined one to another. Thus did he make for all the boards of the tabernacle. תְּבִין צִּירִין לְדַפָּא חַד מְשׁוּלְבִין חַד לְקֵבֵיל חַד כֵּן עֲבַד לְכֹל דַּפֵּי מַשְׁכְנָא:

שְׁתֵּי יָדֹת לַקֶּּרֶשׁ הֵאֶחָׁר מְשָּׁלְבֹּת אַחַת אֶל־אֶחָת בֵּן עַשָּׁה לִכָּל קַרְשֵׁי הַמִּשִׁבֵּן:

And he made the boards for the tabernacle; twenty boards for the south side southward.

וַצְבַד יָת דַּפַּיָּא לְמַשְׁכְּנָא עֶשְׂרִין דַפִּין לְרוּחַ עֵיבַר דְּרוֹמָא: ַנַיַעַשׂ אֶת־הַקְּרָשִׁים לַמִּשְׁכָּן עשְׂרֵים קְרָשִׁים לִפְאַת נָגֶב תֵּימֶנָה:

And he made forty sockets of silver under the twenty boards: two sockets under one board for its two tenons, and two sockets under another board for its two tenons.

וְאַרְבְּעִין סְמְכִין דְּכְסַף עֲבַד הְחוֹת עֶשְׁרִין דַּפִּין הְּרֵין סָמְכִין הְחוֹת דַּפָּא חַד לִתְרֵין צִירוֹהִי וּתְרֵין סְמְכִין הְחוֹת דַּפָּא חַד לִתְרֵין צִירוֹהִי:

וְאַרְבָּעִים אַדְנִי־כֶּסֶף עָשְׁה אָדְנִים תְּחַת-הַכֶּּלֶשׁ הָאֶחָד לִשְׁתֵּי יְדֹתְיו וּשְׁנֵי אָדְנִים תְּחַת-הַכָּלֶרֶשׁ הָאֶחָד לִשְׁנֵי יְדֹתֵיו: And for the second side of the tabernacle, on the north side, he made twenty boards,

26

and their forty sockets of silver: two sockets under one board, and two sockets under another board.

And for the hinder part of the tabernacle westward he made six boards.

And two boards made he for the corners of the tabernacle in the hinder part;

that they might be double beneath, and in like manner they should be complete unto the top thereof unto the first ring. Thus he did to both of them in the two corners.

And there were eight boards, and their sockets of silver, sixteen sockets: under every board two sockets.

And he made bars of acacia-wood: five for the boards of the one side of the tabernacle,

and five bars for the boards of the other side of the tabernacle, and five bars for the boards of the tabernacle for the hinder part westward.

And he made the middle bar to pass through in the midst of the boards from the one end to the other.

And he overlaid the boards with 34 gold, and made their rings of gold for holders for the bars, and overlaid the bars with gold. וְלֹסְטֵר מַשְּׁכְּנָא תִּנְיָנָא לְרוּחַ צִפּוּנָא עֲבָד עֵשָׂרִין דַּפִּין:

וֹאַרְבְּעִין סְמְכִיהוֹן דִּבְּאַ חַד: הְרֵין סְמְכִין הְחוֹת דַּבָּא חַד וֹאַרְבִּעִין הְחוֹת דַּבָּא חַד:

וְלֹסְיָפֵּי מַשְּׁכְּנָא מַעְרְבָא עֲבַד שׁתֵּא דַּפִּין:

וּתְרֵין דַּפִּין עֲבַד לְזְוֵיָת מַשֶּׁכָנָא בָּסוֹפָהוֹן:

וַהַוֹּוֹ מַכְוְנִין מִלְּרֵע וְכַחְדָּא הֲוּוֹ מַכְוְנִין בְּרִישִׁיהוֹן בְּעִזְקְתָא תַּדְא כֵּן עֲבַד לְתַרְנִיהוֹן לְתַרְתֵּין זְוָיָן:

בַּפָּא חַר: סְמְכִין הְּנֵין סְמְכִין הְּחוֹת הַכָּסֵף שִׁתַּת צְשֵׁר סְמְכִין הְּחוֹת זַהַוֹּוֹ תְּמָנְיָא דַּפִּין וְסְמְכֵיחוֹן

יָעֲבַד עָבְרֵי דְּאָעֵי שִׁטִּין חַמְשְׁא לְדַפֵּי סִטַר מַשִּׁבִּנָא חַד:

וְחַמְשָׁא עָבְרִין לְדַפֵּי סְמַר מַשְׁכָּנָא תִּנְיָנָא וְחַמְשָׁא עָבְרִין לְדַפֵּי מַשְׁכָּנָא לְסוֹפְּהוֹן מַעְרָבָא:

וַעֲבַר יָת עָבְרָא מְצִיעָאָה לְאַעְבָּרָא בְּגוֹ דַּפַּיָּא מִן סְיָפֵי לִסִיפֵי:

וְיָת דַּפּיָא חֲפָא דַּהְבָּא וְיָת עִזְקתָהוֹן עֲבָד דַּהְבָּא אַתְרָא לְעָבְרַיָּא וַחֲפָא יָת עָבְרַיָּא דהבא:

ָּ וֹאַרְפָּעִים אַדְנִיהָם כָּגֶּסֶף שְׁנֵי בָּבָּוּן בָּשָּוּז בָּשְׁנִים קְּוֹנְ שְׁ ם:

וּלְצֵלֶע הַמִּשְׁכֵּן הַשִּׁנִית לפאת

וְאַרְכָּעִים אַדְנֵיהֶם כְּסֶף שְׁנֵי אֲדָנִים תַּחַת הַקֶּרֶשׁ הָאֶחָד וּשְׁנֵי אֲדָנִים תַּחַת הַקֶּרֶשׁ הָאֶחֶד:

ּ וְּלְיַרְכְּתֵי הַמִּשְׁכֶּן יָמָּה עָשָּה שָׁשֵּה קַרַשִׁים:

ַ וּשְׁנֵי קְרָשִׁים עָשֶּׁה לִּמְקָצְעָׁת בּיַרָכָתָים: הַמִּשָׁבָּן בַּיַרְכָתֵים:

וְהָנָוּ תוֹאֲמִם מִלְכַּמָּמָה וְיַחְדָּוּ מּ יִהְיָוּ תַּמִּים אֶל־ראשׁוּ אֶל־ ' הַמַּבָּעַת הָאֶחָת כֵּן עִשְּׂה ׁ לִשְׁנִיהֶם לִשְׁנֵי הַמִּקְצֹּעָת:

ַבַאָּטֵר: אַבָּנִים אַזֹּג אָבָנִים שַּׁטַע צַּצַּרָּה בְּפֶׁלָב אָהֵּשֵּׁר אָבְנִים אַזֹּג אָבָנִים אַזֹּגִי יְיִינָּה הְּרִנְּיִי אָנְ הָּיִם וְאַן בּינִים

נַיַעַשׁ בְּרִיחֵי עֲצֵי שִׁמִּים חֲמִשָּׁה ּ לְקַרְשֵׁי צֶלַע־הַמִּשְׁכָּן הָאֶחֶת:

ַנְחֲמִשֶּׁה בְּרִיחָם לְּקַרְשֵׁי צֶּלַע־ הַמִּשְׁבֶּן הַשֵּגִית נַחֲמִשְּׁה בְרִיחִם לְקַרְשֵׁי הַמִּשְׁבָּן לַיַּרְכָתַיִם יָמָה:

ַניָּצַשׁ אֶת־הַבְּּרֵיחַ הַתִּיכֵּן לִבְרְּחַ בְּתַוֹדְ הַקְּרָשִׁים מִן־הַקָּצֶה אֶל־ הַקָּצֵה:

וְאֶת־הַקְּרָשִׁׁים צִּפְּה זָהָב 'וְאֶת־מַבְּעֹתָם עָשְׂה זָהָב בְּתִּים לַבְּרִיחָם וַיְצַף אֶת־הַבְּרִיחָם זהב: And he made the veil of blue, and
purple, and scarlet, and fine twined
linen; with the cherubim the work
of the skilful workman made he it.

And he made thereunto four pillars
of acacia, and overlaid them with

וַעֲבַד יָת פָּרוּכְתָּא דְּתַכְלָּא וְאַרְגָּנָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי וּבוּץ שִׁזִיר עוֹבָד אוּמָן עֲבַד יָתַה צוּרַת כְּרוּבִין:

וַיַּעַשׂ אֶת־הַפְּּרֶּכֶת הְּכֵּלֶת מְשְׁוֹרָ מַעֲשִׁה חֹשֵּב עָשְׂה אֹתֻהּ בְּרָבִים:

And he made thereunto four pillars of acacia, and overlaid them with gold, their hooks being of gold; and he cast for them four sockets of silver.

נְעֲבֶד לַה אַרְבְּעָא עַמּוּדֵי שָׁמִין נַחֲפָנוּן דַּהְבָּא נָנִיהוֹן דַּהְבָּא וְאַתֵּיךְ לְהוֹן אַרְבְּעָא סָמָכִין דַּכָסָף:

וַיַּעֵשׁ לָה אַרְבָּעָה עַמּוּבֵי שִּׁשִּׁים וַיְצַבֵּם זָהָב וְנֵיהֶם זָהָב וַיִּצְּק לָהֶם אַרְבָּעָה אַדְנִי־כֶּסֶף:

And he made a screen for the door of the Tent, of blue, and purple, and scarlet, and fine twined linen, the work of the weaver in colours; וַעֲבַד פְּרָסָא לְתְרַע מַשְּׁכְּנָא דְתַכְלָא וְאַרְגְּוֹנָא וּצְבַע זְהוֹרִי יבוּץ שזיר עובד צייר: מַצְשֵׁה רֹבֵם: וְאַרְגָּמָן וְתוֹלַעַת שָׁנִי וְשֵׁשׁ מְשִׁזְר ניָצַשׁ מְסָךּ לְפָּתַח הָאֹהֶל הְּבָּלֶת

and the five pillars of it with their
hooks; and he overlaid their
capitals and their fillets with gold;
and their five sockets were of brass.

וְיָת עַמּוּדוֹהִי חַמְשָׁא וְיְת וָנֵיהוֹן וְחַפִּּי רֵישֵּיהוֹן וְכְבּוּשֵּיהוֹן דַּהְבָּא וְסָמְכֵיהוֹן חַמְשָׁא דִּנִחָשָא: וְאֶת־עַמּוּדֶיו חֲמִשְּׁה וְאֶת־וְנֵיהֶם וְאָפֶּה רָאשִׁיתֶם וַחֲשָׁקֵיהֶם זְהָב וְאָדְנֵיהֶם חֲמִשָּׁה נְחְשֶׁת: (פּ)

And Bezalel made the ark of
acacia-wood: two cubits and a half
was the length of it, and a cubit and
a half the breadth of it, and a cubit
and a half the height of it.

וַעֲבַד בְּצַלְאֵל יָת אֲרוֹנָא דְּאָעֵי שִׁטִין תַּרְתֵּין אַמִּין וּפַלְגָּא אוּרְבֵּיה וְאַמְּתָא וּפַלְגָא פּוּתְיֵיה וַאָמָתָא וּפַלְגָא רוּמֵיה:

וַהַצִּי רְחְבּוֹ וְאַמֶּה וְחֵצִי לְמְתְּוֹ: שִׁאָּטִים אַמְתַּיִם וְחֵצִי אָרְכּוֹ וְאַמֵּה וַהַצִּי רְחְבּוֹ וְאַמֶּה וְחֵצִי לִּמְתְּוֹ:

And he overlaid it with pure gold within and without, and made a crown of gold to it round about. וַחֲפָּהִי דְּהַב דְּכֵי מִגְּיו וּמִבּּרָא וַשְבֵד לֵיה זִיר דִּדְהַב סְחוֹר סַחוֹר:

ַנִיצַשׁ לְּוֹ זֵר זְהָב סְבְיב: זֵר זָהָב סְבִיב:

And he cast for it four rings of gold, in the four feet thereof: even two rings on the one side of it, and two rings on the other side of it. וְאַתֵּיךְּ לֵיהּ אַרְבַּע עִזְקָן דִּרְהַב עַל אָרְבַּע זָוְיָתִיהּ וְתַרְתֵּין עִזְקָן עַל סִטְרֵיהּ חַד וְתַרְתֵּין עִזְקָן עַל סִטְרֵיהּ תִּנְיָנָא:

וַיִּצְּק לוֹ אַרְבַּעׁ טַבְּעַת זָהָב עַל אַרְבַּע פַּעָמֹתְיו וּשְׁתֵּי טַבְּעֹת עַל־צַלְעוֹ הָשֶׁנִית: עַל־צַלְעוֹ הַשֵּׁנִית:

And he made staves of acacia-wood, and overlaid them with gold.

ַנְעֲבַד אֲרִיחֵי דְּאָעֵי שִׁפִּין וַחֲפָּא יָתְהוֹן דַּהְבָּא: יָהָב: יַנְעַשׁ בַּהֵי עֲצֵי שָׁמֵים וַיְצֵף אּחָם יַ

And he put the staves into the rings on the sides of the ark, to bear the ark.

וְאַעֵיל יָת אֲרִיחַיָּא בְּעִזְקְתָא עַל סִטְרֵי אֲרוֹנָא לְמִטֵּל יָת אֲרוֹנָא: צַלְעַּת הָאָרָן לְשֵּׁאת אֶת־הָאָרְן: גַלְעַת הָאָרָן לְשֵּׂאת אֶת־הָאָרְן:

(1) ויעש בצלאל. לפי שנתן נפשו על המלאכה יותר משאר חכמים, נקראת על שמו:

And he made an ark-cover of pure gold: two cubits and a half was the length thereof, and a cubit and a half the breadth thereof.

כַפּוּרָתַא דְּדָהַב דְּכִי תַרתֵין אַמִין וּפַּלגַא אורכה ואמתא ופלגא פותיה:

זהב טהור אמתים

And he made two cherubim of gold: of beaten work made he them, at the two ends of the ark-cover:

וַעַבַר תָרֵין כָרוּבִין דְּדָהַב יַתָהון מָתָּרֵין סְטָרֵי

וַיַּצַשׂ שָׁנֵי כָרָבִים זְהָב מִקשָׁה' עַשַּׂה אֹתַם מִשָּׁנֵי קצות הַכַּפְּרֵת:

one cherub at the one end, and one cherub at the other end; of one piece with the ark-cover made he the cherubim at the two ends thereof.

מסטרא מכא $\sqcap \Gamma$ וכרובא חד מסטרא מכא מן מזה מַקצה מַזָּה מוֹ אָת־הַכָּרָ מִשָּׁנֵי (כ׳ קצוותו)[ק׳ קצוֹתֵיו]:

And the cherubim spread out their wings on high, screening the ark-cover with their wings, with their faces one to another; toward the ark-cover were the faces of the cherubim.

וַהַווֹ כָּרוּבַיָּא פַּרִיסִין גַּדְפַּיהוֹן לְעֵילָא מִטַלַן בְּגַרָפֵּיהוֹן עַל כָּפוּרָתָּא וָאַפֶּיהוֹן חַד לַקַבֵּיל חד לקביל כפורתא הוו אפי

הכרבים פֿר למעלה סככים בכנפיהם ופניהם הַכַּרָבֵים: (פּ)

And he made the table of acacia-wood: two cubits was the length thereof, and a cubit the breadth thereof, and a cubit and a half the height thereof.

וַעַבַד יָת פָּתוּרָא דּאַעֵי שִׁטִּין תַרַתֵּין אַמִּין אוּרַכֵּיה וָאַמְּתָא פותניה ואַמָּתַא וּפַּלְגַא רוּמֵיה:

ואַמַה וַחַצִּי קמַתו:

And he overlaid it with pure gold, and made thereto a crown of gold round about.

וַחַפָּא יָתֵיה דִּהַב דְּכֵי וַצֵבַד ליה זיר דדהב סחור סחור:

מהור ויעש

And he made unto it a border of a 12 hand-breadth round about, and made a golden crown to the border thereof round about.

הב לגדנפיה סחור סחור:

ויעש לו מסגרת מפח סביב וישש זר־זהב למסגרתו סביב:

And he cast for it four rings of gold, 13 and put the rings in the four corners that were on the four feet thereof.

ַנִיצִּק לוֹ אַרַבַּע טַבִּעָת זָהָב נַיָּהֵן ׁ וִאַהֵיךְ לֵיה אַרַבַּע עִזְקן דְּדָהַב זויתא דלארבע רגלוהי:

את־הטבעת על ארבע הפּאת וִיהַב וָת עִזְקַתָּא עַל אַרְבַּע אשר לארבע רגליו:

Close by the border were the rings, the holders for the staves to bear the table.

And he made the staves of acacia-wood, and overlaid them with gold, to bear the table.

וַעֲבַד יָת אֲרִיחַיָּא דּאָעֵי שִׁפִּין יָתְהוֹן דַּהְבַא למטל ית

עצי וַנַעַשׁ אֵת־הַבַּדִּים לשאת את־

And he made the vessels which were upon the table, the dishes thereof, and the pans thereof, and the bowls thereof, and the jars thereof, wherewith to pour out, of pure gold. נְשְבַד יָת מְנַיָּא דְּעַל פֶּתוּרָא יָת מְגִסּוֹהִי וְיָת בָּזְכּוֹהִי וְיָת מְכִילָתֵיה וְיָת קְסְוָתָא דְּיִתְנַסַּדְּ בְּהוֹן דִּדְתַב דְּכֵי:

ניַּעַשׁ אֶת־הַכֵּלִיםוּ אֲשֶׁר עַל־ הַשֶּׁלְחָׁן אֶת־קְעָרֹתָיוּ וְאֶת־ כַּפּתִיוֹ וְאֵתֹ מְנַקִּיּתְיוּ וְאֶת־ הַקְשָּׂוֹת אֲשֶׁר יָפַּךְ בְּהֵן זְהָב מָהְוֹר: (פּ)

And he made the candlestick of pure gold: of beaten work made he the candlestick, even its base, and its shaft; its cups, its knops, and its flowers, were of one piece with it.

ישָׁבַר יָת מְנֶרְתָא דִּדְּהַב דְּבֵי נְגִיד עֲבַד יָת מְנְרְתָא שׁדַּה וּקְנָה כַּלִּידָהָא חַזּוּרַהָּא שׁוֹשַׁנַּהָא מִנַּה הֲוֹו: וַיָּעַשׁ אֶת־הַמְּנֹרֶה זְהָב שְׁהֵוֹר וְקַנְּה גְּבִיעֶיהָ כַּפְּתֹּרֵיהָ וּפְּרָחֵיהָ מִמֵּנָה הָוִי:

And there were six branches going out of the sides thereof: three branches of the candlestick out of the one side thereof, and three branches of the candlestick out of the other side thereof:

וְשִׁתָּא קְנִין נְפְּקִין מִסְטְרַהָּא חַד וּתְלָתָא קְנֵי מְנְרְתָא מַסְטָרַה תִּנָנָא:

וְשִׁשֵּׁה קָנִּים יִּצְאָים מִצִּדֶּיה שֶׁלשָׁהו קְנֵי מְנֹרָה מִצִּדְּה מָצָּדָּה תִּשְׁלשָׁה קְנֵי מְנֹרָה מִצָּדָּה תַשֵּנִי:

three cups made like almond-blossoms in one branch, a knop and a flower; and three cups made like almond-blossoms in the other branch, a knop and a flower. So for the six branches going out of the candlestick.

בַּנִּפְלֵין מִן מִנְּרָתָא: חַזּיּר וְשׁוֹשֶׁן כֵּן לְשִׁתָּא מְנִין תַד חַזּיִּר וְשִׁוּשָׁן יִּתְלְתָא תַד חַזִּיר וְשִׁוּשָׁן יִתְלְתָא שׁלשֶׁה גְבִאִּים מְשֶׁקְּדִּים בַּקְּגָה הָאֶחָד בַּפְתִּר וְפֶּׁרַח וּשְׁלשֲׁה גְבִּאִים מְשֶׁקָּדִים בְּקָנֵה אֶחָד כַּפְתִּר וְפָרַח כֵּן לְשֵׁשֶׁת הַקְּנִים הַיִּצְאֵים מִן-הַמִּנֹרֶה:

And in the candlestick were four cups made like almond-blossoms, the knops thereof, and the flowers thereof;

יּבִמְנֶּרְתָא אַרְבְּעָא כַּלִּידִין מְצִיְרִין חַזּיּרַהָא וְשׁוֹשַׁנַּהָא: וּבַמְּנֹרֶה אַרְבָּעָה נְבִעִים מְשָׁמְּדִים כַּפְּתֹּרֶיהָ וּפְּרָחֶיהָ:

and a knop under two branches of one piece with it, and a knop under two branches of one piece with it, and a knop under two branches of one piece with it, for the six branches going out of it.

יחזור תְחוֹת תְּבֵין קְנִין דְּמִנַּה יְחַזּוּר תְּחוֹת תְּבֵין קְנִין דְּמִנַּה לְשָׁתָּא קְנִין דְּנָפְּקִין מְנָּה לְשָׁתָּא קְנִין דְּנָפְּקִין מִנַּה: וְכַפְּתֵּר תַּחַת שְׁנֵי הַקְּנִים מִּנְּנְה וְכַפְּתִּר תַחַת שְׁנֵי הַקָּנִים מִנֶּנְה לְשֵׁשֶׁת הַקְּנִים הִיצְאִים מִנֶּנְה לְשֵׁשֶׁת הַקְּנִים הַיִּצְאִים מִנֶּנְה

Their knops and their branches
were of one piece with it; the whole
of it was one beaten work of pure
gold.

תַזּיּבֵיהוֹן וּקְנֵיהוֹן מִנַּה הֲוֹוֹ כּוּלַה נְגִידָא חֲדָא דִּדְתַב דְּכֵי: בֿלָה מִלְשֶׁה אַחַת זְהָב טְּמֶּנָה הָיֵיּ בַּלָּה מִלְשֶׁה אַחַת זְהָב טְּהָוֹר:

And he made the lamps thereof, 23 seven, and the tongs thereof, and the snuffdishes thereof, of pure gold. וַעֲבַד יָת בּוֹצִינַהָא שָׁבְעָא וְצֵיבְתַהָא וּמַחְתְּיָתָהָא דִּדְהַב דְּכֵי:

ניַעַשׂ אֶת־נֵרֹתֶיהָ שִּׁבְעָה ימַלְקָתֶיהָ יּמַחְתֹּתֶיהָ זָהָב מָהְוֹר:

Of a talent of pure gold made he it, and all the vessels thereof.

כַּכְּרָא דְּדַהְבָּא דְּכְיָא עֲכַד יָתַהּ וְיָת כָּל מָנַהָא: בְּלֶרְ זָהֶב טְּהְוֹר עְשֵּׂה אֹתְהּ וְאֵת בַּקְרָ: (פּ)

And he made the altar of incense of acacia-wood: a cubit was the length thereof, and a cubit the breadth thereof, four-square; and two cubits was the height thereof; the horns thereof were of one piece with it.

And he overlaid it with pure gold, the top thereof, and the sides thereof round about, and the horns of it; and he made unto it a crown of gold round about.

And he made for it two golden rings under the crown thereof, upon the two ribs thereof, upon the two sides of it, for holders for staves wherewith to bear it.

And he made the staves of acacia-wood, and overlaid them with gold.

And he made the holy anointing 9 oil, and the pure incense of sweet spices, after the art of the perfumer.

And he made the altar of
burnt-offering of acacia-wood: five
cubits was the length thereof, and
five cubits the breadth thereof,
four-square, and three cubits the
height thereof.

And he made the horns thereof upon the four corners of it; the horns thereof were of one piece with it; and he overlaid it with brass.

And he made all the vessels of the altar, the pots, and the shovels, and the basins, the flesh-hooks, and the fire-pans; all the vessels thereof made he of brass.

And he made for the altar a grating 4 of network of brass, under the ledge round it beneath, reaching halfway up. ַנְעֲבַד יָת מַדְּבְּחָא דִּקְּטֹרֶת בּוּסְמַיָּא דְּאָעֵי שָׁטִין אַנְּתְא אוּרְבֵּיה וְאַמְּתָא פּוּתְיֵיה מְרָבַּע וְתַרְתֵּין אַנִּיוֹ רוּמֵיה מִנֵּיה הַנָּאָה קַרְנוֹהָי:

נְחֲפָּא יָתֵיהּ דְּהַב דְּכֵי יָת אָגְרֵיהּ וְיָת כּוּתְלוֹהִי סְחוֹר סְחוֹר וְיָת קַרְנוֹהִי וַעֲבַד לֵיהּ זיר דדהב סחור סחור:

וְתַרְתֵּין עִּזְקּן דִּדְתַּב עֲבַּד לֵיה מִלְּרַע לְזֵירֵיה עַל תַּרְתֵּין זְוְיָתֵיה עַל תְּרֵין סִטְרוֹהִי לְאַתְרָא לַאֲרִיחַיָּא לְמִטֵּל יַתֵּיה בָּהוֹן:

ַנְעֲבַד יָת אֲרִיחַיָּא דְּאָעֵי שִׁמִין וַחֲפָא יַתָהוֹן דַּהָבָּא:

וַעֲבַד יָת מִשְׁחְא דִּרְבוּתְא קּוּדְשָׁא וְיָת קְשֹׁרֶת בּוּסְמַיָּא דְּכֵי עוֹבָד בּוּסְמָנוּ:

נְעֲבַד יָת מַדְבְּחָא דַּעֲלָתָא דְּאָעֵי שִׁטִּין חֲמֵישׁ אַמִּין אוּרְכֵּיה נַחֲמֵישׁ אַמִּין פּוּתְיֵיה מַרָבַע וּתְלָת אַמִּין רוּמֵיה:

וַעֲבָד קּרְנוֹהִי עַל אַרְבַּע זָוְיָתֵיה מִנֵּיה הַוָּאָה קּרְנוֹהִי זַחָבָּא יָתֵיה נָחָשָׁא:

נְעֲבֵד יָת כָּל מְנֵי מַדְבְּחָא יָת פְּסַכְתֵּירְוָתָא וְיָת מַגְּרוֹפְיָתָא וְיָת מִזְרְקִּיָּא יָת צִּנּוֹרְיִתְא וְיָת מִזְרְקִּיָּא כָּל מָנוֹהִי עֲבַד נחשא:

נְעֲבַד לְעַרְבָּחָא סְרָדָא טוֹבֵיבִיה מִלְּרָע עַד פַּלְגִיה:

וַיַּעֲשׁ אֶת־מִּזְבַּח הַקְּמָׁרֶת עֲצֵי יִשְׁמִים אַמָּח אָרְכּוֹ וְאַמָּה רְחְבּׁו רְבֹוּעַ וְאַמָּתֹים לְמָתוֹ מִמֶּנוּ הָיְוּ קרנתיו:

ַנְיַצַּׁךְ אֹתוֹ זְהָב שָהוֹר אֶת־ בּנָּוֹ וְאֶת־קִירתְיוֹ סְבִיב וְאֶת־ קַרְנֹתָיו וַיִּעַשׁ לְּוֹ זֵר זָהָב סְבִיב:

וּשְׁתֵּי מַבְּעָת זְהָב עֵשָּׁה־לְּוּו מִתְּחַת לְזֵרוֹ עָל שְׁתֵּי צַלְעֹתִיו עַל שְׁנֵי צִדְּיו לְבָתִּים לְבַדִּים לְשֵׂאת אֹתוֹ בָּחֵם:

ַ וַיָּעַשׂ אֶת־הַבַּדִּים עֲצֵי שִּׁמִים וַיְצַף אֹתָם זָהָב:

וַיַּעַשׁ אֶת־שֶׁמֶן הַמִּשְׁחָת קּבֶּשׁ וְאֶת־קְמָרֶת הַסַּמֵּים טְהַוֹּר מַצְשֵׂת רֹקַחַ: (ס)

ינישי אָמָוֹת רְחְבּוֹ רְבֹּוּעַ וְשְׁלְשׁ אַמְּוֹת (נגיש: שָׁמָּים חָמֵשׁ אַמּוֹת אְרְבּוֹ וְחֲמֵשׁ לַמַתְּוֹ: לִמָּתִוֹ:

וַיַּעַשׁ קַרְנֹתָיו עַל אַרְבָּע פִּנֹתְיו מִשֶּׂנוּ הָוָוּ קַרְנֹתָיו וַיְצַף אֹתְוֹ נַחִשָּׁת:

וַיַּעַשׁ אֶת־כְּל־כְּלֵי הַמִּזְבֵּח אֶת־הַסִּירָת וְאֶת־הַיָּעִים וְאֶת־ הַמִּזְרָלֶת אֶת־הַמִּזְלָגֹת וְאֶת־ הַמַּחְתָּת כְּל־כֵּלָיו עָשָׂה נְחְשֶׁת:

וַיָּעֲשׁ לַמִּזְבֵּתׁ מִכְבָּׁר מַעֲשֵׂה גַשֶּׁת נְחָשֶׁת תַּחַת כַּרְכָּבָּוֹ מִלְּמֵשָּׁה עַד־חֶצְיִוֹ:

And he cast four rings for the four ends of the grating of brass, to be holders for the staves.

וּאַתֵּיך אַרבַע עזַקן בּאַרבַע

And he made the staves of acacia-wood, and overlaid them with brass.

וַעַבַד יָת אָרִיחַיָּא דְּאָעֵי שִׁפִּין וַחַפַּא יַתְהוֹן נָחַשַׁא:

ויצף אתם נחשת:

And he put the staves into the rings 7 on the sides of the altar, wherewith to bear it; he made it hollow with planks.

בהון חליל לוחין עבד יתיה:

ויבא את־הבדים בַּטַבַעת עַל וָאַעֵיל יַת אַרִיחַיַא בְּעַזְקַתָא צַלְעָת הַמִּזְבֵּהַ לָשֵּׁאת אֹתְוֹ בָּהָם עַל סִטְרֵי מַדְבְּחָא לְמִפַּל יָתֵיה נבוב לחת עשה אתו: (ס)

And he made the laver of brass, and the base thereof of brass, of the mirrors of the serving women that did service at the door of the tent of meeting.

ית כיורא דנחשא וית בסיסיה דנחשא במחזית נשיא ראָתיוַ לִצַלַאַה בִּתְרֵע מַשְׁכַּוְ

וַיַּעשׁ אַת הַכּיִוֹר נַחֹשׁת וָאַת כַּנּוֹ נַחָשַׁת בַּמַרָאֹת הַצַּבָאֹת אֲשֵׁר צבאו פתח אהל מועד: (ס)

And he made the court; for the 9 south side southward the hangings of the court were of fine twined linen, a hundred cubits.

ועבד ית דרתא לרוח עיבר דרומא סרדי לפאתו

Their pillars were twenty, and their 10 sockets twenty, of brass; the hooks of the pillars and their fillets were of silver.

וְסַמָּכֵיהוּן עַמּוּדֵיהון

הַעַמוּדֵים וַחַשָּקיהָם כַּסָף:

And for the north side a hundred π cubits, their pillars twenty, and their sockets twenty, of brass; the hooks of the pillars and their fillets of silver.

(7) נבוב לוחות. נבוב הוא חלול, וכן וְשָבִיוֹ אַרְבַּע אַלְבָּעוֹת נַבוּב (ירמיה נב, כא): נבוב לוחות. הלוחות של עלישטים לכל רוח, והחלל באמלע:

בנות ישראל היו בידן מראות, שרואות בהן כשהן מתקשטות, ואף אותן לא עכבו מלהביא (8) במראות הצובאות. לנדבת המשכן, והיה מואס משה בהן, מפני שעשוים ליצר הרע, אמר לו הקב"ה קבל, כי אלו חביבין עלי מן הכל, שעל ידיהם העמידו הנשים לבאות רבות במלרים, כשהיו בעליהם יגעים בעבודת פרך, היו הולכות ומוליכות להם מאכל ומשתה ומאכילות אותם, ונוטלות המראות, וכל אחת רואה עצמה עם בעלה במראה, ומשדלתו בדברים, לומר אני נאה ממד, ומחוד כך מביאות לבעליהם לידי תאוה, ונזקקות להם, ומתעברות ויולדות שם, שנאמר פחת הפפוח עוררפיף (שיר השירים ח, ה), וזה שנאמר במראות הלובאות, ונעשה הכיור מהם, שהוא לשום שלום בין איש לאשתו, להשקות ממים שבתוכו למי שקנא לה בעלה ונסתרה, ותדע לך שהן מראות ממש, שהרי נאמר ונחשת התנופה שבעים ככר וגו' ויעש בה וגו', וכיור וכנו לא הוזכרו שם, למדת, שלא היה נחשת של כיור מנחשת התנופה, כך דרש רבי תנחומא (פקודי ט), וכן תרגם אונקלוס בְּמָחַוְיֵת נְשַׁיֵא, והוא תרגום של מראוח, מירוא"ש בלע"ז (שפיעגעל), וכן מלינו בישעיה (ג, כג), וְהַגְּלִינִים, מתרגמינן וּמֶחָזְיַחַא: אשר צבאו. להניא נדבתן: And for the west side were hangings of fifty cubits, their pillars ten, and their sockets ten; the hooks of the pillars and their fillets of silver. וּלְרוּחַ מַעְרָבָא סְרָבִי חַמְשִׁין וְסָמְכֵיהוֹן עֶשְׂרָא וְוֵי עַמּוּדַיָּא אָמִין עִשְׂרָא וְוֵי עַמּוּדַיָּא וְכִבּוּשֵׁיהוֹן כְּסָף:

ְוְלִפְאַת־יָם קְלָעִים חֲמִשִּׁיִם וּ בְּאַמָּה עַמּוּדִיהָם עֲשֶׂרָה וּ וְאַדְנֵיהֶם עֲשָׂרָה וָוֵי הָעַמָּדִים [[] וַחֲשׁוּקֵיהֶם כֶּסֶף:

And for the east side eastward fifty cubits.

וּלְרוּחַ קּדּוּמָא מַדְנְחָא חַמְשִׁין אַמִּין:

וְלִפְּאָת הַדְּמָה מִזְרֶחָה חֲמִשִּׁים אַמֵּה:

The hangings for the one side [of the gate] were fifteen cubits; their pillars three, and their sockets three. סְרָבִי חֲמֵישׁ עֶשְּׂרָא אַמִּין לְעִבְרָא עַמִּוּבִיהוֹן הְּלְתָא וְסָמָכֵיהוֹן הִּלְתָא:

קְלֶעֶים חֲמֵשׁ־עֶשְּׁרֵה אַמְָּה כְּ אֶל־הַכְּתֵף עַמּוּדֵיהָם שְׁלשָׁה ? וָאַדְנִיהֵם שָׁלשַׁה:

And so for the other side; on this hand and that hand by the gate of the court were hangings of fifteen cubits; their pillars three, and their sockets three.

וּלְעבְרָא הַּנְיָנָא מְכָּא וּמִכְּא לִתְרַע דְּרְתָא סְרָבֵי חֲמֵישׁ עֶשֶּׂרָא אַמִּין עַמּוּבֵיהוֹן הְּלָתָא וֹסָמָכֵיהוֹן תִּלְתָא:

ְּוַכְּכָתַף הַשְּנִית מְזֶּה וּמִזֶּה וּ לְשַׁעַר הֶחָצֵר קְלְעִים חֲמֵשׁ יִ עֶשְׂרֵה אַמָּה עַמָּדִיהֶם שְׁלֹשְׁה יִ ואדניהם שלשה:

All the hangings of the court round about were of fine twined linen.

בָּל סְרָדֵי דְּרְתָא סְחוֹר סְחוֹר דְּבוּץ שִׁזִיר:

, כְּל־קַלְעֵיְ הֶחָצֵּר סָבִּיב שִׁשׁ מ מַשָּוֶר:

And the sockets for the pillars were of brass; the hooks of the pillars and their fillets of silver; and the overlaying of their capitals of silver; and all the pillars of the court were filleted with silver.

וְסְמְכִיָּא לְעַמּוּדִיָּא דִּנְחָשְׁא וְנֵי עַמּוּדַיָּא וְכִבּוּשֵׁיהוֹן כְּסַף וְחִפּוּי בִישִׁיהוֹן כְּסַף וְאִנּוּן מְכוּבְּשִׁין כְּסַף כֹּל עַמּוּדֵי דְּרָתָא:

ַ וְהָאָדָנִים כֶּעֶפֶּידִים נְחשֶׁת וָנֵי וְ וְצִפְּוּי רָאשִׁיהֶם כְּעֶפֶף וְהֵם וְ וְצִפְּוּי רָאשִׁיהֶם כְּעֶפֶף וְהֵם וְ הָחָצֵּר: הָחָצֵר:

And the screen for the gate of the court was the work of the weaver in colours, of blue, and purple, and scarlet, and fine twined linen; and twenty cubits was the length, and the height in the breadth was five cubits, answerable to the hangings of the court.

וּפְרָסָא דִּתְרַע דָּרְתָא עוֹבְד צַיִּיר דְּתַכְלָא וְאַרְגְוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי וּבוּץ שְׁזִיר וְעֶשְׂרִין אַמִּין אוּרְכָּא וְרוּמָא בְּפוּתְיָא חֲמֵישׁ אַמִּין לָקָבֵיל סְרָדֵי דְּרְתָא: וּמְכַּך שַׁעַר הָחָצֵר מַעֲשֵּׁה שָׁנִי וְשֵׁשׁ מָשְׁזָר וְעֶשְּׁרִים אַמָּה אָרֶך וְמִשְׁשׁ מָשְׁזָר וְעֶשְּׁרִים אַמָּה לִעָמָּת קַלְעֵי הַחַצֵּר: לִעִּמָּת קַלְעֵי הַחַצֵּר:

And their pillars were four, and their sockets four of brass; their hooks of silver, and the overlaying of their capitals and their fillets of silver. וְעַמּוּבִיהוֹן אַרְבְּעָא וְסְמְכֵיהוֹן אַרְבָּעָא דִּנְחָשָׁא וְנֵיהוֹן כְּסַף וְחָפּוּי רֵישֵיהוֹן וְכִבּוּשֵׁיהוֹן כָּסַף:

ְוְעַמֶּוֵדיהֶם אַרְבָּעָּה וְאַדְנֵיהֶם אַרְבָּעָה נְחָשֶׁת וָוֵיהֶם כֶּּסֶף וְצִפָּוּי רָאשִׁיהֶם וַחֲשָׁקֵיהֶם פסף:

And all the pins of the tabernacle, and of the court round about, were of brass.

וְכָל סִבַּיָּא לְמַשְׁבְּנָא וּלְדָרְתָא סְחוֹר סְחוֹר דִּנְחָשָׁא:

מונים וְכָל-הַיְתֵדֵּת לַמִּשְׁבָּן וְלֶחְצֵּר סָבָיב נְחְשֶׁת: (ס)

(18) לעמת קלעי החצר. כמדת קלעי החלר:

The Haftarah is I Kings 7:40 –7:50 on page 229. Sepharadim read I Kings 7:13 –7:26. On Shabbat Shekalim, Maftir is Exodus 30:11 – 16, and the Haftarah is the special Haftarah on page 238. On Shabbat Parah, read Maftir and Haftarah on page 244. On Shabbat HaHodesh, Maftir is Exodus 12:1 – 20, and the Haftarah is on page 248.

These are the accounts of the tabernacle, even the tabernacle of the testimony, as they were rendered according to the commandment of Moses, through the service of the Levites, by the hand of Ithamar, the son of Aaron the priest.

אַלֵּין מִנְינֵי מַשְּׁכְּנָא מַשְּׁכְּנָא דְּסְהָדוּתָא דְּאָתְמְנִיאוּ עַל מֵימְרָא דְּמִשֶּׁה פּוּלְחַן לֵינָאֵי בִּידָא דְּאִיתָמֶר בַּר אַהַרן כַּהנִא:

אַלֶּה פְּקוּדֵי הַמִּשְׁכְּן מִשְׁכַּן עַבֹדַת הַלְוִיִּם בְּיַד אִיתִּמְּר בֶּן־ אַהַרָן הַכֹּהֵן: אַהָרָן הַכֹּהֵן:

And Bezalel the son of Uri, the son
22 of Hur, of the tribe of Judah, made
all that the LORD commanded
Moses.

וּבְצַלְאֵל בַּר אוּרִי בַר חוּר לְשִׁבְטָא דִּיהוּדָה עֲבַד יָת כָּל דְּפַקֵּיד יְיָ יָת מֹשֶׁה:

ַ וּבְצַלְצֵּל בֶּן־אּוּרִי בֶן־חְוּר לְמַמֵּה יְהוּדָה עָשָּה אֶת כְּל־ אֲשֶׁר־צִוָּה יְהוָה אֶת־מֹשֵׁה:

And with him was Oholiab, the son of Ahisamach, of the tribe of Dan, a craftsman, and a skilful workman, and a weaver in colours, in blue, and in purple, and in scarlet, and fine linen.—

וְעִמֵּיה אָהֶלִיאָב בַּר אֲחִיסְמְּהְ לְשָׁבְטָא דְּדָן נַנְּר וְאוּמָן וְצַיִּיר בְּתַכְלָא וּבְאַרְגְוָנָא וּבִצְבַע זָהוֹרִי וּבִבוּצֵא: וְאִהֹּוֹ אֲהֶלִיאֶׁב בֶּן־אֲחִיסְנָּוְר בַּתְּכֵלֶת וּבָאַרְנְּמָון וּבְתוּלַעַת הַשָּׁנֵי וּבָשֵׁשׁ: (ס) הַשָּׁנֵי וּבַשֵּשׁ: (ס)

All the gold that was used for the work in all the work of the sanctuary, even the gold of the offering, was twenty and nine talents, and seven hundred and thirty shekels, after the shekel of the sanctuary.

בֶּל דַּהְבָּא דְּאָתְעֲבֵיד לַעֲבִידְתָא בְּכֹל עֲבִידַת קּיִּדְשָׁא וַהֲוָה דְּהַב אָּרְמוּתָא מֶשְׁרִין וּתְשֵׁע כַּכְּרִין וּשְׁבַע מָאָה וּתְלָתִין סִלְעִין בְּסִלְעֵי קּיִּדְשָׁא:

כָּל־הַזָּהָב הֶעָשׁוּי לַמְּלָאּלָה הַתְּנוּפָה תֻשַׁע וְעָשְׂרִים כִּלָּר וּשְׁבַּע מֵאֲוֹת וּשְׁלֹשִים שֶׁקֶל בִּשְׁלֵל הַלָּדִשׁ:

(21) אלה פקודי. בפרשה זו נמנו כל משקלי נדבת המשכן לכסף ולזהב ולנחשת, ונמנו כל כליו לכל עבודמו: המשכן משכן. שני פעמים, רמז למקדש שנחמשכן בשני חורבנין על עונותיהן של ישראל: משכן העדות. עדות לישראל שויחר להם הקב"ה על מעשה העגל, שהרי השרה שכינתו ביניהם: עבודת הלוים. פקודי המשכן וכליו, הוא עבודה המסורה ללוים במדבר, לשאת ולהוריד ולהקים, איש איש למשאו המופקד עליו, כמו שאמור בפרשת נשא (במדבר ד): ביד איתמר. הוא היה פקיד עליהם למסור לכל בית אב עבודה שעליו:

(22) ובצלאל בן אורי וגר׳ עשה אל כל אשר צוה ה׳ את משה. אשר לוה אותו משה אין כתיב כאן, אלא כל אשר לוה מי את משה, אפילו דברים שלא אתר לו רבו, הסכימה דעתו למה שנאתר למשה בסיני, כי משה לוה לבללאל לעשות תחלה כלים ה׳ את משה, אפילו דברים שלא אתר לו רבו, הסכימה דעתו למה שלאתר למשה בסיני, כי משה לוה לבליאל לעשות תחלה הכלים שלאן מנורה יריעות, ואחר כך משון לווי להתנדב קאתר, דהא אדרבה להיפך לוח המשכן ואהלו ואחר כך הכלים, הא מיירי לענין ליווי לפועל איך יפעול כסדר, ותמלא בפרשת כי משא ראה קראתי בשם בללאל וגו', הוזכר מתחלה את אהל מועד, ואחר כך הכלים, אבל לענין להתנדב להכין מה שיהיו לריכין, מה לי מה שמתנדב תחלה, ועיין בתוספות פרק הרואה (ברכות נה.). ואם תאתר מלן שמשה רבינו ע"ה לוה לבללאל הפך הענין, ויש לותר, כיון דכתיב בפרשת ויקהל ויקרא משה אל בללאל ואל אהליאב וגו', וקלר מה שדיבר עמהם, והאי קרא מדכתיב כל אשר לוה ה׳ את משה, חזינן דהיה מלוה להם בהיפוך. ודוק היטב). אמר לו כך שמעתי מפי הקב"ה, אמר משה, בלל אל היית, כי וודאי כך לוה לי הקב"ה, וכן עשה, המשכן תחלה ואחר כך עשה כלים:

(24) כבר. ששים מנה, ומנה של קדש כפול היה, הרי הככר ק"כ מנה, והמנה כ"ה סלעים, הרי ככר של קדש שלשת אלפים שקלים, לפיכך מנה בַּפְרוֹמֶרוֹמ כל השקלים שפחותין במנינם מג' אלפים, שאין מגיעין לככר: And the silver of them that were numbered of the congregation was a hundred talents, and a thousand seven hundred and three-score and fifteen shekels, after the shekel of the sanctuary:

a beka a head, that is, half a shekel, after the shekel of the sanctuary,

for every one that passed over to them that are numbered, from twenty years old and upward, for six hundred thousand and three thousand and five hundred and fifty men.

And the hundred talents of silver were for casting the sockets of the sanctuary, and the sockets of the veil: a hundred sockets for the hundred talents, a talent for a socket.

And of the thousand seven hundred seventy and five shekels he made hooks for the pillars, and overlaid their capitals, and made fillets for them.

And the brass of the offering was seventy talents and two thousand and four hundred shekels.

And therewith he made the sockets to the door of the tent of meeting, and the brazen altar, and the brazen grating for it, and all the vessels of the altar, וּרְסַף מִנְיָנֵי כְּנִשְׁהָא מְאָה כַּבְּרִין וְאֶלֶף וּשְׁבַע מְאָה וְשִׁבְעִין וַחֲמֵישׁ סִלְעִין בְּסִלְעֵי קוּדְשָׁא:

תִּקְלָא לְגוּלְגוּלְתָא פַּלְגוּת סְלְעָא בְּסִלְעֵי קוּדְשָׁא לְכֹל דְּעָבָר עַל מִנְיָנָיָא מִבַּר עַסְרִין שִׁנִין וּלְעֵילָא לְשֵׁית מְאָה וּתְלָתָא אַלְפִין וַחֲמֵישׁ מְאָה וְחַמְשִין:

וְהַנְאָה מְאָה כַּכְּרֵי כַסְפָּא לְאַתָּכָא יָת סָמְכֵי קּוּדְשָׁא וְיָת סָמְכֵי פָרוּכְתָּא מְאָה סָמְכִין לִמְאָה כַּכְּרִין כַּכְּרָא לְסִמְכָא:

וְיָת אֶלֶף וּשְׁבַע מְאָה וְשִׁבְעִין וַחֲמֵישׁ עֲבַד וְוִין לְעַמּוּדַיָּא וְחַפִּי בִישֵּיהוֹן וְכַבֵּישׁ יָתְהוֹן:

וּנְחָשׁ אֲרָמוּתָא שִׁבְעִין כַּכְּרִין וּתְרֵין אַלְפִּין וְאַרְבַּע מְאָה סלעיו:

וַעֲבַד בַּה יָת סְמְכֵי הְּרַע מַשְׁכַּן סְרָדָא דִּנְחָשָׁא דִּילֵיה וְיָת כָּל סָנֵי מַדְבָּחָא:

ְוֹכֶּסֶךְ פְּקוּדֵי הָעֵדֶה מְאַת כּּבָּר וְשֶׁלֶךְ וּשְׁלֵע מֵאוֹת וַחֲמִשְּׁה וְשִׁבְעֵים שֶׁלֶל בְּשֶׁלֶל הַקְּדָשׁ:

בָּקַע לַגְּלְגֵּׁלֶת מַחֲצִית הַשָּׁקֶל בְּשֶׁקֶל הַפְּקָדִים מָבֶּן עֶשְׂרֵים שַׁנְהֹ וְמַּעְלָה לְשֵׁשׁ־מֵאָוֹת אֶּלֶף וְשְׁלַשֶּׁת אֲלָפִּים וַחֲמֵשׁ מֵאִוֹת וֹחֲמִשִּׁים:

ַנְיְהִׁי מְאַתֹּ כִּכַּרְ הַבֶּּסֶף לְצָּׁקֶת אָת אַדְנֵי הַפְּׁרָשׁ וְאֵת אַדְנֵי הַפָּרֶכֶת מְאָת אָדְנֵים לִמְאַת הַכָּבֵּר כִּבָּר לַאָּדֵן:

וְאֶת־הָאֶּלֶף וְשְׁבַע הַמֵּאוֹת לְעַמּוּדִים וְצִפְּה רָאשׁיהָם לְתַמּוּדִים וְצִפְּה רָאשׁיהָם וָחָשֵׁק אֹתָם:

יְנְּחְשֶׁת הַתְּנוּפֶּה שִׁבְעֵים כִּבְּר וְאַלְפָּיִם וְאַרְבַּע־מֵאָוֹת שֲׁקֶל:

נַיַּעַשׂ בָּה אֶת־אַדְנֵי בָּתַח אַהֶּל מֹכְבָּר הַנְּחָשֶׁת אֲשֶׁר־לְוֹ וְאֵת־ כַּל־כָּלֵי הַנִּּחָשֶׁת אֲשֶׁר־לְוֹ וְאֵתּ בַּל־כָּלֵי הַנִּּחָשֶׁת אֲשֶׁר־לְוֹ וְאֵתּ בַּל־כָּלֵי הַנִּּחָשֵּׁת אָשֶׁר־לִוֹ וְאֵתּ

(26) בקע. הוא שם משקל של מחזית השקל: לשש מאות אלף וגר. כך היו ישראל, וכך עלה מנינם אחר שהוקם המשכן בקע. הוא שם משתב בקדבת המשכן כך היו, ומנין חזאי השקלים של שש מאות אלף, עולה מאת ככר כל אחד של שמשכן בספר במדבר, ואף עתה בנדבת המשכן כך היו, ומנין חזאי השקלים של שש מאות אלף, עולה מאות אלפים וחמש מאות שלשת אלפים שלימים, הרי מאת ככר, והשלשת אלפים וחמש מאות וחמשים חזאין, עולין אלף ושבע מאות וחמשה ושבעים שקלים:

(27) לצקת. כתרגומו לְאַמֶּכְּא: את אדני הקדש. של קרשי המשכן, שהם מ"ח קרשים, ולהן ז"ו אדנים, ואדני פרכת ארגעה, הרי מאה, וכל שאר האדנים נחשת כתיב בהם:

(28) וצפה ראשיהם. של עמודים מהן, שנכולן כתיג ולפה ראשיהם וחשוקיהם כסף:

and the sockets of the court round about, and the sockets of the gate of the court, and all the pins of the tabernacle, and all the pins of the court round about. וְאֶת־אַדְנֵי הֶחָצֵרֹ סְבִּיב וְאֶת־ וְיָת סְמְכֵי דְּרְתָא סְחוֹר סְחוֹר אַדְנֵי שַׁעַר הָחָצֵר וְאֵת כְּלֹ- וְיָת סְמְכֵי מִשְׁכְּנָא וְיָת כִּל סִכֵּי יִתְדָּת הַמִּשְׁכָּן וְאֶת־כְּלֹ-יִתְדִּת בְּלֹ סִכֵּי מֵשְׁכְּנָא וְיָת כִּל סִכֵּי הַחַצֵּר סַבִיב:

XXXIX
And of the blue, and purple, and scarlet, they made plaited garments, for ministering in the holy place, and made the holy garments for Aaron, as the LORD commanded

Moses.

יּמִן תַּכְלָּא וְאַרְגְוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי עֲבַדוּ לְבוּשׁי שִׁמוּשָׁא לְשַׁמְשָׁא בָּקוּרְשָׁא וַעֲבַדוּ יָת לְבוּשֵׁי קוּרְשָא דִּלְאַהַרֹן כְּמָא דּפַקִיד יי ית משה:

ימן־הַתְּכֵלֶת וְהָאַרְגָּמָן וְתוּלַעַת בַּאָּנִי עָשִּׁוּ בִּגְדִי־שָּׂרֶד לְשָׁרֵת בַּאָּדֶשׁ וַיַּצְשׁוּ אֶת־בִּגְדֵי הַלֶּדֶשׁ אָשֶׁר לְאַהַרֹּן כַּאֲשֶׁר צִוָּה יְהֹוָה את־משה: (פּ)

And he made the ephod of gold, blue, and purple, and scarlet, and fine twined linen. וַעֲבַד יָת אֵיפּוֹדָא דַּהְבָּא תַּכָלָא וְאַרְגְוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי וּבוּץ שְׁזִיר:

שני וַיַּעַשׁ אֶת־הָאֵפָּר זְהָב הְבֵלֶת (סמישי) וְאַרְגָּמֶן וְתוֹלֵעַת שָׁנִי וְשֵׁשׁ משור:

And they did beat the gold into thin plates, and cut it into threads, to work it in the blue, and in the purple, and in the scarlet, and in the fine linen, the work of the skilful workman.

וְרַדִּידוּ יָת שַׁסֵי דְּדַהְבָּא וְקַצִּיצוּ חוּטִין לְטֶעֶבַד בְּגוֹ תַּכְלָא וּבְגוֹ אַרְגְוָנָא וּבְגוֹ צְבַע זְהוֹרִי וּבְגוֹ בוּצָא עוֹבָד אוּמָן: וְיָרַקְּעִׁוּ שֶּׁת־פַּחֵי הַזְּהָב´ וְקִצֵּיְץ פְּתִילִם לַעֲשׁוֹת בְּתִוֹךְ הַתְּלַעַת הַשָּׁגִי וּבְתַוֹךְ הַשֵּׁשׁ מַעֲשֵׂה חֹשֵׁב: הַשָּׁגִי וּבְתַוֹךְ הַשֵּׁשׁ מַעֲשֵׂה חֹשֵׁב:

They made shoulder-pieces for it,

joined together; at the two ends was
it joined together.

בַּתְפִּין מֲבַדוּ לֵיהּ מְלָפְפָן עַל תַּבִין סִמְרוֹהִי מַלְפָּף:

ַכּ קצוותו)[ק׳ קצוֹקיו] הֶבֶּר: בַּתֹפָׁת עֲשׁוּ־לָוֹ חֹבְרָת עַל־שְׁנֵי (בֹּר:

And the skilfully woven band, that was upon it, wherewith to gird it on, was of the same piece and like the work thereof: of gold, of blue, and purple, and scarlet, and fine twined linen, as the LORD commanded Moses.

וְהִמְיֵן תִּקּוּנֵיה דַּצְלוֹהִי מִנֵּיה הוּא כְּעוֹבְדוֹהִי דַּהְבָּא תַּכְלָא וְאַרְגְּוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי וּבוּץ שְׁזִיר כְּמָא דְּפַּמֵּיד יִי, יָת מֹשֶׁה:

וְחֵשֶׁב אֲפֶּדָּתוֹ אֲשֶׁר עָלְיו מִמֶּנְנּוּ הוא כְּמַעֲשֵּהוּ זָהָב הְּכֵלֶת וְאַרְגָּמָן וְתוֹלַעַת שָׁנִי וְשֵׁשׁ מְשְׁזְר כַּאֲשֶׁר צִּוָּה יְהוָֹה אֶת־ משֵׁה: (ס)

And they wrought the onyx stones, inclosed in settings of gold, graven with the engravings of a signet, according to the names of the children of Israel.

וַעֲבַדוּ יָת אַבְנֵי בוּרְלָא מְשַׁקְעָן מְרַמְּצָן בִּרְהַב גְּלִיפָּן כְּתָב מִפָּרַשׁ עַל שִׁמָהַת בָּנֵי יִשִּׂרָאֵל:

ַ וַיִּצְשׁוּ' אֶת־אַבְנֵי הַשְּׁהַם מֶסַבְּת חוֹתָם עַל־שָמִוֹת בְּנֵי יִשְׁרָאֵל: חוֹתָם עַל־שָמִוֹת בְּנֵי יִשְׂרָאֵל:

(1) ומן התכלת והארגמן וגר. שש לא נאמר כאן, ומכאן אני אומר שאין בגדי שרד הללו בגדי כהונה, שבבגדי כהונה היה שש, אלא הם בגדים שמכסים בהם כלי הקדש בשעת סלוק מסעות, שלא היה בהם שש:

(3) וירקעו. כמו לְרֹקַע הָאָרֶץ (חהלים קלו, ו), כתרגומו וְרַדִּידוּ טַפִּין, היו מרדדין מן הזהב, אשטנ"דרא בלע"ז (אויזדעהנען), טסין דקות. כאן הוא מלמדך היאך היו טווין את הזהב עם החוטין, מרדדים טסין דקין, וקוללין מהן פתילים לאויזדעהנען), טסין דקות בחלים מעורבים עם כל מין ומין בחשן ואפוד, שנאמר בהן זהב, חוט אחד של זהב עם ששה חוטין של תכלת, וכן עם כל מין ומין, שכל המינין חוטן כפול ששה, והזהב חוט שביעי עם כל אחד ואחד:

And he put them on the shoulder-pieces of the ephod, to be stones of memorial for the children of Israel, as the LORD commanded Moses.

וְשַׁוִּי יָתְהוֹן עַל כָּתְבֵּי אֵיפּוֹדָא אַבְנֵי דּוּכְרָנָא לִבְנֵי יִשְׂרָאֵל כָּמָא דְּפַקֵּיד יְיָ יָת מֹשֶׁה:

וַיָּשֶׂם אֹתָם עַל כִּתְפַּת הָאֵפֹּד אַבְנֵי זִכְּרִוֹן לִבְנֵי יִשְׂרָאֵל כַּאֲשֶׁר צִנְּה יְהֹנָה אֶת־ מֹשֵׁה: (פּ)

And he made the breastplate, the work of the skilful workman, like the work of the ephod: of gold, of blue, and purple, and scarlet, and fine twined linen.

נַעֲבַד יָת חוּשְׁנָא עוֹבָד אּוּמְּן כְּעוֹבָד אֵיפּוֹדָא דַּהְבָּא תַּכְלְא וְאַרְגָוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי וּבוּץ שׁזִיר: וַיַּצַש אֶת־הַחֶשֶן מַעֲשֵה חשֵב רְּמַעֲשֵׂה אֵפָּד זְהָב הְּכֵלֶת משור:

It was four-square; they made the 9 breastplate double; a span was the length thereof, and a span the breadth thereof, being double.

מְרָבֵּע הַנָּה עִיף עֲבַדוּ יָת חוּשְׁנָא זַרְתָּא אוּרְכֵּיה וְזַרְתָּא פּוּתְנֵיה עִיף: ַ רָבָּוּעַ הָיֶה כָּפִּוּל עָשֵּׁוּ אֶת־ בַּחָשֶׁן זֶרֵת אָרְכָּוֹ וְזֶרֶת רְחְבִּוֹ בפוּל:

And they set in it four rows of stones: a row of carnelian, topaz, and smaragd was the first row.

וְאַשְּׁלִימוּ בֵּיה אַרְבְּעָא סְדְרִין דְּאֶבֶן שָׁבָא סִדְרָא קַדְמָאָה סָמְקָן וְרָקָן וּבְרְקּן סִדְרָא חַד: ַ נִיְמַּלְאוּ־בוּ אַרְבָּעָה טָוּרֵי אָבֶן טוּר אָדֶם פִּטְדָה וּבְרֶּקֶת הַטִּוּר הַאָּחֶר:

And the second row, a carbuncle, a sapphire, and an emerald.

ְּוְסְדְרָא תִּנְיָנָא אִזְמַרַגְדִּין שַׁבְזֵיז יסבהלום: י וְהַשָּוּר הַשֵּׁנֵי נְפֶּךְ סַפִּיר וְיָהֲלְם:

And the third row, a jacinth, an agate, and an amethyst.

וְסִדְרָא תְּלִיתָאָה קַנְּכֵּירִי מְרַקְיָא וְעֵין עִנְלָא: ָּ וְהַפְּוּר הַשְּׁלִּישִׁי לֶשֶׁם שְׁבִוּ וְאַחְלֶמָה:

And the fourth row, a beryl, an
onyx, and a jasper; they were
inclosed in fittings of gold in their
settings.

וְסִדְרָא רְבִיעָאָה כְּרוּם יַמָּא יבוּרְלָא וּפַּנְתֵירִי מְשַׁקְּעָן מָרַמִּצְן בִּדְתַּב בְּאַשְׁלָמוּתְהוֹן:

בְּמִלְּאֹתֵם: וְיָשְׁפֵּּה מְוּסַבָּת מִשְׁבְּצִּת זְהָב וְיָשְׁפֵּּה מְוּסַבָּת מִשְׁבְּצִת זְהָב

And the stones were according to the names of the children of Israel, twelve, according to their names, like the engravings of a signet, every one according to his name, for the twelve tribes.

וְאַבְנִיָּא עַל שְׁמָהָת בְּנִי יִשְׂרָאֵל אִנִּין תַּרְתַּא עֶשְׁרֵי עַל שְׁמָהָתְהוֹן כְּתָב מְפָּרֵשׁ כִּגְלְף דְעִזְקָא גְּבַר עַל שְׁמֵיהּ לִתְרֵי עֵשֵּׁר שָׁבָטִין:

וְהָאָבָנִים עַל־שְׁמֹת בְּנֵי־יִשְׂרָאֵל הַנָּה שְׁתִּים עָשְׂרֵה עַל־שְׁמֹתְם בּתּוּחֵי חֹתָם אַישׁ עַל־שְׁמֹוּ לִשְׁנֵים עָשָׂר שֲׁבֶט:

And they made upon the breastplate plaited chains, of wreathen work of pure gold.

יַעַבַרוּ עַל חוּשְׁנָא תִּכִּין אֶתְחָמָן עוֹבָד גְּדִילוּ דִּדְהַב בֵּי: ָּ. נַיַּצְשַׂרּ עַל־הַחָּשֶׁן שַׁרְשְׁרָת גַּבְלֶּת מַצְשֵׂה עֲבֻת זָהָב טְּהְוֹר:

And they made two settings of gold, and two gold rings; and put the two rings on the two ends of the breastplate. וַעְבַרוּ תַּרְתֵּין מְרַמְּצְן דְּדְהַב וְתַּרְתֵּין עִזְקָן דִּדְהַב וִיהַבוּ יָת תַּרְתֵּין עִזְקָתָא עַל הְּבֵין סִטְבי חוּשָׁנָא:

ַנַיַּצְשׁוּ שְׁתֵּי מִשְּבְצַת זְהָב וּשְתֵּי טַבְּצָת זָהָב וַיִּתְּנֹוּ אֶת־שְׁתִי וַיַּצְשׁוּ שְׁתֵּי מִשְׁבְצַת זָהָב וּשְתֵּי And they put the two wreathen

To chains of gold on the two rings at the ends of the breastplate.

And the other two ends of the two wreathen chains they put on the two settings, and put them on the shoulder-pieces of the ephod, in the

forepart thereof.

And they made two rings of gold, and put them upon the two ends of the breastplate, upon the edge thereof, which was toward the side of the ephod inward.

And they made two rings of gold, and put them on the two shoulder-pieces of the ephod underneath, in the forepart thereof, close by the coupling thereof, above the skilfully woven band of the ephod.

And they did bind the breastplate by the rings thereof unto the rings of the ephod with a thread of blue, that it might be upon the skilfully woven band of the ephod, and that the breastplate might not be loosed from the ephod; as the LORD commanded Moses.

And he made the robe of the ephod of woven work, all of blue;

and the hole of the robe in the midst thereof, as the hole of a coat of mail, with a binding round about the hole of it, that it should not be rent.

And they made upon the skirts of
the robe pomegranates of blue, and
purple, and scarlet, and twined
linen.

וִיהַבוּ תַּרְתֵּין גְּדִילֶן דִּדְהַב עַל תַּרְתֵּין עִזְקְתָא עַל סִטְבִי חוּשְׁנָא:

וְיָת תַּרְתֵּין גְּדִילָן דְּעַל תְּרֵין סִמְרוֹהִי יְהַבּוּ עַל תִּרְתֵּין מְרַמְצְתָא וִיהַבוּנִין עַל כִּתְפֵּי אֵיפּוֹדָא לַקָבִיל אָפּוֹהִי:

וַצְבַרוּ תַּרְתֵּין עִזְקָן דִּדְהַב וְשַׁוִּיאוּ עַל הְבִין סִטְבי חוּשְׁנָא עַל סִפְתֵּיה דִּלְעִבְרָא דְּאֵיפּוֹדָא לְגִיו:

וַעֲבַדוּ תַּרְתֵּין עִזְקָן דְּדְהַב וִיהַבוּנִין עַל הְרֵין כִּתְפֵּי אֵפוֹדָא מִלְרַע מִלְּקֵבֵיל אַפּוֹהִי לְקַבִיל בֵּית לוֹפֵי מֵעְלָנֵי לְהָמִין אֵיפּוֹדָא:

נְאֲחַדוּ יָת חוּשְׁנָא מֵעוְקְתֵּיה לְעִזְקָת אֵיפּוֹדָא בְּחוּטְא הַּתְּכִילְתָא לְמִהְנִי עַל הִמְיַן מֵעלְנֵי אֵיפּוֹדָא רְמָהָנִי עַל הִמְיַן מֵעלְנֵי אֵיפּוֹדָא כְּמָא דְּפַקֵּיד יִיָּ יָת מֹשֶׁה:

וַעֲבַד יָת מְעִיל אֵיפּוֹדָא עוֹבָד מַחֵי גִּמִיר תַּכְלַא:

ופומיה הַמְעִילָא כְּפִיל לְגוַיה כְּפוֹם שִׁרְיָן תּוּרָא מַקּף לְפוּמֵיה סְחוֹר סְחוֹר לָא יִתְבָּזַע:

וַעֲבַדוּ עַל שָׁפּוֹלֵי מְעִילָא רָמּוֹנֵי תַּכְלָא וְאַרְגְּוָנָא וּצְבַע זְחוֹרִי שִׁזִיר: ַןיִּתְּנוּ שְׁתֵּי הָעֲבֹתְת הַזְּהָב עַל־ שָׁתֵּי הַפַּבָּעָת עַל־קְצִוֹת הַחְּשֶׁן:

וְאֵּת שְׁתֵּי קְצוֹת שְׁתֵּי הָעְבֹתֹת נְתְנִי עַל־שְׁתֵּי הָמִשְׁבְּצֵׁת וַיִּתְּנֶם עַל־כִּתְפָּת הָאֵפָּד אֶל־מִוּל פַּנִיו:

ַ וַיַּשְשׁׁוּ שְׁתֵּי שַבְּעַת זְהָב וַיִּשִּׁימוּ עַל־שְׁנֵי קְצָּוֹת הַחֻשֶׁן עַל־שְׂפָתוּ אֲשֶׁר אֶל־עֵבֶר הָאֵפָּד בִּיְתָה:

וַיַּצְשׁוּ שְׁתֵּי שַבְּעַׁת זָהָבּ וַיִּתְּנְׁם מַּמִּוּל בְּּנְיוּ לְעָמָת מַחְבַּרְתְּוֹ ממּעל לחשב האפֹר:

וַיִּרְכְּסִוּ אֶת־הַחְשֶׁן מִּמַבְּעֹתִיוֹ אֶל־טַבְּעֹת הָאֵפֹּד בִּפְתִיל הְבַּלֶת לְהִית עַל־חֲשֶׁב הָאֵפֶּד וְלְאֹ־יִזַּח הַחְשֶׁן מֵעַל הָאֵפָּד כַּאֲשֶׁר צִּוְּה יְהוֹּה אֶת־ משֵׁה: (פ)

שלישי וַיַּעֲשׁ אֶת־מְעִיל הָאֵפִּד מַעֲשֵּׁה אֹרֵג כְּלִיל תְּכֵלֶת:

₃ וּפְּי־הַמְּעֵיל בְּתוֹכְוֹ כְּפֵי תַחְרֶא שָׂפָּה לְפֶיו סָבִיב לְאׁ יִקְּרֵעַ:

וַיַּצְשׁוּ עַל־שׁוּלֵי הַמְּאִיל רִמּוֹבֵּי תְּכֵלֶת וְאַרְגָּטָן וְתוֹלַעַת שָׁגִי מַשָּׁזָר: And they made bells of pure gold, and put the bells between the pomegranates upon the skirts of the robe round about, between the pomegranates:

י וַיִּתְּנֹוּ וַעֲבֶרוּ זַגִּיָּא בְּגוֹ רִמּוֹנַיָּא עַל רְמּוֹנַיָּא יַלְר רְמּוֹנִים יָת זַגַּיָּא בְּגוֹ רִמּוֹנַיָּא עַל בְּגוֹ רִמּוֹנַיָּא עַל בְּגוֹ רִמּוֹנַיָּא:

ַנִּיצְשָׂוּ פַּצְמֹנֵי זְהָב טְּהֵוֹר וַיִּהְּנֹוּ וַ אֶת־הַפָּצְמֹנִים בְּתִוֹך הָרמֹנִים ? עַל־שׁוּלֵי הַמְּעִיל סָבִּיב בְּתְוֹך לּ הַרִמֹּנִים:

a bell and a pomegranate, a bell and a pomegranate, upon the skirts of the robe round about, to minister in; as the LORD commanded Moses.

זַגָּא וְרִמּוֹנָא זַגָּא וְרְמּוֹנָא עַל שָׁפּוֹלֵי מְעִילָא סְחוֹר סְחוֹר לְשַׁמָשָׁא כְּמָא דְּפַּקִּיד יְיָ יָת משֵה:

ַ פַּצְלָּוֹן וְרָמֹּוֹ פַּצְנָּמִוֹ וְרָמֹּוֹ עַל־שׁוּלֵי הַמְּצִיל סָבִיב לִשְׁנֵّת כַּאֲשֶׁר צִּוְּה יְהֹוָה אֶת־ משֵׁה: (ס)

And they made the tunics of fine linen of woven work for Aaron, and for his sons, וַעֲבַדוּ יָת כָּתוּנִין דְּבוּצְא עוֹבָד מָחֵי לְאַהַרֹן וְלִבְנוֹהִי:

ַ וַיַּצֲשֶׂוּ אֶת־הַכְּתְנָת שֵׁשׁ מַצְשֵּׂה וּ אֹרֵג לִאָהַרָן וּלְבָנֵיו:

and the mitre of fine linen, and the goodly head-tires of fine linen, and the linen breeches of fine twined linen, וְיָת מַצְנַפְתָּא דְּבוּצָא וְיָת שְׁכְח קוֹרְעַיָּא דְּבוּצָא וְיָת מִכְנְסֵי בוּצָא דִּבוּץ שִׁזִיר:

וְאֵת הַמִּצְנֶבֶּת שֵׁשׁ וְאֶת־פַּאֲרֵי הַמִּגְבָּעָת שֵשׁ וְאֶת־מִכְנְסֵי הַבָּד שֵשׁ מַשְׁזֵר:

and the girdle of fine twined linen, and blue, and purple, and scarlet, the work of the weaver in colours; as the LORD commanded Moses. וְיָת הִמְיָנָא דְּבוּץ שְׁזִיר וְתַכְלָא וְאַרְגְוָנָא וּצְבַע זְהוֹרִי עוֹבָד צַיִּיר כְּמָא דְּפַּקֵיד יְיָ יָת מֹשֶׁה:

וֶאֶת־הָאַבְנֵּט שֵׁשׁ מְשִׁוֹּר וּתְבֵּלֶת וְאַרְגָּמָן וְתוֹלַעַת שָׁנִי מַעֲשֵׂה רֹבֵם כַּאֲשֶׁר צִוָּה יְהוָה אֶת־ משה: (ס)

And they made the plate of the holy crown of pure gold, and wrote upon it a writing, like the engravings of a signet: HOLY TO THE LORD.

וַעֲבַדוּ יָת צִיצָא כְּלִילְא דְּקוּרְשָׁא דִּרְהַב דְּבֵי וּכְתַבוּ עֲלוֹהִי כְּתָב מְפָּרֵשׁ לֹדֶשׁ לִייָ:

וַיַּצְשֶׂוּ אֶת־צִיץ נֵזֶר־הַקּּדֶשׁ זְהָב וַ מָּתִוֹר וַיִּכְתְּבָּוּ עָלָיו מִכְתַּב וְ תַּתִי חוֹתָם קֹדֶשׁ לַיהוָה:

And they tied unto it a thread of blue, to fasten it upon the mitre above; as the LORD commanded Moses.

וִיהַבוּ עֲלוֹהִי חוּטָא דִּתְכִילְתָא לְטָתַן עַל מַצְנַפְּתָא מַלְעֵילָא כָּמָא דְּפַקֵּיד יְיָ יָת מֹשֶׁה:

וַיִּהְנְּנִּ עָלִיוֹ פְּתֵיל הְבַּלֶת לְתֵת וִידּ עַל־הַמִּצְנֶפֶת מִלְמָעְלֶה כַּאֲשֶׁר לְנִ צָּוָה יָהוָה אָת־מֹשֵה: (ס)

:מפחלרות: מפארי המגבעות הפארי המגבעות המפוחרות: (28)

(31) לתת על המצגפת מלמעלה. ועל ידי הפתילים היה מושיבן על המלנפת כמין כתר, ואי אפשר לומר הליץ על המלנפת, שהרי בשחיטת קדשים שנינו (זבחים יט.:), שערו היה נראה בין ליץ למלנפת ששם מניח תפילין, והליץ היה נחון על המלפת, הרי המלנפת למעלה והליץ למטה, ומהו על המלנפת מלמעלה. ועוד הקשיתי בה, כאן הוא אומר ויתנו עליו פחיל תכלח, ובענין הלוואה הוא אומר וְשַׁמְשָּ אֹמוֹ עַל פְּמִיל מְּכֵלֶת (שמות כח, לו). ואומר אני, פתיל תכלח זה חוטין הן, לקשרו בהן במלנפת, לפי שהליץ אינו אלא מאוזן לאוזן ובמה יקשרנו במלחו, והיו קבועין בו חוטי תכלת לשני ראשיו ובאמלעיתו, שבהן קושרו וחולהו במלנפת כשהוא בראשו, ושני חוטין היו בכל קלה וקלה, אחת ממעל ואחת מתחת ללד מלחו, וכן באמלעו, שכך הוא נוח לקשור, ואין דרך קשירה בפחות משני חוטין, לכך נאמר על פחיל תכלת, ועליו פחיל תכלת, וקושר ראשיהם השנים כולם יחד מאחוריו למול ערפו, ומושיבו על המלנפת. ואל תתמה שלא נאמר פחילי תכלת, הואיל ומרובין הן, שהרי מלינו בחשן ואפוד בי טבעות החשן, ובב' כתפות האפוד היו ב' טבעות האפוד שכנגדן, ולפי דרך קשירה ד' חוטין היו, ומכל מקום פחות משנים אי אפשר:

Thus was finished all the work of the tabernacle of the tent of meeting; and the children of Israel did according to all that the LORD commanded Moses, so did they.

אָהֶל וּשְׁלֵימַת כָּל עֲבִידַת מַשְׁכְּנָא בְּכֹל מַשְּׁכַּן זִמְנָא נַעֲבַדוּ בְנֵי יִשְּׁרָאֵל בֵּן כְּכֹל דְּפַּמֵּיד יְיָ יָת מֹשֶׁה בֵּן עֲבַדוּ:

וַתֵּכֶל כְּל־עֲבֹדֵּת מִשְׁכֵּן אֲהֶל וּ מוֹעֵד וַיִּצְשׁוֹּ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל כְּכֹל יִ אֲשֶׁׁר צִּוָּה יְהוָנֶה אֶת־מֹשֶׁה כֵּן יִּ עָשְׂוּ: (פ)

And they brought the tabernacle unto Moses, the Tent, and all its furniture, its clasps, its boards, its bars, and its pillars, and its sockets; וְאֵיתִיאוּ יָת מַשְׁכְּנָא לְנְת מֹשֶׁה יָת מַשְׁכְּנָא וְיָת כָּל מְנוֹהִי פּוּרְפוֹהִי דַּפּוֹהִי עָבְרוֹהִי וִעַמּוּדוֹהִי וְסָמָכוֹהִי:

נִיבֶיאוּ אֶת־הַמִּשְׁכְּן' אֶל־מֹשֶׁה ע' אֶת־הָאָהֶל וְאֶת־כְּל־כֵּלְיוּ קְרָסֵיו קְרָשִׁיו בְּרִיחָו וְעַמָּדְיוּ וַאָּדְנֵיו:

and the covering of rams' skins
dyed red, and the covering of sealskins, and the veil of the screen;

וְיָת חוּפָאָה דְּמַשְׁכֵּי דִּכְרֵי מְסָמְקֵי וְיָת חוּפָאָה דְּמַשְׁכֵּי סָסְגוֹנָא וְיָת פָּרוּכִתָּא דִּפְרָסָא:

ְוְשֶׁת־מִּכְטֵּה עוֹרָת הָאֵילִם הַמְּאָדְּמִים וְשֶׁת־מִּכְסֵה עֹרַת הַתְּחָשִִים וְאֵת פָּרָכֶת הַמְּסֶךְ:

the ark of the testimony, and the staves thereof, and the ark-cover;

יָת אֱרוֹנָא דְּסְהֲדוּתָא וְיָת אֲרִיחוֹהִי וְיָת כָּפּוּרְתָּא:

ֶּ אֶת־אֲּרָון הָעֵדֶת וְאֶת־בַּדְּיֵו וְאֵת הַבַּּ הַכַּפְּׂרֶת:

the table, all the vessels thereof, and the showbread;

יָת פָּתוּרָא יָת כָּל מְנוֹהִי וְיָת לִחֵים אַפַּיֵא:

אָת־הַשֶּׁלְחָן' אֶת־כְּל־כֵּלְיו וְאֵתּ -לֵחֶם הַפָּנִים:

the pure candlestick, the lamps 37 thereof, even the lamps to be set in order, and all the vessels thereof, and the oil for the light; יָת מְנְרָתָא דְּכִיתָא יָת בּוֹצִינַהָא בּוֹצִינֵי סִדְרָא וְיָת כָּל מְנַהָא וְיָת מִשְׁחָא דְּאַנְהָרוּתָא:

ֶּ אֶת־הַמְּנֹרָה הַמְּחֹרָה אֶת־ בּרֹעֶיהָ נֵרָת הַמְּעֲרָכָה וְאֶת־ כְּל־כֵּלֶיהָ וְאֵת שֶׁמֶן הַמְּאִוֹר:

and the golden altar, and the anointing oil, and the sweet incense, and the screen for the door of the Tent; ֶּיֶת מַדְבְּחָא דְּדַהְבָּא וְיָת מַשְׁחָא דִּרְבוּתָא וְיָת קְטֹרֶת משכנא:

ְוְאֵתֹ מִזְבַּח הַזָּהָׁב וְאֵתֹ שֶׁמֶן הַמִּשְׁהָה וְאֵת קְעַּׁרֶת הַפַּמִּים וְאֵת מָסָך בָּתַח הָאְהֶל:

the brazen altar, and its grating of brass, its staves, and all its vessels, the laver and its base; יָת מַדְבָּחָא דְּנָחָשָׁא וְיָת סְרָדָא וְיָת כֶּל מָנוֹהִי יָת כִּיּוֹרָא וְיָת בְּסִיסִיה:

אַתוּ מִזְבַּח הַנְּחֹשֶׁת וְאֶת־מִּכְבַּר הַנְּחֹשֶׁת אֲשֶׁר־לוֹ אֶת־בַּדָּיוּ וְאֶת־כְּל־בֵּלְיוּ אֶת־הַכִּיִּר וְאֶת־ כַּנִּוֹ:

⁽³²⁾ ויעשו בני ישראל. את המלאכה ככל אשר לוה ה' וגו':

⁽³³⁾ ויביאו את המשכן וגר. שלא היו יכולין להקימו, ולפי שלא עשה משה שום מלאכה במשכן, הניח לו הקצ"ה הקמתו, שלא היה יכול להקימו שום אדם, מחמת כובד הקרשים שאין כח באדם לזקפן, ומשה העמידו, אמר משה לפני הקב"ה, איך אפשר הקמתו על ידי אדם, אמר לו עסוק אתה בידך, נראה כמקימו והוא נזקף וקם מאליו, וזהו שנאמר (שמות מ, יז) הוּקַם הַמִּשְׁבֶּן, הוקם מאליו. מדרש רבי תנחומא (פקודי "א):

the hangings of the court, its pillars, and its sockets, and the screen for the gate of the court, the cords thereof, and the pins thereof, and all the instruments of the service of the tabernacle of the tent of meeting;

יָת סְרָבִי דְּרְתָא יָת עַמּוּדַהָּא וְיָת סְמְכַהָּא וְיָת פְּרְסָא לִתְרֵע דָּרְתָא יָת אֲטוּנוֹהִי וְסִכַּהָא וְיָת כָּל מָנֵי פּוּלְחַן מַשְׁכְּנָא לְמַשְׁכַן זמנא:

אֵת ׄקַלְאֵּׁי הָחָצֵּׁר אֶת־עַמְּּדֵיה וְאֶת־אָדָנִיהְ וְאֶת־הַמְּסְדְּ לְשַׁעַר הָחָצֵּר אֶת־מֵיתָרֶיו וִיתֵדֹתֻיה וְאֵת כְּל־כְּלֵי עֲבֹדַת הַמִּשְׁבֶּן לִאָּהֵל מוֹעֵד:

the plaited garments for ministering in the holy place; the holy garments for Aaron the priest, and the garments of his sons, to minister in the priest's office.

יָת לְבוּשֵׁי שִׁמּוּשָׁא לְשַׁמָּשָׁא בְּקוּרְשָׁא יָת לְבוּשֵׁי קוּרְשָׁא לְאָהַרֹן כְּהַנָּא וְיָת לְבוּשֵׁי בִנוֹהִי לִשְׁמַשַׁא:

אֶת־בּּגְדֵי הַשְּּׁרֶד לְשָׁרֵת בַּּלֶּדֶשׁ אֶת־בִּגְדֵי הַלָּדֶשׁ לְאַהַרָן הַכּּהֵן וְאֶת־בִּגְדֵי בָנָיו לְכַהֵן:

According to all that the LORD commanded Moses, so the children of Israel did all the work. כְּכֹל דְּפַקּיד יְיָ יָת מֹשֶׁה כֵּן עֲבַדוּ בְנֵי יִשְׂרָאֵל יָת כָּל פּוּלחנא:

בְּכֶל אֲשֶׁר־צִּוְּה יְהְוָָה אֶת־מֹשֶׁה בֵן עָשׁוּ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל אֵת כְּל־ העברה:

And Moses saw all the work, and, behold, they had done it; as the LORD had commanded, even so had they done it. And Moses blessed them.

נַחָזָא מֹשֶׁה יָת כָּל עֲבִידְתָא וָהָא עֲבַדוּ יָתַה כְּמָא דְּפַקֵּיד יְיָ כֵּן עֲבַדוּ וּבָרֵיך יָתְהוֹן מֹשֶׁה:

נַיַּרְא משֶה אֶת־כְּלִ־הַמְּלָאכָה וְהָנֵּה עָשִּׂר אֹתָה כַּאֲשֶׁר צִּוָּה יְהְוָָה כֵּן עָשֵׂוּ וַיְבֶּרֶךְ אֹתָם משֶה: (פ)

And the LORD spoke unto Moses, saying:

וּמַלֵּיל וְיָ עִם מֹשֶׁה לְמֵימַר:

סמישי (שניעי) וַיְדַבֶּר יְהוָה אֶל־מֹשֶׁה לֵאמְר:

'On the first day of the first month shalt thou rear up the tabernacle of the tent of meeting. בְּיוֹם יַרְחָא קַּרְמָאָה בְּחַד לְיַרְחָא תְּקִים יָת מַשְׁבְּנָא מַשְׁכָּן זִמְנָא:

ַ בְּיום־הַחָּדֶשׁ הָרָאשִׁון בְּאֶחָר בְּ לַחָדֶשׁ תָּקִּים אֶת־מִשְׁכַּן אָהֶל לְ מוֹצֵר:

And thou shalt put therein the ark of the testimony, and thou shalt screen the ark with the veil.

וּתְשַׁוֵּי תַּמָּן יָת אֲרוֹנָא דְּסְהַדוּתָא וְתַשֵּיל עַל אֲרוֹנָא ית פּרוּכתא:

ְוְשַׂמְתָּ שָּׁם אָת אֲרַוֹן הָעֵדִוּת וְסַכּּתָ עַל־הָאָרָן אֶת־הַפָּּרְכֶת:

And thou shalt bring in the table, and set in order the bread that is upon it; and thou shalt bring in the candlestick, and light the lamps thereof.

וְתַעֵיל יָת פֶּתוּרָא וְתַסְדֵּר יָת סִדְרֵיהּ וְתַעֵיל יָת מְנָרְתָא וְתַדְלֵיק יָת בּוֹצִינַהָא:

וְהַבֵּאתָ אֶת־הַשֶּׁלְּחָׁן וְעָרַכְהָּ וְ אֶת־עֶרְכָּוֹ וְהַבֵּאתָ אֶת־הַמְּנֹרָה יִּ וְהַעֵּלֵיתָ אֶת־נַרֹתֵיהָ:

And thou shalt set the golden altar for incense before the ark of the testimony, and put the screen of the door to the tabernacle. וְתִתֵּין יָת מַדְבְּחָא דְּדַהְבָּא לְקְטֹרֶת בּוּסְמַיָּא קֵדָם אֲרוֹנָא דְּסָהֲדוּתָא וּתְשַׁנֵּי יָת פְּרָסָא דָּתַרִעָּא לְמַשִׁכָּנָא:

(43) ויברך אותם משה. אמר להם יהי רלון שתשרה שכינה במעשה ידיכם, וִיהַי לעַם ה' אֱלֹהֵינוּ עָלֵינוּ וגו' (תהלים ל, יז), והוא אחד מי"א מזמורים שבתפלה למשה:

- :מסכות על הארון. לשון הגנה, שהרי מחיצה היתה:
 - (4) וערכת את ערכו. שתי מערכות של לחם הפנים:

And thou shalt set the altar of
burnt-offering before the door of
the tabernacle of the tent of
meeting.

And thou shalt set the laver
between the tent of meeting and
the altar, and shalt put water
therein.

And thou shalt set up the court round about, and hang up the screen of the gate of the court.

And thou shalt take the anointing oil, and anoint the tabernacle, and all that is therein, and shalt hallow it, and all the furniture thereof; and it shall be holy.

And thou shalt anoint the altar of burnt-offering, and all its vessels, and sanctify the altar; and the altar shall be most holy.

And thou shalt anoint the laver and its base, and sanctify it.

And thou shalt bring Aaron and his

sons unto the door of the tent of
meeting, and shalt wash them with
water.

And thou shalt put upon Aaron the holy garments; and thou shalt anoint him, and sanctify him, that he may minister unto Me in the priest's office.

And thou shalt bring his sons, and put tunics upon them.

And thou shalt anoint them, as thou didst anoint their father, that they may minister unto Me in the priest's office; and their anointing shall be to them for an everlasting priesthood throughout their generations.'

וְתִתֵּין יָת מַדְבְּחָא דַּעֲלֶתְא מֵדֶב הְרַע מַשְּׁכְּנָא מַשְּׁכַּן זָמָנָא:

וְתָתֵּין יָת כִּיּוֹרָא בֵּין מַשְׁכַּן זִמְנָא וּבֵין מַדְבְּחָא וְתִתֵּין תַּמְּן מַיָּא:

בַּלִתֹא: וֹתִשֵּׁין יָת פַּּלַסָא בַּעְרַע וּתְשֵּׁנִּי יָת בַּלְתָא סְחוֹר סְחוֹר

וְתַּפַב יָת מִשְׁהָא דִּרְבוּתָא יֹתְרַבֵּי יָת מַשְׁכְּנָא וְיָת כָּל הְבִיה וּתְקַדֵּישׁ יָתֵיה וְיָת כָּל מָנוֹהִי וִיהֵי קוּדְשָׁא:

וּתְרַבֵּי יָת מַדְבְּחָא דַּעֲלְתָא וְיָת כָּל מָנוֹהִי וּתְקַדֵּשׁ יָת מַדְבְּחָא וִיהֵי מַדִבְּחָא לְדֵשׁ קּוּדְשִׁין:

וּתְרַבֵּי יָת כִּיּוֹרָא וְיָת בְּסִיסֵיה וּתקדישׁ יתיה:

ּוּתְקָּרֵיב יָת אַתָּרֹן וְיָת בְּנוֹהִי לְתָרֵע מַשְּׁכֵּן זִמְנָא וְתַסְחֵי תָתְהוֹן בְּמֵיָּא:

יְתֵיה וִישַׁמֵּישׁ מֻדְּמִי: קּוּדְשָׁא וּתְרַבֵּי יְתֵיה וּתְקַדִּישׁ תַיה וִישַׁמֵּישׁ מֻדְמִי:

וְיָת בְּנוֹהִי תְקְרֵיב וְתַלְבֵּישׁ יַתָהוֹן בִּתּוּנִין:

וּתְרַבֵּי יָתְהוֹן כְּמָא דְּרַבִּיתָא יָת אֲבוּהוֹן וִישַּמְשוּוּן קֵדְמִי וּתְבֵּי לְמִּהְנֵי לְהוֹן רְבוּתְהוֹן לִכְהוּנַּת עָלַם לְדָרֵיהוֹן:

ָןנְתַלָּה אָת מִזְבָּח הָעֹלָגִה לִּפְּנֵּי פֶּתַח מִשְׁכַּן אְהֶל־מוֹעֵד:

וְגַתַתָּ אֶת־הַכִּיִּר בֵּין־אָהֶל מוֹצֵד וּבֵין הַמִּוְבֵּחַ וְנְתַתְּ שֶׁם מֵיִם:

אָת־מָסַךְ שַּׁעַר הָחָצֵר: װַשַּׂמְתָּ אֶת־הָחָצֵר

ַנְלָפַחְתָּ אֶת־שֶׁמֶן הַמִּשְׁחָה אֲשֶׁר־בָּוֹ וְקַדַּשְׁתֵּ אֹתֶוֹ וְאֶת־כְּל־ אֲשֶׁר־בָּוֹ וְקַדַּשְׁתֵּ אֹתֶוֹ וְאֶת־כְּל־ בַּלֵיו וָהֵיָה לָּרָשׁ:

ַּ וּמְשַׁחְתָּ אֶת־מִּזְבַּח הָעֹלֶה וְאֶת־ כְּל־כֵּלְיו וְקִדַּשְׁתְּ אֶת־הַמִּזְבַּׁח וָהָיֵה הַמִּזְבֵּח לְרֵשׁ קָרָשִׁים:

וּקְדַּשַׁתְּ אֶת־הַכִּיּיִר וְאֶת־כַּגַּוֹ הַלְּשַׁתְּ אֶת־הַכִּיּיִר וְאֶת־כַּגַּוֹ ...

ְוְהַקְּרַבְהְּ אֶת־אַהַרֹן וְאֶת־בְּנְּיוּ אֶל־בָּתָח אָהֶל מוֹעֵד וְרָחַצְתְּ אֹתֶם בַּמֶּיִם:

וֹכְהֵלְ בַּשְׁתְּ אֶת־אַהֲלוֹ וְקַדֵּשְׁתָּ אֹתוֹ הַלֶּדֶשׁ וּמְשַׁחְתֵּ אֹתוֹ וְקַדֵּשְׁתָּ אֹתוֹ הַבָּדֶן לִי:

ַן וְאֶת־בָּנָיו תַּקְרֵיב וְהִלְבַּשְּׁתְּ אֹחָם כָּתֵּנְת:

תוּלָם לְדִּרִתֵּם: לִהְיָּת לָהֶם מְשְׁחָתָּם לִכְהֻנַּת הַמְשַׁחְתָּ לִהְיִתְה הַמְשַׁחְתָּ אֹתִם כַּאָשֶׁר מְשִׁחְתָּה Thus did Moses; according to all
that the LORD commanded him, so
did he.

ָּ וַיַּעַשׁ מֹשֶׁה בְּכֵּל אֲשֶּׁר צִּוְּה יְהוְּה וַעֲבַר מֹשֶׁה בְּכֹל דְּפַּקּיד יְיָ אֹתֻוֹ כֵּן עָשֶׂה: (ס) אֹתוֹ כֵּן עָשֶׂה: (ס)

And it came to pass in the first month in the second year, on the first day of the month, that the tabernacle was reared up.

נְהַנָה בְּיַרְחָא קַּדְמָאָה בְּשַׁהָּא תִּנְיֵיתָא בְּחַד לְיַרְחָא אִתְּקִם מַשְׁבָנָא:

ניְהִّי בַּחְָּדֶשׁ הָרָאשֶׁוֹן בַּשְּׁגָה הַשָּׁנִית בְּאֶחֲד לַחְׂדֶשׁ הוּקִם המשכו:

And Moses reared up the tabernacle, and laid its sockets, and set up the boards thereof, and put in the bars thereof, and reared up its pillars.

וַאֲקֵים מֹשֶׁה יָת מַשְּׁכְּנָא וִיהַב יָת סָמְכוֹהִי וְשַׁוִּי יָת הַפּּוֹהִי וִיהַב יָת עָבְרוֹהִי וַאֲקֵים יָת עמודוֹהי:

ַנְּיָּקֶם מַּשֶּׁה אֶת־הַמִּשְׁכָּן נַיִּתֵּן אֶת־אָדָנִיו נַיָּשֶׁם אֶת־קְרָשְׁיו נַיָּתֵּן אֶת־בְּרִיחָיו נַיָּקֶם אֶת־ עַמוּדֵיו:

And he spread the tent over the 19 tabernacle, and put the covering of the tent above upon it; as the LORD commanded Moses. וּפְרֵס יָת פְּרָסָא עַל מַשְּׁכְּנָא וְשַׁוִּי יָת חוּפָאָה דְּמַשְׁכְּנָא עַלוֹהִי מִלְעִילָא כְּמָא דְּפַקִּיד יְיָ יָת משֶׁה:

וַיִּפְּרָשׁ אֶת־הָאֹהֶל עַל־הַמִּשְׁבְּן וַיָּשֶּׁם אֶת־מִכְסֵה הָאֶהֶל עְלָיו מִלְמָעְלָה כַּאֲשֶׁר צִּוְה יְהֹוָה את־משה: (ס)

And he took and put the testimony into the ark, and set the staves on the ark, and put the ark-cover above upon the ark.

וּנְסֵים וִיהַב יָת סָהֲדוּתָא בַּאָרוֹנָא וְשַׁוּי יָת אָרִיחַיָּא עַל אָרוֹנָא וִיהַב יָת כָּפוּרְתָּא עַל אֵרוֹנָא מָלְעִילַא:

נִיפַּח נַיִּתֵּן אֶת־הָעֵדֶת אֶל־ הָאָרָן נַיְּשָּׁם אֶת־הַבַּדֶּים עַל־ הָאָרָן נַיִּתַּן אֶת־הַכַּפָּׁרֶת עַל־ הָאָרִן מִלִּמָעִלָה:

And he brought the ark into the tabernacle, and set up the veil of the screen, and screened the ark of the testimony; as the LORD commanded Moses.

וְאַעֵּיל יָת אֲרוֹנָא לְמַשְׁכְּנָא וְשַׁוּי יָת פָּרוּכְתָּא דִּפְרָסָא וְאַפֵּיל עַל אֲרוֹנָא דְּסְהָדוּתָא כְּמָא דְפַקֵיד יְיָ יָת מֹשֶׁה:

ַנְיָבֵא אֶת־הָאָרֹן אֶל־הַמִּשְׁכָּן נִיּשֶׂם אָת פָּרַכֶּת הַמְּסָׁךְ נַיְּסֶךְ עַל אָרַוֹן הָעֵדִוּת כַּאֲשֶׁר צִּוָּה יְהֹוָה אֶת־מֹשֶׁה: (ס)

And he put the table in the tent of meeting, upon the side of the tabernacle northward, without the veil.

וִיהַב יָת פָּתוּרָא בְּמַשְׁכַּן זִמְנָא עַל שִׁדָּא דְּמַשְׁכְנָא צִפּוּנָא מִבַּרָא לְפָרוּכְתָּא:

נִיּתֵּן אֶת־הַשֶּׁלְחָן בְּאַהֶּל מוֹעֵׁד עַל יֶרֶדְ הַמִּשְׁכֵּן צְּפִּנְה מִחְוּץ לַפָּרְכֶת:

And he set a row of bread in order upon it before the LORD; as the LORD commanded Moses.

נַיַּעֲרָךְ עָלֶיו עֵרֶךְ לֶחֶם לִפְּנֵי וְסַדֵּר עֲלוֹהִי סְדְרִין דִּלְחֵים יְנִינְרָהְ בָּלֶּיוּ יְרָוְהִ הָּ יְהָוְה כַּאֲשֶׁר צִּנְּה יְהֹוָה אֶת־ קֵּדֶם יִיְ כְּמָא דְּפַּקִּיד יִיְ יָה משֵׁה: (ס)

⁽¹⁹⁾ ויפרש את האהל. הן יריעות העזים:

⁽²⁰⁾ את העדות. הלוחות:

⁽²²⁾ על ירך המשכן צפונה. בחלי הלפוני של רוחב הבית (יומא לג:): ירך. כתרגומו לְבָּא, כירך הזה שהוא בלדו של אדם:

| | And he put the candlestick in the |
|----|--------------------------------------|
| 24 | tent of meeting, over against the |
| | table, on the side of the tabernacle |
| | southward. |
| | |

ַ וַיָּשֶׂם אֶת־הַמְּנֹרָה בְּאַהֶל מוֹעֵּד וְשַׁיִּי יָת מְנְרְתָא בְּמַשְׁכַּן זִמְנָא לְכַבִּיל בְּתִּיּרָא עַל שִּדְא נְּכַח הַשָּׁלְחָן עָל יֶרֶךְ הַמִּשְׁכָּן לְקַבֵּיל בְּתוּרָא עַל שִּדְא נֵגְבָּה:

And he lighted the lamps before the LORD; as the LORD commanded Moses. נֵיעַל הַנֵּרָת לִפְנֵי יְהוְֹה כַּאֲשֶׁר וְאַדְלֵיק בּוֹצִיניָא קֵדְם יִיָּ כְּטְא בְּיֵּה יְהוָה אֶת־מֹשֶׁה: (ס) דְּפַקֵּיד יְיָ יִת מֹשֶׁה:

And he put the golden altar in the tent of meeting before the veil;

ַ נַיָּשֶׂם אֶת־מִזְבָּח הַזָּהָב בְּאֲהֶל וְשַׁיִּי יָת מַדְבְּחָא דְּדַהְבָּא מוֹעֵד לפָנִי הַפַּרֹכָת:

and he burnt thereon incense of
sweet spices; as the LORD
commanded Moses.

ַ נַיַּקְמֵר עָלֶּיו קְּטַּׂרֶת סַמֵּים וְאַקְמַר עֲלוֹהִי קְּטַּרֶת בּּוּסְמִין פַּאֲשֶׁר צִּוָּה יְהֹוָה אֶת־ כְּמָא דְּפַקֵּיד יְיָ יָת מֹשֶׁה: מֹשֵׁה: (ס)

And he put the screen of the door to the tabernacle.

וְשַׁוִּי יָת פְּרָסָא דְּתַרְעָא לִמַשׁכָּנַא:

שניעי וַיָּשֶׂם אֶת־מְסַךְ הַפֶּתַח לַמִּשְׁבֶּן:

And the altar of burnt-offering he set at the door of the tabernacle of the tent of meeting, and offered upon it the burnt-offering and the meal-offering; as the LORD commanded Moses.

וְיָת מַדְבְּחָא דַּעֲלְתָא שַׁוִּי בְּתְרַע מַשְּׁכָּנָא מַשְׁכַּן זִמְנָא מָנְחָתָא כְּמָא דְּפַּמֵּיד יְיָ יָת מִשָּׁה:

ְוְאֵתֹ מִזְבַּח הָעֹלְה שֶּׁם פֶּתַח וְיָ מִשְׁכַּן אְהֶל־מוֹעֵד וַיַּעַל עָלִיו ^{בְּ} אֶת־הָעֹלָה וְאֶת־הַמִּנְחָה כַּאֲשֶׁר הְּ צִּוָה יְהוָה אֶת־מֹשֶׁה: (ס) מ

And he set the laver between the 30 tent of meeting and the altar, and put water therein, wherewith to wash; וְשׁוִּי יָת כִּיוֹרָא בֵּין מַשְׁכַּן זִמְנָא וֹבֵין מַדְבְּחָא וִיחַב תַּמָּן מַיָּא לְקִדּוּשׁ:

ַ נַּיָּשֶׁם אֶת־הַכִּיִּר בֵּין־אָהֶל מוֹצֵד וּבֵין הַמִּוְבֵּחַ נַיִּתֵּן שֶּׁמָּה מַיִם לְרָחְצֵה:

that Moses and Aaron and his sons might wash their hands and their feet thereat;

ּוּמְקַּדְּשִּׁין מִנֵּיה משֶה וְאַהַר וּבְנוֹהִי יָת יְדֵיהוֹן וְיָר רַגְלֵיהוֹן:

ַּ וְרָחֲצַוּ מִּשֶּׁנוּ מִשֶּׁה וְאֲהֲרֵן וּבָנָיוּ אֶת־יְדֵיהֶם וְאֶת־רַגְלֵיהֶם:

when they went into the tent of
meeting, and when they came near
unto the altar, they should wash; as
the LORD commanded Moses.

מוֹעֵׁד בְּמֵיעַלְהוֹן לְמַשְׁכֵּן זְמְנָּא הַמִּזְבָּהַ וּבְמִקְרַבְהוֹן לְמַשְׁכֵּן זְמְנָּ יְהוָּה מְּקְדְּשִׁין כְּמָא דְּפַּקִּיד יְיָ יָר משָה:

בְּבֹאָם אֶל־אַהֶל מוֹעַׁדּ בְּּנ וֹבְקָרְבָתָם אֶל־הַמִּוְבֵּחַ וּכְּ יִרְחָצוּ כַּאֲשֶׁר צִוָּה יְהוָה מִּי את־משה: (ס)

⁽²⁷⁾ ויקטר עליו קטורת. שחרית וערבית, כמו שנאמר בַּבֹּקֶר בַּבֹּקֶר בָּבֹקֶר בָּבֹקָר בָּבֹקָר בָּבֹקָר בָּבֹקָר בִּבֹּקָר בָּבֹקָר בָּבֹקָר בָּבֹקָר בָּבֹקָר בָּבֹקָר בָּבֹקָר בָּבֹקָר בָּבֹּקָר בָּבֹקָר בָּבֹקָר בָּבֹּקָר בִּבֹּקָר בְּבֹּקְר בְּבֹּקְר בְּבֹּקְר בְּבֹּקְר בְּבֹּקְר בְּבֹּקְר בְּבִּבְּיטִיבֹּו אָת בְּצִּרְת וּגו' (שמות ל, ז):

⁽²⁹⁾ ויעל עליו וגוי. אף ביום השמיני למלואים שהוא יום הקמת המשכן, שמש משה והקריב קרבנות לבור, חוץ מאותן שנלטוה אהרן בו ביום, שנאמר קרב אָל הַמִּוְבַּח וגו' (ויקרא ט, ז): את העולה. עולת התמיד: ואת המנחה. מנחת נסכים של תמיד, כמו שנאמר וְעַשַׁלוְ פַּלִּוּל בַּשָׁמֵן וגו' (שמות כט, מ):

⁽³¹⁾ ורחצו ממנו משה ואהרן ובניו. יום שמיני למלוחים הושוו כולם לכהונה, ותרגומו וְיקַדְּשׁוּן מִגֵּיהּ, בו ביום קַדַשׁ משה עמהם:

⁽³²⁾ ובקרבתם. כמו ונקרנס, כשיקרנו:

And he reared up the court round about the tabernacle and the altar, and set up the screen of the gate of the court. So Moses finished the work.

וַיָּכֶם אֶת־הֶחְצֵׁר סָבִיבֹ לַמִּשְׁבָּן וַאֲּקֵים יָת דְּרְתָא סְחוֹר סְחוֹר וְלַמִּוְבֵּׁח וַיִּתֵּן אֶת־מָסָך שַׁעַר לְמַשְׁכְּנָא וּלְמַדְּבְּחָא וִיהַב יְת הַחָצֵר וַיְכָל מֹשֶׁה אֶת־ פְּרָסָא דִּתְרַע דְּרְתָא וְשִׁיצִי המלֹאכה: (פּ)

Then the cloud covered the tent of meeting, and the glory of the LORD filled the tabernacle.

ַנְחָפָּא עֲנָנָא יָת מַשְׁכַּן זִמְנָא וִיקָרָא דִּייִ אָתְמְלִי יָת מַשְׁכָּנָא:

מפטיר נִיְכָס הֶעָנָן אֶת־אַּהֶל מוֹצֵּר וּכִבְוֹד יִהנָה מָלֵא אֵת־הַמִּשְׁכֵּן:

And Moses was not able to enter into the tent of meeting, because the cloud abode thereon, and the glory of the LORD filled the tabernacle.—

וְלָא יָכֵיל מֹשֶׁה לְמֵיעַל לְמַשְׁכַּן זִמְנָא אֲבֵי שְׁרָא עֲלוֹהִי עֲנָנָא וִיקָרָא דַּייָ אִתְמְלִי יָת מַשְׁכָּנָא:

וְלֹא־יָכַל מֹשֶׁה לְבוֹא' אֶל־ ! אָהֶל מוֹעֵׁד בִּי־שָׁכַן עָלָיו הֶעָנָן ' וֹּכְבַוֹד יְהוָה מָלֵא אֶת־הַמִּשְׁבֵּן: }

And whenever the cloud was taken 36 up from over the tabernacle, the children of Israel went onward, throughout all their journeys.

וּבְאָסְתַּלְּקוּת עֲנָנָא מֵעְלָנֵי מַשְׁבְנָא נְטְלִין בְּנֵי יִשְׂרָאֵל בְּכֹל מַשְּלְנֵיהוֹן:

וּבְהֵעְלְוֹת הֶעָנְןֹ מֵעַל הַמִּשְׁבָּן וּ יסְעוּ בְּנֵי יִשְׂרָאֵל בְּלִל וּ מַסְעֵיהֵם:

But if the cloud was not taken up, then they journeyed not till the day that it was taken up. וְאָם לָא מִסְתַּלִּק עֲנָנָא וְלָא נָטָלִין עַד יוֹם אָסְתַּלָקוּתֵיה:

וְאָם־לְא יֵעָלֶה הֶעָנֶן וְלָא יִסְעֹּוּ וְ עַד־יִוֹם הַעָּלֹתְוֹ:

For the cloud of the LORD was upon the tabernacle by day, and there was fire therein by night, in the sight of all the house of Israel, throughout all their journeys.—

אָבִר עַנּן יְקָרָא דַּייִ עַל מַשְּׁבְּנָא בִּימְמָא וְחֵיזוּ אִישָׁתָא הָנֵי בְּלֵילְיָא בִיה לְעֵינֵי כָל בֵּית ישראל בכל מטלניהוֹן:

55 כִּי^{*} שְנַּן יְהוֶֹה עַל־הַמִּשְׁכָּן יוֹמְם זּ פסומיס וְאֵשׁ תִּהְיֶה לַיְלָה בִּוֹ לְעֵינֵי כָל־ בֵּית־יִשְׂרָאֵל בְּכְל־מַסְעֵיהֶם: בִּית־יִשְׂרָאֵל בְּכְל־מַסְעֵיהָם:

The Haftarah is I Kings 7:51 – 8:21 on page 230. Sepharadim read I Kings 7:40 – 7:50. On Shabbat Shekalim, Maftir is Exodus 30:11 – 16, and the Haftarah is the special Haftarah on page 238. On Shabbat Parah, read Maftir and Haftarah on page 244. On Shabbat HaḤodesh, Maftir is Exodus 12:1 – 20, and the Haftarah is on page 248.

⁽³⁵⁾ ולא יכול משה לבוא אל אהל מועד. וכתוב אחד אומר, ובבא משה אל אהל מועד (במדבר ז, פט), בא הכתוב השלישי והכריע ביניהם, כי שכן עליו הענן, אמר מעתה, כל זמן שהיה עליו הענן, לא היה יכול לבוא, נסתלק הענן, נכנס ומדבר עמו (פתיחה למ"כ ח):

⁽³⁸⁾ לעיני כל בית ישראל בכל מסעיהם. בכל מסע שהיו נוסעים, היה הענן שוכן במקום אשר יחנו שם. מקום חנייתם אף הוא קרוי מסע, וכן וַיַּלֶּךְ לְמַפְּעִיו (בראשית יג, ג), וכן אַלֶּה מַקְעֵי (במדבר לג, א), לפי שממקום החנייה חזרו ונסעו, לכך נקראו כולן מסעות:

וַיִּקְרָא אֶל־מֹשֶׁה וַיְדַבֵּר יְהוְה' אֵלְיו מֵאְהֶל מוֹעֵד לאמר:

דַּבֶּר אֶל־בְּגֵי יִשְּׂרָאֵל וְאָמַרְתָּ אֲלֵהֶׁם אָדָם בִּי־יַקְרִיב מִבֶּם קְרְבָּן לַיִּתְּוְׁת מִן־הַבְּהַמָּה מִן־הַבְּקָר וּמִן־הַצֹּאו תַּקָרִיבוּ אָת־קַרבָּנִכָם:

אָם־עֹלֶה קְרְבָּנוֹ מִן־הַבְּלֶּר זָבְר תְּמִים יַקְרִיבָנוּ אֶל־פֶּׁתַח אָהֶל מוֹעֵד יַקְרַיב אֹתוֹ לִרְצֹנִוֹ לִפְנֵי יְהוָה:

וְסָמַךְ יָדְּוֹ עַל רַאשׁ הָעֹלֶה וְנִרְצֵה לְוֹ לְכַבֵּר עַלֵיו:

וְשָׁחָט אֶת־בֶּן הַבָּקֵר לִפְנֵי יְהֹנָה וְהִקְרִיבּוּ בְּגֵּי אַהַלָּן הַלְּהַנִּים אֶת־הַדָּם וְזְרְלִּוּ אֶת־הַדֶּם עַל־הַמִּזְבֵּחַ סָבִּיב אֲשֶׁר־בֶּּתַח אֹהָל מוֹעֵד:

וָהִפִּשִׁיט אֶת־הָעֹלָה וְנִתַּח אֹחָה לְנְתָחֶיהָ:

וְנָתְנֹּוּ בְּנֵּי אַהֲרָן הַכֹּהָן אֵשׁ עַל־הַמִּוְבֵּחַ וְעַרַכוּ עָצִים עַל־הָאָשׁ:

וְעָרְכֹּוּ בְּנֵי אַהֲרֹן הַכַּּהֲנִים אֵת הַנְּתְחִׁים אֶת־הָרְאֹשׁ וְאֶת־הַפָּּדֶר עַל־הָעֵצִים אֲשֶׁר על־האשׁ אשר על־המזבּח:

וְקַרְבָּוֹ וּכְרָשֶיוֹ יִרְתַץ בַּנְּגִים וְהַקְּמִּיר הַכּהֵן שֶּׁת־הַכּל הַמִּזְבֵּׁחָה עֹלֶה אִשֵּׁה בִיחַ־נִיחָוֹחַ לֵיהוֵה: (ס)

וְאִם־מִן־הַצֵּאוֹ קְרְבָּנָוֹ מִן־הַכְּשָּׁבֵּים אָוֹ מִן־הָעִזִּים לְעֹלָֻה זָבֶר תָּמָים יַקְרִיבֶנּוּ:

וְשָׁחַׁט אֹתוֹ עַל ֻיֶּרֶךְ הַמִּזְבֶּחַ צְּפִּנְה לְפְּנֵי יְהֹוְֹתִ וְזְרְלִוּ בְּנֵי אַהָרֹן הַכּּהָנִים אֶת־דָּמָוֹ עַל־הַמִּזְבֵּחַ סְבִיב:

וְנָתַח אֹתוֹ לְנָתָחָׁיו וְאֶת־רֹאשׁוֹ וְאֶת־פִּדְרֵוֹ וְעָרָךְ הַכּּהֵן אֹתָם עַל־הֵעֵצִים אֲשֶׁר עַל־הָאֵשׁ אֲשֶׁר עַל־הַמִּזְבֵּחַ: איקרס And the LORD called unto Moses, and spoke unto him out of the tent of meeting, saying:

Speak unto the children of Israel, and say unto them:
When any man of you bringeth an offering unto the LORD, ye shall bring your offering of the cattle, even of the herd or of the flock.

If his offering be a burnt-offering of the herd, he shall offer it a male without blemish; he shall bring it to the door of the tent of meeting, that he may be accepted before the LORD.

And he shall lay his hand upon the head of the burnt-offering; and it shall be accepted for him to make atonement for him.

And he shall kill the bullock before the LORD; and
Aaron's sons, the priests, shall present the blood, and
dash the blood round about against the altar that is at
the door of the tent of meeting.

And he shall flay the burnt-offering, and cut it into its pieces.

And the sons of Aaron the priest shall put fire upon the altar, and lay wood in order upon the fire.

And Aaron's sons, the priests, shall lay the pieces, and the head, and the suet, in order upon the wood that is on the fire which is upon the altar;

but its inwards and its legs shall he wash with water;

and the priest shall make the whole smoke on the
altar, for a burnt-offering, an offering made by fire,
of a sweet savour unto the LORD.

אר And if his offering be of the flock, whether of the sheep, or of the goats, for a burnt-offering, he shall offer it a male without blemish.

And he shall kill it on the side of the altar northward before the LORD; and Aaron's sons, the priests, shall dash its blood against the altar round about.

And he shall cut it into its pieces; and the priest shall lay them, with its head and its suet, in order on the wood that is on the fire which is upon the altar.

וְהַקֶּרֶב וְהַכְּרָעַיִם יִרְתַץ בַּמָּיִם וְהִקְּרִיב הַכּּהֵן אֶת־הַכּּל וְהִקְמֵיר הַמִּזְבֵּׁחָה עֹלֶה הוא אָשֵּה בֵיחַ נִיחָת לַיהוֵֹה: (פּ)

But the inwards and the legs shall he wash with water; and the priest shall offer the whole, and make it smoke upon the altar; it is a burnt-offering, an offering made by fire, of a sweet savour unto the LORD.

שירת הים ועשרת הדברות

שירת הים

| ת לַיהנָה נַיּאמְרָוּ | את-הנאירה הזאו | רניטראל | אָז יָשִׁיר־מֹשֶׁה [°] וּבְנֵי |
|--|---|--|--|
| קרס קרס יי ייקיי | יהנָת בִּי־גָאַה גָּאָה הנָת בִּי־גָאַה גָּאָה | | רָּנְיִּי בְּשִּׁיִי יְּבְּּבּ באבֶוֹר |
| עָזָי וְזִמְרֶת יָה וַיְהִי ְלֵי | i fit i di Piliti | ां रं र र | וְרֹכְבָּוֹ רָמָָה בַיָּם: יִרֹכְבָּוֹ רָמָָה בַיָּם: |
| אָל־הֵי זְּיִיּיִּ אָּלְּהֵי אָּ | אַלִּי' וְאַנְוֵהוּ | יָה; | ֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓֓ |
| הֹוָה אֵישׁ מִלְחָמֶה יְהוָהׁ | | ν. | אָבֶי וַאֲרֹמְמֶנְהוּ: |
| וּמִבְתַר | ז וְחֵילִוֹ יָרָה בַיָּחֵ | זַרְכְּלָת פַּרְעֶׂד | |
| זוּ יָרְדִוּ בִמְצוֹלְת כְּמוֹ־ | תְּהֹמָת יְכַסְיָמֵ | | :קּלְשֶׁיו טֻבְּעָוּ בְיַם־סְוּף |
| יְמִינָּהַ | ר מָאָדָרָי בַּכָּחַ | יְבֶּינְךְ יְהנְו | אֶ כֶּן: |
| וּבְרָב גְּאוּנְהָ תַּהֲרָס | : | | יְהוָה תִּרְעַץ אווֵב: |
| יארו ראי־יד וּבְרָוּחַ | יאכְלֵמוֹ כַּקְשׁ: • יאכְלֵמוֹ כַּקְשׁ: | וֹלָיהֻעַּיה װֻצְּיהְיּוֹי | אפוד וטרמו ליום קטָיִרְד |
| נְצְּבְוּ כְמוֹ־נֵּדְ אַמֵּר | זֹמָת בְּלֶב־יָם: | מפאו תו | אַבֶּיך נֶעֶרְמוּ מַׁיִם נֹזְלֵים |
| אַחַלַּק שָׁלָל הִּמְּלְאַמוּ | ·= ₁₇ = ÿ = ''(=' | '*:' '*)' ፣ '(_፣ | יי אוֹנֶב אֶרְדִּרְ אַשִּׂיג |
| رَمَّة تَــــــــــــــــــــــــــــــــــــ | : תוֹרִישֵׁמוֹ יָדְי | אָרֵיק חַרִבִּי | נַפִּשָּׁי |
| אֶלְלוּ כַּעוֹבֶּׁרֶת בְּמַיִים | ., , | | בְרוּחֲךָ כִּפָּמוֹ יָחֲ |
| ָמָי | אָּכָה בָּאֵלִם יְהנְּה | מְי־כָנְ | :אַדִּירֶים |
| נוֹרָא תְהַלְּת עְשֵׁה | , | | כָּמְׂכָה נָאְדָר בַּמֻּׂדֶשׁ |
| ָבָתְיתְ נְחָיתְ | י תִּבְלָעֵמוֹ אֶרֶץ: | נָמִיתָׁ יְמֵינְהְ | ָפֶּלֶא: |
| ַנַהָלְתָּ בְעָיְּךָ אֶל־נְוָה י | | | בְחַסְדְּךָּ עַם־זַוּ נָּאָלְתְּ |
| חִיל | י עַּמָּים יִרְגְּזְוּן | אָמְעָוּ | קַרְשֶׂרָ: |
| אָז נִבְהַלוּ אַלּוּפֵי | | | אָחַז ישְׁבֵי פְּלְשֶׁת: |
| בְבֿמֹגוּ | ב יְאֹחֲזֻמוֹ רֻעַד | אַיבֵי מואָ | אֲדֹוֹם |
| הִפַּל עֲלֵיהָם אֵימָלְתה יידי | יים באה האה ביי | i-, | ַבְּל יִשְׁבִי כְנְעַן: בּלר יִשְׁבִי כְנְעַן: |
| עד־ | אָרָ יִדְּמָוּ כָּאָבֶן | | וָפַתַד |

יַשְבָּר עַמְּךְ יְהֹנָה קְנִיתָ: מְּקְדִּׁ יְהֹנָה קְשִּבְתְּוּ פְּעֵלְתִּ יְהֹנָה יָבֶיְד: יְהֹנָה וִימְלְךְּ לְעֹלֶם וְעֶד: מְקְדָּשׁ אֲדֹנָי כּוֹנְנִי בָּא סוּס פַּרְעֹה בְּרִכְבָּוֹ וּבְפָּרָשִׁיוֹ בַּיָּם אָת־מֵי הַיָּם וּבָּרָשִׁיוֹ בַּיָּם אָת־מֵי הַיָּם וּבָּנִי יִשִּׁרָאֵל הָלְכִוּ בַיַּבָּשֶׁה בִּתְוֹךְ
הַנָּים וּבָנֵי יִשִּׁרָאֵל הָלְכִוּ בַיַּבָּשֶׁה בִּתְוֹךְ

עשרת הדברות בטעם עליון

אָנָבֶי יְהנָה אֶלֹהֶיְךְ אֲשֶׁרְ הוֹצֵאתֶיךְ מֵאֶרֶץ מִצְּרָיִם מָבֶּית עֲבָדִים: לָא יִהְיֶה־לְךְּ אֱלֹהִים אֲחַרִים עַל־פְּנִי לָא תִּעֲשֶׁה־לְךָּ בָּסֶלוּוְכְל־הְמוּנָה אֲשֶׁר בַּשָּׁמַיִםוֹמְשַׁעַל וְאֲשֶׁר בָּאָרֶץ מִתְּחַת נִאֲשֶׁר בַּמַיִםו מִתַּחַת לָאָרֶץ לְא־תִּשְׁתַחֲנֶה לְהֶם וְלָא תְּעְבְדֵם כֵּי אֲנֹבִי יְהנָה אֱלֹהֶיְךְ אֵל פִּנְא פֹּמֵּד עֲוֹן אָבָת עַל־בְּנִים עַל־שִׁלְשִׁים וְעַל־רִבֵּעִים לְשִׁנְאֵי וְעְשֶׁה חֶסֶד לִאְלָבִים לְאֹהָבִי וּלְשׁמְרַי מִצְוֹתֵי: (ס) לְאֹ תִשֶּׂא אֶת־שֵׁם־יְהֹנָה אֱלֹהֶיְךְ לַשְּׁוָא כֵּי לְאֹיְנַקֶּה יְהֹּה אֵת אֲשֶׁר־יִשֵּׂא אֶת־שְׁמִוֹ לַשֵּׁוְא: (פ)

זְכוֹר ° אֶת־יֹּוֹם הַשַּׁבְּׁת לְקַּדְּשׁׁוֹ שֲשֶׁת יָמֵים מִּעֲבֹד ° וְּעְשֵּׁית כְל־מְלַאכְהֶּךְ וְיוֹם הַשְּׁבִיעִׁי שַׁבָּתוּ לֵיהוֹה אֱלֹהִיך לֵא תַעֲשֶׂה לְלּקּה אֲתָּה וּבִּנְךְ־וֹּבְשֶׁר עַבְדְּדְ וַאֲמֶתְדְּ וּבְהָמְהֶּדְ וְגִּרְדְ אֲשֵׁר לִי תְשְׁבָּתוּ וְיִבְּיִךְ אֶת־הַיָּם וְאֶת־הָיִם וְאֶת־הָיִם וְאֶת־הָיִם וְאֶת־הָיִם וְאֶת־הָיִם וְאֶת־הָיִם וְאֶת־הָיִם וְאֶת־הִיּבְּיִם וְאֶת־הַיִּם וְאֶת־הִיּבְּיִם וְאֶת־הִיּבְּיִם וְאֶת־הָיִם וְאֶת־הָיִם וְאֶת־הִיִּם וְאֶת־הִיִּם וְאֶת־הִיִּבְּיִם וְאֶת־הְּבָּיך וְאֶת־הִיִּבְּיִם וְאֶת־הִיִּם וְאֶת־הְיִּבְּיִם וְאֶת־הִיִּבְיִם וְאֶת־הְיִּבְיִם וְאֶת־הְאָבִיך (ס) לְא תִּרְצְח: (ס) לְא תִּיְמִדְ עִלְּךְ אֲשֶׁר לְנֵעְן יַצְּרְכִּוּן יָמֶיִדְ עַלְ הָאֲדְמָה בְּנִעְהְ אֲשֶׁר־יְהְוֹה אֵלְהָיך נְתֵן לְבְּי (ס) לְא תִּחְמִּד בִּית בַעֶּךְ לְא־תַּחְמִּד בִּית בַעֶּךְ לִא תַעְבָּה וְבִּיבְים וְאֶבֶּר לְנִין וְמָיִיךְ עִבְּיְדִּ וְמִיּים וְּאֶבֶר לְנִין וְמָיִיךְ עַלְ הָאָדְמָה בְּנִיף וְחָלֵּה בְּיִתְ וְשִׁרְיִים וְלָּא אֲשֶׁר לְנִילְן יִבְּיִר בְּיִים וְשִׁבְּיִם וְשְׁבָּיוֹם וְמִשְׁרָב בְּיוֹם הַשְּבָּים וְאָבְיתְה בִּי שְׁמֶר לְנִים וְּשְׁבָּת בְּבְּי וְבִּיְתְּהְיֹּוֹ וְשָׁתְּיל וְבְּלְבְיוֹ וְמָיִר שְׁבְּבְּיוֹ וְשְׁבָּי וְמְעְבְּיוֹ וְמָיִם הְעְבֶּה וְתְּשְׁבָּי וְבִּין הְבִּיְם בְּעִבְּיוֹ וְשְׁבְּתְּבְיוֹם הַשְּבְּבְיוֹ וְמָּיְתְּיוֹ וְשְׁבְּיוֹת וְשְׁבָּית וְמִילְם בְּשְׁבָּית וְבִּילְם בְּעִבְּיוֹ וְבְּעְתְּיל בְּיוֹ וְשִׁבְּתְּיוֹ וְשִׁבְּתְּיוֹ וְשִּבְּתְוּ וְשִׁבְּיוֹ וְשִׁבְּתְוּ וְשִׁבְּיוֹם בִּשְׁבְּיוֹ וְשְׁבְּיוֹם הְשִּבְּים בְּיוֹבְיִים בְּעִיבְּים בְּשְׁבְּישׁוֹם הַשְּבְּבוּי וְיִים בְּשְׁבְּישׁוֹם בְּשְׁבְּבְיוֹ וְעְשְׁיִּי בְּיוֹבְיתְיוֹם הְשְּבְּיוֹ וְישְׁיִים בְּעְבְּיה וְיוֹם הְשְּבְּבְיתְבְּישׁוּ בְּבְיוֹם בְּעִבְּיוֹם הְעִבְּיוֹ וְבְּבְּיוֹם בְּעְבְּיבְיוֹי וְבְיִיבְעָּיוֹ בְשְׁבְּיבְיוֹים בְּעְבְּיוֹ וְבְּיִים בְּעְבְּיוֹם בְּעִבְּיוֹ וְבְיּיוֹם בְּעְבְּיוֹם בְּעְבְּיבְּיוֹ בְּעְבְּיוֹבְיוֹי וְישְׁבְּבְּיוֹם בְּבְּיוֹם בְּבְיבְיוֹם בְּעבְּיוֹם בְּבְּבְיוֹי בְּבְיוֹם בְּעִבְּים בְּיבְבּים בְּיוֹם בְּבְּים בְּבְּבְּיוֹי בְּבְּבְיתְיוֹם בְּבְּב

הפטרות

הפטרת שמות

The Haftarah is Isaiah 27:6 - 28:13 & 29:22 - 29:23.

הַבָּאִים ֹ יַשְׁרֵשׁ יְצְלֹב יָצִיץ וּפְּרָח יִשְׂרָאֵל וּמָלְאָוּ פְּנֵי־תֵבֶל תְּנוּבֶה: (פּ)

In days to come shall Jacob take root, Israel shall blossom and bud; And the face of the world shall be filled with fruitage.

הַכְּמַבָּת מַבֶּהוּ הִבְּהוּ אִם־בְּהֶרֶג הֲרְגֵיוּ הֹרֵג: Hath He smitten him as He smote those that smote him? Or is he slain according to the slaughter of them that were slain by Him?

בְּסַאפְאָה בְּשַׁלְּחָה תְּרִיבֶנָּה הָגָה בְּרוּחָוֹ הַקְשָׁה בִּיִּוֹם קָדִים: In full measure, when Thou sendest her away, Thou dost contend with her; He hath removed her with His rough blast in the day of the east wind.

לְכֵּן בְּזֹאת יְכָפַּר עֲוֹן־יַעֲלֶּב וְזֶּה כְּל־ פְּאַבְנִי־גִר מְנָפָּצוֹת לֹא־יָכֶמוּ אֲשֵׁרִים הָאַבְנִי־גִר מְנָפָּצוֹת לֹא־יָכֶמוּ אֲשֵׁרִים וְחַפָּנִים: Therefore by this shall the iniquity of Jacob be expiated, And this is all the fruit of taking away his sin: When he maketh all the stones of the altar as chalkstones that are beaten in pieces, So that the Asherim and the sun-images shall rise no more.

כֵּי עֵיר בְּצוּרָה בְּלָּד נְנֶّה מְשֶׁלֵּח וְנְעֶזֶב כַּמִּדְבָּר שֵׁם יִרְעֶה עֵגֶל וְשֵׁם יִרְבָּץ וְכִלְּה סְעִפֵּיה: For the fortified city is solitary, A habitation abandoned and forsaken, like the wilderness; There shall the calf feed, and there shall he lie down, And consume the branches thereof.

בִּיכְשׁ קְצִירָה תִּשֶּׁבַּׁרְנָה נָשִּׁים בָּאָוֹת מְאִירָוֹת אוֹתָה בֵּי לָא עַם־בִּינוֹת הוּא עַל־בֵּן לֹא־יְרַחֲמֶנֵנּוּ עֹשֵּׁהוּ וְיֹצְרְוֹ לְא יִחָנֵנּוּ: (פ) When the boughs thereof are withered, They shall be broken off; The women shall come, and set them on fire; For it is a people of no understanding; Therefore He that made them will not have compassion upon them, And He that formed them will not be gracious unto them.

וְהָיָה' בַּיַּוֹם הַהְּוּא יַחְבְּט יְהוָּה מִשְּׁבְּּלֶת הַנְּהָר עַד־נַחַל מִצְרָיִם וְאַתָּּם תְּלֶּקְּטֶּוּ לְאַתַד אֶחָד בְּנֵי יִשְׂרָאֵל: (פּ) And it shall come to pass in that day, That the LORD will beat off [His fruit] From the flood of the River unto the Brook of Egypt, And ye shall be gathered one by one, O ye children of Israel.

וְהָיָהו בַּיָּוֹם הַהׄוּא יִתְּקַע בְּשׁוֹפֶּר נְּדוֹל" וּבָאוּ הָאְבְדִים בְּצֶרֶץ אַשׁׁוּר וְהַנִּדְּחָים הַלֶּרֶץ מִצְרֶיִם וְהִשְּתַחֲנָוּ לִיהֹנֶה בְּהַר הַלָּדֶשׁ בִּירוּשְׁלָם: (פ)

And it shall come to pass in that day, That a great
horn shall be blown; And they shall come that were
lost in the land of Assyria, And they that were
dispersed in the land of Egypt; And they shall worship
the LORD in the holy mountain at Jerusalem.

הֹוּי שְּטֶּרֶת גֵּאוּת שָׁכַּרֵי אֶפְּלַיִם וְצִּיץ נֹבֵל צְבָי תִפְאַרְתִּוֹ אֲשֶׁר עַל־רָאשׁ גֵּיא־שְׁמָנִים הַלִּוּמֵי וָיִן: Woe to the crown of pride of the drunkards of

XXVIII:1 Ephraim, And to the fading flower of his glorious
beauty, Which is on the head of the fat valley of them
that are smitten down with wine!

т2

- הַנֵּה חְזֶק וְאַמִּץ לֵאדֹנְי כְּזֶרֶם בְּרֶד שַּׁעַר קָטֶב כְּזֶרֶם מַיִם כַּבִּירִים שׁטְפֶּים הִנִּיח לַאָרֵץ בִּיֵד:
- בְּרַגְלַיִם תַּרָמַסְנָה עֲמֶרֶת גֵּאִוּת שָׁכּוֹרֵי אפרים:
- וְהָּיִתְּה צִיצַת נֹבֵל צְבֵי תִפְּאַרְהֹּוֹ אֲשֶׁר עַל־ רְאֹשׁ גֵּיִא שְׁמָנִים כְּבִכּוּרָה בְּעָרֶם לַיִץ אֲשֶׁר יִרְאֶה הָרֹאֶה אוֹתְהּ בְּעוֹדֶהּ בְּכַפִּוֹ יִבִלְאֵנָה: (ס)
- בַּיֵּוֹם הַהֹּוֹא יֶהְיֶה יְהֹוֶה צְּבְאוֹת לַעֲטֶרֶת צִבִּי וְלִצִפִּירֵת תִּפִּאָרֶה לִשְׁאָר עַמְוֹ:
- וּלְרָוּחַ מִשְׁפֶּט לַיוֹשֵׁב' עַל־הַמִּשְׁפְּט וִלְגִבוּרָה מִשִּׁיבֵי מִלְחַמָּה שֵעְרַה: (ס)
- וְגַם־אֵּלֶהֹ בַּיַּיֵן שָׁגֹּוּ וּבַשֵּׁכֶר מְעֵוּ כֹּהֵן וְנְבִיא שָׁגֹּוּ בַשֵּׁכֶּר נִבְלְעַוּ מִן־הַיַּיִן מִּעוּ מִן־הַשֵּׁלֶּר שָׁגוּ בַּרֹאֵה פַּקוּ פָּלִילְיֵּה:
- בֶּי כְּל־שֶׁלְחָנוֹת מָלְאִוּ קֵיא צֹּאָה בְּלִי מַקוֹם: (פּ)
- אָת־מִי' יוֹרֶה דַּלָּה וְאֶת־מֶי יָבֵין שְׁמוּעָה גִּמוּלֵי מָחַלָּב עַתִּיקֵי מִשְׁדֵיִם:
- בִּי צַוּ לְצָוֹ צַוּ לְצָּׁו הַוּ לְהָוּ הַוּ לְקָוּ זְעֵיר שָׁם זְעֵיר שֵׁם:
- בּי בְּלַעֲגֵי שָּׂבָּה וּבְלְשָׁוֹן אַחֶּרֶת יְדַבֵּר אֶל־ העם הזה:
- אֲשֶׁרוּ אָמַר אֲלֵיהֶם זָאת הַמְּנוּחָה הָנֵיחוּ לֶעֶיֵּף וְזָאת הַמַּרְגַּעָה וְלֹא אָבִוּא שְׁמְוֹעֵ:
- וְהָיָּה לְהֶם דְּבַר־יְהֹוָה צֵּו לְצָּׁו צֵּו לְצָּוֹ קֵו לָקוֹ קֵו לְלָּו זְעֵיר שֶׁם זְעֵיר שֶׁם לְמַעַן יֵלְכֹּוּ וְכָשְׁלָוּ אָחוֹר וְנִשְׁבְּּרוּ וְנוֹקְשִׁוּ וְנִלְכֵּדוּ: (פּ)

- Behold, the Lord hath a mighty and strong one, As a storm of hail, a tempest of destruction, As a storm of mighty waters overflowing, That casteth down to the earth with violence.
- The crown of pride of the drunkards of Ephraim Shall be trodden under foot;
- And the fading flower of his glorious beauty, Which is on the head of the fat valley, Shall be as the first-ripe fig before the summer, Which when one looketh upon it, While it is yet in his hand he eateth it up.
- In that day shall the LORD of hosts be For a crown of glory, and for a diadem of beauty, Unto the residue of His people;
- And for a spirit of judgment to him that sitteth in judgment, And for strength to them that turn back the battle at the gate.
- But these also reel through wine, And stagger through strong drink; The priest and the prophet reel through strong drink, They are confused because of wine, They stagger because of strong drink; They reel in vision, they totter in judgment.
- For all tables are full of filthy vomit, and no place is clean.
- Whom shall one teach knowledge? And whom shall one make to understand the message? Them that are weaned from the milk, Them that are drawn from the breasts?
- For it is precept by precept, precept by precept, Line by line, line by line; Here a little, there a little.
- For with stammering lips and with a strange tongue Shall it be spoken to this people;
- To whom it was said: 'This is the rest, Give ye rest to the weary; And this is the refreshing'; Yet they would not hear.
- And so the word of the LORD is unto them Precept by precept, precept by precept, Line by line, line by line; Here a little, there a little; That they may go, and fall backward, and be broken, And snared, and taken.

לָבֵן כְּה־אָמַר יְהוָה אֶל־בֵּית יַעֲקְׁב אֲשֶׁר פָּדָה אֶת־אַבְרָהָם לְא־עַתֶּה יֵבוֹשׁ יַעֲקְׁב וַלֹא עַתַּה פַּנִיו יַחורוּ:

ַנְקְבִּישִׁי יְלָדָּיו מַשְשֵׁה יָדָי בְּקּרְבִּוּ יַקְבִּישִׁי שְׁמִי וְהִקְּדִּישׁיּ אֶת־קְרַוֹשׁ יַעֲלֹב וָאֵת־אֵלֹהֵי יִשִּׂרָאֵל יַעֲרִיצוּ: Therefore thus saith the LORD, who redeemed
XXIX:22 Abraham, concerning the house of Jacob: Jacob shall
not now be ashamed, Neither shall his face now wax
pale;

When he seeth his children, the work of My hands, in the midst of him, That they sanctify My name; yea, they shall sanctify the Holy One of Jacob, And shall stand in awe of the God of Israel.

הפטרת וארא

The Haftarah is Ezekiel 28:25 - 29:21. On Rosh Hodesh, read the Maftir and Haftarah on page 233.

XXVIII:25

כּה־אָמַר אֲדֹנֵי יֶהוֹה בְּקַבְּצֵיו אֶת־בֵּית יִשְׂרָאֵל מִן־הַעַמִּים אֲשֶׁר נְפַּצוּ כָּם וְנִקְדַּשְׁתִּי בָם לְעֵינֵי הַגּוֹיִם וְיֵשְׁבוּ עַל־ אַדְמָלֶם אֲשֶׁר נָתַתִּי לִעַבִּדִּי לִיַעַקְב:

וְיִשְׁבַּוּ עָכֶּׂיהָ לָבֶּטַחֹ וּבָנָוּ בְתִּים וְנְטְעַוּ כְרָמִים וְיִשְׁבִוּ לָבֶטַח בַּצְשׁוֹתֵי שְׁפְּטִים בְּכֹל הַשָּׁאטֵים אֹתָם מִסְבֵיבוֹלָם וְיָדְעוּ כֶּי אַנִּי יִהוֹה אֵלֹהִיהָם: (פֹ)

בַּשְׁנָה' הָעֲשִׂרִּית בָּעֲשִׂרִּי בִּשְׁנֵים עְשֶׂר לַחָבשׁ הַנֵה דִבַּר־יִהוָה אָלֵי לֵאמָר:

בֶּן־אָדֶּם שִּׁים פָּנֶּיך עַל־פַּרְעָה מֶלֶךְ מִצְרָיִם וְהִנְּבֵא עָלָיו וְעַל־מִצְרַיִם כָּלְהּ:

דַּבֵּר וְאָמַרְתָּׁ כֹּה־אָמֵרוּ אֲדֹנֵי יֶהוֹּה הִּנְיֵּי עָלֶידִּ פַּרְעַה מֶלֶדִּ־מִצְּרִים הַתַּנִּים הַנְּדֹּוֹל הָרֹבֵץ בְּתַּוֹדְ יְאֹרָיו אֲשֶׁר אָמֵר לִי יְאֹרָי וַאֵּנִי עֲשִׁיתִנִי:

וְנָתַתֵּי (כ׳ חחיים)[ק׳ חַחִים] בִּלְחָיֶּיְדְּ וְהַדְּבַּקְתִּי דְגַת־יְאֹרֶיִדְּ בְּקַשְׁקְשׁתֵּיְדְּ וְהַעֲלִיתִידְ מִתִּוֹדְ יְאֹרֶיִדְ וְאֵת כְּל־דְּגַת יִאֹרֵיִדְ בִּקשׁקשׁתִידְ תִּדבַּק: Thus saith the Lord God: When I shall have gathered the house of Israel from the peoples among whom they are scattered, and shall be sanctified in them in the sight of the nations, then shall they dwell in their own land which I gave to My servant Jacob.

And they shall dwell safely therein, and shall build houses, and plant vineyards; yea, they shall dwell safely; when I have executed judgments upon all those that have them in disdain round about them; and they shall know that I am the LORD their God.'

In the tenth year, in the tenth month, in the twelfth day of the month, the word of the LORD came unto me, saying:

'Son of man, set thy face against Pharaoh king of Egypt, and prophesy against him, and against all Egypt;

speak, and say: Thus saith the Lord God: Behold, I
am against thee, Pharaoh King of Egypt, The great
dragon that lieth In the midst of his rivers, That hath
said: My river is mine own, And I have made it for
myself.

And I will put hooks in thy jaws, and I will cause the fish of thy rivers to stick unto thy scales; and I will bring thee up out of the midst of thy rivers, and all the fish of thy rivers shall stick unto thy scales.

- וּנְטַשְׁתֵּיך הַמִּדְבָּׁרָה אוֹתְדְּ וְאֵתֹ כְּלֹ־דְּגַת וְלָא תִּקָּבֵץ לְחַיָּת הָאָנֶץ וּלְעִוֹף הַשְּׁמָיִם וָלָא תִקָּבֵץ לְחַיַּת הָאָנֶץ וּלְעִוֹף הַשְּׁמָיִם נִתַּתֵּיך לָאָׁכָלֵה:
- וְיֵרְעוּ' כָּל־יִשְׁבֵּי מִצְלַיִם כִּי אֲנֵי יְהֹוֶּה יַעַן הֵיוֹתָם מִשְׁעֶנָת קָנָה לְבֵית יִשְׂרָאֵל:
- תְּשֶׁבֶּר וְהַצְּמַרְתֵּ לְהֶם כָּל־מָתְנֵים: (ס) וּבָקַעְתָּ לְהֶם כָּל־כָּתֵף וּבְהְשִּׁצַנֶּם עָלֶיףׁ תִּשְׁבַר וְהַצְּמַרְתֵּ לְהֶם כָּל־מָתְנֵים: (ס)
- לְבֵׁן כָּה אָמַר אֲדֹנֵי יֶהוֹּה הִנְנֵי מֵבִיא עְלַיִּהְ חָרֶב וְהַכְרַתִּי מִמֵּך אָדֵם וּבְהֵמֶה:
- וְהָיְתָה אֶבֶץ־מִּצְרַיִּם לִשְׁמָּמָה וְחְרְבָּה וְיָדְעִּוּ כִּי־אֲנֵי יְהוָֹה יַעַן אָמֶר יְאָר לִי וַאֲנִי עשיתי:
- לָכֵן הִנְגִי אֵלֶיף וְאֶל־יְאֹרֶיף וְנְתַתִּיּ אֶת־ אֶרֶץ מִצְרַיִם לְחָרְבוֹת חַׁרֶב שְׁמְמָה מִמֵּגִדֹּל סָוְנָה וַעַד־גִּבוּל כִּוּשׁ:
- לָא תַעֲבְר־בָּהֹ רֶגֶל אָדָּם וְרֵגֶל בְּהֵמֶה לָא תַעֵבָר־בָּה וִלָּא תַשֵּׁב אַרְבָּעִים שָׁנָה:
- וְנָתַתֵּי אֶת־אֶּרֶץ מִצְרַיִם שְׁמְמְה בְּתַוֹדְּ אֶרְצִוֹת נְשַׁמּוֹת וְעָרֶיהָ בְּתוֹדְ עְרָים מֶחֲרָבוֹת תִּהְיֵין שְׁמְמָה אַרְבָּעִים שְׁנָה וַהַפִּצֹתִי אֶת־מִצְרַיִם בַּגּוֹיִם וְזֵרִיתִים בַּאָרַצִּוֹת: (ס)
- בֶּי כְּה אָמָר אֲדֹנְי יֶהוֶֹּה מִקֵּץ אַרְבָּעִים שְׁנָה אֲקַבֵּץ אֶת־מִצְרַיִם מִן־הָעַמִּים אֲשֶׁר־נְפְּצוּ שֵׁמַה:
- וְשַׁבְתִּי' אֶת־שְׁבַוּת מִצְלַיִם וַהֲשִׁבֹתִי אֹתָם' אֶרֶץ פַּתְרוֹס עַל־אֶרֶץ מְכוּרָתָם וְהָיוּ שֶׁם מַמַלַכָּה שִׁפָּלֵה:

- And I will cast thee into the wilderness, Thee and all the fish of thy rivers; Thou shalt fall upon the open field; Thou shalt not be brought together, nor gathered; To the beasts of the earth and to the fowls of the heaven Have I given thee for food.
- And all the inhabitants of Egypt shall know That I
 am the LORD, Because they have been a staff of reed
 To the house of Israel.
- When they take hold of thee with the hand, thou dost break, And rend all their shoulders; And when they lean upon thee, thou breakest, And makest all their loins to be at a stand.
- Therefore thus saith the Lord God: Behold, I will bring a sword upon thee, and will cut off from thee man and beast.
- And the land of Egypt shall be desolate and waste, and they shall know that I am the LORD; because he hath said: The river is mine, and I have made it.
- Therefore, behold, I am against thee, and against thy rivers, and I will make the land of Egypt utterly waste and desolate, from Migdol to Syene even unto the border of Ethiopia.
- No foot of man shall pass through it, nor foot of beast shall pass through it, neither shall it be inhabited forty years.
- And I will make the land of Egypt desolate in the midst of the countries that are desolate, and her cities among the cities that are laid waste shall be desolate forty years; and I will scatter the Egyptians among the nations, and will disperse them through the countries.
- For thus saith the Lord God: At the end of forty years will I gather the Egyptians from the peoples whither they were scattered;
- and I will turn the captivity of Egypt, and will cause
 them to return into the land of Pathros, into the land
 of their origin; and they shall be there a lowly
 kingdom.

מִן־הַמַּמְלָכוֹת תִּהְיֶה שְׁפָּלָה וְלְאֹ־תִּתְנַשֵּׂא עוֹד עַל־הַגּוֹיֵם וְהִמְעַטְתִּים לְבִלְתִּי רְדִוֹת בּגוֹים:

וְלָא יִהְיֶה־עוֹד ּ לְבֵּית יִשְּׂרָאֵל לְמִבְטָח מַזְכֵּיר עָוֹן בִּפְנוֹתֶם אַחֲרֵיהֶם וְיָדַעׁוּ כִּי אֲנִי אַדֹנֵי וֵהוָה: (פ)

נְיְהִי בְּעֶשְׂרֵים נְשֶׁבַע' שְׁנָּה בְּרִאשִׁוֹן בְּאֶחֲד לַחָּבִשׁ הַנֵה דִבָּר־יִהנַה אֱלֵי לַאמָר:

בּן־אָדָם נְבוּכַדְרֶאצֵּר מֶלֶדְ־בְּבֶּל הֶעֶבִּיד אֶת־חֵילוֹ עֲבֹדֶה נְדוֹלָה אֶלְ־צִׁר כְּל-רָאשׁ מֶקְרָח וְכְל־בְּתֵּף מְרוּטָה וְשָׂכֶּר לֹא־הָיָה לְוֹ וּלְחֵילוֹ מִצֵּר עַל־הָעֲבֹדֶה אֲשֶׁר־עָבְד עַלִיה: (ס)

לְבֵוֹ כָּה אָמַר אֲדֹנֵי יֶהוֹּה הִנְגִּי נֹתֵן לִּנְבוּכַדְרָאצִּר מֶלֶךְ־בָּבֶל אֶת־אֲרֶץ מִצְרָיִם וְנָשָּׂא הֲמֹנְה וְשָׁלַל שְׁלְלָה וּבְזַזַ בִּּזָּה וִהָיִתָה שַּׁכַר לְחֵילוֹ:

פָּעֶלְתוֹ אֲשֶׁר־עֲכַד בְּה נְתַתִּי לְוֹ אֶת־אֲרֶץ מִצְרָיִם אֲשֶׁר עֲשׁוּ לִּי נִאָם אֲדֹנֵי וְהוֹה:

בַּיַּוֹם הַהֹוּא אַצְמֶיחַ כֶּלֶרֶן לְבֵית יִשְּׂרָאֵׁל וּלְדֶּ אֶתֵּן פִּתְחִוֹן־פֶּה בְּתוֹכֶם וְיִדְעוּ כִּי־אֲנִי יִהנַה: (פ) It shall be the lowliest of the kingdoms, neither shall it any more lift itself up above the nations; and I will diminish them, that they shall no more rule over the nations.

And it shall be no more the confidence of the house of Israel, bringing iniquity to remembrance, when they turn after them; and they shall know that I am the Lord God.'

And it came to pass in the seven and twentieth year, in the first month, in the first day of the month, the word of the LORD came unto me, saying:

'Son of man, Nebuchadrezzar king of Babylon caused his army to serve a great service against Tyre; every head was made bald, and every shoulder was peeled; yet had he no wages, nor his army, from Tyre, for the service that he had served against it;

Therefore thus saith the Lord God: Behold, I will give the land of Egypt unto Nebuchadrezzar king of Babylon; and he shall carry off her abundance, and take her spoil, and take her prey; and it shall be the wages for his army.

I have given him the land of Egypt as his hire for which he served, because they wrought for Me, saith the Lord God.

In that day will I cause a horn to shoot up unto the
house of Israel, and I will give thee the opening of the
mouth in the midst of them; and they shall know
that I am the LORD.'

הפטרת בא

The Haftarah is Jeremiah 46:13 - 46:28.

הַנְּבֶרֹ אֲשֶׁר דְּבֶּר יְהנְּה אֶל־יִרְמְיֶהוּ הַנְּבֵיא לְבוֹא נְבְוּכַדְרֶאצֵּרֹ מֶלֶךְ בְּבֶּל לְהַכָּוֹת אֶת־אֶרֶץ מִצְרֵים:

תַגָּידוּ בְמִצְרַיִם ׁ וְהַשְּׁמֵיעוּ בְמִגְּדּוֹל וְהַשְׁמִיעוּ בְנָף וּבְתַחְפַּנְחֵס אִמְרוּ הִתְיַצֵּב וָהַכֵּן לַדְּ בִּי־אָכִלֶּה חֵרֵב סִבִּיבֵידְּ: The word that the LORD spoke to Jeremiah the prophet, how that Nebuchadrezzar king of Babylon should come and smite the land of Egypt.

Declare ye in Egypt, and announce in Migdol, And announce in Noph and in Tahpanhes; Say ye: 'Stand forth, and prepare thee, For the sword hath devoured round about thee.'

- מַדְּנַעַ נִסְתַּף אַבִּירֶיִדְּ לָאׁ עָמֵּד בִּי יְהנָה הַדָּבִּוֹ:
- הַרְבָּה כּוֹשֵׁל נַם־נָפַֿל אַישׁ אֶל־רֵעַהוּ וַיְּאִמְרוּ קּוּמָהו וְנָשָׁבָה אֶל־עַמֵּנוּ וְאֶל־אֶרֶץ' מוֹלדתנוּ מפּני חרב היונה:
- קֶרְאוּ שֶׁם פַּרְעָה מֶלֶדְ־מִצְרַיִם שְׁאוֹן הַעַבֵּיר הַמּוֹעֵד:
- חַי־אָנִי' נָאָם־הַמֶּּלֶךְ יְהנֵה צְּבָאִוֹת שְׁמֵּוֹ בֻּי בִּתַבִּוֹר בַּהַרִּים וּכִכַרְמֵל בַּיֵּם יַבִּוֹא:
- בְּלֵי גוֹלְהֹ עֲשֵּׁי לָךְ יוֹשֶׁבֶת בַּת־מִּצְיְרִיִם כִּי־ נִרְ לְשַׁמָּה תְהְיֶּה וְנִצְּתָה מֵצִין יוֹשֵׁב: (ס)
- עֶגְלֶה יְפַה־פִּיָה מִצְרָיִם מֶלֶרץ מִצְּפִּוֹן בָּא בא:
- נִּם־שְּׂכְרֶיהָ בְקּרְבָּהֹ פְּעֶּגְלֵי מַרְבֵּׁק כִּי־נִם־ הַמָּה הִפְּנָנּ נָסוּ יַחְדֶּיו לָא עְמָדוּ כִּי יִוֹם אֵידֵם בָּא עַלִיהָם עֵת פִּקּדַּתַם:
- פּוּלָה פּנְּחָשׁ וֵלֵך פִּי־בְחַיִּל וֵלֵכוּ קוֹלָה פַּנְּחָשׁ וֵלֵך פִּי־בְחַיִּל וֵלֵכוּ
- בֶּרְתַוּ יַעְרָהֹ נְאָם־יְהֹוָה בִּי לֵא יֵחָקֵר בִּי רַבּוֹ מַאַרבָּה וָאִין לָהָם מִספַּר:
- הֹבִישָׁה בַּת־מִצְרָיִם נִתְּנָה בְּיַד עַם־צְפְּוֹן:
- אָמַר ֫ יְהֹוָה צְּבָאוֹת אֱלֹהֵי יִשְּׂרָאֵׁל הִנְגֵּי פּוֹקֵד אֶל־אָמָוֹן מִנֹּא וְעַל־פַּרְעֹה וְעַל־ מִצְלַיִם וְעַל־אֱלֹהֶיהָ וְעַל־מְלְכֶיִהְ וְעַל־ פַּרעֹה וִעַל הַבִּּמָחִים בִּוֹ:
- וּנְתַתִּׁים בְּיֵד' מְבַקְשֵׁי נַפְשָׁם וּבְיֶד וְאַחֲרִי־כֵן תִּשְׁכָּן בְּימֵי־קֶדֶם נְאָם־ וְאַחֲרִי־כֵן תִּשְׁכָּן בִּימֵי־קֶדֶם נְאָם־ יָתֹנָת: (פֹּ)

- Why is thy strong one overthrown? He stood not, because the LORD did thrust him down.
- He made many to stumble; Yea, they fell one upon another, And said: 'Arise, and let us return to our own people, And to the land of our birth, From the oppressing sword.'
- They cried there: 'Pharaoh king of Egypt is but a noise; He hath let the appointed time pass by.'
- As I live, saith the King, Whose name is the LORD of hosts, Surely like Tabor among the mountains, And like Carmel by the sea, so shall he come.
- O thou daughter that dwellest in Egypt, Furnish
 thyself to go into captivity; For Noph shall become a
 desolation, And shall be laid waste, without
 inhabitant.
- Egypt is a very fair heifer; But the gadfly out of the north is come, it is come.
 - Also her mercenaries in the midst of her Are like calves of the stall, For they also are turned back, they are fled away together, They did not stand; For the day of their calamity is come upon them, The time of their visitation.
- The sound thereof shall go like the serpent's; For they march with an army, And come against her with axes, As hewers of wood.
- They cut down her forest, saith the LORD, Though it cannot be searched; Because they are more than the locusts. And are innumerable.
- The daughter of Egypt is put to shame; She is delivered into the hand of the people of the north.
- The LORD of hosts, the God of Israel, saith: Behold, I will punish Amon of No, and Pharaoh, and Egypt, with her gods, and her kings; even Pharaoh, and them that trust in him;
- and I will deliver them into the hand of those that
 seek their lives, and into the hand of Nebuchadrezzar
 king of Babylon, and into the hand of his servants;
 and afterwards it shall be inhabited, as in the days of
 old, saith the LORD.

וְאַתְּה אַל־תִּירָא עַבְדֵּי יַעֲקֹב וְאַל־תֵּחַת זַרְעָּךָ מֵאֶרֶץ שִׁבְיֻם וְשֶׁב יַעֲקוֹב וְשָׁקָם זַרְעָּךָ מֵאֶרֶץ שִׁבְיֻם וְשֶׁב יַעֲקוֹב וְשָׁקָם וְשַּאָבֵן וְאֵין מַחֲרִיד:

אַתָּה אַל־תִּירָא עַבְדֵּי יַעֲקֹב נְאָם־יְהֹוְה בִּי אִתְּךָ אָנִי כִּי אָעֲשֶּׁה כָלָה בְּכְל־ הַגּוֹיָםוּ אֲשֶׁרְ הִדַּחְתִּיךּ שַּׁמְּה כְלָה בְּכְל־ אָנֶשֶׁה כָלָה וְיִסַּרְתִּיךּ לַמִּשְׁפְּׁט וְנַקּה לְא אַנֵּקֵד: (פ) But fear not thou, O Jacob My servant, Neither be dismayed, O Israel; For, lo, I will save thee from afar, And thy seed from the land of their captivity; And Jacob shall again be quiet and at ease, And none shall make him afraid.

Fear not thou, O Jacob My servant, saith the LORD,
For I am with thee; For I will make a full end of all
the nations whither I have driven thee, But I will not
make a full end of thee; And I will correct thee in
measure, But will not utterly destroy thee.

הפטרת בשלח

The Haftarah is Judges 4:4 -5:31.

וּדְבוֹרָה' אִשֵּׁה נְבִיאָּה אֵשֶׁת לַפִּידִוֹת הֶיא שֹׁפְּטֵה אֶת־יִשְׂרָאֵל בָּעֵת הַהִּיא:

וְהַּיא יוֹשֶּׁבֶת תַּחַת־תִּמֶּר דְבוֹרָה בֵּיְן הָרְמֶה וּבֵין בֵּית־אֵל בְּהַר אֶפְרָיִם וַיִּצְלְוּ אָלֵיהָ בָּנֵי יִשְׁרָאֵל לַמִּשְׁפֵּט:

נִתִּשְׁלֵח נַתִּקְרָא לְבָרָק בֶּן־אֲבִינֹעַם מָאֶדֶשׁ נַפְתָּלִי נַתִּאִטֶּר אֵלִיו הַלְא צִּנְהוּ יְהְנְה וְלָקַחְתָּ עִּמְּדָׁ לֵךְ וּמְשַׁרְתָּ בְּהָר תְּבִּוֹר נַפְתַּלֵי וּמִבְּנֵי זְבִלְּוּן:

וּמְשַׁכְתִּׁי אֵלֶּיךְ אֶל־נַחַל מִישׁוֹן אֶת־מְיסְרָא שַּׁר־צְבָא יָבִין וְאֶת־רִכְבָּוֹ וְאֶת־הַמִּוֹגִוֹ וּנְתַתֵּיהוּ בְּיָדֶך:

וַיָּאמֶר אֵלֶיהְ בָּרָּק אִם־תַּלְכֵי עִמָּי וְהָלָּכְתִי וְאִם־לִא תֵּלְכֵי עִמָּי לְא אֵלֵך:

וַתְּאמֶר הָלְדְּ אֵלֵדְ עִמְּדְ אֲשֶׁר אַתֶּה הוֹלֵדְ כֵּי הַפָּאַרְתְּדְּ עַל־הַדֶּלֶרְ אֲשֶׁר אַתָּה הוֹלֵדְ כֵּי בְיַד־אִשֶּׁה יִמְלָּר יְהוָה אֶת־סִיסְרָא וַתְּקְם דְּבוֹרֶה וַתֵּלֶדְ עִם־בָּרָק קַדְשַׁה: Now Deborah, a prophetess, the wife of Lappidoth, she judged Israel at that time.

And she sat under the palm-tree of Deborah between Ramah and Beth-el in the hill-country of Ephraim; and the children of Israel came up to her for judgment.

And she sent and called Barak the son of Abinoam out of Kedesh-naphtali, and said unto him: 'Hath not the LORD, the God of Israel, commanded, saying: Go and draw toward mount Tabor, and take with thee ten thousand men of the children of Naphtali and of the children of Zebulun?

And I will draw unto thee to the brook Kishon Sisera, the captain of Jabin's army, with his chariots and his multitude; and I will deliver him into thy hand.

And Barak said unto her: 'If thou wilt go with me, then I will go; but if thou wilt not go with me, I will not go.'

And she said: 'I will surely go with thee; notwithstanding the journey that thou takest shall not be for thy honour; for the LORD will give Sisera over into the hand of a woman.' And Deborah arose, and went with Barak to Kedesh.

- וַיַּזְעֵּׁק בָּרָק אֶת־זְבוּלֻן וְאֶת־נַפְתָּלִי לֶּדְשְׁה וַיַּעֵל בְּרַגְלָיו עֲשֶׂרֶת אַלְפֵּי אֵישׁ וַתִּעַל עִּמָּוֹ וְּבוֹרֶה:
- וְחֶבֶר הַפֵּינִי נִפְּרֶד מִפְּיוַ מִבְּנֵי חֹבֶב חֹתֵן מֹשֶׁה וַיֵּט אֲהֵלֹּוֹ עַד־אֵילִוֹן (כ׳ בצענים)[ק׳ בִּצַעַנַנִּים] אֲשֵׁר אָת־קֵדִשׁ:
- וַיַּגָּדוּ לְסִיסְרָא בִּי עָלֶה בְּרָק בֶּן־אֲבִינִעַם הַר־תַּבִוֹר:
- וַיַּזְעֵּׁק סְיסְרָא אֶת־כְּל־רִכְבֹּוֹ תְּשַׁע מֵאוֹת רֶכֶב בַּרְזֶּל וְאֶת־כְּל־רָכְבוֹ תְּשָׁע מֵאוֹת מַחַרְשֶׁת הַגּוֹיֵם אֶל־נַחַל קִישִׁוֹן:
- וַתְּאמֶר דְבֹּרָה אֶל־בָּרָק קֹוּם כֵּי זֶה הֵיוֹם יְהֹוָה יָצֵא לְפָנֵיְדְּ וַיֵּרֶד בְּרָק מֵהַר תִּבֹוֹר יְהֹוָה יָצֵא לְפָנֵיִדְ וַיֵּרֶד בְּרָק מֵהַר תִּבֹוֹר וַשֵּשֵׁרֵת אֵלִפִּים אִישׁ אֲחֵרֵיו:
- וַיָּהָם יְהוָּה אֶת־סִיסְרָא וְאֶת־כְּל־הָרֶכֶב וְאֶת־כְּל־הַמַּחֲנֶה לְפִּי־חֶרֶב לִפְּנֵי בְרָכִק וַיֵּרֶד סִיסְרָא מִעַל הַמֶּרְכְּבָה וַיִּנְס בּרגליו:
- וּבָרָק רָדֵּף אַחַבִּי הָבֶּכֶב' וְאַחַבִּי הַמַּחֲנֶּה עַד חֲרַשֶּׁת הַגּוֹיִם וַיִּפּֿל כְּל־מַחֲנֵה סִיסְרָא' לִפִּי-חֵבב לְאׁ נִשִּׁאַר עַד־אֶחֶד:
- וְסִיסְרָא' נָס בְּרַגְלְּיו אֶל־אֵהֶל יָעֵׁל אֵשֶׁת חֶבֶר הַפֵּינִי בָּי שָׁלוֹם בֵּין יָבַין מֶלֶף־חָצׁוֹר וּבֿין בּית חבר הקיני:
- וַתֵּצֵא יָעֵל ּלְקְרַאת סִיסְרָא וַתַּאֹמֶר אֵלְיו סוּרָָה אֲדֹנִי סוּרָה אַלִי אַל־תִּירָא וַיָּסַר אָלִיהַ הָאֹהֵלָה וַתִּכְפָהוּ בַּשִּׂמִיכָה:
- וַיַּאמֶר אֵלֶיהָ הַשְּׁקִינִי־נָא מְעַמּ־מַיִם כֵּי צָמֵאתִי וַתִּפְתַּח אֶת־נָאוֹד הֶחְלֶב וַתִּשְׁקֵהוּ וַתִּכְּפָהוּ:

- And Barak called Zebulun and Naphtali together to Kedesh; and there went up ten thousand men at his feet; and Deborah went up with him.
- Now Heber the Kenite had severed himself from the Kenites, even from the children of Hobab the father-in-law of Moses, and had pitched his tent as far as Elon-bezaanannim, which is by Kedesh.
- And they told Sisera that Barak the son of Abinoam was gone up to mount Tabor.
- And Sisera gathered together all his chariots, even nine hundred chariots of iron, and all the people that were with him, from Harosheth-goiim, unto the brook Kishon.
- And Deborah said unto Barak: 'Up; for this is the day
 in which the LORD hath delivered Sisera into thy
 hand; is not the LORD gone out before thee?' So
 Barak went down from mount Tabor, and ten
 thousand men after him.
- And the LORD discomfited Sisera, and all his chariots, and all his host, with the edge of the sword before Barak; and Sisera alighted from his chariot, and fled away on his feet.
- But Barak pursued after the chariots, and after the host, unto Harosheth-goiim; and all the host of Sisera fell by the edge of the sword; there was not a man left.
- Howbeit Sisera fled away on his feet to the tent of Jael
 the wife of Heber the Kenite; for there was peace
 between Jabin the king of Hazor and the house of
 Heber the Kenite.
- And Jael went out to meet Sisera, and said unto him:

 'Turn in, my lord, turn in to me; fear not.' And he turned in unto her into the tent, and she covered him with a rug.
- And he said unto her: 'Give me, I pray thee, a little
 water to drink; for I am thirsty.' And she opened a
 bottle of milk, and gave him drink, and covered him.

וַיַּאמֶר אֵלֶּיהָ עֲמָד פֶּתַח הָאֵהֶל וְהָיָה אָם־ אִישׁ יָבֹא וּשְׁאֵלֵך וְאָמֶר הֲוֵשׁ־פָּה אִישׁ וִאָמֵרִתּ אֵין:

נִתִּקֵּח יָצֵל אֵשֶׁת-חֶבֶר אֶת־יְתַּד הָאֹהֶל נַתְּשֶׁם אֶת-הַמֶּקֶבֶת בְּיָדָה וַתְּבָוֹא אֵלְיוֹ בַּלָּאט וַתִּתְקִע אֶת-הַיָּתֵד בְּרַקְּתוֹ וַתִּצְנַח בָּאָרֵץ וְהָוֹּא-נִרְדֵּם וַיָּעֵף וַיְּמָת:

וְהָנֵּה בָרָק רֹדֵף אֶת־סִיסְרָא נַתַּצֵּא יָעֵל' לְקָרָאתוֹ נַתַּאמֶר לוֹ לֵדְ וְאַרְאֶׁדְ אֶת־ הָאָישׁ אֲשֶׁר־אַתָּה מְבַקֵּשׁ נַיָּבָא אֵלֶיהָ וְהִנֵּה סֵיסָרָא נִפֵּל מֵת וְהַיָּתֵּר בְּרַקּתִוֹ:

וַיַּכְנַע אֱלֹהִים בַּיָּוֹם הַהֹּוּא אֵת יָבַין מֶלֶדְ־ פנען לפני בני ישראל:

וַתֵּלֶךְ יַד בְּנֵי־יִשְּׂרָאֵל' הָלַוֹּדְ וְקְשָּׁה עַל יָבֵין מֶלֶדְ־כְּנָעַן עַד אֲשֶׁר הִכְרִיתוּ אֵת יָבֵין מֶלֶדְ־כְּנָעַן: (פּ)

וַתְּשַׁר דְּבוֹרָה וּבָרֶק בֶּן־אֲבִיגַעַם (ס) בִּיוֹם הַהִוּא לֵאמֹר: (ס)

בִּפְרָעַ פְּרָעוֹת' בִּיִשְּׂרָאֵׁל (ס) בְּהִתְּנֵדֵּב עַם בֵּרְכִוּ יִהֹוַה: (ס)

שִׁמְעַוּ מְלָבִּים הַאֲזֻינוּ רְזְגֵים (ס) אָנֹבִי לֵיהוָה אָנֹבֵי אָשִׁירָה (ס) אֲזַמֵּר לֵיהוָה אַלהֵי יִשִּׂרָאֵל: (ס)

יְהֹוָה בְּצֵאתְךָּ מִשֵּׁעִיר (ס) בְּצַעְדְּדְּ מִשְּׂדֵה אֱדוֹם (ס) אֱרֶץ רְלְשָׁה גַּם־שְׁמַיִם נָטָפִוּ (ס) גַם־עָבִים נֵטִפּוּ מֵיִם: (ס)

הָרִים נְזְלִוּ מִפְּנֵי יְהוֶֹת (ס) זֶה סִינִּי מִפְּנֵי יִהוַה אֵלהֵי יִשִּׁרָאֵל: (ס)

בִּימֵׁי שַׁמְגַּרְ בָּן־שֲנְתֹ (ס) בִּימֵי יָעֵׁל חֲדְלְּוּ אֱרְחֻוֹת (ס) וְהֹלְכֵי נְתִיבׁוֹת יֵלְכֿוּ אֲרְחָוֹת עַקַלְּקַלְּוֹת: (ס) And he said unto her: 'Stand in the door of the tent, and it shall be, when any man doth come and inquire of thee, and say: Is there any man here? that thou shalt say: No.'

Then Jael Heber's wife took a tent-pin, and took a hammer in her hand, and went softly unto him, and smote the pin into his temples, and it pierced through into the ground; for he was in a deep sleep; so he swooned and died.

And, behold, as Barak pursued Sisera, Jael came out to meet him, and said unto him: 'Come, and I will show thee the man whom thou seekest.' And he came unto her; and, behold, Sisera lay dead, and the tent-pin was in his temples.

So God subdued on that day Jabin the king of Canaan before the children of Israel.

And the hand of the children of Israel prevailed more and more against Jabin the king of Canaan, until they had destroyed Jabin king of Canaan.

V:1 Then sang Deborah and Barak the son of Abinoam on that day, saying:

When men let grow their hair in Israel, When the people offer themselves willingly, Bless ye the LORD.

Hear, O ye kings; give ear, O ye princes; I, unto the LORD will I sing; I will sing praise to the LORD, the God of Israel.

LORD, when Thou didst go forth out of Seir, When
Thou didst march out of the field of Edom, The earth
trembled, the heavens also dropped, Yea, the clouds
dropped water.

The mountains quaked at the presence of the LORD,

Even yon Sinai at the presence of the LORD, the God
of Israel.

In the days of Shamgar the son of Anath, In the days of Jael, the highways ceased, And the travellers walked through byways. п

- חָדְלַוּ פְּרָזֶוֹן בְּיִשְּׂרָאֵל חָדֵלוּ (ס) בִּישִׂרָאֵל: (ס)
- יִבְחַר אֶלֹהַים חֲדָשִׁים אָז לְחֶם שִׁעְרֵים (ס) מְגֵן אִם־וֵרְאָה וְרֹמַח (ס) בָּאַרְבַּעִים אֵלֶף בִּישִׁרָאַל: (ס)
- לָבִּי לְחוֹקְקָּי יִשְּׂרָאֵׁל (ס) הַמְּתְנַדְּבָים בָּעָם בָּרְכִּוּ יְהֹוֶה: (ס)
- רֹכְבֵי אֲתֹנוֹת צְחֹרוֹת (ס) יִשְׁבֵי עַל־מִדֶּין וְהֹלְכֵי עַל־דֶּרֶךְ שִּׂיחוּ: (ס)
- מָקּוֹל מְחַצְצִּים בֶּין מַשְׁאַבִּים (ס) שֶׁם יְתַנּוֹ צִדְקּוֹת יְחֹנָה (ס) צִדְקֹת פִּרְזוֹנְוֹ בְּיִשְׂרָאֵל (ס) אָז יֵרְדָוּ לַשְּׁעָרִים עַם־ יהוֹה: (ס)
- עוּרֵי עוּרִי דְּבוֹרָה (ס) עְוּרִי עְוּרִי דַּבְּרִי־שִׁיר (ס) קוּם בְּרֶק וְשְׁבֵּה שֶׁבְיְּהְ בֶּן־אָבִינְעַם: (ס)
- אָז יְרֵד שָּׂלִּיד לְאַדִּירִים עָם (ס) יְהוָּה יְרַד־לִי בַּגִּבּוֹרִים: (ס)
- מִנֵּי אֶפְרִיִם שְׁרְשָׁם בַּצְּטְלֵּק (ס) אַחֲבֶיף מְחַקְּלִים (ס) וּמִזְּבוּלֶּן מֹשְׁכִים בְּשֵׁבֶט ספר: (ס)
- וְשָׂרֵי בִּישָּׁשכָר' עִם־דְּבֹרָה (ס) וְיִשְּׁשכָר' בַּן בָּרָק בָּעֵטֶק שֻׁלַּח בְּרַגְלָיִו (ס) בִּפִלְגִּוֹת רָאוּבֵּן גִּדֹלִים חִקּקִי־לֵב: (ס)
- לָמָה יָשַּׁבְתָּ בֵּין הַמִּשְׁפְּלֵיִם (ס) לִשְּׁמְעַ שִּׁרְקּוֹת עֲדָרִים (ס) לִפְּלַגּוֹת רְאוּבֵׁן גִּדוֹלִים חָקָרִי־לֵב: (ס)
- וּלְעָׁר בְּעֻבֶּר הַיַּרְדֵּן שָׁבֵּן (ס) וְדְּׁן לְמָּה יָגִיּר אֲנִיָּוֹת (ס) אָשֵׁר יָשַׁב לְחַוֹף ימִּים (ס) ועל מפּרציו ישׁבּוֹן: (ס)

- The rulers ceased in Israel, they ceased, Until that thou didst arise, Deborah, That thou didst arise a mother in Israel.
- They chose new gods; Then was war in the gates; Was there a shield or spear seen Among forty thousand in Israel?
- My heart is toward the governors of Israel, That offered themselves willingly among the people. Bless ye the LORD.
- Ye that ride on white asses, Ye that sit on rich cloths, And ye that walk by the way, tell of it;
 - Louder than the voice of archers, by the watering-troughs! There shall they rehearse the righteous acts of the LORD, Even the righteous acts of His rulers in Israel. Then the people of the LORD went down to the gates.
- Awake, awake, Deborah; Awake, awake, utter a song;
 Arise, Barak, and lead thy captivity captive, thou son
 of Abinoam.
- Then made He a remnant to have dominion over the nobles and the people; The LORD made me have dominion over the mighty.
- Out of Ephraim came they whose root is in Amalek;
 After thee, Benjamin, among thy peoples; Out of
 Machir came down governors, And out of Zebulun
 they that handle the marshal's staff.
- And the princes of Issachar were with Deborah; As
 was Issachar, so was Barak; Into the valley they rushed
 forth at his feet. Among the divisions of Reuben
 There were great resolves of heart.
- Why sattest thou among the sheep-folds, To hear the pipings for the flocks? At the divisions of Reuben There were great searchings of heart.
- Gilead abode beyond the Jordan; And Dan, why doth he sojourn by the ships? Asher dwelt at the shore of the sea, And abideth by its bays.

- זְבֶלוּוְ עַם חֵבֶף נַפְּשֶׁוֹ (ס) לְמִוּת וְנַפְּתָּלֵי עַל מִרוֹמֵי שָּׁבֶה: (ס)
- בָּאוּ מְלָכִים ׁנְלְחָׁמוּ (ס) אָז נִלְחֲמוּ מַּלְכֵי כְנַעַן (ס) בְּתַעְנַךְ עַל־מֵי מְגִדְּוֹ (ס) בָּצַע בֶּסֶךְ לְאׁ לָקָחוּ: (ס)
- מִן־שָׁמָיִם נִלְחָמוּ (ס) הַכְּוֹכְבִים' מִמְסְלּוֹתָם נִלְחָמֵוּ עִם־סֵיסְרֵא: (ס)
- נַחַל קִישׁוֹן גְּרָפֶּׁם (ס) נַחַל קְדוּמִים נַחַל קִישָׂוֹן (ס) תִּדְרָכֵי נַפִּשִּׁי עִּז: (ס)
- אָז הָלְמִוּ עִּקְבִי־סִוּס (ס) מְדַּהְרְוֹת דַּהַרְוֹת אָבִּירֵיו: (ס)
- אַוֹרוּ מֵרוֹז אָמַר' מַלְאַךְּ יְהֹנְּה אָרוּ אָרְוֹר יִשְׁבֶּיהָ (ס) כֵּי לְא־בָּאוּ לְעֶזְרַת יָהוָה (ס) לִעַזָרַת יְהוָה בַּגּבּוֹרִים: (ס)
- תְּבֹרַדְּ מִנְּשִׁים יָבֵּל אֲשֶׁת חֲבֶר הַקֵּיגֵי (ס) מִנְשֵׁים בַּאָּהֵל תִּבֹרַדְ: (ס)
- מָיִם שָׁאַל חָלָב נְתָנָה (ס) בְּסֵפֶּל אַדִּירִים הַקָּרִיבָה חַמָּאָה: (ס)
- יָדְהֹ לַיָּתַד תִּשְׁלַחְנָה (ס) וִימִינָה לְהַלְמָוּת עֲמֵלֵים (ס) וְהָלְמֶה סִיסְרָא מֶחֲקָה ראשׁוֹ (ס) וּמְחַצֵּה וְחָלְפֶּה רִפָּתוֹ: (ס)
- בֵּין רַגְלֶּיהָ כָּרַע נָפָּל שָׁכֶב (ס) בֵּין רַגְלֶיהָ כָּרַע נָפְּל (ס) בַּאֲשֶׁר כְּרַע שֶׁם נָפָּל שָׁדְּוּד: (ס)
- בְּעַד הַחַלּוֹן נִשְׁקְפָּה וַתְּיַבֶּב אֵם סִיסְרָא בְּעַד הָאֶשְׁנָב (ס) מַדּוּעַ אֶחֶלּוּ בּשֵׁשׁ רִכְבּוֹ לְבוֹא (ס) מַדְּוּעַ אֶחֶלּוּ בַּעֵמֶי מַרְכְּבוֹתִיו: (ס)
- חַכְמָוֹת שֶּׂרוֹתֶיהָ תַּצְנֻינָּה (ס) אַף־הִּיא תַּשִּׁיב אַמָרֵיהָ לֵה: (ס)

- Zebulun is a people that jeoparded their lives unto the death, And Naphtali, upon the high places of the field.
- The kings came, they fought; Then fought the kings of Canaan, In Taanach by the waters of Megiddo; They took no gain of money.
- They fought from heaven, The stars in their courses fought against Sisera.
- The brook Kishon swept them away, That ancient brook, the brook Kishon. O my soul, tread them down with strength.
- Then did the horsehoofs stamp By reason of the prancings, the prancings of their mighty ones.
- 'Curse ye Meroz', said the angel of the LORD, 'Curse ye bitterly the inhabitants thereof, Because they came not to the help of the LORD, To the help of the LORD against the mighty.'
- Blessed above women shall Jael be, The wife of Heber the Kenite, Above women in the tent shall she be blessed.
- Water he asked, milk she gave him; In a lordly bowl she brought him curd.
- Her hand she put to the tent-pin, And her right hand to the workmen's hammer; And with the hammer she smote Sisera, she smote through his head, Yea, she pierced and struck through his temples.
- At her feet he sunk, he fell, he lay; At her feet he sunk, he fell; Where he sunk, there he fell down dead.
- Through the window she looked forth, and peered,

 The mother of Sisera, through the lattice: 'Why is his
 chariot so long in coming? Why tarry the wheels of
 his chariots?
- The wisest of her princesses answer her, Yea, she returneth answer to herself:

- הַלֹא יִמְצְאׁוּ יְחַלְּקוּ שָׁלָל (ס) בַחַם רַחֲמָתִּים לְרָאשׁ בֶּבֶר (ס) שְׁלַל צְבָעִים לְסִיסְרָא (ס) שְׁלַל צְבָעִים רִקְמָתִּ (ס) צֵבַע רִקמַתַּיִם לִצַּוָּארֵי שַׁלַל: (ס)
- בן יאבְדָּנּ כְל־אוֹיְבֶּיִףְ יְהֹנְּה וְאַהֲבְּיוּ בְּצֵאת הַשֶּׁמֶשׁ בִּגְבָרָתִוֹ (ס) וַתִּשְׁלְט הָאָרֵץ אַרִבָּעִים שָׁנָה: (פּ)
- 'Are they not finding, are they not dividing the spoil?

 A damsel, two damsels to every man; To Sisera a spoil of dyed garments, A spoil of dyed garments of embroidery, Two dyed garments of broidery for the neck of every spoiler?'
- So perish all Thine enemies, O LORD; But they that love Him be as the sun when he goeth forth in his might. And the land had rest forty years.

הפטרת יתרו

The Haftarah is Isaiah 6:1 −7:6 & 9:5 −9:6.

- בִּשְׁנַת־מוֹת הַמֶּלֶך עַזִּיְּהוּ וָאֶרְאָה אֶת־ אֲדֹנֶי ישֵׁב עַל־כִּסָא רָם וְנִשָּׂא וְשׁוּלָיו מְלֵאִים אֶת־הַהִּיכֶל:
- שְּׁרָפִּים עֹמְדֵים ו מִמַּעַל לוֹ שֵׁשׁ כְּנְפֵּיִם שֵׁשׁ כְּנָפֵים לְאֶחָד בִּשְׁתַּיִםוּ יְכַסֶּה פְּנְיוּ וּבִשְׁתֵּיִם יִכְּסֶּה רָגְלֵיו וּבִשְׁתַּיִם יִעוֹפֵף:
- וְקָרָא זֶה אֶל־'זֶה' וְאָמֵׁר קְּדָוֹשׁ וּ קְדָוֹשׁ קַרְוֹשׁ יְהֹוָה צְּבָאֵוֹת מְלֹא כְל־הָאֶרֶץ כָּבוֹדְוֹ:
- נַיָּנֶעוּ אַמַּוֹת הַסְּפִּים מִקּוֹל הַקּוֹרֵא וְהַבָּיִת יִמָּלֵא עָשֵׁן:
- רָאָנ מִינֵי: שִּׁפְּתַּיִם אָנֵכִי וּבְתוֹדְ עַם־סְמֵאַ שִּׂפְתִּים שָׁפָּתַיִם אָנֵכִי וּבְתוֹדְ עַם־סְמֵאַ שִּׁפְּתִּים נְאַמֵּר אִנִּי:
- וַיָּעֶף אֵלַי אֶחָד מִן־הַשְּׂרָפִּים וּבְיָדִוֹ רִצְפְּּגְה בְּטֶּלְקַחַׁיִם לָקַח מֵעַל הַמִּזְבֵּחַ:
- וַיַּגַע עַל־פִּׁי וַיּאמֶר הִנֵּה נְגַע זֶה עַל־ שִּׂפָתֵיף וְסֵר עֲוֹנֶׁף וְחַשָּאתְף תְּכָבֵּר:
- וָאֶשְׁמַשׁ אֶת־קּוֹל אֲדֹנְי אֹמֵר אֶת־מֶי אֶשְׁלַח וּמֵי וֵלֶךְ־לְנִוּ וָאִמַר הִנְנִי שְׁלְחֵנִי:

- In the year that king Uzziah died I saw the Lord sitting upon a throne high and lifted up, and His train filled the temple.
- Above Him stood the seraphim; each one had six wings: with twain he covered his face and with twain he covered his feet, and with twain he did fly.
- And one called unto another, and said: Holy, holy, holy, is the LORD of hosts; The whole earth is full of His glory.
- And the posts of the door were moved at the voice of them that called, and the house was filled with smoke.
- Then said I: Woe is me! for I am undone; Because I am a man of unclean lips, And I dwell in the midst of a people of unclean lips; For mine eyes have seen the King, The LORD of hosts.
- Then flew unto me one of the seraphim, with a glowing stone in his hand, which he had taken with the tongs from off the altar;
- and he touched my mouth with it, and said: Lo, this hath touched thy lips; And thine iniquity is taken away, And thy sin expiated.
- And I heard the voice of the Lord, saying: Whom shall I send, And who will go for us? Then I said: 'Here am I; send me.'

- וַ אֶּמֶר לֵךְ וְאָמַרְהָּ לָעָם הַזָּה שִׁמְעִּוּ שְׁמוֹעֵ וָאֵל־תַבִּינוּ וִּראוּ רָאוֹ וָאֵל־תַּדֵעוּ:
- הַשְּׁמֵן לֵב־הָעֲם הַּיֶּה וְאָזְנֵיו הַכְבֶּד וְעֵינְיוּ הָשַׁע פֶּן־יִרְאֶה בְעִינִיו וּבְאָזְנֵיו יִשְׁמָע וּלְבָבִוֹ יַבֵּין וַשָּׁב וְרֵפָּא לִוֹ:
- וָאֹמֶר עַד־מָתַי אֲדֹנָיְ וַיִּאֹמֶר עַד אֲשֶׁר אָם־ שָׁאֹוּ עָרִים מֵאֵין יוֹשֵׁב וּבְתִּים מֵאֵין אָדְם וָהַאָּדָמָה תִּשַּׁאֵה שִׁמָּמה:
- וְרַחַק יְהֹוֶה אֶת־הָאָדֶם וְרַבֵּה הָעֲזוּבֶה בָּקֵרֵב הַאָרֵץ:
- וְעִוֹד בָּהֹ עֲשַׂרִיּה וְשֶׁבָה וְהִיְתָה לְבָעֵר בָּאֵלֶה וְכָאַלוֹן אֲשֶׁר בְּשַׁלֶּכֶת מַצְּבֶת בְּם זֵרַע לִּדָשׁ מַצְּבָתָה: (פֹּ)
- וֹיְהִי בִּימֵי אָחָׁז בֶּן־יוֹתָם בֶּן־שָּזּיְּהוּ מֶלֶךְ יְהוּדָה עָלֶה רְצִין מֶלֶךְ־אָרָם וּפָּׁקּח בֶּן־ רְמַלְיָהוּ מֶלֶךְ־יִשְׂרָאֵל יְרַוּשְׁלַם לַמִּלְחָמֶה עַלִיהַ וַלָּא יַכִּל לִהִלְּחֵם עַלִיהַ:
- וַיָּגַּד לְבֵית דְּוִד' לֵאמֹר נְחָה אֲרֶם עַל־ אֶפְּרֵיִם וַיְּנַע לְבָבוֹ וּלְבַב עַמֹּוֹ כְּנִוֹעַ עֲצֵי־ יער מפּני־רוּח: (ס)
- נַיָּאטֶר יְהוָה מֶּל־יְשַׁעְיָּהוּ צֵא־נָא לִקְרַאת אָחָז אַתְּה וּשְׁאָר יְשַׁיִּב בְּנֶךְ אֶל־קְצֵׁה תְּעָלַת הַבְּרֵכָה הָעֶלְיוֹנָה אֶל־מְסִלַּת שְׁדֵה כוֹבֵס:
- וְאָמַרְתָּ אֵלְיו הִשְּׁמֵּר וְהַשְּׁאֵם אַל־תִּירָא וּלְבֶבְךְּ אַל־יֵלַךְ מִשְׁנֵי זַנְבְוֹת הָאוּדֶים וּבְרֵבְרָ אַל־יֵלַךְ מְשְׁנֵי זַנְבְוֹת הָאוּדֶים וּבִן-רִמַלְיָחוּ:
- יַעַן בִּי־יָעַץ עָלֶיף אָרֶם רָעָה אֶפְּרַיִם וּבֶן־ רמליהוּ לאמר:
- נַשְלֶּה בִיהוּדָה וּנְקִיבֶּנָה וְנַבְקּעֶנָּה אֵלֵינוּ וָנִמְלֵיף מֵלַךְ בִּתוֹלַה אָת בֵּן־שַׁבְאֵל: (פּ)

- And He said: 'Go, and tell this people: Hear ye indeed, but understand not; and see ye indeed, but perceive
- Make the heart of this people fat, and make their ears
 heavy, and shut their eyes; lest they, seeing with their
 eyes, and hearing with their ears, and understanding
 with their heart, return, and be healed.'
- Then said I: 'Lord, how long?' And He answered:
 'Until cities be waste without inhabitant, and houses
 without man, And the land become utterly waste,
- And the LORD have removed men far away, and the forsaken places be many in the midst of the land.
- And if there be yet a tenth in it, it shall again be eaten up; as a terebinth, and as an oak, whose stock remaineth, when they cast their leaves, so the holy seed shall be the stock thereof.
- And it came to pass in the days of Ahaz the son of VII:1 Jotham, the son of Uzziah, king of Judah, that Rezin the king of Aram, and Pekah the son of Remaliah, king of Israel, went up to Jerusalem to war against it; but could not prevail against it.
 - And it was told the house of David, saying: 'Aram is confederate with Ephraim.' And his heart was moved, and the heart of his people, as the trees of the forest are moved with the wind.
 - Then said the LORD unto Isaiah: 'Go forth now to meet Ahaz, thou, and Shear-jashub thy son, at the end of the conduit of the upper pool, in the highway of the fullers' field;
 - and say unto him: Keep calm, and be quiet; fear not, neither let thy heart be faint, because of these two tails of smoking firebrands, for the fierce anger of Rezin and Aram, and of the son of Remaliah.
 - Because Aram hath counselled evil against thee, Ephraim also, and the son of Remaliah, saying:
 - Let us go up against Judah, and vex it, and let us make a breach therein for us, and set up a king in the midst of it, even the son of Tabeel;

פִּי־יֶלֶד יֻלַּד־לָנוּ בֶּן נִתַּן־לְנוּ וַתְּתִּי הַמִּשְׂרָה עַל־שִׁכְמֵוֹ וַיִּקְרָא שְׁמֹוֹ פֶּלֶא יוֹעֵץ אֵל גָּבּוֹר אָבִי־עֵד שַׂר־שַׁלְוֹם:

(כ׳ לם רבה)[ק׳ לְמַרְבֵּה] הַמִּשְּׂרָה יּלְשָׁלִים אֵין־מֵּץ עַל־כָּמָא דָוִד וְעַל־ מַמְלַכְתֹּוֹ לְהָכֶין אֹתָה וְּלְסַעֲדָה בְּמִשְׁפֶּט יּבִצְּדָקָה מֵעַתָּה וְעַד־עוֹלֶם קּנְאָת יְהֹוֶה צְבָאִוֹת תַּעֲשֶׂה־זְּאֹת: (פּ) IX:5 For a child is born unto us, a son is given unto us; and the government is upon his shoulder; and his name is called Pele-joez-el-gibbor Abi-ad-sar-shalom;

That the government may be increased, and of peace there be no end, upon the throne of David, and upon his kingdom, to establish it, and to uphold it through justice and through righteousness From henceforth even for ever. The zeal of the LORD of hosts doth perform this.

הפטרת משפטים

The Haftarah is Jeremiah 34:8 – 34:22 & 33:25 – 33:26. On Shabbat Shekalim, Maftir is Exodus 30:11 – 16, and the Haftarah is the special Haftarah on page 238. When Shabbat Shekalim is Rosh Hodesh, read as before but combine the 6th and 7th aliyot from the parsha, and read the 7th aliya for Shabbat Rosh Hodesh on page 233. On Rosh Hodesh that is not Shabbat Shekalim, the Maftir and Haftarah are on page 233. On Erev Rosh Hodesh that is not Shabbat Shekalim, read the Haftarah on page 236

ю

תַדְּבֶּר אֲשֶׁרְ־תָּנָה אֱלֹ־יִרְמְּיָהוּ מֵאֵת יְהוֹּה אַחֲרֵי כְּרֹת הַמֶּּלֶךְ צִּדְקַיְּהוּ בְּרִית אֶת־ כְּל־הָעָם אֲשֶׁר בִּירוּשְׁלַם לִקְרָא לָהֶם דְּרִוֹר:

לְשַׁלַּח אֵישׁ אֶת־עַבְדּּוֹ וְאֵישׁ אֶת־שִׁפְּחָתֶוֹ הָעִבְרֵי וְהָעִבְרִיָּה חְפְּשִׁים לְבִלְתִּי עַבְּד־ בָּם בִּיהוּדֵי אָחִיהוּ אֵישׁ:

וַיִּשְׁמְעוּ בְּלַ־הַשָּׁרִים וְכָל־הָעָם אֲשֶׁר־בָּאוּ בַבְּרִית לְשַלֵּח אֵישׁ אֶת־עַבְהּוֹ וְאָישׁ אֶת־ שִׁפְחָתוֹ חְפְּשִׁים לְבִלְתִּי עֲבָד־בָּם עֵוֹד וַיִּשָׁמִעוּ וַיִשַּלֵחוּ:

ניָשׁוּבוּ אַחֲרֵי־בֵּן נַיָּשָׁבוּ אֶת־הָצְבָּדִיםׂ וְאֶת־הַשְּׁפָּחׁוֹת אֲשֶׁר שִׁלְחָוּ חָפְשִׁים (כ׳ ויכבישום)[ק׳ נַיִּכְבְּשׁוּם] לַעֲבָדִים ולשפחוֹת: (פּ)

נִיְהָי דְבַר־יְהנָה' אֱל־יִרְמְיָּהוּ מֵאֵת יְהנָה לֵאמָר: The word that came unto Jeremiah from the LORD,
XXXIV:8 after that the king Zedekiah had made a covenant
with all the people that were at Jerusalem, to proclaim
liberty unto them;

that every man should let his manservant, and every man his maidservant, being a Hebrew man or a Hebrew woman, go free; that none should make bondmen of them, even of a Jew his brother;

and all the princes and all the people hearkened, that had entered into the covenant to let every one his man-servant, and every one his maid-servant, go free, and not to make bondmen of them any more; they hearkened, and let them go;

but afterwards they turned, and caused the servants and the handmaids, whom they had let go free, to return, and brought them into subjection for servants and for handmaids;

therefore the word of the LORD came to Jeremiah from the LORD, saying:

17

כּה־אָמָר יְהוָה אֶלהַי יִשְּׂרָאֵל אָנֹכִּי כְּרַתִּי בְרִית אֶת־אֲבָוֹתֵיכֶּם בְּיוֹם הוֹצִאָי אוֹתָם מֵאֶרֵץ מִצְלַיִם מִבֵּית עַבָּדִים לֵאמִר:

מַפַּץ שֶׁבַע שָׁנִים הְשַׁלְחוּ אִישׁ אֶת־אָחִיו הָעִבְרִי אֲשֶׁר־יִמְּכֵר לְךָּ וַעֲבֶּדְדְּ שֵׁשׁ שָׁנִים וְשִׁלַחְתִּוֹ חְפְּשִׁי מֵעִמָּךְ וְלְא־שְׁמְעַוּ אַבִּוֹתִיכֵם אֵלֵי וִלְא הִפִּוּ אֵת־אַזְנַם:

וַתְּשָּׁבוּ אַתֶּם הַיּוֹם וַתַּצְשָׂוּ אֶת־הַיִּשְׁרֹ בְּעֵינֵׁי לִקְרָא דְרָוֹר אֵישׁ לְרֵצֵהוּ וַתִּכְרְתְּוּ בְרִית לִפְנֵי בַּבִּיִת אֵשֵׁר־נִקרֵא שָׁמֵי עַלֵיו:

וַתְּשֶׁבוּ וַתְּחַלְּלַוּ אֶת־שְׁמִׁי וַתְּשָׁבוּ אֵישׁ אֶת־ עַבְדּוֹ וְאֵישׁ אֶת־שִּפְחָתוֹ אֲשֶׁר־שִׁלַחְתֶּם חָפְשִׁים לְנַפְשָׁם וַתִּכְבְּשֵׁוּ אֹתָם לְהְיָוֹת לִכָּם לַעַבְדִים וַלִשׁפַחוֹת: (ס)

לְכֵן כְּה־אָמֵר יְהוָה אַשֶּם לֹא־שְּמַץְשֶּחֵ אֵלֵי לִקְרָא דְרוֹר אָישׁ לְאָחָיו וְאַישׁ לְרֵעֵהוּ הִנְנִי לְרֵא לְכֶם דְּרוֹר נְאָם־ יְהוָה אֶל־הַחֶּרֶב אֶל־הַדֶּבֶר וְאֶל־הְרָעְׁב וְנְתַתֵּי אֶתְכֶם (כ׳ לזועה)[ק׳ לְזַעֲוָה] לְכָל מַמִּלְכִוֹת הַאָרֵץ:

שָּׁבֵּׁי יְהוּדְׁה וְשָּׁבֵּי יְרוּשָׁלַם הַפֵּרְסִיםׂ וְהַפַּׁהֲנִּים וְכָל עַם הָאֶבֶץ הָעַּבְרִים בֵּין בִּתַרֵי הָעֵגֶל:

וְנָתַמֵּי אוֹתָם בְּיֵד אִּיְבֵיהֶם וּבְיֵד מְבַקְשֵׁי נַפְשָׁם וְהָיְתָה נִבְלָתִם לְמַאֲלֶּל לְעִוֹף הַשָּׁמֵים וּלִבְהַמַת הַאָּרֵץ: Thus saith the LORD, the God of Israel: I made a covenant with your fathers in the day that I brought them forth out of the land of Egypt, out of the house of bondage, saying:

'At the end of seven years ye shall let go every man his brother that is a Hebrew, that hath been sold unto thee, and hath served thee six years, thou shalt let him go free from thee'; but your fathers hearkened not unto Me, neither inclined their ear.

And ye were now turned, and had done that which is right in Mine eyes, in proclaiming liberty every man to his neighbour; and ye had made a covenant before Me in the house whereon My name is called;

but ye turned and profaned My name, and caused every man his servant, and every man his handmaid, whom ye had let go free at their pleasure, to return; and ye brought them into subjection, to be unto you for servants and for handmaids.

Therefore thus saith the LORD: Ye have not hearkened unto Me, to proclaim liberty, every man to his brother, and every man to his neighbour; behold, I proclaim for you a liberty, saith the LORD, unto the sword, unto the pestilence, and unto the famine; and I will make you a horror unto all the kingdoms of the earth.

And I will give the men that have transgressed My
covenant, that have not performed the words of the
covenant which they made before Me, when they cut
the calf in twain and passed between the parts thereof;

the princes of Judah, and the princes of Jerusalem, the officers, and the priests, and all the people of the land, that passed between the parts of the calf;.

I will even give them into the hand of their enemies, and into the hand of them that seek their life; and their dead bodies shall be for food unto the fowls of the heaven, and to the beasts of the earth. וְאֶת־צִּדְקּיָּהוּ מֶּלֶדְ־יְהוּדָׁה וְאֶת־שָּׂרָיוּ אֶתֵּן בְּיַד אִיְבִיהֶם וּבְיִד מְבַקְשֵׁי נִפְּשָׁם וּבִיַּד חֵיל מֵלֵדְ בָּבֵּל הַעֹּלִים מֵעֵלִיכֵם:

הְגָנִי מְצַנֵּה נְאֶם־יְהֹוָה וַהֲשָּׁבֹתִּים אֶל־ הָעֶיר הַזּאֹת וְנִלְחֲמָוּ עָלֶיהְ וּלְכָדִּוּהְ וּשְּׁרָפָּהָ בָאֵשׁ וְאֶת־עָרֵי יְהוּדְרָה אֶתֵּן שְׁמָמָה מֵאֵין ישב: (פ)

ַכָּה אָמַר יְהוָּה אָם־לְא בְרִיתִּי יוֹמֶם וָלָיֶלָה חֶקֶּוֹת שָׁמַיִם וָאָרֶץ לֹא־שֶׂמְתִּי:

נִם־זֶרֵע יַצְקוֹב וְדְוָד עַבְדִּי אֶמְאַׁס מִקּחַת מִזּרְעוֹ מְשְׁלִים אֶל־זֶרַע אַבְרָהָם יִשְׁחָק וְיַצְלָב כִּי־(כ׳ אשוב)[ק׳ אָשִׁיב] אֶת־ שְבוּתָם וְרְחַמְתִּים: (פּ) And Zedekiah king of Judah and his princes will I give into the hand of their enemies, and into the hand of them that seek their life, and into the hand of the king of Babylon's army, that are gone up from you.

Behold, I will command, saith the LORD, and cause them to return to this city; and they shall fight against it, and take it, and burn it with fire; and I will make the cities of Judah a desolation, without inhabitant.

Thus saith the LORD: If My covenant be not with day and night, if I have not appointed the ordinances of heaven and earth;

then will I also cast away the seed of Jacob, and of David My servant, so that I will not take of his seed to be rulers over the seed of Abraham, Isaac, and Jacob; for I will cause their captivity to return, and will have compassion on them.'

הפטרת תרומה

The Haftarah is I Kings 5:26 – 6:13. On Shabbat Shekalim, Maftir is Exodus 30:11 – 16, and the Haftarah is the special Haftarah on page 238. When Shabbat Shekalim is Rosh Ḥodesh, read as before but combine the 6th and 7th aliyot from the parsha, and read the 7th aliya for Shabbat Rosh Ḥodesh on page 233. For Shabbat Zachor the maftir and haftarah are on page 240. On Rosh Ḥodesh that is not Shabbat Shekalim, the Maftir and Haftarah are on page 233.

V:26

וַיהנָה נָתַן חָכְמָה לִשְׁלֹמֹה כַּאֲשֶׁר דִּבֶּר־ לִוֹ וַיְהֵי שָׁלֹם בֵּין חִירָם וּבֵין שְׁלֹמֹה וַיִּכְרְתִּוֹ בְרָית שְׁנֵיהֶם: And the LORD gave Solomon wisdom, as He promised him; and there was peace between Hiram and Solomon; and they two made a league together.

וַיַּעַל הַמֶּלֶךְ שְׁלֹמָה מַס מִכְּל־יִשְׂרָאֵל וַיְהַי הַמַּס שִׁלשִׁים אֱלֶף אִישׁ:

And king Solomon raised a levy out of all Israel; and the levy was thirty thousand men.

נִישְׁלְחֵם לְבָנוֹנְה עֲשֶּׁרֶת אֲלְפִּים בַּחֹבֶשׁ חֲלִיפוֹת חְדֶשׁ יִהְנִיּ בַלְבְנוֹן שְׁנֵיִם חֲדְשִׁים בִּבִיתִוֹ נַאֲדִנִירֵם עַל-הַמֵּס: (ס)

And he sent them to Lebanon, ten thousand a month by courses: a month they were in Lebanon, and two months at home; and Adoniram was over the levy.

וַיְהַי לִשְׁלֹמָה שִׁבְעֵים אֶלֶף נִשֵּׂא סַבְּּל וּשְׁמֹנֵים אֶלֶף חֹצֵב בְּהָר: And Solomon had threescore and ten thousand that bore burdens, and fourscore thousand that were hewers in the mountains;

ֶּלְבֵּר מִשְּׂרֵי הַנִּצְּבֶים לְשְׁלֹמֹה אֲשֶׁר עַל־ הַמְּלָאלָה שְׁלְשֶׁת אֲלְפָּים וּשְׁלֵשׁ מֵאִוֹת הָרֹרֵים בָּעָּם הָעִשִּׁים בַּמְּלָאכֶה: (ס)

besides Solomon's chief officers that were over the work, three thousand and three hundred, who bore rule over the people that wrought in the work.

- וַיְצֵּו הַמֶּּלֶךְ וַיַּפְּעוּ אֲבָנִים גְּדֹלוֹת אֲבָנִים יִקְרָוֹת לִיפֵּד הַבָּיִת אַבְנֵי גַזִית:
- וַיִּפְּסְלֹּוּ בּגֵי שְׁלֹמֶוֹה וּבֹגֵי חִירָוֹם וְהַגִּבְלֻים וַיָּכֶינוּ הָעֵצֵים וְהָאֲבָנִים לִבְנְוֹת הַבֶּיִת: (פּ)
- וּיְהֵי בִשְׁמוֹנֵים שָׁנָה וְאַרְבָּע מֵצְוֹת שָׁנְה לְצֵאת בְּנִי־יִשְּׂרָצֵל מֵאֶרֶץ־מִצְרִים בַּשְּׁנָה הָרְבִישִׁית בְּחָדֶשׁ זִּו הָוּא הַחָּדֶשׁ הַשֵּׁנִי לִמְלֹךְ שְׁלֹמָה עַל־יִשְׂרָאֵל וַיָּבֶן הַבְּיִת ליהוֹה:
- וְהַבַּׁיִת אֲשֶּׁר בְּנְה הַמֶּלֶךְ שְׁלֹמֹה לַיהוְה שִׁשִּים־אַמָּה אָרְכִּוֹ וְעֶשְׁרֵים רְחְבֵּוֹ וּשׁלשִים אמה קומתו:
- וְהָאוּלֶם עַל־פְּנֵי הֵיכֵל הַבַּּיִת עֶשְּׂרֵים אַמְּהֹ אְרְבֹּוֹ עַל־פָּנֵי רַחַב הַבָּיִת עֲשֶׁר בְּאַמֶּה רַחִבְּוֹ עַל־פָּנֵי הַבָּיִת:
 - נַיַעשׁ לַבַּיָת חַלּוֹנֵי שָׁקְפֵּים אֲטוּמֵים:
- נַיַּבֶן עַל־לִּיר הַבָּית (כ׳ יצוע)[ק׳ יָצִיעַ] סָבִיב אֶת־קִירָוֹת הַבַּיִת סָבִּיב לַהֵיכֶל וְלַדְּבֵיר וַיַּעַשׁ צְלָעִוֹת סָבִיב:
- (כ׳ היצוע)[ק׳ הַיָּצִּיעַ] הַתַּחְתּנְה חָמַשׁ בְּאַמָּה רְחְבָּה וְהַתִּיכֹנָה שֵׁשׁ בְּאַמָּה רְחְבָּה וְהַשְּׁלִישִׁית שֶׁבַע בָּאַמָּה רְחְבָּה כִּי מִגְרָעוֹת נָתַן לַבַּיִת סְבִיב חוּצָה לְבִלְתִּי אחז בּקירות-הבית:
- וְהַבַּיִתֹ בְּהִבְּנֹתוֹ אֶבֶן־שְׁלֵמֶה מַפֶּע נִבְנָה וּמֵפְּבָוֹת וְהַגּּרְזֶן כְּל־כְּלֵי בַרְזֶּל לְא־נִשְׁמֵע בַּבַּיִת בְּהִבְּנֹתוֹ:
- שָּׁתַח הַצֵּלֶע הַתִּיכֹנְה אֶל־כֶּתֶף הַבַּיִת הַיְמָנֵית וּבְלוּלִּים יַצְלוּ עַל־הַתִּיכֹנְה וּמִן־ הַתִּיכֹנָה אֵל־הַשָּלִשִׁים:

- And the king commanded, and they quarried great stones, costly stones, to lay the foundation of the house with hewn stone.
- And Solomon's builders and Hiram's builders and the Gebalites did fashion them, and prepared the timber and the stones to build the house.
- And it came to pass in the four hundred and eightieth year after the children of Israel were come out of the land of Egypt, in the fourth year of Solomon's reign over Israel, in the month Ziv, which is the second month, that he began to build the house of the LORD.
- And the house which king Solomon built for the

 LORD, the length thereof was threescore cubits, and
 the breadth thereof twenty cubits, and the height
 thereof thirty cubits.
- And the porch before the atemple of the house,

 twenty cubits was the length thereof, according to
 the breadth of the house; and ten cubits was the
 breadth thereof before the house.
- And for the house he made windows broad within, and narrow without.
- And against the wall of the house he built a side-structure round about, against the walls of the house round about, both of the temple and of bthe sanctuary; and he made side-chambers round about;
- the nethermost story of the side-structure was five cubits broad, and the middle was six cubits broad, and the third was seven cubits broad; for on the outside he made rebatements in the wall of the house round about, that the beams should not have hold in the walls of the house.—
- For the house, when it was in building, was built of stone made ready at the quarry; and there was neither hammer nor axe nor any tool of iron heard in the house, while it was in building.—
- The door for the clowest row of chambers was in the right side of the house and they went up by winding stairs into the middle row, and out of the middle into the third.

נַיֶּבֶן אֶת־הַבָּיִת נַיְכַלֻהוּ נַיִּסְפָּן אֶת־הַבַּיִת גַּבִּים וּשָׁדֵרִת בַּאַרַזִים:

וַיֶּבֶן אֶת־(כ׳ היצוע)[ק׳ הַיָּצִיעַ] עַל־כְּל־ הַבַּיִת חָמֵשׁ אַמִּוֹת קוֹמָתֻוֹ וַיָּאֶחְוֹז אֶת־הַבַּיִת בַּעַצֵי אָרָזִים: (פ)

וַיָהִי דְּבַר־יִהוָּה אֶל־שָׁלֹמָה לֵאמָר:

תַּבָּיִת תַּיָּה אֲשֶׁר־אַתֵּה בֹנָה אִם־תֵּלֶּה בְּחָפְתִי וְשֶׁרָתִּי בְּלֶכֶת בְּתָּם וַהַּמְמֹתֵי אֶת־דְּבִרִי אִּהְדְּ אֲשֶׁר דִּבְּרְתִּי אֶל־דְּבִּדְ אָבִידְ: דְּבָרִי אִהְּדְ אֲשֶׁר דִּבְּרְתִּי אֶל־דְּבִּדְ אָבִידְ: וְשֶׁכַנְתִּי בְּתִּוֹךְ בְּבֵּי יִשְׂרָאֵל וְלֹא אֶעֵזְב אֶת־ עַמֵּי יִשְׂרָאֵל: (פּ) So he built the house, and finished it; and he covered in the house with planks of cedar over beams.

And he built the stories of the side-structure against all the house, each five cubits high; and they rested on the house with timber of cedar.

II And the word of the LORD came to Solomon, saying:

'As for this house which thou art building, if thou wilt walk in My statutes, and execute Mine ordinances, and keep all My commandments to walk in them; then will I establish My word with thee, which I spoke unto David thy father;

in that I will dwell therein among the children of Israel, and will not forsake My people Israel.'

הפטרת תצוה

The Haftarah is Ezekiel 43:10 - 43:27. For Shabbat Zachor the maftir and haftarah are on page 240.

אַתְּה בֶן־אָדָם הַגֵּד אֶת־בֵּית־יִשְׂרָאֵלֹ אֶת־ הַבַּיִת וְיִכְּלְמִוּ מֵעֲוֹנְוֹתֵיהֶם וּמְדְדְוּ אֶת־ תכנית:

וְאֶם־נִכְלְמוּ מִכָּל אֲשֶׁר־עָשׁׁוּ צוּרַת הַבַּית וּתְכוּנְתוֹ וּמוֹצְאָיו וּמוֹבָאָיו וְכְל־צוּרֹתָו וְאֵת כְּל־חָּפֹתִיו וְכָל־צׁוּרֹתָו וְכָל־הְּוֹרֹתְוֹ הוֹדֵע אוֹתָם וּכְתָב לְעֵינֵיהֶם וְיִשְׁמְרוּ אֶת־ כַּל־צוּרַתֵּו וְאֵת־כַּל-חָפֹתֵיו וְעַשִּׁוּ אוֹתָם:

זָאת תּוֹרַת הַבָּיִת עַל־רַאשׁ הְּהָּר כְּל־ גְּכָלוֹ סָבֵיב וּ סָבִיב לֵּדֶשׁ קְדָשִׁים הִנֵּה־ זָאת תּוֹרַת הַבָּיִת:

וְאֵלֶה מִדְּוֹת הַמִּזְבֵּחֵ בָּאַמִּוֹת אַמָּה אַמָּה אַמָּה נָמָפַח וְחֵיק הָאַמָּה וְאַמָּה־רֹחַב וּגְבוּלְה אֶל־שְּׁפְתָה סְבִיב זֶרֱת הָאֶחָׁד וְזֶה גַּב הַמִּזְבֵּחַ: Thou, son of man, show the house to the house of Israel, that they may be ashamed of their iniquities; and let them measure accurately.

And if they be ashamed of all that they have done, make known unto them the form of the house, and the fashion thereof, and the goings out thereof, and the comings in thereof, and all the forms thereof, and all the ordinances thereof, and all the forms thereof, and all the laws thereof, and write it in their sight; that they may keep the whole form thereof, and all the ordinances thereof, and do them.

This is the law of the house: upon the top of the mountain the whole limit thereof round about shall be most holy. Behold, this is the law of the house.

And these are the measures of the altar by cubits—the cubit is a cubit and a handbreadth: the bottom shall be a cubit, and the breadth a cubit, and the border thereof by the edge thereof round about a span; and this shall be the base of the altar.

- יּמֵחֵׁיק הָאָּבֶץ עַד־הָעֲזְרֶה הַתַּחְתּוֹנְה' שְׁתַּיִם אַמֹּוֹת וְרָחַב אַמָּה אֶחָת יּמִהְעַזְרָה הַקְּשַנְּה עַד־הָעֲזָרָה הַגְּדוֹלְה אַרְבַּע אַמּוֹת וִרָּחַב הַאָּמֵּה:
- וְהַהַרְאֵל אַרְבַּע אַמְּוֹת (כ׳ ומהאראיל)[ק׳ וּמֵהָאֲרִיאַל] וּלְמַּעְלָה הַקּרָנְוֹת אַרִבַּע:
- (כ׳ והאראיל)[ק׳ וְהָאֲרִיאֵׁל] שְׁתֵּים עֶשְׂרֵה אֶרֶךְ בִּשְׁתֵּים עֶשְׂרֵה רְחַב רְבֿוּעַ אֵל אַרִבָּעַת רְבָעֵיו:
- וְהָצֵזֶרֶה אַרְבָּע עֶשְׂרֵה אֹרֶךּ בְּאַרְבַּע טֶבִּיב אוֹתָה חֲצֵי הָאַמָּה וְהַחֵיק־לֶה אַמָּה סָבִיב אוֹתָה חֲצֵי הָאַמָּה וְהַחֵיק־לֶה אַמָּה סָבִיב וּמַצֵלֹתָהוּ פִּנְוֹת קָדִים:
- וַיַּאמֶר אֵלֵי בֶּן־אָדִם ׁ כְּה אָמַר אֲדְנְי יֶהוֹּה אֲלֶה חֶקּוֹת הַמִּזְבֵּח בְּיִוֹם הַעְשׁוֹתְוֹ לִהַעֵּלִוֹת עָלָיוֹ עוֹלָה וְלִזְרָק עָלָיו דֵּם:
- וְנָתַתָּה אֶל־הַכּּהָנִים הַלְוֹיִּם אֲשֶׁר הֵם מִנֶּרַע צְדֹּוֹק הַקְּרֹבֵים אֵלֵי נְאֶם אֲדֹנֵי וֶהוֹוָה לִשַּׁרָתֵנִי פָּר בִּן־בָּקֵר לִחַפָּאת:
- וְלָקַחְתָּ מִדָּמֹוֹ וְנָּתַתְּה עַל־אַרְבַּע קַרְנֹתִיוֹ וְאֶל־אַרְבַּעֹ פִּנִּוֹת הָעַזָּרָה וְאֶל־הַנְּכִּוּל סַבִיב וָחָשֵאתַ אוֹתוֹ וִכְפַּרְתַּהוּ:
- ַבַּבָּיִת מִחָּוּץ לַמִּלְדָּש: וְלָּלֵחִהְּ אֵת הַפָּּר הַחַּמָאת וּשִּׂרָפוֹ בִּמִפְּקַד
- וּכַיּוֹם הַשֵּׁנִּי תַּקְרֶיב שְּׁעִיר־עִּגִּים תְּאָים לְחַשָּׁאַת וְחִשְּאוּ אֶת־הַמִּוְבֶּחַ כַּאֲשֶׁר חִשְּאִוּ בַּפַּר:
- פַּמִּים וַאַיִל מִדַּמֵּא תַּקְרִיב' פַּר בּן־בָּקֵר הַמִּים וַאַיִל מִן־הַצִּאן תָּמֵים:
- וְהִקְּרַבְּהָם לִּבְּנֵי יְהֹנְהַ וְהִשְׁלִּיכוּ הַכּּהְנִים עַלִיהֵם מֵׁלַח וְהַעֵּלוּ אוֹתָם עֹלָה לִיהוַה:

- And from the bottom upon the ground to the lower settle shall be two cubits, and the breadth one cubit; and from the lesser settle to the greater settle shall be four cubits, and the breadth a cubit.
- And the hearth shall be four cubits; and from the hearth and upward there shall be four horns.
- And the hearth shall be twelve cubits long by twelve broad, square in the four sides thereof.
- And the settle shall be fourteen cubits long by
 fourteen broad in the four sides thereof; and the
 border about it shall be half a cubit; and the bottom
 thereof shall be a cubit about; and the steps thereof
 shall look toward the east.'
- And He said unto me: 'Son of man, thus saith the
 Lord God: These are the ordinances of the altar in
 the day when they shall make it, to offer
 burnt-offerings thereon, and to dash blood against it.
- Thou shalt give to the priests the Levites that are of the seed of Zadok, who are near unto Me, to minister unto Me, saith the Lord God, a young bullock for a sin-offering.
- And thou shalt take of the blood thereof, and put it on the four horns of it, and on the four corners of the settle, and upon the border round about; thus shalt thou purify it and make atonement for it.
- Thou shalt also take the bullock of the sin-offering, and it shall be burnt in the appointed place of the house, without the sanctuary.
- And on the second day thou shalt offer a he-goat without blemish for a sin-offering; and they shall purify the altar, as they did purify it with the bullock.
- When thou hast made an end of purifying it, thou shalt offer a young bullock without blemish, and a ram out of the flock without blemish.
- And thou shalt present them before the LORD, and the priests shall cast salt upon them, and they shall offer them up for a burnt-offering unto the LORD.

- שָׁבְעַת יָלִּים תַּעֲשֶׁה שְׁעִיר־חַשָּאת לַיֻּוֹם יּפֵּר בֶּן־בָּקֶר וְאָיִל מִן־הַצִּאוֹ תְּמִימִים יעשׁוּ:
- שָׁבְעַת יָמִים יְכַפְּרוּ אֶת־הַמִּזְבֵּה וְמִהְרִוּ אֹתוֹ וּמִלאוּ יַדַו:
- וֵיכַלּוּ אֶת־הַיָּמֶים (ס) וְהָיָהֹ בַּיּוֹם הַשְּׁמִינִּי וְהָּלְאָה יַצְשׁׁוּ הַכּּהְנֵים עַל־ הַמִּזְבֵּׁחַ אֶת־עוֹלְוֹתִיכֶם וְאֶת־שַׁלְמִיכֶּם וְרָצֵאתִי אֶתְכָּם נְאָם אֲדֹנֵי יֶהוָה: (ס)
- Seven days shalt thou prepare every day a goat for a sin-offering; they shall also prepare a young bullock, and a ram out of the flock, without blemish.
- Seven days shall they make atonement for the altar and cleanse it; so shall they consecrate it.
- And when they have accomplished the days, it shall be that upon the eighth day, and forward, the priests shall make your burnt-offerings upon the altar, and your peace-offerings; and I will accept you, saith the Lord GoD.

הפטרת כי תשא

The Haftarah is I Kings 18:1 – 18:39. On Shabbat Parah, read Maftir and Haftarah on page 244.

וַיְהֵי יָמֵים רַבִּּים וּדְבַר־יְהוֹּה הָיָה אֶל־אֵקּ אֵל־אַחְאָב וְאֶהְנָה הַשְּׁלִישִׁית לֵאמֵר לֵדְ הַרָאֵה אֵל־אַחְאָב וְאֶהְנָה מָטָר עַל־פְּנֵי הָאָדְמָה:

- וַנֵּלֶךְ אֵלְיָּהוּ לְהֵרָאִוֹת אֶל־אַחְאָב וְהָרְעֶב חַזָּק בּשׁמרוֹן:
- נִיּקְרָא אַחְאָב אֶל־עֹבִדְיָהוּ אֲשֶׁר עַל־ הַבָּיִת וְעֹבַדְיַהוּ הַנָה יָהֵא אָת־יִהוֹה מִאָּד:
- וְיָהִי בְּהַכְרֵית אִי זֶּבֶל אֵת נְבִיאֵי יְהוְּהְ וַיִּלֵּח עֹבַדְיָהוּ מֵאָה נְבִיאִים וַיַּחְבִּיאֵם חַמִּשִּׁים אִישׁ בַּמִּעַרָה וָכִלְכָּלָם לַחֵם וַמֵּים:
- וַיָּאמֶר אַחְאָב אֶל־עַּבִּדְיָּהוּ לֵךְ בָּאָרֶץ אֶל־ בָּל־מַעְיָנֵי הַמַּׁיִם וְאֶל כְּל־הַנְּחָלֵים אוּלַיו נִמְצֵא חָצִיר וּנְחַיֶּה סַוּס וָפֶּׁרֶד וְלְוֹא נַכְרֵית מֵהַבְּהֵמֶה:
- נְיָחַלְּקוּ לָהֶם אֶת־הָאֶבֶץ לַעֲבֶר־בָּה אַחְאָב הָלַךְ בְּדֶרֶךְ אֶחָד לְבַדּוֹ וְעֹבַדְיָהוּ הַלֵּךְ בִּדֵרֶךְ־אֶחָד לִבַּדּוֹ:

And it came to pass after many days, that the word of the LORD came to Elijah, in the third year, saying:

'Go, show thyself unto Ahab, and I will send rain upon the land.'

- And Elijah went to show himself unto Ahab. And the famine was sore in Samaria.
- And Ahab called Obadiah, who was over the household.—Now Obadiah feared the LORD greatly;
- for it was so, when Jezebel cut off the prophets of the

 LORD, that Obadiah took a hundred prophets, and
 hid them fifty in a cave, and fed them with bread and
 water.—
- And Ahab said unto Obadiah: 'Go through the land, unto all the springs of water, and unto all the brooks; peradventure we may find grass and save the horses and mules alive, that we lose not all the beasts.'
- So they divided the land between them to pass throughout it: Ahab went one way by himself, and Obadiah went another way by himself.

- וַיְהֵי עִּבַדְיָהוּ בַּדֶּׁרֶךְ וְהִנֵּה אֵלְיָהוּ לִקְרָאתֻוֹ וַיַּכְּרֵהוּ וַיִּפְּל עַל־פָּנְיוּ וַיִּאמֶר הַאָּתָה זָה אֲדֹנִי אַלְיֵהוּ:
- ניָאמֶר לוֹ אָנִי לֵךְ אֶלִיר לַאדֹנֶיף הִנְּה אַליַהוּ:
- ניָאמֶר מֶה חָטָאתִי בִּי־אַתָּׁה נֹתַן אֶת־ עַבִּדּדָּ בִּיָד־אַחָאָב לַהַמִיתִנִי:
- תַיּן יְהֹנָה אֱלֹהָיךּ אִם־יֶשׁ־גְּוֹי וּמַמְלֶכָה אֲשֶׁר לֹא־שָׁלַח אֲדֹנִי שָׁם לְבַקּשְׁךּ וְאָמְרָה אָיִן וְהִשְׁבָּיעַ אֶת־הַמַּמְלָכָה וְאֶת־הַגּּוֹי כִּי לָא יִמִצְאֵכָּה:
- וְעַהָּה אַתָּה אֹמֵר לֵך אֱמָּר לַאדֹנֶיף הִנָּה אֵלְיֵהוּ:
- וְהָיֶּה אֲנֵיו אֵלֵך מֵאִתָּך וְרֹּוּחַ יְהֹנֶת וּ יְשְּׁאֲךׁ וְלֹא יְמְצִאָך וַהַרָגָנִי וְעַבְדְּךָּ יָתֵא אֶת־יְהֹנֶת מִנְּעָרֵי:
- הַלְא־הָגָּד לַאדֹנִי אַת אֲשֶׁר־עָשִּׁיתִי בְּהַרָג אִיזֶבֶל אָת נְבִיאֵי יְהֹוָה נָאַחְבָּא מִנְּבִיאֵׁי יְהֹנָה מֵאָה אִישׁ חַמִשִּׁים חַמִשִּׁים אִישׁ בּמערה ואכלכּלם לחם ומים:
- וְעַמְּה אַתָּה אֹמֵּר לֵךְ אֶמְר לַאדֹנֶיךְ הִנָּה אֵלִיָּהוּ וַהַרְגָנִי: (ס)
- ניאמֶר' אָלֹּיֶּהוּ חַי יְהֹנָה צְּבָאוֹת אֲשֶׁר עַמַדְתִּי לִפָּנִיו כֵּי הַיִּוֹם אָרַאֵה אָלֵיו:
- נַיֵּלֶךְ עַּבְדְיָהוּ לִקְרַאת אַחְאָב נַיַּגֶּד־לְוֹ נַיֵּלֶךְ אַחְאָב לִקְרַאת אַלִּיָהוּ:
- נוְהֶי כִּרְאָוֹת אַחְאָב אֶת־אֵלִיְהֵוּ ניָאׁמֶר אַחָאָב אֵלִיו הַאַתָּה זָה עֹבֵר יִשְׂרָאֵל:

- And as Obadiah was in the way, behold, Elijah met him; and he knew him, and fell on his face, and said: 'Is it thou, my lord Elijah?'
- And he answered him: 'It is I; go, tell thy lord: Behold, Elijah is here.'
- And he said: 'Wherein have I sinned, that thou wouldest deliver thy servant into the hand of Ahab, to slay me?
- As the LORD thy God liveth, there is no nation or kingdom, whither my lord hath not sent to seek thee; and when they said: He is not here, he took an oath of the kingdom and nation, that they found thee not.
- And now thou sayest: Go, tell thy lord: Behold, Elijah is here.
- And it will come to pass, as soon as I am gone from thee, that the spirit of the LORD will carry thee whither I know not; and so when I come and tell Ahab, and he cannot find thee, he will slay me; but I thy servant fear the LORD from my youth.
- Was it not told my lord what I did when Jezebel slew the prophets of the LORD, how I hid a hundred men of the LORD'S prophets by fifty in a cave, and fed them with bread and water?
- And now thou sayest: Go, tell thy lord: Behold, Elijah is here; and he will slay me.'
- And Elijah said: 'As the LORD of hosts liveth, before whom I stand, I will surely show myself unto him to-day.'
- So Obadiah went to meet Ahab, and told him; and Ahab went to meet Elijah.
- And it came to pass, when Ahab saw Elijah, that Ahab said unto him: 'Is it thou, thou troubler of Israel?'

וַיֹּאמֶר לְאׁ עָכַרְתִּי אֶת־יִשְּׂרָאֵׁל כֵּי אִם־ אַתָּה וּבֵית אָבֵיךּ בַּעְזְבְכֶם אֶת־מִצְּוָת יְהוְּה וַתֵּלֵד אַחֵרֵי הַבָּעָלִים:

וְעַהָּה שְׁלַח קְבָץ אֵלֵי אֶת־כְּל־יִשְּׁרָאֵל אֶל־תַר הַכַּרְמֶל וְאֶת־נְבִיאֵׁי הַבְּעַל אַרְבַּע מַאֲוֹת וַחֲמִשִּׁים וּנְבִיאֵי הָאֲשֵׁרָה אַרְבַּע מֵאוֹת אֹכְלֵי שָׁלְחַן אִיזֶבֶל:

וַיִּשְׁלַח אַחָאָב בְּכְל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל וַיִּקְבְּץ אֶת־הַנָּכִיאִים אֶל־הֵר הַכַּרְמֶל:

נִיּגַּשׁ אֵלְיָּהוּ אֶל־כְּל־הָעָם נַיּאׁמֶר עַד־ מָתִּי אַתֶּם פּּסְחִים עַל־שָׁתֵּי הַסְּעִפִּים אִם־ יְהֹוָה הָאֱלֹהִים לְכָוּ אַחֲלָיו וְאִם־הַבָּעַל לְכִוּ אַחֲרֵיו וְלֹא־עַנִּוּ הַעֲם אֹתוֹ דֵּבֵר:

וַיָּאמֶר אֵלִּיָּהוּ אֶל־הָעָם אֲנִי נוֹתַּרְתִּי נְבֶיא לַיהוָה לְבַהֵּי וּנְבִיאֵי הַבַּעַל אַרְבַע־מֵאְוֹת וַחֲמִשִּים אֵישׁ:

וְיִתְנוּ־לָנוּ שְׁנַיִם פָּרִים וְיִבְחֲרַוּ לָהֶם הַפָּר הָאֶחָד וִינַתְּחָהוּ וְיָשִּׁימוּ עַל־הָעֵצִּים וְאֵשׁ לַא יָשִׁימוּ וַאֲנִי אָעֶשָּהוּ אֶת־הַפָּר הָאֶחָׁד וְנֵתַתִּי עַל־הָעַצִּים וְאֵשׁ לֹא אָשִׁים:

וּקְרָאכֶּם בְּשֵׁם אֶלֹהֵיכֶּם וַאָּנִי אֶקְרָא בְשֵׁם יְהֹנָה וְהָיָהַ הָאֶלֹהֵים אֲשֶׁר־יַנְעָנֶה בָאֵשׁ הַוּא הָאֶלֹהִים וַיִּעַן כְּל־הָעֶם וַיּאמְרִוּ מְוֹב הַדָּבֶר:

וַיּאמֶר אֵלּיָהוּ לִנְבִיאֵי הַבַּעַל בַּחֲרוּ לְכֶּם הַפֶּר הָאֶחָד וַעֲשָוּ רִאשׁנְּה כִּי אַתֶּם הָרַבִּים וַקָּרָאוֹ בָשֵׁם אֵלהֵיכָּם וָאֲשׁ לֹא תַשִּׁימוּ:

נֵיּקְחוּ אֶת־הַפָּּרְ אֲשֶׁר־נְתַן לְהֶם וַיִּצְשׁוֹּ נִיּקְרְאַוּ בְשֵּם־הַבַּעַל מֵהַבּּקֶר וְעַד־ הַצְּהֲרָיִם לֵאמֹר הַבָּעַל עֲנֵנוּ וְאֵין קוֹל וָאֵין עֹנָה וַיִּפְּסָחׁוּ עַל־הַמָּזְבֵּחַ אֲשֵׁר עַשֵּׁה: And be answered: 'I have not troubled Israel; but
thou, and thy father's house, in that ye have forsaken
the commandments of the LORD, and thou hast
followed the Baalim.

Now therefore send, and gather to me all Israel unto mount Carmel, and the prophets of Baal four hundred and fifty, and the prophets of the Asherah four hundred, that eat at Jezebel's table.'

20 And Ahab sent unto all the children of Israel, and gathered the prophets together unto mount Carmel.

And Elijah came near unto all the people, and said:
'How long halt ye between two opinions? if the LORD
be God, follow Him; but if Baal, follow him.' And
the people answered him not a word.

Then said Elijah unto the people: 'I, even I only, am left a prophet of the LORD; but Baal's prophets are four hundred and fifty men.

Let them therefore give us two bullocks; and let them choose one bullock for themselves, and cut it in pieces, and lay it on the wood, and put no fire under; and I will dress the other bullock, and lay it on the wood, and put no fire under.

And call ye on the name of your god, and I will call
on the name of the LORD; and the God that
answereth by fire, let him be God.' And all the people
answered and said: 'It is well spoken.'

And Elijah said unto the prophets of Baal: 'Choose you one bullock for yourselves, and dress it first; for ye are many; and call on the name of your god, but put no fire under.'

And they took the bullock which was given them,
and they dressed it, and called on the name of Baal
from morning even until noon, saying: 'O Baal,
answer us.' But there was no voice, nor any that
answered. And they danced in halting wise about the
altar which was made.

- נְיָהִי בַצְּהֲרַיִם נַיְהַתֵּל בָּהֶם אֵלּיָּהוּ נַיּאׁמֶּר מַרְאָוּ בְּסִוֹל־נְּדוֹל בִּי־אֱלֹהִים הׁוּא בִּי שִִּיחַ וְכִי־שֵּׁיג לִוֹ וְכִי־דֶּרֶךְ לֵוֹ אוּלֵי יָשֵׁן הָוּא וִיָּמִץ:
- נִיּקְרְאוּ בְּקוֹל גִּדְוֹל נַיִּתְגִּדְדוּ בְּקִשְׁפְּשְׁם בַּחֲרָבְוֹת וּבָרְמָחֵים עַד־שְׁפְּךְ־דֶּם עַלֵיהֵם:
- וַיְהִי כַּעֲבָּר הַצְּהֲרַיִם וַיִּתְנַבְּאוּ עַד לַעֲלָוֹת הַמִּנְחָה וְאֵין־קִּוֹל וְאֵין־עֹנֶה וְאֵין הֶשֶׁב:
- וַיּאֹמֶר אֵלְיֶהוּ לְכְל־הָעָם גְּשֵׁוּ אֵלֵי וַיִּגְּשְׁוּ כְל־הָעָם אֵלְיו וַיְרַפֵּא אֶת־מִזְבַּח יְהֹוָה הַהַרִּוֹּס:
- וַיִּקַּח אֵלּיָּהוּ שְׁתֵּים עָשְׂרֵה אֲבָנִּים כְּמִסְפֵּּר שִׁבְטֵי בְנֵי־יַעֲלֶב אֲשֶׁר הָיָה דְבַר־יְהוָֹה אֵלֵיוֹ לֵאמֹר יִשְׂרָאֵל יַהְיָה שְׁמֵּדִּ:
- וַיִּבְנֶה אֶת־הָאָבְנִים מִזְבֵּחַ בְּשֵׁם יְהוֶֹה וַיַּעֲשׁ תִּעַלָּה כָּבִית סָאתִים זָרִע סָבִיב לִמִזבֵּח:
- וַיַּעֶרְדְ אֶת־הָעֵצִים וַיְנַתַּחֹ אֶת־הַפָּּר וַיָּשֶׂם עַל־הַעַצִים:
- נִיּאמֶר מִלְאוּ אַרְבָּעֲה כַדִּים מַּיִם וְיִצְקוּ עַל־הָעֹלֶה וְעַל־הָעֵצִים נִיְּאמֶר שְׁנוּ וַיִּשְׁנֹּוּ נִיָּאמֶר שַׁלֵשׁוּ נִיִשַׁלֵשׁוּ:
- נֵיֵלְכֵוּ הַפַּּׁיִם סְבֶיב לַמִּזְבֵּחַ וְגִם אֶת־ הַתִּעָלָה מִלֵּא־מֶיִם:
- נִיְהֵיוּ בַּעֲלְוֹת הַמָּנְחָּה נִיּנְּשׁ אֵלְיָהוּ הַנְּבִיא״ נִיאמֵר יְהנָה אֱלֹהֵי אַבְרָהָם יִּצְחָק וְיִשְּׂרָאֵל וַאֲנֵי עַבְהֶּךְ (כ׳ ובדבריך)[ק׳ וּבִדְבָרְךָּן עָשִּׁיתִי אֵת כְּל־הַדְּבָּרִים וּבִדְבָרְךָּן עָשִּׁיתִי אֵת כְּל־הַדְּבָרִים האלה:

- And it came to pass at noon, that Elijah mocked them, and said: 'Cry aloud; for he is a god; either he is musing, or he is gone aside, or he is in a journey, or peradventure he sleepeth, and must be awaked.'
- And they cried aloud, and cut themselves after their manner with swords and lances, till the blood gushed out upon them.
- And it was so, when midday was past, that they
 prophesied until the time of the offering of the
 evening offering; but their was neither voice, nor any
 to answer, nor any that regarded.
- And Elijah said unto all the people: 'Come near unto me'; and all the people came near unto him. And he repaired the altar of the LORD that was thrown down.
- And Elijah took twelve stones, according to the number of the tribes of the sons of Jacob, unto whom the word of the LORD came, saying: 'Israel shall be thy name.'
- And with the stones he built an altar in the name of the LORD; and he made a trench about the altar, as great as would contain two measures of seed.
- And he put the wood in order, and cut the bullock in pieces, and laid it on the wood.
- And he said: 'Fill four jars with water, and pour it on the burnt-offering, and on the wood.' And he said: 'Do it the second time'; and they did it the second time. And he said: 'Do it the third time'; and they did it the third time.
- And the water ran round about the altar; and he filled the trench also with water.
- And it came to pass at the time of the offering of the evening offering, that Elijah the prophet came near, and said: 'O LORD, the God of Abraham, of Isaac, and of Israel, let it be known this day that Thou art God in Israel, and that I am Thy servant, and that I have done all these things at Thy word.

- אָנִי יְהֹוָה שְׁנֵּנִי וְיִדְעוּ הָעֲם הַנֶּּה כִּי־אַתְּה יְהֹוָה הָאֶל הָים וְאַתָּה הַסִּכְּת אֶת־לִבֶּם אַחֹרַנִּית:
- וַתִּפְּל אֵש־יְהוָה וַתָּאכַל אֶת־הָעֹלָה' וְאֶת־ הֵעַצִּים וְאֶת־הָאֲבָנִים וְאֶת־הֶעְפָּר וְאֶת־ המים אשר־בּתעלה לחכה:
- וַיַּרְא' כְּל־הָשָּׁם וַיִּפְּלְוּ עַל־פְּנֵיהֶם וַיַּאמְרוּ יְהנְה' הָוּא הָאֱל'הִים יְהנָה הָוּא הָאֱל'הִים:

- Hear me, O LORD, hear me, that this people may know that Thou, LORD, art God, for Thou didst turn their heart backward.'
- Then the fire of the LORD fell, and consumed the burnt-offering, and the wood, and the stones, and the dust, and licked up the water that was in the trench.
- And when all the people saw it, they fell on their faces; and they said: 'The LORD, He is God; the LORD, He is God.'

הפטרת ויקהל

The Haftarah is I Kings 7:40 –7:50. On Shabbat Shekalim, Maftir is Exodus 30:11 – 16, and the Haftarah is the special Haftarah on page 238. On Shabbat Parah, read Maftir and Haftarah on page 244. On Shabbat HaHodesh, Maftir is Exodus 12:1 – 20, and the Haftarah is on page 248.

וַיַּעַשׂ חִירוֹם אֶּת־הַכִּיּרוֹת וְאֶת־הַיָּעִים וְאֶת־הַמִּזְרָקוֹת וַיְכַל חִירָם לַעֲשׁוֹת אֶת־ כְּל־הַמְּלָאכָה אֲשֶׁר עָשֶׂה לַמֶּלֶךְ שְׁלֹמְה בַּית יָהוָה:

And Hiram made the pots, and the shovels, and the basins. So Hiram made an end of doing all the work that he wrought for king Solomon in the house of the LORD:

- עַמֶּדֵים שְׁנַּיִם וְגָלְַת הַכּּתְרֶת אֲשֶׁר־עַל־ רָאשׁ הָעַמּוּדָים שְׁתְּיִם וְהַשְּׂבְכָוֹת שְׁתַּיִם לְכַפֿוֹת אֶת־שְׁחֵי גָּלָוֹת הַכּּתְרֶת אֲשֶׁר עַל־ רֹאשׁ העמוּדים:
- the two pillars, and the two bowls of the capitals that
 were on the top of the pillars; and the two networks
 to cover the two bowls of the capitals that were on the
 top of the pillars;
- וְאֶת־הָרְמּוֹנֵים אַרְבֵּע מֵאֻוֹת לְשְׁתֵּי הַשְּּבְכָוֹת שְׁנֵי־טוּרִים רְמּנִים לַשְּׁבְּרָה הָאֶחָת לְכַסּוֹת אֶת־שְׁתֵּי נֻּלְּוֹת הַכּּתְרֹת אשר על־פּני העמודים:
- and the four hundred pomegranates for the two
 networks, two rows of pomegranates for each
 network, to cover the two bowls of the capitals that
 were upon the top of the pillars;
- וְאֶת־הַמְּכֹנְוֹת עֲשֶׂר וְאֶת־הַכִּיּלְת עֲשְׂרָה על־המכנוֹת:
- and the ten bases, and the ten lavers on the bases;
- וְאֶת־הַיָּם הָאֶחָד וְאֶת־הַבָּקֵר שְׁנֵים־עְשֶׂר תַּחַת הַיֵּם:
- and the one sea, and the twelve oxen under the sea;
- וְאֶת־הַפִּירוֹת וְאֶת־הַיָּצִים וְאֶת־הַמִּזְרְקּוֹת וְאֵת בְּל־הַכֵּלִים (כ׳ האהל)[ק׳ הָאֵּלֶה] אֲשֶׁר עָשָׂה חִירֶם לַמֶּלֶךְ שְׁלֹמָה בַּיִת יְהוְּאֵ נְחָשֶׁת מְמֹרֵט:
- and the pots, and the shovels, and the basins; even all these vessels, which Hiram made for king Solomon, in the house of the LORD, were of burnished brass.

- בְּכִבֶּר הַיַּרְדֵּן יְצְקֵם הַמֶּׁלֶךְ בְּמַצְבָה הַאָרַמָה בֵּין סִכּוֹת וֹבֵין צַרְתַן:
- וַיַּנַח שְׁלמֹה אֶת־כְּל־הַכֵּלִּים מֵרָב מְאַׁד מִאָּד לְא נִחָקַר מִשְׁקַל הַנָּחְשֵׁת:
- נַיַּעַשׁ שְׁלֹמֹה אָת כְּל־הַכֵּלִים אֲשֶׁר בֵּית יְהֹוָה אֵת מִזְבָּח הַזָּהָב וְאֶת־הַשֶּׁלְחָׁן אֲשֶׁר עַלֵיו לֵחֵם הַפָּנִים זָהָב:
- וְאֶת־הַמְּנֹרוֹת חָמֵשׁ מִיָּמִין וְחָמֵשׁ מִשְּּמָאוּל לִפְגֵי הַדְּבִיר זָהָב סָגִיּר וְהַפֶּּרַח וְהַנֵּרָת וְהַמֶּלְקַחַיִם זָהָב:
- וְהַסְפֿוֹת וְהַמְזַמְרָוֹת וְהַמִּזְרָקֶוֹת וְהַכַּפְּוֹת וְהַמַּחְתִּוֹת זְהָב סְגִּוּר וְהַפֹּתוֹת לְדַלְתוֹת הַבַּיִת הַפְּנִימִי לְלָּדֶשׁ הַמְּדָשִׁים לְדַלְתֵי הַבֵּיִת לַהֵיכֵל זָהַב: (פ)

- In the plain of the Jordan did the king cast them, in the clay ground between Succoth and Zarethan.
- And Solomon left all the vessels unweighed, because they were exceeding many; the weight of the brass could not be found out.
- And Solomon made all the vessels that were in the house of the LORD: the golden altar, and the table whereupon the showbread was, of gold;
- and the candlesticks, five on the right side, and five on the left, before the Sanctuary, of pure gold; and the flowers, and the lamps, and the tongs, of gold;
- and the cups, and the snuffers, and the basins, and the pans, and the fire-pans, of pure gold; and the hinges, both for the doors of the inner house, the most holy place, and for the doors of the house, that is, of the temple, of gold.

הפטרת פקודי

The Haftarah is I Kings 7:51 – 8:21. On Shabbat Shekalim, Maftir is Exodus 30:11 – 16, and the Haftarah is the special Haftarah on page 238. On Shabbat Parah, read Maftir and Haftarah on page 244. On Shabbat HaḤodesh, Maftir is Exodus 12:1 – 20, and the Haftarah is on page 248.

VII:51

VIII:1

וַתִּשְׁלַם בְּל-הַמְּלָאּלָה אֲשֶׁר עָשָׂה הַמֵּלֶךְ שְׁלֹמָה בֵּית יְהוֹּ,ה וַיָּבֵא שְׁלֹמֹה אֶת־קְּרְשֵׁיו דְּנֵד אָבִיו אֶת־הַבֶּּסֶף וְאֶת־הַזְּהָב וְאֶת־ הַבֵּלִים נְתַּן בְּאִצְרְוֹת בֵּית יְהוָֹה: (פּ)

אָז יַקְהַל שָׁלֹמָּה אֶת־זִקְנֵי יִשְּׂרָאֵׁל אֶת־ כְּל־רָאשֵׁי הַמַּטּוֹת נְשִּׁיאֵי הָאָבוֹת לִבְנֵי יִשְּׂרָאֵל אֶל־הַמָּלֶךְ שְׁלֹמָה יְרוּשָׁלְם לְהַעֲלוֹת אֶת־אֲרָוֹן בְּרִית־יְהֹנֶה מֵעִיר דְּיָד הִיא צִיְּוֹן:

יַּיּלְהַלוּ אֶל־הַמֶּלֶךְ שְׁלֹמֹה בְּל־אַישׁ יִשְׂרָאֵל בְּיֶרַח הָאֵתְנִים בֶּחָג הָוּא הַחְּדֶשׁ השביעי: Thus all the work that king Solomon wrought in the house of the LORD was finished. And Solomon brought in the things which David his father had dedicated, the silver, and the gold, and the vessels, and put them in the treasuries of the house of the LORD.

Then Solomon assembled the elders of Israel, and all the heads of the tribes, the princes of the fathers' houses of the children of Israel, unto king Solomon in Jerusalem, to bring up the ark of the covenant of the LORD out of the city of David, which is Zion.

And all the men of Israel assembled themselves unto king Solomon at the feast, in the month Ethanim, which is the seventh month.

- וַיָּבֿאוּ כָּל זִקְנֵי יִשְּׂרָאֵל וַיִּשְׂאָוּ הַכּּהָנִים אָת־הַאָּרָוֹן:
- וַיַּצְלוֹּ אֶת־אָרָוֹן יְהוָהֹ וְאֶת־אַהֶל מוֹעֵׁד וְאֶת־כְּל־כְּלֵי הַקְּדֶשׁ אֲשֶׁר בְּאֵהֶל וַיִּצְלְוּ אֹתָם הַכּּהָנִים וְהַלִּוִיָּם:
- וְהַפֶּוֹלֶהְ שְׁלֹמֹה וְכְל-שֲנֻת יִשְּׂרָאֵל' צַאֹן וּבָלֶּר אֲשֶׁר לְאֹ־יִסְּפְרָוּ וְלְאׁ יִמְּנִּי מרב:
- נַיָּבָאוּ הַפֹּהַנִּים אֶת־אֲרוֹן בְּרִית־יְהוְהָ אֶל־מְּקוֹמֶוֹ אֶל־דְּבִיר הַבַּיִת אֶל־קַּדֶשׁ הַקֵּרְשִׁים אֶל-תַּחַת כַּנְפֵי הַכְּרוּבִים:
- כֵּי הַכְּרוּבִים בּרְשֵּׁים כְּנָפַּיִם אֶל־מְקוֹם הָאָרֵוֹן וַיָּסְכּוּ הַכְּרָבֵים עַל־הָאָרְוֹן וְעַל־ בדיו מלמעלה:
- וַיַּצְהָרֹכוּ הַבַּדִּים נַיֵּרָאוּ רָאשׁׁי הַבַּדִּים מִן־ הַלֶּדֶשׁ עַל־פְּגֵי הַדְּבִּיר וְלָא יֵרָאִוּ הַחְוּצְה ויהוי שׁם עד היוֹם הזה:
- אֵין בָּאָרוֹן רַק שְׁנֵי לֶחַוֹת הָאָבְנִּים אֲשֶּׁר הִנָּחַ שָׁם מֹשֶׁה בְּחֹרֵב אֲשֶׁר כְּרַת יְהֹוָה עם־בָּנֵי יִשְׁרָאֵׁל בִּצֵאתָם מֵאֵרֵץ מִצְרֵים:
- נִיְהֵּי בְּצֵאת הַכֹּהֲנִים מִן־הַקְּדֶשׁ וְהֶעְנֵן מְלָא אֶת־בֵּית יְהֹוָה:
- וְלֹא־יָכְלַוּ הַכּּהֲנִים לַעֲמָד לְשָׁרֵת מִפְּנֵי הֶעָנָן כִּי־מְלֵא כְבוֹד־יְהוָה אֶת־בֵּית יִהוָה: (פ)
- אָז אָמַר שְׁלֹמָה יְהוָה אָמַׁר לִשְׁכָּן בְּעֲרָפֵּל:
- בָּנְה בָנֵיתִי בֵּית זְבֶל לֶךְ מָכְוֹן לְשִׁבְתְּהְ עוֹלְמֵים:
- נַיַּפֶּב הַמֶּלֶךְ אֶת־פָּנִּיו נַיְבֶּרֶךְ אֵת כְּל־קְהַל יִשִּׁרָאֵל וְכַל־קַהַל יִשִּׁרָאֵל עֹמֵד:

- And all the elders of Israel came, and the priests took up the ark.
- And they brought up the ark of the LORD, and the tent of meeting, and all the holy vessels that were in the Tent; even these did the priests and the Levites bring up.
- And king Solomon and all the congregation of Israel, that were assembled unto him, were with him before the ark, sacrificing sheep and oxen, that could not be told nor numbered for multitude.
- And the priests brought in the ark of the covenant of the LORD unto its place, into the Sanctuary of the house, to the most holy place, even under the wings of the cherubim.
- For the cherubim spread forth their wings over the place of the ark, and the cherubim covered the ark and the staves thereof above.
- And the staves were so long that the ends of the staves

 8 were seen from the holy place, even before the
 Sanctuary; but they could not be seen without; and
 there they are unto this day.
- There was nothing in the ark save the two tables of stone which Moses put there at Horeb, when the LORD made a covenant with the children of Israel when they came out of the land of Egypt.
- And it came to pass, when the priests were come out of the holy place, that the cloud filled the house of the LORD,
 - so that the priests could not stand to minister by reason of the cloud; for the glory of the LORD filled the house of the LORD.
- Then spoke Solomon: The LORD hath said that He would dwell in the thick darkness.
- I have surely built Thee a house of habitation, A place for Thee to dwell in for ever.
- And the king turned his face about, and blessed all the congregation of Israel; and all the congregation of Israel stood.

- וַיּאמֶר בָּרָיּדְּ יְהוָת אֱלֹהֵי יִשְּׂרָאֵׁל אֲשֶׁר דְּבֶּר בְּפִּיו אֵת דְּוַד אָבֵי וּבְיָדְוֹ מִלֵּא לַאמָר:
- מִן־הַיּוֹם אֲשֶּׁר הוֹצֵאתִי אֶת־עַמֵּי אֶת־ יִשְּׂרָאֵל מִמִּצְרֵּיִם לְאֹ־בְתַּרְתִּי בְעִּיר מִכּּל שִׁבְמֵי יִשְׂרָאֵל לִבְנַוֹת בַּיִת לִהְיִוֹת שְׁמִי שְׁם וָאֶבְתַר בְּדָּוֹד לִהְיִוֹת עַל־עַמִּי יִשְׂרָאֵל:
- נִיְהָי עִם־לְבָב דְּנֵד אָבֵי לִבְנַוֹת בַּׁיִת לְשֵׁם יָהוֹה אַלֹהֵי יִשֹׂרָאֵל:
- וַיָּאמֶר יְהנָה אֶל־דָּוֵד אָבִּׁי יַעַן אֲשֶׁר הָיָה עם־לְבָבְךּ לִבְנִוֹת בַּיִת לִשְׁמֵי הֲטִיבֹת כִּי הָיָה עִם־לִבָבֵּך:
- רַק אַתָּּה לָא תִבְנֶה הַבָּיִת כֵּי אִם־בִּנְדְּ הַיֹּצֵא מֵחֲלָצֶידְ הְוּא־יִבְנֶה הַבַּיִת לִשְׁמִי:
- וַיָּכֶם יְהֹוָה אֶת־דְּבָרְוֹ אֲשֶׁר דָּבֵּר וָאָלְם מַחַת דְּוֹד אָבִי וָאַשֵּבוּ עַל־כָּפַא יִשְׂרָאֵל כָּאֲשֶׁר דְּבֶּר יְהֹוָה וָאֶבְנֵה הַבַּּיִת לְשֵׁם יִהוָה אֵלהֵי יִשִּׁרָאֵל:
- וָאָשָּׁם שֶׁם מָקוֹם לְאָרֹוֹן אֲשֶׁר־שֶׁם בְּרֵית יְהֹוָה אֲשֶׁר כְּרַת עִם־אֲבֹתֵינוּ בְּהוֹצִיאִוֹ אֹתָם מֵאֶרֶץ מִצְרָיִם: (ס)

- And he said: 'Blessed be the LORD, the God of Israel, who spoke with His mouth unto David my father, and hath with His hand fulfilled it, saying:
- Since the day that I brought forth My people Israel
 out of Egypt, I chose no city out of all the tribes of
 Israel to build a house, that My name might be there;
 but I chose David to be over My people Israel.
- Now it was in the heart of David my father to build a house for the name of the LORD, the God of Israel.
- But the LORD said unto David my father: Whereas it was in thy heart to build a house for My name, thou didst well that it was in thy heart;
- nevertheless thou shalt not build the house; but thy son that shall come forth out of thy loins, he shall build the house for My name.
- And the LORD hath established His word that He spoke; for I am risen up in the room of David my father, and sit on the throne of Israel, as the LORD promised, and have built the house for the name of the LORD, the God of Israel.
 - And there have I set a place for the ark, wherein is the covenant of the LORD, which He made with our fathers, when He brought them out of the land of Egypt.'

מפטיר לשבת ראש חודש

The Maftir for Shabbat Rosh Hodesh is Numbers 28:9 - 15.

וּבְיוֹם הַשַּׁבָּת שְׁנֵי־כְבְשִּׁים בְּנֵי־שְׁנָה תְּמִימֶם וּשְׁנֵי עֶשְׂרֹנִים סְלֶת מִנְחָה בְּלוּלְה בַשֵּׁמֵן וָנָסִבּוֹ: And on the sabbath day two he-lambs of the first year XXVIII:9 without blemish, and two tenth parts of an ephah of fine flour for a meal-offering, mingled with oil, and the drink-offering thereof.

עלַת שַׁבָּת בְּשַׁבַּתֻוֹ עַל־עֹלַת הַתְּמָיד ונסכה: (ב)

This is the burnt-offering of every sabbath, beside the continual burnt-offering, and the drink-offering thereof.

וּבְרָאשׁי חְדְשׁיכֶּם תַּקְרִיבוּ עֹלֶה לַיהוְּהִ פָּרִים בְּגִי־בָקֶר שְׁנִים וְאַיִל אֶחָׁד כְּבְשִּׁים בּני־שנה שבעה תמימם: And in your new moons ye shall present a

burnt-offering unto the LORD: two young bullocks,
and one ram, seven he-lambs of the first year without
blemish;

וּשְׁלֹשְׁה עֶשְּׁרֹנִים סָלֶת מִנְחָה בְּלוּלְה בַשֶּׁמֶן לַפָּר הָאָחָד וּשְׁנֵי עֶשְׂרֹנִים סְּלֶת מִנְחָה בְּלוּלָה בַשֶּׁמֶן לָאַיל הָאֶחֶד: and three tenth parts of an ephah of fine flour for a meal-offering, mingled with oil, for each bullock; and two tenth parts of fine flour for a meal-offering, mingled with oil, for the one ram;

וְעִשָּׂרֵן עִשְּׂרוֹן סְלֶת מִנְחָה בְּלוּלְה בַשֶּׁמֶן לַבֶּבֶשׁ הָאֶחָד עֹלְה בֵיחַ נִיחֹחַ אִשֶּׁה לַיהוָה: and a several tenth part of fine flour mingled with oil for a meal-offering unto every lamb; for a burnt-offering of a sweet savour, an offering made by fire unto the LORD.

וְנִסְכֵּיהֶׁם חֲצֵי הַהִּין יְהְנֶּה לַפְּׁר וּשְׁלִישְׁת הַהְין לְצִּיִל וּרְבִיעִת הַהֶּין לַכֶּבֶשׁ יָ,יֵן זֵאֹת עלֵת חֹדֶשׁ בְּחָרְשׁׁוֹ לְחָרְשֵׁי הַשָּׁנָה: And their drink-offerings shall be half a hin of wine for a bullock, and the third part of a hin for the ram, and the fourth part of a hin for a lamb. This is the burnt-offering of every new moon throughout the months of the year.

וּשְׂעִיר עִזִּים אֶחֶד לְחַשָּאת לַיהּוְהַ עַל־עֹלַת הַתְּמֵיד יֵעְשֶׂה וְנִסְכְּוֹ: (ס) And one he-goat for a sin-offering unto the LORD; it shall be offered beside the continual burnt-offering, and the drink-offering thereof.

הפטרת שבת ראש חודש

The Haftarah for Shabbat Rosh Hodesh is Isaiah 66:1-24.

כָּה אָמַר יְהנְּה הַשְּׁמַיִם כִּסְאִׁי וְהָאֶָרֶץ הַרַּם רַגְלָי, אֵי־זֶה בַּיִת אֲשֶׁר תִּבְנוּ־לִי וְאֵי־זֶה מָקוֹם מְנוּחָתִי:

Thus saith the LORD: The heaven is My throne, and the earth is My footstool; where is the house that ye may build unto Me? And where is the place that may be My resting-place?

וְאֶת־כְּל־אֵלֶּה יָדֵי עְשֶּׁתָה וַיִּהְיִוּ כָל־אֵלֶּה וְאֶם־יְהוְֹתָה וְאֶל־זֶה אַבִּיט אֶל־עְנִי וּנְכַה־רֹּוּחַ וִחָרֵד עַל־דִּבְרֵי: For all these things hath My hand made, and so all these things came to be, saith the LORD; but on this man will I look, even on him that is poor and of a contrite spirit, and trembleth at My word.

שׁוֹחֵט הַשִּׁוֹר מַכֵּה־אִּישׁ זוֹבֵחַ הַשֶּׁה עְּהֵף בֶּלֶב מַעֲלֶה מִנְחָה דַּם־חֲזִּיר מַזְבָּיר לְבֹּנְה מִבְרֵךְ אָנֶן נִּם־הַמְּה בְּחֲרוּ בְּדַרְכֵיהֶם וּבִשְׁקוּצֵיהֵם נִפִּשֵׁם חָפֵּצָה:

נִם־אָנִּי אֶבְחַר בְּתַעֻלֻלֵיהֶם וּמְגוּרֹתָם' אָבִיא לָהֶם יַעַן קָרָאתִי וְאֵין עוֹנֶה דִּבּּרְתִּי וְלָא שָׁמֵעוּ וַיַּעֲשָׁוּ חָרַע בְּעֵינֵי וּבַאֲשֶׁר לֹא־חָפַּצְתִּי בָּחָרוּ: (ס)

שָׁמָעוּ ְ דְּבַר־יְהֹנָה הַחֲרֵדִים אֶל־דְּבָרְוֹ אָמָרוּ אֲחֵיכֶּם שֹּנְאֵיכֶּם מְנַדֵּיכֶּם לְמַעַן שְׁמִי יִכְבַּד יְהֹנָה וְנִרְאָה בִשִּׁמְחַתְכֶם וְתֵם וֵלְשׁוּ:

קוֹל שָׁאוֹן מֵעִּיר קוֹל מַהֵיכָל קּוֹל יְהוָּה מִשַּׁלֵם גִּמִוּל לְאִיבָּיו:

ּבְּטֶרֶם הָּחָיל יָלְדָה בְּשֶּׁרֶם יָבְוֹא חֵבֶל לֶה וִהִמְלֵישָה זָבֶר:

מִי־שָׁמַע כָּוֹאת מֵי רָאָה כְּאֵׁלֶה הְוָיּחַל אֶרֶץ בְּוֹם אֶחָד אִם־יִוָּלֵד וּוֹי פַּעַם אֶחָת כִּי־חֵלַה גַּם־יַלְדַה צִיּוֹן אֵת־בָּגִיהַ:

תַאָנֵי אַשְׁבֶּיר וְלְא אוֹלִיד יאׁמַר יְהְוָֹת אָם־אָנִי הַמּוֹלֶיד וְעָצֵּרְתִּי אָמַר אֶלֹהֵיך: (ס)

שִּׁמְחַוּ אֶת־יְרוּשָׁלָם וְגִילוּ בָה כְּל־אֹהֲבֶיה שַּׁישׂוּ אִתָּה מְשִׁׁוֹשׁ כְּל־הַמְּתְאַבְּלִים עְלֶיה:

לְמַעַן הִינְקוּ וּשְּׂבַעְהֶּם מִאָּיז כְּבוֹדְה: (ס)

פִּי־כַּהוּ אָמֵר יְהוָֹה הִנְנֵי נִשֶּׁה-אֵּלֶּיהָ כְּנְהָר שָׁלוֹם וּכְנַחַל שׁוֹמֵף כְּכְוֹד גּוֹיָם וִינַקְתָּם עַל־צֵד' תִּנְשֵׁאוּ וְעַלֹּ־בִּרְכַּיִם תִּשְׁעֲשֵׁעוּ:

וּבִירִוּשֶׁלָם הְּנָחֲמָוּ: בִּירִוּשֶׁלָם הְּנָחֲמָוּ: בִּירִוּשְׁלָם הְּנָחֲמָוּ: He that killeth an ox is as if he slew a man; he that sacrificeth a lamb, as if he broke a dog's neck; He that offereth a meal-offering, as if he offered swine's blood; he that maketh a memorial-offering of frankincense, as if he blessed an idol; according as they have chosen their own ways, and their soul delighteth in their abominations;

Even so I will choose their mockings, And will bring their fears upon them; Because when I called, none did answer; When I spoke, they did not hear, But they did that which was evil in Mine eyes, And chose that in which I delighted not.

Hear the word of the LORD, Ye that tremble at His word: Your brethren that hate you, that cast you out for My name's sake, have said: 'Let the LORD be glorified, That we may gaze upon your joy', But they shall be ashamed.

Hark! an uproar from the city, Hark! it cometh from the temple, Hark! the LORD rendereth recompense to His enemies.

Before she travailed, she brought forth; Before her pain came, She was delivered of a man-child.

Who hath heard such a thing? Who hath seen such things? Is a land born in one day? Is a nation brought forth at once? For as soon as Zion travailed, She brought forth her children.

Shall I bring to the birth, and not cause to bring forth? Saith the LORD; Shall I that cause to bring forth shut the womb? Saith thy God.

Rejoice ye with Jerusalem, And be glad with her, all ye that love her; Rejoice for joy with her, All ye that mourn for her;

That ye may suck, and be satisfied With the breast of her consolations; That ye may drink deeply with delight Of the abundance of her glory.

For thus saith the LORD: Behold, I will extend peace to her like a river. And the wealth of the nations like an overflowing stream, and ye shall suck thereof: Ye shall be borne upon the side, and shall be dandled upon the knees.

As one whom his mother comforteth, So will I comfort you; and ye shall be comforted in Jerusalem.

וּרְאִיתֶם וְשָּׁשׁ לְבְּכֶּם וְעַצְּמוֹתֵיכֶם כַּדֶּשֶׁא תִּפְרַחְנָה וְנוֹדְעָה יַד־יְהֹנָה אֶת־עֲבְדִּיו וִזַעֵם אֶת־אֹיָבֵיו: (ס)

פִּי־הַנָּה יְהֹוָה בָּאֵשׁ יָבוֹא וְכַסּוּפָּה מַרְכְּבֹתִיו לְהָשִׁיב בְּחֵמָה אַפּּוֹ וְגַעֲרְתִוֹ בִּלְהַבִי־אֵשׁ:

בֶּי בְאֵשׁ יְהֹנָה נִשְּׂפְּט וּבְחַרְבָּוֹ אֵת־כַּל־בָּשָׂר וְרַבִּוּ חֵלְלֵי יִהֹנַה:

הַמִּתְקַדְּשִּׁים וְהַמְּשַּׁהָרִים אֶל־הַגַּנּוֹת אַחַר (כ׳ אחד)[ק׳ אַחַת] בַּהְּנֶךְ אְּכְלֵי בְּשַּׁר הַחֲזִיר וְהַשֶּׁקֶץ וְהָעַכְבָּגֵר יַחְדָּו יָסֶפּוּ נָאָם־יִהֹנָה:

וְאָנֹכִי מַצְשֵׁיהֶם וּמַחְשְׁבַּתֵיהֶם בְּאָּה לְּקַבֵּץ אֶת־כָּל־הַגּוֹיֻם וְהַלְּשׁׁנֵוֹת וּבָאוּ וְרָאָוּ אֵת־כִּבוֹדֵי:

וְשַּמְתִּי בָהֶם אוֹת וְשִׁלַחְתִּי מֵהֶם ו ּפְּלֵימִים אֱל־הַגוֹיִם תַּרְשִׁישׁ פְּוּל וְלֶוּד מְשְׁכֵי קָשֶׁת תָּבַל וְיֵוֹן הָאִיִים הָרְחֹלִים אֲשֶׁר לְא־שְּמְעִּי אֶת־כְּבוֹדִי וְהֹגִּידוּ אִת־כִּבוֹדִי בַּגוֹים:

וְהַבִּיאוּ אֶת־כְּל־אֲחֵיכֶם מִכְּל־תַגּוֹיֵםוּ מִנְחָהוּ לִיהֹוָה בַּפּוּסִׁים וּבְלֶּכֶב וּבַצַּבִּים וּבַפְּרָדִים וּבַכִּרְכְּרוֹת עַל הַרְ קְּדְשִׁי יְרוּשָׁלִם אָמַר יְהֹוָה כַּאֲשֶׁר יִבִּיאוּ בְנֵי יִשְׂרָאֵל אֶת־הַמִּנְחָה בִּכְלֵי טְהָוֹר בֵּית יִהֹנָה:

וְגַם־מֵהֶם אָפֶּח לַכֹּהֲנִים לַלְוִיֶּם אָמֶר יהוֹה:

כֵּי כַאֲשֶׁר הַשְּׁמֵיִם הַחֲדָשִּׁים וְהָאָּרֶץ הַחֲדָשָּׁה אֲשֶּׁר אֲנֵי עֹשֶׂה עֹמְדִים לְפְּנֵי נְאָם־יְהֹוָה כֵּן יַצְעָּד זַרְצְכֶם וְשִּׁמְכֶם: And when ye see this, your heart shall rejoice, and your bones shall flourish like young grass; and the hand of the LORD shall be known toward His servants, and He will have indignation against His enemies.

For, behold, the LORD will come in fire, And His chariots shall be like the whirlwind; to render His anger with fury, And His rebuke with flames of fire.

For by fire will the LORD contend, And by His sword with all flesh; And the slain of the LORD shall be many.

They that sanctify themselves and purify themselves to go unto the gardens, behind one in the midst, Eating swine's flesh, and the detestable thing, and the mouse, Shall be consumed together, saith the LORD.

For I [know] their works and their thoughts; [the time] cometh, that I will gather all nations and tongues; and they shall come, and shall see My glory.

And I will work a sign among them, and I will send such as escape of them unto the nations, to Tarshish, Pul and Lud, that draw the bow, to Tubal and Javan, to the isles afar off, that have not heard My fame, neither have seen My glory; and they shall declare My glory among the nations.

And they shall bring all your brethren out of all the nations for an offering unto the LORD, upon horses, and in chariots, and in fitters, and upon mules, and upon swift beasts, to My holy mountain Jerusalem, saith the LORD, as the children of Israel bring their offering in a clean vessel into the house of the LORD.

And of them also will I take for the priests and for the Levites, saith the LORD.

For as the new heavens and the new earth, which I will make, shall remain before Me, saith the LORD, so shall your seed and your name remain.

וְהָנָּה מְדֵּי־חֹדֶשׁ בְּחְדְשׁׁוֹ וּמִדֵּי שַׁבָּת בְשַׁבַּתִּוֹ יָבָוֹא כְל־בָּשֶּׁר לְהִשְׁתַּחֲוֹת לְפָנֵי אַמֵר יִהוַה:

וְיָצְאָוּ וְרָאוּ בְּפִּגְרֵי הָאָנָשִׁים הַפּּשְׁעִים בָּי כֵּי תוֹלַעְהָּם לָא תָמֹוּת וְאִשָּׁם לָא תִכְּבֶּה וְהָיִוּ דֵרָאִוֹן לְכָל־בָּשֶׂר: והיה מדי חדש בחדשו ומדי שבת בשבתו יבוא כל בשר להשתחות לפני אמר יהוה And it shall come to pass, that from one new moon to another, and from one sabbath to another, shall all flesh come to worship before Me, Saith the LORD.

And they shall go forth, and look Upon the carcasses
of the men that have rebelled against Me; For their
worm shall not die, Neither shall their fire be
quenched; And they shall be an abhorring unto all
flesh.

הפטרת שבת מחר חודש

The Haftarah for Shabbat Mahar Hodesh is I Samuel 20:18 - 42.

XX:18

וַיּאמֶר־לְוֹ יְהוֹנָתָן מְחֵר חֻׁדֶשׁ וְנִפְּלֵּדְתָּ כֵּי יִפָּקֵד מוֹשֶׁבֵּך:

וְשִׁלַשְׁתָּ תֵּרֶד מְאֹד וּבָאתָ אֶל־הַמְּלְוֹם אֲשֶׁר־נִסְתַּרְתִּ שֶׁם בְּיָוֹם הַמַּצְשֶׂה וְיָשַׁבְתְּ אָצֵל הַאָּבָן הַאָּזַל:

וַאֲנִּי שְׁלְשֶׁת הַחִּצִּים צִּדְּה אוֹרֶה לשֵׁלָח־לִי לִמְטֵּרָה:

וְהַנֵּהֹ אֶשְׁלַח אֶת־הַנַּעַר לֵךְ מְצָא אֶת־הַחָּצִּים אִם־אָמֹר אֹמַר לַנַּעַר הִנְּה הַחָצֵיםו מִמְךָ וָהַנְּה קָחָנּוּונָבָאָה כִּי־שָׁלִוֹם לְדֵּ וָאֵין דָּבָר חַי־יִהנָה:

וְאִם־כָּה אֹמַר' לְעֶּׁלֶם הִנֵּה הַחִצִּים מִמְּךְּ וַהַלְאַה לֵּךְ כֵּי שֵׁלַחֵדְ יִהוֵֹה:

וְלַדְּלֶּר אֲשֶׁר דִּבֶּרְנוּ אֲנֵי וָאָתָּה הִנְּהְ יְהוָה בִּינִי וּבִינִהְ עַד־עוֹלֶם: (ס)

נִיּסְתֵּר דְּוֶד בַּשְּׂדֶה נַיְהֵי הַחֹּדֶשׁ נַיַּשְׁב הַמֶּלֶדְ (כ׳ על)[ק׳ אֶל־] לֶאֶכְוֹל:

מַצֵּר הַּמֶּּלֶךְ עַל־מוֹשָׁבׁוֹ כְּפַּעַםוּ בְּפַּעַם אֶל־מוֹשַׁב הַלִּיר וַיָּקְם יְהָוֹנָתָן וַיֵּשֶׁב אַבְנֵר מַצֵּר שַאָּוּל וַיִּפָּקָד מִקוֹם דְּוַר: And Jonathan said unto him: 'To-morrow is the new moon; and thou wilt be missed, thy seat will be empty.

And in the third day thou shalt hide thyself well, and come to the place where thou didst hide thyself in the day of work, and shalt remain by the stone Ezel.

And I will shoot three arrows to the side-ward, as though I shot at a mark.

And, behold, I will send the lad: Go, find the arrows.

If I say unto the lad: Behold, the arrows are on this side of thee; take them, and come; for there is peace to thee and no hurt, as the LORD liveth.

But if I say thus unto the boy: Behold, the arrows are beyond thee; go thy way; for the LORD hath sent thee away.

And as touching the matter which I and thou have spoken of, behold, the LORD is between me and thee for ever.'

So David hid himself in the field; and when the new moon was come, the king sat him down to the meal to eat.

And the king sat upon his seat, as at other times, even upon the seat by the wall; and Jonathan stood up, and Abner sat by Saul's side; but David's place was empty.

31

וְלֹא־דָבֶּר שָׁאָוּל מְאָוּמָה בַּיֵּוֹם הַהְוּא כִּי אָמֵר מִקְרָה הוּא בִּלְתִּי טָהָוֹר הָוּא כִּי־לְא טַהְוֹר: (ס)

נְיְהִי מְמְּחֲרָת הַחֹּדֶשׁ הַשֵּׁנִי נִיּפְּקְד מְקּוֹם דְּוֹדְ (פּ) נִיָּאמֶר שָׁאוּל אֶל־יְהוֹנְתָן בְּנֹוֹ מַדּוּעַ לֹא־בָא בֶן־יִשְׁי גַּם־תְּמְוֹל גַם־הַיּוֹם אֵל־הַלָּחֵם:

וַיַּעַן יְהוֹנָתָן אֶת־שְׁאֵוּל נִשְׁאֹל נִשְׁאַל דְּוֶד מַעִּמָּדִי עַד־בֵּית לָחֵם:

ניַּאמֶר שַׁלְחַנִּי נְא כֵּי זֶּבַח מִשְׁפְּחָה לְנוּ בָּעִיר וְהָוּא צִנְּה־לִי אָחִי וְעַהָּה אָם־מְצֶאתִי חֵן בְּעֵינֶיךְ אִמֶּלְטָה נָּא וְאֶרְאָה אֶת־אֶחָי עַל־כֵּן לֹא־לָא אֶל־שֶׁלְחַן המלד: (ס)

נַיָּחַר־אַּף שָׁאוּל בִּיהַוֹּנְתָּׁן נַיַּאֹטֶּר לּוֹ אַתְּה לְבֶן־יִשִּׁי לְבְשְׁתְּדְּ וּלְבְשֶׁת עֶרְנַת אַמֵּד:

לַכּלְ־הַיָּמִים אֲשֶׁר בֶּן־יִשֵּׁי תַי תַּלִּ־הָאָדָלְה לָא תִּכְּוֹן אֲתָּה וּמַלְכוּתֶדְּ הָנִּא שָׁלָח וְקַח אֹתוֹ אֵלֵי בִּי בֶּן־מָנֶת הָנִא: (ס)

וַיַּשׁן יְהַוֹּנְתָּן אֶת־שָׁאִוּל אָבֵיו וַיַּאמֶר אֵלֶיו לַמָּה יוּמַת מֵה עַשֵּׁה:

וַיָּשֶׁל שָׁאַוּל אֶת־הַחֲנֶית עָלֶיו לְהַכּּתְוֹ וַיֵּבִע יְהַוֹּנֶלֶן כִּי־כֵּלָה הֶיא מֵעֵם אָבֶיו לְהָמִית אֶת־דָּוַד: (ס)

נַיָּקָם יְהְוֹנָתָן מֵעָם הַשֶּׁלְחָן בְּחֲרִי־אָף וְלְא־אָכַּל בְּיוֹם־הַחְׁדֶשׁ הַשֵּׁנִי לֶחֶם כֵּי נֵעְצַב אֵל־דַּוָּד כֵּי הָכִלְמִוֹ אָבֵיו: (ס)

נִיְהֵי בַבּּקֶר נִיֵּצְא יְהוֹנְתָּן הַשְּׂדֶה לְמוֹעֵר דְּוֵד וְנַעַר קַמִּן עִמְּוֹ: Nevertheless Saul spoke not any thing that day; for he thought: 'Something hath befallen him, he is unclean; surely he is not clean.'

And it came to pass on the morrow after the new
moon, which was the second day, that David's place
was empty; and Saul said unto Jonathan his son:
'Wherefore cometh not the son of Jesse to the meal,
neither yesterday, nor to-day?'

And Jonathan answered Saul: 'David earnestly asked leave of me to go to Beth-lehem;

and he said: Let me go, I pray thee; for our family hath a sacrifice in the city; and my brother, he hath commanded me; and now, if I have found favour in thine eyes, let me get away, I pray thee, and see my brethren. Therefore he is not come unto the king's table.'

Then Saul's anger was kindled against Jonathan, and he said unto him: 'Thou son of perverse rebellion, do not I know that thou hast chosen the son of Jesse to thine own shame, and unto the shame of thy mother's nakedness?

For as long as the son of Jesse liveth upon the earth, thou shalt not be established, nor thy kingdom.

Wherefore now send and fetch him unto me, for he deserveth to die.'

And Jonathan answered Saul his father, and said unto him: 'Wherefore should he be put to death? what hath he done?'

And Saul cast his spear at him to smite him; whereby Jonathan knew that it was determined of his father to put David to death.

So Jonathan arose from the table in fierce anger, and did eat no food the second day of the month; for he was grieved for David, and because his father had put him to shame.

And it came to pass in the morning, that Jonathan went out into the field at the time appointed with David, and a little lad with him.

- וַיַּאמֶר לְנַעֲלוֹ לִץ מְצֵא נָא אֶת־הַחִּצִּים אֲשֶׁר אָנֹבֶי מוֹרֶה הַנַּעַר לִץ וְהוּא־יָרֶה הַחֵצִי לִהַעֲבָרוֹ:
- נַיָּכָא הַנַּעַר עַד־מְקוֹם הַחֵּצִי אֲשֶׁר יָרֶה יְהוֹנָתֶן נַיִּקְרָא יְהוֹנָתָן אַחֲבֵי הַנַּעַר נַיּאמֶר הַלִּוֹא הַחַצִי מִמָּךְ נַהַלְאַה:
- נִיּקְרֶא יְהְוֹנְתָן אֲחֲרֵי הַנַּּעַר מְהֵרֶה חְוּשְׁה אַל־תַּעֲמֶד נִיְלַקֵּט נַעַר יְהְוֹנְתָן אֶת־(כ׳ החצי)[ק׳ הַחָאָים] נַיָּבִא אֵל־אָדֹנֵיו:
- וְהַנַּעַר לֹא־יָדַע מְאָנּמָה אַך יְהְוֹנָתָן וְדָּוֹּד יָדְעָוּ אֵת־הַדָּבֶר: (ס)
- נַיָּתֵּן יְהְוֹנְתָן אֶת־בֵּלְיו אֶל־הַנַּעַר אֲשֶׁר־לֵוֹ נַיָּאמֶר לוֹ לֵךְ הָבֵיא הָעֵיר:
- הַנַּעַר בָּא וְדִוֹד קָם מֵאֲצֶל הַנָּגֶב וַיִּפּׁל לְאַפִֵּיו אַרְצָה וַיִּשְׁתַחוּ שָׁלָש פְּעָמִים וַיִּשְׁקוּו אַישׁ אֶת־רֵעַהוּ וַיִּבְכּוּ אַישׁ אָת־רֵעַהוּ עַר־דָּוִד הָגָדִיל:
- וַיָּאמֶר יְהוֹנָתֶן לְדָוָד לֵךְ לְשָׁלֵוֹם אֲשֶׁר נִשְּׁבַּעְנוּ שְׁנֵינוּ אֲנַחְנוּ בְּשֵׁם יְהוָה לֵאמֹר יְהוְּה יִהְיֵהוּ בֵּינֵי וּבִינֶׁךּ וּבֵין זַרְעֵי וּבֵין זַרְעַךְּ עַד־עוֹלָם: (פ)

- And he said unto his lad: 'Run, find now the arrows which I shoot.' And as the lad ran, he shot an arrow beyond him.
- And when the lad was come to the place of the arrow which Jonathan had shot, Jonathan cried after the lad, and said: 'Is not the arrow beyond thee?'
- And Jonathan cried after the lad: 'Make speed, hasten, stay not.' And Jonathan's lad gathered up the arrows, and came to his master.
- But the lad knew not any thing; only Jonathan and David knew the matter.
- And Jonathan gave his weapons unto his lad, and said unto him: 'Go, carry them to the city.'
- And as soon as the lad was gone, David arose out of a place toward the South, and fell on his face to the ground, and bowed down three times; and they kissed one another, and wept one with another, until David exceeded.
- And Jonathan said to David: 'Go in peace, for as much
 as we have sworn both of us in the name of the LORD,
 saying: The LORD shall be between me and thee, and
 Between my seed and thy seed, for ever.'

הפטרת פרשת שקלים

The Maftir on Shabbat Shekalim is Exodus 30:11 - 16. The Haftarah is II Kings 12:1 - 17.

XII:1

- בּן־שֶׁבַע שָׁנִים יְהוֹאֲשׁ בְּמָּלְכְוֹ: (פּ)
- בִּשְׁנַת־שֶׁבַע לְיֵהוּאֹ מְלַךְ יְהוֹאָשׁ וְאַרְבְּעֵים שָּנָה מְלַךְ בִּירוּשָׁלְבֻ וְשֵׁם אִמֹּוֹ צִבְיָה מבאר שבע:
- וַיַּעֵשׁ יְהוֹאָשׁ הַיָּשֶׁר בְּעֵינֵי יְהוָֹה כְּלֹ־יָמֶיוּ אַשֵּׁר הוֹרָהוּ יִהוֹיָדֵע הַכֹּהֵן:

- Jehoash was seven years old when he began to reign.
- In the seventh year of Jehu began Jehoash to reign; and he reigned forty years in Jerusalem; and his mother's name was Zibiah of Beer-sheba.
- And Jehoash did that which was right in the eyes of the LORD all his days wherein Jehoiada the priest instructed him.

רָק הַבְּמָוֹת לֹא־סֶרוּ עִוֹד הָעֶם מְזַבְּחִים וְּמַקְּמָרֵים בַּבָּמָוֹת:

וַיּאמֶר יְהוֹאָשׁ אֶל־הַכּּהֲנִים כּל ּ כֶּסְף הַמֶּדְשִׁים אֲשֶׁר־יוּבָא בֵית־יְהוְהֹ כֶּסֶף עוֹבֵר אִישׁ כֶּסֶף וַפְּשִׁוֹת עֶרְכָּוֹ כְּל־כָּסֶף אֲשֶׁר יִעֲלֶה עַל לֶב־אִישׁ לְהָבִיא בֵּית יִהוֹה:

יִקְחָוּ לָהֶם הַבְּּהֲנִּים אָישׁ מֵאֲת מַכְּרֵוֹ וְהֵם יְחַזְּקוּ אֶת־בָּדֶק הַבַּּיִת לְכָּל אֲשֶׁר־יִמְּצֵא שֶׁם בָּדֵק: (פ)

וֹיְהִי בִּשְׁנַּת עֶשְׁרַים וְשְׁלֶשׁ שָׁנָה לַמֵּלֶךְ יְהוֹאֲשׁ לֹא־חִזְּקוּ הַכּּהַנִים אֶת־בֶּדֶק הַבִּית:

נַיּקְרָא בּמֶּלֶדְ יְהוֹאָשׁ לִיהוֹיָדֶע הַכּּהֵן וְלַכְּהָנִים וַיֵּאמֶר אֲלֵהֶם מַדָּוּעַ אֵינְכֶּם מְחַזְּקִים אֶת־בָּדֶק הַבְּיִת וְעַתְּה הַבָּיִת תִּתִּנְהוּ:

וַיֵּאָתוּ הַכּּהָגִים לְבִלְתֵּי קְחַת־כֶּטֶף מֵאֵת הָאָם וּלְבִלְתֵּי חַזָּק אֶת־בֶּדֵק הַבָּיִת:

וַיִּפֶּח יְהוֹיְבֶע הַכּבוֹן אֲרֲוֹן אֶחָד וַיִּקְב חָר בְּדַלְתִּוֹ וַיִּתֵּן אֹתוֹ אֵצֶל הַמִּזְבֵּח (כ׳ בימין)[ק׳ מִיָּמִין] בְּבוֹא־אִישׁ בֵּית יְהוָה וְנְתְנוּ־שֶׁמָּה הַכְּהָנִים שׁמְרֵי הַפַּף אֶת־כָּל־הַבֵּסֶף הַמּוּבָא בֵית־יִהוַה:

וְיָהִי כִּרְאוֹתָם כִּי־רָב הַכֶּסֶף בִּאָרֵוֹן וַיַּעַל סֹפֵר הַמֶּלֶף וְהַכֹּהֵן הַגְּרוֹל וַיָּצֶרוּ וַיִּמְנֹּוּ אָת־הַבֵּסֵף הַנִּמִצֵא בִית־יִהוַה:

וְגֵתְנוּ שֶׁת־הַבֶּסֶף הַמְּתֻבְּׁן עַל־(כ׳ יד)[ק׳ יְדִי] עשֵׁי הַמְּלָאבֶּה (כ׳ הפקדים)[ק׳ הַמֶּפְקָדִים] בֵּית יְהוָֹה וַיּוֹצִיאָׁהוּ לְחְרָשֵׁי הָמֵץ וְלַבּנִים הָעשִׁים בֵּית יְהוֵה: 4 Howbeit the high places were not taken away; the people still sacrificed and offered in the high places.

And Jehoash said to the priests: 'All the money of the hallowed things that is brought into the house of the LORD, in current money, the money of the persons for whom each man is rated, all the money that cometh into any man's heart to bring into the house of the LORD,

let the priests take it to them, every man from him
that bestoweth it upon him; and they shall repair the
breaches of the house, wheresoever any breach shall
be found.'

But it was so, that in the three and twentieth year of king Jehoash the priests had not repaired the breaches of the house.

Then king Jehoash called for Jehoiada the priest, and for the other priests, and said unto them: 'Why repair ye not the breaches of the house? now therefore take no longer money from them that bestow it upon you, but deliver it for the breaches of the house.'

And the priests consented that they should take no longer money from the people, neither repair the breaches of the house.

And Jehoiada the priest took a chest, and bored a hole in the lid of it, and set it beside the altar, on the right side as one cometh into the house of the LORD; and the priests that kept the threshold put therein all the money that was brought into the house of the LORD.

And it was so, when they saw that there was much money in the chest, that the king's scribe and the high priest came up, and they put up in bags and counted the money that was found in the house of the LORD.

And they gave the money that was weighed out into the hands of them that did the work, that had the oversight of the house of the LORD; and they paid it out to the carpenters and the builders, that wrought upon the house of the LORD,

וְלֹּנְדְרִים' וּלְחֹצְבֵי הָאֶׁבֶן וְלִקְנָוֹת עֵצִים' וְאַבְנֵיְ מַחְצֵּׁב לְחַזֵּק אֶת־בֶּרֶק בֵּית־יְהוָֹגָה וּלְכָל אֲשֶׁר־יֵצֵא עַל־הַבָּיִת לְחָזְקָה:

אַד[°] לֹא נִעְשֶׁה בֵּית יְהוָּה סִפְּוֹת כֶּסֶף' מְזַמְּרָוֹת מִזְרָקוֹת חֲצַּצְרֹוֹת כְּל־כְּלִי זָהָב וּכִלִי־כֵסֵף מָן־הַבֶּסֵף הַמּוּבֵא בֵית־יִהוַה:

בָּי־לְעֹשֵׂי הַמְּלָאכֶה יִתְּנֻהוּ וְחִזְּקוּ־בְוֹ את־בּית יהוֹה:

וְלָא יְחַשְּׁבֵּוּ אֶת־הָאֲנְשִׁים אֲשֶׁׁר יִתְּנָוּ אֶת־הַכֶּטֶף עַל־יָדֶּם לְתֵת לְעֹשֵׁי הַמְּלָאכֶה כֵּי בַאֵמָנָה הֵם עשִׁים:

בֶּסֶף אָשֶׁם וְכֶסֶף חַשְּאוֹת לְא יוּבָא בֵּית יָהוֹוָה לַכּהָגִים יָהִיִּוּ: (פּ) and to the masons and the hewers of stone, and for buying timber and hewn stone to repair the breaches of the house of the LORD, and for all that was laid out for the house to repair it.

But there were not made for the house of the LORD cups of silver, snuffers, basins, trumpets, any vessels of gold, or vessels of silver, of the money that was brought into the house of the LORD;

for they gave that to them that did the work, and repaired therewith the house of the LORD.

Moreover they reckoned not with the men, into whose hand they delivered the money to give to them that did the work; for they dealt faithfully.

The forfeit money, and the sin money, was not brought into the house of the LORD; it was the priests.

פרשת זכור

The Maftir for Shabbat Zakhor is Deuteronomy 25:17 - 19.

XXV:17

18

17

זְבֿוֹר אֶת אֲשֶׁר־עָשֶׂה לְךָּ עֲמָלֵק בַּדֶּרֶךְ בְּצֵאתְכֶם מִמִּצְרָיִם:

אֲשֶּׁר מֶּרְדְּ בַּדֶּׁרֶדְּ נִיְזַגַּב בְּדְּ כְּל־הַנֶּחֲשָׁלֵים אָחֲרֶידְּ וְאַתָּה עְיֵךְּ וְיֵגֵעַ וְלִא יָרֵא אֱלֹהִים:

וְהָיָּה בְּהָנֵיחַ יְהֹנָה אֱלֹהֶיךּ וְּלְףְּ מִכְּל־אִיבֶּיךּ מִּפְבִּיב בָּאָבֶץ אֲשֶׁר יְהֹיָה־אֱלֹהֶיף נֹתֵן לְךָּ נַחֲלָה לְרִשְּׁהָּה תִּמְחָה אֶת־זַכֶּר עֲמָלֵק מִתָּחַת הַשָּׁמָיִם לָא תִּשְׁבֶּח: (בּ) Remember what Amalek did unto thee by the way as ye came forth out of Egypt;

how he met thee by the way, and smote the hindmost of thee, all that were enfeebled in thy rear, when thou wast faint and weary; and he feared not God.

Therefore it shall be, when the LORD thy God hath given thee rest from all thine enemies round about, in the land which the LORD thy God giveth thee for an inheritance to possess it, that thou shalt blot out the remembrance of Amalek from under heaven; thou shalt not forget.

הפטרת פרשת זכור

The Haftarah for Shabbat Zakhor is I Samuel 15:2-34.

כָּה אָמַר יְהֹוָה צְּבָאוֹת פָּלַּדְתִּי אֶת אֲשֶׁר־עָשֶׂה עֲמָלֵק לְיִשְּׂרָאֵל אֲשֶׁר־שֶׁם לוֹ בַּדְּרַדְּ בַּעַלֹתוֹ מִמִּצִרֵים:

עַתָּה לֵךְ וְהִכִּיתָה אֶת־עֲמָלֵק וְהַחֲרַמְּשֶׁם אֶת־כֶּל־אֲשֶׁר־לוֹ וְלָאׁ תַחְמָל עָלְיוּ וְהֵמַתְּה מֵאֵישׁ עַד־אִשְּׁה מֵעֹלֵל וְעַד־יוֹנֵק משור ועַד־שָׁה מִגָּמֵל ועַד־חַמוֹר: (ס)

וַיְשַׁמַע שָׁאוּל' אֶת־הָעָם וַיִּפְקְבֵם' בַּמְּלְאִים מָאתִים אֶלֶף רַגְלֵי וַעֲשֶׂרֶת אֲלְפִּים אֶת־אֵישׁ יִהוּדֵה:

וַיָּבָא שָׁאָוּל עַד־עַיר עֲמָלֵק וַיָּרֶב בַּנְּחַל:

וַיָּאמֶר שְׁאַוּל אֶל־תַּמֵינִי לְכוּ ּ סָׁרוּ רְרֹנּ מִתִּוֹךְ עֲמָלַלִּי פֶּן־אָסִפְּךְּ עִמִּוֹ וְאַתְּּה עַשֶּׂיתֶה חֶסֶר עִם־כְּל־בְּנֵי יִשְׂרָאֵל בַּעֲלוֹתָם מִמִּצְרָיִם וַיְּסֵר קֵינִי מִתְּוֹךְ עמלק:

ניַך שָׁאָוּל אֶת־עֲמָלֵק מֵחֲוִילָה בּוֹאֲךַ שׁוּר אַשֵּׁר עַל־פָּנֵי מִצְרֵיִם:

וַיִּתְפָּשׁ אֶת־אָגָג מֶלֶדּ־שְמְלֵּק חָי וִאת־כָּל־הַעָם הַחַרִים לפִּי־חַרָב:

וַיַּחְמֹל שְׁאוּל וְהָשָׁם עַל־אֲגָג וְעַל־מֵיטַב הַצֹּאוֹ וְהַבָּלֶּר וְהַמִּשְׁנִים וְעַל־הַכָּרִים וְעַל־כְּל־הַטּוֹב וְלָא אָבָוּ הַחֲרִימָם וְכָל־הַמְּלָאכֶה נְמִבְזָה וְנָמֵס אֹתָה החרימוּ: (פּ)

וַיְהִי דְּבַר־יְהוָה אֶל־שָׁמוּאֵל לֵאמָר:

נִחַמְתִּי בִּי־הִמְלַכְתִּי אֶת־שְׁאוּל' לְטֶּׁלֶךְ כִּי־שָׁב' מֵאַחֲרַי וְאֶת־דְּבָרַי לֵא הַקִּים וַיִּחַר' לִשִׁמוּאֵל וַיִּזִּעֵק אֵל־יִחוָֹה כַּל־הַלֵּילִה: Thus saith the LORD of hosts: I remember that which
Amalek did to Israel, how he set himself against him
in the way, when he came up out of Egypt.

Now go and smite Amalek, and utterly destroy all that they have, and spare them not; but slay both man and woman, infant and suckling, ox and sheep, camel and ass.' .

And Saul summoned the people, and numbered them in Telaim, two hundred thousand footmen, and ten thousand men of Judah.

And Saul came to the city of Amalek, and lay in wait in the valley.

And Saul said unto the Kenites: 'Go, depart, get you down from among the Amalekites, lest I destroy you with them; for ye showed kindness to all the children of Israel, when they came up out of Egypt.' So the Kenites departed from among the Amalekites.

7 And Saul smote the Amalekites, from Havilah as thou goest to Shur, that is in front of Egypt.

And he took Agag the king of the Amalekites alive, and utterly destroyed all the people with the edge of the sword.

But Saul and the people spared Agag, and the best of the sheep, and of the oxen, even the young of the second birth, and the lambs, and all that was good, and would not utterly destroy them; but every thing that was of no account and feeble, that they destroyed utterly.

Then came the word of the LORD unto Samuel, saying:

'It repenteth Me that I have set up Saul to be king; for he is turned back from following Me, and hath not performed My commandments.' And it grieved Samuel; and he cried unto the LORD all night.

- וַיַּשְׁכֵּם שְׁמוּאֵל לְקְרַאת שְׁאִוּל בַּבְּקֶר וַיָּגַּר לִשְׁמוּאֵל לֵאמֹר בָּא־שְׁאִוּל הַכַּרְטֶלְה וְהִנֵּה מַצִּיב לוֹ יָד וַיִּסֹב וַיַּעֲבֹר וַיֵּרֶד הגלגל:
- נַיָּבָא שְׁמוּאֵל אֶל־שְׁאִוּל נַיַּאמֶר לַּוֹ שְׁאוּל בָּרָוּך אַתָּה לִיהוָה הַקִּימִתִי אֶת־דְּבָר יִהוָה:
- וַיַּאמֶר שְׁמוּאֵׁל וּמֶה קוֹל־הַצְּאֹן הַזֶּה בְּאָזְנֻי וַקוֹל הַבַּלָּר אַשֵּׁר אַנֹכִי שׁמֵע:
- נַיּאטֶר שָׁאוּל מַעֲמָלַקִּי הֶבִיאוּם אֲשֶּׁר חָמֵל הָעָם עַל־מֵימַב הַצּאן וְהַבָּלֶּר לְמַעַן זְלַחַ לַיהוָה אֱלֹהָיִף וְאֶת־הַיּוֹתֵר הָחֶרַמְנוּ: (פֹּ)
- ניָאמֶר שְׁמוּאֵל אֶל־שְׁאוּל הָרֶף וְאַנִּידָה לְּךְּ אֵת אֲשֶׁר דִּבֶּר יְהְוָה אֵלַי הַלְּיֵלָה (כ׳ ויאמרו)[ק׳ וַיָּאמֶר] לִוֹ דַּבֵּר: (ס)
- וַיֵּאמֶר שְׁמוּאֵׁל הֲלוֹא אָם־קְּטָּן אַתְּהֹ בְּעֵינִיף רָאשׁ שִׁבְמֵי יִשְׂרָאֵל אֲתָה וַיִּמְשְׁחֲךְּ יִהֹוָה לְמֵלֵךְ עַל־יִשְׂרָאֵל:
- נִישְׁלְחַךְּ יְהנָּה בְּדָרֵךְ נִיֹּאמֶר לֵךְּ וְהַחֲרַמְתָּה אֶת־הַחַשָּאִים אֶת־עֲמְלֵקּ וָנִלְחַמָתֵּ בֹּוֹ עֵד כַּלּוֹתֵם אֹתַם:
- וְלֶמָּה לְאֹ־שָׁמַעְתְּ בְּקּוֹל יְהוֹגָה וַתּּעַמ' אֶל־הַשָּׁלָל וַתִּעַשׁ הָרָע בִּעֵינֵי יִהוָֹה: (ס)
- וַיּאמֶר שְׁאִיּל אֶל־שְׁמוּאֵׁל אֲשֶׁר שְׁמַּעְתִּי יְהוָה וָאֲבִיא אֶת־אֲנֵג מֶלֶךְ אֲטֶּר־שְׁלְחַנְּי יְהוָה וָאֲבִיא אֶת־אֲנֵג מֶלֶךְ אֲטֶּלִקּ יִהוָּה וָאָבִיא אֶת־אֲנֵג מֶלֶךְ אֲטֶּלִקּ
- נִיּלֵּח הָעָם מַהַשְּׁלֶל צְאׁן וּבְקָר רֵאשִׁית הַחָרֵם לִוּבְּחַ לִיהֹוָה אֱלֹהֵיךְ בַּגּּלְגֵּל: (ס)

- And Samuel rose early to meet Saul in the morning; and it was told Samuel, saying: 'Saul came to Carmel, and, behold, he is setting him up a monument, and is gone about, and passed on, and gone down to Gilgal.'
- And Samuel came to Saul; and Saul said unto him:

 'Blessed be thou of the LORD; I have performed the commandment of the LORD.'
- And Samuel said: 'What meaneth then this bleating of the sheep in mine ears, and the lowing of the oxen which I hear?'
- And Saul said: 'They have brought them from the
 Amalekites; for the people spared the best of the sheep
 and of the oxen, to sacrifice unto the LORD thy God;
 and the rest we have utterly destroyed.'
- Then Samuel said unto Saul: 'Stay, and I will tell thee what the LORD hath said to me this night.' And he said unto him: 'Say on.'
- And Samuel said: 'Though thou be little in thine own sight, art thou not head of the tribes of Israel? And the LORD anointed thee king over Israel;
- and the LORD sent thee on a journey, and said: Go and utterly destroy the sinners the Amalekites, and fight against them until they be consumed.
- Wherefore then didst thou not hearken to the voice of the LORD, but didst fly upon the spoil, and didst that which was evil in the sight of the LORD?
- And Saul said unto Samuel: 'Yea, I have hearkened to the voice of the LORD, and have gone the way which the LORD sent me, and have brought Agag the king of Amalek, and have utterly destroyed the Amalekites.
- But the people took of the spoil, sheep and oxen, the chief of the devoted things, to sacrifice unto the LORD thy God in Gilgal.'

- וַיָּאמֶר שְׁמוּאֵׁל הַחֲפֶץ לֵיהנָה בְּעֹלְוֹת וּזְבָהִים כִּשְׁמִעַ בְּקוֹל יְהוָה הִנֵּה שְׁמֹעַ מִנֵבַח טוֹב לִהַקִשִׁיב מָחֵלֵב אֵילֵים:
- בֶּי חַפַּאת־כֶּסֶׁם ׁ מֶּׁרִי וְאֲנֶן וּתְרָבָּים הַפְּצֵּרְ יַעַן מָאַסְתָּ אֶת־דְּבַר יְהוָה וַיִּמְאָסְהְּ מִמֵּלֵדְ: (ס)
- וַ װּאמֶר שְׁאָוּל אֶל־שְׁמוּאֵל חְטְּאתִי בִּי־עָבַרְתִּי אֶת־פִּי־יְהֹוָה וְאֶת־דְּבָרֶיִדְּ כִּי יַרֵאתִי אֵת־הַעָּם וַאֲשָׁמַע בִּקוֹלַם:
- וְעַהָּה שָּׁא נָא אֶת־חַפָּאתֵי וְשִׁיב עִּהִּי וְאֵשְׁתַחָוָה לִיהוָה:
- וַיָּאמֶר שְׁמוּאֵל אֶל־שָׁאוּל לְא אָשׁוּב עִּמְּךְ כֵּי מָאַסְתָּה אֶת־דְּבַּר יְהֹוָה וַיִּמְאָסְךְּ יְהֹוְּה מֵהִיוֹת מֵלֶךְ עַל־יִשִּׁרָאֵל: (ס)
- וַיִּסְב שְׁמוּאֵל לְלֶלֶכֶת וַיַּחֲזֵק בִּכְנַף־מְעִילְוֹ וַיִּקְרֵע: (ס)
- וַיָּאמֶר אֵלִיוֹ שְׁמוּאֵׁל קַרַע יְהוְּה אֶת־מַמְלְכַוּת יִשְׂרָאֵל מֵעְלֶיִּדְ הַיְּוֹם וּנְתָנָּה לְרַעֲדָ הַמִּוֹב מִמֶּדְ: (ס)
- וְגַם נַצַח יִשְּׁרָאֵׁל לְא יְשַׁקֵּר וְלָא יִנְּחֵם כֵּי לָא אָדֵם הָוּא לִהְנָּחֵם:
- ניַאמֶר חָשְּׁאתִי עַתִּׁה כַּבְּדֵנִי נָא נֵגֶּד זִקְנֵי־עַמָּי וְנָגֶד יִשְּׂרָאֵל וְשִׁוּב עִמִּי וָהַשִּׁתַּחַנִיתִי לִיהוָה אַלִּהִידִּ:
- וַיָּשֶׁב שְׁמוּאֵל אַחֲרֵי שְׁאֵוּל וַיִּשְׁתַחוּ שְׁאִוּל לַיהוָה: (ס)
- וַיָּאמֶר שְׁמוּאֵׁל הַגִּישׁוּ אֵלֵי אֶת־אָגגֹ מֶלֶךְ עֲמָלֵק וַיֵּלֶךְ אֵלָיו אֲגָג מַעֲדַגַּת וַיָּאמֶר אְגָג אָכֵן סָר מַר־הַמֶּנֶת: (ס)
- וַיַּאמֶר שִׁמוּאֵׁל כַּאֲשֶּׁר שִׁכְּלֶה נְשִׁים חַרְבֶּׁךְ בֵּן־תִּשְׁכֵּל מִנְשִׁים אִמֶּךְ וַיְשַׁמַּף שְׁמוּאֵל אֶת־אֲגָג לִפְנֵי יְהֹוָה בַּגּּלְגֵּל: (ס)

- And Samuel said: 'Hath the LORD as great delight in burnt-offerings and sacrifices, As in hearkening to the voice of the LORD? Behold, to obey is better than sacrifice, And to hearken than the fat of rams.
- For rebellion is as the sin of witchcraft, And stubbornness is as idolatry and teraphim. Because thou hast rejected the word of the LORD, He hath also rejected thee from being king.'
- And Saul said unto Samuel: 'I have sinned; for I have transgressed the commandment of the LORD, and thy words; because I feared the people, and hearkened to their voice.
- Now therefore, I pray thee, pardon my sin, and return with me, that I may worship the LORD.'
- And Samuel said unto Saul: 'I will not return with
 thee; for thou hast rejected the word of the LORD,
 and the LORD hath rejected thee from being king
 over Israel.'
- And as Samuel turned about to go away, he laid hold upon the skirt of his robe, and it rent.
- And Samuel said unto him: 'The LORD hath rent the kingdom of Israel from thee this day, and hath given it to a neighbour of thine, that is better than thou.
- And also the Glory of Israel will not lie nor repent; for He is not a man, that He should repent.'
- Then he said: 'I have sinned; yet honour me now, I

 pray thee, before the elders of my people, and before
 Israel, and return with me, that I may worship the
 LORD thy God.'
- 31 So Samuel returned after Saul; and Saul worshipped the LORD.
- Then said Samuel: 'Bring ye hither to me Agag the king of the Amalekites.' And Agag came unto him in chains. And Agag said: 'Surely the bitterness of death is at hand.'
- And Samuel said: As thy sword hath made women
 childless, So shall thy mother be childless among
 women. And Samuel hewed Agag in pieces before the
 LORD in Gilgal.

וַיֵּלֶךְ שְׁמוּאֵל הָרָמְֻתָה וְשָׁאֶוּל עָלֶה אֶל־בֵּיתִוֹ גִּבְעַת שָׁאִוּל:

Then Samuel went to Ramah; and Saul went up to his house to Gibeath-shaul.

פרשת פרה

The Maftir for Shabbat Parah is Numbers 19:1 - 22.

ַניְדַבַּר יְהנָה אֶל־מֹשֶׁה וְאֶל־אַהַרָן לֵאמָר:

וָאת חָפַּת הַתּוֹרָה אֲשֶׁר־צִּנְה יְהנָּה לֵאמִר דַּבֵּרו אֶל־בְּנֵי יִשְּׂרָאֵל וְיִקְחַוּ אֵלֶיף פָּרָה אָרָפָׁה חְמִימָה אֲשֶׁר אֵין־בָּה מוּם אֲשֶׁר לא־עַלָה עַלִיהַ עָל:

וּנְתַתֶּם אֹתָה אֶל־אֶלְעָזֶר הַכּּהֵן וְהוֹצִיא אֹתָה אֶל־מִחַוּץ לַמַּחֲנֶּה וְשָׁחַט אֹתָה לִפַּנִיו:

וְלָקְּח אֶלְעָזָרְ הַכֹּהָן מִדְּמָה בְּאֶצְבְּעִוֹ וְהִיְּה אֶל־נַּכַח בְּנֵיְ אְהֶל־מוֹעֶד מִדְּמָה שֶׁבַע פָּעַמִים:

וְשָׂרֵף אֶת־הַפְּּרֶה לְעֵינְיֵו אֶת־עֹּרֶה וְאֶת־בְּשָׂרָה וְאֶת־דְּלְּה עַל־פִּרְשָׁה יִשְׂרִף:

וְלָקַח הַכּהֵן עֵץ אֶנֶרו וְאֵזוֹב וּשְׁנֵי תוֹלֶעַת וְהִשְׁלִּיךְ אֶל־תִּוֹךְ שְׂרֵפַת הַפְּרֶה:

וְכָבֶּס בְּגְדִיו הַכּּהֵן וְרָחַץ בְּשְּׁרוֹ בַּמַּׁיִם וְאַחַר יָבָא אֶל־הַמַּחֲנֶה וְטָמֵא הַכּהֵן עד־הערב:

וְהַשֵּׁרֵף אֹתָּהּ יְכַבֵּס בְּגָדִיוֹ בַּמַּיִם וְרָחַץ בְּשֶּׁרָוֹ בַּמָּיִם וְטָמֵא עַד־הָעֶרֵב:

וְאָסַףוּ אֵישׁ טָהׁוֹר אָת אֵפֶר הַפְּּלָּה וְהִנְּיחַ מִחִוּץ לַמַּחֲנֶה בְּטָקוֹם טָהִוֹר וְהָיְתָה לַצְלַת בְּנִי־יִשְׂרָאֵל לְמִשְׁמֶנֶרת לְמֵי נִדָּה חַטֵּאת הָוֹא: XIX:1 And the LORD spoke unto Moses and unto Aaron, saying:

This is the statute of the law which the LORD hath commanded, saying: Speak unto the children of Israel, that they bring thee a red heifer, faultless, wherein is no blemish, and upon which never came yoke.

And ye shall give her unto Eleazar the priest, and she shall be brought forth without the camp, and she shall be slain before his face.

And Eleazar the priest shall take of her blood with his finger, and sprinkle of her blood toward the front of the tent of meeting seven times.

And the heifer shall be burnt in his sight; her skin, and her flesh, and her blood, with her dung, shall be burnt.

And the priest shall take cedar-wood, and hyssop, and scarlet, and cast it into the midst of the burning of the heifer.

Then the priest shall wash his clothes, and he shall bathe his flesh in water, and afterward he may come into the camp, and the priest shall be unclean until the even.

And he that burneth her shall wash his clothes in water, and bathe his flesh in water, and shall be unclean until the even.

And a man that is clean shall gather up the ashes of the heifer, and lay them up without the camp in a clean place, and it shall be kept for the congregation of the children of Israel for a water of sprinkling; it is a purification from sin. тт

13

וְּכַבֶּּס הָאֹלֵף אֶת־אָפֶּר הַפְּּרָה אֶת־בְּגְּדִּיוּ וְטְמֵא עַד־הָעָרֶב וְהִיְתָּה לִבְנֵי יִשְּׂרָאֵל וִלַגֵּר הַגַּר בִּתוֹכֵם לְחָקֵת עוֹלֵם:

הַנֹגֵעַ בְּמֵת לְכָל־נֶבֶּשׁ אָדֶם וְטָמֵא שִׁבְעַת יָמֵים:

תַּוּא יִתְחַשָּא־בֿוֹ בַּיָּוֹם הַשְּׁלִישֶׁי וּבַיּוֹם הַשְּׁבִיעִי יִשְׁהָר וְאִם־לֹא יִתְחַשָּׁא בִּיּוֹם הַשְּׁלִישֵׁי וּבַיִּוֹם הַשְּׁבִיעִי לְא יִטְהַר:

בְּל־הַנֹגֹעַ בְּמֵת בְּנֶּפֶשׁ הָאָדָם אֲשֶׁר־יְמׁוּת וְלָא יִתְחַפָּא אֶת־מִשְׁכֵּן יְהוָה מְמֵּא וְלָא יִתְחַפָּא אֶת־מִשְׁכַּן יְהוָה מְמֵא נִדְּה לֹא־זֹרַק עָלָיוֹ טָמֵא יִהְיֶּה עוֹד טמִאָתוֹ בִּוֹ:

זָאָת הַתּוֹלָה אָדֶם כִּי־יָמַוּת בְּאֶׁהֶל כְּל־הַבְּא אֶל־הָאָהֶל וְכְל־אֲשֶׁר בְּאֹהֶל יִטִּמָא שָׁבִעַת יָמֵים:

וְכֹל' כְּלֵי שָׁמֵא הָוּא: עָלָיִו שָׁמֵא הָוּא:

וְכֵּל אֲשֶׁר־יִנִּע עַל־פָּנֵי הַשְּׂדֶּה בַּחֲלַל־הֶרֶב אָוֹ בְמֵּת אִוֹ־בְעֶצֶם אָדֶם אָוֹ בָקֶבֶר יִטִּמָא שָׁבִעַת יָמֵים:

וְלֵקְחוּ לַשְּׁמֵא מֵצְפָּר שְׂרַפַּת הַחַּמָאת וְנָתְן עָלָיו מַיִּם חַיַּיִם אֶל־בֶּלִי:

וְלְלַחַת אֵזוֹב וְטְבַל בַּמַּיִם אֵישׁ שָהוֹר וְהִזֶּה עַל־הָאֹהֶל וְעַל־כְּל־הַכֵּלִים וְעַל־הַנְּפְשָׁוֹת אֲשֶׁר הְיוּ־שָׁם וְעַל־הַנֹּגִע בַעֵצֵם אוֹ בַחָלַל אִוֹ בַמָּת אוֹ בַקָּבַר:

וְהָזֶּה הַשְּׁהֹר עַל־הַשְּׁמֵא בִּיּוֹם הַשְּׁלִישִׁי וּבַיּוֹם הַשְּׁבִיעִי וְחִשְּאוֹ בַּיַּוֹם הַשְּׁבִיעִי וִכְבֵּס בִּגְדִיו וְרָחֵץ בַּמֵּיִם וְשַהֵּר בַּעַרָב: And he that gathereth the ashes of the heifer shall wash his clothes, and be unclean until the even; and it shall be unto the children of Israel, and unto the stranger that sojourneth among them, for a statute for ever.

He that toucheth the dead, even any man's dead body, shall be unclean seven days;

the same shall purify himself therewith on the third day and on the seventh day, and he shall be clean; but if he purify not himself the third day and the seventh day, he shall not be clean.

Whosoever toucheth the dead, even the body of any man that is dead, and purifieth not himself—he hath defiled the tabernacle of the LORD—that soul shall be cut off from Israel; because the water of sprinkling was not dashed against him, he shall be unclean; his uncleanness is yet upon him.

This is the law: when a man dieth in a tent, every one that cometh into the tent, and every thing that is in the tent, shall be unclean seven days.

And every open vessel, which hath no covering close-bound upon it, is unclean.

And whosoever in the open field toucheth one that is slain with a sword, or one that dieth of himself, or a bone of a man, or a grave, shall be unclean seven days.

And for the unclean they shall take of the ashes of the burning of the purification from sin, and running water shall be put thereto in a vessel.

And a clean person shall take hyssop, and dip it in the water, and sprinkle it upon the tent, and upon all the vessels, and upon the persons that were there, and upon him that touched the bone, or the slain, or the dead, or the grave.

And the clean person shall sprinkle upon the unclean on the third day, and on the seventh day; and on the seventh day he shall purify him; and he shall wash his clothes, and bathe himself in water, and shall be clean at even.

тЯ

19

ואיש אשר-יטמא ולא יתחשא ונכרתה הַנָּפָשׁ הַהָוֹא מִתְּוֹךְ הַקַּהַלֹ כִּי אַת־מִקּדִּשׁ הוֹה טמֹא מי נדה לא־זרק עליו טמא

והיתה להם לחקת עולם ומזה מי־הנדה' בַבֶּס בִּגָדִיו וְהַנֹּגֵעַ בִּמֵי

וְכֶל אֲשֶׁר־יִגַּע־בְּוֹ הַשְּמֵא יִטְמָא הַנֹּגַעַת תִּטְמֵא עַר־הַעֵּרֵב: (פּ)

But the man that shall be unclean, and shall not purify himself, that soul shall be cut off from the midst of the assembly, because he hath defiled the sanctuary of the LORD; the water of sprinkling hath not been dashed against him: he is unclean.

And it shall be a perpetual statute unto them; and he that sprinkleth the water of sprinkling shall wash his clothes; and he that toucheth the water of sprinkling shall be unclean until even.

And whatsoever the unclean person toucheth shall be unclean; and the soul that toucheth him shall be unclean until even.

הפטרת פרשת פרה

The Haftarah for Shabbat Parah is Ezekiel 36:16 -38.

ניהי דבר־יהוה אלי לאמר: XXXVI:16

Moreover the word of the LORD came unto me, saying:

אדם בית ישראל ישבים על-אדמתם בַּטְמָאָת הַנַּדָּה הַיָּתָה דַרְכָּם לְפַנֵי:

ואפיץ אתם בַּגוֹיִם וַיַּזַרוּ בַּאָרַצְוֹת כְּדַרְכֵּם וכעלילותם שפטתים:

נַיַבוֹא אֶל־הַגּוֹיִם אֲשֶׁר־בַּאוּ שַׁם נַיִחַלְלוּ אֶת־שַׁם קְּדְשִׁי בָּאֶמָּר לְהֶם עַם־יִהוָה אֵׁלֵה

וַאַחָמַל עַל־שֵׁם קַדְשֵׁי אֲשֵׁר חַלְּלְהוּ בֵּית יִשְׁרָאֶל בַּגּוֹיָם אֲשֶׁר־בַּאוּ שַׁמַה: (פּ)

לכן אמר לבית־ישראל כה אמר אדני יהוה לא למענכם אני עשה בית ישראל בֵי אָם־לְשֶׁם־קַּדְשִׁי אַשֵּׁר חַלְלְתֵּם בַּגוֹים אשר־באתם שם: 'Son of man, when the house of Israel dwelt in their own land, they defiled it by their way and by their doings; their way before Me was as the uncleanness of

Wherefore I poured out My fury upon them for the blood which they had shed upon the land, and because they had defiled it with their idols;

a woman in her impurity.

and I scattered them among the nations, and they were dispersed through the countries; according to their way and according to their doings I judged them.

And when they came unto the nations, whither they 20 came, they profaned My holy name; in that men said of them: These are the people of the LORD, and are gone forth out of His land.

But I had pity for My holy name, which the house of Israel had profaned among the nations, whither they came.

Therefore say unto the house of Israel: Thus saith the Lord GoD: I do not this for your sake, O house of Israel, but for My holy name, which ye have profaned among the nations, whither ye came.

- וְקַדַּשְׁתִּׁי אֶת־שְׁמֵי הַגְּדׁוֹל הַמְחֻלְּלֹ בַּגּוֹּיִם אֲשֶׁר חִלַּלְהֶּם בְּתוֹכֶם וְיִדְעׁוּ הַגּוֹיִם כִּי־אֲנֵי יְהוֹיָה נְאֶם אֲדֹנֵי יֶהוֹיה בְּהִקּדְשִׁי בָכֶם לעיניהם:
- וְלְקַחְתֵּי אֶתְכֶם מִן־הַגּוֹיִם וְקַבַּצְתִּי אֶתְכֶם מִכְּל־הָאֲרָצִוֹת וְהֵבֵאתִי אֶתְכֶם אַל־אַדִּמַתַכֵּם:
- וְזָרַקְתֵּי עֲלֵיכֶם מִּיִם שְהוֹרִים וּשְהַרְתֵּח מִלָּל שָׁמְאוֹתֵיכֶם וּמִכְּל־גִּלְוּלֵיכֶם אֲשֵהֵר אָתָכֵם:
- מִבִּשַׂרִבֶּם וְנָתַתֵּי לָכֵם לֵב בָּשֵּׁר: אָתֵּן בְּקּרְבְּכֶם וַהֲסָׁרֹתִי אֶת־לֵב הָאֶבֶן וְנָתַתִּי לָכֶם לֵב בָּשֵּׁר:
- וְאֶת־רוּחִי אָתַּן בְּקּרְבְּכֶם וְעָשִּׁיתִי אָת אֲשֶׁר־בְּחֻקִּי תֵלֵכוּ וּמִשְׁפְּמֵי תִּשְׁמְרָוּ וַעֲשִׂיתִם:
- וִישַּׁבְתֶּם בָּאֶָׁרֶץ אֲשֶׁר נְחַתִּי לַאֲבְּתֵיכֶם וִהְיֵיתֶם לִי לְעָּׁם וְאֲנֹבִי אֶהְיֶה לְכֶם לַאלֹהֵים:
- וְהוֹשַׁעְתֵּי אֶתְבֶּׁם מִכָּל שֻמְאְוֹתֵיכֶם וְקְּרֶאתִי אֶל־הַדָּגָן וְהִרְבֵּיתֵי אֹתוֹ וְלֹא־אֶתֵּן עֲלֵיכֶם רָעֵב:
- וְהַרְבֵּיתִי' אֶת־פְּרֵי הָעֵׁץ וּתְנוּבַת הַשְּׂדֵּה לְמַּעַן אֲשֶּׁר לָא תִקְחָוּ עֶוֹד חֶרְפַּת רָעָב בָּגוֹיִם:
- וּזְכַרְתֶּם אֶת־דַּרְכֵיכֶם הָרָעִּים וּמַעַלְלֵיכֶם אֲשֶׁר לְאֹ־טוֹבִים וּנְלְטֹתֶם בִּפְנֵיכֶּם עַל עַוֹּנְתֵיכָם וָעַל תּוֹעֲבוֹתִיכֵם:
- לָא לְמַעַנְכֶם אֲנִי־עֹשֶּׁה נְאֶם אֲדֹנֵי יֶהוְּה יִנְּדָע לְכֶם בְּוֹשׁוּ וְהִכֶּלְמָוּ מִדַּרְכֵיכֶם בִּית ישראל: (ס)

- And I will sanctify My great name, which hath been profaned among the nations, which ye have profaned in the midst of them; and the nations shall know that I am the LORD, saith the Lord GOD, when I shall be sanctified in you before their eyes.
- For I will take you from among the nations, and gather you out of all the countries, and will bring you into your own land.
- And I will sprinkle clean water upon you, and ye shall be clean; from all your uncleannesses, and from all your idols, will I cleanse you.
- A new heart also will I give you, and a new spirit will I put within you; and I will take away the stony heart out of your flesh, and I will give you a heart of flesh.
- And I will put My spirit within you, and cause you to walk in My statutes, and ye shall keep Mine ordinances, and do them.
 - And ye shall dwell in the land that I gave to your fathers; and ye shall be My people, and I will be your God.
- And I will save you from all your uncleannesses; and I will call for the corn, and will increase it, and lay no famine upon you.
- And I will multiply the fruit of the tree, and the increase of the field, that ye may receive no more the reproach of famine among the nations.
- Then shall ye remember your evil ways, and your doings that were not good; and ye shall loathe yourselves in your own sight for your iniquities and for your abominations.
- Not for your sake do I this, saith the Lord God, be it known unto you; be ashamed and confounded for your ways, O house of Israel.

- פָּה אָמַר אֲדֹנֵי יֶהוֹּה בְּיוֹם טַהֲרֵי אֶתְכֶּם מִפָּל שֲוֹנְוֹתֵיכֶם וְהְוֹשַׁבְתִּי אֶת־הָעָרִים ונבנו החרבות:
- וְהָאָרֶץ הַנְּשַׁמָּה תִּעָבֵד תַּחַת אֲשֶׁר הִיְתָה שׁמֵמַה לִעִינֵי כַּל־עוֹבֵר:
- וְאָמְרֹוּ הָאֶָרֶץ הַלֵּווּ הַנְּשַׁמְּּוֹה הָיְתָה כְּגַן־עֵדֶן וְהָעָרָים הָחֲרֵבֶוֹת וְהַנְשַׁמִּוֹת וְהַנֵּהַרָּסִוֹת בִּצוּרִוֹת יַשֵּׁבוּ:
- אָנֵי יְהוָה דְּבֵּרְתִּי וַעֲשֶׁיתִי: (ס) אָנֵי יְהוָה בְּנִיתִי הַנֶּהֶרְסוֹת נְמֻעְתִּי הַנְּשֵׁפָּׁת וְיָדְעַוּ הַגִּיתִי הַעָּהָרָסוֹת נְמֻעְתִּי הַנְּשֵׁפָּׁת
- בָּה אָמַר' אַדֹּנֵי יֶהוֹּה עוֹד וָאֹת אִדְּרֵשׁ לְבֵית־יִשְּׂרָאֵל לַעֲשִּׂוֹת לְהֶם אַרְבֶּה אֹתֶם בַּצֹּאן אָדֶם:
- בְּצָּאוֹ קְדָשִׁים בְּצָאוֹ יְרוּשָׁלַםׁ בְּמָוֹעֲדֶּיהָ בֵּן תִּהְנִינָה הֶעָרֵים הֶחֲרֵבׁוֹת מְלֵאִוֹת צָאוֹ אַדָם וְיַדְעִּוֹ בִּי־אָנֵי יִהוַה: (פֿ)

- Thus saith the Lord God: In the day that I cleanse you from all your iniquities, I will cause the cities to be inhabited, and the waste places shall be builded.
- And the land that was desolate shall be tilled, whereas it was a desolation in the sight of all that passed by.
- And they shall say: This land that was desolate is become like the garden of Eden; and the waste and desolate and ruined cities are fortified and inhabited.
- Then the nations that are left round about you shall know that I the LORD have builded the ruined places, and planted that which was desolate; I the LORD have spoken it, and I will do it.
- Thus saith the Lord God: I will yet for this be inquired of by the house of Israel, to do it for them; I will increase them with men like a flock.
- As the flock for sacrifice, as the flock of Jerusalem in her appointed seasons, so shall the waste cities be filled with flocks of men; and they shall know that I am the LORD.'

הפטרת פרשת החודש

The Maftir for Shabbat HaHodesh is Exodus 12:1 - 20. The Haftarah is Ezekiel 45:16 - 46:18.

XLV:16

ַכּל הָעָם הָאָָרֶץ יִהְיָוּ אֶל־הַתְּרוּמָה הַזָּאת לַנַּשִּיא בִּישִׂרָאֵל:

וְעַל־הַנְּשֵּׁיא יִהְיֶּה הָעוֹלְוֹת וְהַמִּנְחָה וְהַנֵּסֶךְ בַּחַגִּים וּבֶחֲדָשִׁים וּבַשַּׁבְּתוֹת בְּכֶל־מוֹעֲדֵי בֵּית יִשְׁרָאֵל הְוֹא־יַעֲשֶׁה אֶת־הַחַּמָּאת וְאֶת־הַמִּנְּחָה וְאֶת־הָעוֹלְה' וְאֶת־הַשְּׁלְמִים לְכַפֵּר בְּעַד בֵּית־יִשְׂרָאֵל: (۵)

בָּה־אָמַר בְּּלֶבְי יְהָוֹה בְּּרִאשׁוֹן בְּאֶחָר לַחָבֶשׁ תִּמָּח פַּר־בֶּן־בָּקֶר תִּמִים וְחִמֵּאתָ מָת־הַמִּקבַשׁ: All the people of the land shall give this offering for the prince in Israel.

And it shall be the prince's part to give the burnt-offerings, and the meal-offerings, and the drink-offerings, in the feasts, and in the new moons, and in the sabbaths, in all the appointed seasons of the house of Israel; he shall prepare the sin-offering, and the meal-offering, and the burnt-offering, and the peace-offerings, to make atonement for the house of Israel.

Thus saith the Lord God: In the first month, in the first day of the month, thou shalt take a young bullock without blemish; and thou shalt purify the sanctuary.

וְלָלֵח הַכּּהֵוְ מִדֵּם הַחַשָּׁאת וְנָתַן אֶל־מְזוּזַת הַבָּיִת וְאֶל־אַרְבָּע פִּנְּוֹת הָעֲזְרֶה לַמִּזְבֵּח וַעַּל־מִזוּזַת שַׁעַר הַחַצֵּר הַפִּנִימִית:

וְכֵן מִּצְשֶׁה בְּשִׁבְעָה בַחֹּדֶשׁ מֵאִישׁ שֹׁגֶה וּמָפֵּתִי וְכִפַּרָתֵּם אֶת־הַבֵּיִת:

בְּרָאשוֹן בְּאַרְבָּעָה עָשֶׂר יוֹם לַחְׁדֶשׁ יִהְיֶה לָכֵם הַפָּסַח חָג שִׁבִעוֹת יָמִים מַצִּוֹת יֵאָכֵל:

וְעֶשֶׂה הַנְּשִּׁיאֹ בַּיָוֹם הַהֹּוּא בַּעֲדֵּוֹ וּבְעַד כַּל־עֵם הַאָּרֵץ פֵּר חַשָּאת:

וְשִׁבְעַּת יְמֵי־הָחָוֹג יַעֲשֶׂה עוֹלֶה לַיהוָה שִׁבְעַת בְּיִם וְשִׁבְעַת אֵילֵים הְמִימִם לַיִּוֹם שׁבְעַת הַיָּמִים וְחַשֵּׁאת שִׁעִיר עַזִּים לִיּוֹם:

וּמִנְחָה אֵיפָה לַפֶּר וְאֵיפָה לָאִיל יִצְשֶׂה וִשֵּמֵן הֵין לָאִיפָה:

בַּשְּׁבִיעִי בָּחֲמִשָּׁה שְׁשָּׁר יְוֹם לַחְּדֶשׁ בֶּחְג יַצְשֶׁה כָאֵלֶה שִׁבְעַת הַיָּמֵים כַּחַשָּׁאת כָּעֹלֶה וִכַמִּנְחָה וִכַשְּׁמֵן: (ס)

כּה־אָמַר אֲדֹנֵי יֶהוֹח שַׁעַר הָחָצֵר הַפְּנִימִית הַפּּנָה קְדִים יִהְיָה סְגוּר שֵׁשֶׁת יְמֵי הָמַּעֲשֶׂה וּבְיָוֹם הַשַּבְּת יִפְּתֵׁח וּבְיִוֹם הַחָּדֵשׁ יִפָּתֵח:

וּבָא הַנְּשִּׁיא שֶּׁרֶךְ אוּלֶם הַשַּׁעַר מִחוּץ וְעָמֵד עַל־מְזוּזַת הַשַּׁעַר וְעָשֵּׁוּ הַכּּהְנִים אֶת־עִוֹלָתוֹ וְאֶת־שְׁלָמִיו וְהָשְׁתַחָנֶה עַל־מִפְתַן הַשַּׁעַר וְיָצָא וְהַשַּׁעַר לֹא־יִסְּגֵּר עַד-הַעַרב:

וְהִשְּׁתַחֲנֵוּ עַם־הָאָָרֶץ בֶּתַח הַשַּׁעַר הַהֹּוּא בַשַּבָּתִוֹת וּבָחַדָשִׁים לִפְנֵי יִהוֹה:

וְהָעֹלֶּה אֲשֶׁר־יַקְרָב הַנָּשָׂיא לַיהוְּהְ בְּיֵוֹם הַשַּבָּת שִׁשָּׁה כְבָשֵּׁים הְּמִימָם וְאַיִּל תְּמִים:

וּמִנְחָה' אֵיפָּה לָאַׁיִל וְלַכְּבָשֶׂים מִנְחָה מַתַּת יָרִוֹ וְשֶׁמֶן הֵין לָאֵיפָּה: (ס) And the priest shall take of the blood of the sin-offering, and put it upon the door-posts of the house, and upon the four corners of the settle of the altar, and upon the posts of the gate of the inner court.

And so thou shalt do on the seventh day of the month for every one that erreth, and for him that is simple; so shall ye make atonement for the house.

In the first month, in the fourteenth day of the month, ye shall have the passover; a feast of seven days; unleavened bread shall be eaten.

And upon that day shall the prince prepare for himself and for all the people of the land a bullock for a sin-offering.

And the seven days of the feast he shall prepare a
burnt-offering to the LORD, seven bullocks and seven
rams without blemish daily the seven days; and a
he-goat daily for a sin-offering.

And he shall prepare a meal-offering, an ephah for a bullock, and an ephah for a ram, and a hin of oil to an ephah.

In the seventh month, in the fifteenth day of the month, in the feast, shall he do the like the seven days; to the sin-offering as well as the burnt-offering, and the meal-offering as well as the oil.

Thus saith the Lord God: The gate of the inner court that looketh toward the east shall be shut the six working days; but on the sabbath day it shall be opened, and in the day of the new moon it shall be opened.

And the prince shall enter by the way of the porch of the gate without, and shall stand by the post of the gate, and the priests shall prepare his burnt-offering and his peace-offerings, and he shall worship at the threshold of the gate; then he shall go forth; but the gate shall not be shut until the evening.

Likewise the people of the land shall worship at the door of that gate before the LORD in the sabbaths and in the new moons.

And the burnt-offering that the prince shall offer unto the LORD shall be in the sabbath day six lambs without blemish and a ram without blemish;

and the meal-offering shall be an ephah for the ram, and the meal-offering for the lambs as he is able to give, and a hin of oil to an ephah.

וּבְנֵים הַחֹּדֶשׁ פָּר בֶּן־בָּקָר תְּמִימֵם וְשֵׁשֶׁת בַּבַשִּׁים וַאַל תִּמִימִם יָהָיוּ:

וְאֵיפָּה לַפָּר וְאֵיפֶה לְאַיִל' יַצְשֶׂה מִנְחָה וְלַבְּבְשִּׁים כַּאֲשֶׁר תַּשֶּׂיג יָדֵוֹ וְשֶׁמֶן הָין לָאֵיפָה:

וּבְבוֹא הַנְּשִׂיא דֶּרֶדְ אוּלְם הַשַּׁעַר' יָבֿוֹא וּבדרכּוֹ יצא:

וּבְבׄוֹא עַם־הָאָׁרֶץ לִּפְנֵי יְהוָה` בַּמּוֹעֲדִים הַבָּא דֶּרֶךְ־שַּׁעַר צָפִוֹן לְהְשְׁתַּחְוֹת יֵצֵא דֶּרֶךְ־שַׁעַר נָגֶב וְהַבָּא דֶּרֶךְ־שַׁעַר נָגֶב יֵצֵא דֶּרֶךְ־שַׁעַר נָגֶב וְהַבָּא דֶּרֶךְ־שַׁעַר נָגֶב יֵצֵא אֵשֶׁר־בָּא בֹוֹ כִּי נִכְחָוֹ (כ׳ יִצאוֹ)|ק׳ יֵצֵא]:

וְהַנְּשָׂיא בְּתוֹכֶם בְּבוֹאָם ׁ יָבוֹא וּבְצֵאתֶם ׁ יצאוּ:

ּנְבַחַגִּים וּבַמּוֹעֲדִים תִּהְיֶה הַמִּנְחָה אֵיפֶּה לַפָּר וְאֵיפָּה לְאַיִל וְלַכְּכָשִים מַתַּת יְדִוֹ וִשֵּׁמֵן הֵין לָאֵיפָה: (פ)

וְבִי־יַעֲשֶׁה הַנְּשָּׁיא נְדָבְה עוֹלְה אוֹ־שְׁלְמִים ׁ נְדְבָה לַיהוָה וּפְּתָח לוֹ אֶת־הַשַּׁעַר הַפּּגָה לָדִים וְעִשְּה אֶת־עִלְתוֹ וְאֶת־שְׁלְמִיו כַּאֲשֶׁר יַעֲשֶׂה בְּיָוֹם הַשַּׁבָּת וְיָצֵא וְסָגַר אֶת־הַשְּׁעַר אַחָרֵי צֵאתוֹ:

וְלֶבֶשׁ בֶּן־שְׁנָתוֹ תְּמִים תַּצְשֶׂה עוֹלֶה לַיִּוֹם לַיהוֹוָה בַּבָּקֶר בַּבָּקֶר תַּצְשֵׂה אֹתוֹ:

וּמִנְחָה תַּצְשֶּׁה עְלֵּיו בַּכְּּמֶר בַּבּּמֶּר שָׁשִּית הָאֵיפָּה וְשֶׁמֶן שְׁלִישִּׁית הַהָּין לְרַס אֶת־הַסָּלֶת מִנְחָה לַיהוָּה חֶקּוֹת עוֹלֶם הַּמֵיר:

(כ׳ ועשו)[ק׳ יַצְשׁׁוּ] אֶת־הַבֶּּבֶשׁ וְאֶת־הַמִּנְחָה וְאֶת־הַשֶּׁמֶן בַּבְּקֶר בַּבְּקֶר עוֹלַת תְּמֵיד: (ס) And in the day of the new moon it shall be a young bullock without blemish; and six lambs, and a ram; they shall be without blemish;

and he shall prepare a meal-offering, an ephah for the bullock, and an ephah for the ram, and for the lambs according as his means suffice, and a hin of oil to an ephah.

And when the prince shall enter, he shall go in by the way of the porch of the gate, and he shall go forth by the way thereof.

But when the people of the land shall come before the LORD in the appointed seasons, he that entereth by the way of the north gate to worship shall go forth by the way of the south gate; and he that entereth by the way of the south gate shall go forth by the way of the north gate; he shall not return by the way of the gate whereby he came in, but shall go forth straight before him.

And the prince, when they go in, shall go in in the midst of them; and when they go forth, they shall go forth together.

And in the feasts and in the appointed seasons the meal-offering shall be an ephah for a bullock, and an ephah for a ram, and for the lambs as he is able to give, and a hin of oil to an ephah.

And when the prince shall prepare a freewill-offering, a burnt-offering or peace-offerings as a freewill-offering unto the LORD, one shall open for him the gate that looketh toward the east, and he shall prepare his burnt-offering and his peace-offerings, as he doth on the sabbath day; then he shall go forth; and after his going forth one shall shut the gate.

And thou shalt prepare a lamb of the first year without blemish for a burnt-offering unto the LORD daily; morning by morning shalt thou prepare it.

And thou shalt prepare a meal-offering with it morning by morning, the sixth part of an ephah, and the third part of a hin of oil, to moisten the fine flour: a meal-offering unto the LORD continually by a perpetual ordinance.

Thus shall they prepare the lamb, and the meal-offering, and the oil, morning by morning, for a continual burnt-offering.

- כַּת־אָמַׁר אֲדֹנֵי יֶתּוֹּת כִּי־יִמֵּן הַנְּשֵּׂיא מַתְּנְתֹּ לְאַישׁ מִבָּנִיו נִחֲלָתִוֹ הָיא לְבָנֵיו תְּהְיֶת אָחָזָתֵם הָיא בְּנַחֲלֶה: (ס)
- וְבֶי־יִמֵּן מַתְּּנָה מִנַּחֲלָתוֹ לְאַחַד מֵעְבָּדְיוּ וְהֵיְתָה לֹוֹ עַד־שְׁנַת הַדְּרֹוֹר וְשְׁבָת לַנְּשִׁיא אַך נַחֲלָתוֹ בָּנִיו לְהֵם תִּהְיֵה:
- וְלֹא־יִפֶּׁח הַנְּשִּׁיא מִנַּחֲלֵת הָעָׁם לְהְוֹנֹתְם' מֵאֲחָזָּתָם מֵאֲחָזָתִוֹ יַנְחֵל אֶת־בָּנְגִיו לְמַעַן אֵשֵׁר לֹא־יָבָּצוּ עַמִּׁי אִישׁ מֵאֵחַזָּתִוֹ:

- Thus saith the Lord God: If the prince give a gift unto any of his sons, it is his inheritance, it shall belong to his sons; it is their possession by inheritance.
- But if he give of his inheritance a gift to one of his servants, it shall be his to the year of liberty; then it shall return to the prince; but as for his inheritance, it shall be for his sons.
- Moreover the prince shall not take of the people's inheritance, to thrust them wrongfully out of their possession; he shall give inheritance to his sons out of his own possession; that My people be not scattered every man from his possession.'